वृहत् पर्यायवाची कोष

●

संग्रहकर्ता तथा संपादक
भोलानाथ तिवारी
एम० ए०, साहित्य रत्न

किताब महल • इलाहाबाद

प्रथम संस्करण, १९५४

प्रकाशक :—किताब महल ५६ ए, जीरोरोड इलाहाबाद ।
मुद्रक :—छदलराम जायसवाल, शर्माप्रिंटिंग प्रेस, इलाहाबाद ।

श्रद्धेय गुरुवर

डॉ० माता प्रसाद गुप्त

को

सादर

अवतरणिका

भाषा संबंधी लेखों और पुस्तकों के लिखने के सिलसिले में स्वभावतः मेरा ध्यान शब्दों की ओर गया और तभी से मैंने पर्यायों को इकट्ठा करना प्रारंभ किया था। आरंभ में ये पर्याय केवल शब्दों के अध्ययन की दृष्टि से एकत्र किये गए थे पर बाद में एक वयोवृद्ध सज्जन के आदेशानुसार मैं अपनी सामग्री को एक पर्याय कोष का रूप देने के प्रयास में लग गया। पर, काम इतना बिखरा और अधिक था और कुछ परिस्थितियों वश मैं उधर इतना कम समय दे सका कि निर्धारित से दूने समय में भी कार्य समाप्त न हो सका। अतः स्वभावतः उक्त सज्जन के साथ हुआ निर्णय समाप्त हो गया और फिर चूँकि पर्याय कोष का कार्य शुरू हो चुका था, मैंने धीरे-धीरे इसे पूरा किया। संतोष और प्रसन्नता है कि अब यह छपकर हिंदी पाठकों के सामने आ रहा है।

यह कार्य हर दृष्टियों से पूर्ण हो ऐसी बात नहीं है। हिंदी में इसके पूर्व उल्लेख्य पर्याय कोष केवल एक ही प्रकाशित हुआ है और वह भी अधिकांशतः संस्कृत शब्दों का। संस्कृत पर्यायों के साथ हिंदी शब्दों को भी यथासंभव समेट लेने का इस पुस्तक में प्रथम प्रयास है। साथ ही इसमें पर्याय के अतिरिक्त विलोम भी प्रायः काफी स्थलों पर दे दिये गए हैं जिससे यह थेसारस की श्रेणी में आ जाता है। इस प्रकार यथार्थतः हिंदी का यह प्रथम थेसारस है। ऐसी दशा में पूर्ण और वैज्ञानिक बनना तो दूर रहा, यदि अपने क्षेत्र में यह नींव के पत्थर का भी काम कर सका तो मुझे पूर्ण संतोष होगा।

पुस्तक के विषय और **प्रयोग करने के नियमों के लिए आगे के 'यह पुस्तक' शीर्षक की सामग्री देखिए।**

पर्यायों के एकत्र करने, प्रेस कापी तैयार करने, अनुक्रमणी बनाने तथा प्रूफ देखने में भाई मुक्तेश्वर राय एम० ए०, साहित्यरत्न तथा श्रीप्रकाश ने बड़ी सहायता की है। श्री विलास, श्री निवास, हनुमान प्रसाद तथा महावीर प्रसाद गौतम आदि ने भी कम हाथ नहीं बँटाया है।

पुस्तक में, विशेषतः अनुक्रमणी भाग में प्रूफ संबंधी अशुद्धियाँ रह गई हैं तथा कहीं-कहीं कुछ शब्द भी छूट गए हैं, जिनके लिए लेखक क्षमा प्रार्थी है। शुद्धि-पत्र इसलिए नहीं दिया जा रहा है कि कुछ अपवादों को छोड़कर प्रायः लोग उसका उपयोग नहीं करते, अतः देना-न देना बराबर हो जाता है। पुस्तक में कुछ क्रम-संबंधी अव्यवस्थाएँ तथा पुनरावृत्तियाँ भी हैं जिन्हें दूसरे संस्करण में ठीक कर दिया जायगा।

पुस्तक के लिखने में संस्कृत के प्रसिद्ध कोष अमर, हलायुध, मेदिनी तथा हिंदी के नाम-माला, विश्वकोष, हिंदी-शब्द-सागर एवं पर्याय-कोष आदि से बड़ी सहायता मिली है, यद्यपि अधिकतर प्रचलित हिंदी पर्यायों को सोच-सोच कर अपने स्मरण के आधार पर ही एकत्र करना पड़ा है।

सुझावों और सम्मतियों के लिए अनुगृहीत हूँगा।

२ जनवरी १९५४
हिन्दुस्तानी एकेडेमी
इलाहाबाद

भोलानाथ तिवारी

यह पुस्तक

आजकल प्रायः कोशों में शब्द ध्वनि या अक्षर-क्रम से रक्खे रहते हैं। ऐसे कोशों में शब्दों को खोजने में आसानी रहती है। पर साथ ही ऐसे कोशों की भी उपयोगिता कम नहीं है, जिनमें अक्षर-क्रम में शब्द न रक्खे जाकर वर्गों में पर्याय रूप में रक्खे जाते हैं। संस्कृत के पुराने कोशों में यही परंपरा मिलती है। अंग्रेजी में आजकल इस प्रकार के कोश 'थेसारस' कहे जाते हैं। थेसारसों में पर्याय के अतिरिक्त विलोम शब्द भी दिये रहते हैं।

सामान्य कोशों और थेसारस या पर्याय कोशों के प्रयोग में बहुत अंतर है। जब हमारे सामने कोई ऐसा शब्द आ जाता है जिसका अर्थ हम नहीं जानते या जिसके अर्थ के संबंध में हमें निश्चय नहीं रहता तो हम सामान्य कोशों की सहायता लेते हैं, पर दूसरी ओर जब हमारे हृदय में कोई भाव उठता है और उसकी अभिव्यक्ति के लिए हमें उचित और सटीक शब्द की आवश्यकता पड़ती है तो हम थेसारस या पर्याय कोश की सहायता लेते हैं। इस प्रकार कवियों और लेखकों के लिए थेसारस या पर्याय कोश अपरिहार्य है। विद्यार्थियों के लिए भी लेखन कार्य की दृष्टि से इसके महत्त्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता।

प्रस्तुत कोश प्रचलित पर्याय कोशों से इस बात में भिन्न और आगे है कि इसमें यथासाध्य विलोम शब्द देने का भी प्रयास है। विलोम दो ढंग से दिये गए हैं। कहीं-कहीं तो शब्द के आस-पास ही दो-चार शब्द आगे या पीछे दे दिये गए हैं और कहीं शब्दों के पर्याय देने के बाद 'वि०' या 'विलोम' लिखकर विलोम शब्द दे दिया गया है। ऐसी स्थिति में विलोम शब्द को अनुक्रमणी के आधार पर मूल पुस्तक में अन्यत्र उसके पर्यायों के साथ खोजा जा सकता है।

ग्रंथ तीन भागों में विभक्त है। प्रथम भाग पृष्ठ १ से २४८ तक मूल पुस्तक है जिसमें ६ वर्गों में शब्दों के पर्याय (वर्णानुक्रम से) और यथास्थान विलोम शब्द दिये गए हैं। दूसरे भाग में अनुक्रमणी है। पहले मूल पुस्तक में आये सभी शब्दों को अनुक्रमणी में स्थान दिया गया था, पर यह देखकर कि पुस्तक अनावश्यक रूप से बड़ी हो गई, अप्रचलित शब्द अनुक्रमणी से निकाल दिये गए। ऐसा करने से पुस्तक की उपयोगिता में कोई भी कमी नहीं आई है और साथ ही आकार में यह प्रायः आधी की जा सकी है। अनुक्रमणी में न दिये गए शब्दों के विषय में कुछ और बातें बता देनी भी आवश्यक है। अनुक्रमणी का उपयोग यह है कि जब किसी को किसी शब्द के पर्याय या विलोम

शब्द ज्ञात करने की आवश्यकता होगी तो वह उस शब्द को अनुक्रमणी में देखेगा और फिर उसके आधार पर मूल पुस्तक में उसके पर्याय या विलोम ढूँढेगा। अतः ऐसी अवस्था में प्रायः प्रचलित शब्द ही अनुक्रमणी में लोग देखेंगे। उदाहरण के लिए 'घोड़ा' शब्द लीजिए। प्रस्तुत कोष में 'घोड़े' के ६० से ऊपर पर्याय दिये हैं जिनमें घोड़ा, अश्व, घोटक, तुरंग, बाजी, सैंधव तथा हय आदि प्रचलित शब्दों के अतिरिक्त प्राय ५० शब्द ऐसे हैं जिन्हें सामान्यतया लोग नहीं जानते। ऐसी स्थिति में उन ५० शब्दों को अनुक्रमणी में स्थान देना निरर्थक था। जिसे घोड़े के पर्याय की आवश्यकता होगी वह अनुक्रमणी मे घोड़ा, अश्व, घोटक, तुरग, बाजी, सैंधव या हय आदि प्रचलित शब्दों को देखेगा और उसी के आधार पर पर्याय शब्द खोजेगा। घोड़े के अप्रचलित पर्यायों—'कोकाह', 'गियाह', 'प्रोर्थी', 'वातायन' या 'ह' आदि—को अनुक्रमणी मे कोई भी नहीं खोजेगा। इसलिए इस प्रकार के अप्रचलित शब्दों को अनुक्रमणी मे देना अनावश्यक विस्तार था अत: जान-बूझ कर उन्हें छोड़ दिया गया है।

पुस्तक का तीसरा भाग परिशिष्ट है जिसके 'क' और 'ख' दो विभाग हैं। 'क' विभाग में मूल पुस्तक के छूटे शब्दों के पर्याय तथा यथावश्यक विलोम दिये गए हैं। 'ख' विभाग में अनुक्रमणी में छूटे हुए आवश्यक शब्द दे दिये गए हैं। इस प्रकार परिशिष्ट 'क' मूल पुस्तक का पूरक है और परिशिष्ट 'ख' अनुक्रमणी का।

मूल पुस्तक की विस्तृत रूप रेखा

पुस्तक में पर्याय या विलोम कैसे देखें ?

क. पर्याय देखने के सम्बन्ध में—जिस शब्द का पर्याय देखना हो उसे पहले अनुक्रमणी में देखें। अनुक्रमणी में शब्द सामान्य कोशों की भाँति अक्षर-क्रम से रखे गए हैं। शब्द के आगे 'क' से 'झ' तक के अक्षरों में कोई अक्षर और फिर

उसके आगे कोई अंक मिलेगा। अक्षर जैसा कि ऊपर विस्तृत रूप-रेखा में स्पष्ट किया गया है, वर्गों के निर्देशक हैं । जो अक्षर हो मूल पुस्तक में वह वर्ग निकाल ले और फिर उस वर्ग में अक्षर के आगे लिखा अंक निकालें। उसी अंक पर उस शब्द के पर्यायवाची शब्द मिलेंगे । अनुक्रमणी में कुछ शब्दों के आगे कई वर्गों के अक्षर और अंक अलग-अलग लिखे मिलेंगे । इसका अर्थ यह है कि वह शब्द कई शब्दों का पर्याय है और ऐसी स्थिति में उन सभी स्थानों पर इच्छित पर्यायों के पाने के लिए कोष उलटना होगा। अनुक्रमणी में यदि किसी शब्द के आगे दे० (देखिए) और कोई शब्द लिखा है तो वह शब्द अनुक्रमणी में निकालना होगा और उस आधार पर फिर मूल पुस्तक में देखना होगा।

यदि किसी भाव के लिए आपको उचित शब्द देखना हो तो उसके लिए कोई भी शब्द जो आप के दिमाग में उस भाव से मिलता-जुलता आवे, अनुक्रमणी में देखिए और फिर उसे मूल पुस्तक में देखिए । मूल पुस्तक में उस शब्द के पर्यायों में या उसके दो-चार अंक नीचे या ऊपर आपके लिए उचित शब्द मिल जायगा।

ख. विलोम शब्द देखने के सम्बन्ध में—विलोम के संबंध में एक बात का ध्यान रखना चाहिए कि सभी शब्दों के विलोम नहीं होते। उदाहरण के लिए अंधकार का विलोम प्रकाश होगा पर यदि कोई 'कलम' का विलोम देखना चाहे तो उसे निराश होना पड़ेगा। यों किसी शब्द का विलोम देखने के लिए पहले उस शब्द को अनुक्रमणी में देख कर मूल पुस्तक में उसे निकालिए । वहाँ पहले आप चार-पाँच अंक ऊपर या नीचे देखिए। बहुत संभव है, आपके शब्द के ठीक पहले या बाद के अंक पर या चार-पाँच अंक आगे-पीछे उसका विलोम तथा उस विलोम के पर्याय मिल जायँ या यदि इन स्थलों पर न मिलें तो मूल शब्द के पर्यायों को देने के बाद उसी या दूसरी पंक्ति में 'वि०' (जो विलोम का संक्षेप है) या 'विलोम' लिखा मिलेगा और उसके आगे लिखा शब्द विलोम शब्द होगा। ऐसी दशा में यदि आप विलोम का पर्याय देखना चाहें तो उस विलोम शब्द को अनुक्रमणी में देखकर फिर मूल पुस्तक में उसका पर्याय पा सकते हैं।

कभी-कभी लिखते समय ऐसा भी होता है कि अपने किसी भाव के लिए शब्द नहीं मिलता और साथ ही उस भाव के लिए उस भाव के समीप का भी कोई शब्द नहीं मिलता। ऐसी अवस्था में उस भाव के विरोधी भाव के लिए आपके पास यदि कोई शब्द हो तो उसका विलोम प्रस्तुत कोष में निकाल कर आप अपना उचित शब्द पा सकते हैं।

पुस्तक में प्रयुक्त संक्षेप

दे० = देखिए । 'दे०' के बाद यदि कोई शब्द है तो उसका अर्थ यह है कि उस

शब्द को अनुक्रमणी में देखिए या अनुक्रमणी के आधार पर मूल पुस्तक में देखिए; किंतु यदि वहाँ परिशिष्ट का उल्लेख है तो परिशिष्ट देखिए।

वि = विलोम

पर्यायवाची शब्द और उनके चयन की कसौटी

पर्याय या पर्यायवाची शब्दों को प्रायः लोग बिलकुल एक अर्थ वाले शब्द समझते हैं, पर यथार्थतः पर्याय मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्दों को कहते हैं। 'राधा-रमण' और 'कंसनिकंदन' दोनों एक दूसरे के पर्याय हैं पर इनका अर्थ बिलकुल एक नहीं है। प्रयोग की दृष्टि से दोनों का एक स्थान पर प्रयोग नहीं हो सकता। उदाहरण के लिए 'हे राधारमण! उस दुष्ट से मेरी रक्षा करो' कहने की अपेक्षा 'हे कंसनिकंदन उस दुष्ट से मेरी रक्षा करो' कहना अधिक उपयुक्त होगा। रक्षा करने के प्रसंग में 'रमण करने वाले कृष्ण' की अपेक्षा 'कंस के मारने वाले कृष्ण' को पुकारना अधिक समीचीन है। इसी प्रकार अन्य शब्दों के संबंध में भी देखा जा सकता है।

यहाँ शब्द के यथार्थ अर्थ पर ध्यान देने से अंतर मालूम हुआ। कुछ पर्याय ऐसे भी होते हैं जिनमें अंतर इस प्रकार नहीं ज्ञात किया जा सकता। उदाहरण के लिए 'जलज' और 'नीरज' दो शब्द लें। दोनों का ही अर्थ पानी से जन्मने वाला अर्थात् 'कमल' है पर इन दोनों में भी इनकी ध्वनि को देखते हुए अंतर किया जा सकता है। 'जलज' अपेक्षाकृत अधिक कोमल, पारदर्शी और प्रिय ज्ञात होता है; नीरज में 'न' अक्षर ने इसकी कोमलता और पारदर्शिता नष्ट कर दी है। श्री सुमित्रा नंदन पंत ने पल्लव की भूमिका में कुछ शब्दों के पर्यायों को लेकर इस दृष्टि से बड़ा सुंदर विवेचन किया है। यहाँ उसे देख लेना अन्यथा न होगा—

"भिन्न-भिन्न पर्यायवाची शब्द, प्रायः संगीत-भेद के कारण, एक ही पदार्थ के भिन्न भिन्न स्वरूपों को प्रकट करते हैं। जैसे, 'भ्रू' से क्रोध की वक्रता, 'भृकुटि' से कटाक्ष की चञ्चलता, 'भौंहों' से स्वाभाविक प्रसन्नता, ऋजुता का हृदय में अनुभव होता है; ऐसे ही 'हिलोर' में उठान, 'लहर' में सलिल के वक्षःस्थल की कोमल-कम्पन, 'तरङ्ग' में लहरों के समूह का एक दूसरे को धकेलना, उठ कर गिर पड़ना, 'बढ़ो-बढ़ो' कहने का शब्द मिलता है; 'वीचि' से जैसे किरणों में चमकती, हवा के पलने में हौले-हौले झूलती हुई हँसमुख लहरियों का, 'ऊर्मि' से मधुर मुखरित हिलोरों का, हिल्लोल-कल्लोल से ऊँची बाँहें उठाती हुई उत्पात-पूर्ण तरंगों का आभास मिलता है। 'पङ्ख' शब्द में केवल फड़क ही मिलती है, उड़ान के लिए भारी लगता है; जैसे किसी ने पक्षी के पंखों में शीशे का टुकड़ा बाँध दिया हो, वह छटपटा कर बार-बार नीचे गिर पड़ता हो; अंगरेजी का 'wing' कैसे उड़ान का जीता-जागता चित्र है। उसी तरह

'touch' में जो छूने की कोमलता है, वह "स्पर्श" में नहीं मिलती। "स्पर्श", जैसे प्रेमिका के अंगों का अचानक स्पर्श पाकर हृदय में जो रोमांच हो उठता है, उसका चित्र है; ब्रज-भाषा के 'परस' में छूने की कोमलता अधिक विद्यमान है; 'joy' से जिस प्रकार मुँह भर जाता है, 'हर्ष' से उसी प्रकार आनन्द का विद्युत-स्फुरण प्रकट होता है। अँगरेजी के 'air' में एक प्रकार की transparancy मिलती है, मानो इसके द्वारा दूसरी ओर की वस्तु दिखाई पड़ती हो, 'अनिल' से एक प्रकार की कोमल शीतलता का अनुभव होता है, जैसे खस की टट्टी से छन कर आ रही हो, 'वायु' में निर्मलता तो है ही, लचीलापन भी है, यह शब्द रबर के फीते की तरह खिच कर फिर अपने ही स्थान पर आ जाता है, 'प्रभञ्जन' 'wind' की तरह शब्द करता, बालू के कण और पत्तों को उड़ाता हुआ बहता है, 'श्वसन' की सनसनाहट छिप नहीं सकती, 'पवन' शब्द मुझे ऐसा लगता है जैसे हवा रुक गई हो, । 'प' और 'न' की दीवारों में घिर सा उठता है 'समीर' लहराता हुआ बहता है।"

यहाँ संगीत से पंत जी का आशय वही शब्द-ध्वनि है। कविता के लिए इस ध्वनि या संगीत की आवश्यकता के विषय में आगे पंत जी लिखते हैं—

"कविता के लिए चित्र-भाषा की आवश्यकता पड़ती है, उसके शब्द सस्वर होने चाहिए, जो बोलते हों; सेव की तरह जिनके रस की मधुर-लालिमा भीतर न समा सकने के कारण बाहर झलक पड़े।"[१]

पंत जी ने यह विचार कविता की दृष्टि से किया है। पर यह बात केवल कविता तक ही नहीं सीमित होनी चाहिए। गद्यकार भी यदि इस प्रकार शब्दों के परखने का ध्यान रक्खे तो उसका गद्य अधिक सुंदर हो सकता है। उर्दू के हास्यरसावतार कथाकार श्री अज़ीम बेग चग़ताई ने 'थप्पड़' के एक पर्याय को अपनी एक कहानी में प्रयुक्त करने के पूर्व उसके पर्यायों की ध्वनि का विश्लेषण किया है। वह मनोरंजक विश्लेषण भी पर्यायों की आत्मा और ध्वनि की परख के लिए यहाँ अंगुलि निर्देश कर सकता है—

"पञ्जाब से दक्खिन तक अगर हाथ को किसी के गाल पर मारा जाय या गाल किसी के हाथ पर मारा जाय, तो कहा जाता है कि 'चाँटा मारा' या 'चाँटा पड़ा'। 'चाँटे' का शब्द बहुत प्रचलित है। 'थप्पड़' भी प्रचलित है, लेकिन इन शब्दों के पर्यायवाची जितने भी शब्द युक्तप्रांत या दूसरे प्रान्तों में बोले और इस्तेमाल किये जाते हैं, उनके उच्चारण की साइकालोजी (मनोवृत्ति) पर ग़ौर करने से पता चलता है कि चाँटे के अगणित भेद हो सकते हैं। लोगों ने आवाज के मुताबिक अलग-अलग नाम भी रख लिये हैं। 'चाँटा' वह है, जो गुस्से में किसी के गाल पर रसीद किया जाता

१. सु० नं० पंत : गद्यपथ, १९५३, प्रयाग, पृष्ठ १७—१८

है। इसके उच्चारण से ही इसकी ध्वनि-व्यञ्जना प्रकट हो जाती है। यानी यह ज़रूरी है कि चाँटा आवाज़ के साथ उतरे। इस आवाज़ में एक चटाखे की आवाज़ भी छिपी हुई है। 'थप्पड़' कभी चाँटे की बराबरी या चाँटे के सदृश अर्थवाची नहीं हो सकता, क्योंकि थप्पड़ में चटाखे की आवाज़—वह आवाज़ जिसका ताल्लुक़ सिर्फ़ उँगलियों से ही है—नहीं निकलती। थप्पड़ में अगरचे गाल पर हाथ की उँगलियों के अलावा हथेली का भी कुछ हिस्सा पड़ जाता है, जो आवाज़ की कमनीयता को खो देता है, लेकिन चोट अवश्य ही करारी लगती है। गाल पर एक थप्पड़ में उँगलियों के निशान पड़ना मुमकिन नहीं है, अतः प्रकट है कि थप्पड़ और चाँटे में ज़मीन-आसमान का फ़र्क़ है। चाँटे के जोड़ का शब्द तमाँचा है; मगर उसमें भी वह तेज़ी नहीं, जो चाँटे में है। इसके अलावा तमाँचा बराबर वालों में इस्तेमाल नहीं होता। आम तौर से यह बड़ों की ओर से छोटों के लिए ही 'रिज़र्व' रखा जाता है। थप्पड़ को कहीं-कहीं लप्पड़[1] भी कहते हैं, परन्तु यह शब्द प्रवाहयुक्त नहीं है, मगर क्या किया जाय, जहाँ पर मजबूरी यह हो कि एक तरफ़ तो गाल किसी मोटे आदमी का हो, तो दूसरी ओर हाथ भी मौलाना शौकत अली का, जिसमें चरबी की अधिकता ने सुस्ती पैदा कर दी हो। मतलब यह कि इसी किस्म के और भी कितने शब्द हैं। इन्हीं शब्दों में से एक बहुत ही भारी और चलता हुआ शब्द है 'झपाटा'। युक्तप्रान्त से इतर शायद भूपाल की तरफ़ बोला जाता है। इस झपाटे में बिजली की सी गति और हद दर्जे की तेज़ी मौजूद है। इसकी प्रचण्डता वर्णन से बाहर है। असल में यह चाँटा ही है, मगर बेहद तेज़ किस्म का। अपनी तेज़ी और प्रचण्डता के कारण चाँटे और तमाँचे की चटाख़ेदार आवाज़ विशेषकर 'झपाटे' का झन्नाटा अपना आतंक उत्पन्न कर देता है। इसलिए 'झपाटा' वह चाँटा है, जिसमें चाँटे की सारी ख़तरनाक मारकरी और उम्दगियाँ मौजूद हों और उनके अलावा बिजली की सी तेज़ी भी हो।"[2]

इस प्रकार पर्यायवाची शब्दों में अर्थ और ध्वनि का इन दो आधारों को लेकर भेद किया जा सकता है। और यह निश्चय किया जा सकता है कि कई पर्यायों में कोई एक ही किसी विशेष स्थल पर प्रयोग के योग्य है।

यहाँ एक कवि और एक गद्यकार ने जो कुछ कहा है उसे अपनी दृष्टि के सामने रखते हुए यह कहना अन्यथा न होगा कि लिखने के पूर्व अपनी भावना को व्यक्त करने वाले प्रधान शब्दों के पर्यायों पर यदि एक बार दृष्टि डाल ली जाय तो हम अपने भावों

---

१. पञ्जाबी में थप्पड़ को 'लप्पड़' कहते हैं, और पञ्जाबी थप्पड़ को लप्पड़ समझना बिलकुल ही ठीक है!

२. मि० अ० चग़ताई : चग़ताई की कहानियाँ, १६४१, प्रयाग, पृष्ठ ५—७

के प्रति अधिक न्याय कर सकते हैं। पर इसका यह अर्थ कदापि नहीं कि हम [illegible] कोष लादे फिरें और हर वाक्य के हर शब्द के लिए उसे उलटें। इस प्रकार का ध्यान मात्र रखने से और कभी-कभी कुछ सोच लेने से उचित शब्द के चयन का हम अभ्यास बढ़ा सकते हैं और इससे अपनी अभिव्यंजना में शक्ति और सौंदर्य ला सकते हैं।

— ●○ —

१. धर्म—ईमान, दीन, धरम, पथ, मज़हब मत, सम्प्रदाय।

२. धार्मिक—धर्मसंबंधी, मज़हबी, साम्प्रदायिक, ईमानी।

३. कुछ प्रधान धर्म—ईसाई, जैन, पारसी, बौद्ध, मुसलमान यहूदी सिक्ख, हिन्दू।

४. हिन्दू—आर्य, वैदिक, हिंदुस्तानी।

५. हिंदू धर्म के प्रधान सम्प्रदाय—आर्यसमाजी, चार्वाक, वैष्णव, शाक्त, शैव।

६. चार्वाक—अनीश्वरवादी, नास्तिक, निरीश्वरवादी।

७. वैष्णव—भागवत, विष्णुपासक, स्मार्त।

८. वैष्णव धर्म की दो शाखाएँ—राम शाखा, कृष्ण या वसुदेव शाखा।

९. शाक्त—साकत।

१०. शैव—शिवालवी।

११ शैव धर्म की ४ शाखाएँ—कापालिक, कालामुख, पाशुपत, शैव।

११. अ. धर्म (शुभकर्म)—दानपुण्य, धरम, नियम नेम, नेमधरम, पुण्य, पुन, पुन्य, सदाचार, सवाब, सुकर्म, सुकृत।

विशेष—ईमान, मज़हब और मत, संस्थात्मक धर्म के लिए प्रयुक्त होते हैं, जैसे, हिंदू धर्म या हिंदू मज़हब।

विलोम—दे० 'पाप'।

१२ धर्माडंबर—अंधविश्वास, आडंबर, ढोंग, पोपलीला, पोपपंथी।

१३ धर्मशील (यथार्थ)—धरमी, धर्मप्रकृति, धर्मप्रिय, धर्मभक्त, धर्मात्मा, धर्मधुरीण, धर्मी, धार्मिक, पुण्यश्लोक, सदाचारी, सुकर्मी, सुकृती।

१४ धर्मशील (पाखंडी)—अंधविश्वासी, आडंबरी, ढोंगी, धर्मध्वजी, पोपपंथी।

१५. धर्म करना—आचरण में रहना, ईमान बरतना रास्ते पर चलना। 'धर्म' के पर्यायों में 'करना' जोड़ कर और भी पर्याय बनाये जा सकते हैं।

१६. धर्माध्यक्ष—अक्षपाटक।

१७. पंडित—आचार्य, कविराज, कवीन्द्र, कलाश, कोविद, ज्ञ, ज्ञानी, दूरदर्शी, धीमान् प्राज्ञ, मनीषी, विचक्षण, विज्ञ, विद्वान, श्रोत्रिय, सत्, सुजान, सुध, सुधी, सूरि।

१८. धर्म के १० लक्षण—अक्रोध,

अस्तेय, इंद्रियनिग्रह, क्षमा, दम, धृति, बुद्धि, विद्या, शुचि, सत्य।

१६. मन्दिर—आयतन, चत्रक, चौर, ठाकुरद्वारा, ठाकुरबाड़ी, देवगृह, देवथान, देवमंदिर, देवल, देवस्थान, देवालय, थान, देहरा, प्रासाद, ब्रह्मस्थान, पूर्त, मंदिल, विच्छुदंक, विच्छर्दक, विबुधावास, शिवालय, शिवाला, सतिवढ़, सुरभवन, सुरालय, स्थान।

२०. परिक्रमा—घुमाई, चक्कर, चक्र, फेरी, भाँवर।

२१. परिक्रमा करना—परकमा देना, भाँवर डालना, भाँवर फेरना।

२२. मूर्त्ति—आकार, आकृति, प्रतिमा, प्रतिमूर्त्ति, प्रतिबिंब, प्रतिरूप, बुत, मूरत, मूरति, विग्रह, सूरति।

२३. मूर्ति-स्थापना—प्रतिष्ठा, प्रतिष्ठान, प्रतिष्ठापना, स्थापना।

२४. मूर्तिपूजा—प्रतिमापूजन, प्रतिमापूजा, बुतपरस्ती, सगुण पूजा।

२५. मूर्तिपूजक—बुतपरस्त, पुजारी।

२६. पूजा—अरचना, अरहना, आराधना, अर्चन, अर्चना, अर्चा, अर्हत, अर्हन, अवराधन, अस्तुति, आचमन, आदर, आराधन, आरती, आराधना, इबादत, इज्या, उपासना, परिचर्या, परिसेवन, पूजन, परिवस्या, शुश्रूषा, सेवना, सेवा।

२७. पूजा करना—अर्चन करना, अर्चना करना, आराधना करना, इबादत करना, धूप-दीप करना, परिसेवना, पुजैया करना, पूजन करना, पूजना, सेवना।

२८. पूजा हुआ—अर्चित, आराधित, ईजित, पूजित।

२६. पूज्य—अर्चनीय, आदरणीय, इज्य, ईज्य, उपासनीय, उपास्य, परमपूज्य, परमेज्य, पूज्य, पूज्यनीय, सम्मानीय, सम्मान्य।

३०. पूजा के सामान—अक्षत, चंदन, फूल, पत्र, धूप, दीप।

३१. अक्षत—अच्छत।

३२. होरसा (चंदन रगड़ने का)—चकता, चकला, चौका, चौकी, होरिसा।

३३. धूप—अगियारी, दसाँग।

३४. धूपबत्ती—अगरबत्ती, सुगंधवर्तिका।

३५. आरती—दीप, दीया, फुलबत्ती, नीराजन, नीराजन, नीराजना।

३६. आरती उतारना—आरती करना, दीप दान करना, नीराजन करना, नीराजन करना, नीराजना करना, विसर्जन करना।

३७. पुजारी—अवराधक, अवराधी, अर्चक, आराधक, उपासक, उपासी।

३८. सुमिरन—जप, ध्यान, याद, भजन, स्मरण।

३६. सुमिरना—(ईश्वर के नाम आदि), जपना, ध्यान करना, ध्याना, नाम लेना, नाम स्मरण करना, भजना, भजन करना, माला फेरना, याद करना, सुमरना, सुमिरन करना, स्मरण करना, स्मरना, सौजना।

४०. सुमिरनी—मनका, मनिया, माला, रुद्राक्ष, स्मरणी।

४१. सुमिरनी का दाना—गुरिया, मनका, मनिया, रुद्राक्ष, सुमेरु।

४२. कठी—कंठी, मनिया, माला।

४३. कीर्तन—कीर्तिस्तवन, गुण कथन, गुण कीर्तन, गुण स्तवन, गुणानुवाद, भजन, स्तव, स्तुति, स्तवन, स्तुतिवाद।

४४. कीर्तन करना—ऊपर के शब्दों

में 'करना' आदि जोड़कर इसके पर्याय बनाये जा सकते हैं।

४५. स्तुति—अभ्यर्थना, ईलित, इस्तदा, नुति, पणायित, प्रशंसा, प्रस्तुति, प्रार्थना, वर्णित, शस्त, स्तव, स्तोत्र ।

विलोम—दे० 'निंदा' 'गाली'।

४६. स्तुति करना—ऊपर के शब्दों में 'करना' जोड़कर पर्याय बनाये जा सकते हैं।

४७. मनौती—मन्नत, मानता, मान-मनौती।

४८. जप—जपन, जाप, नामस्मरण, भजन, मंत्र स्मरण, मंत्रोच्चारण, मंत्रोद्धरण ।

४९. जपना—नाम लेना, भजन करना। 'जप' के पर्यायों में 'करना' लगाकर और भी पर्याय बनाये जा सकते हैं।

५०. जापक—जपने वाला, जपा, जापी, भजनीक।

५१. जपमाला—जपनी, जाप।

विशेष—दे० 'सुमिरनी'।

५२. व्रत—उपवास, उपास।

५३. व्रत रहना—उपवास करना, भुखना, व्रत रहना, व्रती रहना।

५४. तीर्थ—तीरथ, तीर्थस्थल, तीर्थस्थान, पुण्यस्थल, पवित्र स्थान, धाम।

विशेष—दे० 'प्रयाग' तथा उसके आस-पास की सामग्री। तीर्थ रूप पवित्र नदियों के लिए दे० 'गंगा' तथा उसके आसपास की सामग्री।

५५. तीर्थ करना—तीर्थाटन करना, धाम जाना, तीर्थयात्रा करना।

५६ ४ धाम—जगन्नाथपुरी, द्वारिकापुरी, बद्रिकाश्रम रामेश्वरम्।

५७. ७ मोक्षदायक तीर्थ—अयोध्या, अवन्तिका, काँची, काशी, जगन्नाथपुरी, द्वारिकापुरी, मथुरा।

विशेष—सप्तपुर में भी येही स्थल हैं। केवल जगन्नाथपुरी के स्थान पर हरद्वार का नाम मिलता है। पर्याय के लिए, देखिए 'प्रयाग', 'अयोध्या', 'मथुरा', 'काशी', 'जगन्नाथपुरी', 'द्वारिका'।

५८. हिंदुओं के कुछ प्रसिद्ध तीर्थ—अयोध्या, काशी, केदारनाथ, कैलाश, गंगोत्री, गंगासागर, गया, चित्रकूट, जमनोत्री, जगन्नाथपुरी, द्वारिका, पशुपति-नाथ, पुष्कर, प्रयाग, बद्रीनाथ, वृन्दावन, मथुरा, विंध्याचल, सेतुबंध-रामेश्वर, हरिद्वार।

५९. दान—खैरात, चिट्ठी, भिक्षा।

विशेष—इस सम्बन्ध में विशेष के लिए दे० 'दान'।

६०. त्योहार—तिहुआर, पर्व।

विशेष—दे० विशेष के लिये 'होली' तथा 'दिवाली' आदि के आसपास की सामग्री।

६१. त्योहार के दिन दिया जाने वाला दान आदि—त्योहारी, तिहुवारी।

६२. तपस्या—अनुष्ठान, तप, तपनी, तपश्चर्या, ध्यानोपासना, योग, योगासन, योगाभ्यास, योगसाधन, साधना, हठयोग।

६३. तपस्या करना—तप करना, तप साधना, योग साधना, साधना करना।

६४. तप करने वाला—जोगी, तपसी, तपस्वी, तापस, तापसी, मुनि, योगाभ्यासी, योगी, संन्यासी, साधक, साधु, साधू, सिद्ध।

६५. तपोवन—तपभूमि, तपस्थल, तपस्थली, तपोवन, तपोभूमि, साधनास्थल।

६६ संन्यास—चतुर्थाश्रम, जोग, त्याग, फ़कीरी, परिव्रजन, बैराग, यतिधर्म, योग, वैराग्य, साधुता।

६७. संन्यास लेना—'संन्यास' के पर्यायों में लेना, धारण करना, ग्रहण करना, आदि लगाकर, 'संन्यास लेना' के पर्याय बनाये जा सकते हैं।

६८. संन्यासी—दे० 'संन्यासी'।

६९. भक्त—उपासक, भगत।

विशेष—दे० 'मूर्तिपूजक', 'पुजारी', 'संन्यासी'।

७०. भक्तिन—भगतिन, भगतिया।

७१. भक्ति—भक्ताई, भक्तिभाव, भक्ती, भगति, भगती, भावभक्ति।

विशेष—दे० 'पूजा'।

७२. भक्ति करना—'भक्ति' के पर्यायों में 'करना' जोड़िए।

विशेष—दे० 'पूजा करना'।

७३. नवधा भक्ति—अर्चन, आत्मनिवेदन, कीर्तन, दास्य, पादसेवा, वंदन, श्रवण, सख्य, स्मरण।

७४. ब्रह्मज्ञान—ज्ञान, तत्त्वज्ञान।

७५. ब्रह्मज्ञानी—आत्मज्ञ, आत्मज्ञानी, ज्ञानी, तत्त्वज्ञ, तत्वज्ञ, तत्वज्ञानी, तत्त्वदर्शी, तत्त्वविद् तत्त्ववेत्ता।

७६. कथा—कथावार्ता, पुराण, भगवत्-कथा।

७७. कथा बाँचना—कथा कहना।

७८. कथा बाँचने वाला—कथावाचक, पंडित, पौराणिक, वक्ता, व्यास।

७९. महंथ—अध्यक्ष, कुलपति, पीठाधीश, मठाधीश, महंत, महंथ।

८०. मठ—अखाड़ा, पीठ, जमात, जमायत मठिया, मठी, मढ़ी।

८१. यज्ञ—अध्वर, अभिषव, अश्वमेध, अहुत, आह्व, आहुत, इज्या, जग्य, देवपूजा, इष्टि, क्रत, क्रतु, दिविष्टि, नम, नमस्, पशु, पशुयज्ञ, प्राजापत्य, मख, मन्यु, मेध, याग, यग्य, यजति, यज्ञक, यूपध्वज, वर्हि, वाज, वितान, सप्ततंतु, सव, हरिकर्म।

८२. यज्ञ करना—आहुति करना, हवन करना। 'यज्ञ' के पर्यायों मे 'करना' जोड़कर और भी शब्द बनाये जा सकते हैं।

८३. कुछ प्रधान यज्ञ—अश्वमेधयज्ञ, चातुर्मास्ययज्ञ, नरमेधयज्ञ, पिंडपितृयज्ञ, पुत्रेष्ठियज्ञ, राजसूययज्ञ, वाजपेययज्ञ, सर्वमेधयज्ञ, सोमयज्ञ।

८४. पंचमहायज्ञ—अग्निहोत्र, आतिथ्य, पितृतर्पण, बलिवैश्व, स्वाध्याय।

८५. यज्ञ के ४ ऋत्विज—अध्वर्यु, उद्गाता, ब्रह्मा, होता।

८६. यज्ञकर्ता—याजक, याज्ञिक।

८७. यजमान—जजमान, यज्ञपति, याजक, याज्ञिक।

८८. पुरोहित—पंडा, पाधा, पुरोधा, रोधा, पौरोहित, प्रोहित, सख्यावान।

८९. यज्ञमंडप—चैत्यधाम्, जग्यमंडप, मखशाला, यजनायतन, यज्ञक्षेत्र, यज्ञस्थली, यज्ञभूमि, यज्ञशाला, यज्ञस्थल, यज्ञस्थान।

९०. हवि—बलि, पूतीक, हविष्य।

९१. हवनीय—हविष्य।

९२. मंत्र—ऋचा, गायत्रीमंत्र, मंतर, वेदमंत्र, श्लोक, स्तोत्र।

९३. गायत्री—ब्रह्मबीज, ब्राह्मी, देवमाता, सरस्वती, सावित्री।

९४. स्तव—ऋचा, नव प्रार्थना, स्तवक, स्तवथ, स्तुति, स्तोत्र, स्तोम।

९५. स्तुति पाठक—प्रशंसक, स्तविता, स्तावक, स्तुतिवाचक, स्तुतिवादक, स्तुतिजन, स्तुवत, स्तोता, स्तोत्रगायक।

९६. वेदध्वनि—ब्रह्मघोष।

९७. संस्कार—कृत्य, शुद्धि।

९८. १६. संस्कार—गर्भाधान, पुंसवन, सीमंत, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूड़ाकरण, कर्णवेध, उपनयन, वेदारंभ, समावर्त्तन, विवाह, गृहस्थाश्रम, वानप्रस्थाश्रम, संन्यासाश्रम।

९९ आश्रम—अवस्था।

१००. ४. आश्रम—ब्रह्मचर्य, गार्हस्थ्य, वानप्रस्थ, संन्यास।

१०१. ब्रह्मचारी—प्रथमाश्रमी, बटु, व्रती, यमी, वर्णी, वेदपाठी, संयमी।

१०२. ब्रह्मचारी का दंड—दंड, गांभ, वैणव, वैणुदंड।

१०३. ब्रह्मचारी का पात्र—कमंडल, कमंडला, कमडलु, कुंडी, पंचपात्र, पँचपातर।

१०४. कौपीन कच्छा, कच्छा, कछनी, कफनी, काछा, कोपिंड, कौपीन, घटी, मगई, भगवा, लँगोट, लंगोटी।

१०५. पैंता—कुशमुद्रिका, कुसपैंता, पवित्री, पाविंत्री।

१०६. यज्ञोपवीत—उपनयन, उपवीत, जनेऊ, जनेव, व्रतबंध, यज्ञसूत्र।

१०७. आसन—आसंदी, आसनी, पीठिका।

१०८. गृहस्थ—कुटुम्बी, गृहपति, गृहमेधी, गृहपाय, गृहस्थी, गृहाधिप, गृहाश्रमिक, गृही, ज्येष्ठाश्रमी, सत्री, स्नातक।

१०९. वानप्रस्थी—वैखानस, वैपानस।

११० संन्यासी—चतुर्थाश्रमी, जती, जोगी, तपशाली, तपसी, तपस्वी, तपा, तपावत, तपी, तपोधन, तापस, तापसी, त्यागी, फ़क़ीर, विरागी, बैरागी, मस्करी, यति, यती, योगात्मा, योगाभ्यासी, योगराज, योगी, योगीराज, योगींद्र, योगीश, योगेंद्र, विरागी, संत, साधु, साधू, सिद्ध।

फ़क़ीर—(मुस्लिम) औलिया, पीर, वली।

१११. संन्यासिनी—जतिनी, जोगन, जोगिनी, तपशालिनी, तपस्विनी, तपस्विनी, तपिनी, तापसी, फकीरिन, फ़क़ीरिन, बैरागनी, मधुनी, साधुनी।

विशेष—वर्ण के लिए देखिए 'वर्ण' तथा जाति के लिए 'जाति'।

११२ ईश्वर—अंतक, अंतरजामी, अंतरज्ञ, अंतरपुरुष, अंतर्ज्योति, अंतर्यामी, अकरण, अकर्त्ता, अकर्तृक, अकल, अकाय, अकारण, अकारन, अकालमूर्ति, अक्षुन, अक्षय, अक्षर, अखान, अगाध, अगुण, अगोचर, अचिंत्यात्मा, अच्युत, अच्युतानंद, अज, अजन, अजन्म, अजन्मा, अजर, अजेय, अतीत, अदृश्य, अद्वैत, अधिष्ठाता, अध्यात्मा, अनघ, अनंत, अनादि, अनाह, अमूर्त, अमूर्तिगर्भ, अमूर्ति, अमूर्तिमान, अयोनि, अयोनिज, अरूप, अर्कनयन, अर्घ्य, अर्ह, अलक्ष, अलख, अव्यक्त, अव्यपदेश्य, अव्यय, आगमजानी, आगमज्ञानी, आत्मभू, आत्मसमुद्भव, आदि,

आदिपुरुष, ईश, उत्तमश्लोक, करता, करीम, करुण, कर्त्ता, कर्त्तार, कर्तृ, कामद, कालखंड, कूटस्थ, कृतकर्मा, केशव, क्रांतदर्शी, क्षेत्रज्ञ, खुदा, खुदावंद, गुणातीत, गुणेश्वर, गोसाईं, चतुरात्मा, चतुर्गति, चतुर्दंष्ट, चतुर्मूर्त्ति, चतुर्वेद, चतुर्होत्र, चिंतामणि, चिन्मय, चेतन, चैतन्य, जगत्सेतु, जगदादि जगदाधर, जगदानंद, जगदीश, जगदीश्वर, जगद्गुरु, जगद्योनि, जगन्नाथ, जगन्नियंता, जगन्निवास, जगरनाथ, जनन, जनाधिनाथ, ज्येष्ठ, ठाकुर, डाकोर, तत्, तत्व, तत्वविद्, तत्पदार्थ, तत्पुरुष, तपोमय, तपोमूर्त्ति, तपोदर्शन, त्रयीमय, त्रिपाद, त्रिभुवननाथ, त्रिलोकेश, त्रिशक्तिभृत्, त्रिधामा, त्रिसौपर्ण, त्रिस्थान, त्र्यगट, दइव, दई, दयानिधि, दयामय, दहराकाश, दीनबन्धु, दीनानाथ, देवश्रुत, देवेश, देवेशय, नरोत्तम, निरंजन, निराकार, निर्गुण, निर्विशेष, पति, पतित-उधारन, पतितपावन, परधाम, परब्रह्म, परतत्त्व, परमपिता, परमपुरुष, परमब्रह्म, परमहंस परमात्मा, परमेश, परमेश्वर, परवरदिगार, परात्पर, परात्मा, परेश, पुरुषोत्तम, पूर्णानंद, प्रणव, प्रभु, प्रभू, ब्रह्म, भगवंत, भगवत, भगवान्, भगवान, भरयु, भवभंजन, भामनी, भूतात्मा, भूतादि, भूतायन, भूतेश मंगलालय, महापुरुष, महाप्रभु, महेश, महेश्वर, महेस, मायापति, मायावी, मालिक, याजन, रब, रमैया, रहीम, राम, लार्ड, वासु, विभु, विश्वंभर, विश्वकर्त्ता, विश्वकर्मा, विश्वकास, विश्वकृत, विश्वचक्षु, विश्वजीव, विश्वधाम, विश्वपति, विश्वपा, विश्वपाल, विश्वभर्त्ता, विश्वभाव, विश्वभावन, विश्वभुज, विश्वराज, विश्वविद्, विश्वव्यापी, विश्वमंगल, विश्वसाक्षी, विश्वसृ, विश्वात्; विश्वातीत, विश्वाधार, विश्वाधिप, विश्वेश्वर, बिसेसर, व्यापक, शंकर, शर्व, शिव, शून्य, शेष, श्रीपति, सच्चिदानंद, सत्यपुरुष, सदानंद, सर्वज्ञ, सर्वेश्वर, साँई, साँई, सारंग, साहब, सिरजनहार, सुजान, सृष्टिकर्त्ता, स्वयंज्योति, स्वराट्, स्वर्ग, स्वामी, हंस।

११३. ईश्वर के दो रूप—निर्गुण, सगुण।

११४. निर्गुण—निराकार, निरदेह।

११५. सगुण—सरगुन, साकार।

११६ स्वयंभू—अकारण, अकृत, अजन, अजन्म, अजन्मा, अयोनिज, कृतकर्मा।

११७. ईश्वरत्व—खुदाई, ठकुराई, मलिकाई, रामत्व।

११८. ईश्वरवादी—आस्तिक, ईश्वरसत्तावादी।

११९. निरीश्वरवादी—अनीश्वरवादी, चार्वाक, नास्तिक।

१२०. ईश्वरवादिता—आस्तिकता।

१२१. निरीश्वरवादिता—अनीश्वरवादिता, चार्वाकमत, नास्तिकता।

१२२. त्रिदेव—देवत्रय, [तीन देव ब्रह्मा, विष्णु, महेश हैं।]

१२३. ब्रह्मा—अगति, अंडज, अंबुज, अबुजासन, अ, अग्रजन्मा, अक्ष्य, अज, अदिति, अब्जयोनि, अरविंदयोनि, आत्मभू, आत्मसमुद्भव, उ, आ, कज, क, कमलज, कमलासन, कमलभू, कमलासन, कमली, कमलोद्भव, कर्त्तार; कवि, कुशकेतु, खं,

गिरेश, चतुरनीक, चतुरानन, चतुर्वक्त्र, चिंतामणि, जगद्योनि, जगदादि, जगन्नाता, जन्यु, जलजासन, जूर्णि, तत्व, तेजोरूप, देवदेव, द्रुहण, द्रुहिण, धा, धाता, धिषण, नलिनोरुह, नलिनेशय, नाभिजन्म, निष्कल, पंकजासन, पद्मगर्भ, पद्मज, पद्मपाणि, पद्मभू, पद्मयोनि, पद्मलांछन, पद्मालय, पद्मासन, पद्मोद्भव, पर, परमतत्व, परमेष्ठ, परमेष्ठी, परायु, परेश, पितामह, पितृपितृ, पुराणग, पूर्वनिधन, प्रजाकार, प्रजाधिप, प्रजानाथ, प्रजापति, प्रपितामह, प्राण, बहुरूप, बहुरेतस, विध, विधना, विरंचि, ब्रह्मा, ब्रह्मज, भाववृत, भाषण, भूरि, म, रजोमूर्ति, लोकपितामह, लोकनाथ, लोकप, लोकपति, लोकपाल, लोकेश, वसुनीत, वागीश, वागीश्वर, विध, विधाता, विधि, विधु, विभु, विमलापति, विरच, विरंचि, विरिंचन, विश्वआत्मा, विश्वकर्मा, विश्वकारु, विश्वग, विश्वयोनि, विश्वसृज, विश्वसृड्, विश्वायन, वेधा, शतानंद, शल, संज, सजय, सध्यागम, सतधृत, सत्यक, सदानंद, सनातन, सरोजी, सहस्रात्मा, सात्विक, सामयोनि, सुधावर्षी, सुधाभवा, सुरजेठा, सुरज्येष्ठ, सुरसनजनक, सराध्यक्ष, सृष्टिकर्त्ता, स्थविर, स्वभावकृपण, स्वभू, स्वयंभू, स्वराट्, हंसरथ, हंसवाहन, हंसारूढ़, हंसारूढ़ा, हिरण्यगर्भ, हेमाग।

१२४. ब्रह्मा का—चतुराननी, ब्राह्म।

१२५. सिरजना—जन्म देना, जन्माना, निर्माण करना, निर्मित करना, सृष्टि करना, दे० 'बनाना'।

विलोम—दे० 'संहारना'।

१२६. सृष्टि—रचना, सिरजन, सृजन। दे० 'संसार'।

विलोम—दे० 'संहार'।

१२७. सिरजित—निर्माणित, निर्मित, प्रणित, प्रणीत, रचित, विरचित, सृष्ट।

विलोम—दे० 'नष्टित'।

१२८. ब्रह्मा का वाहन—कलकंठ, गरुत्, चक्राग, पुरुदंशक, मराल, मानसालय, मानसौकस, मुक्तभुक्, सरकाक, सितच्छद, सितपक्ष।

१२९. ब्रह्मा का आसन—कमल। दे० 'कमल'।

१३०.—सरस्वती—(ब्रह्मा की पुत्री और स्त्री एवं विज्ञान तथा ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी)। अ, इडा, इरा, इला, ईश्वरी, कर्णु, गिरा, गी, गीर्देवी, गो, जगद्धात्री, जू, देवगुही, धु, पद्मलाञ्छना, पावका, पूत्कारी, प्रज्ञा, वाक्, वागेश्वरी, वागेसरी, वाचा, वानी, ब्रह्मचारिणी, ब्रह्मपुत्री, ब्राह्मणी, ब्राह्मी, भगवती, भगौती, भाषिन, भारती, भाषा, महाश्वेता, वर्णिनी, वर्णमातृका, वाक्येश्वरी, वागीश, वागीशा, वागीश्वरी, वाग्देवता, वाग्देवी, वाग्वादिनी, वाचा, वाङ्मयी, वाणी, वारि, विद्यादेवी, विधिरानी, विधिवधू, विधात्री, विमला, वीणापाणि, वीणापाणी, वीणावती, शारदा, शुक्ला, श्री, संध्येश्वरी, सरवा, सारद, सारसुती, सुरसत, सुरसती, हंसवाहनी, हंसवाहिनी।

१३१. सरस्वती का वाहन—हंस। दे० 'हंस'।

१३२. सरस्वती का आसन—कमल। दे० 'कमल'।

१३३. सरस्वती का वाद्ययंत्र—वीणा। दे॰ 'वीणा'।

१३४. विष्णु—अंगनि, अम्बरीष, अंबुजाक्ष, अचित, अच्युत, अज, अजित, अतिदेव, अनत, अधोक्षज, अमृततप, अरविंदनयन, अरविंदनाभ, अर्क, आत्मयोनि, इद्रवरज, इन्द्रावरज, उग्र, उपेंद्र, ऊर्ध्वदेव, कसाराति, कमलनयन, कमलनाभ, कमलाकांत, कमलापति, कमलेश, कांत, कामी, कारण, कुंडली, कुन्द, कुमुद, कुस्तुभ, कृति, कृष्ण, केश, केशट, केशव, कैटभजित्, कैटभारि, कोक, क्रतु, क्षाम, खंडपरशु, खरारि, खरारी, गदाधर, गरुड़गामी, गरुड़ध्वज, गमुड़ायन, गवीश, उवेश, गिरेश, गिरेस, गुरु, गुह, गोपति, गोपेंद्र, गोविंद, गौराग, ग्रामणी, चक्रधर, चक्रधारी, चक्रपाणि, चक्रभृत्, चक्रायुध, चक्रिक, चक्री, चतुरात्मा, चतुर्गति, चतुर्बाहु, चतुर्मुख, चतुर्भुज, चतुर्व्यूह, चतुर्होत्र, चतुष्पाणि, चतुस्सन, चल, चिरजीवी, जंभारि, ज, जगदीश, जगद्धाता, जगद्योनि, जगन्नाथ, जगन्निवास, जगन्मय, जनार्दन, जलशय, जलशयन, जलशायी, जलेशय, जह्नु, जिन, जिष्णु, जीव, जेता, ज्योति, डाकोर, तपस्तति, तमोदन, तारण, तिलोकपति, तीर्थकार, तीर्थपाद्, तुषिन, त्रिककुद्, त्रिदशायन, त्रिदशाध्यक्ष, त्रिधाम, त्रिनाम, त्रियुग, त्रिलोकनाथ, त्रिलोकपति, त्रिलोकीनाथ, त्रैविक्रम, त्र्यधिपति, दंड, दक्ष, दम, दमन, दानवारि, दामोदर, दारुण, दारुणारि, दारुन, दिवस्पृश्, दुराधर्ष, दुर्गम, दुर्जय, देवकीनंदन, देवदेव, देवभृत, देवातिदेव, देवेश, देवेशय, दैत्यारि, द्रुपद, द्विजवाहन, धनंजय, धनेश, धन्वी, धर, धरणीधर, धराधर, धराधरन, धर्मनाम, धर्मी, धाता, धाम, धिषण, धुर्य, धूर्य, धृतात्मा, ध्रुव, नंद, नदको, नन्दन, नन्दी, नर, नरकातक, नारायण, निगमनिवासी, निग्रह, नियम, निवृत्तात्मा, नेता, न्यग्रोध, पतत्रिकेतन, पद्मनाभ, पद्मभास, पद्माक्ष, पद्माधीश, पद्मेशय, पद्मी, परधाम, परपुरुष, परम, परमाद्वैत, परमेश्वर, परमेष्ठी, परात्पर, परार्द्धि, परिमोक्ष, परेश, पर्जन्य, पवन, पापनाशन, पावन, पीताम्बर, पुण्डरीकाक्ष, पुण्यक, पुण्यश्लोक, पुनर्वसु, पुरन्दर, पुराणपुरुष, पुरातन, पुरुजित, पुरुषपुरातन, पुरुषाद्य, पुरुषोत्तम, पुरुहूति, पुष्कर, पुष्पहास, पूरयिता, पूर्जित, पूर्ण, पृथु, पेशल, प्रकाशन, प्रग्रह, प्रजागर, प्रतर्दन, फणितल्पग, वनमाली, बलसूदन, बलाराति, बलिदम, बलिध्वंशी बहुमूर्ति, बहुरूप, बहुशिर, बहुश्रृंग, बाहुभेदी, बिट्ठल, ब्रह्मनाभ, ब्राह्मण, भगवत्, भगवान्, भगवान, भयनाशन, भरु, भर्त्ता, भवन्नाथ, भानु, भार, भीम, भूगर्भ, भूतपाल, भूतभव्य, भूतभावन, भूतभृत, भूतवास, भूतात्मा, भूति, भूधर, भूरि, भूशय, भूषण, मधुरिपु, मधुसूदन, मनुस्वादनिकरन, मनोजव, महेन्द्र, मार्ज, माधव, मुकुन्द, मुनीश, मुनीश्वर, मुरमर्दन, यज्ञपति, यज्ञकल्प, यज्ञक्रतु, यज्ञत्राता, यज्ञधर, यज्ञपुरुष, यज्ञभोक्ता, यज्ञमय, यज्ञवराह, यज्ञवाहन, यज्ञवीर्य, यज्ञसाधन, यज्ञसेन, यज्ञहृदय, यज्ञाग, यज्ञात्मा, यज्ञेश्वर, यम, याम्य, योगनिद्रालु, योगपति, रणप्रिय,

रथोचर, रत्ननाभ, रत्ननिधि, रत्नबाहु, रथांगपाणि, रमाकान्त, रमानरेश, रमानिवास, रमारमण, रमेश, रमेश्वर, रम्यश्री, रविलोचन, राजस्वामी, लक्ष्मीपति, लक्ष्मीवल्लभ, लक्ष्मीश, लखमीबर, लच्छिनाथ, लच्छिनिवास, लतापर्ण, वश, वनमाली, वराग, वराह, वसु, वसुद, वसुधाधार, वाक्पति, वाजिराज, वामन, वारिश, वासु, वासुदेव, विक्रम, विधु, विभु, विरज, विरोक, विशालाक्ष, विश्रुतात्मा, विश्वभर, विश्व, विश्वकाय, विश्वतनु, विश्वतृप्त, विश्वम्भर, विश्वनाम, विश्वप्रबोध, विश्वबाहु, विश्वमूर्ति, विश्वरूप, विश्वसृत्, विश्वहेतु, विश्वात्मा, विश्वात्म, विश्वेश, विष्वक्सेन, विष्टरश्रवस्, वीरचक्रेश्वर, वीरबाहु, वीरहा, वेधा, वैकुण्ठ, व्याल, शकर्पण, शंखभृत, शखी, शम्बधर, शंखपाणि, शतानन्द, शार्ङ्गी, शिखण्डी, शूर, शेषशायी, शौरि, श्रीकान्त, श्रीधर, श्रीनिवास, श्रीपति, श्रीरंग, श्रीरमण, श्रीवत्स, श्रीवत्सलाञ्छन, श्रीवासक, श्रीश, षडगजित्, सनत्कुमार, सकलेश्वर, सङ्कात, सत्यधाम, सदातन, सदानन्द, सदायोगी, सनातन, सप्तशाख, समितिंजय, समोहन, सर्व, सहस्रचरण, सहस्राचित्, सहस्रजित्, सहस्रदश, सहस्र नयन, सहस्रनाम, सहस्रनेत्र, सहस्रपाद, सहस्रमूर्द्धा, सहस्रमौलि, सहस्रशीर्ष, सहस्रानन, सात्वत, सात्विक, सागर, सायगर्भ, सिंधुभूप, सिंधुशयन, सुचेतन, सुतनु, सुतपा, सुधन्वा, सुपर्ण, सुपर्णकेतु, सुप्रसाद, सुब्रह्मण्य, सुभद्र, सुयामुन, सुरश्रेष्ठ, सुरपति, सुरभूप, सुरमौर, सुरराई, सुरसाई, सुराजीव, सुरारिघ्न, सुरारिहता, सुरेश, सुरेस, सुवर्णबिन्दु, सुवर्णवर्ण, सुषेण, सोमगर्भ, सोमसिन्धु, स्कन्दजित्, स्थूल, स्वः, स्वभू, स्वयंभू, स्वर्णबिन्दु, स्वामी, हंस, ह, हयग्रीव, हरि, हरिण, हरिदेव, हरिशंकर, हिरण्यकेश, हिरण्यगर्भ, हिरण्यनाभ, हृषीकेश, हेमाग।

१३५. पालना—दे० 'पालना (जीव)'।

विलोम—दे० 'सहारना'।

१३६. पालन—निबाह, निर्वाह, परवरिश, पालन-पोषण पोषण, भरण, रक्षा।

विलोम—दे० 'सहार'।

१३७. पालनीय—निर्वाह्य, पोषणीय, पोष्य, भरणीय, रक्षणीय, रक्ष्य।

विलोम—दे० 'विनाशनीय'।

१३८. विष्णु का शंख—पाञ्चजन्य।

१३९. विष्णु की गदा—कौमोदकी, कौमोदी।

१४०. विष्णु का चक्र—सुदर्शन।

१४१. विष्णु की तलवार—नंदक।

१४२. विष्णु का धनुष—शार्ङ्ग।

१४३ विष्णु के हाथ का दण्ड—नेत्रवेत्र।

१४४ विष्णु के हाथ का एक आयुध—पद्म।

१४५ विष्णु के परिषद्—जय, विजय।

१४६. विष्णु की स्त्री—लक्ष्मी। दे० 'लक्ष्मी'।

१४७. विष्णु की मणि—कौस्तुभ।

१४८. विष्णु के छाती का चिह्न—भृगुरेखा, भृगुलता, श्रीवत्स।

१४९. विष्णु की माला—वैजन्ती।

१५०. विष्णु का वाहन—गरुड़ । दे० 'गरुड़' ।

१५१ विष्णु का घोड़ा—बलाहक, मेघपुष्प शैब्य, सुग्रीव ।

१५२. विष्णु का सारथी—दारुक ।

१५३. विष्णु का मत्री—उद्धव ।

१५४. विष्णु के २४ अवतार—ऋषभ, कपिल, कल्कि, कूर्म, कृष्ण, दत्तात्रेय, धन्वंतरि, नरनारायण, नारद, नृसिंह, परशुराम, पृथु, बलराम, ब्रह्मा, बुद्ध, मत्स्य, मोहिनी, यज्ञ, राम, वामन, वाराह, वेद-व्यास, हस, हयग्रीव ।

१५५. विष्णु के प्रधान १० अवतार—कल्कि, कूर्म, कृष्ण, नृसिंह, परशुराम, बुद्ध, मत्स्य, राम, वामन, वाराह ।

१५६. अवतार लेना—अवतरण करना, अवतरना, अवतरित होना, अवरोहण करना, अवरोहना, अवतीर्ण होना, उतरना, उत्पन्न होना, उपजना, जन्मना, नीचे आना, प्रकट होना, प्रगटना ।

१५७. जिसने अवतार लिया हो—अव-तरित, अवतारी, अवतीर्ण, उतरा, औतारी ।

१५८. अवतार लेने योग्य—अवतरणीय, अवतीर्य ।

१५९. विष्णु की पत्थर की पिंडी—शालग्राम, शालिकराम, शालिग्राम, सालिकराम, सालिग्राम ।

१६० गरुड़—अमृताहरण, उरगाद, किरा-ताशी, खगेश, खगेश्वर, चिराद, गुरुत्मान, तरस्वी, तारख, तार्क्ष, तार्क्ष्य, द्विजपति, द्विजेन्द्र, नभगनाथ, नभगेश, नागांतक, नागाशन, नीलच्छद, पतगेंद्र, पक्षिराज, पक्षिसिंह, पन्नगारि, पन्नगाशन, परमेष्ठी, फणिभुज, भुजगभुज, भुजगभोजी, महावीर, रक्तपक्ष, वज्रतुण्ड, विखहा, विनतासुत, विशालाक्ष, विष्णुरथ, विष्णुवाहन, विहगराज, वैनतेय, व्याल, सूदन, शाल्म-लिस्थ, शाल्मली, शिलानीड़, शिलौका, सुधाहरण, सुधाहृत, सुपर्ण, सुपर्णी, सुपर्णतनय, सुरेंद्रजित् , सुवर्णपक्ष, स्वर्ण-काय, स्वर्णपक्ष, स्वामी, हरियान, हरि-वाहन, हेमांग ।

१६१. गरुड़ के पुत्रों के नाम—चक्र, तुडक, चित्रकेतु, चित्रवह, त्रिवार, पकजित् , पद्मकेतन, परिद्वीप, वज्र विष्कभा ।

१६२. गरुड़ का बड़ा भाई—अरुण, तार्क्ष्य ।

१६३. लक्ष्मी—(विष्णु की स्त्री तथा धन की अधिष्ठात्री देवी) अंबुजासना, अब्धिजा, अमला, इंदिरा, उदधिसुता, कमलयोनि, कमला, कमलालया, कुमारी, क्षीरजा, क्षीरसागरकन्यका, क्षीराब्धितनया, क्षीरोदतनया, चचला, चपला, चला, जगन्मयी, जगन्माता, जलधितनया, पद्म-गृहा, पद्मा, पद्मासनस्था, पद्मासना, पद्मालया, पद्मावती, पिंगला, ब्रह्मा, भार्गवी, भूति. महामाया, महालक्ष्मी, मा, माता, मातृ, माया, योगजा, योग-सभूता, रमा, रामा, लक्ष्मी, लच्छि, लच्छमी, लच्छि, लच्छिमी, लोकजननी, लोकमाता, लोला, वरवर्णिनी, विभूति, विष्णुवल्लभा, शक्ति, शोभा, श्री, श्रीमती, समुद्रजा, सम्पत्ति, सम्पदा, सर्वमंगला,

सिंधुकन्या, सिंधुजा, सिरी, सुरेश्वरी, क्षीररत्न, हरिप्रिया, हरिवल्लभा।

१६४. लक्ष्मी का वाहन—उलूक। दे० 'उल्लू'।

१६५. महादेव—अंतक, अंतकरता, अंतकर्त्ता, अंतकारक, अंतकारी, अंधकरिपु, अंबरीष, अकुल, अग्निकेतु, अघोरनाथ, अज, अजातशत्रु, अजिन, अट्टहास, अतिदेव, अनगारि, अपराजित, अयुग्मनेत्र, अर्घीश, अर्द्धांगी, अष्टमूर्ति, असमनेत्र, अस्थिमाली, अहिर्बुध्न्य, आत्मयोनि, आत्मसमुद्भव, ईश, ईशान, ईश्वर, उग्र, उग्रधन्वा, उमाधव, उमापति, उल्कामुख, ऊ, ऊर्द्ध्वलिंगी, ऊर्ध्वरेता, ऋतुकर, ऋषभध्वज, एकदृक, एकपात, ऐ, कंकालमाली, कटप्रू, कपर्दी, कपालभृत्, कपाली, कपिल, कलाधर, कल्माषकंठ, कवची, कांत, कापालिक, कामजित्, कामपाल, कामरिपु, कामारि, कारण, कालकंटक, कालकंठ, कालंजर, कालनाथ, काशीनाथ, किरातपति, कुलेश्वर, कैलाशनाथ, कैलाशपति, कृकर, कृत्तिवास, कृत्तिवासा, कृशानुरेत, कृशानुरेता, क्रतुध्वंसी, क्षुद्रहा, खंडपरशु, खगी, खेचर, गंगाधर, गणेश, गंडली, गंभीर, गणनाथ, गणनायक, गणपति, गणाध्यक्ष, गरधरन, गरप्रिय, गिरिक, गिरिजापति, गिरिश, गिरिनाथ, गिरीन्द्र, गिरीश, गीतप्रिय, गुडाकेश, गुरु, गुह्य, गोनर्द, गोपति, गोपालि, गौरीपति, गोरूप, ग्राम, ङ, चंडिकघंट, चंडीपति, चंडांश, चंद्रकलाधर, चंद्रचूड़, चंद्रधर, चंद्रभाल, चंद्रभूषण, चंद्रमालकाट, चंद्रमाललाम, चंद्रमौलि, चंद्रवेष, चंद्रशेखर, चंद्राग्नि, चंद्रापीड़, चंद्रार्द्धचूड़ामणि, चंद्रिल, चतुर्बाहु, चमूहर, चरुचेली, चर्मवसन, चल, चापी, चीरवासा, चेकितान, ज, जगत्, जगद्गुरु, जगद्दीप, जगद्धाता, जटाचीर, जटाटंक, जटाटीर, जटाधर, जटाधारी, जटामाली, जनप्रिय, जन्माधिप, जन्य, जलमूर्ति, जोगेंद्र, जोगिंद्र, जोगेश्वर, जोतिंग, ज्योतिर्लिंग, झंझरा, टंकटीक, ठ, ण, तट, तथ्य, तमोहन, तत्र, तारकायय, तारकेश्वर, ताराधिप, ताराधीश, तारापति, तार्क्ष्य, ताल, तालांक, तिग्ममन्यु, तीक्ष्णताप, तीरु, तीर्थदेव, तीव्र, तुंग, तुंगीश, तेजस्व, तोरण, तारन, त्रिचक्षु, त्रिजट, त्रिजटी, त्रिदश, त्रिधर्मा, त्रिधाम, त्रिनयन, त्रिनेत्र, त्रिपुरघ्न, त्रिपुरदहन, त्रिपुरांत, त्रिपुरारि, त्रिलोचन, त्रिशूली, त्र्यंबक, त्र्यक्ष, त्वष्टा, दंड, दंडी, दमन, दशबाहु, दारुक, दारुन, दिक्कर, दिगंबर, दिग्वस्त्र, दुराधार, दुर्दांत, दुर्मुख, दुष्कल, देवदेव, देवनाथ, देवेश, धटी, धन्वी, धरणीधर, धर्मवाहन, धर्माध्यक्ष, धर्मिष्ठ, धर्ता, धारण, ध्रुव, धूर्जट, धूमकेतन, धूम्र, धूर्जटि, नग्न, नंदन, नंदि, नंदिकर, नंदिरुद्र, नंदिवर्द्धन, नंदीपति, नंदीश, नंदीश्वर, नक्त, नक्तचर, नगवाहन, नटराज, नभ, नभयोनि, नभस्थल, नर, नर्तक, नागचूड़, नाट्यप्रिय, नाभ, नाभि, निग्रह, नित्यसत्त्व, निधनपति, नियत, नियम, निरंजन, निशाकर, निशाचर, निशाचरपति, निशामय, नीलकंठ, नीलग्रीव, नृत्यप्रिय, न्यग्रोध, पंचमुख, पंचवदन, पंचानन, पद्म, पंचरूप, पति-

वेदन, पद्मासन, पर, परम, पररमेश्वर, परमेष्ठी, परमेसर, परमेसुर, परागद, पवित्र, पशुनाथ, पशुपति, पांशुचदन, पांशुल, पासुचदन, पासुन, पाणिकर्म्मा, पाणिकर्ण, पाद, पाटभुज, पापनाशक, पिंगाक्ष, पितामह, पितृरूप, पितृवनेचर, पिनाकी, पुंगवकेतु, पुनर्वसु, पुरद्विट, पुरभिद, पुरमथन, पुरशासन, पुरहन, पुराजित, पुरांतक, पुराण, पुरारि, पुरुष, पुलस्त्य, पुलह, पुष्कर, पुष्कल, पृथु, प्रकाशक, प्रकाशकार, प्रभु, प्रथमाधिप, फाल, बधन, बकुल, बराक, बहुधर, बहुरूप, बहुल, बाणपति, बाहुशाली, बाजवाहन, बीजाध्यक्ष, ब्रह्मसुज, ब्रध्न, ब्राह्मण, भगवत, भगवान्, भगवान, भगहारी, भगाली, भद्र, भद्रकपिल, भरु, भर्ग भव, भवेश, भागी, भालचद्र, भालनेत्र, भाललोचन, भालाक, भास्कर, भिक्षुरूप, भीम, भीषण, भीष्म, भुवनेश, भुवनेशी, भुवनेश्वर, भूचर, भूतचारी, भूतनाथ, भूतपति, भूतभर्त्ता, भूतिभावन, भूतराज, भूतवास, भूतवाहन, भूतविनायक, भूताधिपति, भूतिकृत, भूतिद, भूतिवाहन, भूतेश, भूतेश्वर, भूरि, भृगीश, भृगु, भैरव, भैरवेश, भोगनाथ, भोलानाथ, भौतिक, म, मदनकदन, मदनारि, महाकाल, महानट, महामृत्युंजय, महारुद्र, महाशक्ति, महेश, महेश्वर, महेस, माधवी, मुडमाली, मृड, मृत्युंजय, यमांतक, यमेश्वर, यया, याम्य, युगादिकृत, योगनाथ, योगानलय, योगपति, योगपारग, योगमूर्त्तिधर, योगविद, योगी, योगीनाथ, योगीश, योगीश्वर, योगश्वर, रणस्वामी, रणेश, रणनायक, रिपाक, रोर, रुद्र, रुद्रपति, रेरिहाण, ललाटाक्ष, लोकबंधु, वक्रधर, वराक, वरेण्य, वसु, वसुप्रद, वसुरूप, वसुरेता, वसुरोची, वह्निरेता, वामदेव, वामन, वार, विद्याराशि, विद्येश, विद्वत्, विभु, विभूषणु, वियग, विरजप्रभ, विरिंच, विरूपाक्ष, विशालाक्ष, विश्व, विश्वकारक, विश्वगर्भ, विश्वनाथ, विश्वबंधु, विश्वमहेश्वर, विश्वरूप, विश्वहर्त्ता, विश्वआत्मा, विश्वेश, विश्वेश्वर, विषकठ, विषमनयन, विषमनेत्र, विषमाक्ष, विषमेक्षण, विषांतक, विष्वक्सेन, विस्तर, विस्तार, वीजवाहन, वीणाहस्त, वीर, वीरेश, वीरेश्वर, वृषकेतन, वृषकेतु, वृषध्वज, वृषभकेतु, वृषभांक, वृषभध्वज, वृषलाञ्छन, वृषवामी, वृषस्कंध, वृषांक, वृषाचन, वृषाकपि, वृषांशक, वृषायण, वेधा, व्योमकेश, व्यासरक्षक, शकर, शकरा, शभु, शभू, शयु, श, शक्तिमह, शर्व, शशिधर, शशिभाल, शशिभूषण, शशिशेखर, शिखंडी, शितिकठ, शिरिश्चद्र, शिल्पिक, शिव, शिवकर, शिवनाथ, शूलधारी, शूलपाणि, शूलहस्त, शूलि, शूली, शृंगी, शेषधर, शामन, श्मशानपति, श्रीकठ, श्रीवास, श्रीवासक, षंड, षाड, संज, सजय, सध्यानाटी, सयत, सवत्सर, ससारसारथि, स, सकलाधार, सदानद, समकर्ण, समन्यु, सर्ग, सर्व, सर्वकाम, सर्वग, सर्वज्ञ, सर्वतमुख, सारग, सात्त्विक, सितिकठ, सिद्धदेव, सिद्धनाथ सिद्धयोगी, सिद्धसेवित, सिद्धेश्वर, सिद्धेश्वर सुन्दरेश्वर, सुखेष्ठ, सुतत, सुदर्शन, सुनिधि, सुप्रतक, सुप्रसाद, सुबल, सुबीज, सुब्रह्मण्य, सुभग, सुमुख, सुरशत्रुहन, सुरभट, सुराध्यक्ष,

सुरारिहन, सुरासुरगुरु, सुरूप, सुरेश, सुरेश्वर, सुरेश, सुवक्र, सुवर्णरेता, सुवर्णाक्ष, सुशरण्य, सुसचेन, सुस्वर, सुसह, सूक्ष्म, सूक्ष्मात्मा, सूर्यध्वज, सृगालरूप, स्कंद, स्कंदगुरु, स्कंदविशाख, स्थाणु, स्थिर, स्मरशत्रु, स्मरहर, स्मरारि, स्वभू, स्वयंभू, स्वयश्रेष्ठ, स्वस्तिकृत, स्वामी, हंस, ह, हर, हरि, हरिकेश, हरिण, हरिवाहन, हरिशर, हस्तरोधी, हिण्डी, हिडुक, हिरण्यबाहु, हिरण्यरेता, हिरण्यबाहु, हरि, हरी, हेमकेश, हेम।

१६६. ओंकारनाथ (शिव)—ओंकारलिंग, सदाशिव।

१६७. शिव की ८ मूर्तियाँ—अग्निमूर्ति (रुद्र), आकाशमूर्ति (भीम), क्षितिमूर्ति (सर्व), चंद्रमूर्ति (महादेव), जलमूर्ति (भव), यजमानमूर्ति (पशुपति), वायुमूर्ति (उग्र), सूर्यमूर्ति (ईशान)।

१६८. ११ रुद्र—अज, अपराजित, अहिर्बुध्न्य, ईश्वर, एकपाद, त्र्यंबक, पिनाकी, महेश्वर, वृषाकपि, शम्भु, हरण।

१६९. भैरव—कपाल, कालमूर्ति, भयंकर, भयानक, भीम, भूतनाथ, रुद्रमूर्ति, विकराल, श्वानवाहन।

१७०. अष्ट भैरवों के नाम—असितांग भैरव, काल भैरव, क्रोध भैरव, चंद्रचूड़ भैरव, ताम्रचूड़ भैरव, महाभैरव, रुद्र भैरव, संहार भैरव।

१७१. संहारना—अंतना, अवसान करना, कल्पांत करना, घालना, तांडव करना, तृतीय नेत्र खोलना, ध्वंसना, नष्ट करना, नाशना, नासना, प्रलय करना, मारना, मिटाना, बिगाड़ना, विनाशना, विध्वंसना, विध्वसना, विनासना, मटियामेट करना, मलियामेट करना, महाप्रलय करना, लय करना, लोपना, विनसाना, संहार करना। दे० 'बिगाड़ना'।

विलोम—दे० 'सिरजना', 'पालना'।

१७२. संहार—अंत, अवसान, कल्पांत, ध्वंस, नाश, प्रलय, महाप्रलय, मेट, विध्वंस, विनाश, समाप्ति।

विलोम—दे० 'पालन'।

१७३. विनाशनीय—अंतनीय, अंत्य, नष्टव्य, नाशनीय, नाश्य, विध्वंसनीय, विनष्टनीय, संहारनीय, समाप्य।

विलोम—दे० 'पालनीय'।

१७४. शिव के नन्दीगण—तुंडी, नंदिक, नंदिकेश्वर, भृंगी, रिटि, शृंगी।

१७५. नन्दी (शिववाहन)—अनन्दी बैल, आनन्दी, आनन्दी बैल, ताण्डवतालिक, नन्दिनन्दन, नन्द, देह, शालंकायन, शिवभूषक, शिववाहन। दे० 'बैल'।

१७६. पिनाक (शिव का धनुष)—अजकव, अजगव, आजगव, भवचाप।

१७७. शिव का बाजा—डमरू, डिमडिम।

१७८. जटाजूट (शिव की जटा)—कपर्द, कपर्दक, जटाधर, जटावल्ली, दिव्यक।

१७९. शिव का तीसरा नेत्र—जटाज्वाल, त्रिनेत्र, भस्मक।

१८०. शिव पारिषद्—पारिषद, पारिषद, प्रमथ।

१८१ शिव का नृत्य—ताण्डव, शिव-नृत्य, प्रलयकर ताल।

१८२. शिव की पुरी—कैलाश, कैलास।

१८३. **विष**—करियारी, काकोल, कालकूट, गर, दुवेड, गरल, जहर, बिख, माहुर, हलाहल, हालाहल ।

१८४. ६ **प्रसिद्ध विष**—दारद, प्रदीपन, ब्रह्मपुत्र, वत्सनाभ (वच्छनाभ), शौक्लिकेय, सारंष्ट्रिक, सौराष्ट्रिक ।

विलोम—दे० 'अमृत' ।

१८५. **पार्वती**—अंबा, अंबिका, अजा, अद्रिजा, अद्रितनया, अनता, अपर्णा, आर्य्या, इला, ईश्वरी, उमा, कात्यायनी, काली, कुमारी, कौमारी, गिरिजा, गिरिनंदिनी, गिरिसुता, गौरा, गौरी, चंडिका, जयती, जया, त्रिभुवनसुंदरी, दक्षसुता, दाक्षायणी, दुर्गा, देवेशी, नंदिनी, नकुला, नगजा, नित्या, नीललोहिता, पंचमुखी, पतिव्रता, पर्वतजा, पर्वतनंदिनी, पार्थिवी, ब्रह्मचारिणी, भवभामिनी, भवभामा, भवा, भवानी, भव्या, भार्गवी, भ्रमरी, भ्रामरी, मंगला, माहेशी, माया, मृडानी, मेनकात्मजा, मैनासुता, रुद्रप्रिया, रुद्राणी, विशालाक्षी, विश्वकारिणी, विश्वमुखी, शंकरधरनी, शंकरप्रिया, शंकरा, शंकरी, शर्वाणी, शिवरानी, शिवा, शैलकुमारी, शैलजा, शैलनंदिनी, शैलपुत्री, शैलसुता, सगत, सगती, सती, सर्वमंगला, सिंहवाहिनी, स्कंदजननी, हिमगिरिसुता, हिमवत्सुता, हिमशैलजा, हिमाचलसुता, हेमसुता, हैमवती ।

१८६. **पार्वती का वाहन**-सिंह। दे० 'सिंह' ।

१८७. **पार्वती का नृत्य**—लास, लास्य ।

१८८. **कार्तिकेय**—आंबिकेय, अग्निकुमार, अग्निकाय, अग्निभू, कुमार, क्रौंचदारण, गंगापुत्र, गंगासुत, गुह, तारकजित्, तारकाजित, द्वादशकर, द्वादशाक्ष, पविन्न, पार्वतीनंदन, पावकात्मज, बाहुलेय, भगवत्, भगवान्, भगवान, भद्रशाखा, भूतेश, महासेन, युद्धरंग, रुद्रतेज, विशाख, शक्तिधर, शक्तिध्वज, शक्तिपाणि, शरजन्मा, शिखिवाहन, शिखिध्वज, श्रीविशाख, षडानन, षटमुख, षड्वर्ग, षडामुख, षाण्मातुर, सारभू, सेनानी, सेनापति, सिद्धसेन, सुब्रह्मण्य, स्कन्द, स्वामिकार्तिक, स्वाहेय ।

१८९. **कार्तिकेय का वाहन**—मोर । दे० 'मोर' ।

१९०. **कार्तिकेय के मोर का नाम** परिवाणि ।

१९१. **कार्तिकेय की स्त्री**—कौमारी, सेना ।

१९२. **गणेश**—आंबिकेय, आखुग, आदिपूज्य, एकदंत, ग, गजवदन, गजमुख, गजानन, गजास्य, गणनाथ, गणनायक, गणप, गणपति, गणाधिप, गणाध्यक्ष, गणराज, जगवन्द्य, दुंदि, त्रिधातु, देवदेव, द्विमातृज, द्वैमातुर, नवनीतगणप, नागमुख, नागानन, परशुपाणि, पर्शुपाणि, पृथ्वीगर्भ, पृश्निशृंग, बुद्धिविधाता, भवानीनंदन, भालचन्द्र, महाकाय, मोदप्रिय, मोददाता, लंबोदर, वक्रतुंड, वक्रतुंड, वक्रतुंड, विकट, विघ्नजित्, विघ्ननायक, विघ्ननाशक, विघ्नपति, विघ्नराज, विघ्नविनायक, विघ्नहरन, विघ्नेश, विद्यावारिधि, विनायक, शिवनंदन, शिवसुत, शूर्पकर्ण, सदादान, सिद्धिविनायक, सुमुख, हस्तिमल्ल, हस्तिमुख, हेरंब, हरक ।

१९३. **गणेश का वाहन**—दे० 'चूहा' ।

१९४. **दुर्गा**—अंबा, अंबिका, अजा, अनंतशक्तिका, अपराजिता, अपर्णा, अष्ट-

भुजा, अष्टभुजा, इंद्राणी इडा, ईशा, ईश्वर, उग्रा, उमा, एकपर्णिका, एकपर्णा, ऐंद्री, कंकालिन, कपर्दिनी, कपालिनी, कर्बुरी, कल्याणी, कात्यायनी, कामाक्षी, कालिका, काली, कुब्जिका, कुमारी, कूष्माण्डा, कैटभा, कोट्टवी, कुरदती, क्षमा, गण्डिनी, गन्धर्वी, गणनायिका, गान्धर्वी, गायत्री, गार्गी, गोला, गौरी, चंडनायिका, चण्डमुण्डविनाशा, चण्डवती, चण्डालिका, चंडिका, चर्चिका, चर्ममुण्डा, चामुंडा, चिति, जगदम्बा, जगदंबिका, जगदीश्वरी, जगद्गौरी, जगन्माता, जगन्मोहिनी, जयती, जया, त्रयी, त्रिगुणा, त्रिदशेश्वरी, त्रिनायगा, त्रिभुवनसुंदरी, त्रिमूर्ति, त्रिलोचना, त्रिलोचिनी, त्रिशूली, त्र्यंबकी, त्वाष्ट्री, दनुजदलनी, दिकम्बरी, दुर्गविनाशनी, धात्री, धूम्रमर्दिनी, नंदा, नंदिनी, नियति, निरंजना, निशुम्भमर्दिनी, पंचाननी, पद्मानुषा, परमब्रह्मचारिणी, परमेश्वरी, परमेष्ठिनी, पर्वतात्मजा, पाटला, पाटलावती, पीठनायिकादेवी, पुरला, प्रकीर्णकेशी, प्रकुष्माण्डी, प्रचण्डा, बलविकर्णिका, बहुभुजा, बहुरूपा, ब्रह्मचारिणी, ब्राह्मी, भगवती, भगौती, भद्रकाली, भद्रषष्ठी, भद्रा, भवानी, भालचन्द्र, भीमोदरी, भूतनायिका, महाकाली, महागौरी, महादेवी, महामाई, महामाया, महाविद्या, महाशक्ति, महेश्वरी, माया, यमुना, यादवी, योगनिद्रा, योगमाता, योगमाया, योगिनी, योगीश्वरी, योगेश्वरी, रक्तबीजविनाशिनी, रुद्रपत्नी, रेवती, रेवा, रोहिणी, लक्ष्मी, ललाटाक्षी, ललितकान्ता, वरालिका, वह्निध्वजा, वामदेवा, वामा, वारालिका, वाराही, वार्त्ती, विजया, विद्या, विश्वकाया, विश्वमाता, वेदमाता, वैष्णवी, वृहद भट्टारिका, शाम्भवी, शक्ति, शिवकान्ता, शिवकारिणी, शिवदूती, शिवप्रिया, शिववल्लभा, शिवसुन्दरी, शिवा, शैलजा, षष्ठी, सत्या, सर्वज्ञा, सात्विकी, साधका, सारदासुन्दरी, सिंहवाहना, सिंहवाहिनी, सिंहस्था, सिद्धि, सुभद्रा, सुरसा, सुरसुन्दरी, सुरेशी, सौभाग्यदायिनी, सौम्या, स्कन्दमाता, स्वनंदा, हयग्रीवा, हैमवती।

१९५. उग्रतारा (दुर्गा का एक विशिष्ट रूप)—मातंगी।

१९६. ५ देवियाँ—दुर्गा, राधा, लक्ष्मी, वाणी, शाकंभरी।

१९७. ७ माताएँ—इंद्राणी, कौमारी, चामुंडा ब्राह्मी, माहेश्वरी, वाराही, वैष्णवी।

१९८. ९ कन्यकाएँ—कल्याणी, कालिका, कुमारी, चंडिका, दुर्गा, त्रिमूर्ति, रोहिणी, शाम्भवी, सुभद्रा।

१९९. ९ दुर्गा—कात्यायनी, कालरात्रि, कुष्माण्डा, चंद्रघंटा, ब्रह्मचारिणी, महागौरी, शैलपुत्री, सिद्धिदात्री, स्कंदमाता।

२००. ९ शक्तियाँ—इंद्राणी, कार्तिकी, नारसिंही, ब्रह्माणी, महेश्वरी, रौद्री, वाराही, वैष्णवी, सर्वमंगला।

२०१. १० महाविद्याएँ—कमला, काली, छिन्नमस्ता, तारा, धूमावती, बगला, भुवनेश्वरी, भैरवी, मातंगी, षोडशी।

२०२. ६४ योगिनी—अंबिका, अग्निज्वाला, अपर्णा, ऐंद्री, कात्यायनी, कामाक्षी, कार्तिकी, कालरात्रि, कृष्णपिंगला, कौशिकी, गौरी, घोररूपा, चंद्रघंटा, चामुंडा, जलोदरी, डाकिनी, तपस्विनी, तुष्टि, त्रिदशे-

श्वरी, धृति, नारसिंही, नारायणी, पार्वती, पुष्टि, वाराही, ब्रह्मवादिनी, भद्रकाली, ब्रह्माणी, भ्रामरी, भीमा, महातपा, महादेवी, महाबला, महाविद्या, महाषष्ठी, महोदरी, मातृका, मुक्तकेशी, मेघस्वना, मेघा, योगिनी, रक्तदंतिका, रुद्राणी, रौद्रमुखी, लक्ष्मी, लज्जा, लाकिनी, विद्या, विनायकी, विशालाक्षी, विष्णुमाया, शाकंभरी, शाकिनी, शिवदूती, श्रुति, सरस्वती, सर्वमंगला, सहस्राक्षी, सावित्री, स्मृति, हाकिनी, हारिणी।

२०३. ११ देवयोनियाँ—अप्सरा, किन्नर, गंधर्व, गुह्यक, देव, पिशाच, भूत, यक्ष, रक्ष, विद्याधर, सिद्धि।

२०४. गणदेवता—अनिल (४६), आदित्य (१२), आभास्वर (६४), तुषित (३६), महाराजिक (२२०), रुद्र (११), विश्वदेव (१०), साध्य (१२)।

२०५. १० विश्वदेव—(वह्निपुराण के अनुसार,) आद्रव, काम, काल, क्रतु, दक्ष, ध्वनि, पुरूरवा, रोचक, वसु, सत्य।

२०६. ८ वसु (वैदिक देवता)—अनल, अनिल, धर, ध्रुव, प्रत्यूष, प्रभास, विष्णु, सोम।

२०७. देवता—अबरौक, अम, अग्निजिह्वा, अग्निमुख, अजर, अदितिनंदन, अदितिसुत, अमर, अमर्त्य, अमृतान्धा, अमृतेश, असुर, असुरारि, अस्वप्न, आकाशचारी, आदितेय, आदित्य, अभव, ऋभु, क्रतान, क्रतुभुक्, क्रतुभुज, खग, खेचर, गगनेचर, गीर्वाण, ठक्कुर, ठाकुर, तैतिल, त्रिदश, त्रिदिवेश, त्रैविष्टप, दानवारि, दिविषित, दिविषद्, दिविष्ठि, दिवैका, दिवौकस, देव, देवषद्, दैवत, नभःसद्, नभगामी, नभश्चर, निरूप, निर्जर, पशु, पुबिल, बर्हिमुख, बुध, भट्टारक, भानु, भुवनपति, भुवपति, भूतकृत, लेख, वसुल, वह्निमुख, विबुध, विबुधान, विश्वरूप, विश्वास, वृंदारक, सर्वज्ञ, साध्य, सुभिक्षाय, सुपर्वन, सुपर्वा, सुमन, सुमना, सुर, सुरमी, सोमयोनि, स्वाहाप्रसण, स्वाहाभुक्, स्वाहाशन, हव्ययोनि।

विलोम—दे० 'असुर' 'राक्षस'।

२०८. ३३ देवों के स्थान—११ स्वर्ग में, ११ पृथ्वी पर, ११ अंतरिक्ष में।

२०९. ३३ देवता (शतपथ ब्राह्मण के अनुसार)—१२ आदित्य, १ इंद्र, १ प्रजापति, ११ रुद्र, ८ वसु।

२१०. ६६ (देवता ऐतरय ब्राह्मण के अनुसार)

२११. ३३ सोमप—१२ आदित्य, १ प्रजापति, ११ रुद्र, १ वषट्कार, ८ वसु।

२१२. ३३—असोमप ११ अनुयाज, ११ उपजाय, ११ प्रजाय, (सोमप देवता, सोम से तृप्त होते हैं और असोमप पशु बलियों से।)

२१३. ऋग्वेद के अनुसार देवों की संख्या ३३३९—(सायणाचार्य ने अपने भाष्य में लिखा है कि देवता केवल ३३ ही हैं, ३३३९ नाम महिमा प्रकाशक मात्र है।)

२१४. पद्मपुराण के अनुसार देवों की संख्या—३३ कोटि।

२१५. ऋग्वेद के कुछ प्रमुख देवता—अग्नि, अयमा, आश्विद्वय, इंद्र, अयना, उषा, ऋभुगण, एकपात्, त्रित, त्वष्टा,

पर्जन्य, पूषा, पृश्नि, मरुत, यम, रुद्र, वसु, वायु, विष्णु, सोम ।

२१६. **अमर**—अनाशवान, अमर्त्य, अमृत, चिरस्थायी, शाश्वत, स्थायी, स्थिर ।

२१७. **अमर होना**—अमरता पाना, अमृत पीना, कौवा होना, कौवे की जीभ खाना, मृत्यु जीतना, मृत्युंजय होना ।

२१८. **मर**—अस्थिर, क्षणिक, नाशवान, मर, मर्त्य, संसारी ।

२१९. **मर होना**—अस्थायी होना, क्षणिक होना, नाशवान होना, मनुष्य होना, मर होना, संसारी होना ।

२२०. **देव संबंधी या देवकृत**—दैवत, दैविक, दैवी ।

२२१. **देवत्व**—अमरता, अमरत्व, देवताई, निर्जरत्व ।

२२२. **पंच देवकन्या**—अहल्या, कुंती, तारा, द्रौपदी, मंदोदरी ।

२२३. **ऋग्वेद की कुछ प्रमुख देवियाँ**—इंद्राणी, इला, उषा, पृथिवी, राका, रोदसी, सरस्वती, सुनृता ।

२२४. **देवताओं की शक्तियाँ**—इंद्राणी, कौमारी, चर्चिका, चामुंडा, ब्राह्मी, माहेश्वरी, वाराही, वैष्णवी ।

२२५. **इंद्र**—अ, अखंडल, अच्युताग्रज, अशिशिन, अमरनाथ, अमरपति, अमरराज, अमरवर, अमरेश, अमरेश्वर, अर्क, अर्जुन, अर्त, अर्ह, अहिद्विष, आखंडल, आर्जवजा, आदित्य, उग्रधन्वा, ऋभुक्ष, ऋभुक्षा, ऋभुव, किरीट, कुलिशधर, कौशिक, गगनपति, गिरिध्वज, गोत्रभिद, घनाघन, जंभभेदी, जंभारि, जिष्णु, जीमूत, जीमूतवाहन, जेन्यावसु, तपस्तप, तुराषाड, तुराषाह, तुरासाह, त्रिदशपति, त्रिदशाधिप, त्रिदशेश्वर, त्रिदिवाधीश, दत्तेय, दर्वरीक, दस्युवृषि, दानवारि, दिवराज, दिवस्पति, दुश्च्यवन, देवताधिप, देवदेव, देवनायक, देवपति, देवभृत, देवराज, देवराय, देवाधिप, देवेंद्र, देवेश, दैत्यारि, द्युपति, नंदनप्रधान, नगभिद, नाकनाथ, नमुचि-सूदन, नेत्रयोनि, पर्जन्य, पर्यन्य, पर्व्यराय, पर्वतारि, पविधर, पाकद्विष, पाकरिपु, पाकशासन, पाकहंता, पाकारि, प्राचीनबर्हि, पुरंदर, पुराषाह, पुरुदशा, पूर्वादिगीश, पूर्वपाली, पृतनाषाड्, बज्री, बलसूदन, बलहन, बलाराति, बासव, बाहुदंती, बिडौजा, बृहद्रथ, भूरि, मघवा, मरुत्वान, महेंद्र, मेघराज, मेघवाहन, मेघवृषभ, यामनेमि, युयुधान, रमापति, ल, लेखर्षभ, बंदीक, वज्रधर, वज्रपाणि, वज्रबाहु, वज्रमुष्टि, वज्रहस्त, वज्रायुध, वज्री, वरक्रतु, वरेन्द्र, वलसूदन, वलहंता, वासव, वास्तोष्पति, विजयत, विडौजा, विबुधपति, विबुधाधिप, विबुधेश, विश्वगोप्ता, विश्वंभर, विश्वभुज, विश्वाभू, विश्वेमोच, वृत्रहा, वृद्धश्रवा, वृषा, वृष्णि, बृहद्रथ, व्याघ्र, शक्र, शक्रदेव, शचीपति, शतधृत, शिखी, शुनासीर, संक्रंदन, सक्र, समिष, सहस्राक्षी, सहस्रचक्षु, सहस्रदृग, सहस्रनयन, सहस्रनेत्र, सहस्रलोचन, सहस्राक्ष, सहोजा, सुत्रामा, सुनासीर, सुरकृत, सुरकेतु, सुरग्रामणी, सुरतात, सुरत्राता, सुरनाथ, सुरनायक, सुरनाह, सुरप, सुरपति, सुरपालक, सुरप्रिय, सुरपुरकेतु, सुरभान, सुरभूप, सुरराई, सुरराज्, सुरराज, सुरराजा, सुरराय, सुरराव, सुरर्षभ, सुरवर,

सुरश्रेष्ठ, सुरसख, सुरसाँई, सुरसैयाँ, सुरस्त्रीश, सुरस्वामी, सुराधिप, सुराधीश, सुरेंद्र, सुरेश, सुरेश्वर, सुरेस, सुवज्र, सुत्रामा, सोमपति, स्तुवेय्य, स्वर्गपति, स्वर्गलोकेश, स्वर्पति, स्वाराट, हय, हरि, हरिवाहन।

२२६. १४ इंद्र—(देवी पुराण के अनुसार) इंद्र, ऋतधाता, तपस्वी, त्रिदिव, दिवस्पति, प्रभु, बलिभर्त्य्य, मनोजव, विपाश्चित, विभु, विश्वभुक, शिखि, सुकीर्ति, सुशांति।

२२७. इंद्र की स्त्री—इंद्रवधू, इंद्राणी, ऐंद्री, चारुधारा, जयवाहिनी, देवरानी, पुलोमजा, पूतक्रतायी, पौलोमी, मघोनी, माहेंद्री, शचि, शची, शतावरी, सची, सेना।

२२८. जयंत (इंद्र पुत्र)—उपेंद्र, ऐंद्रि, जय, तेजस्वी, परमज्या, पाकशासनि, यागसतान।

२२९. इंद्र का घोड़ा—इंद्राश्व, उच्चैःश्रवस्, उच्चैःश्रवा।

२३०. इंद्र का सारथी—मातलि।

२३१. इंद्र का महल—वैजयत, वैजयंत।

२३२. इंद्र का उपवन—कंदसार, नन्दन, नन्दन कानन, नन्दनवन।

२३३. ऐरावत (इंद्र का हाथी)—अभ्रमातंग, अभ्रमुवल्लभ, इंद्रहस्ती, ऐरावण, गजाग्रणी, गजेंद्र, चतुर्दन्त, नागमल्ल, मल्लनाग, श्वेतकुंजर, श्वेतहस्ती, सदादान, सुदामा।

२३४. विमान (इंद्र का)—व्योमयान।

२३५ कामधेनु—कामदुहा, कामधुकधेनु, सुरधेनु, सुरसुरभी।

२३६. वज्र—अशव, अशनि, अम्भोत्थ, आपोत्र, कुलिश, गिरिकंटक, गो, जंभारि, दंभ, दंभोलि, पवि, भिदुर, मेदी, शंब, शतकोटि, शतार, शतधार, स्वरु, स्वरुस्, ह्रादिनी।

२३७ इंद्रपुरी—अमरावती, इंद्रलोक, देवलोक।

२३८ स्वर्ग—अंतरिक्ष, अपरलोक, अमरपुर, अमरलोक, अमरालय, अमरावती, अमृतलोक, अर्श, अव्यय, आसमान, इला, उर्द्ध्वलोक, ऋभुक्ष, कबिलास, कैलास, खं, ख, गो, गोपुर, गोलोक, तविष, ताविष, त्रिदशालय, त्रिदशावास, त्रिदिव, त्रिधाम, त्रिपिष्टप, त्रिविष्टप, दंडपाणि, दिव्, दिव, दिवान, देवनिकाय, देवभवन, देवभूमि, देवभ्, देवराज्य, देवलोक, देवसदन, द्यु, द्युलोक, द्युवन, द्युसद्म, द्यौ, धाम, नाक, परधाम, परमधाम, परवेश्म, पर, पुर, पृषभाषा, फलक, बहिश्त, बिहिश्त, बैकुंठ, भिश्त, मदर, मंदार, महोदय, रपुर, रोदसी, रहस, वाण, विबुधपुर, विशोधनी, विष्टप, विष्णुलोक, वीरमार्ग, वीरलोक, वैकुंठ, वैष्ट्र, शक्रभवन, शक्रलोक शून्य, शिवलोक, श्रीनिकेतन, श्रीनिवास, ष, सर्वोतमुख, सुखाधार, शक्रभवन, सुदर्शना, सुदर्शनी, सुमनौकस, सुरयान, सुरदेश, सुरधाम, सुरनगर, सुरपुर, सुरलोक, सुरवेश्म, सुरसदन, सुरसद्म, सुरेन्द्रलोक, सुरेशलोक, सुरौका, सुलोक, सोमधारा, सौरिक, स्वः, स्वर, स्वर्गलोक, स्वर्लोक, ह, हरिधाम, हरिपद, हरिपुर, हरिलोक।

विलोम—दे० 'नरक'।

२३९. स्वर्ग जाना—दे० 'मरना'।

विलोम—दे० 'जीना'।

२४०. स्वर्गीय—अलौकिक, गोलोकवासी, दिवंगत, मुक्त, मृत, वैकुंठवासी, स्वर्गवासी, स्वर्गभोगी।

विलोम—दे० 'नारकीय'।

२४१. कल्पवृक्ष—अमरपुष्पक, कल्पतरु, कल्पद्रुम, कल्पपादप, कल्पलता, कल्प-विटप, कल्पशाखी, कामतरु, कामभूरुह, देवतरु, देवद्रुम, देववृक्ष, परिजातक, पारिजात, मंदार, संतान, सुरद्रुम, हरिचंदन।

२४२. अमृत—अमर, अ, अगदकार, अमिय, अमी, कंज, किलाल, देवभोज्य, देवान्न, देवाहार, पीयूष, मधु, शशिरस, समुद्र-नवनीत, सुधा, सुरभोग, सोम, स्पेन, हिरराय।

विलोम—दे० 'विष'।

२४३. गंधर्व—अप्सरस, किन्नर, खग, ग गात, गातु, दिव्यगायन, देवगायक, देवगायन, देवाजन, नभचर, नभश्चर, पुष्पदंत, यक्ष, युगप, विद्याधर, सुरगायक।

२४४. गंधर्वों के ११ गण—(अग्नि, पुराण के अनुसार) अघारि, अभ्राज्य, कृशानु, कधु, मूर्धन्वा, वंभारि, विश्वावसु, सूर्यवर्चा, सुहस्त, स्वन, हस्त।

२४५. प्रधान गंधर्व—गोमायु, चित्ररथ, तुम्बुरु, नदि, विश्वावसु, हंस, हाहा, हूहू।

२४६. कुछ प्रसिद्ध गंधर्व—चित्ररथ, तुंबरु, विश्वावसु, हहा, हाहा, हाहास्, हुँहु, हूहू।

२४७. अप्सरा—अच्छरा, अच्छरी, अछरा, अछरी, अब्जप्रिया, अलंबुषा, गगनांगना, त्रिदशवधू, दिव्यनारी, देवदूती, देववधू, देवांगना, नाकनटी, परी, सुरसुन्दरी, सुरयोषित, स्वः सुन्दरी, स्वर्गवधू, स्वर्ग-वेश्या, स्वर्गस्त्री, स्वर्गिवधू, स्वर्वधू, स्ववेश्या, स्ववेंस्या, हूर।

२४८. प्रधान अप्सराएँ—अलंबुषा, उर्वशी, घृताची, मेनका, रंभा।

२४९. किन्नर—अश्वमुख, किंपुरुष, गीतमोदी, तुरगमुख, तुरगवक्त्रस, मयु, हरिणनर्तक।

२५०. अश्विनीकुमार—(स्वर्ग के वैद्य) अश्वपुक, अश्विनी, अश्विनीसुत, अश्विनेय, गदागद, दस्र, दाक्षायणी, देवचिकित्सक, देवभिषक्, नासत्य, नासिक्य पुष्पकसुत, स्वर्वैद्य।

२५१. सनत्कुमार—ब्रह्मपुत्र, वैधात्र।

२५२. विश्वकर्मा—पटुशिल्पेश, शिल्पराट्, सुरशिल्पकी, सुरशिल्पी।

२५३. देवनदी—आकाशगंगा, देवगंगा देवसरि, मंदाकिनी, वियद्गंगा, सुरदीर्घिका, स्वर्नदी।

२५४. देवसभा—देवसमाज, शुभा, सुधर्मा, सधर्मी।

२५५. कुबेर—अ, अर्थद, अर्थपति, अलकापति, ईश्वर-सख, एक-कुंडल, एक-पिंग, एकपिंगल, एकाक्षपिंगल, ऐलविल, ऐल-विल, किन्नरेश, कुह, कुहूपति, गुह्यकेश्वर गुह्यपति, त्र्यंबकसख, त्र्यंबकसखा, धनकेली, धनद, धनदेव, धननाथ, धनपति, धन-स्वामी, धनाधिप, धनाध्यक्ष, धनेश, धनेश्वर, नरवाहन, निधिनाथ, निधिप, निधि-पति, निधिपाल, निधीश्वर, नृपति, पद्मलांछन, पिशाचकी, पुरायजनेश्वर, पुलकायल, पौलस्त्य, यक्ष, मनुष्यधर्मा, यक्ष, यक्षनायक, यक्षप, यक्षपति, यक्षराज, यक्षराट्, यक्षाधिप, यक्षाधिपति, यक्षेन्द्र,

यक्षेश्वर, याज्ञदत्ति, रत्नकर, रत्नगर्भ, रत्नाधिपति, राजराज, वक, वसुद, वसुप्रद, वित्तनाथ, वित्तप, वित्तपति, वित्तपाल, वित्तेश, वित्तेश्वर, वैश्रवण, श्रदि, श्रीपति, सुप्रसन्न, सोम, सौरम्य, स्थपति, हर्य्यक्ष।

२५६. कुबेर का सौतेला भाई—रावण।

२५७. कुबेर का पिता—विश्रवस्।

२५८. कुबेर का पुत्र—नलकूबर।

२५९. कुबेर की पुरी—अलकापुरी।

२६०. कुबेर का उपवन—चैत्ररथ।

२६१. कुबेर का विमान—पुष्पक।

२६२. कुबेर का ऐश्वर्य—आठ सिद्धियाँ, नव निधियाँ।

२६३. सिद्धि—ऐश्वर्य, भूति, विभूति, सिद्धि।

२६४. ८ सिद्धि—अणिमा, ईशत्व, गरिमा, प्राकाम्य, प्राप्ति, महिमा, लघिमा, वशित्व।

२६५. ऋद्धि—चेतनांया, जीवदात्री, जीवश्रेष्ठा, प्राणदा, प्राणप्रदा, प्राणप्रिया, मंगल्या, योग्या, यशस्या, रथांगी, लक्ष्मी, लोककांता, वृष्या, सपदाढ्या, सिद्धा, सिद्धि।

२६६. ९ निधि—कच्छप, खर्व, नद, नील, पद्म, मकर, महापद्म, मुकुंद, शख।

२६७. कोष (कुबेर का) निधि, भंडार, भाडार, शेवधी।

२६८. ऐश्वर्य (कुबेर का) भूति, विभूति।

२६९. कुबेराचल—कुबेराद्रि, कैलाश।

२७०. कुबेरपुरी—अलकपुरी, अलकप्रभा, अलका, अलकापुरी, यक्षपुर, वसौकसार, वसुधारा, वसुसारा, वसुस्थली, वित्तपुरी, शक्रपुरी।

२७१. कामदेव—अंगज, अंगहीन, अंज, अज, अतनु, अदेह, अनंग, अनंगी, अनन्यज, अनलमुख, अभिरूप, अयुग्मबाण, असमबाण, असमशर, आत्मज, आत्मजात, आत्मभू, आत्मयोनि, आत्मसमुद्भव, आत्मोद्भव, इध्म, कंजन, कंतु, कंदर्प, क, कमन, कलाकेलि, काम, कामग, कामद, कामचार, कामवर्द्धन, कामी, कामुक, किंकिर, कुसुमकार्मुक, कुसुमबाण, कुसुमशर, कुसुमायुध, कुसुमेष कुष्मी खरू, खेलक, गदयित्नु, गृधु, गृत्स, चित्तज चित्तभू, चेतोजन्मा, चैत्रसखा, जराभीरु, झषकेतु, झषांक, तिथ, दर्पक, दीपक, धानकी, नदक, नदन, नंदी, नवरंगी, पचशर, पंचेषु, पल्लवास्त्र, पुष्पकेतु, पुष्पचाप, पुष्पधनुष, पुष्पधन्वा पुष्पध्वज, पुष्पपत्री, पुष्पयुध, पुष्पबाण, पुष्पशर, पुष्पशरासन, पुष्पेषु, प्रद्युम्न, बहुरूप, भव, भावज, मंथि, मकरकेतु, मकरध्वज, मच्छअसवार, मद, मदन, मधुदीप, मधुसख, मनसिज, मनोगत, मनोज, मन्मथ, मयन, मातंग, मानस, मायासुत, मायी, मार, मानकेतन, मुरमुर, मुहिर, मैन, मोह, मोहक, मोहन, मोहनवर्द्धन, यौवनोद्भव, रणरणक, रतनारोच, रतिकांत, रतिनाथ, रतिनायक, रतिनाह, रतिपति, रतिप्रिय, रतिरमण, रतिराज, रतिराय, रतिवर, रम, रमण, रमति, रमन, रवीसु, रागरज्जु, रावबृंत, रूपास्त्र, लक्ष्मीपुत्र, वरांगु वर्ध्य, वसंतबंधु, वसंतयोध, वसंतसखा, वाम, विलास, विषमबाण, विषमविशिख, विषमायुध, विषमेषु, विस्मापन, वीरधन्वा, शंबरसूदन, शंबरारि,

शिखि, श्रीनंदन, शृंगारयोनि, संकल्पभाव, संकल्पयोनि, समांतक, संवरारि, संसारगुरु, साग्र, सुप्रतीक, सुमसायक, सौरत, सौरत्य, स्मर, स्वयंभू।

२७२. कामदेव की ध्वजा का चिह्न—मछली दे० 'मछली'।

२७३. कामदेव का वाहन—शुक, दे० 'तोता'।

२७४. मोहित करना—अकरखना, अनुरक्त करना, आकर्षित करना, खींचना, दिल खींचना, दिल लेना, मोहना, बिमोहना, विमोहित करना, समोहित करना, हृदय खींचना।

२७५. मोहित होना—अकुराना, अनुरक्त होना, अरुझाना, आकर्षित होना, आसक्त होना, कर्षित होना, खिंच जाना, उरझना, उलझना, मुग्ध होना, मोहना, मोहित होना, रीझना, लटपटाना, लट्टू होना, लुभा जाना, विमोहित होना, समोहित होना।

२७६. सम्मोहन—आकर्षण, खिंचाव, बिमोहन, मोहन, सम्मोहन।

२७७. मोहनीय—आकर्षक, मोहक, दे० 'सुन्दर'।

२७८. मोहित—आकर्षित, लट्टू, लुब्ध, विमोहित।

२७९. उचाटना—अमना करना, अनासक्त करना, उखाड़ना, उचाट करना, उच्चाटन करना, उदास करना, खिन्न करना, तोड़ना, विरक्त करना, हटाना।

२८०. उचटना—अनमना होना, अनासक्त होना, उखड़ना, उच्चाट होना, उच्चाटन होना, उदास होना, खिन्न होना, टूटना, न लगना, बिखरना, बिचलना, बिछलना, विचलित होना, विरक्त होना, विराग होना, हटना।

२८१. उचाट—अनमनापन, उच्चाटन, उदासी, उदासीनता, खिन्नता, विकर्षण विरक्ति।

२८२. उचटा हुआ—अनाकर्षित, उचटा, उचटित, उच्चाटित, हटा।

२८३. कामदेव के ५ बाण—उन्मादन, तापन, शोषण, सम्मोहन, स्तमन।

२८४. कामदेव के पुष्पधनु के ५ पुष्प-बाण—अरविंद, अशोक, आम्र, नव-मल्लिका, नीलकमल।

२८५. रति—कामकला, कामा, कामपत्नी कामप्रिया, केलिकिला, दक्षसुता, प्रीति, मायावती, रती, रागलता, रेवा, शुभांगी, स्मरप्रिया, स्मर वधू।

२८६. मैथुन करना—कामकला करना, केलि करना, केलिकिल करना, चोदना, चोदाई करना, चुदना, चोद खाना, परिभोग करना, परिरंभण करना, प्रसंग करना, भोग करना, भोगविलास करना, रति करना, रतिसमर करना, रमण करना, विलास करना, संभोग करना, सवास करना, सश्लेष करना, सहवास करना, सुरत करना, स्त्री प्रसंग करना, स्त्रीभोग करना, स्त्री संग करना, स्त्री समागम करना।

२८७. मैथुन—कामकला, क्रीड़ा, केलि, केलिकिल, गमन, ग्राम्यकर्म, ग्राम्यधर्म, चोदन, चोदाई, जमन, घर्षण, घर्षणा, निधुवन, परिभोग, परिमल, परिरंभण, परिष्वंग, प्रसंग, भिड़ना, भोग, भोग-

विलास, याम, रत, रति, रतिदान, रति-रमण, रतिसमर, रती, रमण, रमन, विलास, व्यवाय, रौन, संगति, संग्रह, सग्रहण, सभोग, संवास, सवेशन, सश्रय, संश्लेष, संसर्ग, सहनन, समीचक, सहवास सुरत, सुरति, सुरभिवाण, स्त्रीकरण, स्त्रीगमन, स्त्रीधर्म, स्त्रीप्रसग, स्त्रीभोग, स्त्रीरत, स्त्रीविषय, स्त्रीसग, स्त्रीसभोग, स्त्रीसंसर्ग, स्त्रीसमागम, स्त्रीसुख, स्त्रीसेवन।

२८८. मैथुन करने योग्य—प्रसंगनीय, भोगनीय, रमणीय, रमण्य।

२८९. वरुण—अंबुनाथ, अंबुपति, अंबुराज, अपांपति, अप्पति, उद्यम, कुण्डलिना, कुण्डली, केश, जंबुक, जल-कांत, जलकांतार, जलदेव, जलदेवता, जलपति, जलाधिदैवत, जलाधिप, जलेंद्र, जलेश, जलेश्वर, तोयेश, दहर, दुन्दुभि, दैत्यदेव, धर्मपति, नदपाल, नदीन, नदी-पति, पयोदेव, परजन, परजय, पाथस्पति, पावक, पाशधर, पाशभृत, पाशवान, पाशहस्त, पाशी, प्रचेता, व, वरुण, मेघ-नाद, यादःपति, यादसाम्पति, राम, व, वारिनाथ, वारिलोम, वारिलोमा, विलोम, सवृत, सवृत्त, सागरालय, सावन, सुखाश, सूर्यपुत्र।

२९०. वरुण का वाहन—मकर।

२९१. वरुण का अस्त्र—नागपाश, पाश, पुलकाग, विश्वजित।

२९२ वरुण की नगरी—वसुधानगर, सुखा।

२९३. वरुण का प्रिय निवास स्थल—पुष्पगिरि।

२९४. वरुण का छाता—आभोग।

२९५ वरुण के पुत्र—अगस्ति।

२९६. वरुण की स्त्री—वारुणी।

२९७. सूर्य—अंधकरिपु, अंबरमणि, अंबरीष, अंबरोष, अंशु, अंशुमंत, अंशुमान, अंशमाली, अंशुमाली, अग, अतु, अदित, अदितसुत, अब्ज, अयुग्मवाह, अरवि, अरणी, अरविंदबंधु अराण, अरुण, अर्क, अर्चिष्मान, अर्णव, अर्यमा, अवबोधक, अवरव्रत, अवि, असुर, अह, अहर्पति, अहस्कर, अहि, आकाश-चारी, आतपी, आदित्य, आफ़ताब, इन, ईशान, उष्ण, उग्र, उद्, उष्णक, एकचक्र, एकपात, ओकपति, क, कपि, कपिल, कमलबंधु, कलिंद, कवि, किरण-माली, केश, क्षिप्र, खग, खगपति, खचर, खद्योत, खाद्योतक, खरांशु, खल, खचर, खेचर, गगनगति, गगनध्वज, गगनकटी, गभस्ति, गभस्तिपाणि, गभस्तिमान, गभस्तिमान, गभस्तिहस्त, गो, गोपति, ग्रहपति, ग्रहपुष्प, ग्रहराज, चक्कर, चक्र-दीधित, चंडांशु, चक्रबंधु, चक्रबांधव, चक्षुष्पति, चित्रभानु, चित्ररथ, छायानाथ जगच्चक्षु, जगत्साक्षी, जनचक्षु, जिन, जिष्णु, जीभूत, ज्योति, ज्योतिष्मान, ज्वाल-माली, तपन, तपनि, तपस, तपु, तमारि तमोघ्न, तमोरि, तमोपह, तमोहर, तमोहारि, तरणि, तापन, तापेन्द्र, तिग्मदीधिति, तिग्मरश्मि, तिग्मांशु, तिमिरनुद, तिमिर-भिद्, तिमिररिपु, तिमिरहर, तिमरारि, तीक्ष्णरश्मि, तीक्ष्णांशु, तुंगीश, तेजोराशि, त्रयीतन, त्रयीमय, त्रिमूर्ति, त्रिलोकेश, त्रिविष्टपमीश, दक्षिणायर, दनकर, दनमणि, दिनकंत, दिनकर, दिनकर्ता, दिनकृत,

दिनदीप, दिननाथ, दिननायक, दिननाह, दिनप, दिनपति, दिनपाल, दिनबंधु, दिनमणि, दिनमनि, दिनयपूरव, दिन-माली, दिनरत्न, दिनराई, दिनराउ, दिनराज, दिनाधीश, दिनियर, दिनेश, दिनेश्वर, दिनेस, दिवसकर, दिवसनाथ, दिवसपति, दिवसमणि, दिवाकर, दिव्यांशु, दीत, दीप्तकिरण, दीप्तांशु, दुखिपद, दूरोहण दृग्भू, दृग्भू, देवमणि, द्युपति, द्युमणि, द्युम्न, द्युवन, द्वादशात्मा धरण, धामनिधि, ध्वांतशत्रु, नग, नभःकेतन, नभःपाथ, नभगामी, नभश्चक्षु, नभस्य, नभोमार्ग, निद्राधकर, पतंग, पद्मनाभ, पद्मगर्भ, पद्मपाणि, पद्मलाञ्छन, पद्माक्ष, पद्मासन, परिष, पर्पटीक प्रभा, पाथ, पार, पावक, पीतु, पीथ, पीयु, पुरुष, पुष्कर, पूर्णमास, पूर्वकृत, पूषण, पूषा, पेरू, प्रकाशात्मा, प्रजाद्वार, प्रजाध्यक्ष, प्रजापति, प्रभाकर, प्रातनाथ, बकुर, बगल, बम्त, ब्रध्न, भग, भगवन, भाकर, भान, भानु, भानुकेशर, भानुदेव, भानुमत् भानुमान, भानेमि, भानु, भासु, भास्कर, भास्वत्, भास्वर, भुवन्यु, भुताव, भूपरा, मण्डली, मार्तंड, मित्र, मिहिर, मैत्रेय, यमसू, यमादित्य, रव, रवि, रात्रापति, रात्रिनाशक, रुचिधाम, रुचिभर्ता, रोहित, लोकचक्षु, लोकबंधु, वच, वरी, वरुण, वसु, वासरमणि, वासरमणि, विकर्त्तन विभाकर, विभावसु, विग्रमणि, विरोचन, विवस्वत् , विश्वकर्म्मा, विश्वकार, विश्व-प्रकाशक, विश्वरत, विश्वलोचन, विहगम, विहग, वीतिहोत्र, वेधा, व्योमरत्न, शूर, शूरा, श्रीमुख, सदागति, सप्तपथ, सप्ताश्व, सव, सविता, सविमाल, सहरि, सहस्रकर, सहस्रकिरण, सहस्रांशु, सहस्रार्चित सहुरि, सानु, सावित्र, सुतपा, सुर, सुरज, सुरमान, सुराकृत, सुरुज, सुरोत्तम, सुवन, सूत, सूनु, सूरज, सूरि, सूर्यदेव, सूर्य्यनारायण, सूर्य्यपति, सोमबधु, स्पून, स्योन, स्वर्ण-भाज, हंस, हरि, हरिण, हरित्, हरिनाहन, हिमाराति, हिरण्यरेता, हिरण्यवीर्य्य, हृषु, हेममाली, ।

२९८. १२ आदित्य—अर्यमा, उरुक्रम, त्वष्टा, धाता, पूषा, भग, मित्र, वरुण, विधाता, विवस्वान, शक्र, सविता ।

२९९. सूर्य की १२ कलाएँ—क्षमा, ज्वालिनी, तपिनी, तापिनी, धारिणी, धूम्रा, बोधिनी, भोगदा, मरीचि, रुचि, विश्वा, सुषुम्ना ।

३००. सूर्य के पुत्र—अश्विनीकुमार, कर्ण, मनुवैवस्वत, यम, शनि, सुग्रीव ।

३०१ सूर्य की कन्या—यमुना, (यमी,) दे० 'यमुना' ।

३०२. सूर्य की स्त्रियाँ—कान्ति, छाया, प्रभा, प्रभावती, महावीर्य्या सज्ञा, सवरणा, सूर्य प्रिया, स्वाती ।

३०३. सूर्य के घोड़े—उच्चैःश्रवा, रविहय, सप्ताश्व ।

३०४ सूर्य का सारथी—अनूप, अरुण, काश्यपी, गरुड़ाग्रज, विवस्वत, सूर्यसुत ।

३०५. सूर्य के पारिपार्श्वक—चण्डांशु, पिंगलोदक, माठर ।

३०६. सूर्य की नगरी—भास्वती, विवस्वती ।

३०७. चंद्रमा—अंधकारिपु, अमोघ, अब, अत्रिज, अत्रिनेत्रज, अप्रमेय, अब्ज, अंशुधर, अमित, अमीकर, अमृत,

अमृतकर, अमृतदीधित, अमृतद्युति, अमृतबधु, अमृरश्मि, अमृतवपु, अमृतसू, अमृतांशु, आत्रेय, इंदु, उडुप, उडुपति, उडुराज, ऊ, ऋक्षपति, एणभृत, ओकपति, ओषधिपति, ओषधीश, कलंधर, कलाधर, कलानाथ, कलानिधि, कलाप, कलाभृत कात, कामी, कुमुदबंधु, कुमुदबांधव, कुमुदिनीपति, क्लेदु, क्षणादाकर, क्षपाकर, क्षपानाथ, क्षपापति, क्षीरज, क्षीरोनंदन, क्षुधासुति, खचमस, खग, खदिर, खिदिर खेचर, गगनगति, ग्लौ, गो, ग्रहनेमि, ग्रहराज, चन्द्र, चन्दक, चन्दा, चन्दिर, चन्द्र, चन्द्रक, चन्दयस, चन्दरि, चाँद चित्राचीर, चित्राटीर, त्रिनेश, छपाकर, छरयाभृत, छायाक, छायामान, जयंत, जर्ण, जलज, जलधिज, जुन्हाई, जैवातृक, जोन्हाई, तपस, तपिनाथ, तमिपति, तमीश, तमोघ्न, तयोदर्शन, तमोहपह, तमोहर, तमोहरि, ताराधिप, ताराधीश, तारानाथ, तारापति, तारापीड़, तिथिप्रणी, तुंगीपति तुंगीश, तुषारकर, तुषारकिरण, तुषारमूर्ति तुषाररश्मि, तुषारांशु, तुहिनांशु, त्र्यंगट, दक्षजापति, दधिसुत, दशवाजी, दशाश्व, दाक्षायणीपति, दोषाकर, द्रुमेश्वर, द्विज पति, द्विजराज, द्विजेंद्र, द्विराज, दोशाकर, ध्वान्तशत्रु, नक्षत्रनाथ, नक्षत्रनेमि, नक्षत्रप, नक्षत्रपति, नक्षत्रराज, नक्षत्री, नक्षत्रेश, नक्षत्रेश्वर, नखतराज, नखतराय, नगपति, नभगामी, नभश्चमस, निशाकर, निशा नाथ, निशामणि, निशारत्न, निशिकर, निशिनाथ, निशिनायक, निशिपाल, निशिपति, निशेष, निसकर, निसाकर, निसिपति, निसिपाल, निसिमनि, निसेस,

नेभयोनि, पक्षजन्मा, पक्षधर, पतउक, पतय, पतस, पतोसद, परिध, परिजन्मा, परिशा, परिज्वा, पर्वधि, पवमान, पीयुष-रुचि, पीयुषवर्ष, पीयूषमहा, पूर्णमास, पौलस्त्य, प्रभाकर, बुधजामी, भग, भयत, भरण्यु, भुवन्यु, म, मनोभूत, मयंक, मरीची माहताब, मिहिर, मृगमित्र, मृगालाछन, मृगाक, मेहताब, यामिनीपति, यामीर, रजनीकर, रजनीचर, रजनीपति, रजनीश, रसपति, रात्रेश, रात्रिमणि, वरालि, वर्चस्वी, रोहिणीपति, रोहिणीश, लक्ष्मीसहज, वाति, विकस, विकुस्त, विधु, विपुष, विभावरीश, विमलात्मा, विरोक, विरोचन, विश्वलोचन, विहग, शम्भु-भूषण, शशधर, शशांक, शशि, शशि, शसी, सद समुद्रनवनीत, सन, सस, ससि, ससिधर, सची, सारग, सारस, सिंधु-जन्मा, सिन्धुपुत्र, सितभानु, सितरुचि, सितांशु, सिताश्व, सुलग, सुधांग, सुधांशु, सुधाकर, सुधागेह, सुधाघट, सुधाधार, सुधादीधित, सुधाधरण, सुधाधाम, सुधा-निधि, सुधाभृति, सुधाम, सुधामयूख, सुधायोनि, सुधारश्मि, सुध वास, सुधावदन, सुध सू, सुधासूति, सुवन, सृणि, सूप, सूम, सेतद्युति, सेतवाह, सोम, सोमदेव, सोम-राज, स्थूम, स्नेहु, स्मरसख, स्यद, ह, हरि, हरिणकलक, हरिणलक्षण, हरिणलाछन हिम, हिमकर, हिमकिरण, हिमगु, हिम-दीधिति, हिमभानु, हिममयूख, हिमरश्मि, हिमरुचि, हिमद्युति, हिमांशु, हिमांशुः।

३०७ अ. चद्रमा की स्त्री—अब्जयोनि, धातृ, रोहिणी, विधातृ।

३०८. चद्रमा का पुत्र—बुध, दे० 'बुध'।

दैत्यदेव, ध्वाणक, धारावनि, धूक, धूलिध्वज, नभःसुत, नभग, नभप्राण, नभस्वर, नभस्वान्, निश्वासक, नित्यगति, निपत्वत, निरूप, परिमर, पव, पवमान, पाथ, पृषताश्व, पृषदश्व, पृषोदर, पोता, पौन, प्रकम्पन, प्रभजन, प्राण, फलिप्रिय, बतास, बाउ, बाऊ, बाय, बायु, बाव, भोगिकांत, मरुत, मातरिश्वा, मारुत, यम, व, वर्षघ्न, वहत, वहति, वह्निमित्र, वात, वाति, वायु, वाह, वास, विधु, विहग, वीध्र, वृष्णि, शसीनि, श्वसन, स, सतोल, सदागति, समीर, समीरण, सरट, सरण्य, सरिमन, सर्क, सार, सुखाश, सुमर, सृक, सृक, सृणाक, सृदाकु, सोम, स्पर्शन, स्फुर, स्यदन, स्वकंपन, स्वेदनाश, हरि, हरिताली हवा, हावा।

३१४ पवन की स्त्री—अंजना, कुंती, दे० 'अंजना'। द० 'कुंती'।

३१५. पवन के पुत्र—भीम, हनुमान। दे० 'भीम'। दे० 'हनुमान'।

३१६. ४६ पवन—अहति, अजगत्प्राण, अनिल, अपान, आवक, आशुग, उदान, कपलक्ष्मा, खश्वास, गंधवह, चंचल, जगत्प्राण, धूलिध्वज, नभप्राण, नभस्वर, नभस्वान्, निश्वासक, पवन, पवमान, पृषतापति, पृषदश्व, प्रकम्पन, प्रभजन, प्राण, फलप्रिय, भोगिकांत, मरुत्, मातरिश्वा, मारुत, मृगवाहन, वात, वाति, वायु, वास, वाह, विहग, व्यान, शसीन, श्वसन, सदागति, समान, समीर, समीरण, सार, सुखाश, स्तनून, स्पर्शन, स्वकंपन, हरि।

३१७. यमराज—अंतक, अंतकर, अंतकृत, अंतकारक, अंतकारी, अंतकृत, अर्कज, औदुंबर, कंक, क, कर्मकर, कीनाश, कृतांत, कोपत, जनांत, जम, जीवनपति, जीवितेश, तरणिसुत, दंडधर, दंडधार, दंडयाम, दंडाधर, दंडी, दक्षिणाशापति, दमन, दिनेशात्मज, दैवाकरि, धर्मनाथ, धर्मराइ, धर्मराज, धर्मराय, नरदंडधर, पापंर, प्रेतराट्, पितरपति, पितृदैवत, पितृनाथ, पितृपति, पितृराज, पृथिवीपति, प्रजांतक, प्रजापति, प्रेतराट, भानुज, भामशासन, भूतांतक, म, महादंडधारी, महिषेश, मृत्यु, य, यमन, यमपुरुष, यमुनाभ्राता, रवितनय, रविनंदन, रविपूत, रविसुअन, वैवस्वत, श्राद्धदेव, सजनीपति, समवर्ति, समवर्ती, समितिजय, सूर्यज, सूर्यपुत्र, सोम, हरि।

३१८. १४ यम—अंतक, औदुंबर, काल, चित्र, चित्रगुप्त, दमन, धर्मराज, नील, परमेष्ठि, मृत्यु, यम, वृकोदर, वैवस्वत, सर्वभूतक्षय।

३१९. नरक—अवीचि, उष्ण, कटाह, कालसूत्र, जहन्नुम, तनुवात, तप्तपाषाण, तप्तबालुक, तप्तशर्मि, तप्तसुराकुंड, तमप्रभ, तमिस्र, तामिस्र, दूषित, दुर्गति, दोजख, दोजख, नर्क, नारक, निरय, यमलोक, यमपुरी, यमपुर, यमराज्य, यमराष्ट्र, यमसदन, यमालय, रसातल, रौरव, संघात, संजपनी।

विलोम—दे० 'स्वर्ग'।

नारकीय—नरकभोगी, नरकी, नारकी, नारकाय, पतित, पातकी, पापी।

३२०. कुछ प्रसिद्ध नरक कुंड—चक्रकुंड, ?, तप्तकुंड, वसाकुंड, सर्पकुंड।

३२१. ७ नरक—अवटनिरोधन, क्षारमर्दन, दंदशूक, पर्यावर्तन, रक्षोगणभोजन, सूलप्रोत, सूचीमुख।

३२२. २१ नरक—(मनु के अनुसार) अन्धतामिस्र, असिपत्रवन, ऋजीष, काकोल, कालसूत्र, कुड्मल, तपन, तामिस्र, नरक, प्रतापन, प्रतिमूर्त्तिक, महानरक, महारौरव, महावीचि, रौरव, लोहदारक, लोहशंकु, वैतरणी, शाल्मली, संजीवन, संघात।

३२३. २१ नरक—(भागवत के अनुसार) अंधकूप, अंधतामिस्र, अयःपान, अवीची, असिपत्रवन, कालसूत्र, कुम्भीपाक, कृमिभोजन, तप्तरश्मि, तामिस्र, पूयोद, प्राणरोध, महारौरव, रौरव, लालाभक्ष, वज्रकंटकशाल्मली, विशसन, वैतरणी, शूकरमुख, संदंश, सारमेयादन।

३२४. २८ नरक—अंधकूप, अंधतामिस्र, अवटनिरोधन, अवीचिरयःपान, असिपत्रवन, कुम्भीपाक, कृमिभोजन, क्षारकर्दम, तप्तभूमि, तामिस्र, दंदशूक, पर्यावर्तन, पारवास, पूयोद, प्राणरोध, महारौरव, रक्षोगणभोजन, लालाभक्ष, वज्रकंटक, शाल्मली, शूकरमुख, शूलप्रोत, संदंश, सारमेयादन, सूचीमुख।

३२५. नरक भोगना—कर्मकष्ट सहना, भोगना, यातना भोगना, रौरव भोगना।

३२६. नरक की पीड़ा—आमनस्य, कारणा, कृच्छ्र, तीव्रवेदना, तेलसत, दुःख, पीड़ा, बाधा, यातना, व्यथा।

३२७. नाग—काद्रवेयम्, पाताली, सौरसेय। दे० 'साँप'।

३२८ नागमाता कद्रू के ९ पुत्र—अनंत, अपराजित, कंबल, कर्कोटक, कुलिक, पद्म, महापद्म, वासुकि, शंख।

३२९. प्रमुख ८ नाग (इनमें ही नागों की ८ शाखाएँ चलीं)—अनंत, कर्कोटक, कुलीर, तक्षक, पद्म, महापद्म, वासुकि, शंख। विशेष—इन्हें 'अष्टनाग' कहते हैं।

३३०. शेषनाग—अनंत, अहिराज, अहीश, कुधर, कुमूल, धरणिधर, धराधर, धराधरन, धराधार, धाता, नागराज, नागेन्द्र, नागेश, नागेश्वर, पन्नगपति, पन्नगेश, परिघ, पातालौकस, फणिपति, फणींद्र, फणीश, फनिंद, फनींद, फनिराज, फनिधर, बासुकी, भुजगराज, भुजगेन्द्र, भूधर, भूमिधर, भोगी, महाअहि, महिधर, महीधर, वासुकी, शेष, सर्पपति, सर्पराज, सहस्रजीभ, सहस्रमुख, सहस्रवदन, सहस्रमौलि, सहस्रानन।

३३१. शेषनाग का स्थान—पाताल।

३३२. शेषनाग का प्रासाद—मणिभित्ति, मणिमंडप।

३३३. शेषनाग की स्त्री—अनंतशीर्षा।

३३४ शेषनाग का फण—मणिद्वीप।

३३५. पाताल—अधोलोक, उरगस्थान, नागलोक, निम्नलोक, पातार, पातालखंड, पातालपुरी।

३३६. ७ पाताल—(विष्णुपुराणानुसार) अतल, वितल, नितल, गभस्तिमत, महातल, सुतल, पाताल।

३३७. ७ पाताल—(पद्मपुराणानुसार) अतल (महामाया) वितल [हाटकेश्वर (शिव)] सुतल (बलि) तलातल (माया) महातल (बड़े सर्प) रसातल (दैत्य तथा दानव) पाताल (वासुकि)।

विशेष—कोष्ठकों में शासकों के नाम हैं।

३३८. ८ पाताल—(शिवपुराणानुसार)—

तल, अतल, वितल, ताल, विधिपाताल, शर्कराभूमि, विजय।

३३९. पातालों में रहने वाले प्रमुख—नाग—कर्कोटक, कालिय, कुलिक, कुहक, तक्षक, धनंजय, शंख, शंखचूड़, सुषेन।

३४०. पातालों में रहने वाले प्रमुख राक्षस—पाणि, पातालकेतु, बलि, मय, बल।

३४१. कर्कोट (सर्पराज)—कर्कोटक।

३४२. कालीनाग—कालिय, काली, महानाग।

३४३. बलि—पातालौकस, प्रह्लादपौत्र, महाबलि, विंध्यावलीपति, विरोचनसुत।

३४४. बलि की स्त्री—विंध्यावली।

३४५. बलि की पुरी—महाबलिपुर।

३४६. असुर—अभ, अदेव, इन्द्रारि, कबुर, कुदर, कैकश, क्षपाचर, क्षपाट, खेचर, तमोचर, दइत, दनुज, दानव, दितिज, दितिसुत, देव, देवशत्रु, देवारि, दैत, दैतेय, दैत्य, दैयत, ध्रुम्र, ध्वानचर, नक्तचर, निलावर, निशाचर, निशाटन, निशाविहार, निशिचर, निश्चर, निसाचर, नैर्ऋत, पर्ण्य, पाठ, पुष्कल, पूर्वदेव, मनुजाद, राक्षस, लवण, वज्रदंष्ट्र, वलीन, शर, शुम्भ, शुक्रशिष्य, सुरद्विष, सुररिपु, सुरवैरी।

३४७. दानव—अधोमुख, अरिष्ट, अरुण, एकचक्र, कपिल, तापन, दुर्जय, द्विमुर्द्धा, धूम्रकेश, पुलोमा, विप्रचित्ति, विभावसु, विरूपाक्ष, वृषपर्वा, शङ्कुशिरा, शबर, स्वर्भानु, हयग्रीव।

३४८. राक्षस—अगिर, अदेव, अविबुध, अश्रप, असप, असुर, असुरसेन, आकाशचारी, आशर, कर्बुर, क्रव्याद, कौणप, तमचर, तमाचारी, तमीचर, निसाचर, निकषात्मज, निशाचर, निशिचर, नैर्ऋत, पलाद, पलादन, पलाश, पलाशी, पुण्यजन, पुरुषाद, पुरुषाशी, प्रघस, भीष्म, भूत, मनुजाद, यज्ञशत्रु, यज्ञारि, यज्ञद्रुह, यातु, यातुधान, यामिनीचर, रक्तग्रीव, रक्तप, रक्ष, रक्षस, रच्छस, रजनीचर, राकस, राछस, रात्रिचर, रात्रिचारी, रात्रिबल, रात्रिमल, रात्रिमट, रैनिचर, लंककरण, विथुर, शहाव, सध्यावल।

विशेष—असुर, दानव तथा राक्षस अब प्रायः पर्याय के रूप में ही प्रयुक्त होते हैं।

३४९. राक्षसी—कौणपी, निशाचरी, निशिचरा, निशिचरी, निश्चरी, दानवी, पलाशिनी, पुलोमी, भूतिनी, यातुधानी, राक्षसी, रात्रिचरा, सिंहकी।

३५०. भूत—आसेव, जिन, जिद, तेलिया-मसान, पिशाच, पिसाच, प्रेत, पौन, बेताल, बैताल, मसान।

३५१. भूतों के कुछ भेद—जिन, तेलिया-मसान, नट, बरम।

३५२. भूतिनी—चुड़ैल, चुरइन, जोगिन, डाइन, प्रेतनी, बैतालिन।

३५३. भूत विद्या—झाड़फूँक, प्रेतविद्या, सायता।

३५४. भूत झाड़ने वाला—ओझाइत, ओझा, सोखइत, सोखा।

३५५. भूत प्रेत की बाधा—आसेब, फेर।

३५६. जहाँ भूत हो या जिसमें भूत हो—फेरवाला, भुतहा।

३५७. भूत झाड़ने का स्थान—चौरा, थान, देवघरा, देवस्थान, ब्रह्मस्थान, स्थान।

३५८. भूतों के स्थान—अश्मसान, चौरा, डीह, धोबघट्टा, ब्रह्मस्थान, श्मशान, सतिवढ़ ।

३५६. भूत लगना—चुरइन भरना फेर पड़ना, फेर लगना, भूत पकड़ना, हवा लगना ।

३६० भूत लगाना—टोना करना, फेर डालना, मसान हाँकना ।

३६१. भूत भाड़ना—झूना, जोग टाट करना, झड़ाना, झाड़ना-फूँकना, झाड़-फूक करना, टोना-टोटका करना, फूँकना, भूत उतारना, मतर मारना, मंत्र पढ़ना ।

३६२. टोना—कुजंत्र, जादू, टोना, मूठ ।

३६३. टोना करना—दृष्टि लगाना, नज़र लगाना, मूठ चलाना ।

३६४. टोना करने वाली स्त्री—टोनहिन ।

३६५. रविकुल—रविवंश, सूर्यवंश ।

३६६. राम—अवधेश, कपिरथ, कमलनयन, कमलाकांत, काकुत्स्थ, खरारि, ताड़िकारि, तिरलोकीनाथ, त्रिलोकनाथ, त्रिलोकपति, त्रिलोकीनाथ, दशकंठजहा, दशकंठारि, दशरथसुत, दाशरथ, दाशरथि, माधव, रघुनंद, रघुनंदन, रघुनाथ, रघुनायक, रघुपति, रघुराई, रघुराज, रघुराय, रघुरैया, रघुवंशकुमार, रघुवर, रघुवीर, रघूत्तम, रघूद्वह, राघव, रामचंद्र, रामभद्र, रावणारि, लंकारि, वीरराघव, श्रीपति, सत्यसंध, सीतानाथ, सीतापति, सीतारमण, सीतारवन, सीताराना, सीतावर, सीतावल्लभ, सुग्रीवेश, सुबाहुशत्रु, हरि ।

३६७ सीता—उर्वीजा, जनकदुलारी, जनकनंदिनी, जनकजी, जनकपुत्री, जनकात्मजा, जा, जानकी, धरणीसुता, धरात्मजा, पुण्यश्लोका, भूतनया, भूपुत्री, भूमिज, भूमिजा, भूमिसंभवा, भूमिसुता, भूसुता, भौमी, मैथिली, योजनगंधा, योजनगंधिका, रामप्रिया, रमा, लक्ष्मी, लाडली, वैदेही, सिया ।

३६८. दशरथ - अवधेश, कौशलपति, दशरथ, दशस्यंदन, दिगस्यन्दन, पंक्तिरथ, रघुवंशमणि, शब्दवेधी ।

३६९ कौशल्या—कौशल्य कौशल्या, कौसल्या, कौसिल्या ।

३७०. लक्ष्मण—अनंत, अहीश, वैमात्र, रामानुज, लखन, लछिमन, लछुमन, लछुमण, शेष, सौमित्र ।

३७१. लक्ष्मण की स्त्री—उर्मिला ।

३७२. लक्ष्मण के पुत्र—अंगद चंद्रकेतु ।

३७३. भरत - कैकेयीसुत, मांडवीपति ।

३७४. भरत की स्त्री—कुशध्वजकुमारी, मांडवी ।

३७५. शत्रुघ्न—अरिदमन, अरिमर्दन, अरिहन, अरिघ्न, रिपुदमन, रिपुसूदन, लवणांतक, शत्रुघन, शत्रुदमन, शत्रुमर्दन, शत्रुहंता, शत्रुहन ।

३७६. शत्रुघ्न की स्त्री—श्रुतकीर्ति ।

३७७. सुमित्रा - मित्रा ।

३७८ कैकयी—अश्वपतिसुता, ककई, कैकयकुमारी ।

३७९ जनक—विदेहराज, मिथिलेश, राजर्षि, विदेह, विवेकनिधि ।

३८० हनुमान—अंजनानंद, अंजनीकुमार, अंजनीनंद, अंजनीपुत्र, अंजनीसुत, अंजनीनंदन, आंजनेय, कपिकेशरी, कपीश, चिरजीवी, जितेन्द्रिय, पवनकुमार, पवनज, पवनतनय, पवननंदन, पवनपुत्र, पवनपूत, पवनसुत, पवनात्मज, प्रभंजनजात, पावनि, बजरंग,

बजरंगबली, बज्रागी, मरुत्वान, महावीर, मारुत, मारुति, योगचर, रजतद्युति, रामदास, रामदूत, रामभक्त, लॉगड़ो, वज्रककट, वरिष्ठ, वातपुत्र, वातात्मज, वानरेन्द्र, वायुपुत्र, विक्रम, हनूमान, हरीश, हनिवंत, हनुवत ।

३८१. अजनी—अजना, अजनि, केशरीप्रिय ।

३८२. बालि—ताराधिप, ताराधीश, तारानाथ, तारापति ।

३८३. अंगद—तारेय, भुजबध ।

४८४. जामवत—ऋक्षपति, ऋक्षराज, जांबवान, जाबुवान, जामवान, भालूनाथ, रीछराज ।

३८५. सुग्रीव—अर्कज, ताराधिप, ताराधीश, तारानाथ, तारापति, दिनेशात्मज, रवितनय, रविनंदन, रविपूत, रविसुअन, वानरेंद्र, हरीश ।

३८६. विभीषण—निशिचरराज, लंकनाथ, लकनायक, लंकपति, लंकेश ।

३८७. कागभुशुंडि—कागभुशुडी, भुशुडि, भुशुण्डी ।

३८८. शबरी—भीलनी, भिलनी, शबरी, सबरी ।

३८९. अहल्या—अहिल्या, गौतमी ।

३९०. रावण—कुंभीनस, कृतिकर, निशाचरपति, दनुजेश, दशकंठ, दशकध, दशकंधर, दशग्रीव, दशमाथ, दशमुख, दशमौलि, दशबदन, दशशिर, दशशीर्ष, दशशीश, दशानन, दशास्य, दैत्येन्द्र, निश्चरपति, पक्तिग्रीव, पौलस्त्य, बहुबाहु, यातुधानेश, रवना, राक्षसपति, रावन, लंकनाथ, लकनायक, लंकापति, लंकाधिपति, लकापति, लंकेश, लंकेश्वर, विंशतिबाहु ।

३९१. मन्दोदरी—मदोवै, मयसुता ।

३९२. केशिनी (रावण की माता)—कैकशी ।

३९३. मेघनाद—इद्रजित, मघवाजित, मघवारिपु, मेघनाथ, शक्रारि ।

३९४. अक्षयकुमार—अक्ष, अक्षकुमार, अच्छ, अच्छयकुमार ।

३९५. त्रिजटा—धर्मज्ञ ।

३९६. ताड़का—ताड़का, ताड़िका ।

३९७. मारीच—ताड़केय, मारीच ।

३९८. शूर्पणखा—पौलस्त्यी, शूर्पनेखिया, शूर्पनखा, सूरपनखा, सूर्पनखा ।

३९९. कृष्ण—अरिकेशी, अहिजित, कधैया, कसारि, कन्हैया, कन्हाई, कमलनयन, कमलाकांत, कांत, काँधर, कान्हा, कान्ह, कामपाल, केशव, खरध्वसी, खरारि, खरारी, गरुड़गामी, गरुड़ाचन, गिरिधर, गिरिधरन, गिरिधारन, गिरिधारी, गोपति, गोपाल, गोपीनाथ, गोपेन्द्र, गोलोकेश, गोविंद, गौरांग, घनश्याम, चक्रधर, चक्रधारी, चक्रपाणि, जनार्दन, जदुपति, जदुपाल, जदुराई, जदुराज, जदुराय, जदुवर, जदुवीर, जादवपति, जोगेश्वर, तुंगीश, त्रिलोकनाथ, त्रिलोकपति, त्रिलोकीनाथ, दामोदर, देवकीनन्दन, देवकीपुत्र, द्वारकाधीश, द्वारकानाथ, धर, नदकिशोर, नदकुमार, नदनद, नदनदन, नंदनज, नदलाल, नदात्मज, नरत्राण, नवनीत, नवलकिशोर, पांडवायन, पीतवास, पीतांबर, पुरुषोत्तम, पृश्निगर्भ, पृश्निभद्र, बंशीधर, बनमाली,

बनवारी, बलबीर, बासदेव, बाहरजामी, ब्रह्म-वैवर्त्त, भगवान, मदनगोपाल, मदनमोहन, मधुपति, मधुसूदन, मनमोहन, महरेटा, माधव, माधो, मुकुंद, मुरदर, मुरमर्दन, मरलीधर, मुरलीमनोहर, मुरहा, मुरहारी, मुरारि, मुरारी, मोहन, मोहनास्त्र, यज्ञनेमि, यज्ञलिंग, यदुनन्दन, यदुनाज, यदुपति, यदुभूप, यदुराई, यदुराज, यदुराय, यदुवंशमणि, यदुवर, यदुवीर, यदूत्तम, यवनारि, यादव, यादवेश, योगीन्द्र, योगेश्वर, रसिकबिहारी, रसेस, राधारमण, राधावल्लभ, राधाकांत, लक्ष्मीपति, लालमन, लीलापुरुषोत्तम, वंशीधर, वक-ज्ञान, वासुदेव, विभुमा, विहारी, वृन्दा-वनेश्वर, वृषं, वृष्णि, ब्रजराज, ब्रजमोहन, ब्रजलाल, ब्रजवल्लभ, ब्रजपति, ब्रजेन्द्र, ब्रजेश्वर, वासुदेव, शकटारि, शंखधर, शतानंद, शिखंडी, शिशुमार, श्यामसुन्दर, श्रीकृष्ण, श्रीदाम, श्रीपति, संवलिया, साँवले, सात्वत, सारग, सुब्रह्म, सुरत्राता, सुराध्यक्ष, सुरेश, सुरेस, सेतुप्रद, सोगोद्भव, हृषीकेश।

४००. राधा – किर्तिकिशोरी, कीरतिकुमारी, राधिका, रामा, ब्रजरानी, वृन्दावनेश्वरी, वृषभानुजा, वृषभानुनन्दनी, श्यामा, श्रीमती, सुरेश्वरी, हरिप्रिया।

४०१. रुक्मिणी–भीष्मकसुता विदर्भकुमारी।

४०२. रुक्मिणी का पुत्र—प्रद्युम्न, दे० 'कामदेव'।

४०३. अनिरुद्ध उषापति, ऋष्यकेतु, झषांक।

४०४ अनिरुद्ध की स्त्री—उषा, ऊषा, प्रातिजुषा।

४०५. अनिरुद्ध का पुत्र—अनिरुद्धसुत, वज्र।

४०६. वसुदेव—आनकदुंदुभि।

४०७. वसुदेव की स्त्री—अदिति, कृष्ण-जननी, देवकसुता, देवकी, पृश्नी।

४०८. नंद – गोपनाथ, गोपराय।

४०९. यशोदा—जसुमति, नंदरानी, महरि, यसुदा।

४१०. बलराम—अच्युताग्रज, अहीश, एक-कुंडल, कामपाल, कालिंदी भेदन, खरारि, गुप्तचर(?), तालांक, तालध्वज, तालध्वजी, तालक्ष्मण, तालांक, दाऊ, बल, बलदाऊ, बलदेव, बलबीर, बलभद्र, भद्रवल्लभ, भद्रांग, मुसली, मूशलपाणिक, यमुनाभिद, राम, रुक्मिदर्प, रुक्मिदारी, रेवतीरमण, रेवतीरमन, रौहिणेय, लांगलध्वज, लांगली, शेष, सकर्षण, संवर्त्तक, संवर्त्तकी, सात्वत, सीताम्बर, सारपाणि, सौनंदी, हलदेव, हलधर, हलायुध, हली।

४११ कुंती पांडुप्रिया, पार्ष्णी, पृथा।

४१२. पांडव—पंडव, पंडवा, पाँडवेय, पांडुपुत्र।

४१३. ५ पांडव – युधिष्ठिर, अर्जुन, भीम, नकुल, सहदेव।

४१४ युधिष्ठिर– अजातशत्रु, कंक, कुरु-राज, कौन्तेय, जय, धर्मपुत्र, धर्मराइ, धर्मराज, धर्मराय, धर्मावतार, पुण्यश्लोक, मजातारिपु।

४१५ युधिष्ठिर की स्त्री—देविका (महाभारतानुसार,) यौधेयी (विष्णु पुराणा-नुसार)।

४१६. युधिष्ठिर का पुत्र—यौधेय (महा-

भारतानुसार), देवक (विष्णु पुराणानुसार) दे० 'द्रौपदी'।

४१७. अर्जुन—ऐंद्रि, कपिध्वज, कपिरथ, कर्णारि, किरीट, कृष्ण, कृष्णसखा, कौंतेय, गांडीव, गांडीवधन्वा, गांडीवधर, गुडाकेश, चित्रयोधा, जिष्णु, तपस्य, धनंजय, धन्वी, नर, पांडुनंदन, पाकशासनि पार्थ, फल्गुन, फाल्गुन, मध्यमपांडव, राधाभेदी, बासवी, विजय, बिभत्स, बृहन्नल, बृहन्नला, विपुलस्कंध, शबर, शब्दवेधी, शिवमल्ल, श्वेतवाहन, सव्यचारी, सव्यसाचि, सव्यसाची, सितत्रग, सितवाजी, सिताश्व, सुनर, सेतवाह, हरिसुत।

४१८. द्रौपदी—(पाँचों पाडवों की स्त्री) कृष्णासखी, कृष्णा, द्रुपदसुता, द्रोपती, द्रोपदा, द्रौपती, नरनारि, नित्यौवनी, नित्ययौवना, पंचधव, पंचालकुमारी, पांचाली, पांचाली, पारशती, पार्षती, पुण्यश्लोका, यज्ञसेनी, वेदिजा, सत्यसंधा, सैरध्री, सौरिंध्री।

४१९. पाँचों पांडवों से द्रौपदी के पाँच पुत्र—प्रतिविंध्य (युधिष्टिर), श्रुतशोम (भीम), श्रुतकीर्ति (अर्जुन), शतानिक (नकुल), श्रुतकर्मन् (सहदेव)।

४१६. अ. द्रुपद—द्रुपत, यज्ञसेन।

४१६. आ. सुभद्रा—(अर्जुन की स्त्री तथा अभिमन्यु की माता) अर्जुनी, कृष्णवासी, पौत्रा, वसुदेवकुमारी, सुनंदरा।

४२० अभिमन्यु—अभिमन्यू, पाएडु, पार्थनन्दन, सुभद्रासुत, सौभद्र।

४२१ उत्तरा—उत्तरस्वसा, विराटकुमारी।

४२२. उत्तरा का पुत्र—परीक्षित।

४२३. उलूपी—कौरव्यसुता, नागकन्या, नागकुमारी।

४२४. उलूपी के पुत्र—इरावत, बभ्रुवाहन।

४२५. भीमसेन—जयत, पवनकुमार, पवनज, पवननंदन, पवनपुत्र, पवनपूत, पवनात्मज, पवनतनय, पवननद, पवनसुत, पृष्टशृंगी, बाहुशाली, भीम, भीमा, भीमू, भीव, भीष्म, मारुत, मारुति, वायुपुत्र, बकजीत, वातपुत्र, वृकोदर।

४२६. भीम की स्त्रियाँ और उनसे उत्पन्न पुत्र—द्रौपदी—श्रुतशोम ; हिडिंबा—घटोत्कच ; बलधरा—सरवग। दे० 'द्रौपदी'।

४२७. नकुल—अश्वनीकुमारज, तंत्रिपाल, बाहुक, माद्रिज।

४२८. नकुल की स्त्री—करेणुमति, चेदिकुमारी।

४२९. नकुल का पुत्र—निरमित्र।

४३०. सहदेव—अश्विनीकुमारज, माद्रिजा, लघुपांडव।

४३१. सहदेव की स्त्री—विजया।

४३२. सहदेव का पुत्र—सुहोत्र श्रुतकर्मन्।

४३३. सत्यवती—कालागनी, गंधकालिका, गंधकाली, गंधवती, मत्स्योद्री, दासनंदिनी, दासेयी, मत्स्यातरी, मत्स्यगंधा, योजनगंधा।

४३४. भीष्म—कौणपदंड, गंगापुत्र, गंगासुत, गंगेय, गंगायनि, गंगा, गांगेय, तालकेतु, तालध्वज, देवव्रत, पितामह, पुरावसु, भीष्मपितामह, भीष्म, शान्तनुसुत, सतनुसुत, सरितसुत, स्वेच्छामृत्यु।

४३५ धृतराष्ट्र—अंबिकेय, आंबिकेय।

४३६. दुर्योधन—कौरवपति, कौरवेश, सुयोधन।

४३७. दुसला—कौरवभगिनी, दुःशला, दुःसला, दुसला।

४३८. कर्ण—अंगराट्, अंगाधिपति, अधिरथि, अर्कज, अर्कनंदन, करण, कानीन, गोपुत्र, घटोत्कचांतक, चंपाधिप, चाम्पेश, दिनेशात्मज, राधासुत, राधेय, वसुषेण, वैकर्तन, सूतपुत्र, सूर्यसुत।

४३९. जयद्रथ—तंत्रिपालक।

४४०. द्रोणाचार्य-कुंभज, कुंभजात, कुटज, भारद्वाज।

४४१. अश्वत्थामा—चिरजीवी, द्रोणि, द्रोणायन, द्रोणायनि, द्रौणि।

४४२. जरासंध—जरापुत्र, जरायणि, जरासुत।

४४३. कंस—कंसासुर, कलांकुर।

४४४. परशुराम—कुठारपाणि, क्षतांतक, खड्गपरशु, जामदग्न्य, नृपद्रोही, परशुधर, पशुंपाणि, पर्शुराम, ब्रह्मराशि, भार्गव, भृगु, भृगुनंद, भृगुनंदन, भृगुनाथ, भृगुनायक, भृगुपति, भृगुमुख्य, भृगुराम, यामदग्नि, राम, रेणुकात्मज।

४४५ रेणुका—(परशुराम की माता) कोकका, कोकवती।

४४६. कच्छप—(अवतार) कछुआ, कछु, कमठ, कूर्म, गुहा, चतुर्गीत, जलगुल्म, दोलेय, जीवथ, पंचगुप्त, पचनख, पंचांगगुप्त, पीवर।

४४७. बुद्ध—अजित, अर्कबंधु, अद्वयवादी, अर्हंत, अर्हत, आर्य, करुण, कुलिशासन, खगम, गौतम, जगतीश्वर, जितारि, जिन, ज्ञानकार, थ, त, तथागत, तथाराज, तमोघ्न, त्रिकाम, त्रिशरण, दम, दयाकूर्च, दशपारमिताधर, दशबल, दशभूमिग, दशभूमीश, दशार्द्ध, दशार्हि, द्वादशाक्ष, धर्मकेतु, धर्मचक्र, धर्मज, धर्मधातु, धर्मप्रभास, धर्मप्रवचन, धर्मराज, नदीदत्त, नागाभिभू, नागार्जन, निशुंभी, पद्मगर्भ, पद्मयोनि, पुष्कल, ब्रह्मासम, बहुरूप, भगवत भगवान्, भगवान, भिक्षक, भीष्मस्वरराज, महाबोधि, महामैत्र, महावीर, मायादेवीसुत, मारजित, मुनि, मुनींद्र, मुनीश, मुनीश्वर, मणिभभू, मायासुत, रत्नकीर्त्ति, रत्नकेतु, लोकजित, लोकज्येष्ठ, लोकनाथ, लोकप्रदीप, लोकाधिप, वक्री, वज्रकपाली, वज्रसत्व, वज्रसूर्य, वागाशनि, विगतोद्भव, विनाशक, विपश्री, विपश्यी विश्वंतर, विश्वबोध, विस्तीर्णभेद, व्योमाभ, षडभिज्ञ, शाक्यमुनि, शाक्यसिंह, शास्ता, श्रीघन, सगुप्त, सत्यकेतु, समतप्रभास, समतभद्र, समकर्ण, सम्यकसबोध, सरल, सरोजी, सर्वज्ञ, सर्वार्थ, सिद्ध, सिद्धार्थ, सुखावतीश्वर, सुगत, सुगतदेव, सुघोष, सुचेष्टरूप, सुधावर्षी, सुभाषित, सुमनोज्ञघोष, सोमसिद्धान्त, स्थितबुद्धिदत्त, हर्षुल, हेम, हेरंब।

४४८. कल्कि—कलकी, कल्किन्।

४४९. ऋषि—ब्रह्मर्षि, मन्त्रदाता, मंत्रद्रष्टा, मनीषी, महर्षि, मुनि, सूक्तकार, सूक्तद्रष्टा।

४५०. कश्यप—वृक्ष, तार्क्ष्य, भूतांकुश।

४५१. कश्यप की १३ पत्नियाँ—अदिति (दक्षायणी), अरिष्टा, इरा, इला, कद्रु, क्रोधा, ताम्रा, दनु, दिति, प्रधा, मुनि, विनता, स्वधा।

विशेष—कुछ मतों से ये १७ तथा कुछ मतों से ७ थीं।

४५२. **दधीच**—दधीचि, दध्यंच ।

४५३. **शुक्राचार्य**—अश्वपति, आदिनावँ, एकाक्ष, कवि, कविपुत्र, काव्य, दैत्यगुरु, माघभव, श्वेत, षोडसाशु ।

४५४. **शुक्राचार्य की स्त्री**—शतपर्वा, शुषमा ।

४५५. **अत्रि**—प्रभावकर ।

४५६. **अत्रि के पुत्र**—दुर्वासा, दे० 'दुर्वासा' ।

४५७. **अनुसूया**—अत्रिप्रिया, अनुसुइया, अनुसूय, प्रभाकरप्रिया ।

४५८. **चंद्रमाऋषि**—अत्रिनेत्रज ।

४५९. **दुर्वासा**—आत्रिज, अत्रेय, आत्रेय, कुशारणि ।

४६०. **वाल्मीकि**—आदिकवि, कुशी, कुशीलव, प्राचेतस्, वाल्मीक, मैत्रावरुणि, वल्मीकोद्भव ।

४६१. **व्यास**—कानीना, कृष्ण, कृष्ण-द्वैपायन, गांगेय, द्वैपायन, पराशरसुत, पाराशर, पाराशर्य, पाराशरीर, पावन, व्यास, वेदव्यास, शाश्वतस, सत्यवतीसुत, [पुराण के अनुसार विष्णु के अवतार के रूप में २८ व्यास हो चुके हैं ।]

४६२. **शृंगीऋषि**—मृगज, विभाडसुत, शांताधव, शृंगी ।

४६३. **नारद**—कपिवक्त्र, कलप्रिय, कलिकारक, कलिप्रिय, जगद्गुरु, देवमुनि, देवल, देवश्रुत, देवर्षि, पिशुन, ब्रह्मपुत्र, ब्रह्मसू ।

४६४. **अगस्त्य**—अगस्त, अगस्ति, अगस्ती, अग्निमारुति, और्वशेय, कलशिसुत, कुम्भज, कुंभजात, कुम्भयोनि, कुम्भसंभव, कूटज, घटज, घटयोनि, घटसंभव, घटोद्भव, पीताब्धि, मैत्रावरुण, याम्य, विंध्यकूट, समुद्रचुलुक, सिन्धुशासनि ।

४६५. **अगस्त्य की स्त्री**—कौशीतकी, लोपामुद्रा, वरप्रदा ।

४६६. **विश्वामित्र**—कौशिक, गाधिज, गाधिनदन, गाधिसूनु, गाधेय, गौरव, राजर्षि ।

४६७. **वशिष्ठ**—कुम्भज, कुम्भजात, ब्रह्मपुत्र, ब्रह्मर्षि, ब्रह्मसू, वैरचि ।

४६८. **दत्तात्रेय**—अत्रिज, अत्रेय ।

४६९. **ध्रुव**—औत्तानपादि, महाधार ।

४७० **त्रिशंकु**—वेधस्, सत्यव्रत ।

४७१. **अजामिल**—अजामील, द्विजबधु ।

४७२. **जैनी**—जैनावलंबी ।

४७३. **जैनधर्म की दो शाखाएँ**—दिगंबर, श्वेतांबर ।

४७४. **बिनावस्त्र का सन्यासी**—दिगंबर, नागा, वस्त्ररहित, वस्त्रहीन, विनिमोक ।

४७५. **जैनधर्म के ५ महाव्रत**—अपरिग्रह, अस्तेय, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, सत्य ।

इन सभी को अनुक्रमणी में देखकर यथा स्थान देखिये ।

४७६. **जैनियों के देवों के ४ प्रकार**—अनुत्तर (५), कल्पातीत (९), ग्रैवेयक, वैमानिक या कल्पभव (१२) ।

४७७. **१२ वैमानिक देवता**—अंतक, अच्युत, आरण, ईशान, नत, प्राणत, ब्रह्म, माहेंद्र, शुक्र, सनत्कुमार, सहस्रार, सौधर्म ।

४७८. **जैनागमों के दो काल**—अवसर्पिणी, उत्सर्पिणी ।

४७६. उत्सर्पिणी काल के तीर्थंकर—अतीत चौबीसी, तीर्थंकर।

४८०. अतीत चौबीसी—श्री निर्वाण, सागर, महासाधु, विमलप्रभु, श्रीधर, सुदत्त, अमलप्रभु, उद्धर, अगिर, सन्मति, सिंधुनाथ, कुसमांजलि, शिवगण, उत्साह, ज्ञानेश्वर, परमेश्वर, विमलेश्वर, यशोधर, कृष्णमति, ज्ञानमति, शुद्धिमति, श्रीभद्र, अतिक्रम, शांति।

४८१. अवसर्पिणी काल के तीर्थंकर—तीर्थंकर, वर्तमान चौबीसी।

४८२. वर्तमान चौबीसी—ऋषभदेव, अजितनाथ, सभवनाथ, अभिनदननाथ, सुमतिनाथ, पद्मप्रभ, सुपार्श्वनाथ, चन्द्रप्रभ, पुष्पदंत, शीतलनाथ, श्रेयांसनाथ, वासुपूज्य, विमलनाथ, अनंतनाथ, धर्मनाथ, शांतिनाथ, कुन्थुनाथ, अरनाथ, मल्लिनाथ, मुनिसुव्रतनाथ, नमिनाथ, नेमिनाथ, पार्श्वनाथ, महावीर।

४८३. अनागत चौबीसी—(भविष्य में होने वाले तीर्थंकर), श्री महापद्म, सुरदेव, सुपार्श्व, स्वयंप्रभु, सर्वात्मभूत, श्रीदेव, कुलपुत्रदेव, उदंकदेव, प्रोष्ठिलदेव, जयकीर्ति, मुनिसुव्रत, अरह निष्पाप, निःकषाय, विपुल, निर्मल, चित्रगुप्त, समाधिगुप्त, स्वयभू, अनिवृत्त, जवनाथ, श्री विमल, देवपाल, अंतवीर्य।

४८४. महावीर—जिन, जिनेन्द्र, ज्ञातपुत्र, नायपुत्र, भगवान महावीर, महाजिन, वर्द्धमान।

४८५. ऋषभदेव—आदिनाथ।

४८६. जैनों के दो प्रकार के तीर्थ—अतिशय क्षेत्र, सिद्ध क्षेत्र।

४८७. प्रधान अतिशय क्षेत्र—अहार, कंपिल, कौशांबी, कुंडलपुर, खजुराहो, चदेरी, देवगढ़, पपौरा, पवा, बजरंगगढ़, बालाबेंट।

४८८. प्रधान सिद्ध क्षेत्र—गिरिनार, चपापुर, द्रोणगिरि, पालोदाना, पावापुर, सोनगिरि।

४८९. बौद्ध—बौद्ध धर्मावलबी, बौद्धावलबी।

४९०. बौद्ध धर्म के २ प्रधान संप्रदाय—महायान, हीनयान।

४९१. बौद्ध धर्म के ४ आर्य सत्य—दुःख, दुःखसमुदय, दुःखनिरोध, दुःखनिरोध गामिनी प्रतिपदा।

४९२. बौद्ध धर्म के कुछ देवता (दिव्यवदान ग्रंथ के अनुसार)—अकनिष्ठ, अतप, अनभ्रक, अप्रमाण शुभ, अप्रमाणाभ, अवृह, आभास्वर, चातुरमहाराजिक, तुषित, निर्माणरति, परिनिर्मितवशवर्ती, परीत्तशुभ, परीत्ताभ, पुण्यप्रसव, बृहत्फल, शुभकृत्स्न, सुदर्श।

४९३. बुद्ध भगवान—दे० 'बुद्ध'।

४९४. यशोधरा—गोपा।

४९५. बुद्ध-पुत्र-राहुल।

४९६. प्राचीन काल के २४ बुद्धों में प्रधान—दीपकर, कौण्डिन्य, मंगल, सुमना, रेवत, शोभित, अनोमदर्शी, पद्म, नारद पद्मोत्तर, सुमेध सुजात, प्रियदर्शी, अष्टदर्शी।

४९७. बौद्ध धर्म के कुछ प्रसिद्ध तीर्थ—कुशीनगर, बोधगया, लुंबिनीबाग, सारनाथ।

४९८. **बोधिवृक्ष**—परिभोग चैत्य, बोधिद्रुम।

४९९. **पगोडा (बौद्ध मन्दिर)** गया।

५००. **ईसाई**—क्रिस्तान, ईसामतावलंबी, खष्टीय, नसरानी, मसीही।

५०१. **ईसाइयों के प्रधान संप्रदाय**—अर्मनी, जसूट, नेस्टोरी, प्रोटेस्टैंट, याकूबी या जाकोबाइट, रोमनकैथोलिक, सिरियक।

५०२. **ईसा**—ईसामसीह, क्राइस्ट, ख़ुदा का बेटा, मसीहा, योशूखृष्ट।

५०३. **गिरिजा (ईसाइयों का मन्दिर)**—गिरजाघर, चर्च।

५०४. **ईसाइयों के तीर्थ स्थल**—अंतियोक, अलकजंद्रिया, आथेन्स, इफ़ेसास, कोरिंथ, जेरुसलम, रोम, स्मिरना।

५०५. **मुसलमान**—इस्लाम, जवन, तुर्क, मुसलमीन, यवन (इस शब्द का यथार्थ अर्थ ग्रीक होता है पर इसका तथा जवन का प्रयोग लोग मुसलमानों के लिए भी करते हैं।)

५०६. **मुसलमानों के सम्प्रदाय**—ख़ार्जी, शिया, सुन्नी।

५०७. **इस्लाम धर्म के ५ वसूल**—ईमान, नमाज़, रोज़ा, ज़कात, हज।

५०८. **नमाज़**—सलात, सिजदा।

५०९. **५ प्रधान नमाज़**—फज्रि (प्रातः), ज़ुहर (दोपहर), इस्र (अपराह्न), मग़रिब (शाम), एशा (रात)।

५१०. **कुछ और नमाज**—नमाज़ जुमा, नमाज़ ईद, नमाज़ बकरीद, नमाज़ कुसूफ़ (सूर्य ग्रहण की), नमाज़ खुसूफ़ (चंद्र ग्रहण की), सलातुलहर्ब (लड़ाई की नमाज़), नमाजे चाश्त (१० बजे की) नमाज़े इशराकर।

५११. **मसजिद**—ईदगाह, नमाज़खाना, मसीत, मसीद, मस्जिद, महजीद।

५१२. **मकबरा**—इमामबाड़ा, क़ब्र, कब्रिस्तान, मज़ार।

५१३. **नमाज पढ़ना**—झुकना, सिजदा करना।

५१४. **अज़ान**—बाँग।

५१५. **रोज़ा**—सोम।

५१६. **ज़कात**—ख़ैरात, दान।

५१७. **मुसलमानों की तीर्थ यात्रा**—ज़ियारत, हज।

५१८. **मुसलमानों के प्रधान तीर्थ**—अजमेर, जेरुसलम, मक्का, मदीना।

५१९. **जेरुसलम**—बैतुल मुक़द्दस।

५२०. **मदीना**—मदीना मुनव्वरा।

५२१. **मक्का**—काबा, ख़ाने काबा, बैतुल हराम, मक्के मोअज़्ज़मा।

५२२. **ख़ुदा**—अल्ला, अल्लाह, अल्लाहताला, इलाही, करीम, ख़ालिक, ग़फ़ूर, परवरदिगार, रज़्ज़ाक, रहमान, रहीम, सत्तार, हादी।

५२३. **पैग़ंबर**—देवदूत, नबी, रसूल।

५२४. **मुहम्मद**—जमील, पैग़बर, महमूद, रसूल, शफ़ी, हज़रत, हामिद।

५२५. **४ ख़लीफ़ा (मुहम्मद के ४ सहाबा)**—हज़रत अबूबक्र सिद्दीकी, हज़रत उमर फ़ारुक़, हज़रत उसमान ग़नी, हज़रत अली मुर्तुज़ा।

५२६. **१२ इमाम (शिया सम्प्रदाय के)**—अली, हसन, हुसेन, ज़ैन-उल्-आबिदीन्, मुहम्मद बाक़िर, जाफ़र सादिक,

मूसा क़ाज़िम, मुहम्मद तक़ी, अली नक़ी, हुसेन अस्करी, महदी, अली मूसारज़ा।

५२७. ४ इमाम (सुन्नी सम्प्रदाय के)—हनीफ़, मालिक, शफ़ी, हनबल।

५२८. ४ खास फरिश्ते—जिब्रील, मीकाइल (इन्द्र), इस्राफील (शंकर), इजराइल (यम)।

५२९ शैतान—अज़ाज़ील, इबलीस।

५३०. जन्नत (मुसलमानों का स्वर्ग)—नईम, बहिश्त, बिहिश्त।

विलोम—दे० 'दोज़ख'।

५३१. जन्नत और दोज़ख के बीच का दरजा—आराफ़।

५३२. दोज़ख (मुसलमानों का नरक)—जहन्नुम, जहीम, नार, सक़र।

विलोम—दे० 'जन्नत'।

५३३. मुसलमानी भूत—जिन, नट, शैतान, दे० 'भूत'।

५३४. हिन्दुओं के धार्मिक ग्रंथ—शास्त्र आगम, ग्रंथ, ज्ञान, विज्ञान, विद्या, शास्त्र।

५३५. हिन्दूशास्त्र—उपवेद, दर्शन, धर्मशास्त्र, पुराण, वेद, वेदांग।

५३६. शास्त्रवित—अतवर्कांघि, पंडित, शास्त्रज्ञ, शास्त्रज्ञाता, शास्त्रवेत्ता।

५३७. शास्त्रीय—शास्त्रोक्त।

५३८ वेद—आगम, आम्नाय, छंद, त्रयी, धर्ममूल, निगम, प्रवचन, ब्रह्म, वेद, श्रुति।

५३९. वैदिक भाषा—छंद, छांदस, वेदभाषा, वैदिक संस्कृत।

५४०. वेदोक्त—वेदविहित, वेदसम्मत, वेदानुकूल।

५४१. वेदमंत्र—ऋक्, ऋचा।

५४२. वेदपाठी—छांदस, वेदपाठी, वेदाध्यायी, वैदिक, श्रोत्रिय, श्रोत्री।

५४३. त्रयी या वेदत्रयी—ऋक्, साम, यजुः।

५४४. ४ वेद—अथर्ववेद, ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद,।

५४५ वेदों के ४ भाग—संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्।

५४६. ४ संहिताएँ—ऋक् संहिता, यजुःसंहिता, सामसंहिता, अथर्वसंहिता।

५४७. ऋग्वेद की शाखाएँ- आश्वलायन, माण्डूकायन, बाष्कल, शांखायन, शाकल।

५४८. यजुर्वेद की शाखाएँ—काण्व, कपिष्ठल-कठ, मैत्रायणी, तैत्तिरीय, वाजसनेयि।

५४८. अ. यजुर्वेद के २ प्रधान भेद—कृष्ण यजुर्वेद, शुक्लयजुर्वेद।

५४९. कृष्ण यजुर्वेद की शाखाएँ—कठ, कठ-कापिष्ठल, मैत्रायणी, तैत्तिरीयशाखा।

५५०. शुक्ल यजुर्वेद की शाखाएँ—माध्यंदिन शाखा, काण्व शाखा।

विशेष—यजुर्वेद की शाखाओं की पूरी संख्या ८६ है। ऊपर केवल प्रधान शाखाओं का उल्लेख है।

५५१. सामवेद की शाखएँ—कौथुम, राणायनीय, जैमिनीय।

५५२. सामगान—उद्गीथ।

५५३. अथर्ववेद क शाखाएँ—पिप्पलाद, शौनक।

५५४. प्रधान ब्राह्मण ग्रंथ—ऐतरेय (ऋग्वेद), कौषीतकि या सांख्यायन (ऋग्वेद), तांडय या पंचविंश (सामवेद), षड्विंश (सामवेद), तैत्तिरीय

(कृष्ण यजुर्वेद), शतपथ (शुक्ल यजुर्वेद), गोपथ (अथर्ववेद) ।

५५५. ६ वेदांग—कल्प, छंद, ज्योतिष, निरुक्त, व्याकरण, शिक्षा ।

५५६. उपवेद—अर्थवेद (अथर्ववेद का), आयुर्वेद (ऋग्वेद का), गंधर्ववेद (सामवेद का), धनुर्वेद (यजुर्वेद का) ।

५५७. प्रस्थानत्रयी—उपनिषद्, ब्रह्मसूत्र, भगवद् गीता ।

५५८. प्रसिद्ध १०८ उपनिषद्—अक्ष, अक्षमालिका, अथर्वशिखा, अथर्वशिर, अद्वय, अध्यात्म, अन्नपूर्णा, अमृतनाद, अमृतबिंद, अवधूत, अव्यक्त, आत्मबोध, आत्मा, आरुणि, ईश, ऋच, एकाक्षर, एतरेय, कठ, कठरुद्र, कलिसंतरण, कालाग्निरुद्र, कुंडिका, कृष्ण, केन, कैवल्य, कौषितकी, क्षुरिक, गणपति, गर्भ, गारुड, गोपालतापनी, चूड़ा, छांदोग्य, जालदर्शन, जाबाल, जाबालि, नारसार, तापनी, तुरीयातीत, तेजोबिंद, तैत्तिरीय, त्रिपुरा, त्रिपुरातापन, त्रिशिखा, दक्षिणामूर्ति, दत्तात्रेय, देवी, ध्यानबिंदु, नादबिंदु, नारायण, निरालंब, निर्वाण, पंचब्रह्म, परब्रह्म, परमहंस, परिव्राजक, परिव्राज, पाशुपत, पैंगल, प्रश्न, प्राणाग्निहोत्र, ब्रह्म, भस्मजाबाल, भावना, भिक्षु, मडल, मंत्रिक, महत, महानारायण, महावाक्य, माण्डूक्य, मुंड, मुक्तिका, मुद्गल, मैत्रायणी, मैत्रेयी, याज्ञवल्क्य, योगकुंडली, योगतत्त्व, योगशिखा, रहस्य, रामतापन, रामरहस्य, रुद्राक्ष, वज्रसूचि, वराह, वासुदेव, विद्या, बृहज्जाबाल, बृहदारण्यक, शरभ, शांडिल्य, शाट्यायनी, शारीर, श्वेताश्वर, संन्यास, सरस्वती रहस्य, सर्वसार, सीता, सुबाल, सूर्य, सौभाग्य, स्कंद, हंस, हयग्रीव, हृदय, सावित्री ।

विशेष—इन १०८ उपनिषदों में १० ऋग्वेद के, १९ शु० यजुर्वेद के, ३२, कृ० यजुर्वेद के, १६ सामवेद के और ३१ अथर्ववेद के हैं । (उपनिषदों की कुल संख्या नवीनतम खोजों के अनुसार लगभग २३५ है ।)

५५९. ११ प्रधान उपनिषद्—ईश, ऐतरेय, कठ, केन, छांदोग्य, तैत्तिरीय, नृसिंहपूर्वतापनी, प्रश्न, बृहदारण्यक, माण्डूक्य, मुंडक ।

विशेष--इन पर ही आचार्य शंकर ने टीकाएँ लिखी हैं ।

५६०. ज्ञान—आत्मज्ञान, ध्यान, तत्वज्ञान, बोध, ब्रह्मज्ञान, यथार्थज्ञान ।

५६१. ब्रह्मशास्त्र--आत्मविद्या, आन्वीक्षिकी, परा ।

५६२. ६ दर्शन—न्याय, मीमांसा, योग, वेदांत, वैशेषिक, सांख्य ।

५६३. वेदांतसूत्र—ब्रह्मसूत्र, बादरायण सूत्र, वेदांतसूत्र, व्याससूत्र ।

५६४. वेदांती—वेदांती, ब्रह्मवादी ।

५६५. वेदांत के विभिन्न संप्रदाय और आचार्य—अद्वैत (शंकर), अचिन्त्य भेदाभेद (बलदेव), अविभागाद्वैत (विज्ञानभिक्षु), द्वैत (मध्व), द्वैताद्वैत (निंबार्क), भेदाभेद (भास्कर), विशिष्टाद्वैत (रामानुज), वीरशैवविशिष्टाद्वैत (श्रीपति), शुद्धाद्वैत (वल्लभ), शैवविशिष्टाद्वैत (श्रीकंठ) ।

५६६. न्यायसूत्र—गौतमसूत्र ।

५६७. नैयायिक—अक्षपाद, तार्किक, नैयायिक।

५६८. योग—पतंजलि सूत्र, योगदर्शन, योगशास्त्र, योगसूत्र।

५६९. वैशेषिक सूत्र—कणादसूत्र।

५७०. सांख्य सूत्र—कपिल सूत्र।

५७१. मीमांसा सूत्र—जैमिनि सूत्र।

५७२. मीमांसक—जैमिनीय मीमांसक।

५७३. चार्वाक सूत्र—बार्हस्पत्यसूत्र, बृहस्पतिसूत्र।

५७४. १८ पुराण—अग्नि, कूर्म, गरुड़, नारद, पद्म, ब्रह्म, ब्रह्मवैवर्त, ब्रह्मांड, भविष्य, भागवत, मत्स्य, मार्कण्डेय, लिंग, वराह, वामन, विष्णु, शिव, स्कंद।

५७५. १८ उपपुराण (कूर्म पुराण के अनुसार)—आद्य, उशनाः, कापिल, कालिका, दुर्वासा, नारदीय, नारसिंह, पराशरोक्त, ब्रह्मांड, भार्गव, मारीच, माहेश्वर, वामन, वारुण, शाम्ब, शिवधर्म, सर्वार्थ वैचारक, स्कंद।

५७६ २० उपपुराण (सूत संहितानुसार)—उशनस्, कपिल, कालिका, दुर्वासा, नरसिंह, नादी, नारदीय, पराशर, ब्रह्मांड, भार्गव, महेश्वर, मानव, मारीच, लिंग, वरुण, वसिष्ठ, शिवधर्म, सनत्कुमार, शांब, सौर।

५७७. प्रधान धर्मसूत्र—आपस्तंब धर्मसूत्र, गौतम धर्मसूत्र, बौधायन धर्मसूत्र, वसिष्ठ धर्म सूत्र।

५७८. प्रधान स्मृतियाँ—अंगिरा, कात्यायन, दक्ष, नारद, पराशर, पितामह, पुलस्त्य, प्रचेतस, प्रजापति, बृहस्पति, मनु, मरीचि, यम, याज्ञवल्क्य, विश्वामित्र, व्यास, हारीत।

५७९. रामायण (वाल्मीकि)—आदि काव्य, वाल्मीकि रामायण।

५८०. महाभारत—जयकाव्य, पंचमवेद, भारत।

५८१. गीता—कृष्णगीता, भगवद्गीता, श्रीमद्भगवद् गीता।

५८२. कुछ प्रसिद्ध गीताएँ—अनुगीता, अवधूत गीता, अष्टावक्रगीता, ईश्वरगीता, उत्तरगीता, कपिलगीता, गणेशगीता, देवीगीता, पाण्डवगीता, पिंगलगीता, बोध्यगीता, कलगीता, ब्राह्मणगीता, भगवद्गीता, भिक्षुगीता, मंकिगीता, यमगीता, रामगीता, विचख्नुगीता, वृत्रगीता, व्यासगीता, शंपाकगीता, शिवगीता, सूतगीता, सूर्यगीता, हंसगीता, हारीतगीता।

५८३. रामचरित मानस—तुलसी रामायण, मानस, रमायन, रामायण।

५८४. कुछ प्रसिद्ध रामायण—अद्भुत रामायण, अध्यात्म रामायण, तुलसी रामायण, बाल रामायण, वाल्मीकि रामायण, भरद्वाज रामायण, भुशुंडि रामायण, महारामायण, याज्ञवल्क्य रामायण, राधेश्याम रामायण।

जैनों के धार्मिक ग्रंथ

५८५ श्वेतांबरों के 'आगम' के ६ भाग और प्रत्येक की संख्याएँ—अंग (१२), उपांग (१२), प्रकीर्णक (१०), छेदसूत्र (६), सूत्र (२), मूलसूत्र (४)।

५८६. १२ अंग—आचार, सूत्रकृत, स्थान, समवाय, भगवती, ज्ञाताधर्मकथा, उपासक

दशा, अंतकृत दशा, अनुत्तरौपपातिक दशा, प्रश्न व्याकरण, विपाक सूत्र, दृष्टिवाद ।

५८७. १२ उपांग—औपपातिक, राजप्रश्न, जीवाभिगम, प्रज्ञापना, जंबूद्वीप प्रज्ञप्ति, चंद्रप्रज्ञप्ति, सूर्य प्रज्ञप्ति, निरयावली, कल्पावतंस, पुष्पिक, पुष्पचूलिक, वृष्णि दशा ।

५८८. २ प्रधान प्रकीर्णक—चतुःशरण, तंदुल वैतालिक ।

विशेष—जैनों के प्रसिद्ध ग्रंथ श्वेतांबरों के आगम ही हैं । दिगंबरों के ग्रंथों में निम्न दो ही अधिक प्रसिद्ध हैं ।

५८९. दिगंबरों के प्रसिद्ध ग्रंथ—षट खंडागम, कषाय पाहुड ।

५९०. ६३ शलाका पुरुष (इनके ही चरित्र का जैन पुराणों में वर्णन है ।) २४ तीर्थंकर, १२ चक्रवर्ती, ९ बलदेव, ९ वासुदेव, ९ प्रति वासुदेव ।

५९१. जैनों के कुछ प्रसिद्ध पुराण—रामचरित, पद्मचरित, उत्तर पुराण, महा पुराण ।

५९२. बौद्धों के धर्म ग्रंथ ३ पिटक—अभिधम्म पिटक, विनय पिटक, सुत्त पिटक ।

५९३. अभिधम्म पिटक के ७ विभाग—धम्मसंगणि, विभंग, धातुकथा, पुग्गल पंञति, कथावत्थु, यमक, पट्ठान् ।

५९४. विनय पिटक के २ विभाग—खंधक, विभंग ।

५९५. सुत्त पिटक के ५ निकाय—मज्झिम निकाय, संयुक्त निकाय, अंगुत्तर निकाय, खुद्दक निकाय ।

५९६. खुद्दक निकाय के १५ ग्रंथ—खुद्दकपाठ, धम्मपद, उदान, इतिवुत्तक, सुत्तनिपात, विमानवत्थु, पेतवत्थु, थेरगाथा, थेरीगाथा, जातक, निद्देस, पटिसंभिदामग्ग, अपदान, बुद्धवंश, चरिया, पिटक ।

ईसाइयों के धर्म ग्रंथ

५९७. बाइबिल—सुसमाचार, होली बाइबिल, होली स्क्रिप्चर ।

५९८. दो बाइबिलें—ओल्ड टेस्टामेंट, न्यू टेस्टामेंट ।

५९९. ओल्ड टेस्टामेंट—पुरानी किताब, पुरानी पोथी ।

६००. न्यू टेस्टामेंट—नई किताब, नई पोथी ।

मुसलमानों के धर्म ग्रंथ

६०१. क़ुरान—अलक़ुरान, कलाम खुदा, क़ुरान मजीद, क़ुरान शरीफ़, फ़ुरक़ान, मसहफ़, लैलतुलकद्र ।

६०२. हदीस—कलामे रसूल ।

६०३. कुछ प्रसिद्ध हदीसें—अबू दाऊद, इब्न माजाँ, तिरमिज़ी शरीफ़, नसई शरीफ़, बुख़ारी शरीफ़, मुस्लिम शरीफ़ ।

६०४. मुसलमानों के ५ पवित्र ग्रंथ—क़ुरान, इंजील, तौरेत या तौरात, बाइबिल, हदीस ।

ख

१. दो कलाएँ—उपयोगी कला, ललित कला ।

२. ५ ललित कलाएँ—स्थापत्य, मूर्ति, चित्र, संगीत, काव्य ।

३. कला—आर्ट, गुण, ढंग, विद्या, हुनर।
४. कलाकार—आर्टिस्ट, कलाविद्, कला-पंडित, कलामनीषी, कलाशास्त्री।
५. ६४ कलाएँ—(कामसूत्र के टीकाकार जयमंगल के अनुसार) १. गीत, २. वाद्य, ३. नृत्य, ४. आलेख्य, ५. विशेषकच्छेद्य, (मस्तक पर तिलक लगाने के लिए कागज, पत्तो आदि काटकर आकार या साँचे बनाना), ६. तंडुलकुसुम बलि-विकार (देवपूजनादि के अवसर पर तरह-तरह के रँगे हुए चावल, जौ आदि वस्तुओं को तथा रंगबिरंगे फूलों को विविध प्रकार से सजाना), ७ पुष्पास्तरण, ८. दशनवसनांगराग (दाँत, वस्त्र तथा शरीर के अवयवों को रँगना) ९. मणि-भूमिका कर्म, (घर के फर्श के कुछ भागों को मोती, मणि आदि रत्नों से जड़ना), १०. शयन रचना, (पलंग सजाना), ११. उदकवाद्य, (जलतरंग), १२ उदकाघात (दूसरों पर हाथों या पिचकारी से जल की चोट मारना), १३. चित्राश्चयोगाः (जड़ीबूटियों के योग से विविध चीजें तैयार करना या ऐसी औषधि तैयार करना अथवा ऐसे मन्त्रों का प्रयोग करना, जिनसे शत्रु निर्बल हो या उसकी हानि हो), १४. माल्यग्रथन-विकल्प (माला गूथना), १५. शेखरकापीड़ योजन (स्त्रियों की चोटी पर पहनने के विविध अलंकारों के रूप में पुष्पों को गूँथना), १६. नेपथ्य प्रयोग (शरीर को वस्त्र, आभूषण, पुष्प आदि से सुसज्जित करना), १७. कर्ण पत्रभंग (शंख, हाथी, दाँत आदि के अनेक तरह के [illegible] के आभूषण बनाना), १८. गंधयुक्ति (सुगंधित धूप बनाना), १९. भूषणयोजन, २०. ऐंद्रजाल (जादू के खेल), २१. कौचुमार योग (बलवीर्य बढ़ाने वाली औषधियाँ बनाना), २२. हस्तलाघव (हाथों की काम करने में फुर्ती और सफ़ाई), २३. विचित्र शाकयूपभक्ष्य विकार-क्रिया (तरह-तरह के शाक, कढ़ी, रस, मिठाई आदि बनाने की क्रिया), २४. पानकरसरागासव योजन (विविध प्रकार के शर्बत, आसव आदि बनाना), २५. सूचीवान कर्म (सुई का काम, जैसे सीना, रफू करना, कसीदा काढ़ना, मोजे-गंजी का बुनना), २६. सूत्रक्रीड़ा (तागे या डोरियों से खेलना, जैसे कठपुतली का खेल), २७. वीणाडमरुक वाद्य, २८. प्रहेलिका (पहेलियाँ जानना), २९. प्रतिमाला (श्लोक आदि कविता पढ़ने की मनोरंजक रीति, अत्याक्षरी) ३०. दुर्वाचक योग (ऐसे श्लोक आदि पढ़ना जिनका अर्थ और उच्चारण दोनों कठिन हो), ३१. पुस्तक वाचन, ३२. नाटकाख्यायिका दर्शन, ३३. काव्य समस्या-पूरण, ३४. पट्टिकावेत्रवान विकल्प (पीढ़ा, आसन, कुर्सी, पलंग, मोढ़े आदि चीजें बेंत आदि वस्तुओं से बनाना), ३५. तक्षकर्म (लकड़ी, धातु आदि वस्तुओं को अभीष्ट विभिन्न आकारों में काटना), ३६. तक्षण (बढ़ई का काम), ३७ वास्तुविद्या, ३८. रूप्यरत्न-परीक्षा (सिक्के, रत्न आदि की परीक्षा करना), ३९. धातुवाद (पीतल आदि धातुओं को मिलाना, शुद्ध करना आदि), ४०. मणिरागाकर-ज्ञान

(मणि आदि का रँगना तथा खान आदि का ज्ञान), ४१. वृक्षायुर्वेदयोग, ४२. मेष—कुक्कुटलावकयुद्ध विधि (मेढ़े, मुर्गे, तीतर आदि को लड़ाना), ४३. शुक-सारिका प्रलापन, (तोते-मैने आदि को बोली सिखाना), ४४. उत्सादन संवाहन—केशमर्दन कौशल) हाथ-पैरों से शरीर दाबना, केशों का मलना, उनका मैल दूर करना आदि), ४५. अक्षर मुष्टिका कथन (अक्षरों को ऐसी युक्ति से कहना कि उस संकेत का जानने वाला ही उनका अर्थ समझे, दूसरा नहीं), ४६. म्लेच्छित विकल्प (ऐसे संकेत से लिखना जिसे उस संकेत को जानने वाला ही समझे), ४७. देशभाषा-विज्ञान, ४८. पुष्पशकटिका, ४९. निमित्त ज्ञान (शकुन जानना) ५० यंत्रमातृका (विविध प्रकार से मशीन कल, पुर्जे आदि बनाना), ५१. धारणा-मातृका (सुनी हुई बातों का स्मरण रखना), ५२. संपाठ्य, ५३. मानसी काव्य क्रिया (किसी श्लोक में छोड़े हुए पद को मन से पूरा करना), ५४ अभिधान कोष, ५५. छंदोज्ञान, ५६. क्रियाकल्प (काव्यालंकारों का ज्ञान), ५७. छलितक योग (रूप और बोली छिपाना), ५८. वस्त्र-गोपन (शरीर के अंगों को छोटे या बड़े वस्त्रों से यथा योग्य ढंकना), ५९. द्यूत विशेष, ६०. आकर्ष क्रीड़ा (पासों का खेल), ६१. बालक्रीडनक, ६२. वैनयिकी विद्या (अपने और पराये से विनयपूर्वक शिष्टाचार करना), ६३. वैजयिकी विद्या (विजय प्राप्त करने की विद्या अर्थात् शस्त्र विद्या), ६४. व्यायाम विद्या ।

६. स्थापत्य कला—गृह निर्माण कला, भवन निर्माण कला, मानसार, मेमारी, राजगीरी, वास्तुकला ।

७. राजगीर—गृहकार, थवई, मिस्त्री, मेअमार, मेमारे, राज, वास्तुकार ।

८ भवन—दे० 'घर', 'मकान', 'गृह' ।

९. मूर्तिकला—मूर्तिकारी ।

१०. मूर्तिकार—प्रतिमाकार ।

११. मूर्ति—दे० 'मूर्ति ।'

१२. चित्रकला—उरेह, चित्रकारी, चित्रण, चित्र विद्या, चित्रसारी, ड्राइंग, मुसव्विरी ।

१३. चित्र—अनुकृति, अवरेख, आकृति, आलेख्य, प्रतिकृति, फोटो, फोटू, मूरति, मूर्ति ।

१४. चित्रकार—कमगर, कलाकार, चितारी, चितेरा, चितेला, चित्रकर, चित्रक, मुसव्वर, मुसव्विर, मुसौवर, रंगजीवक, रंगाजीव ।

१५. चित्र बनाना—अवरेखना, उरेखना, उरेहना, खींचना, चित्र खींचना, चित्रण करना, चित्रना, चित्रित करना, बनाना ।

१६. फोटो खींचना—फोटो उतारना, फोटो लेना ।

१७. चित्रित—अंकित, उरेहा ।

१८. चित्र संग्रह—एल्बम, चित्र-मंजूषा, चित्राधार ।

१९. कूर्चा—कूर्चिका, ईशिका, चित्रलेखा, ईषिका, तूलि, तूलिका, तूली, बुरुस, ब्रश ।

२०. रंग—उपराग, गत, रंगत, बरन, वर्ण ।

२१. रंगरेज—रंगसाज, रंगाजीव ।

२२ रंगीन—अनुरंजित, रंगदार, रंग-बिरंगा, रंगीला, रंजित, राता, सारंग ।

२३. रँगना—रंगीन करना, रंग चढ़ाना।

२४. रँगने का पारिश्रमिक—रँगवाई, रँगाई।

२५. रँगने की क्रिया—रंगत, रँगवा, रँगवाई, रँगाई, रँगावट, रंजन।

२६. रँगवाना—अनुरंजित कराना, रँगवाना, रंजित कराना, रँगाना, रंगीन कराना।

२७. रँगना—अनुरंजित करना, रँगना, रंग में डुबोना, रंजना, रंजित करना, रंजना, राँचना, राँजना।

२८. सफ़ेद—अर्जुन, अवदात, उजला, उजियर, उज्ज्वल, उज्वल, ऊजर, ऊजरा, कपिल, कपिला, कपूरी, काफ़ूरी, गौर, चिनिया, दुधिया, धवनी, धवरा, धवरो, धवल, धवला, धौन, धौरा, धौला, पड़ु, प्रज्ञ, पाण्डुर, फक, बक, भूवा, रजत, विशद, शित, शुक्ल, शुभ्र, श्वेत, सपेद, सफ़ेद, सुफ़ेद, सुभर, स्वेत।

२९. सफ़ेदी—उजलापन, उज्ज्वलता, उज्वलता, कपिलता, धवलता, धवलाई, रजताई, शुभ्रता, शुक्लता, गौरता, श्वेतता, श्वेताई, सफ़ेदी, सितता, सुपेती, सुफेदी।

३०. काला—करिया, कृष्ण, घनश्याम, जामुनी, झँवकार, झाँवर, मुश्की, शिति, श्याम, श्यामल, साँवर, सियाह, स्याम, स्यामल, स्यामलिया, स्याह।

३१. गहरा काला—आबनूसी, काला भुजंगा।

३२. कालापन—कजराई, कराई, करियाई, कलौंछ, कालापन, कालिमा, मेचकता, मेचकताई, श्यामता, श्यामलता, श्यामलताई, साँवरपन, साँवलताई, साँवलापन, सियाही, स्याही।

३३. सफ़ेदी और काला—अबलख, कल-मख, गंगा-जमनी, सितासित।

३४. लाल—अब्बासी, अरुण, अर्कोपल, आरक्त, इंगुरी, ख़ूनी, गुलनार, गुलाबी, प्याज़ी मोतिया, रक्त, रजत, रतनारा, रत-नालिया, रतनार, रागी, लक्खी, ललौहा, लाखी, लोहित, शोन, सिन्दूरिया, सिन्दूरी, सूहा, सूही, सोनित।

३५. गहरा लाल रंग—अरुण, अरुन, गुलनार, गुलेनार, तूल, लाल, शहाब, सुर्ख़।

३६. ललाई—अरुणताई, अरुणाई, अरु-णिमा, आरक्ति, कपिलता, चार्मीकरता, ललाई, लालिमा, लाली, शोण, सुरंगता, सुर्ख़ी, रक्तता, रतनारता, ललामी, लालपन, रति।

३७. पीला—अमरसी, अवदात, कपित, कपिल, कपासी, केसरिया, चपई, गंधकी, गौर, ज़रद, ज़र्द, ज़ाफ़रानी, नारंजी, नारंगी, पण्डल, पड़ु, पाण्डुर, पिंग, पिंगल, पिंजर, पिञ्जर, पिसंग, पीत, पीतक, पीला, पीरा, शरबती, सुपीत, बसंती, सुनहरा, सुवर्ण, हरि, हरिद्राभ, हारित।

३८. कुछ हलका पीला रंग—कपासी, कपूरी, गंधकी, शरबती, मदली।

३९. पीलापन—कपिलता, ज़रदी, ज़र्दी, पाण्डुता, पिञ्जराई, पियराई, पियरी, पिराई, पीतता, पीलापन।

४०. पीलापन लिये लाल रंग—नारंगी, नौरंगी, बादामी।

४१. हरा—अंगूरी, कपि, काही, तोताई,

धानी, सबुज, सब्ज़, हरिअर, हरित, हरियर।

४२. हरापन—सब्ज़ी, हरियाली, हरिअरी।

४३. भूरा—कपिल, कपिश, चाकलेटी, बादामी, भूरा, मटमैला, हरित।

४४. भूरापन—कपिलता, कपिशता, भूराई, भूरापन, मटमैलापन।

४५. बैंगनी—अरगवानी, ऊदा, काकनी, जामुनी, ताऊसी, भटई, नीललोहित, फालसई, बैंगनी, बैंजनी।

४६. नीला—आसमानी, कबुद, कबुदी, काकनी, कृष्ण, नील, नीला, फ़ाख़्ती, मोरपखी, लीला, सुरमई।

४७. नीलापन—नीलिमा।

४८ चितकबरा—कद्रु, कर्बुर, कमीर, कल्माषक, चितकबरा, चितकाबर, चित्रक।

४९. दोरंगा—दुरंगा, दुरंगा।

५० सफेद और लाल मिश्रित—अबलख।

५१. गुलाबी—अरुण, अरुन, कुसुम्भी, प्याज़ी, मोतिया।

५२. पीला और गुलाबी—मोतिया।

५३. चार रंग का—चौरंगा।

५४. किशमिश के रंग का—किशमिशी।

५५. कुछ अन्य प्रसिद्ध रंग—अगूरी, उन्नावा, कपूरी, काही, खसखसी, प्याज़ू, रुपहला, शरबती, सिलेटी, सुनहला।

५६ संगीत कला—गंधर्व विद्या, गान विद्या, गायकी, गायन, संगीत शास्त्र।

५७. संगीतज्ञ कथक, गंधर्व, गवैया, गायक, गायकाचार्य, गायन, गायनाचार्य।

५८. गानेवाली स्त्रियाँ—गवनहर, गवनहरी, गायिका।

५९. गाना—अलापना, अलाप भरना, अलाप लेना, गायन करना, गीत गाना, तान तोड़ना, मधुर ध्वनि करना।

६०. गीत—गाना, गान, गीति, संगीत।

६१. गाने की क्रिया—गवइनी, गवनई, गवाई, गाना।

६२. गाने योग्य—गेय।

६३ गाने की मजदूरी—गवाई।

६४. स्वर—आवाज़, तान, ध्वनि, बोल, शब्द, सुर।

६५. स्वर के ३ भेद—उच्चस्वर, मंद्रस्वर, मध्यस्वर।

६६. उच्च स्वर—ऊँचा स्वर, तार स्वर, तीव्र स्वर, तेज स्वर।

६७. मंद्र स्वर—गंभीर स्वर, घोर स्वर, मद्र स्वर, मंद्र स्वर।

६८. मधुर स्वर—कल, काकली, मदस्वर, मधुर स्वर, मीठा स्वर, सूक्ष्मस्वर।

६९. राग की दृष्टि से स्वरों के ४ प्रकार—अनुवादी, वादी, विवादी, संवादी।

७०. संगीत के अनुसार स्वर के ७ भेद—ऋषभ, गांधार, धैवत, निषाद, पंचम, मध्यम, षड्ज।

विशेष—इन्हीं को संक्षेप में 'सारेगमपधनी' कहते हैं।

७१. स्वर का आरोह—आरोह, आरोहण, आरोहन, प्ररोहण।

७२. स्वर का अवरोह—अधोगमन, अवतरण, अवरोह, अवरोहण, अवरोहन।

७३. ३ ग्राम (स्वर के समूह)—गांधार ग्राम, मध्यम ग्राम, षड्ज ग्राम।

७४. संगीत में सातों स्वरों का आरोह और अवरोह—मुरछना, मूर्च्छना।

७५. गांधार ग्राम की मूर्च्छनाएँ—अलापा, चित्र, चित्रावती, नंदा, विशाला, सुखा, सुमुखी।

७६. मध्यम ग्राम की मूर्च्छनाएँ—कलोपनता, पौरवी, मार्गी, शुद्धमध्या, सौवीरी, हरिणाश्वा, हृष्यका।

७७. षड्ज ग्राम की मूर्च्छनाएँ—अभिरुद्रता, अश्वक्रांता, उत्तरमद्रा, उत्तरायता, मत्सरीकृता, रजनी, शुद्धषड्जा।

७८ संगीत शास्त्र में ४ वर्ण—(स्वरोच्चारण) अवरोही, आरोही, सचारी, स्थाई।

७९. रागों के प्रधान २ भेद—पुरुषराग, स्त्रीराग।

८०. पुरुषराग—राग।

८१. स्त्रीराग—रागिनी।

८२. प्रसिद्ध तीन रागिनियाँ—औड़व, षाड़व, सपूर्ण।

८३. प्रसिद्ध ६ राग—दीपक, भैरव, मालकोश, मेघ, श्री, हिंडोल।

८४. ताल—करतल ध्वनि, ठेका, तान, ताल।

८५. ताल के मुख्य ५ भेद—अष्टताल, इंद्रताल, चतुर्दश ताल, ब्रह्मताल, रुद्रताल।

८६. 'अष्टताल' के ८ भेद—आड़,गजन, चंद्रशेखर, ज्योति, दोज, पचताल, रूपक, समताल।

८७. 'इंद्रताल' के ६ भेद—इंद्रभाष, गुरुगंधर्व, देवचाली, देवसार, पचाली, मदनदोला।

८८. 'चतुर्दश' ताल के १४ भेद—अर्द्धज्योतिका, अर्द्धमाष, काककला, चमाष्ट, चद्रमात्रा, त्रिन्हताल, तांडवी, देवमात्रा, धराधर, भाषा, वसंतवाक, वीरशब्द, स्वर्गसार, हर्षधारिका।

८९. 'ब्रह्मताल' के ४ भेद—ब्रह्म, विरामब्रह्म, षटकला, सप्तमात्रा।

९० 'रुद्रताल' के ११ भेद—कंदर्प, गजेंद्रगुरु, छटका, डॉशपाहिड़, दशकोषी, धरण, भुवनरण, मडूक, विषम समृद्ध, वीरदशक, वीरविक्रम।

९१. बाजा—आतोद्य, बाजन, बाजा, वादित्र, वाद्य।

९२. बजना—क्वणित होना, झकार होना, झकृत होना, झनकना, झनझन करना, ध्वनित होना, नादना, बजना, रनना, स्वरित होना।

९३. बजाना—क्वणित करना, झकारना, ध्वनित करना, नादना, फूंकना, बजाना, स्वरित करना।

९४. बाजों के ४ प्रकार—आनद्ध या अवनद्ध, घन, तत, सुषिर।

९५. 'आनद्ध' के बाजे—खॅजड़ी, डफला, डफ, ढोलक, तबला, पखावज, मृदग।

९६. 'घन' के बाजे—करताल, घटा, घड़ी, झाँझ, धातुतरग, मजीरा।

९७. 'तत' के बाजे—इसराज, तबूरा, बेला, वीणा, सरोद, सारंगी, सितार।

९८. 'सुषिर' के बाजे—अलगोजा, तुरही, बाँसुरी, शंख, शहनाई, हार्मोनियम।

९९ ढोलक—ढक्का, ढोल,ढोलक, ढोलकी, पटह, पणव।

१००. डफला—चग, डफ, टपला।

१०१. तबला—ठेका, डुग्गी, डुक्कड़।

१०२. पखावज—पखाउज, मुरज, मृदग।

१०३. मारू—जुझाऊ, डका, धौंसा, मारू।
१०४. डमरू—डिंडिम।
१०५. मजीरा—जोड़ी, टुनकी, मंजीर, मजीरा।
१०६. बेला—वाइलिन, वायलिन।
१०७. सरंगी—चिकरा, सारगी, सारंगी।
१०८. बीन—परिवादिनी, बीणा, बीना, विपञ्ची, वीणा, बीना।
१०९. झाँझ—जोड़ी, झल्लरी, झाल।
११०. सिंघा—तुरही, धुधुका, मुँहचग, मुरचग, विषाण, शृंगी, सिंगा, सिंहा।
१११. शहनाई—नफीरी, तिपिहरी, रोशन-चौकी, रौशनचौकी, सहनाई।
११२. बंशी—अलगोज़ा, पिपिहरी, बाँसुरी, बासुली, मुरलिका, मुरली, वेणु।
११३. दुदुभी—आनक, डका, ढक्का, दमामा, नगाड़ा, नौबत, पटह, पटहा, भेरि, भेरी।
११४ घंटा—घट, घड़िआल।
११५. हारमोनियम—हरमुनिया।
११६. ग्रामोफोन—फेनूगिलास, फोनो-गिलास, फोनोग्राफ।
११७. नाच—ताडव, नटन, नर्तन, नाट्य, नृत्य, लास्य।
११८. नाचना—घूमना, थय्यक थय्या करना, थय्या थय्या करना, थिरकना, नर्तना, नाच करना, निर्तना, नृत्तना, नृत्य करना।
११९. २ प्रकार के प्रधान नृत्य—ताडव, (शिव), लास्य (पार्वती)।
१२०. लास्य के १० भेद—आसीनपाठ्य, उक्तप्रत्युक्त, उत्तमोत्तमक, गेयपद, त्रिगूढ़, द्विगूढ़, पुष्प-गंडिका, प्रच्छेदक, सैंधव, स्थितपाठ्य।
१२१. नृत्य के २ अन्य भेद—अनाट्य, नाट्य।
१२२. नाचने वाला—नट, नर्तक, नच-नियाँ, नृत्यक, लासक।
१२३. नाचने वाली—नटी, नर्तकी, नृत्यकी, लासकी।
१२४. नाचने वाली वेश्या—अप्सरा, कसबी, कसबिन, पतुरिया, रंडा, रंडी, गँड़, वेश्या।
१२५. नाच घर—नाच महल, नृत्यशाला, रंगशाला।
१२६. साहित्य—अदब, लिटरेचर, वाङ्-मय, साहित्य।
१२७. साहित्यकार—आथर, उपन्यासकार, कथाकार, कलाकार, कवि, कहानीकार, काव्यकार, गद्यकार, ग्रंथकर्ता, ग्रंथकार, तुक्कड़, नाटककार, निबंधकार, प्रबंधकार, मुसन्निफ, रचनाकार, लेखक, शायर, साहित्यिक।
१२८. साहित्यकर्त्री—लेखिका, निबंध, नाटक तथा कहानी आदि, शब्दों में, 'कर्त्री' लगाकर और भी शब्द बन सकते हैं।
१२९. जो साहित्यकार न हो—असाहि-त्यिक।
१३०. साहित्यिक—अदबी, कलात्मक।
१३१. साहित्य सेवा—काव्य-साधना, साहित्य साधना, सरस्वती-आराधना।
१३२. काव्य के २ भेद—दृश्य काव्य, श्रव्य काव्य।
१३३. दृश्य काव्य के दो भेद—उपरूपक रूपक।
१३४. उपरूपक के १८ भेद—उल्लाप्य,

काव्य, गोष्ठी, त्रोतक, दुर्मल्लिका, नाटिका, नाट्यरासक, प्रकरणिका, प्रस्थान, प्रेखव, भाणिका, रासक, विलासिका, शिल्पक, श्रीमदित, सट्टक, सलापक, हल्लीश ।

१३५. रूपक के दस भेद—अंग, ईहामृग, डिम, नाटक, प्रकरण, प्रहसन, भाण, वीथी, व्यायोग, समवकार ।

१३६. नाटक—एकांकी, ड्रामा, थियेटर, दृश्यकाव्य, नकल, नौटंकी, भॉड, रामलीला, रास, रासलीला, रूपक, सनीमा, सिनेमा, स्वाँग ।

१३७. नाट्यकला—अभिनय, नकल, नाट्य विद्या ।

१३८. नाटककार,—एकांकीकार, रूपककार ।

१३९. कथा—(नाटक, कहानी या उपन्यास, की मूल कथा) कथानक, कथावस्तु, कहानी, प्लाट, वस्तु ।

१४०. वस्तु (नाटक की कहानी) के २ भेद—आधिकारिक, प्रासंगिक ।

१४१. प्रासंगिक के २ भेद—पताका, प्रकरी ।

१४२. आधिकारिक के विभिन्न भाग या स्थल—अर्थप्रकृति, कार्य्यावस्था, संधियाँ ।

१४३. ५ अर्थ प्रकृतियाँ—बीज, बिंदु, पताका, प्रकरी, कार्य्य ।

१४४. ५ अवस्थाएँ—आरम्भ, प्रयत्न, प्राप्त्याशा अथवा, प्राप्त्य संभव, नियताप्ति, फलागम ।

१४५. ५ सन्धियाँ—मुख, प्रतिमुख, गर्भ, अवमर्श या विमर्श, निर्वहण ।

विशेष—पहली के १२, दूसरी के १३, तीसरी के १२, चौथी के १३, और पाँचवी के १४ भेद होते हैं। इन संधियों के अतिरिक्त, २१ अंतर्संधियाँ भी होती हैं। इस प्रकार कुल ८५ भेद हुये ।

१४६. नाट्यकार—एक्टर, नट, नाटकी, नाट्यकार, प्रवेशक, रंगचर, रंग जीवक, रंग विद्याधर, रंगावतारक, रंगावतरी, सूत्रधर, सूत्रधार ।

१४७. वेष—भेल, भेष, भेस, रूप, वेश, वेस, सूरत, सूरति, स्वरूप, स्वाँग ।

१४८. वेष धरना—बनना, भेस बनाना, रूप धारण करना, सजना, स्वरूप धारण करना, स्वांग बनाना ।

१४९. नाटक का प्रधान पात्र—नायक, फलभोक्ता ।

१५०. नाटक में कार्य करने वाले पुरुष पात्र—ऐक्टर, पात्र ।

१५१. स्वभाव के आधार पर नायक भेद—धीरोदात्त, धीरोद्धत, धीरललित, धीरप्रशांत ।

१५२. नायक के अन्य चार भेद—अनुकूल, दक्षिण, धृष्ट, शठ ।

१५३. नाटक की प्रधान पात्री—नायिका ।

१५४. नाटक में कार्य करने वाले स्त्री पात्री—ऐक्ट्रस, पात्री, नायिका ।

१५५. नायिका भेद (जाति के अनुसार)—चित्रिणी, पद्मिनी, शंखिनी, हस्तिनी ।

१५६. कर्म के अनुसार नायिका भेद—परकीया, सामान्या, स्वकीया ।

१५७. अवस्था के अनुसार नायिका भेद—मुग्धा, मध्या, प्रौढ़ा ।

१५८. अन्य आधारों के अनुसार नायिका भेद—अभिसारिका, उत्कंठिता,

कलहांतरिता, खंडिता, प्रोषितपतिका, वासकसज्जा, विप्रलब्धा, स्वाधीनपतिका।

१५६. गर्व के आधार पर नायिका भेद—कुलगर्विता, मानगर्विता, यौवनगर्विता, रूपगर्विता, शीलगर्विता, ।

१६०. भरत मुनि के अनुसार नायिकाओं के ४ भेद—कुल स्त्री, गणिका, दिव्या, नृपतिनी।

१६१. नायिकाओं के कुछ अन्य प्रसिद्ध भेद—अज्ञातयौवना, अनूढ़ा, आगतपतिका, अधीरा, अनुशयना, आरूढ़यौवना, ऊढ़ा, कनिष्ठा, कुलटा, ज्येष्ठा, ज्ञातयौवना, धीरा, धीराधीरा, नवयौवना, नवलअनंगा, नवलवधू, नवोढ़ा, परोढ़ा, प्रगल्भवचना, प्रवत्स्यतपतिका, प्रगल्भा, रतिकोविदा, रूपयौवना, वयस्संधि, विश्रब्ध, नवोढ़ा, सलज्जरति, सविभ्रमा।

१६२. नायिका के अंगज अलंकार—भाव, हाव, हेला।

१६३. नायिका के अयत्नज अलंकार—औदार्य, कांति, दीप्ति, धैर्य, प्रगल्भता, माधुर्य, शोभा।

१६४. नायिकाओं के स्वभावज अलंकार—किलकिंचित, कुट्टमित, कुतूहल, केलि, चकित, तपन, बिब्बोक, मद, मोट्टायित, मुग्धता, ललित, लीला, विक्षेप, विच्छित्ति, विभ्रम, विलास, विहृत, हसित।

१६५. ४ प्रकार की वृत्तियाँ—आरभटी, कौशिकी, भारती, सात्वकी।

१६६. प्रेक्षागृह—नाट्यमंडप, नाट्यशाला, नाट्यस्थल, रंगगृह, रंगभूमि, रंगमंडप, रंगस्थल।

१६६. अ. रंगमंच—डायस, नाट्यस्थल, मंच।

१६७. श्रव्यकाव्य के ३ भेद—पद्य, गद्य, मिश्र, या चंपू।

१६८. कविता—कविता, कवित्त, काव्य, छंद, तुकबंदी, नज़्म, पद्य, शायरी, ।
विलोम—गद्य।

१६९. कविता करना—कविता लिखना, काव्य करना, काफ़ियात मिलाना, तुक जोड़ना, तुकबंदी करना, पदिश करना, शायरी करना।

१७०. रचित—बनाया हुआ, मुसन्नफ़, लिखित, विरचित।

१७१. कवि—कवि, काव्यकार, तुक्कड़, रचयिता, शायर।

१७२. कवयित्री—शायरा, लेखिका, स्त्री कवि।

१७३. काव्यरसिक—सरस, सहृदय, काव्य प्रेमी, काव्य-मर्मज्ञ।

१७४. काव्य मूढ़—अरसिक, शुष्क, सूखा।

१७५. पद्य के २ भेद—प्रबंध, मुक्तक।

१७६. प्रबंध काव्य के ३ भेद—एकार्थ काव्य, खंड काव्य, महा काव्य।

१७७. मुक्तक काव्य के २ भेद—पाठ्य, प्रगीत या गीत।

१७८. काव्य के पक्ष—काव्य पक्ष या भाव पक्ष, शैली पक्ष या कला पक्ष।

१७९. काव्य के ९ रस—अद्भुत, करुण, भयानक, रौद्र, वीभत्स, वीर, शांत, शृंगार, हास्य।

१८०. शृंगार रस के २ भेद—वियोग या विप्रलंभ, संयोग।

१८१. हास्य रस के ६ भेद—अतिहसित

अपहसित, उपहसित, विहसित, स्मित, हसित।

१८२. वीर रस के ३ भेद—दयावीर, दानवीर, युद्धवीर।

१८३. २ विभाव—आलंबन, उद्दीपन।

१८४. २ भाव—संचारी भाव, स्थायी भाव।

१८५. ३३ संचारी भाव—अपस्मार, अमर्ष, अवहित्था, अलसता, असूया, आवेग, उग्रता, उन्माद, औत्सुक्य, गर्व, ग्लानि, चपलता, चिंता, जड़ता, तर्क, त्रास, दैन्य, धृति, निद्रा, निर्वेद, व्रीडा, मति, मद, मरण, मोह, विबोध, विषाद, व्याधि, शंका, श्रम, स्मृति, स्वप्न, हर्ष।

१८६. ९ स्थायी भाव—उत्साह, क्रोध, जुगुप्सा, भय, रति, विस्मय, शम, शोक, हास।

१८७. ३ अनुभाव—कायिक, मानसिक, सात्विक।

१८८. अलंकार—काव्य भूषण, काव्य सौंदर्य।

१८९. ३ प्रकार के अलंकार—अर्थालंकार, उभयालंकार, शब्दालंकार।

१९०. काव्य में प्रयुक्त प्रमुख अलंकार—अनुप्रास, असंगति, असंभव, अतद्गुण, अत्युक्ति, अधिक, अनुज्ञा, अन्योक्ति, अन्योन्य, अर्थापत्ति, अल्प, अवज्ञा, उन्मीलित, उल्लेख, एकावली, कारणमाला, गुणवत्, गूढोक्ति, तद्गुण, दृष्टांत, निषेध, निश्चय, परिकर, भ्रांति विहित, प्रत्यनीक, प्रयुक्ति, प्रहर्षण, मालादीपक, मीलित, मुद्रा, यमक, युक्ति, विधि, विशेष, वक्रोक्ति(?), विवृतोक्ति, व्याजोक्ति, श्लेष, संभावना, सम, समाधि, समुच्चय, सामान्य, सार, स्मरण।

१९१. काव्य के ३ गुण—ओज, प्रसाद, माधुर्य।

१९२. काव्य के १० गुण—अर्थव्यक्ति, उदारता, ओज, कांति, माधुर्य, प्रसाद, श्लेष, समता, समाधि, सकुमारता।

१९३. ३ वृत्तियाँ—(काव्य की), उपनागरिका, कोमला, परुषा।

१९४. ३ रीतियाँ—गौड़ी, पांचाली, वैदर्भी।

१९५. शब्द की ३ शक्तियाँ—अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

१९६. दोष के प्रमुख भेद—अर्थ दोष, रस दोष, शब्द दोष।

१९७ कुछ प्रसिद्ध दोष—अधिकपद, अप्रयुक्त, अश्लील, असमर्थ, कष्टार्थ, क्लिष्ट च्युतसंस्कार, नेयार्थ, न्यूनपद, श्रुतिकटु, संदिग्ध।

१९८. छंद—कविता, बंद, बहर, शेर।

१९९. तुक—अंत्यानुप्रास, क़ाफ़िया, मेल, सज।

२००. छंदशास्त्र के गण—जगण, तगण, नगण, भगण, मगण, यगण, रगण, सगण।

२०१. छंदों के २ प्रमुख भेद—मात्रिक, या जाति, वर्णिक या वृत्त।

२०२. मात्रिक और वर्णिक के भेद—अर्द्धसम, विषम, सम।

२०३ कुछ प्रमुख छंद—अनुष्टुप, अमृतध्वनि, आर्य्या, आल्हा, इंद्रवज्रा, उपेंद्रवज्रा उल्लाला, कवित्त, किरीट, कुंडलिया, गजल, गीति, गीतिका, घनाक्षरी, चौपाई, छप्पय, ताटक, तोटक, त्रिभंगी, दंडक,

दुर्मिल, दोहा, द्रुतविलंबित, नराच, पज्झटिका, पद्धरि, पादाकुलक, मालती, मालिनी, रूप घनाक्षरी, रेखता, रोला, ललित, लावनी, वसततिलका, विद्युन्माला, वंशस्थविलम्, शार्दूलविक्रीड़ित, शिखरिणी सुन्दरी, सुमुखी, स्रग्धरा, हरिगीतिका ।

२०४. गद्य के भेद—आत्मकथा, आलोचना, उपन्यास, कहानी, गद्य काव्य, जीवनी, निबध, पत्र ।

२०५. शैली—चाल, ढग, ढब, तरीका, तर्ज़, तौर, पद्धति, प्रणाली, बिधि, रीति, विधि ।

२०६. गद्य की शैलियाँ—पुराण शैली, भाषणात्मक शैली, वर्णनात्मक शैली, विवेचनात्मक शैली, व्यंग्यात्मक शैली, व्यास शैली, समास शैली, सूत्र शैली, हास्यात्मक शैली ।

२०७. लेख—आर्टिकिल, थीसिस, निबध, पेपर, प्रबंध ।

२०८. कहानी—अफ़साना, आख्यान, आख्यायिका, कथा, कहनी, केहानी, गल्प, गाथा, दास्ताँ, दास्तान, फ़साना, फेसाना, उपन्याम, कादबरी, नाविल, नावेल ।

२०९. आलोचना—अध्ययन, गुणदोष कथन, परिचय, प्रत्यालोचना, विमर्ष, विवेचन, विवेचना, समालोचना, समीक्षण समीक्षा ।

२१०. आलोचना के प्रधान भेद—आत्मप्रधान या प्रभाववादी, ऐतिहासिक, गणनात्मक, तुलनात्मक, निर्णयात्मक, मनोवैज्ञानिक, सैद्धांतिक ।

२११. समालोचक—आलोचक, विवेचक, समीक्षक ।

२१२. गद्यगीत—गद्यकाव्य, गद्यगीत ।

२१३. भाषा—ज़बान, बोली, भाखा ।

२१४. भाषाविज्ञान—तुलनात्मक भाषा विज्ञान, तुलनात्मक, भाषा शास्त्र, फिलालोजी, भाषा लोचन, भाषा शास्त्र, लिसानयात ।

२१५ भाषावैज्ञानिक—फिलालोजिस्ट, भाषा विज्ञान विशारद, भाषा विज्ञानवेत्ता, लिंग्विस्ट ।

२१६. व्याकरण—क़वायद, ग्रामर, भाषा नियम ।

२१७. व्याकरणवेत्ता—क़वायद दाँ, वैयाकरण ।

२१८. भारत की प्राचीन भाषाएँ—संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश ।

२१९. संस्कृत—देव भाषा, देव वाणी, लौकिक संस्कृत, वैदिक संस्कृत ।

२२०. पालि—पाली, बौद्धभाषा ।

२२१. भारत की आधुनिक भाषाएँ—आसामी, उड़िया, कन्नड़, गुजराती, तमिल, तेलगू, पंजाबी, बंगला, मराठी, मलयालय, लहँदा, हिंधी ।

२२२. हिंदी—नागरी, हिदवी, हिंदुस्तानी ।

२२३. बोली—उपभाषा ।

२२४. हिन्दी की बोलियाँ—अवधी, उर्दू, कन्नौजी, खड़ी बोली, छत्तीसगढ़ी, जयपुरी, बघेली, बाँगरू या जाटू, बुंदेली, बैसवाड़ी, ब्रज, भोजपुरी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, मेवाती, मैथिली, हिन्दुस्तानी ।

२२५. लिपि—अक्षर, आखर, वर्ण, हरफ़, हरुफ़, हर्फ़ ।

२२६. वर्ण के दो भेद—व्यंजन, स्वर ।

२२७. स्वर—मत्रा, मात्रा ।

२२८. अंक—अदद, गिनती, हिंदसा ।

२२९. नागरी लिपि—देव नागरी लिपि, हिन्दी लिपि ।

२३०. भारत की कुछ प्राचीन लिपियाँ—कुटिल, खरोष्ठी, गुप्तलिपि, ब्राह्मी ।

२३१. शब्द—लफ़्ज़ ।

२३२ वाक्य—जुम्ला ।

२३३. मुहावरा—अभ्यास, बोलचाल, भाषा सरणि, मुहाविरा, रोज़मर्रा ।

२३४. कहावत—अहाना, आभाणक, कथनी, कहन, कहनाउत, कहनावत, कहतूत, कहावति, कहौअल, खायत, नेवा, मकूला, मसल, मसला, मिसाल, लोकोक्ति ।

२३५. विद्या—इल्म, गुण, ज्ञान, नसीहत, फ़न, बिद्या, शिक्षा, सरस्वती, हुनर ।

२३६. अविद्या—अंधकार, अज्ञता, अज्ञान, अज्ञानता, माया, मूढ़ता, मोह ।

२३७. १८ तरह की विद्याएं—अथर्वण-वेद, अर्थशास्त्र, आयुर्वेद, ऋग्वेद, कल्प, गान्धर्ववेद, छंद, ज्योतिष, धनुर्वेद, धर्मशास्त्र, निरुक्त, न्याय, पुराण, मीमांसा, यजुर्वेद, व्याकरण, शिक्षा, सामवेद ।

२३८ शिक्षा—तालीम, दीक्षा, पढ़ाई, शिक्षण, सिच्छा, सीख ।

२३९. शिक्षित—आलिम, तालीमयाफ़्ता, पढ़ा, पढ़ा-लिखा, विद्वान, सुशिक्षित ।

२४०. अशिक्षित—अनपढ़, काला अक्षर भैंस बराबर, गँवार, बेपढ़ा, मूरख, लिख लोढ़ा पढ़ पत्थर, सरस्वतीशत्रु ।

२४१. शिक्षक—अध्यापक, आचार्य, आदेशक, आदेष्टा, उपदेशक, उपदेष्टा, उपाध्याय, गुरु, गुरुजी, टीचर, ट्यूटर, तत्वबोधक, दीक्षक, परिप्राध्यापक, प्रोफ़ेसर, मास्टर, मुंशी, मौलवी, मौलवी, मौलवी, रीडर, लेक्चरर, व्याख्याता, सिच्छक ।

२४२. शिष्य—अंतेवासी, चेला, छात्र, दीक्षित, मुरीद, शागिर्द, विद्यार्थी, शिक्षार्थी, शैक्ष ।

२४३ शिष्यता—मुरीदी, शागिर्दी ।

२४४. छात्रवृत्ति—वज़ीफ़ा, स्कालरशिप ।

२४५. छात्रालय—छात्रावास, बोर्डिंग, बोर्डिंगहाउस, होस्टल ।

२४६. पढ़ना—अध्ययन करना, अनुशीलन, करना, अभ्यास करना, उच्चारण करना, उच्चरित करना, तालीम पाना, तालीमयाफ़्ता होना, दीक्षा पाना, पठन करना, पठन-पाठन करना, पढ़ना, बाँचना, रटना, शिक्षा पाना, शिक्षित होना, स्मरण करना ।

२४७. पढ़ाना—अध्ययन कराना, अध्यापन करना, अभ्यास कराना, तालीम देना, दीक्षा देना, पढ़ाना, रटाना, लिखाना-पढ़ाना, शिक्षा देना, शिक्षा-दीक्षा करना, शिक्षित करना, समझाना, सिखाना ।

२४८. मनन—अनुशीलन, गौर, चिंतन, मनन, विचार, सोचना ।

२४९. मनन करना—ऊपर के शब्दों में अंतिम को छोड़ कर 'करना' जोड़कर बनाया जा सकता है ।

२५०. परीक्षा—आज़माइश, अवलोकन, इम्तहान, कस, कसनी, कसौटी, कष, छानबीन, जाँच, जाँच-पड़ताल, जायजा, देख-रेख, देखभाल, पड़ताल, परख, परीक्षा, परीक्षण, मुआयना, शोध, शोधन ।

२५१. परीक्षित—आज़माया, आज़माया, आज़मूदा, जाँचा, परखा, परिक्षित ।

२५२. परीक्षक—कारणिक, जाँचक, पारखी, मुम्तहिन।

२५३. परीक्षार्थी—मुम्तहन।

२५४. परीक्षा करना—आज़माइश करना, इम्तहान करना, इम्तहान लेना, कसना, कसौटी पर रखना, जाँच करना, जाँचना, ठोंकना, ठोंकना ठठाना, देखना, देखना-भालना, परखना, परीक्षा लेना, परीक्षण करना, दे० 'जाँचना'।

२५५. परीक्षा करवाना—अँकाना, जँचवाना, दिखलाना, दिखाना, परखाना, परखवाना, परीक्षा करवाना।

२५६. अध्ययन—अनुशीलन, अभ्यसन, पठन, पठन-पाठन, पढ़ना, परिशीलन, मुताल', मुताअला, स्वाध्याय।

२५७. अध्यापन—दीक्षण, निपाठ, पढ़ाना, पाठन, शिक्षण।

२५८ अन्वेषण—अनुसंधान, अन्वीक्षण, अन्वीक्षा, अन्वेखण, खोज, गवेषण, गवेषणा, जाँच, जुस्तजू, जोह, जोहना, ढूँढ़, तलाश, तहकीक, तहकीकात, पड़ताल, परीष्टि, पर्य्येषण, प्रतिसंधान, प्रतिसंधि, शोध, संधान, हेर।

२५९. अन्वेषक—अनुसंधानकर्त्ता, अनुसंधित्सु, अन्वेसक, खोजी गवेषी, शोधक।

२६०. खोजना—अनुसंधानना, अनुसंधान करना, अन्वेषण करना, खोज करना, खोजना, ढूँढ़ना, तलाशना, देखना, पता लगाना, पता लेना, शोधना, शोध करना, हेरना।

२६१. खोजवाना—अनुसंधान करवाना, खुजवाना, ढुँढ़वाना, तलशवाना, तलाश करवाना, पता लगवाना, शोधवाना।

२६२. समझाना—अरथाना, अवगाहना, जतलाना, जताना, ज्ञान देना, परबोधना, प्रबोधना, बतलाना, बताना, बुझाना, बोधना, विवरण करना, विवरण देना, विवेचना करना, व्याख्या करना, समझाना।

२६३ उदाहरण-उदाहरन, दृष्टांत, नज़ीर, नमूना, मिसाल।

२६४. उपमा—तश्बीह, मिसाल।

२६५. प्रश्न—माँग, सवाल।

२६६. प्रश्नपत्र—परीक्षापत्र, पर्चा, पेपर।

२६७. उत्तर—जवाब, प्रतिकार, समाधान।

२६८. चुप कर देने वाला उत्तर—चुभता जवाब, मुँह-तोड़ जवाब, सटीक उत्तर।

२६९. सवाल-जवाब—उत्तर-प्रत्युत्तर, कथोपकथन, झगड़ा, तकरार, तर्क-वितर्क, प्रतिवाद, प्रश्नोत्तर, बात-चीत, वाद-विवाद, विवाद, सवाद, हुज्जत।

२७० पहेली—प्रहेलिका, बुझनी, बुझौवल, मुकरी, समस्या।

२७१. उक्ति—अनोखावाक्य, उक्ति, कथन, चमत्कारपूर्ण कथन, वचन, वक्रोक्ति।

२७२. डिबेट—तकरीर, भाषण, वक्तृता, वादविवाद, वादानुवाद, वादाविवाद।

२७३. अंताक्षरी—अंत्याक्षरी. पद्यात-प्रतियोगिता, बैतबाज़ी।

२७४. पाठशाला—कालेज, गुरुकुल, पाठ, मक्तब, महाविद्यालय, विद्यालय, विश्व-विद्यालय, शिक्षणालय, स्कूल।

२७५. यूनिवर्सिटी—दारुलउलूम, विश्व-विद्यालय।

२७६. शिक्षा संस्था का अध्यक्ष—आचार्य, प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रिंसपल, वाइसचांसलर, हेडमास्टर।

२७७. भाषण—कथन, तकरीर, प्राख्यान, भाखण, वक्तव्य, वक्तृता, व्याख्यान।

२७८. भाषण देना—बोलना, कहना, 'भाषण' के पर्यायों में यथानुसार 'करना' या 'देना' लगा कर और शब्द भी बनाए जा सकते हैं।

२७९. वक्ता—तकरीरदाँ, भाषणकर्ता, भाषणदाता, व्याख्यानदाता।

२८०. मच—डायस, पुलपिट।

२८१. विज्ञान—साइंस।

२८२. मशीन—मसीन, आपरेटस, यत्र।

२८३ मशीन का या मशीन संबंधी—यांत्रिक।

२८४. आविष्कार—आविष्करण, ईजाद।

२८५. आविष्कारक—आविष्कर्त्ता, प्रवर्तक।

२८६. प्रेस—छापाखाना, मुद्रणालय।

२८७. मैनेजर—इंतज़ामकार, प्रबंधक, प्रबंधकर्ता, प्रबंधकार, मुतज़िम, विधायक, व्यवस्थापक।

२८८. छापना—आंकेत करना, ठप्पा करना, टंकण करना, टंकित करना, टाइप करना, मुद्रित करना, लिखना, लीथो करना।

२८९. समाचारपत्र—अख़बार, पत्र, पेपर।

२९०. पत्रिका—मैगज़िन, रेसाला।

२९१. निकलने के समय के अनुसार पत्र पत्रिकाओं के भेद—अर्द्धसाप्ताहिक, अर्धमासिक, दैनिक, द्वैमासिक, पाक्षिक, मासिक, वार्षिक, षट्मासिक, साप्ताहिक।

२९२. संपादक—अडीटर, एडिटर, पत्रकार।

२९३. सम्मान पत्र—प्रतिष्ठा पत्र, मान पत्र, सम्मान पत्र।

२९४. लिखना—अंकित करना, अंकन करना, अनुकरण करना, अभ्यास करना, उतारना, कलम करना, कमलबद्ध करना, टाइप करना, नक़ल करना, रचना, रचना करना, लिपि बद्ध करना।

२९५. पांडुलिपि—पोथी, मैनुस्क्रिप्ट, मुसौविदा।

२९६. पुस्तक—किताब, ग्रंथ, पुस्तक, पुस्तिका, पोथा, पोथी।

२९७. विषय—चॅप्टर, मज़मून, विस्तय।

२९८. भूमिका—आमुख, उपोद्घात, कथामुख, तमहीद, दीबाचा, दो शब्द, प्रस्तावना प्रस्ताविका, प्राक्कथन, मुक़द्दमा, मुखबंध।

२९९. पाठ—अंक, अध्याय, आह्निक, उच्छ्वास, उद्घात, कांड, किरण, तरंग, पटल, परिच्छेद, पाद, प्रकरण, प्रपाठक, पिटक, बाब, मंजरी, लहरी, वर्ग, शाखा, समय, समुल्लास, सर्ग, स्कंध।

३००. टीका—अर्थ, कुंजी, टिप्पणी, टिप्पन, तफ़सील, भाष्य, विवरण, विवेचन, व्याख्या।

३०१ अनुवाद—अनुवाद, उल्था, तरजुमा, भाषांतर।

३०२. कापी—पुस्तिका, अभ्यासकापी।

३०३. डायरी—दैनंदिनी, दैनिकी।

३०४. पृष्ठ—पन्ना, पृष्ठ, पेज, वरक़, वर्क़, सफ़हा, सफ़ा।

३०५. कागज़—कागद, पटल, पत्र, पन्ना, भोजपत्र।

३०६. रोशनाई—अंजन, काली, पत्रांजन, मलिनाम्बु, मशी, मसि, मसी, मेला, रजनी, रोशनाई, रोशनाई, सियाही, स्याही।

३०७. कलम—कलक, निब, फाउंटेनपेन, मुश्कबेद लेखनी।

३०८. फाउंटेनपेन—धाराप्रवाहलेखनी, निर्झरिणी।

३०९. निब—जिम्भा, जिम्भी।

३१०. दावात—दवात, बोरकना, बोरका, मसिकूपिका, मसिदानी, मसिधान, मसिधानी, मसिपात्र, मसिमणि, मस्याधार मेलानंदा, मेलांधु, वर्णकूपिका।

३११. पटरी—तख़्ती, तख़्ती, पटिया, पट्ट, पट्टी, पाटी।

३१२ स्केल—इंची, पटरी, इसकेल, रोलर, रूल।

३१३. पेंसिल—पिनसिन, प्रिनसिल, रूल, शुष्कलेखनी।

३१४. सोखता—सोखता, स्याहीसोव।

३१५. लिफ़ाफ़ा—एनवलप, खरीता, लिफाफ।

३१६. पोस्टकार्ड—कारट, कारड, कार्ड, चिट्ठीकार्ड।

टिकट—टिकस, स्टंप, स्टाप।

३१७. नक़शा—चित्र, देशचित्र, नक़्शा, मानचित्र, मैप, राष्ट्रचित्र।

३१८. श्यामपट—असितपट्ट, काला तखत, काला तख़्ता, तखताश्या, तख़्तास्याह, श्यामपट, श्यामपट्ट।

३१९. इतिहास—अतीताख्यान, इतिवृत्त, उपाख्यान, तवारीख़, तारीख़, पुराण, पुराविद्या, पुरावृत्त, पूर्ववृत्तान्त, प्राचीन कथा, हिस्ट्री।

३२०. इतिहासज्ञ—तवारीख़दाँ, हिस्टोरियन।

३२१. ऐतिहासिक—इतिहासिक, तवारीख़ी तारीख़ी, पौराणिक, हिस्टारिकल।

३२२. प्रागैतिहासिक—प्रतिनतिहासिक, प्रागितिहासिक, प्रीहिस्टारिक।

३२३. भूगोल—जुगराफ़िया, जियाग्रैफ़ी।

३२४. भूगोल संबंधी—भौगोलिक, भूगोलिक।

३२५. जलवायु—आबहवा, हवापानी।

विशेष—भूगोल संबंधी अन्य सामग्री के लिए 'नदी', 'पर्वत', 'देश' आदि के आसपास की सामग्री देखिए।

३२६. भूगर्भ शास्त्र—जियालोजी, पृथ्वी विज्ञान, पृथ्वी विद्या।

विशेष—भूगर्भ में मिलने वाली धातुओं और रत्नों के लिए 'सोना' तथा 'रत्न' और उसके आस-पास की सामग्री देखिए।

३२७. दर्शन शास्त्र—अध्यात्म शास्त्र, ज्ञान शास्त्र, तत्त्व शास्त्र, फिलसफ़ा, फिलासफ़ी

३२८. तर्क शास्त्र—मंतिक़, लाजिक।

३२९. तर्क—बहस, बहस-मुबाहिसा, वाद, विवाद, वादाविवाद, सरबर, हुज्जत।

३३०. नीति शास्त्र—नीति, नीतिविद्या, राजविद्या, व्यवहार शास्त्र।

३३१. नीति—अख़लाक़ी उसूल, आचार पद्धति, चलन, दुनियादारी, नय, नियम, लोकपद्धति, लोकाचार, व्यवहारपद्धति।

३३२. राजनीति—अर्थशास्त्र, नागरिक शास्त्र, नीति, पालिटिक्स, राजविद्या, राज तंत्र, राज्य शास्त्र, सियासत, सिविक्स।

३३३. राजनीतिक—पोलिटिकल, सियासी।

३३४. राजनीतिज्ञ—पालिटिशियन, राजनीतिज्ञ, सामसाली।

३३५. नेता—अगुवा, अग्रगामी, अग्रणी, अग्रसर, अध्यक्ष, अध्यक्ष, नायक, प्रधान, प्रमुख, प्रेसिडेंट, मुखिया, लीडर, संचालक, सदर, सभापति, सरदार।

३३६. संस्था—कांग्रेस, जमात, परिषद्, पार्टी, लीग, संगठन, संघ, सभा।

३३७. संस्थाओं के प्रमुख आधार—अर्थशास्त्र, धर्म, राजनीति, समाज।

३३८. समाजवाद—सोशलिज़्म।

३३९. साम्यवाद—कम्युनिज़्म।

विशेष—कभी-कभी समाजवाद और साम्यवाद एक अर्थ में भी प्रयुक्त होते हैं।

३४०. प्रजातंत्र—जनतंत्र, जमहूरियत, जमहूरी सलतनत, डिमाक्रेसी, लोकतंत्र, सर्वतंत्र।

३४१. एकतंत्र—अधिनायकतंत्र, एकछत्र, मानार्की, राज्यतंत्र।

३४२. सामंततंत्र—फ्यूडल सिस्टम, सामंतवाद, सामंतशाही।

३४३. साम्राज्य तंत्र—इम्पीरियलिज़्म, साम्राज्यवाद, साम्राज्यशाही।

३४४. तानाशाही—नाज़िज़्म, फासिज़्म, हिटलरशाही।

३४५. तानाशाह—नाज़ी, फासिस्ट, हिटलर।

३४६. भारत की वर्तमान प्रमुख संस्थाएँ—कांग्रेस, किसान मज़दूर प्रजा पार्टी, क्रांतिकारी, समाजवादी पार्टी, जनता पार्टी, जमायतुल उलमा, मुस्लिम-लीग, रामराज्य परिषद्, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, साम्यवादी पार्टी, हिन्दू महासभा।

३४७. वाद—आग्रह, मत, राय।

३४८. राज्य—अधिकार, उपवर्त्तन, जनपद, देश, प्रदेश, मंडल, राज, राष्ट्र, शासन, सरकार, सलतनत, स्टेट, हुकूमत।

३४९. राजा—अधिपति, अधिराज, अर्थपति, ईश, कुवपति, क्षोणिप, क्षोनिप, गजपति, डंडो, दंडधर, दंडधार, दंडधारी, धराधीश, नरकंत, नरदेव, नरनाथ, नरनाह, नरपति, नरपाल, नराट, नराधिप, नरिंद्र, नरेंद्र, नरेश, नृप, नृपति, पातशाह, पातिशाह, पादशाह, पार्थ, पार्थिव, पृथिवीपति, पृथिवीपाल, पृथिवीभुज, पृथिवीश, पृथ्वीश, प्रभु, बादशाह, भुवनपति, भुवपाल, भुवार, भुवाल, भूनेता, भूधन, भूधर, भूप, भूपग, भूपति, भूपाल, भूभुज, भूभृत, भूमिदेव, भूमिपति, भूमिपाल, भूवल्लभ, भूशक्र, महाराज, महाराजा, महाराजाधिराज, महीप, महीपति, महीपाल, महीभर्त्ता, महीभुक, महीभुज, महीभृत, राउ, राजराजेश्वर, राजा, राजाधिराज, राजेंद्र, राजेश्वर, राट, राठ, राणा, राना, लोकप, लोकपति, व्याल, शाहशाह, सम्राट्।

३५०. चक्रवर्ती राजा—चक्रवर्ती, जगदीश्वर, महाराजाधिराज, राजराजेश्वर, सम्राट, सार्वभौम।

३५१. राजसी—बादशाहाना, राजसी, शाहाना, शाही।

३५२. राजकीय—राष्ट्रीय।

३५३. रानी—अर्धासिनी, पटरानी, पट्टदेवी, पट्टमहिषी, पाट महिषी, महादेवी, महारानी, महिषी, राज्ञी, राजपत्नी, राजमहिषी, रानी।

३५४. राजकुमार—छोटे सरकार, जुवराज, युवराज, राजकुँअर, राजकुमार, राजपुत्र, महाराज कुमार, शहज़ादा, शाहज़ादा।

३५५. राजकुमारी—कुँवरि, राजकुमारि, राजकुँमरि, राजकुँवरि, राजपुत्री, शहज़ादी, शाहज़ादी।

३५६. **प्रधान मंत्री**—प्रधान मंत्री, मंत्रिपति, महामात्य, महासचिव।

३५७. **सचिव**—अमात्य, आमात्य, दीवान, धीसख, पार्षद, मंत्रणादाता, मंत्री, मुसाहब, वज़ीर, सचिव, सामवायक, सिकत्तर, सेक्रेटरी।

३५८. **सेनापति**—अनिप, दलपति, दलवाल, फौजदार, यूथग, यूथनाथ, यूथप, यूथपति, यूथपाल, रणस्वामी, सरदार, सिपहसालार, सेनप, सेनादार, सेनाध्यक्ष, सेनानायक, सेनानाथ, सेनानी, सेनापाल, सैनपति, सैनेश।

३५९. **फौज**—अनी, अनीक, अनीकिनी, कटक, कटकई, कटकाई, गुल्मिनी, चक्र, चक्रवाहिनी, चतुरंग, चमू, दल, दलबल, दल-बादल, धात्री, धारी, ध्वजिनी, पताकिनी, पलटन, पृतना, पृतना, पृतन्या, फौज, बल, बाहनी, यूथ, लश्कर, लाम, वरचक्षु, वरूथ, वरूथनी, वरूथिनी, वाहना, वाहिनी, व्यूह, सेना, सैना, सैन्य, सिपाही।

३६०. **४ तरह की सेनाएँ**—घोड़सवार, पैदल, रथी, हाथी सवार।

३६१. **पैदल फौज**—पत्ती, पदग, पदाति, पदातिक, पदिक, पादात, पैदल, प्यादा, हरावल, हरावरि, हरौला, हिरावल, हिरौल।

३६२. **अश्वारोही**—अश्वपति, अश्ववह, अश्ववार, घुड़चढ़ा, घुड़सवार, घोड़सवार, तुरगारूढ़, तुरगी, सवार, सादी।

३६३. **रथी (सैनिक)**—रथारूढ़, रथारोही, रथी, स्यंदनारूढ, स्यंदनारोह।

३६४. **योधा**—चंडावल, जुझार, जोधा, तिलंगा, पत्ति, प्रवीर, बानैत, भट, युयुधान, योद्धा, योधा, रणबंका, रणबाँकुरा, रणवादी, रनी, लड़ाका, लड़ायता, लड़ैया, वीर, शूरवीर।

३६५. **सिपाही**—अनीक, तिलंगा, पत्ति, पत्तिभट, पदाति, पदातिक, पलटनिया, प्यादा, बंदुकची, बंदूकची, भट, भारथी, सिपाही, सोप्वाय, सिलाही, सेनाजीवी, सैनिक, सैन्य।

३६६. **सभासद**—दरबारी, परिषद्, परिषद्वल, परिसभ्य, पारिषद, पार्षद, मेंबर, सदस्य, सभासद, सभास्तार, सभ्य, साधु, सामाजिक।

३६७. **अफसर**—अपसर, आफ़िसर, कार्याध्यक्ष, कार्याधिकारी, कार्याधिपति।

३६८. **अधिकारी**—आधिकारी, अधिप, अधिपति, अधीश, अधीश्वर, अध्यक्ष, अन्नदाता, देशक, शासक, शासनकर्ता, शास्ता, हाकिम।

३६९. **दूत**—अपिसर्पक, एलची, कासिद, चटुक, चर, चार, दूत, धापक, धावन, पत्रवाहक, प्रणिधि, सँदेशहर, सँदेशिया, हँकारी, हरकारा।

३७०. **राजदूत**—एलची, राजदूत, सफीर।

३७१. **द्वारपाल**—अंतपाल, दरबान, दरबारविलासी, दौवारिक, द्वारपाल, द्वारपालक, द्वौवारिक।

३७२. **पहरेदार**—चौकीदार, ड्योढ़ीदार, द्वारपाल, पहरी, पहरुआ, पहरेदार, पाहरू, पहरी, पौर, प्रहरी, प्रतीहार, रखवाला, वेत्रक, वेत्रधार, स्थितदर्शक। दे० 'संतरी'।

३७३. **संतरी**—चंडावल, संतरी, सैनिक।

३७४. **अंतःपुर रक्षक**—अंतःपुरिक, अंतर्वेशिक।

३७५. **कर्मचारी**—अहलकार, करमचारी।

३७६. डाकिया—चिट्ठीरसाँ, डाकप्यून, डाकिया, धावक, धावन, पोस्टमैन, हरकारा।

३७७. भेदिया—गुप्तचर, गुरगा, गोइंदा, चर, चार, जासूस, पनियाँ, पनिहा, भेदिया, भेदी, सी० आई० डी०।

३७८. प्रजा—परजा, राष्ट्र, रिआया, रैयत, संतति।

३७९. अर्थशास्त्र—एकनामिक्स, धनशास्त्र, मुद्राशास्त्र, संपत्तिशास्त्र।

३८०. अर्थ—ऋद्धि, खुत्थी, खुथी, जर, तत, दरब, द्रव्य, दाम, दाय, दौलत, धन, पण, पूँजी, पैसा, बित्त, भग, माल, मालियत, मुद्रा, योग, रक़म, राध, रुपया, रूपया पैसा, लक्ष्मी, वित्त, वित्त, विभव, विभूति, विषय, वैभव, श्री, सपत्ति।

३८१. पूँजी—जमा, पूँजी, मूलधन, विच, विसात, सम्पत्ति।

३८२. आर्थिक—माली।

३८३. अर्थशास्त्रज्ञ—अर्थशास्त्री, एकनामिस्ट।

३८४. कमाना—अर्जन, करना, अर्जित करना, कमाई करना, पैदा करना, जेब भरना, लूटना।

३८५. खर्च करना—अपव्यय करना, खरचना, फिजूल फूँकना, फेकना, लुटाना, व्यय करना।

३८६. कमाई—अर्जन आमद, आमदनी, आय, पैदा।

३८७. खर्च—खपत, खरच, खरचा, व्यय सरफ़ा।

३८८. कमाने वाला—अर्जनशील, कमासुत।

३८९. खर्च करने वाला—अपव्ययी, खर्चीला, खर्राच, फ़जूलखर्च, फैलसूफ़, मुक्त हस्त, रेह, व्ययक, व्ययशील, व्ययी, शाहखर्च।

३९०. कंजूस—अदाता, अनुदार, कदर्य, कफ़नखसोट, करपर, करमट्ठा, किम्पच, किरविन, कृपण, कृपिन, क्षुद्र, ठग, तगदस्त, नीच, नीबूनिचोड़, पत्थरचटा, बखील, बनिया, मक्खीचूस, यक्षवित्त, रंक, संचकर, संचयी, सूम।

३९१. कंजूसी—अनुदारता, कदर्यता, कफ़न खसोटी, कादरता, कृपणता, कृपिनाई, ठगपना, दरिद्रता, दीनता, दैन्य, बखीली, मक्खीचूसी, सूमपना।

३९२ कंजूसी करना—कृपणता करना, कृपिणता करना, कृपिनाई करना, पैसा दाँत से पकड़ना, मक्खीचूसी करना।

३९३. किफ़ायत—मितव्यय, मितव्ययता।

३९४ मजदूरी—करवाई, कामकराई, पारिश्रामिक, मजदूरी, मजूरी, मेहनताना, रोज़ी। दे० नीचे।

३९५. वेतन—उजरत, तनखाह, तनख्वाह, तलब, दरमाहा, महिनवारी, महिना, महीना, वेतन। दे० ऊपर।

३९६. मूलधन—असल।

३९७. ब्याज—सूद।

३९८. ऋण—उधार, ऋन, करज, करजा, कर्ज़, रिन, देना, लहना, हथफेर।

३९९. ऋणी—कर्ज़खोर, खदुधुल, देनदार, रिनियाँ। दे० कर्ज़दार।

४००. ऋण लेना—उधार लेना, ऋण, खाना, कर्ज़ खाना, खाना, हथफेर लेना।

४०१. ऋण चुकाना—उऋण होना, उधार बेबाक करना, ऋण देना, ऋण

पटाना, कर्ज़ उतारना, कर्ज़ चुकाना, रिन पटाना ।

४०२. उऋण—उद्धारित, उरिन, ऋण-मुक्त ।

४०३. उऋण करना—पीठ ठोंकना, बेबाकी लिखना ।

४०४. ऋण देने वाला—ऋणद, महाजन, व्याजजीवी, साहुकार, सूदखोर, सेठ ।

४०५. ग़रीब—अकिंचन, कॅगला, कॅगाल, खिन्न, तंगदस्त, दरिद्दर, दरिद्र, दीन, दुखिया, दुर्गत, धनहीन, नादार, निधन, निधनी, निर्धन, निर्धनी, निःस्व, परत्तीन, बपुरा, बेज़र, भिक्षुक, भिखारी, मिसकिन, मिसकी, मुफ़लिस, मुहताज, रंक, ररी ।

४०५. अ. अमीर—अयाचक, अयाची, ऐश्वर्यवान, ऐश्वर्यशाली, ऋद्ध, करोड़पति, करोड़ी, कोट्याधीश, ख़ुशहाल, गब्बर, जगतसेठ, जागीरदार, तालेवर, दौलतमन्द, धनकुबेर, धनधारी, धनपति, धनवन्त, धनवान, धनाढ्य, धन्नासेठ, धनिक, प्रभु, महाजन, रईस, रत्नधर, लक्षपति, लक्ष्मीपति, लक्ष्मीवान, लखपति, विभववान, विभवशाली, विषई, वैभवशाली, श्रीमन्त, श्रीमत, श्रीमान, संपत्तिशाली, संपन्न, समृद्ध, सरदार, सुराधा, सूरि, सेठ ।

४०६. ग़रीबी—अकिंचनता कंगालता, कंगाली, गुरबत तंगदस्ती, तंगी, दरिद्रता दारिद, दारिद्र, दारिद्र्य, दीनता, दीनताई, दीनत्व, दुःख, दैन्य, धनहीनता, धनाभाव, नादारी, निर्धनता, भिक्षुकता, मिसकीनता मिसकीनी, मुफ़लिसी, मुहताजी, रंकता ।

४०७. अमीरी—अमीरी, अयाचकता, ख़ुशहाली, दौलतमन्दी, धनता, धनाढ्यता, रियासत, समृद्धि ।

४०८ मूल्य—क़ीमत, ख़र्च, दाम, पैसा, लागत ।

४०९. अमूल्य—अमूल्य, कीमती, गब्बर, बहुमूल्य, महार्घ, मूल्यवान ।

४१०. टैक्स—कर, टिकस, महसूल, जकात, लगात ।

४११. मालगुज़ारी—जमा. भूमिकर, मालगुज़ारी, महसूल. लगान ।

४१२. किराया—केराया, भाड़ा, महसूल, शुल्क ।

४१३. भाड़ा (रेल, मोटर आदि)—किराया, केराया, टिकट, टिकस, महसूल, मसूल, मासूल ।

४१४. भाड़ा (घर)—किराया, केराया, भाड़ा, भारा, महीना, रैंट ।

४१५. भाड़ा (नाव)—आतर, उतराई, खेवा, खेवाई, तरपण्य, द्रोणी, महसूल ।

४१६. रिश्वत—अपप्रदान, अयन, आनदा, उत्कोच, उपदानक, उपाच्चर, कौशलिक, ग्राह्य, घूंस, घूस, दौकन, प्रदा, प्राभृत, लंचा, लाच, हार, चाँदी का जूता ।

४१७. रिश्वतखोर—उत्कोचक, घूसख़ोर ।

४१८. रुपये का दंड—अर्थदंड, जुरमाना, डाँड़, धनदंड ।

४१९. जहेज़—जहेज, दहेज, तिलक, दाइजा, दाय, दायज, दायजा, यौतुक, यौतुक, शुल्क ।

४२०. फ़ीस—फी, शुल्क ।

४२१. सिक्का—टंक, दाम, मुद्रा, सिक्कः ।

४२२. **सोने का सिक्का**—गिनी, दीनार, मुहर, मोहर, स्वर्णमुद्रा, स्वर्णरुपया।

४२३. **रुपया**—मुद्रा, रुपय्या, रुपिया, रूपया, रूपिया।

४२४. **अठन्नी** अधेली, अठन्नी, धेली।

४२५. **चवन्नी** पावली, सूका।

४२६ **पैसा**—गोरखपूरी पैसा, डबल, डब्बल, ढेबुआ, पइसा।

४२७. **अधन्ना**—अधन्नी।

४२८. **चिकित्सा शास्त्र**—इल्मेइलाज, आयुर्वेद, उपचार शास्त्र, औषधिशास्त्र, धनवंतरि शास्त्र, स्वास्थ्य शास्त्र।

४२९. **विभिन्न प्रकार की चिकित्साएँ**—आयुर्वेद, एलोपैथी, नेचरोपैथी, बायोकेमिस्ट्री, यूनानी, होमियोपैथी।

४३०. **आयुर्वेद**—धनवंतरि शास्त्र, वैद्यक शास्त्र, वैद्यकी, वैद्यविद्या।

४३१. **यूनानी**—मुस्लिम चिकित्सा शास्त्र, तेबाबत, हिकमत, हकीमी।

४३२. **नेचरोपैथी**—जल चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, स्वाभाविक चिकित्सा।

४३३. **एलोपैथी**—अंग्रेज़ी चिकित्सा, डाक्टरी इलाज, डाक्टरी चिकित्सा।

४३४. **शल्यशास्त्र**—अस्त्रचिकित्सा, चीड़फाड़, ज़र्राही, शल्य क्रिया, शल्य शास्त्र, सर्जरी, हज्जामी।

४३५. **रोग**—अनार्जव, अम, अपाटव, अरजा, अर्ति, आकल्प, आतंक, आतंग, आम, आमय, आरज़ा, इल्लत, उपघात, उपताप, कष्ट, क्षय, गद, तमोविकार, बीमारी, बेरामी, भग, भय, मरज, मर्ज़, माद्य, मृत्युमृत्य, रुज, विकार, विकृति, व्याधि, शिकायत।

विलोम—'स्वस्थता'।

४३६. **रोग के दो प्रकार**—मानसिक, शारीरिक।

४३७. **मानसिक रोग**—आधि, मानसिक व्याधि।

४३८. **शारीरिक रोग**—व्याधि। दे० 'रोग'।

४३९. **निदान**—तशख़ीस, रोगनिर्णय।

४४०. **लक्षण**—चिन्ह, निशान, पहचान, लच्छन।

४४१. **विकार**—खराबी, गड़बड़ी, दोष, दूषण, विकृति।

४४२. **त्रिदोष**—कफ, पित्त, वात।

४४३. **कफ**—दे० 'कफ'।

४४४. **पित्त**—दे० 'पित्त'।

४४५. **वात**—दे० 'वायु'।

४४६. **गंज रोग**—इंद्रलुप्त, इंद्रलुप्तक, केशघ्न, केशनाशक, गंजरोग।

४४७. **खुजलाना**—खउराना, खाउर खाउर करना, खजुवाना, खुजाना, सहलाना, मुहराना।

४४८. **खुजली**—कडू, खर्जु, खाज, खुजलाहट, खजुली, खेसरा।

४४९. **दाद**—खसरा, दद्रु, दादु, दिनाई, दिनाय, पाम, पामा, विचर्चिका।

४५०. **बेवाई**—बिमाई, बेवाय, पादस्फोट, पादस्फोटी, विपादिका, स्फुटि, स्फुटी।

४५१ **सेहुआ**—किलास, सिध्म, सिहुला।

४५२. **मुहाँसा**—मुँहकील।

४५३. **मुँह पर का दाग़**—पत्रभग, पत्रावली, छाई, छाहीं, झाँई।

४५४. **अम्हौरी**—अँभौरी, अँधोरी, अँधौरी, गर्मीदाना।

४५५. **दाह**—जलन, तपन, डाह।

४५६. पित्ती—जुलपित, जुलपित्ती, पित्ती।
४५७. चर्म कील—न्यच्छ।
४५८. करकमुत्ती—कड़क, करक, मूत्र-कृच्छ।
४५९. गर्मी—अवदंश, आतशक, उपदंश, गरमी, फिरंगरोग।
४६०. सुजाक—पूयमेह, मधुमेह, सुज़ाक, सोज़ाक।
४६१. प्रमेह—परमेह, बहुमूत्र, मूत्रदोष।
४६२. पथरी—अश्मरी।
४६३. शूकरोग—लिंगवृद्धि, शूकर।
४६४. कुष्टरोग—उत्फल, कुष्ट, कोठ, कोढ़, गलित कुष्ट, पालक, पारिभव्य, फूल, फूला, मंडलक, वाप्य, व्याधि, श्वेतकुष्ट।
४६५. कुष्टरोग के अंतर्गत रोग—अगियासन, अपरस, उकवत, खसरा, खाज, दाद, सेहुँआ।
४६६. जठराग्नि—जठर, जठराग, जठ-रानक, पाचकाग्नि।
४६७. अजीर्ण—अजीरन, अजीर्न, अन-पच, अपच, बदहज़मी, बदहज़मी।
४६८. कब्ज—अपच, कबज, कबुज़, कबजियत, कब्जियत, कब्जियत, कब्जी, कोष्ठबद्धता, मलबद्ध, मलावरोध, बद्ध-कोष्ट।
४६९. मन्दाग्नि—अल्पाग्नि, मंदाग।
४७०. आँव—आम, आमातिसार, आम-रक्तातिसार, मलवैषम्यरोग।
४७१. वायुगोला—गुल्म, गोला, रक्तोग्रंथि, वातगोला।
४७२. काँच—उदावर्त्त, काँच, गुनग्रह।
४७३. बवासीर—अनायक, अर्श, ख़ूनी बवासीर, गुदकील, गुदांकुर, दुर्नाम, दुर्नामक, बयेसी, बवासीर, बवेला, बादी बवासीर, रक्तार्श।
४७४. बवासीर के दो भेद—खूनी, बादी।
४७५. जुकाम—खरसेवर, ज़ोकाम, ठढ, नज़ला, पीनस, प्रतिश्याय, शीत, सरदी, सर्दी।
४७६. नकसीर—नकसीर, बिनास।
४७७. निनावाँ—छाला, निनवाँ पाका, मुँहपाका, मुखपाक।
४७८. आँख आना—आँख उठना, आँख फूलना।
४७९. आँख आने का रोग—अभिघात, अभिपाक, अभिष्यद।
४८०. रतौंधी—निशांध, रतौन्ही, रात्यंध।
४८१. दिनौंधी—दिवसअंधता, दिवांधता।
४८२. दुखना—करकना, कसकना, कसक होना, टपकना, टभकना, टीस उठना, टीसना, टीस मारना, दर्द करना, दुखना, दुखाना, दुखदाई होना, पीड़ायुक्त होना, फटना, शूल करना, सालना, सूलना।
४८३. टीस—कसक, चसक, टपक, टपका, टभक, टभकन, टीसि, शूल, साल।
४८४. दर्द—आर्तता, कष्ट, दरद, पीड़ा, शूल। दे० 'टीस', 'चमक'।
४८५. चमक (दर्द)—चटक, धमक, चिलक, चिल्हक।
४८६. अधकपारी—आधासीसी, शिर-शूल।
४८७. २ तरह की अधकपारी—चंद्रावर्त, सूर्यावर्त्त।
४८८. खाँसना—खँखारना, ठाँसना, खों खों करना।

४८९. खाँसी—कास, कास, क्षवथु, खँसनी, ढँसनी।

४९०. दमा—दमा, श्वास, श्वास रोग, साँस, हँफरी।

४९१. ज्वर—आतंक, जर, जूड़ी, जूर्ति, ताप, तापक, बुखार, बोखार, महागद, संताप।

४९२. टाइफायड—टाईफायड, मियादी बुखार।

४९३. प्रसूत ज्वर—परसूत ज्वर, ज्वर, प्रसूतिका ज्वर, सूतिका रोग।

४९४. मलेरिया—जाड़ा बुखार, जूड़ी।

४९५. अँतरिया—अँतराज्वर, इकतरा, इकतरिया पारी बुखार।

४९६. सन्निपात—त्रिदोष, सन्निपात, सरसाम, सरसाम।

४९७. मचली—आम्लपित्त, उबकाई, ओकाई, जीमचली, मचली, मतली, मितली।

४९८. मिचली आना—उकलाई आना, उबकाई आना, उलटी आना, ओकाई आना, जिय फरिआना, जी मिचलाना, मतली आना, मिचलाना, मिचली आना, मितलाना, मितली आना, मुँह बिगड़ना, मुँह में पानी आना, मुँह में पानी भर आना।

४९९. कै—ओकलाई, उकाई उद्गार, उबकाई, उलटी, उबाल, ओकाई, छर्दि, छाँट, प्रच्छर्दिका, मचली, मतली, वमन, वमथु, वमन, वमि, हुलुक।

५००. कै करना—उकलाना, उबकना, उलटी करना, ओकना, ओकाना, ओकलाना, कै करना, छाँट करना, छाड़ना, डाकना, डारना, डालना, वमन करना, बाहर करना, मुँह चलाना, वमन करना।

५०१. अर्बुद—(बड़ा) बतौरी, मांसकील, मांसपुरुष।

५०२. अर्बुद (छोटा)—अर्बुद, इल्ला, गोलक, माँसा।

५०३. आँत वृद्धि—अंत्रवृद्धि, अंत्राड वृद्धि, आँत उतरना, आँत वृद्धि, पानी उतरना, हार्निया।

५०४. विसर्प—विसरप, विसर्पि, सर्विवामय।

५०५. आक्षेपक—आक्षेपक, शून्यवायु।

५०६. आमवात—आँवबात, आमवात।

५०७. महामारी—उड़नबीमारी, मरी, बबा।

५०८. हैजा—कालरा, कालेरा, महाजीर्ण, विशूचिका, विसूचिका, विसूची।

५०९. ताऊन—ताउन, प्लेग, महामारी।

५१०. चेचक—देवी, पापरोग, मसूरिका, मसूरा, महरानी, माता, रक्तवटी, वसंतरोग, विस्फोट, विस्फोटक, शीतला।

५११. अतिसार—अतीसार, अपकर्षण, उदरामय, रक्तातिसार।

५१२. हिचकी—हिक्का, हिचका।

५१३. कमलरोग—अस्कर, कँवल, कमलरोग, काँवल, कामल, कामला, पांडु, पाडुरोग, पीलिया, बरकान।

५१४. संग्रहणी—गुल्मादि, ग्रहिणी, ग्रहणिका, संग्रहनी, संग्रहिणी।

५१५. आमाजीर्ण—आमाजीर्ण, विदग्धाजीर्ण, पृषष्टाजीर्ण।

५१६. गँठिया—आमवात, गठिया, गाँठ-रोग, बतास, बाई, बात, बातरक्त ।

५१७. फीलपाँव—पादवल्मीक, श्लीपद, हाथीपाँव ।

५१८. लकवा—अर्दित, फालिज, बतास ।

५१९. मिरगी—अंगविकृति, अपस्मार, भूतविक्रिया, मिर्गी, मृगी, लालाघ, सरआ ।

५२०. क्षयरोग—अतिरोग, असाध्यरोग, उष्मा, क्षय, क्षयी. गदाग्रणी, छई, तपेदिक, दिक, नृपानय, यक्ष्मा, यद्मा, राज्ययक्ष्मा, राज्यरोग, रोगराज, शोष ।

५२१. फफोला—छाला, झलका, पछाला, पफोला, फोका ।

५२२. फोड़ा—ईर्म, पकला, पिटक, पीटक, फुड़िया, फोंका, फोट, फोड़िया, विटक, विटका, विस्फोट, व्रण, स्फाट, स्फोटक ।

५२३. पक्षाघात—अर्द्धांग, अर्दाग, हस्तिरखा, पक्षवध, फालिज, लकवा, शून्यपात, सुन्नबाई ।

५२४ सूजन—फुलाव, वरम, शोथ, शोफ, श्वयथु, सूज, सोज, सोजिश ।

५२५. कंठमाला—गडमाला, गलगंड ।

५२६. घाव—अरुस, ईर्म, क्षत, घाय, चीरा, चोट, रुक, व्रण ।

५२७. पीब—क्षतज. पस, पीप, पीव, पूय, पूयन, प्रमिन, मवाद, मलज ।

विशेष—खून के लिए दे० 'खून' ।

५२८. खुरंड (फोड़े की पपड़ी)—अगूर, खुट्टी, खुट्ठी, खुरंड ।

५२९. मूर्च्छा—अचेतना, बेहोशी ।

५३०. कँपकँपी—कँपकपी, जड़ैया, राअशा, वेपुथु ।

५३१. योनिकंद—योनिकंद, योनिभ्रंश, योनिव्रण, योनिस्राव ।

५३२. थनैली—स्तनकील, स्तनपाक, स्तन विद्रधी ।

५३३. प्रदर—क्षीणता, धातुक्षय, लिकोरिया, विदार, स्त्रीरोग ।

५३४. २ तरह का प्रदर रोग—रक्तप्रदर, श्वेतप्रदर ।

५३५. हिस्टीरिया—अपतन्त्रक, बेहोशी, मूर्च्छा, हिस्टीरिया ।

५३६. पूतना—दुर्गन्धा, दुर्दर्शना, बाल मातृका, मेघकालिमा ।

५३७. सुखंडी—कृशता, क्षीणता, दुर्बलता, सूखारोग ।

५३८. डाक्टर—अगदकार, आयुर्वेदी, कविराज, गदहा, चिकित्स, चिकित्सक, डकडर, डाक्टर, दिरमानी, प्राणाचार्य, भिशक, भिषक, भोषज, रोगहारी, वैद्य, हकीम ।

५३९. जर्राह—जराह, सर्जन ।

५४०. आपरेशन—अस्त्रचिकित्सा, आपरेसन, चीर, चीरफाड़, चीरा, जर्राही, शल्यक्रिया, शस्त्रक्रिया ।

५४१. मलहम—लवलेप, मरहम, लेपन, लेप ।

५४२. विष-वैद्य—गारुडिक, जांगुलिक, विसवैद, विषघ्न. विषमारक ।

५४३. अस्पताल—औषधालय, चिकित्सा-भवन, चिकित्सालय, डिस्पेंसरी, दवाखाना, भैषज्यागार, शफाखाना, हासपिटल ।

५४४. चिकित्सा—उपचार, इलाज, दवा, दिरमान, मया, रुकप्रतिक्रिया, रोगप्रतिकार ।

५४५. स्वास्थ्य—तन्दुरुस्ती, दशा, देह-दशा, हालत ।

५४६. बीमार—अनमन, अनमना, अनारोग्य, अपाटव, अभ्यमित, अभ्यात, अलील, अस्वस्थ, आर्त, आतुर, क्षीण, ग्लान, चिकित्सित, पीड़ित, बिमरिहा, बेरमिहाँ, बेराम, मरीज़, रुजी, रुग्ण, रुग्न, रोगग्रस्त, रोगातुर, रोगार्त, रोगित, रोगिया, रोगी, विकृत, व्याधिग्रस्त, सरुज, सगद, सामय।

५४७. स्वस्थ—अगद, अच्छा, अरुज, अरोग, आराम, आरोग्य, कल, चंगा, ठीक, तन्दुरुस्त, दृढ़, निरोग, निरोगी, नीरोग, पाटव, पुष्ट, भला, रोगहीन, रोगरहित।

५४८. स्वस्थता—अगदता, आरोग्यता, तन्दुरुस्ती, निरोगता, पाटवता।

विलोम—दे० 'रोग'।

५४६. दवा—अगद, ओखद, ओषद, ओषधि, औखद, औषध, औषधि, तकिला, तकिला, दरमान, दवाई, दारू, बारो, हिकमत।

५५०. काढ़ा—आँवट, क्वाथ।

५५१. चूर्ण—चूरन, पाउडर, बुकनी, सफ़ूफ़।

५५२. चूर्ण करना—कूटना, चूर करना, चूरन करना, चूर्ण करना, नन्हियाना, पाउडर करना, पीसना, बाँटना, बुकनी करना, महीन करना, सफ़ूफ़ करना।

विशेष—अन्य दवाओं के लिए वनस्पति, धातु, रत्न, आदि वर्ग तथा उसके आसपास की सामग्री देखिए।

५५३. गणित शास्त्र—अंकगणित, अंकविद्या, अरिथमेटिक, गणना, गणित, मेनसुरेशन, मैथमेटिक्स, संख्या शास्त्र, हिसाब।

५५४. बीजगणित—अलजब्रा।

५५५. ज्यामिति—क्षेत्रगणित, जमेट्री, ज्योमेट्री, रेखागणित।

५५६. संख्या—अंक, अदद, गणना, गिनती, तादाद, नंबर, हिंदसा।

५५७. संख्यावाला—सख्यक।

५५८. जोड़—टोटल मिजान, मीज़ान, कुल, योग, सकलन।

५५६. जोड़ना—एकत्र करना, एक में करना, मीज़ान करना, योग निकालना।

५६०. घटाना—अलग करना, ऋण करना, निकालना।

५६१. शेष—अवशेष, बचा, बाकी।

५६२. गुणा—ज़रब।

५६३. गुणा करना—गुणाना, गुणे करना, ज़रब करना, ज़रब देना।

५६४. भाग - तकसीम, बँटाई।

५६५. भाग देना—तकसीम देना, तकसीम करना।

५६६. भाजक—अंशक, विभाजक।

५६७. भजनफल—बार, भजनफल, भागफल, लब्धि।

५६८. गिनना—गणन, गणना, नंबर, रेखा, शुमार।

५६६. गिनना—गणना करना, गनना, शुमार करना।

५७०. गिनाना—गणना करवाना, गनवाना, गिनवाना।

५७१. जिसकी गिनती न हो सके—अगणनीय, अगणित, अगणनीय, अगण्य, अगानत, अगमय, अगिन, अगिनत, अगिनित, अतुलित, अनंत, अनगिनत,

अनगिनित, अपरिमित, अपरिमेय, अपार, असंख्य, बेशुमार, बेहद ।

५७२. गिनने के योग्य—गणनीय, गण्य, परिगण्य, परिमित ।

५७३. शून्य ख, ज़ीरो, बिन्दी, बिन्दु, सिफ़र, सुन्ना, सोना ।

५७४. पाव—पाद, पौवा ।

५७५. आधा—अद्धा, अर्द्ध, अर्ध, अर्धांश, आध, निस्फ़, हाफ़ ।

५७६ पौन—पौने ।

५७७. एक—आत्मा, इक, ईश्वर, चंद्र, पृथ्वी ।

५७८. पहला—एकला, अव्वल, प्रथम, पहिल, पहिला ।

५७९. एक का भाव—एकता, एकत्व ।

५८०. सवा—सपाद, सवाई ।

५८१. त्रयोढ़ा—डेढ़, डेढ़गुना, डेढ़ा, डेवढ़, डेवढ़ा ।

५८२. दो—आँख, कर, कर्ण, दुइ, दुई, दू, दोइ, द्रुव, द्वय, द्वि, द्वौ, पक्ष, फ्द, पाणि, भुज ।

५८३. दोनों—दूनो, दोऊ ।

५८४, दूसरा (१)—अन्न, अन्य, अउर, अपर, अवर, और ।

दूसरा (२)

दूसर, द्वितीय ।

५८५. दुगुना—दुगुण, दुगुन, दुचन्द, दूना, द्विगुण, द्विगुणित ।

५८६. ढाई—अढाई ।

५८७. तीन—अग्नि, काल, गुण, ताप, तीनि, त्रय, त्रि, त्रीणि, दहन ।

५८८. तिगुना—तिगुन, तीनगुना, तीना, तेहरा, त्रिगुण ।

५८९. तीसरा—तीसर, तृतीय, सोम, सोयम ।

५९०. तिहाई—तिहाइ, तृतीयांश ।

५९१. चार—आश्रम, चतुर, चहार, चहु, पदार्थ, फल, युग, वर्ण, वेद ।

५९२. चौथा—चतुर्थ, चहारुम, तुरिया, तुरीय ।

५९३ चौगुना—चतुर्गण, चारगुना, चगुन ।

५९४. चारों—चहूँ ।

५९५. चौथाई—चतुर्थांश, चहारम, चहारुम, चौथ, चौथाई, पाद, पाव ।

५९६. पाँच—इंद्रिय, पंच, पांडव, पाँच, प्राण, महाभूत, वाण ।

५९७. पाँचवाँ—पंचम, पंजुम ।

५९८. पाँच का भाव—पंचता, पञ्चत्व ।

५९९. पाँच का समूह—पचक ।

६००. छः—ईति, ऋतु, छह, रस, राग, वेदांग, षट, षटक ।

६०१. छठा—छठवाँ, षष्ठ ।

६०२. छै का समूह—छक्का, छःकड़ी, षट्क ।

६०३. सात—पुरी, लोक, वार, सप्त, स्वर ।

६०४. सातवाँ—सप्तम ।

६०५. सात का समूह—सप्तक ।

६०६ आठ—अठ, अष्ट, आठक, दिग्गज, पहर, वसु, सिद्धि ।

६०७. आठ वस्तुओं का संग्रह—अष्टक ।

६०८. आठवाँ—अष्टम् ।

६०९. नौ—अंक, ग्रह, नव, निधि, नौ, भक्ति ।

६१०. नवाँ – नवम् , नौवाँ ।

६११. नव प्रकार का—नवधा।

६१२. दस—अवतार, इंद्रिय, दश, दिशा, दोष।

६१३. दसवाँ—दशम्, दसाँ।

६१४. दस का समूह—दशक, दसक।

६१५. ग्यारह—एकादश, रुद्र, शिव।

६१६. बारह—आदित्य, द्वादश, मास, राशि, सविता, सूर्य।

६१७. बारह के समूह—दरजन, दर्जन।

६१८. तेरह—किरख, त्रयोदश, त्र्योदश, नदी।

६१९. चौदह—चतुर्दश, भुवन, रत्न, विद्या।

६२०. पन्द्रह—तिथि, पञ्चदश।

६२१. सोलह—कला, खोडस, शृङ्गार, षोडश, संस्कार।

६२२ सत्रह—सतरह, सप्तदश।

विशेष--एक और सात के संकेतों को मिलाकर सत्रह के और संकेत बनाए जा सकते हैं।

६२३ अठारह—अट्ठारह, अष्टदश, अष्टादश, पुराण।

विशेष--एक और आठ के संकेतों को मिलाकर और संकेत बनाए जा सकते हैं।

६२४. उन्नीस—उन्निस, एकोनविंशत।

विशेष—एक और नव के संकेतों को मिला कर उन्नीस के संकेत बनाये जा सकते हैं।

६२५. बीस—नख, बिश, विंशति।

६२६. बीस का समूह—कोड़ी, बीसी।

६२७ अट्ठाइस—अट्ठाइस, अष्टविंशति, नक्षत्र।

६२८. सौ—शत, सै, सैकड़ा, सौक।

६२९. सौ का समूह—शत, समष्टि, सैकड़ा।

६३०. प्रतिशत—प्रतिसत, प्रतिसौ, फ़ीसदी, सैकड़े।

६३१. हज़ार—सहस, सहस्र, हजार।

६३२. लाख—दशायुत, लक्ष।

६३३ दसलाख—दशलक्ष, नियुत प्रयुत।

६३४. करोड़—कोटि, कोटिक, क्रोड़।

६३५. अरब—अर्ब, वृंद, शतकोटि, शतार्बुद।

६३६ खरब—खर्व, दस अरब।

६३७. नील—शतार्बुद।

६३८. पद्म—पदुम, पद्म, यम, दश नील।

६३९. शंख—दशपद्म, संख।

६४०. महाशंख—दसशंख।

६४१. एकाउंटेंट—आंकिक, लेखापाल।

६४२. गणितज्ञ—मैथमेटिशियन।

६४३. भाग—अंश, खड, बखरा, बाँट, बाँटा, भाग, विभाग, हिस्सा।

६४४. बटा हुआ—तक्सीमशुदा, विभक्त, विभाजित।

६४५. माप—तोल, तौल, पैमाना, वजन,

६४६. दर—भाव, हिसाब।

६४७. ज्योतिष—आकाशविद्या, खगोल, खगोलविद्या, ग्रहविद्या, ज्योतिष शास्त्र, नक्षत्रविद्या, नजूम, नुजूम।

६४८ ज्योतिष के दो भाग—गणित ज्योतिष, फलित ज्योतिष।

६४९ मुहूर्त—शुभघड़ी, शुभ मुहूर्त, साइत, साअत।

६५०. ज्योतिषी—कार्त्तांतिक, गणक, जोइसी, जोतिसी, ज्योतिक, ज्योतिर्विद, ज्योतिसी, दैवज्ञ, नजूमी, पंडित, मौहूर्त, मौहूर्त्तिक, विज्ञ, शास्त्री, सावत्सर।

६५१. पंचांग—कलडर, कलैंडर, जंतरी, जंत्री, तिथिपत्र, पत्रा।

विशेष—इस सम्बन्ध में और सामग्री के लिए समय वर्ग देखिए।

६५२ कामशास्त्र—कामविद्या, कोकशास्त्र, रतिशास्त्र, मैथुनशास्त्र, सम्भोगशास्त्र।

ग

१ प्राणी—जीव, जीवधारी. प्राणधारी।

२. मनुष्य—अदमी, आदमज़ाद, आदमी, इंसान, द्विपद, मनई, मनुज, मानव, मानुख, मानुष।

३. पुरुष—अदमी, आदमी, जन, धव, नर, ना, पुंस, पुमान, पुरुख, पुरुष, मनई, मरद, मर्द, मर्दुम, मानव, मानस, मानुख, मानुष, मानुस, विश। दे० 'पति'।

४. स्त्री—अबला, औरत, कबीला, कलत्र, कांता, कामिनी, क्षेत्र, गृहिणी, घरनी, चरणदासी, जनियाँ, जनी, जानि, जानी, जोय, जोरू, जोष, जोषिता, तन, तिय, तिरिया, तीदार, तीय. त्रिया, दारा, नारी, बनिता, बनी, बामा, बाला, बैयर, भाम, भामा, भामिनी, महिला, मानवी, योषा, योषिता, ललना, लुगाई, वासिता, श्यामा, सामंतिनी, सारंग,। दे० 'पत्नी'।

५. आत्मा—अंतर, अतरपुरुष, अंतरशायी, अंतस्थ, अतरात्मा, अंतर्पुरुष, अतर्भूत, अक्षर, अमूर्त, क, चेतन, जन्मभृत, जीव, जीवात्मा, दिव्यस्वरूप, पुद्गल, पुरुष, ब्रह्म, ब्रह्मरूप, ब्रह्मांश, मुकुल, रूह, विभु, शरीरी. सर्वग, सूक्ष्मदेह, सूक्ष्मशरीर, स्वबीज, स्वरूप, हस।

दे० 'जीव' तथा 'जीवात्मा'।

६. जीव—अंतरात्मा, अतर्भूत, अमूर्त, आत्माराम, ब्रह्म, आसन, आत्मना उद्, क, कूटस्थ, क्रतु, ख, गुरु, चर्षणि, चेतन, जिगर. जीअ, जीउ, निराकार, निरुपाख्य, पुरपाल, पुरुष. पौन, प्राण, प्राणधारी, मदुसानु, रूह, शरीरी, सर्ग, सर्वग, हस।

७. जीवात्मा—अनुमान, क्षर, क्षेत्रज्ञ, क्षेत्रविद्, चेतन, जीव, जीवात्मा, देहभृत, पुनर्भवी, पुरंजन, पौन, विभु, विश्व, सत्य, हस।

दे० 'आत्मा' तथा 'जीव'।

८ माया—अजन, अजनी, अज. अविद्या, गुह, जगन्मोहिनी, रमैया की दुलहिन।

९. मोक्ष—अक्षर, अतिगति, अतिमृत्यु, अनपायिपद, अपवर्ग, अपुनरावर्तन, अपुनरावृत्ति, अमरपद, अमृत, अमृतत्व, आत्मसिद्धि, आत्मोद्धार, उद्, ऊर्द्धगति, ऋन, काम्यभरण, ख, गोविन्दपद, तरनतार, तरनतारन, नजात, निःश्रेयस नि, निर्मुक्ति, निर्वाण, निवृत्ति, निश्रेयस, निस्तार, पद, पर, परम फल, परिनिर्वाति, परिनिर्वृति, परिमोक्ष. प्रयाय, ब्रह्मपद, ब्रह्मभूय, ब्रह्मगति, मग, मुक्ति, मोक्ष, मोष, शिवता, शिवा, ष, सिद्धि।

दे० 'स्वर्ग'।

१०. नरक—दे० 'नरक'।

११. **अंग**—अग, अङ्गो, अपघन, अवयव, गात, गात्र, प्रतीक।

१२. **शरीर**—अंक, अग, अड, अडा, अजिर, अवयवी, आत्मा, आत्माक, कलेवर, काय, काया, कालिब, कुल, क्षर, क्षेत्र, गात, गात्र, घट, घन, चोला, जिस्मि, जिस्म, डील, तन, देह, देहरा, पडल, पजर, पिंड, पिंडा पिंजर, बध, बदन, बपु, बपुख, भूतात्मा, मर्त्य, मांजर, माटी, मिट्टी, मुकुल, मूर्त्ति, वपु, वर्ष्म, विग्रह, विश्व, व्यूह, शकट, संहनन, सरीर, स्कध, स्वर्गलोकेश।

१२ अ. **शारीरिक**—आंगिक, कायिक, जिस्मानी, सरीरी।

१३. **सिर**—उत्तमाग, कपाल, खोपड़ी, मस्तक, माथ, मुड, मुंडिका, मुडो, मूर्द्धा, मूँड़, मूँड़ो, मौलि, शिर, शोश, शार्ष, सर।

दे० 'खोपड़ी'।

१४ **चाँद**—चंदिया-चाँदी, चाँनि, शोर्ष, विंदु।

१५. **चेहरा**—आकृति, आनन, आस्य, मुख, मुखड़ा, रू, रूप।

१६. **माथा**—अलिक, कपाल गोधि, पेशानी, बेंदी, भाग्यमणि, भाल, मत्था, मत्थ, मस्तक, माथा, ललाट, लिलाट, लिलार।

१७ **नाक**—गधवहा, घ्राण, नस, नाक, नासा, नासिका, फेन, रेट।

१८. **नथुना**—नथना, नासा, नासापुट, नासारध्र, पुरवा।

१९. **आँख**—अँखड़ी, अँखिया, अंबक, अक्ष, अक्षि, आँखड़ी, आँखी, ईक्षण, ईक्षन, गो, चक्षु, चख, चखु, चश्म, चष, हक, हग, दृष्टि, दृश, दीदा, नयन, नयना, नेत्र, नैन, रच्छिणी, रोहन, लोचन, लोयन, विलोचन, विचक्षा।

२०. **आँख का कोना**—अक्षप्रकोष्ठ, अपाग, कटाक्ष, कनखी, कोण, कोया, दिगंत, दृष्टिकोण, नेत्रांत।

२१ **पुतली**—अक्षकूट, अक्षितारा, कनीनिका, कालक, कालिका, गोलक, तारका, तारकाक्षण, तारा, तारिका, दीदा, धौरी, नयन, पुतरी, पुत्तलिका, पुरली, सितारा।

२२ **पलक**—अक्षपटल, चक्षुपट, चषचोल, हगचल, नयनपट, निमीलन, निमेष, नेत्रच्छद, पपनी, पल, पलक, निजगाँ।

२३. **मुँह**—अँवार, आकृति. आगा, आनन, आस्य, ख. गिरा. जीभ, तुंड, तुडि, तुंडी, दहन, बदन, मुँह, मुख, रसज्ञा, रसना, रूख, रू, वदन, बाचा, वाणी, शकल, सूरत।

२४. **होठ**—अधर, ओंठ, ओठ, ओष्ट, दनच्छद, रदच्छद, रदछद, रदनच्छद, बिंबोष्ठ. लब, सृक्किणी. होठ।

२५ **दाँत**—खद, चौका, दंत, दँतुली, दंष्ट्र दशन, द्विज, रद. रदन।

२६ **दाढ़**—कयोयी, कल्चा, कल्ला, चहुआ, चौभर।

२७. **जीभ**—गिरा, गो. ज़बान, जिह्व, जिह्वा, जीभि, जीभी, जीह, रसज्ञा, रसना, रसमाता, रसमातृका, रसला, रसांका, रसाल, ललना, लल्लो, लोह, बाचा, वाणी, साधुस्तवा।

२८. गाल—कपोल, गठ, गलुई, रुख़सार ।
२६. कान—करन, कर्ण, शब्दग्रह, श्रवण, श्रवणेन्द्रिय, श्रुति, श्रोत, श्रोत्र ।
३०. कान का छेद—कर्णकुहर, कर्णछिद्र, कर्णरंध्र ।
३१. कनपटी—अविमुक्त, कच्चा, कट, कनपट, कनपटी, गंड, गडस्थल ।
३२. ठुड्डी—चिबि, चिबुक, ठोड़ी, ठुड्ढी, ठोढ़ी, डाढ़ी, दाढ़ी, हनु ।
३३. गरदन—कण्ठ, कंध, कंधर, गर्दन, गला, गिय, ग्रीव, ग्रीवा, घींच, नटई, नाड़, नार, मौर, शिरोधि ।
३४. कंठ—कण्ठ, गल, गला ।
३५. घाँटी—कृकाटिका, गटई, गरदन, गरदना, गिउ, गिरवान, गीव, ग्रीव, ग्रीवाँ, घाटा, घाड़, घेघा, टेंटुआ ।
३६. कंधा—अंश, अंस, कंध, कन्हा, काँधा, काधी, कान्ह, खया, खवा, नितंब, भुजमूल, भुजसन्धि, स्कंध ।
३७. बाल—अलक, अस्र, कच, काकपक्ष, काकुल, कुन्तल, केश, चिकुर, जटा, झंड, झाँट, पश्म, पसम, बार, बाल, मूर्द्धज, रोम, रोवाँ, लोम, वृजिन, शिरसिज, शिरोरुह, श्याम ।
३८. बाल (औरतों के सिर के)—अलक, केशपाश, केशसमूह, जूड़ा, जूरा, झोंटा ।
३६. बाल (घुंघराले)—कुंचित केश, कुंतल, कैश्यमलक ।
४०. रोवाँ—तनूरुह, रोआँ, रोम, लोम ।
४१ रोमांच—त्वकपुष्प, त्वगंकुर, पुलक, रोमांच, रोमोद्भेद ।
४२. चोटी—कंगूरा, कलश, कवरी, चुटिया, चोटी, धम्मिल, प्रवेणी, मौलिशिखा, वेणी, शिखर, शिखा, शिषा, शिष, शीष, शृंग, शेखर, शेषर, सर, सिख, सिखा, शिर, सीरख, सीरष, शीर्ष ।
४३. जटा—कपर्दक, कोटीर, जटा, जटाजूट, जटी, जुटक, जूट, जूटक, जूड़ा, बद्धकच, शट, हस्त ।
४४ भौं—अबरू, अभ्रू, तंद्री, तेवर, भँव, भुव, भ्रू, भृकुटी, भौंह, भौंहाँ ।
४५. बरौनी—अक्षिलोम, गरुत, नेत्रांकजल्क, नेत्रच्छदरोम, पक्ष्म, पक्ष्म, पपनी, बरुनी, बरौनी, रश्मि, विन्ने ।
४६. दाढ़ी—चिबुक, ठोढ़ी, डाढ़ी, श्मश्रु ।
४७ मूँछ—गलमोछु, माछ, मुच्छ, मोछा, श्मश्रु ।
४८. धड़—अमुंड, अशिर, कबंध, धर, रुंड, लुंड ।
४६. सीना—आगा, उछंग, उत्संग, उर, उरस, उरस्थल, क्रोड़, छतिया, छाती, वक्ष, वक्षःस्थल, वत्स, हिय, हियरा, हिया, हिरदय, हीय, हृदय ।
५०. स्तन—उरज, उरजात, उरोज, उरसिज, कुच, छतिया, छाती, दूध, थन, पयोधर, पिस्ता, वक्षोज, वक्षोभ ।
दे० 'सीना' ।
५१. चूँची (स्तनाग्र)—अँठुली, चुचुक, चूँची, चूचुक, स्तनचूचुक, स्तनमुख, स्तनवृंत, स्तनशिखा ।
५२. पेट—अवधान, उदर, ओझ, ओझर, ओझरी कबंध, कमद, कुक्ष, कुक्षि, कोख, कोथला, गर्भ, जठर, झोल, झौंड, तुन्द, दोहर, पिचंड, मझारा, शिकम ।
५३. त्रिवली (पेट के ३ बल)—त्रिवली, पेटी, रोमराजी ।

५४. नाभि—उदरावर्त, ढूंढी, ढोंढ़ी, तुंडि, तुंडी, तुन्नी, तुंदी, धुन्नी, नाभी, पेडू, पेडू, बोकरी, बोढ़ी।

५५. पीठ—पाछु, पाछा, पीछा, पोठ, पीठि, पुश्त, पूठि, पृष्ठ, पृष्ठभाग।

५६. बाहु—दो, दोष, प्रगंड, प्रवेष्ट, बाँह, बाह, बाहा, बाहु, बाहुदंड, बाजू, भुज, भुजदड, भुजा, मंज, वाहु।

५७. बग़ल—कँखौरी, कक्ष, काँख, बाहुमूल, भुजकोटर, भुजमूल।

५८. केहुनी—कफोणि, कूर्पर, केहुनी, कोहनी, टिहुनी, ठिहुनी।

५९. हाथ—कर, पंचशाख, पाण, पाणि, पाणिक, पाणी, भुजाग्र, शय, हथ, हस्त, हस्थ। दे० 'बाहु'।

६०. कलाई—कलाई, गट्टा, पहुँचा, पाणि-मूल, प्रकोष्ट, मणिबंध।

६१. हथेली—करतल, करतली, करपुष्ट, करपृष्ट, करभ, गदोरी, गद्दा, प्रतल, पाणितल, फलक, हतेरी, हथेरी, हथोरी, हस्ततल।

६२. करपृष्ठ—करपृष्ट, करप्रष्टि, हस्त-पृष्ठ।

६३. थप्पड़—चपत, चपेट, चाँटा, झापड़, तमाचा, थपेड़ा, दोहथा, प्रतल, प्रहस्त।

६४ घूसा—घूँसा, मुष्टिक, मुष्टिका, मुक्का, मूका।

६५. मुट्ठी—मुठिका, मुठी, मुश्त, मुष्टि, मुष्टिक, मुष्टिका, मूठ, मूठी।

६६. गडुआ—अँगुलिसंधि, गडुवा, माई, ममा।

६७. उँगली—अंगुरी, अँगुली, अँगुलीय, अंगुश्त, आँगुरी, उगुली, करज, कर-पल्लव, कररुह, करशाखा।

६८. पोर (उँगली)—पर्व, पोर।

६९. हाथ की ५ अँगुलियाँ—अँगूठा, अनामिका, कनिष्ठा, तर्जनी, मध्यमा।

७०. अँगूठा—अंगुष्ठ, अगूठा, अँगुठा।

७१. तर्जनी—तर्जनी, प्रदर्शिनी।

७२. मध्यमा—कर्णिका, ज्येष्ठा, बिचली, माध्यमिका।

७३. अनामिका—अनम्मा, अनमिका, कनगुनिया।

७४. कनिष्टिका—कनिश्टिका, कनिष्ठा, कॉनी, कानी, छगुनी, छिगुनियाँ, छिगुनी, छिगुली।

७५. नाख़ून—करकटक, करचंद्र, करज, कररुह, कराकुश, कराग्रज, करोरुह, कामाकुश, किरवार, नहँ, नख, नखर, नष, पाणिज, पुनर्भव।

७६. गोद—उछंग, उत्संग, अंक, अंकम, अँकवार, क्रोड़, गोदी।

७७. उदर—ओदर, पेडू।

७८. कमर—ककुद्मती, कटि, कटिपार्श्व, कटी, कटोर, कमर, करम, करिहाँव, कलत्र, काचीपद, मध्यभाग, लंक, श्रोणि, श्रोणिफलक।

७९. लिंग—आगा, इंद्रिय, उपस्थ, कंदर्प-मुषल, कामाकुश, ध्वज, पुलिंग, मदना-कुश, मूत्रेंद्रिय, मेढ़, मेहन, मोंगड़ी, रति-साधन, रागलता, लंड, ललाक, लागु, लाँड़, लिंग, लौड़ा, वेतस, व्यंग, शिश्न, शेफ, सतर, साधन, स्वरस्तंभ।

८०. योनि—अधम, अधर, अपथ, अवाच्य-देश, उपस्थ, कंदर्पकान्ति, कंदर्पसम्बाध,

कलत्र, काममंदिर, गर्भद्वार, गर्भमुख, गर्भस्थाया, गाँड़, जन्मवर्त्म, धारका, पुष्पी, प्रकृति, प्रकृति, प्राकचया, बरांग, बुर, बुलि, भग, भथियान, भोसड़ा, योनि, रतिकुहर, रतिगृह, रति, रतिग्रह, रति-भवन, रतिमन्दिर, वराग, ससारमार्गक, स्त्रीलिंग, स्मरकूप ।

८१. पोता—अड, अडकोश, अडकोष, अँडुवा, आँड़, आँड़ू, खुसिया, फोता, बैजा, मुष्क, रत, वृषण, वृष्ण ।

८२. चूतड़—कटक, गुदा, गूदा, चुत्तर, चूत, चूतर, जघन, नितंब, पायू, मलद्वार, श्रोणि ।

८३. गुदा—अपान, गंड, गाँड़, गुद, गुदवर्त्म, गुह्य, पायु, भग, मलद्वार, विष्ठानिर्गमद्वार, हगनहटी ।

८४. जाँघ—उरु, उरू, जंघा, जघन, जाँघ, जान, जानु, रान, शरीरस्तंभ, सक्थि, स्तम्भ ।

८५. घुटना—गुल्फ, घुट, घुंटक, घुटना, घुटरू, घुटिक, घुटिका, जानु, टिहुनी, ठेहुना, पादग्रंथि, पादपृष्ट ।

८६ पाँव—अंघ्रि, अघभाग, कदम, गोड़, चरण, टॅगरी, टाँग, पग, पद, पाँ, पाँइ, पाँउ, पाँव, पाओ, पाद, पाय, पैर ।

८७. एड़ी—अंघ्रि, एड़, एड़ो, ऐड़ी, छवा, पार्ष्णि ।

८८. तलवा (पैर का)—तरवा, तरुवा, तलवा, पदतल, पादतल ।

८९ उँगली (पैर की)—उँगुली, पद-पल्लव, पदाग्र, पादांगुली, प्रपद ।

९०. चमड़ा—खलड़ी, खलरी, खाल, खोलड़ी, चमड़ी, चर्म, चाम, जिल्द, त्वक, त्वचा, निर्मोक, सुन्धरा ।

९१ मांस—असृज, आम्रक, आमिष, कव्य, कव्य, गोश्त, गोस्त, जागल, तरस, पल, पलल, पालल, पिशित, माश, मास ।

९२. मज्जा—अस्थिज, अस्थिसंभव, अस्थि-सार, अस्थिस्नेह, जीवन, तेज, देहसार, वीज, शुक्रकर ।

९३. चरबी—चर्बी, मेद, मेदा, वपा, वसा ।

९४. खून—अस्र, असृक, कोणप, क्षतज, खून, पलक्षार, रक्कत, रक्त, रगत, रकत, रसभव, रससंभव, रुधिर, रुहिर, रोहित, लहू, लोहू, शोण, शोणित, सोनित ।

९५. ७ धातु—अस्थि, मज्जा, माँस, मेद, रक्त, रस, शुक्र ।

९६. नस—नस, वस्नसा, स्नायु, स्नासा ।

९७ नाड़ी—धमनी, नड़ी, नब्ज, नरी, नस, नाड़ी, नारी, रग, शिरा, सार ।

९८. अँतड़ी—अतड़ी, अंतावरी, अत्र, अत्री, आँत, आती, पुरीत, लाद, लेदड़ा ।

९९. हड्डी—अस्थि, कीकस, कुल्य, मेदज, मेदोज, हड्डी, हड्डी, हाड़, हाड़ ।

१००. ठठरी—अजर-पंजर, अस्थि-पंजर, कंकाल, ठटरी, ठट्टी, ठठरी, पंजर, माजर, हड़ावरि, हड़ावल ।

१०१. खोपड़ी—क, कपार, कपाल, कपा-लिका, करपर, कर्पर, खर्पर, खोपड़ा, खोपड़ी, चँदिया, टाँट, टाटर, भगाल, भाल, मस्था, मौलि, शिर, शीर्ष, सर, सीस ।

१०२. आँख का गोला—कोया, गोलक, नेत्रपिंड, बिडाल ।

१०३. जबड़ा—चौभड़, चौहड़, जबड़ा, जभा, डाढ़, दंष्ट्रा ।

१०४. पँसली—पंजर, पँजरी, पँसुली, पजरी, पार्श्व ।

१०५. रीढ़—पृष्ठवंश, मेरुदंड, रीढ़ ।

१०६. कूल्हा— कटिप्रोथ, कँडिसर, कुल्हा, कुल्हड़ ।

१०७. गाँठ—अस्थिसंघात, ग्रंथि, गाँठि, जोड़, बंद, सीमत ।

१०८. दिमाग—अक्ल, गोद, गोदं, तालु, तालू, दिमाक, दिमाग, बुद्धि, मगज, मग्ज, मस्तिक, मस्तिष्क, मस्तुलुगक, मेजा, समझ ।

१०९. फेफड़ा—क्लोम, तिलक, धुकधुकी, फुफ्फुस, फेफड़ा, हृदय ।

११०. कलेजा—अग्रमास, करेजा, कलेजा, कालखड, जिगर, बुक्का, यकृत ।

१११. यकृत—करडा, कालक, कालखंज, कालखड, कालेय, जिगर, महास्नायु, यकृत ।

११२. तिल्ली—गुल्म, तापतिल्ली, तिल्ली, पलई, पलही, पिलही, पोला, प्लहा, प्लीहा, बरबट ।

११३. गर्भाशय—उदर, कुक्षि, कोख, गर्भ, गर्भकोश, गर्भाशय, जठर, दौहद, घर, पेट, पेड़, बच्चादान, बच्चादानी ।

११४. मलाशय—कोठा, कोष्ठ, मलकोष्ठ, मलासय ।

११५. पाखाना—गलीज, गुह, गूँ, गूथ-वर्चस्क, गूह, झाड़ा, पाखाना, पुरीष, बीट, मल, मैल, मैला, विष्ट, विष्टा, विष्ठा, शमल ।

११६. पाखाना होना—कुल्ला करना, छेरना, झाड़ा फिरना, टट्टी होना, दिशा होना, डोलडाल होना, नदी जाना, निपटना, पेट चलना, पाखाना होना, फराकित होना, बहरे जाना, बड़ी बिलायत जाना, बिलायत जाना, मैदान होना, शौच होना, हगना, बढ़ाना, गोबर करना, दीर्घशंका करना ।

११७. पेशाब—उन्चार, कारुरा, पेशाब, प्रस्राव, मूत, मूत्र, लघुशंका ।

११८. पेशाब करना—छोटी बिलायत जाना, निशंक होना, पेशाब करना, मूतना, लघुशंका करना ।

११९. आँसू—अँसुवा, अश्क, अश्र, अश्रु, असुआ, अस्र, अस्रु, आल, चक्षुजल, टसुआ, टिसुआ, नेत्रहुल, नेत्राम्बु, बाष्प, रोदन, लोच, वाष्प ।

१२०. रोना—आठ आँसू रोना, आँसू गिराना, आँसू बहाना, कलपना, किकियाना, चिचियाना, दाढ़े मारना, प्रलाप करना, बिबिआना, राग काढ़ना, रुदन करना, रोना, विलपना, विलाप करना, सिसकना, सुसुकना । दे० 'चिल्लाना' ।

१२१. पसीना—अरक, उष्मा, ताप, पंसा, पसीना, प्रस्वेद, श्रमवारि, श्रमविंदु, श्रमसीकर, स्वेद, स्वेदन ।

१२२. थूक—कफ, खखार, थूक, पीक, लार, श्लेष्मा, लाला, सृक्किका, स्यन्दिनी ।

१२३ पोंटा—नकटी, नासामल, नेटा, सिंघाण ।

१२४ पित्त—अग्नि, अनल, उष्मा, तिक्त, तेजस्, धातु, पलज्वल, मायु, रजन ।

१२५. कफ—खँखार, बलगम, श्लेष्मा ।

१२६. कींचर (आँख का मैल)—कीचड़, कीचर, दूषिका, नेत्रमल ।

१२७. खोंट—कर्णमल, खूँट, खोंट, पिंजूषा।

१२८. रज—आर्त्तव, ऋतुस्राव, कुसुम, पुष्प, मासिकधर्म, स्त्रीधर्म।

१२९. वीर्य—अंड, इंद्रिय, जीवन, तेज, बीज, रेत, शुक्र, सार, हिरण्य, हीर।

१३०. मन—अंग, अंत, अंतःकरण, अंतस्, अनगंक, उर, चित्त, चेत, जिय, जी, तबियत, मन, मनुआँ, मानस, स्वांत, हृद, हृदय।

१३१. मस्तिष्क—ब्रेन, दिमाग़, मस्तिष्क। —दे० 'बुद्धि।'

१३२. बुद्धि—अकल, अक़्ल, चित, चेतना, ज्ञान, धारणा, धी, धीष्णा, प्रज्ञा, प्रतिपत्ति, प्रतिभा, प्रेक्षा, बोध, मति, मनस्, विज्ञान संख्या, समझ।—दे० 'मस्तिष्क।'

१३३. दिल—अभ्यंतर, उछंग, उर, उरस्, करेजा, कलेजा, घट, दिल, मन, हिअ, हिआ, हिय, हियरा, हिया, हिरदय, हीअ, हीआ, हीय, हीयरा, हाया, हृद, हृदय।

१३४. इंद्रिय—अक्ष, इंद्रिय, इंद्री, करण, कृषि, गुणकरन, गो, ग्रहण, विषयी, हृषीक।

१३५. २ इंद्रियाँ—कर्मेंद्रियाँ, ज्ञानेंद्रियाँ।

१३६. ११ इंद्रियाँ-५ कर्म इंद्रियाँ, ५ ज्ञान इंद्रियाँ, १ मन।

१३७. ४ अंतरेंद्रियाँ—अहंकार, चित्त, बुद्धि, मन।

१३८. ५ कर्मेंद्रियाँ—उपस्थ, गुदा, पैर, मुँह, हाथ।

१३९. ५ ज्ञानेन्द्रियाँ—आँख, जिह्वा, कान, त्वचा, नासिका।

१४०. गर्भ—अर्भ, अर्भक, गर्भपिंड, पातक, पेट, भ्रूण, हमल।

१४१. गर्भ रहना—आगा भारी होना, आशा होना, गर्भ रहना, पेट रहना, पेट से रहना, पैर भारी होना।

१४२. जीवन—अवस्था, आयु, जिंदगी, जीवनकाल, वयःक्रम।

१४३. गर्भाधान—गर्भधारण, गर्भस्थिति।

१४३. अ. गर्भपात—गर्भनाश, गर्भस्राव।

१४४. जन्म—उत्पत्ति, उद्गम, उद्भव, जनन, जनम, जात, पैदाइश, प्रजनन, प्रसव, प्रसूत।

१४५. जन्म लेना—उगना, उतरना, उत्पन्न होना, जीवन पाना, निकलना, पैदा होना, ससार में आना।
विलोम—दे० 'मरना'।

१४६. जनना—आविर्भूत करना, उत्पन्न करना, जनन करना, जनना, जननी होना, जन्म देना, निकालना, पैदा करना, प्रसव करना, बिआना, ब्याना।

१४७. नामकरण—नामकरन, नामकर्म।

१४८. अन्नप्राशन—अन्नप्रासन, चटावन, पसनी, पासनी।

१४९. मुंडन—केशकर्म, केशान्त, क्षौर, क्षौरकर्म, चूडाकर्म, भद्राकरण, वपन।

१५०. यज्ञोपवीत—उपनयन, उपवीत, जनेऊ, जनेव, ब्रह्मसूत्र, यज्ञोपवीत, व्रतबंध।

१५१. विवाह—उद्वाह, उपयम, उपयाम, करग्रह, करपीडन, कुड़माई, दारकर्म, दारपरिग्रह, निकाह, निवेश, परिणय, परिभवन, पाणिग्रहण, पाणिपीडन, विवाह,

विवाह, बिवाह, ब्याह, मँगनी, वरकाज, शादी, संबंध, सगाई, हथलेवा।

१५२. ८ विवाह—आर्ष, आसुर, गान्धर्व, दैव, पिशाच, प्राजापत्य, ब्राह्म, राक्षस।

१५३. गौना—गवन, गवना, द्विरागमन, दुरागमन, मुकलावा, बिदा।

१५४. मृत्यु—अंत, अंतक, अंतकर, अंतकर्ता, अंतकारक, अंतकारी, अंतकाल, अंतकृत, अंतगति, अंतशय्या, अंतसमय, अंतिमयात्रा, अत्यय, अवसाद, अवसादन, अवसान, इतकाल, उत्क्रमण, उपरति, ऊर्ध्वारोह, ऊर्ध्वारोहण, कज़ा, कटना, कदन, काल, कालधर्म, कृतान्त, क्षय, ख़ातमा, गयायात्रा, गंगालाभ, गमन, गमो, जगदन्तक, दिष्टान्त, देहान्त, देहत्याग, देहपात, देहयात्रा, देहान्तर, देहावसान, ध्वंस, नाश, निधन, निपात, निमीलन, निर्वृति, नैधन, पचता, पंचत्व, परलोकगमन, परलोकवास, परिवृत, प्रलय, प्रणाश, प्राणत्याग, प्राणान्त, मरण, महानिद्रा, महाप्रस्थान, महायात्रा, मोक्ष, मोख, मोच्छ, मौत, व्यापति, व्यापद्, विसाल, शरीरत्याग, शरीरपात, शरीरान्त, पैङ्क्तिकार, स्वर्गयात्रा, स्वर्गारोहण, संस्थान, सास्थिति, स्वःपथ, हातु।

१५५. मरना—अवसान होना, गंगालाभ होना, गोलोक जाना, चल बसना, चोला छोड़ना, चोला बदलना, जान जाना, दिवंगत होना, झुकना, देहान्त होना, निधन होना, निपात होना, निर्वाण होना, परलोक, जाना, परलोक सिधारना, प्राण त्यागना, प्राणान्त होना, मरहूम होना।

१५६. मारना—कचर कूट करना, कूटना, धमकना, धमधमाना, धहरना, धहराना, ठोंकना, ठठाना, ताड़ना, थपराना, थूरना, दोहथाना, पीटना, पीठपूजा करना, लतमर्दन करना, लतियाना।

विलोम—दे० 'आदर करना।'

१५७. मरवाना (जान से)—कटवाना, ख़ून करवाना, घलवाना, बधाना, बधवाना मरवाना, हताना, हतवाना, हत्या करवाना, हनवाना।

१५८. मारना (जान से)—काटना, ख़तम करना, ख़ून करना, घालना, वध करना, बधना, हतना, हत्या करना।

१५९. शव—अतीत, कुणप, क्षितिवर्द्धन, भूमिवर्द्धन, मुरदा, मुर्दा, मृत, मृतक, मृतशरीर, लाश, लोथ, लोथि, सव।

१६०. पूर्वज—नाराशंस, नाराशंसी, पुरखा, पुरषा, पुरिखा, पुर्बज, बुज़ुर्ग।

१६१. दादा के पिता—नकड़दादा, परदादा, प्रपितामह।

१६२. दादा (पिता के पिता) आजा, आर्यक ददा, दादा, दादू, परदादा, पितामह, बबा, बाबा।

१६३. दादी (पिता की माता)—आजी, आर्य्या, ऐया, दादी, पितामही, बड़की माई।

१६४. दादा का घर—अजिहाल, ददिहाल।

१६५. दादी के पिता का घर—अजिऔरा, ददिऔरा।

१६६. मृत बाप दादा आदि—अंभ, अगला, पितर, पितृ।

१६७. नाना का बाप—परनाना।

१६८. नाना (माता के पिता)—नबा, नाना, मातामह, मातृपिता, मातुमह।

१६६. नानी (माता की माता)—आई, नानी, मातामहपत्नी, मातामही, मातृमही, मातृमाता ।

१७०. मामा (माता के भाई)—मातुल, मामा, मामू ।

१७१ मामी (मामा की स्त्री)—मातुल, मातुलपत्नी, मातुलानी, मातुली, माँई, मामी ।

१७२ मामा का लड़का—मातुलेय, ममेरा ।

१७३. नाना का घर—ननसार, ननिऔरा, ननिहाल, नानिहाल ।

१७४. पिता—अदिति, अब्बा, किबला, गुरु, ज, जनक, जनन, जनयिता, जनिता, जन्मद, जन्य, डोकरा, तात, पिता, पितु, पितृ, पित्र, पिदर, प्रजापति, बप, बप्पा, बाप, बापू, बाबा, बाबू, मूलक, वालिद ।

१७५. ७ तरह के बाप—अभय देने वाला, गुरु, जन्म देने वाला, पालन करने वाला, बड़ा भाई, मन्त्र देने वाला, श्वसुर ।

१७६. सौतेला बाप—कठबाप ।

१७७. माता—अक्क, अबा, अम्बालिका, अम्बिका, अदिति, अम्माँ अम्मा, गो, जननि, जनयित्री, जननी, जनि, जनित्री, जनी, जनीयत्री, जा, धात्री, प्रसू, मतरिया मतारी, महतारी, माँ, मा, माइ, माई, माता, मातु, मातृ, मातृका, मातृ, माय, माया, मैया, वालिदा ।

१७८. योग्य पुत्र उत्पन्न करने वाली माता—सपूती ।

१७६. अयोग्य पुत्र उत्पन्न करने वाली माता—कपूती ।

१८०. सौतेली माँ—उपमाता, कुमाता, मतेई, मैभा, विमाता ।

१८१. ७ तरह की माताएँ—गुरु की स्त्री, गौ, जन्मदात्री, माता, दूध पिलाने वाली दाई, ब्राह्मणी, मातृभूमि, राजपत्नी ।

१८२. उपमाता—अन्ना, उपमाता, धात्री ।

१८३. बुरीमाता—कुमाता, कुमाता ।

१८४. माता पिता का प्रेम—वात्सल्य ।

१८५. ताऊ (बाप का बड़ा भाई)—ताऊ, ताया, पितृव्य ।

१८६. ताऊ की स्त्री—ताई ।

१८७. चाचा (बाप का छोटा भाई)—कका, काका, चचा, चाचा, ताऊ, पितृव्य ।

१८८. चाची (चाचा की स्त्री)—काकी, चाची, ताई ।

१८९. ससुर (पति या पत्नी का बाप)—बाबा, शतानीक, श्वशुर, श्वसुर, ससुर, सुसुरा, स्वशुर, स्वसुर ।

१९०. सास (पति या पत्नी की माता)—आर्या, मय्या, श्वश्रू, सासु ।

१९१. ससुर का घर—ससुरा, ससुराल, सासरा, सासुर, सुसराल, श्वसुराल ।

१९२. साला (पत्नी का भाई)—आत्मनीय, बारकीर, श्यालक, श्याला, श्वशुर्य, सिकंदर, स्याल, स्याला ।

१९३. साले की स्त्री—सरहज, सलहज ।

१९४. साली (पत्नी की बहन)—श्याली, सद्‌आइन ।

१९५. सार का सार—सरमरा ।

१९६. सार का बेटा—सरपुत ।

१९७. लड़का या लड़की का ससुर—समधी, सम्बन्धी ।

१९८. लड़के या लड़की की सास—समधिन।

१९९. समधी का बाप—समधी।

२००. समधी की माँ—समधिन।

२०१. बहन—जामि, बहनेली, बहिन, भगनी, भगिनी, मैन, मैना, सहोदरा, सहोदरी, सोदरा, सोदरी, सुवा, स्वसा।

२०२. बड़ी बहन—अग्रजा, जिजिया, जीजी, जेठी, जेष्ठी, दिदिया, दीदी, पूर्वजा, बहन।

२०३. जीजा—ग्रामहासक, जीजा, पाहुन, बहनेऊ, बहनेली, बहनोई, भगिनीपति, श्याल।

२०४. भांजा (बहिन का लड़का)—आमेय, बहनौता, भगना, भगिना, भगिनिज, भगिनीय, भगिनेय, भगिन्य, भागनेय, भागिनेय, भानजा, भाजा, मैने, स्वस्रीय।

२०५ भांजी (बहिन की लड़की)—भगिनिजा, भागिना, भगिन्या, भाजी, मैने, स्वास्रीया।

२०६. फूआ (पिता की बहन)—पितृष्वसा, फुफी, फूआ, फूफी, फूफू, बुआ, बूआ।

२०७. फूफा (पिता के बहनोई)—फुफ्फा, फुफ्फू, फूफू।

२०८. भाई (फुफेरा)—पितृष्वसेयी, पितृष्वस्रीय।

२०९. बहिन (फुफेरी)—पितृष्वसेयी, पितृष्वस्रीया।

२१०. मौसा (मौसी का पति)—बाबू, मावा, मौसा, मौसिया।

२११. मौसी (माता की बहन)—खाला, मातृभगिनी, मातृष्वसा, मासी, मौसी।

२१२. भाई (मौसेरा)—मातृष्वसेय, मातृष्वस्रीय।

२१३. बहिन (मौसेरी)—मातृष्वसेय, मातृष्वस्रीया।

२१४. भाई—अनुज, ज्ञाति, बन्धु, बन्धू, बान्धव, बिरादर, बीर, बीरन, भइया, भाई, भाय, भैया, भ्रात, भ्राता, विरादर, वीर, सहोदर, सोदर।

२१५. भाई (सगा)—भ्रात, भ्राता, माजाया, मादरजात, सगर्भ, सगा, समानोदर, सहज, सहोदर, सादर, सोदर्य, सोदर, सोदर्य।

२१६. दूध भाई—कोका, धाभाई।

२१७. भाई चारा—भाइप, भाई-चारा, भायप, भैयाचारी।

२१८. बड़ा भाई—अग्रज, अग्रजन्मा, अग्रिम, आग्रय, ददा, दाऊ, दादा, दादू, पूर्वज, पूर्वजन्मा, भय्याजी, वर्य।

२१९. भाभी—प्रजावती, भावज, भाभी, भौज, भौजाई, भौजा, भ्रातप्रेहिनी, भ्रातृजाया, भ्रातृभार्या, भ्रातृबधू, भ्रातृजाया, सहजबहू।

२२०. भाई (छोटा)—अनुज, अवर्य, कनिष्ठ, जघन्यज, जविष्ट, भाई, यवीन, लघुभ्राता, सूनु।

२२१. छोटे भाई की स्त्री—भयहु, भयाहू।

२२२. भतीजा—भतीज, भ्रातृक, भ्रातृज, भ्रातृपुत्र, भ्रातृव्य, भ्रातृसुत।

२२३. भतीजी—भतीजी, भ्रातृजा।

२२४. पति—अधिप, अधिपति, अधिभू,

आर्य, इद्र, इन, ईश, ईशिता, ईश्वर, कत, कंथ, कांत, क्षेत्री, खसम, ग्रावित्, घरवसा, घरवाला, चेट, ढींगर, दूलह, दूल्हा, धव, धनिक, धनी, नाथ, पत, पति, पाणिग्राह, पाणिग्राहक, पिय, पिया, पियु, पीउ, पीय, पीव, पुरुष, प्यारे, प्यो, प्रणयी, प्राण, प्राणजीवन, प्राणनाथ, प्राणपति, प्राणप्यारा, प्राणप्रिय, प्राणवल्लभ, प्राणाधार, प्राणाधिक, प्राणेश, प्राणेश्वर, प्रिय, प्रियतम, प्रीतम, बलम, बल्लभ, बालम, भतार, भरतार, भर्ता, भर्तार, भर्त्ता, भर्त्तार, मनुष, मर्द, मालिक, मियाँ, रतगुरु, रमण, रवन, लम्ब, ललन, लला, वीर, शौहर, सइयाँ, सजन, साई, साइ, साँई, सैंया, सैयाँ, स्वामी, हृदयेश, हृदयेश्वर।

२२५ पत्नी—अर्धांगिनी, अर्धांगिनी, औरत, कबीला, कलत्र, कान्ता, क्षेत्र, गृहणी, गृहिणी, गेहनी, घरदासी, घरनी, घरवाली, चरणदासी, ज़नाना, जनि, जानि, जानी, जाया, जोइ, जोय, जोरू, जौजा, तलोदरी, तिय, ती, दार, दारा, दासी, द्वितीया, धर्मणी, धर्मपत्नी, धार्मणी, नन्दिनी, पतिनी, पत्नी, परिगृहा, परिग्रहा, प्रणयिनी, प्राण, प्राणगृहीता, प्राणगृहीती, प्रिया, बनिता, बहू, बाला, बीबी, भवनी, भवानी, भार्या, मेहरा, रवनि, रवनी, लुगाई, लोगाई, वधू, वल्लभा, वशा, वामागनी, वामा, संगिनी, सहगामनी, सहचरी, सहचारिणी, सहधर्मिणी, सुआसनी, स्त्री, हरम।

२२६. ४ तरह के पति—अनुकूल, दक्षिण, धृष्ट, शठ।

२२७. उपपति—उपपति, घरवसा, जार, बगला, धिंगड़ा, यार।

२२८. उपपत्नी—उपपत्नी, करैत, गुपता, गृहीता, घरबासी, दोहगा, मदखूला, मुताही, रखनी, रखेली, सुरैत, सुरैतिन, हरम।

२२९. वैश्या से प्रेम करने वाला—नायक, वैशिक।

२३०. सपत्नी—प्रतिकामिनी, प्रतिकूला, शौत, सपत्नी, सपत्नीक, समानपतिका, सवत, सस्त्रीक, सौक, सौकन, सौत, सौतन, सौतनि, सौतिन।

२३१. सपत्नी का भाव या धर्म—सापत्न्य, सौतपन।

२३२. पत्नी की छोटी बहन—यश्रिका।

२३३. बहू—पुत्रवधू, पतोह, पतोहू, बधू, बधूटी, बहुरिया, बहू, वधू, स्नुषा।

२३४. पिता का घर—नैहर, पितृगृह, पीहर, मयका, मायका, मैका।

२३५. विधानपूर्वक स्त्री या पति का संबंध त्याग—तलाक, तिलाक, संबंध विच्छेद।

२३६. पति या पत्नी की दादी—ददिया सास।

२३७. पति या पत्नी के चाचा—चचिया ससुर।

२३८. पति या पत्नी के मामा—ममियाँ ससुर।

२३९. पति या पत्नी के फूफा—फुफिया ससुर, फुफुआ ससुर।

२४० पति या पत्नी के नाना—ननिया ससुर।

२४१. पति या पत्नी का जोड़ा—जाया-पती, दंपति, दंपती, द्वन्द्व, भार्यापती।

२४२ भसुर (पति का बड़ा भाई)—

जेठ, जेठउत, जेठउर, जेठरा, ज्येष्ठ, ससुर, भाई जी।

२४३ देवर (पति का छोटा भाई)—देवर, देवरा, देहू, पतिभ्राता, बबुआ, बबुआ जी, बाबू।

२४४ ननदोई (पति का बहनोई)—ननदोई, नन्देऊ, नन्दोई।

२४५ ननद (पति की बहन) नदिनी, ननँद, ननद, ननदी, ननांदरि, ननाद,नन्द, नन्दा।

२४६. सन्तान—अपत्य, उम्मत, औलाद, गोत्रजनन, ततु, ताँती, नुत्फा, पसरा, परिवार, प्रजा, प्रसव, प्रसूति, वंश, वंशज, वंशधर, वंशपरम्परा, बच्चा, बालबच्चे, लड़काबाला, सन्तति, सन्तान, सर्ग।

२४७. लड़का—अंगज, अर्भक, आँख, किशोर, कुँअर, कुँअरेटा, कुँवर, कुमार, चिंजा, छावड़ा, छाव, छैया, छोरा, जातक, टाबर, टोटा, डावर, डिंभ, दारक, प्रसव, बालक, वटु, लड़का, लाल, लौंडा, शिशु। दे० 'पुत्र'।

२४८ लड़की—दे० 'पुत्री।'

२४९ वर्णसंकर—अरजल, अष्टघाती, कमअसल, किंपुरुष, कुण्ड, गोलक, जारज, दोगला, धींगड़, बींगड़ा, पाराशव, बरनसकर, रमजना,रामजना, शंकर, संकर, हरामज़ादा।

२५०. पुत्र—अंगज, अंगभूत, अपत्य, आत्मज, आत्मनीय, आत्मभ, औरस, औलाद, कुमार, कुलधारक, चिंजा, छोकड़ा, छोकरा, छावा, छोहरा, छोरा, जन्य, जा, जात, ढाँठरा डावरा, ढोटा, ढोटौना, तत, तनय, तन, तनुज, तनूज, तनै,तनोज,तात, दायाद, दारक, नंद, नंदक, नदन, नंदिवर्द्धन, नांदवर्द्धन, नकुल, नाद-वर्द्धन, पिसर, पुतरा, पुत्त, पूत, फरज़न्द, बालक, बीर, बेटला, बेटवा, बेटा, लाल, वच्छ, वत्स वल्द, वीर, सुअन, सुत, सुव, सुवन, सुवनारा, सून, सूनु, स्वजात।
विलोम—दे० 'पुत्री।'

२५१. अच्छा पुत्र—सपुत्र, सपूत, सुपूत।

२५२ खराब पुत्र—अपूत, कपूत, कुपुत्र।

२५३. दुलारा पुत्र—अलकलड़ैता, अलक-सलोरा, दुलहेटा, लालन

२५४. केवल एक पुत्र—अर्जुन, इक-लौता।

२५५ पुत्र के समान पाला हुआ लड़का—पालक, पालट, पोष्यपुत्र।

२५६. गोद लिया हुआ लड़का—औरस, दत्तक, दत्तक, पालक, पालट, पोष्यपुत्र, पोसपूत, मुतबन्ना, रास, लेपालक।

२५७. पुत्र का पुत्र—छावा, नातिकट, नप्ता, नप्तृ, नतीरा, नसा, नाती, पुत्रात्मज, पोतड़ा, पोता, पौत्र।

२५८ पुत्र की पुत्री—धिय, नातिनी, नप्त्री, नतीरी, नातिन, नातिनी, पोतड़ी, पोती, पुत्रात्मजा, पौत्री।

२५९ पुत्र के पुत्र का पुत्र—पड़पुत्र, पनाती, परपोता, परपौत्र, प्रपौत्र।

२६० पुत्री—अंगजा, अंगजाई, अंगजा, बच्ची, आत्मजा, आत्मोद्भवा, कनाभिका, कन्यका, कन्या, कुमारिका, कुमारी, छोरी, जनी, जा, जाई, जात, जाता, जामि, डाँबरी, ढोटी तनया, तनुजा, तनैया, तन्या, दारिका, दुख़्तरी, दुहिता, धी, धीजाता, धीदा, धीया, नंदना, नंदनी,

नंदिनी, नगनी, पुत्तरी, पुत्रिका, बाला, बालिका, बिटिया, बिट्टी, बेटकी, बेटी, माई, माँई, लड़की, सुता, स्वजा।

विलोम—दे० 'पुत्र'।

२६१. **पुत्री का पुत्र**—कुतप, दुहता, दोसता, दोहित, दौहित्र, नप्ता, नवासा, नात, नाती, सूनु।

२६२. **पुत्री की पुत्री**—दौहित्रा, नतिनी, नातिन, नातिनी।

२६३. **दामाद**—जँवाई, जवाय, जवाई, जामाई, जामातृ, जामाता, दमाद, धीय, पाहुना।

२६४. **दूल्हा**—दुलहा, दूलह, नौशा, पाणिग्राहक, बनरा, बन्ना, बर, लाड़ा, वर, शह।

२६५ **दुलहिन**—दुलहन, दुलहिया, दुलही, दुल्हैया, दूलहन, नौशी, बनी, बन्नी।

२६६. **प्रेमी**—अनुरागी, अनुरक्त, आशना, आशिक, आसक्त, चाहक, दिलदार, प्यारा, प्रेमिक, रंगीला, रकीब, रसवंत, रसिक, रागी, रिझकवार, रिझवार, सनेहिया, सनेही, सपत्न, सहृदय, साजन, स्नेही।

२६७. **प्रेमिका**—अजीज, चहेती, जनियाँ, जानी, ढोला, प्रियतमा, प्रिया, प्रीतिपात्र, प्रेम-पात्र, प्रेमिका, प्रेयसी, प्यारी, भावता, माशूक, सजनी, साकी, स्नेहपात्र, स्नेहिनी।

२६८. **वियोगी**—बिछुड़ा, बिछोई, बिछोही, बिरही।

२६९. **वियोगिनी**—बियोगिनी, विरहतप्ता, विरहसतप्ता, विरहिणी।

२७०. **सधवा स्त्री**—अहिवाती, गुणगौरि, जीवत्पति, पतिवती, वधूटी, सधवा, सनाथा, सावित्री, सुआसिनी, सुभगा, सुहागिन, सुहागिनी, सुहागिल, सोहागिन, सोहागिल, सौभागिनी, सौभाग्यवती।

२७१. **विधवा**—अधवा, अनाथा, अपति, एकवेणी, जालिका, पतिहीना, बेवा, यतिनी, यती, रंडा, राँड, राँड़, विधवा।

२७२. **पतिव्रता**—कुलवधू, गुणगौरि, तपस्विनी, पतिदेवा, पतिपरायण, पतिभक्ता, पतिव्रता, पूति, पाकदामन, मंगला, मनस्विनी, सतवती, सती, साधवी, साध्वी, सुचरित्रा।

२७३. **कुलवधू**—कुलवत, कुलवती, कुलवधूटी।

२७४. **रँडुआ** (जिसकी स्त्री मर गई हो)—अपत्नीक, रंडाश्रमी, रँडुआ, रंडुवा, रँडोरा, विधुर, विकल।

२७५. **कुटनी** (समाचार पहुँचाने वाली स्त्री)—अर्जुना, कुटनी, घटका, दुर्भगा, दूतिका, दूता, भिक्षुकी, मुग्धा, वाक्यहारिणी, सचारिका, संदेशहरा, सँभली, सारिका, श्रमणा।

२७६. **परनारी**—परतिरिया, परत्रिया, पराई स्त्री, सुभा।

२७७. **सखी**—अंतःपुरचारिणी, अंतःपुरचारिका, अली, आलि, आली, गुइँयाँ, वयस्का, मल्लिका, वालिका, शिल्पकारिका, शेचना, सगिनी, सइयो, सखि, सधीची, सरस्वती, सहचारिणी, सहचरी, सहेली, साथिनी, सैरंध्री, हारिणी, हितू।

२७८. **मित्र**—अंतरंग, अविरोधी, इष्ट, गोइयाँ, गोई, दोस्त, नदीवर्द्धन, परिग्रह, बान्धव, मित्र, यार, सँगाती, संगी, सँघाती, सखी, सखा, सहचर, सहचार, सहचारी,

सहपाठी, सुहृत, सौहृद, सुहृद, हित, हितू, हितैषी।

२७६. शत्रु—अदावती, अनहित, अपक्ष, अमित्र, अरि, अहित, आराति, कृतघात, दावागीर, दुर्हृद, दुश्मन, द्विषण, द्वेषी, परिपंथी, प्रतिपक्षी, वैरी, मुकाबिल, मुख़ालिफ, रिपु, विद्वेषण, विपक्षी, विरोधी, वैरी, शात्रव।

२८०. समवयस्क—जोड़ी-पाड़ी, सम-उरिया, समवयस्क, समौरिया, सवय, स्निग्ध।

२८१. वर्ण—जाति, बरन, बिरादर, भाई।

२८२. ब्राह्मण—अग्रजन्मा, अग्रजातक, कुदेव, कुलश्रेष्ठ, गुरु, ज्येष्ठ वर्ण, द्विज, द्विजाति, नय, पंडित, बाड़व, बाम्हन, विप्र, ब्रह्मा, भूदेव, भूमिदेव, भूमिसुर, भूसुर, महाराज, महिसुर, महीसुर, मैत्र, यजुवर, वत्कज, वामन, विप्र, षटकर्मा, सूत्रकंठ।

२८३. ब्राह्मणी—पंडिताइन, पंडितानी, बाँभनी, ब्राह्मण-पत्नी, महराजिन।

२८४. भूमिहार—भूँइहार, भूँमिहार, ठाकुर, भूमिहार ब्राह्मण।

२८५. तिवारी—तिवाड़ी, त्रिपाठी, त्रिवेदी।

२८६. चौबे—चतुर्वेदी।

२८७. ओझा—झा।

२८८. उपाध्याय—उपधिया, उपाध्या, उपाध्य।

२८६. पांडे—पांड़े, पांडेय।

२६०. शुक्ल—शुकला, शुकुल।

२६१. मिश्र—मिश्रा, मिसिर।

२६२. क्षत्रिय—क्षत्र, क्षत्रिय, क्षत्री, खत्र, खत्रिय, खत्री, द्विजलिंगी, नाभि, नृप, पार्थिव, बाबू, बाबूसाहब, बाहुज, मूर्द्धक, राजन्य, राजा, वर्मा, विराज, विराट, सार्वभौम।

२६३. क्षत्राणी—क्षत्राणी, क्षत्रिया, क्षत्रियाणी, क्षत्रियी, क्षत्रपत्नी, क्षत्रीस्त्री, खतरानी, महारानी, राजपत्नी, रानी, वीरपत्नी, वीरमाता, वीरस्नुषा।

२६४. वैश्य—अर्य, ऊरव्य, ऊरुज, गुप्त, द्विज, पणिक, बनजकर, बनिया, वैश्य, भूमिजीवी, भूमिस्पृक, महाजन, मंडी, वणिक, वार्त्तिक, विट्, विस, व्यवहर्ता, श्रेष्ठ, श्रेष्ठी, साहु, सेठ, सर्रा।

२६५. वैश्य-स्त्री—अर्या, अर्याणी, अर्यी, बनियाइन, मोदिन, मोदियाइन, वैश्य-पत्नी, वैश्य-स्त्री, वैश्या, सहुआइन, सहुवाइन।

२६६. शूद्र—अन्त्यज, अंत्यजन्मा, अन्त्य-वर्ण, अछूत, उपासक, चतुर्थ, चांडाल, जघन्य, जघन्यज, दास, द्विजदास, द्विज-सेवक, पज्ज, पादज, वृषल, शूद्र, सूद, सेवक।

२६७. शूद्र-स्त्री—अंत्यजा, उपासिका, दासी, शूद्र-पत्नी, शूद्र-स्त्री, शूद्रा, सूदिन, सेविका।

२६८. चांडाल—अन्त्यज, अछूत, अस्पृश्य, चंडाल, चांडाल, जनगम, दिवाकीर्ति, प्लव, पुक्कस, मातंग, श्वपच।

२६६. कुछ चांडाल जातियाँ—किरात, केवट, कोल, चमार, डोम, दुसाध, धोबी, नट, पासी, भंगी, भर, भील, मुसहर, वेणुक, व्याध।

३००. जाति—आस्पद, आस्पद, कुटुम्ब, कुल, खानदान, गोत्र, गोत्रिय, जात,

जाति, पंक्ति, पाँत, परिवार, बिरादरी, वंश, वर्ग, श्रेणी। दे० 'वर्ण'।

३०१. **खत्री**—क्षत्रिय, खतरी, खत्री, खित्ती।

३०२. **खत्री-स्त्री**—खतरानी, खत्राणी, खत्रानी।

३०३. **कायस्थ**--कलमवीर, कायथ, मुंशी, मुंसी, लाला।

३०४. **कायस्थ-स्त्री**--कायथिन, कैथिनी, मुंशीआइन, ललाइन।

३०५. **अहीर**--अहिर, आभीर, गोदुह, गोप, गोपाल, गोसख्य, ग्वाल, ग्वाला, यादव, वल्लव।

३०६. **अहिरिन (अहीर स्त्री)**—अहिरिनी, आभीरपत्नी, आभीरस्त्री, आभीरी, गोपस्त्री, गोपी, ग्वालिन, महाशूद्री।

३०७. **कोइरी**—काछी, कोयरी।

३०८. **कोइरी स्त्री**—काछिन, कोइरिन।

३०९. **कहार**--कमकर, कहारिन, धीमर, पनभरा, पनहारा, महरा, स्कंधभार।

३१०. **कहारिन (कहार-स्त्री)**—कमकिरन, कँहारिन, कहारी, धीमरिन, पनभरिन, पनभरी, धीवर, पनहारी, महरिन, महरी।

३११. **नाई**—अंतवसायी, कल्पक, क्षुरी, क्षौरकार, क्षौरा, ग्रामणी, ठाकुर, दिवाकीर्त्ति, नखकुट्ट, नाऊ, नाउठाकुर, नापित, न्यायी, बरकट्टा, भांडपुट, मुंड, वात्सीसुत, सैनो, हजाम, हज्जाम।

३१२. **नाउन**—नाइन, नाउनि।

३१३. **बारी**—पत्राजीवी, पत्राली, बरुजीवी, बारी।

३१४. **बारी-स्त्री**—बारिन।

३१५. **बरई**—बरई, बरुजीवन, बरुजीवी।

३१६. **बरई-स्त्री**—बरइन।

३१७. **तमोली**—तमोलि, तांबूलिक, ताबूली, बरई।

३१८. **तमोली-स्त्री**--तमोलिन, बरइन।

३१९. **तेली**—कानू, चाक्रिक, तैलकार, धूसर।

३२०. **तेली-स्त्री**--कनुवाइन, तेलिन, तैलकारिन।

३२१. **ठठेरा**—कँसकुट्ट, ठठेरा, तमेरा, ताम्रकुट्ट, ताम्राजीवी, शौल्विक।

३२२. **ठठेरा-स्त्री**—ठठेरिन।

३२३. **कुम्हार**—कुंभार, कुंभकार, कुलाल, कोहार, घटक, घटकार, घटजनक।

३२४. **कुम्हार-स्त्री**—कुंभारिन, कुंभकारिन, कोहाँइन, कोहारिन।

३२५. **कुरमी**—कुनबी, कुरमी, कूर्मवंशी, कूर्मीय।

३२६. **कुरमी-स्त्री**—कुनबिन, कुरमिन।

३२७. **बनिया**—परचूनिया, परचूनी, बनिया, मोदी।

३२८. **बनिया स्त्री**--बनिआइन, मोदिआइन।

३२९. **लोहार**--अयस्कार, कर्मकार, कर्मार, लोहकारक, लौहकार।

३३०. **लोहार-स्त्री**—लोहाइन, लोहारिन।

३३१. **बढ़ई**--काष्ठकार, तक्षा, तक्षमेदी, वर्धकी, सूत, सूत्रकार, स्यन्दनकार।

३३२. **बढ़ई-स्त्री**—बढाइन।

३३३. **गड़ेरिया**—अजपाली, अजाजीवी, अजी, गड़ेरिया, गड़ेरी, जाबाल।

३३४. **गड़ेरिया-स्त्री**—गड़ेरिन, गड़ेरी।

३३५. **सोनार**—कलाद, नाडिंधम, पश्यतोहर, रुक्मकार, सेठ, स्वर्णकार।

३३६. **सोनार स्त्री**—सेठानी, सेठिन, सोनारिन।

३३७. **दर्जी**—खलीफा, छिपी, तुन्नवाय, दरजी, सूचिक, सूजी, सूत्रभिद, सौचि, सौचिक।

३३८. **दर्जी स्त्री**—खलिफाइन, दर्जिन, दर्जिआइन।

३३९. **कलवार**—कलार, कलाल, शुंडी, शौंडिक।

३४०. **कलवार-स्त्री**—कलवारिन, कलारिन।

३४१. **मल्लाह**—कर्णधार, केवट, कैवर्त्त, खेवक, खेवट, जालक, दास, धीवर, नाविक, नैसाध्यजन, मलाह, माँझी।

३४२. **मल्लाह स्त्री**—मलाहिन, मल्लाहिन, माझिन।

३४३. **माली**—पुष्पलाव, पुष्पलावक, पुष्पाजीवा, बनार्चक, मालाकर, मालाकार, मालिक, माली।

३४४ **मालिन**—पुष्पलावी, मलिनियाँ, मालिकी, मालिनी।

३४५. **धोबी**—कर्मकीलक, धावल, निर्णेजक, नेजक, बरेठा, रजक, शौचेय।

३४६ **धोबिन**—धोबइन, धोबन, धोबिन, निर्णेजकी, बठाइन, बरेठन, बरेठिन, रजकपत्नी रजकी, शौचेयी।

३४७. **मछुआ**—धीमर, धीवर, मछुवा, मत्स्यजीवी, मोधुक।

३४८. **बहेलिया**—अहेरी, आखेटा, चिड़ीमार, चिरहटा, चिरिहार, द्रोहाट, बलपाशुन, बहेलिया, ब्याधा, मृगजीवन, मृगयू, मृगबाधाजीव, व्याध, लुब्धक, लुब्धना, लुब्धक, शाकुनिकशिकारी।

३४९. **भड़भूजा**—गोंड, भड़भूँजा, भुजवा, भुरजी।

३५०. **भड़भूजा स्त्री**—गोंडिन, भड़भूजिन।

३५१. **चमार**—करट, चर्मक, चर्मकार, चर्मकारक, चर्म्मरु, चर्म्मार, त्वचक, पादुकाकार।

३५२. **चमाइन** (चमार स्त्री)—चमाइन, चमारिन, चमारी, चर्मकारिणी।

३५३. **भाट**—चारण, पशवध, प्रातर्गेय, बंदी, बंदीजन, वैताल, वैतालिक, भट्ट, भाट, मगध, मधुक, मागध, लग्न, सूत, स्तुतिपाठक।

३५४. **मेहतर**—चूहड़ा, जमादार, धरकार, भंगी, महत्तर, महतर, हलखोर, हलालखोर, हेला।

३५५. **मेहतर स्त्री**—जमादारिन, मेहतरानी, मेहतारिन, हलखोरिन।

३५६. **मुसलमान**—इस्लामी, जवन, तुरुक, तुर्क, मियाँ, मुस्लमान, मुहम्मदी, म्लेच्छ, यवन।

३५७. **चुड़िहारा**—आलक्तक, चुरिहारा, मनिहारा, लखेरा, लाक्षक।

३५८. **चुड़िहारिन**—चुरिहारिन, मनिहारिन, लखेरी, लाक्षकी।

३५९. **जुलाहा**—कुविंद, कोरी, जुलाहा, तंत्रक, तंतुवाय।

३६०. **रंगरेज**—छीपा, छीपी, रंगक, रंगकर, रंगरेज, रंगाजीवी, रंगी।

३६१. **धुनिया**—धुनका, धुनियाँ, पिंजारा, बेहना।

३६२. **धुनिया स्त्री**—धुनिआइन।

३६३. **कसाई**—कस्साई, कौटकिक, कौटिक, गोमर, चिक, चिकवा, बुज़कस्साब, बूचड़, मासक, मासविक्रेता, मासिक, वैतसिक, हिंसक।

३६४. **कोलकिरात**—किरात, कोलि, भील, मुसहर, व्याध, शबर।

३६५. **अंग्रेज**—आंगलदेशी, आंगलीय, इंगरेज, गोरा, गौरांग, फिरंगी, बिलायती।

३६६. **जज**—अक्षदर्शक, जज, धर्मराज, न्यायक, न्यायकर्त्ता, न्यायाधीश, प्राड्विवाक।

३६७. **पंच**—सरपंच, पालस।

३६८. **अभियोगी**—अभियोक्ता, फरियादी, मुदई, मद्दई, वादी।

३६९. **प्रतिवादी**—मुद्दअलेह, मुद्दालेह, प्रतिपक्षी।

३७०. **मुलज़िम**—अपराधी, अभियुक्त, दोषी, मुजरिम, मुजलिम।

३७१. **गवाह**—प्रत्यक्षदर्शी, साक्षी, साखी।

३७२. **कैदी**—उपग्रह, कैदी, प्रग्रह, प्रतिग्रह, बंदा, बंदी, बंदीवान, बँदेरा, बँधुआ, बँधुवा, वदी।

३७३. **जल्लाद**—कतलबाज़, क़ातिल, घातक, जलाद, बधिक, बधुआ।

३७४. **जमींदार**—इलाकेदार ज़मीनदार, ताल्लुकेदार, भूस्वामी, मिलकी, रईस।

३७५. **कारिंदा**—अमला, इंतज़ामकार, एजेंट, कामगार, कामदार, कारकुनिंदा, कारपरदाज, कारिन्दा, प्रबंधक, मुलज़िम।

३७६. **काश्तकार**—कास्तकार, किसान, कृषक, कृषिक, कृषिजीवी, कृषीवल, खेतिहर, चासा, चासी, धान्याकृत।

३७७. **हरवाहा**—हरवाह, हलवाह, हलवाहा, हलवाही, चासा।

३७८. **मेहमान**—अतिथि, अतीथ, अभ्यागत, गृहागत, पहुना, पाहुना, प्राघूर्ण, प्राघूर्णिक, प्राघूर्ण, प्राघूर्णिक।

३७९. **मेहमानदार**—आतिथ्यक, मेहमानदार, मेज़बान।

३८०. **मालिक**—अधिप, अध्यक्ष, अन्नदाता, आग़ा, आज्ञापक, ईश, कंत, क्षेत्री, खविंद, खसम, ख़ाविंद, नाथ, पत, पति, प्यो, प्रभु, प्रोप्राइटर, बाबू, मालिक, मियाँ, रब, प्रभू, सइयाँ, साईं, सुआमी, स्वत्वाधिकारी, स्वामि, स्वामी।

३८१. **मालकिन**—मालिकिन, स्वत्वाधिकारिणी, स्वामिनी।

३८२. **गृहपति**—गृहप, गृहस्वामी।

३८३. **नौकर**—अधीन, अनुग, अनुगत, अनुगामी, अनुचर, अनुयायी, अज्ञाकारी, अरदली, अर्थी, आज्ञाकारी, आज्ञापालक, आरिपार्श्व, कमेरा, कर्मकार कहार, किंकर खवास, खादिम, खिजमतिया, ख़िदमतगार, खोजा, चाकर, चेट, चेटक, चेर, चेरा, टहलू, टहलुआ, दास, दासानुदास, नफ़र, नौकर, पदाति, पदातिक, परिचारक, परिचारिक, परिपार्श्विक, पर्युपासक, पायक, पिछलगा, प्यादा, फर्राश, फ़िदवी, बंदा, बँदेरा, बाँद, भृत, भृतक, भृत्य, मजदूर, मजूर, महरा, महला, माहली, मुलाज़िम, रोटिहा, सहचर, सहचारी, सेवक सेवी, सैरंध्र, हुजूरी।

३८४. **नौकरानी**—अनुचरी, कहारिन, किंकरी, खादिमा, चाकरनी, चाकरानी, चेटका, चेटी, चेरी, जना, टहलनी, दासी, नौकरानी, परायदासी, परिचरी, परिचारिका बाँदी, भृत्या, मज़दूरनी मजूरिन महरी,

सहेली, मामा, लौंडी, सेवनी, सेविका, सैरंध्री, हजूरी, हरम।

३८५. मजदूर—मजदूर, मजूर, मजूरा, श्रमजीवी, श्रमण, श्रमिक, श्रमी।

३८६. कुली—कुली, मजदूर, मजूर, मुटिया, मोटिया।

३८७. औड़—मिट्टी खोदने वाले), औड़, वेलदार।

३८८. खिदमदगार—अगमर्द, खिदमदगार, खिजमतगार, खिजमातया, सवाहक।

३८९. बजाने वाला—महावाद्यकी, वंशस्फोट, वादक, वार्तवह, वेणुपिक।

३९०. वैणविक—(वंशी बजाने वाला) वेणुधा, वेनुविक।

३९१. तबलची—तबलची, तबलिहा, तबाल्ची।

३९२. मृदंगिया—पखावजा, मार्दंगिक, मृदंगिया, मौर्जिक।

३९३. नट—कृशाश्वी, जायाजीव, नट, नर्त्तक, भरतपुत्रक, रंगजीव, रंगावतारक, शैलालिन, शैलूष।

३९४. नटी—नटी, नट्टिन, नर्त्तकी।

३९५. नर्तक—(नाचने वाला पुरुष) कलक, चारण, तालरेचनक, नट, नर्त्तक, पोटगल।

३९६. नर्तकी—(नाचने वाली स्त्री) नारणी, नचनियाँ, नचनी, नटी, नर्तकी, नाचनेवाली, नृत्यकी, लासका, लस्या।

३९७. वेश्या—अप्सरा, कंचनी, कसबिन, कसबी, कस्बी, कामरेखा, कुम्भा, कुट्टा, गणिका, झर्झरा, तवायफ़, पण्यांगना, पतुरिया, पराय स्त्री, पुरवामा, वर्बटा, भण्डहासिनी, मुखरिका, भोग्या, मंगलामुखी, रामजनी, रूपाजीवी, लज्जिका, वंसुधरा, वारवधू, वारवनिता, वारविलासिनी, वेश्या, शालभंजिका, शूला, सर्ववल्लभा, सामान्या।

३९८. कत्थक—(वेश्याओं के गुरु), कथक, पीठमर्द, भँडुआ, रामजना।

३९८. अ. गढ़ैया—कारी, गढ़क, गढ़िया, गढ़ैया, बनाने वाला, बनावनहारा।

३९९. नगीना साज—नगीनाजड़िया।

४००. दूकानदार—पण्येश, हटवार, हटवैया, हटुवा।

४०१. घाटिया—(ब्राह्मण) घटवाई, घटवार, घटवारिया, घटिया, घाटवाला।

४०२. हलवाई—आधर्मिक, आरालिक, औदनिक, गुण, पाककर्ता, पाकुक, पाचक, बल्लव, बावरचा, भक्ष्यगार, रसोइया, सूद, सूपक, सूपकार, स्वार।

४०३. रसोइयाँदार—बावर्ची, महराज। दे० 'हलवाई'।

४०४ महाजन—धनी, प्रमुख, बनियाँ, महाजन, लाला, श्रेष्ठि, सभ्य, साहु।

४०५. लेखक—अक्षरचञ्चु, अक्षरचण, कायिस्थ, क्लर्क, ग्रन्थकर्त्ता, रचयिता, लिपिक, लिपिकर, लिपिकार।

४०६. कारीगर—कारु, शिल्पकार, शिल्पकी, शिल्पी।

४०७. जादूगर—इंद्रजालकारक, ऐंद्रजालिक, कौहुतिक, जादूगर, प्रतीहारक, बाजीगर, मायाकारक, मायावी, मायिक, मायी, व्यसक।

४०८ रत्नपारखी—जौहरी, परखवैया, परखैया, रत्नविक्रेता।

४०६. **पहलवान**—कसरती, कसरतिहा, डडपेल, पहेलवान, मल्ल, संडमुसंड।

४१०. **महावत**—अंकुशग्रह, अबष्ठ, आधोरण, इभपालक, गजाजीव, गजारोह, चाराकट्टी, निषादी, पत्नीक, पीलवान, फ़ीलवान, मतंगी, महाउत, हस्तिपक, हाथीवान।

४११. **साईस**—अश्वपाल, रकाबदार, सईस, साईस।

४१२. **कोचवान**—कोचवान, दक्षिणस्थ, नियता, प्राजिता, सारथी, सूत।

४१३. **शिकारी**—अहेरी, आखेटक, आखेटी तीवर, पारधी, सिकारी।

४१४. **खेलाड़ी**—खिलाड़ी, खिलवाड़ी, खेलक, खेलवाड़ी, खेलार, खेलारी, खेलारु।

४१५. **जुआड़ी**—अक्षदेवी, अक्षधूर्त, कितव, जुआड़ी, जुआरी, जुआरी, द्यूतकार, द्यूतकृत, द्यूतक्रीडक, धूर्त, सभिक, सभाक।

४१६. **ठग**—गिरहकट, चाई, छली, धूर्त, धोखेबाज़, प्रतारक, वंचक, स्थग।

४१७. **ठगनी**—ठगनी, ठगिन, ठगिनी, लुटेरिन।

४१८. **चोर**—उचक्का, उचक्का, उठाईगीर, कज़ाक, कज़्ज़ाक, गठकटा, गिरहकट, चाई, चाइ, चोट्टा, चोर, चोरकट, चोरटा, जेबकट, जेबकतरा, ठग, ठगिया, डकैत, डहरचोर, डाकू, तस्कर, दस्यु, नकबज़न, प्रतारक, बंचक, बटपरा, बटपार, नटमार, राहज़न, लुटेरा, लूटक, वंचक, संधियाचोर, साहसिक, स्रोतस्य, स्तायू, स्येन, स्यैन, हर्त्ता, हारीत।

४१६. **साझेदार**—भागी, शरीक, शिरकती हिस्सेदार।

४२०. **पट्टीदार**—अंशक, दायाद, साझेदार, हिस्सेदार।

४२१. **जच्चा**—जच्चा, जननी, जातपत्या, प्रजाता, प्रसविनी, प्रसूता, प्रसूतिका।

४२२. **बच्चा**—अज्ञ, अबोध, अर्भ, अर्भक, किशोर, किशोरक, गर्भ, जातक, डिंभ, डिंभक, नवजात, पाक, पुत्र, पोतक, बच्चा, बटु, बटुक, बालक, बेटा, माणव, मुष्टिंधय, लड़का, शिशु, सतान, हितक।

४२३. **धाय**—अंकपाली, अम्मा, आया, दाती, दात्री, दायी, धाय, प्रदात्री।

४२४. **कर्ज़दार**—अधमर्ण, ऋणी, कर्ज़दार, देनदार, देवा, रिनियाँ। दे० 'ऋणी'।

४२५. **देनदार**—देनदार, महाजन, लहनेदार, सूदखोर। दे० 'ऋण देने वाला'।

४२६. **भिखमंगा**—अर्थी, जाचक, जातक, भिकमगा, जीवी, जाचक, भिक्षु, भिक्षुक, भिक्षोपजीवी, भिखमगा, भिखारी, मँगता, मगन, मस्करी, माँगन, मार्गण याचक।

४२७. **भिकमंगिन**—भिकमंगिनि, भिक्षुकी, भिखारिणी, भिखारिन।

४२८. **सहायक**—गौण, दाँया हाथ, नेब, नेव, मददगार, सहकारी, सहयोगी, सहाइ, सहाई, सहाय, सहायक, सहायी।

४२६. **संरक्षक**—अभिभावक, देख रेख करने वाला, रक्षक, रच्छक।

४३०. **जानवर**—कीलाल गोरू, चतुष्पद, चरिंदा, चौपाया, जानवर, जीवजन्तु, जीवधारी, जीवयोनि, ढंगर, ढाँगर, तिर्यक, तिर्यग योनि, त्रिजक, पशु, पसु, प्राणी, मृग, मृग, हैवान।

४३१. जानवर का बच्चा—छवा, छौंवड़ा, छौना, बछड़ा, बाल, पोत, शावक।

४३२. सींग—विखान, विषाण, शृंग, सींघ, सींह, सृंग।

४३३. खुर—चुर, टाप।

४३४. पूँछ—दुम, पुच्छ, पूँछ, पोंछ, बालधि, लँगूर, लगूर, लंगूल।

४३५. हाथी—अगज इभ, कंबु, कंबुक, कपि, करटी, करि, करी, करींद्र, करेणु, कालिंग, कुंजर, कुंभी, गज, गजेंद्र, गयंद, गय, दंती, दुरद, दुरदाक्ष, द्विरद, द्वीप, नगज, नाग, पद्मी, पील, पुष्करी, फील, मतङ्ग, मदार, मतंग, मराल, मातंग, मैगल, वारण, वितुंड, व्याल, शुंडाल, शुंडा, शृंगी, सारंग, सिंधुर, हस्ती, हाथी।

४३६. हथिनी—इरावती, करटा, करिणी, करेणुका, कुंजरा, गजा, धेनुका, वशा, वरेणुका, वामिता, हथिनी, हस्तिनी।

४३७. हाथी की प्रसिद्ध जातियाँ—कुमारिया, मृग।

४३८. बड़ा या उन्मद हाथी—करिंद, करीश, लकना, गजराज, गजेंद्र।

४३९. बौना हाथी—कुमरिया, बौना, मकुना।

४४०. मस्त हाथी—अराल, गादा, नगभद्र, नागरमदा, प्रभिन्न, मत्त, मदकल, मदोत्कट, मयगल, मैगल।

४४१. चिग्घाड़ना—गरजना, चिग्घाड़ करना, हौंकड़ना।

४४२. सूँड—(हाथी), कर, तुंड, शुंड, कुंडादंड, सूँडा।

४४३. सूँड की नोक—कर्णिका, हस्त।

४४४. हाथी के सूँड का अग्रभाग—अंगुली, पुष्कर, मुञ्चिका।

४४५. गंडस्थल—कट, कटि, करटक, गंड, गंडस्थल, शाल।

४४६. हाथी का दाँत—कांप, गजदंत।

४४७. हाथी का मद—गजदान, गजमद।

४४८. हाथी की बोली—गर्जन, चिग्घाड़।

४४९. हाथी का बच्चा—करभ, कलभ, बालक, शरभ।

४५०. ऊँट—अध्वग, उष्ट्र, ऊँट, कंटकाशन, करभ, करह, केलिकीर्ण, कमेल, क्रमेलक, ग्रीवी, जवी, जाँघिका, दासेर, दीर्घगति, दीर्घजंघ, धूम्रक, धूसर, बलिष्ठ, बली, बहुवार, भोली, मय, मरुद्वीप, महाप्रिय, महांग, महाग्रीव, महाजव, महानाद, महापृष्ठ, लम्बोष्ठ, वक्रगुल्फ, वरण, शरभ, शुतुर, शृंखलक, साँड़िया।

४५१. डिल्ल—ककुद, कुब्बड़, डिल, डिल्ला।

४५२. घोड़ा—अरब, अरबी, अराक, अरुष, अश्व, आशु, इराकी, उच्चैःश्रवा, कच्छ, कच्छी, कंकाण, कांकान, केशरी, केशी, केसरी, क्रम, केहरी, कोकाह, कनुपक्षी, गन्धर्व, गियाह, गुह, गो, घोर, घोटक, घोड़ा, चामर, जवन, तुरंग, तुरंगम, तुरग, तुरय, तुरा, दधिक्रा, दुमुख, नर, प्रकीर्णक, पोथी, बाज, बाजि, बाजी, मराल, मरुद्रथ, रथवाह, राजस्कंध, ललाम, वाह, वाजी, वातायन, वाह, विमान, वीतनक, वीती, वृषण, वृषल, शालिहोत्र, शिखा, समद, सप्ति, सारंग, सुपर्ण, सुरगंध, सैंधव, हंस, हय, हरि।

४५३. घोड़े का बोलना—हिनहिनाना, हिनहिन करना, हींसना ।

४५४. घोड़ी—अश्वा, अश्विनी, घुड़िया, घोटकी, घोड़िया, घोड़ी, बड़वा, वामी ।

४५५. घोड़ियों की मस्ती—आलग, उठना ।

४५६. घोड़े का बच्चा—अललबछेड़ा, बछड़ा, बछवा, बछेड़ा, बालक ।

४५७. जवान घोड़ा—अलल, बछेड़ा ।

४५८. छोटा घोड़ा—टट्टू, टाँगन, याबू ।

४५९. सिंधी घोड़ा—सिंधी, सैंधव ।

४६०. तुर्की घोड़ा—तुर्कमान, तुर्की ।

४६१ अरबी घोड़ा—अरब, अरबी, एराकी ।

४६२. घोड़े की जातियाँ—अलाई, इराकी, कारुना, किलवाँक, कोकान, कुही, गिलगिली, जुंमल, टंकड़, तिलक, द्रुवाज, घनी, बाजसर, बोलसर, भीभ्राथलि, भौंग, मेमना, रकवाहा, रुमी, रौहाल, लच्छी, वजारा, सदली, सालिया, स्याह, हिराती ।

४६३. घोड़े का रंग—अबरस, अबलख, ऊदा, कर्मिज, कुम्मैत, कुरंग, कुल्ला, गर्रा, चाँगका, मुरकी, लाखा, लीला, सब्जाफ ।

४६४. घोड़ा के गर्दन का बाल—अयाल, श्राल, केसर ।

४६५. घोड़े का खुर—खुर, खुर, टाप, शफासुम, सूम, सुम्ह ।

४६६. खच्चर—अश्वतर, खचचर, खर, त्रिसरात, बेसर, रासभ ।

४६७. गदहा—खर, गदहा, गर्दभ, ग्राम्याश्व, चक्रीवान, चारट, चारपुख, चीरमेही, धूसर, धूसराह्वय, बालेय, भूरिगम, मारग, राशभ, रासभ, वालेय, वेशव, वैशाखनंदन, शंखकर्ण, शीतलावाहन ।

४६८ गदहे की बोली—रेंकना, हेंकोहेंको करना ।

४६९. गाय—अघन्या, अर्जुनी, इड़ा, उस्ता, कल्याणी, गऊ, गाय, गैया, गो, गोरु, गौ, डाँगर, धात्री, धेनु, पयस्विनी, पीवरी, बकर, भद्रा, माहेयी, रोहिणी, शृङ्गिणी, सुरभि, सुरभी ।

४७०. गाय का बोलना—बाँ बाँ करना, बाँ करना ।

४७१. सफेद गाय—अर्जुनी, कपिला, गौरी, धवरी, धवला, धवली, धौरी ।

४७२ काली गाय—कजरी, कजली, श्यामधेनु, श्यामा ।

४७३. कुमारी गाय—कलोर, कल्या ।

४७४. अधिक दिन की बिआई गाय या भैंस—बकेन, बकेना ।

४७५. गायों का समूह—गोकुल, गोधन ।

४७६. गाय की झलरी—गलकंबल, गलथन, झलरा, झालर, झालरी, लहर ।

४७७. थन—अयन, ऐन, थन, थान, पयोधर, बाण ।

४७८. गाय भैंस के थन के ऊपर का भाग—अयन, ऐन, पयोधर ।

४७९. गाय भैंस की मस्ती—उठना, उभड़ना ।

४८०. बछड़ा—(गाय) बच्छ, बच्छा, बछ, बछड़ा, बछड़ी, बछरा, बछरु, बछवा, बछिया, बछेरु, लेरुवा, वत्स, शकृत्करी ।

४८१. साँड़—अड़ुआ बैल, नदीगण, बलिवर्द, वृष, वृषभ, शंड, शिखा, संड, साँड़ ।

४८२. साँड़ का बोलना—डोकरना ।

४८३. बैल—अनड्वान, उक्ष, उक्षा, ऋषभ, कर्मकार, गाई, गो, गौ, डाँगर, धौरिया, पुंगव, बरध, बरधा, बलद, बलिवर्द, बसह, बैल, भद्र, रिखभ, वसह, वृष, वृषण, वृषभ, वृषेंद्र, शङ, शाद्वल, शिखी, संड, साँड़।

४८४. भैंस—भइस, भैंस, महिख, महिषी, सिप्रा।

४८५. भैंस का बोलना—रिंरियाना।

४८६. भैंसा—अश्वारि, आनूपा, कटरा, कटाह, कलुष, कासर, गवली, बली, मत्त, महिख, महिष, यमवाहन, रक्ताक्ष, राजस्वल, लुलाप, लुलाय, वंशभीरु, वाहद्विष, विषज्वर, सौरिभ।

४८७. बच्चा—(भैंस का), कँटड़ा, कटरा, कटाह, पड़वा, पड़िया।

४८८. भेड़—उरणा, गैंडो, लोमशा।

४८९. भेड़ का बोलना—मिमियाना, मिमियाना, में में करना।

४९०. भेड़ा—अज, अवि, उरण, उरभ्र, ऊर्णायु, एडक, बला, भेड़, भेंड़क, भेंड़ा, मेंढ़क, मेढ़, मेढ़ा, मेष, रोमश, लोमश, वृष्णि, हुड़।

४९१. बकरा—अज, अबुक, अल्पायु, अवि, कयसद, खसिया, खसी, खस्सी, छगड़ी, छगल, छगलक, छाग, छागल, तभ, पयस्वल, पर्णभोजी पशु, बर्कर, बोक, मेध्य, मेनाद, वस्त, शुभ, स्तभ।

४९२. बकरी—अजगा, अजा, गो, छेर, छेरी, पयस्विनी।

४९३. बकरी का बोलना—बिबियाना, बें बें करना।

४९४. शेर—इभारि, कंठीरव, करभोग, केशरी, केशी, केसरी, केहरी, क्रव्याद, दीप्तपिंगल, नखरायुध, नखी, नागाशन, नाहर, नाहरू, पचशिख, पंचानन, पंचास्य, पशुराज, पारींद्र, पुंडरीक, बनराज, बनराय, बब्बर, बहुबल, भीमविक्रम, महावीर, मानी, मृगनाथ, मृगराज, मृगाद, मृगारि, मृगाश, मृगाशन, मृगेंद्र, मृगेश, वनराज, विक्रांत, व्याघ्र, व्याल, शार्दूल, शेर, श्वेत पिंगल, सटाक, सदूर, सरजा, सादूर सारंग, सिंह, हरि, हरित, हर्यक्ष।

४९५. शेर का बोलना—गरजना, दहाड़ना, हुँकारना।

४९६. शेरनी—शेरनी, सिंहनी, सिंहिनी, सिंही।

४९७. बाघ—गुहाशय, चित्रक, तीक्ष्णदंष्ट्र, द्वीपी, नखायुध, नाहर, नाहरू, पंचनख, पुंडरीक, पृदाकु, भीरु, बाघ, वनश्य, व्याघ्र, व्याल, शार्दूल, श्वापद, सदूर, हिंसक।

४९८. व्याघ्र-नख—करज, नख, नखाग, नखी, बघनखा, व्याघ्र-नख, व्याघ्रायुध।

४९९. चीता—उपव्याघ्र, क्षुद्रशार्दूल, चित्रक, चित्रकाय, चित्रव्याघ्र, चित्रांग, चीता, तरक्ष, तरक्षु, तरक्षुक, तक्षु, धनंजय, नरवी, मृगांतक, मृगादन, शूर, शार्दूल, सर।

५००. भालू—अच्छ, अच्छ-भल्ल, ऋक्ष, भल्ल, भल्लूक, भालू, रीछ।

५०१. जिरैफ—जिराफ, ज़िरैफ़, जिराफ़, जुराफ़।

५०२. गैंडा—खंग, खंगहा, खड्ग, खड्गी, खडगो, गंडक, गंडा, गैंडा, तैलिप।

५०३. **बारहसिंघा**—कदसार, बारासिंहा, बारहसिंघा, बारहसिंहा ।

५०४. **नीलगाय**—गवव, नील गाव, रोझ, रोह, लीलगाय ।

५०५. **हिरन**—अजिनयोनि, ऋश्य, कुरंग, कुरंगम, गंधर्व, चंचु, चारुलोचन, प्लवंग, भीरुहृदय, मिरग, मृग, वातायु, सारंग, सुरभी, हरिण, हरिन, हिरण ।

५०६. **हिरनी**—मृगिनी, मृगी, हरणी, हरनी, हरिनी, हिरनी ।

५०७. **हरिण के भेद**—गंधर्व, गवय, राम, शरभ, शश, सृमर ।

५०८. **काला हिरन**—करसायर, करसायल ।

५०९. **मृग**—मिरगा, मृगा । दे० 'हिरन' ।

५१०. **मृग के भेद**—ऐण, ऋश्य, कृष्णसार, गोकर्ण, चमर, न्यंकु, पृषत, रंकु, रुरु, रोहित, रौहित, शवर ।

५११. **मृगचर्म**—अजिन, ऐण, कृति, मृगचर्म, मृगछाला ।

५१२. **मृगनाभि**—अंड, कस्तूरीनाभि ।

५१३. **सियार**—उल्कामुख, कटस्वादक, कुरव, खल, गीदड़, गीदर, गोमायु, गोमी, घोरवासन, जबुक, जंबूक, निष्ठुर, फेरंड, फेरव, फेरु, भीरु, भूरिमाय, मूत्रमत्त, मृगधूर्त, मृगधूर्तक, लिडार, वंचक, वनश्वा, शालावृक, शिवा, शिवालु, श्रग, श्वधूर्त, शृगाल, सिआर, सियार, सियाल, स्यार ।

५१४. **भेड़िया**—ईहामृग, कोक, गुरग, छागभोजी, जनाशन, भेड़िया, लकड़बग्घा, लानडगा, ल्यारी, वात्सादन, विरुक, वृक, हुँडार ।

५१५. **लोमड़ी**—कस्तूरा, दुगर, लुकटी, लोखरिया, लोखरी, लोबा, लोमरी, लोमश, लोवा ।

५१६. **कुत्ता**—अलि, अलिपक, कपिल, कालेपक, कुकुर, कुक्कुर, कुत्ता, कूकर, कौलेयक, ग्राम्यमृग, भल्लूक, भषण, भापक, मृगदंशक, मृगारि, ढ, रतकाल, रात्रिजागर, वक्रलांगूल, वृकारि, शयालु, शुनक, शुनि, शुनो, शूर, श्वन, श्वा, श्वान, सारमेय, सुआन, सूचक, सोन्हा ।

५१७. **कुतिया**—कुतिया, कुत्ती, शुनी, श्वनिका ।

५१८. **भौंकना**—चिल्लाना, भूँकना, भौं भौं करना ।

५१९. **खरगोश**—खरगोस, खरहा, गादड़, गदर, गीदड़, जबुक, निशाचर, निसिचर, निसिचारी, लीडार, लोमकर्ण, वृक, शश, शशक, शशा, शसा, श्याल, शृगाल, ससक, सियार, सियाल, स्याल, स्यालिया ।

५२०. **छलाँग मारना**—उछलना, कूदना, चौकड़ी भरना, तेज़ भगना ।

५२१. **बिलार**—आखुभुक, झिल्ली, गुरवा, जाहक, जिह्वाप, त्रिशंकु, दीप्तलोचन, दीप्ताक्ष, बिड़ाल, बिड़ार, बिलाई, बिलार, बिलारी, बिलाव, बिलैया, बिल्ला, बिल्ली, मायावी, मार्जार, मेनाद, विडाल, विडारक, विराल, बिल्लाक, वृषदंशक, शालावृक, सिगाहगोश, सूचक ।

५२२. **म्याऊँ म्याऊँ करना**—म्याऊँ करना ।

५२३. **सूअर**—आखु, किटि, किरि, कोल, क्रोड़, घोणी, पृष्टी, नम, दंतायुध, दंष्ट्री, पोत्रायुध, पोत्री, पृथुस्कंध, बराह, भूदार,

रोमेश, वराह, वन्यस्थ, बहुपत्य, शूकर, सूकर, सूर, स्तब्धरोमा ।

५२४. बंदर—कपि, कपित्थास्य, किखि, कीश, केलिप्रिय, गोलांगूल, चड, झपी, दम, दरभ, नगाटन, पारावत, पिंगल, प्रवग, प्रवगम, प्रवग, प्लव, प्लवग, प्लवग, बदर, बनरा, बलीमुख, बादर, बानर, मरकद, मर्क, मर्कट, लंगूर, वनौका, वानर, शाखामृग, शालावृक, हरि ।

५२५. बंदरी—बनरी, बानरी, प्रवगी, मर्कटी, शाखामृगी ।

५२६. गिलहरी—गिरि, गिलहिरी, गिलाई, प्लवगी, गिल्ली, चिकुर, चिखुर, चेखुर ।

५२७ गोह—गोधा, गोधिका, गोह, निहाका, विषखपरा, विसखपरा ।

५२८. चमगादड़—अंध, अजिन पत्रा, चमगादड़, चमगादर, चमगीदर, चम गुदरी, जतुका, जतूका, तैलपालिका, परोष्णी ।

५२९. नेवला—नकुल, नकुली, नेवला, न्योला, पिंगल, बभ्रु, लोहितानन, सर्परि, सूचीवदन ।

५३०. गिरगिट—किरकल, कृकलास, गिरौना, गिरगिट, गिरगिटान, गिरदान, शरठ, सरट ।

५३१ छिपकली—अंजन, अंजना, गृह-गोधिका, गृहगोधी, गृहगोलिका, गृहालिका, छिपकिली, ज्येष्ठा, टिकटिका, पल्ली, बिसुइया, बिसतुई, मसली, बिसतुइया ।

५३२ चूहा—आखनिक, आखु, आखुर, आखू, उंदर, उंदरू, उदुर, ऊदुर, कोपल, खनक, चूसा, चूहा, धान्यारि, नखा, पिग, बभ्रु, बहुप्रज, बिलकारी, मूष, मूषक, मूषीक, मूस, मूसा, वृश, वृष ।

५३३. छछुंदर—गंधमुखी, गंधमूषिका, चिकुर, छछुंदर, छछूंदर, दीर्घतुंडिका ।

५३४. साही—खारपुश्त, सरही, शलयकी, शल्य, श्वाविन, साही, सेई ।

५३५. साही के काँटे—शल, शलल, शलली, श्वाविध ।

५३६. कीड़ा—किरम, क्रिमि, कीट, कीड़ा कीड़ा मकोड़ा, कृमि, तिर्यक, त्रिजग मकोड़ा।

५३७. रेंगना—घुसकना, धीरे-धीरे चलना, बिलबिलाना, रिंगण करना, सरकना ।

५३८. मकड़ा—मकरा, मर्कट ।

५३९. मकड़ी—अनकूबूत, अष्टपदी, ऊर्ण-नाभ, तंतुवायकीट, मकरी, मकड़ा, मकरी, मकट, मर्कटक, मर्कटा, लुचरा, लूत, लूता, लूतिका, शनक ।

५४०. चींटा—चिउँटा, च्यूँटा, चाटा, चिमटा, चीखा, चीटा ।

५४१. माटा—(लाल चींटा), वेमटा, माटा ।

५४२. चींटी—कीड़ी, चिउटी, चोंगी, च्यूँटी, पिपील, पिपीलिका, पिपोली, रोमक, शतपद ।

५४३. रेशम का कीड़ा—कोशकार, पुंड-रीक ।

५४४ टिड्डी—पतंग, पत्राक, पत्रांग, फनगा, शलभ ।

५४५. दीमक—दीनक, देवका, वल्मीक, वल्मीक ।

५४६. बीरबहूटी—अग्निक, अभ्रज, इन्द्र-गोप, इन्द्रवधू, इन्द्रवधूटी, तितिभ, बीरबहूटी, वृद, भगवान की हाथी, मख-

मली कीड़ा, रक्तवर्ण, वर्षाभू, वीरवधूटी, वैराट ।

५४७. **झींगुर**—घुरघुरा, चिल्लिका, चीरी, चीलिका, जंजीरा, झिरुका, झिल्लरी, झिल्लिका, झिल्ली, झींगुर, झीरिका, भिल्लिका, भिल्लीक, भृङ्गारि ।

५४८. **ढोला**—किरौना, कीट, कीड़ा, ढोला, पिलई, पिल्लू, पिस्सू ।

५४९. **अँठया**—अँठवा, अष्टपदी, अष्टपाद, शरभ ।

५५०. **किलनी**—अँठई, किलनी, किल्ली ।

५५१. **घुन**—काष्ठकीट, काष्ठकृमि, काष्ठ-भेदक, काष्ठवेधक, घुण, पाया, पिटारी ।

५५२ **खटमल**—उड़िस, उड़ुस, उत्कुण, उद्दश, उष्मज, करनाई, किटिभ, कोड़ा, कोणकुण, खटकीट, खटकिड़वा, खटकीड़ा, खटकीरा, खटकिरवा, खटमल, खट्वमल, मचकाश्रय, मत्कुण, रक्तपायी ।

५५३. **चीलर**—चिल्लड़, चीलड़, चैलकीट, चैलारि ।

५५४. **केशकीट**—उत्कुण, कीड़ा, केशकीट, जिलई, जुँआ, जूँ, जूँआँ, जू, ढील, पाली, यूका, लिक्का, लिक्षा, लिक्षिका, लीक, लीख, षटपद, सेंपई, स्वेदज ।

५५५. **काटना**—डसना, बीन्हना ।

५५६. **तिलचटा**—चपड़ा, चिवड़ा, तिल-चट्टा, तेलचटा ।

५५७. **अग्निकीट**—अग्निकीड़ा, अग्निकीरो, समंदर ।

५५८. **सर्प**—अण्डज, अचक्षु, अग, अपद, अहि, आशीविष, उरग, कञ्चुकी, कद्रुज, कन्दर्प, कर्कटी, कालिंग, कीड़ा, कुंडली, गूढ़पद, चक्षुश्रवा, चिकुर, तक्षक, तामस, दरवीकर, दर्वी, द्विजिह्व, द्विरसन, नग, नाग, निशाचर, निशिचर, निशिचारी, पन्नग, पवनाशक, पवनाशी, फणधर, फणिक, फणी, फनिग, फनि, फनी, बिलेशय, विषधर, विषहा, भवंग, भुजग, भुजंगम, भुजग, भुजगा, भुजंग, भोगी, मणिधर, मणी, लांगली, विलेशय, विषधर, व्याल, सरीसृप, सर्प, साँप, सारंग, हरहार, हरि, हार ।

५५९. **सर्पराज**—वासुकी, वासुकेय ।

५६०. **साँपिन**—भामिन, नागिन, भुज-गिनी, भुजंगी, सर्पिणी ।

५६१. **साँप का बच्चा**—संपोला, पोआ, पोया, पोवा ।

५६२. **साँप का शरीर**—भोग ।

५६३. **साँप का विष**—क्ष्वेड, गर, गरल, ज़हर, विष ।

५६४. **फन**—दरवी, दर्वी, फट, फटा, फटी, फण, फन, स्फट, स्फुट ।

५६५. **दाँत**—(साँप का), अहिदंष्ट्र, आशी ।

५६६. **केंचुल**—कंचुक, केंचुल, केंचुली, निर्मोक ।

५६७. **अजगर**—अजगर, अजदहा, पत्थर चटा, वाहस, शयु ।

५६८ **गेहुँअन**—गेहुँआ, गेहुँवन, गोहु-अन ।

५६९. **करइत साँप**—अंजन, अर्बुद, करइत, करैत, गोनस, चित्रांग ।

५७०. **डोंड़हा साँप**—जलगर्द, अलिगर्द, आलगर्द, जलव्याल, डेड़ह, डेड़हा डोंड़हा, पंडुर ।

५७१. **दो मुँहा साँप**—डुंड, राजिल ।

५७२. **गोनस साँप**—गोनस, तिलित्स ।

५७३. **बिच्छू**—अरुण, अलि, आली, द्रोण, बिच्छा, बिच्छू, बिरधिक, बीछा, बीछू, वृश्चन, वृश्चिक ।

५७४. **गोजर**—कनखजूरा, कनशलाई, कनशलाका, कनसलाई, कनसरैया, कर्ण-जलौका, कर्णसूचिका, कांतर, कानखजूरा, गोंजर, गोजर, शतपदी ।

५७५. **बर्रे**—गधमक्खी, गधोली, ततैया, बर्रे, भिड़, भिर्र, वरट, वरटा ।

५७६. **हड्डा**—हड्ड, हडचिका, हाड़ा ।

५७७. **जलचर**—जलचरी, जलचारी, जलज, जलजात, जलजंतु ।

५७८. **ह्वेल**—तिमिंगिल, ह्वेल ।

५७९. **नाक**—कुंभीर, नक्र, नाका ।

५८०. **घड़ियाल**—कुंभीर कुंभी, कुंभीर, ग्राह, घरियार, नक्र, नक्रग्राह, पशुग्राह, मकर, मकरी, मगर, मगरमच्छ, मच्छ ।

५८१. **मगर**—अवहार, कोड, जलकिराट, जलकुंजर, मकर, मगर, मगरमच्छ ।

५८२. **सूँस**—शिशुमार, सुइस, सुरंश, सुसमार, सूंइस, सूंश, सूस, सुसमार, सूंसि, सेतुवा, सेवार

५८३. **सकुची**—शकुल, शकुल मत्स्य, शकुची ।

५८४. **मछली**—अगन, अंडज, अंडभव, कांट, गडक, गुरुक्षेत्र, जलचर, जलवर्गी, जलज, जलजीवन, झख, झष, तिमि, दिनाश्मक, पृथुरोमा, मत्स्य, मकर, मगरी, मछरी, मछली, मच्छी, मत्स्य, मांछ, माछ, माछर, माही, मीन, युग्म, विसार, वैसारिणा, शकुली, शष्कुली, सय, सौम्य ।

५८५. **रोहू**—राह, राहु, रोहिष ।

५८६. **चितला**—चित्तरी, चित्रल ।

५८७. **पढ़िना**—पढ़िन, पहिना, पाठीन ।

५८८. **गिरई**—गरई ।

५८९. **सिंघी**—शृंगी, सिंगी ।

५९०. **झींगा**—चिंगड़ी, चिंगरा, झोंका ।

५९१. **चेल्हवा**—चिल, चेल्हवा, चेल्हा ।

५९२. **केकड़ा**—कर्क, कर्कट, कर्कटक, कुलीर, केकड़ा, ककड़ा, गेगटा ।

५९३. **मेढक**—कोक, कनतूतुर, दर्दुर, दादुर, प्लव, बेंग, मेक, मड, मड्डक, मेग, मेघा, मेजा, मेढ़क, मेघा, वर्षाभू, शालू, शालुक, शालुर, शालूर, सारंग, हरि ।

५९४. **ऊदबिलाव**—उद, उदबिडाल, ऊद ।

५९५. **कछुवा**—कच्छ, कच्छू, कच्छप, कच्छुआ, कछुआ, कमठ, कूर्म, च, घरणीधर, सगपुश्त ।

५९६. **जोंक**—अस्त्र, एकेंद्रिय, जलसर्पिणी, जलसूची, जलाका, जलाटनी, जलाम्बिका, जलूका, जलोका, जलोरगी, जलौका, जोक, तीक्ष्ण, रक्तालुका, वमनी, बेधना, रक्तपा, वणाबेधना, वेधन ।

५९७. **केंचुआ**—अपद, एकेंद्रिय, किंचुलुक, क्षितिज, गडूपद, गडूपदी, गेंसा, चिकुर, शिली, शूककीट ।

५९८. **पक्षी**—अंडज, आकाशचारी, कपोत, कीश, कुलग, खग, खचर, खेचर, गगनचर, गरुत्मान्, चक्षुभृत, चटक, चिड़िया, चिरई, चिरैया, चिर्री, चिरैया, चाड़ो, चीरी, छुरड, तिर्यक, तिर्यगयोनि, द्विज, द्विजाति, नगोका, नभगामी, नभचर, नभचारी, नभश्चर, नभसंगम, नाड़ीजंघ, पखी, पक्षी, पखा, पखीरो, पखेरू, पच्छी, पतंग, पतग, पतत्री पत्ररथ, पत्री, पाँखी,

वाजि, विष्किरि, विहग, विहगंम, विहग, विहाया, व्योमचारी, शकुंत, शकुंति, शकुनि, स, सकुन, सकुनी, सारग, सुपर्ण ।

५६६. पंख—कुंदा, गरुत्, छद, डहन, डैना, पंख, पच्छ, पखना, पखौटा, पतत्र, पत्र, पर, पष, पाँख, बाजू ।

६०० उड़ना—पखों से चलना, फड़फड़ाना फरफराना, हवा में तैरना ।

६०१. चोंच—चंचु, चंचुका, चंचू, चाँच, चोंच, टोंट, टूँग, ठोर, तुंड, तुंडि, तुंडी, सृपाटिका ।

६०२. पक्षी का पंजा–चंगु, चंगुल, पंजा ।

६०३. अंडा—अंड, अंडा, कोष, चिंगन, चेंदुआ, डिम्ब, पेशी, पोटा, पोत, शवक ।

६०४. घोंसला—कुलाय, खतोंना, खोता, घोसला, नीड़ ।

६०५. बच्चा (चिड़िया का)—अर्भक, गेदा, डिंभ, पाक, पोआ, पोत, पोतक, पृथुक, शावक, शिशु ।

६०६. गरुड़—अमृताहरण, खगराज, खगेंद्र, खगेश्वर, गरुड, गरुत्मान्, तरस्वी, तार्क्ष्य, तार्क्ष्यनायक, नागांतक, पक्षिराज, पक्षिसिंह, पन्नगाशन, भुजगांतक, महावीर, वैनतेय, विष्णुरथ, शाल्मली, सुपर्ण, हरिवाहन ।

६०७. हंस—कलकंठ, कलहंस, धवलपक्ष, पुरुदंशक, मराल, मानसालय, मानसौक, राजहंस, सरःकाक, सारंग, सितच्छद, सितपक्ष, हंस, हंसक, हारण ।

६०८. हंस या बतख की जाति का एक पक्षी—कारंड, कारंडव ।

६०९. मोर—अर्जुन, अहिभक्षी, कलकंठ, कलापी, कुंडली, केकी, केरी, केहा, ताऊस, नागाशन, नीलकंठ, पुच्छार, बरहा, बरही, भुजंगभुज, भुजगभोगी, मयूर, मेघनाद, मेघनादानुशासक, मोरवा, वर्हिण, वर्हो, लीलकंठ, शतपत्र, शिखंडी, शिखाबल, शिखि, शिखी, शितिकंठ, शिवसुतवाहन, सारंग, सितापांग, हरि ।

६१०. मोरनी—कलापिनी, मोरिनी, मोरी ।

६११. मोरपुच्छ—कलाप, केकीशिखा, गुच्छ, गुच्छक, बर्हिचूड़ा, मोरपुच्छ, शिखंड, शिखा, शिखाबल, शिखालु, शिखिन, सुशिखा ।

६१२. मोरपुच्छ का चाँद—चंदवा, चंद्र, चंद्रक, चंद्रिका, मेचक ।

६१३. कोयल—अलि, कलकंठ, कलरव, कलापी, काकलीरव, कादंबरी, पाग्मंध, कृष्ण, कोइलर, कोकिल, कोकिला, गंधर्व, ताम्राक्ष, परपुष्ट, परभृत, पिक, प्रभृत, मत्त, मदनपाठक, मधुगायन, रक्तकंठ, वनप्रिय, वसंतदूत, वासंत, श्यामा, सारंग ।

६१४. कोयल का बोलना–कूँजना, कूकना, पंचम स्वर में गाना ।

६१५. पपीहा—कपिंजल, चातक, तोकक, नोकक, पपिहा, पपीहरा, पपैया, मेघजीवन, शारंग, शितिकंठ, सारंग, स्तोकक, स्रोतक, हरि ।

६१६. पपीहा का बोलना—पीकहाँ पी-कहाँ करना ।

६१७. तोता—आत्माराम, कीर, कुमार, चिमि, चिमिक, दाडिमप्रिय, प्रिय-दर्शन, मिट्ठू, मियामिट्ठू, मेधावी, रक्त-तुंड, वक्रतुंड, शुक, सूक, सुग्गा, सुआ,

सुक, सुगना, सुग्गा, सुवटा, सुवना, सुवा, सूआ, सूक।

६१८. **एक बड़ा तोता**—काकाकौआ, काकातूआ, तूआ।

६१९. **तोती**—सुकी, सुग्गी।

६२०. **हारिल**—हरील, हारल, हारिल-सुग्गा।

६२१. **चकोर**—कोरक, कौमुदीजीवन, चकोरक, चन्द्रिकापायी।

६२२. **चकवा**—कांत, कोक, कामी, कामुक, कोक, चकई, चकवा, चका, चक्र, चक्रवाक, चक्रवाक, द्वंद्वचारि, निशाचर, निशिचर, निशिचारी, भूरिप्रेमा, रथांग, रात्रि-विश्लेषगामी।

६२३. **गिद्ध**—गिद्ध, गिद्धराज, गीध, गृध, गृध्र, गृद्ध, जटायू, दाक्षाय्य, दूरदर्शन, वज्रतुंड।

६२४. **मैना**—कलहप्रिय, कादंबरी, गोकिराटिका, गोकिराटी, गोराटिका, गोराटी, गोरिका, चित्रलोचना, चड़वा, पीतपादा, पूती, मदन, मधुरालापा, मेधाविनी, मैना, शारिका, शाला, श्यालक, सारिक, सारिका, सारी, साला।

६२५. **बाज**—कपोतारि, करग, कुहा, क्रव्याद, क्रूर, खगांतक, ग्राहक, घातिपक्षी, तुरमती, नालपिच्छ, पक्षी, पतत्रीश, पत्री, पिच्छबाण, बाज, बेगी, भयंकर, रक्षपत्री, रक्षाप्रिय, लम्बकर्ण, शशघातक, शशाद, शशादन, सारंग, सिचान, स्थूलनील।

६२६. **क्रौंच**—करांकुल, कुरर, कुरंग, कूंच, क्रौंच, गगनभेद।

६२७. **भरदूल**—कपिंजल, कोरक, भरत, भरदूल, भरद्वाज, भरद्वाजक, भरई, भरही, लवा, लाव, व्याघ्राट।

६२८. **बुलबुल**—फारसीपिक, श्यामा।

६२९. **तीतर**—कपिंजल, कुक्कुम, जागल, तित्तरि, तातर, तीतल, तीतिर, तैत्तिर, याजुषोदर।

६३०. **बटेर**—बटर, बटेर, वर्तका, वर्तिक, वर्तिका।

६३१. **टिटहरी**—अष्टपदी, उत्क्रोश, कुरर, कुररी, कुरल, क्रौंच, खरशब्द, टाँटो, टिटिहरी, टिटिह, टिट्टिभ, टिट्टी, पंक्तिचर, रॉटा, शरभ, शलभ, सरह।

६३२. **टिटहरा**—टिटहरा, टिटिह, टिटहा, टिट्टिभ।

६३३. **कबूतर**—कपोत, कलकंठ, कलरव, कामी, गृहकपोत, गृहकुक्कुट, छेद्य, पंडुक, पाडर, पारापत, पारावत, परेवा, रक्तलोचन।

६३४. **कबूतरी**—कपोती, परेई।

६३५. **कबूतर की कुछ प्रसिद्ध जातियाँ**—आसावरी, कड़ा, गिरहबाज, गुलदार।

६३६. **रुरुआ**—करेट्ट, ककरेट्ट, कौंड़िला, रुई, रुवा।

६३७. **रुरुए का बोलना**—ररना।

६३८. **गोरैया**—कलविंग, कलाविकल, कामचारी, कामुक, कालकंठक, गृहनीड़, चटक, चित्रपृष्ठ।

६३९. **गौरा**—कपिंजल, कामी, कुलंग, चिड़ा।

६४०. **सारस**—अभीक, कामी, गोनद, नाकुर, पुष्कर, पुष्कराह्व, रसिक, लक्ष्मण,

लक्ष्मण, सरसीक, सरोत्सव, सरोद्भव, सारिस।

६४१. काला सारस—कर्कट।

६४२. मादा सारस—लक्ष्मण, लछमन, सारसी, सारिसी।

६४३. बत्तख—कलहंस, कादम्ब, कारंडव, प्लव, बत्तक, बत्तख।

६४४. मुर्गी—अरुणचूड़, अरुणशिखा, करंज, कुंभकार, कुक्कुट, कुलंग, कुलाल, तमचुर, तमचोर, ताम्रचूड़, निशाकर, बरही, शिखंडी, शिखी।

६४५. मुर्गा—अरुणशिखा, उषाकर, करंज, कालज्ञ, काहल, कुक्कुट, कुक्कुड़, कुलंग, कृकवाकु, चरणायुध, ताम्रचूड़, दक्ष, नखरायुध, नियोद्धा, मामनादा, रात्रिवेद, वृताक्ष।

६४६. मुर्गे का बोलना—कुकुकूड़ करना, बाँग देना।

६४७. मुर्गी का बच्चा—चिंगना, चूजा।

६४८ बनमुर्गी—कुकर्गी, कुकुही, बनकुक्कुट।

६४९. चील—अकाशी, अकार्शा, आतापी, आतायी, चिल्ल, चील्ह, पिल्ल, शकुनि।

६५०. बगुला—खर, पाँडुर, बक, बकुला, बग, बगा, बगला, बगुला, बलाका, बलाल, बिसकंठिका।

६५१ बगुली—बकुली, बलाका।

६५२. उल्लू—अंध, अरुवा, उरुवा, उलूक, उल्लू, उल्लूक, काकभीरु, काकरुक, काकारि, कुलाल, कुशि, कौशिक, खूसट, घुग्घू, घूक, घारदर्शन, चुग्ग्द, तमचर, तामस, दिवांध, नक्तचर, निशाचर, निशाट, निशाचारी, निसिचर, पिंगल, पेचक, पेचा, यामिनीचर, लक्ष्मीवाहन, वक्रनसिक, शतमख, शतमन्यु।

६५३. उल्लू का बोलना—गूँ गूँ करना।

६५४. कौआ—आत्मघोष, अरिष्ट, अलि, एकनयन, एकनैन, एकाक्ष, कठलावक, करट, करटक, काक, काग, कागा, काया, कौवा, कौशिकार, कृष्ण, खर, गाढ़मैथुन, ग्रामीण, चंडाल पक्षी, चलाचल, चिरंजीवी, टेद, दीर्घायु, धूलिजंघ, ध्यांश, नगौक, नागवीरक, पिशुन, बलपुच्छक, बलिपुष्ट, बलिभुक, बायस, महा रमोल, मुखर, रतज्वर, वायस, वक, श्रावक, सकृत्प्रज, सूचक।

६५५. कौवे का बोलना—काँव काँव करना।

६५६. डोमकौवा—काकोल, कालकटक, डामकउआ, डोमकौआ, द्रोण, द्रोणकाक।

६५७. नीलकंठ—कलकंठ, किकीदिव, किकीदिवी, चाष, चास, लीलकंठ।

६५८. सोहन सेन चिड़िया—ओंकार, सोहन।

६५९. कठफोड़िया—कठफोड़िया, कठफोरा, कठफोरिया, दार्वाघाट, शतपत्रक।

६६० पंडुक—कपोती, कुमरी, पंडुक, परेवा, पाडु, पारावत, पिंडुक, पेंडकी, फाख्ता, फाख्ता।

६६१. पंडुकी—पेंडुकी, परेई, पेंडकी।

६६२. चाहा—चाखा, चाष, नीलकंठ।

६६३. खड़रिच—कणाटारक, कणाटीन, कणाटीर, कलकंठ, काकच्छद, काकछदि, खंज, खंजखेट, खंजखेल, खंजन, खंजराट, खंडरिच, खड़रिच, गूदनाक, चर, तखक, तातन, नीलकंठ, भद्रनामा, मुनिपुत्रक, रत्ननिधि, सारंग।

६६४. **आड़ी**—आटी, आठी, आड़ी, शराटी, शराडी, शराती, शराली।

६६५. **भुजगा**—कलिंग, धूम्याट, नौवा, भुजगा, भृग।

६६६. **महोख**—मधूक, महोक, महोका।

६६७. **कुछ प्रसिद्ध पक्षी**—अगिन, अनलपक्ष, अबलखा, अबाबील, कठफोड़वा, कलिंग, किलहटो, कुमरी, कुरु, कौड़िया, खड़रिच, खैर, गलागल, गुड़रू, ग्वालिन, चंडूल, चमाइन, चरख, चान, चितरोख, चील, चील्ह, चोंचा, टांना, धनेस, धूती, धोबिन, धौरो, पंडुक, पवई, फुलचूही, बरई, बटेर, बया, बुलबुल, बेसरा, भरदूल, भुचेंग, मछरंगा, मलूक, लवा, लाल, लावक, शार्दूल, श्यामा, सुखा, सोहन, हुदहुद।

६६८. **फतिंगा**—कीटपतंग, पतग, पतत, फतिंग, भुनगा।

६६९. **टिड्डा**—अँखफुट्टा, आँखफुट्टा, टिड्डा पतंग, फतिंगा, शलभ।

६७०. **शलभ**—दीपपतंग, पक्षी, पतंग, पतंगा, पतिंगा, परवाना, पाँखी, पातंगा, फोका, फनगा, फनिंग, फरफुंदा, शलभ, सरह।

६७१. **जुगनू**—उपसूर्यक, खद्योति, खद्योत, जुगनू, जुगनू, ज्योतिरिंग, ज्योतिरिंगण, तमोमणि, दृष्टिबंधु, निमेषक, पटबिजना, प्रभाकीट, भगजोगनी, सोनकिरवा।

६७२. **मक्खी**—अमृतोत्पन्ना, नीला, पतगिका पांशुका, पलंकषा, भंभ, मक्खी, मखो, मक्षिका, मगस, मच्छी, माँखी, माचिका, माछी, वमनीया, वर्बणा।

६७३. **तितली**—तितिली, तितुरी।

६७४. **भिनकना**—भिनभिन करना, भिन, भिनाना।

६७५. **मधुमक्खी**—भौंर, मछोह, मधुमक्खी मधुमक्षिका, शहद की माखी सरघा।

६७६. **मच्छड़**—अगाग, उष्मज दंश, डाँस, दंश, मच्छड़, मच्छर, मश, मशक, मसक, मसा, माछर, वज्रतुंड, वनमक्षिका, सूक्ष्ममक्षिका, सूच्यास्य।

६७७. **भौंरा**—अलिंद, अलि, अली, इंदिंदिर, कालालाप, खटपद, खटपदी, गंधमादन, चंचरी, चंचरीक, द्विज, द्विरेफ, पुष्पकीट, पुष्पलिट्, भँवर, भमर, भ्रमर, भ्रमरी, भौंर, भौर, भृंग, भृंगराज मदन, मधुकर, मधुकृत, मधुप, मधुपर, मधुमारक, मधुराज, मधुलिट, मधुलोलुप, मधुवामन, मधुव्रत, मधुसूदन, मलिंद, रेणुवास, लंब, शिलीमुख, षट्पद, षट्पदी, सारंग, मिलिंद सुकाडी।

घ

१ **वनस्पति**—पेड़ पौधे, प्रकृति, वनासपती।

२. **पेड़**—अग, अगछ, अगम, अनोकह, आगम, एकपद, उद्भिज्ज, उद्भिद, कुज, कुट, छिन्नरुह, गाछ, जड़, तरु, दरखत, दरख्त, दला, द्रु द्रुम, नग, पर्णी, पलाशी, पादप, पेड़, फली, फेड़, बिरछ, बिरवा, बिरिख, बिरिछ, भोगी, भूट, मह ज, महीरुह, विटप, विटपी, वृक्ष, वृक्ष्क, रुख, रुखड़ा, शाखी, शाल, शृंगी सुखआल, स्थिर।

३. **बंझा**—अफल, अवकेशी, फलहीन, बंझर, बाँझ, वंझा वन्ध्या।

४. थाला—आलवाल, थहला, दलहा ।

५. पौधा—क्षुप, पेड़, पौधा, लघुवृक्ष, शिफ ।

६. लतावौर—उल्प, गुल्मिनी, प्रतान, वल्लरी, बल्ली, लता, लतावौर, वीरुध, व्रतति ।

७. लता—बेंवर, बल्लरी, बल्ली, बेल, बौर, लतर, लता, लतिका, वृतती, व्रतति ।

८. पार्क—लेवन, नज़रबाग़, पाईबाग़, पारक, फूलबाग ।

९. उद्यान—आक्रीड़ा, आराम, उदायन, उद्यायन, उपवन, कृतारण्य, कृत्रिमवन, गुलशन, गुलाबबाड़ी, गुलिस्ताँ, चमन, चारबाग़, चित्रविपिन, निष्कुट, पुष्पवाटिका, पुष्पोद्यान, फुलवाई, फुलवारी, बगिया, बगीचा, बगीची, बटो, बनो, बाग़, बारी, बागीचा, वाटिका, ।

१०. बनभूमि—बनभू, बनस्थली, वन भूमि, वनस्थली ।

११. जंगल—अटवी, अरण्य, अरन, आरन, कद्यक, कच्छ, कातर, कातार, कांटका, कानन, कुंदिलवाद्र्, कुपथ, गहन, गह्वर, घन, जंगल, झाड़खड, दुर्गम, दव, दाव, दुर्गमपथ, बन, रन, वन, वनी, विपिन, सान ।

१२. महाबन—अरण्यानी, महाटवी, महारण्य, महावन ।

१३. मूल—अंघ्रि, जटा, जड़, जर, पाल, मूर, मूल, शिफा, सोर, सोड़ ।

१४. तना डठल, तना, धड़, पिंड, पेड़ी, स्थाणु ।

१५. कोटर—कोडर, कोड़र, खोंड़रा, खोंढ़रा, निष्कुट, निष्कुह ।

१६. शाखा—काड, डठल, डंठी, डंडी, डाँटी, डाल, डाली, शाखा, साखा, स्कंध, दे० 'टहनी' ।

१७ टहनी--उपशाखा, टहना, टहनी, डाली, प्रशाखा, वृंत ।

१८. काठ—काठ, कांष्ट, काष्ठ, दारु, दारु, लकड़ी, शंकु, स्थाणु ।

१९. बरोह—जटा, बरोह, शिफा ।

२०. बल्कल—ओलक, छल्ली, छाल, छिलका, चोच, चोलक, त्वक, त्वचा, बकला, बोकला, वल्क, वल्कल, वाकल, शल्क ।

२१. पत्ता—किसलय, छद, छदन, दल, पतत्र, पत्ता, पत्ती, पत्र, पर्ण, पलाश, पल्लव, पात, पाता, पाति, पाती, पात्र, पान, विटपाभरण, विमल ।

२२. नई निकली हुई पत्ती—कनखा, कल्ला, किशलय, कोंपल, गाभ, गाभा, पल्लव, पीका ।

२३. पल्लव--किशलय, किसल, किसलय, नवपत्र, पल्लव, प्रवाल, बल ।

२४. अंकुर—अकुर, अँकुआ, अँखुआ, अँगुसा, आँख, कनखा, कल्ला, कली, केड़ा, कोंपल, गाभ, जई, डाभ, नओद्भिद, प्ररोह, प्रवाह ।

२५. काटा—कंटक, काट, काटा, खार, शूल ।

२६. कोंपल—अकुर, कनखा, किशलय, किसलय, कोंपल, गोफा, पलहा, पीका ।

२७. कली—अस्फुटित पुष्प, कलिका, कुड्मल, कोरक, बालक, मुकुल, मुकुलित ।

२८. मंजरी—पुष्पिल, वाल, बाली, बौर, बौर, मजरी ।

२९. फूल—दे० 'फूल'।

३०. गुच्छा—गुच्छ, गुच्छक, गुलुच्छ, स्तवक।

३१. छीमी— छीमी, फली, बौंड़ी, शिवी।

३२. बीज—दाना, बिय, बिया, बीज, बीजा, बीया, वीर्य्य।

३३. गोंद— खपुर, गोंद, गोन, निर्यास, मज्जा, लश, लासा, सार।

३४. कटीला गोंद—अंगिरस, कटोला-गोंद, कतीरा।

३५. आम—अतिसौरभ, अमृत, अमृत-फल, अम्र, अलिप्रिय, आम, आम्र, कामवल्लभ, कामशर, कामाग, कोरेष्ट, केशवायुध, कोषी, गणबंधु, चूत, चूतक नूत, पिकप्रिय, पिकबंधु, पिकवल्लभ, प्रियाम्बु, फलश्रेष्ठ, भृंगाभीष्ट, मदाख्य, मदिरासख, मन्मथावास, माकंद, मृपालक, मोदाख्य, रसाल, वसन्तद्रु, शरेष्ट, शुकप्रिय, सहकार, सुगंधि, सुमदन, सौरभ।

३६ आम (कलमी)—आम, आम्रात, कामाङ्ग, कामेष्ट, कोकिलानंद, कोकिलोत्सव, टंक, नृपवल्लभ, मधुर, राजपुत्रक, राज-फल, राजाम्र, स्मराम्र।

३७. कंक (एक अच्छा आम)—कंक, सफेदा।

३८. टिकोरा (आम)—अम्बिया, आमी, केरी, कैरी।

३९. अमरूद—अमरूत, अमरूद, अमृत, अमृतफल, आम-बिही, तुवर, पीतफल, पृथक्त्वच, पेरुक, पेरुफल, प्यारा, बिही, मधुराम्लक, मांसल, मृदुफल, लताम, बीहू, सफरी, सफरी लाल, सफरी सफेद।

४०. जामुन (छोटी)—जंबुल, जंबुफल, जंबू, जामुन, नीलफला, महास्कंधा, मेघ-मेदिनी, राजफला, राजार्हा, शुकप्रिया, श्यामला।

४१. जामुन (बड़ी)—कोकिलेष्टा, जंबुल, जंबू, जामुन, नंद, फरेंदा, फलेंद्र, महाजंबू, महानीला, महापत्रा, महाफला, महास्कंधा, मेघमेदिनी, बृहत्फला, शुकप्रिया, सुरभि-प्रिया, स्वर्णमाता।

४२. बैर—अजानिया, उभयकंटक, कटकी, कर्कंधु, कर्कंधू, कुकोला, कुवली, कुवल, कुह, कोकिल, कोल, कोलि, गूढ़फल, गृध्रनखी, गोपघंटा, घोंटा, दृढ़बीज, पिच्छला, फलशैशिर, फेनिल, बदर, बदर, बदिर, बालेष्ट, बेर, बैर, वक्रकंटक, शृगाल-केलि, सुफल, सुरस, सौर, सौवीर, सौवीरक स्वच्छ।

४३. महुवा - गुडपुष्प, डोलाफल, तीक्ष्ण सार, मधु, मधुक, मधुवर मधुवृक्ष, मधु-ष्ठील, मधुस्रव, मधूक, मध्वल, महाद्रुम, महुआ, माधव, रोध्रपुष्प, वानप्रस्थ।

४४. आँवला—अकरा, अमृतफल, अमृत-फला, अमृता, आँवला, आमलक, आम-लका, आमला, औरा, कर्षफला, कायस्था, जातीफल, तिष्यफला, तिष्या, धात्रिका, धात्री, धात्रीफल, पचरसा, बहुफला, रोचनी, वयस्था, वृत्तफला, शाता, शिव, शिवा, श्रीफल, श्रीफली, सुधाफल।

४५. आमड़ा— अंबरातक, अंबरीष, अध्व-गभोग्य, अमरा, अम्रवाटिका, आमड़ा, आमला, आम्रात, आम्रातक, कपिचूड़, कपिचूत, तनुक्षीर, तनुक्षीरी, तुंभी, पीतन,

पोतनक, भृंगीफल, मर्कटाम्र, रसाढ्य, वर्षपाकी।

४६. **इमली**—अत्यम्ला, अम्ल, अम्लिका, आम्री, आम्लिका, इमिली, गुरुपत्रा, चरित्रा, चारित्रा, चिंचका, चिंचा, चुक्रा, तिंतिका, तिंतिडा, तिंतिडिका, तितिडी, तितिडीक, तितीली, दंतशठा, पक्तिपत्रा, पिच्छिला, भुक्ता, वृक्षाम्ल, शाकचुक्रिका, सुचुक्रिका, सुतिंतिडी।

४७. **कमरख**—कमरख, कर्मरग, कर्मर, कर्मरक, कर्मार, कर्मारिक, कारुक, धाराफल, पीतफल, मुगद्र, रुजाकर, वृहच्छल।

४८. **करौंदा**—अविम्र, अविम्र, कटकी, करमर्द, करमर्दक, करमर्दी, करामर्द, कराम्बुक, कराम्ल, कराम्लक, कृष्णपाक, कृष्णपाक फल, कृष्णफल, क्षीरफल, क्षीरी, गन्छी, जातिपुष्प, डिंडिम, पाककृष्ण, पाकफल, पाणिमर्द, फलकृष्ण, बहुदल, बोल, वनालक, वनालय, वश, सुपुष्प, सुषेण।

४६. **कटहल**—अतिवृहत्फल, अपुष्प, अपुष्पफलद, आशय, कंटकीफल, कंटफल, कंटाकाल, कटाफल, कटहर, कटहल, कटैल, चंपकालु, चंपाकोष, चपालु, पनस, पलस, पानस, पूतफल, फणस, फलद, फलवृक्षक, फलिन, महासर्ज, मुरजफल, मूलफलद, मृदंगफल, स्थूल।

५०. **बड़हल**—अम्लक, एरावत, कषर्या, कार्श्य, क्षुद्रपनस, ग्रथिमत्फल, डहु, दृढ़वल्कल, निकुच, बड़हर, बड़हल, लकच, लकुच, शाल, शूर, स्थूलस्कध।

५१. **गूलर**—अजाजी, अपुष्पफल, असुमा, उडुंबर, उदुंबर, कालस्कंध, कुष्टघ्नी, कृमिकंट, कृमिकटक, क्षीरवृक्ष, क्षीरी, खस्पत्रिका, गूलर, जंतुफल, पाणिमुख, पुष्पशून्य, पुष्पहीना, फल्गुनी, फल्गुवाटिका ब्रह्मवृक्ष, मलयु, यज्ञफल, यज्ञयोग, यज्ञसार, यज्ञाग, यज्ञीय, यज्ञोदुम्बर, राजिका, शीतफल, शीतवल्क, शीतवल्कल, श्वेतवल्कल, सदाफल, सुचक्षु, सुप्रतिष्ठित, सौम्य, हेमदुग्ध, हेमदुग्धक, हेमदुग्धी।

५२ **बेल**—अतिमगल्या, अधरारुह, कटकाढ्य, कपीतन, कर्कटाह्व, गधपत्र, गधफल, गोहरीतकी, त्रीपत्र, त्रिशाखपत्र, त्रिशिख, दुरारुह, नीलमल्लिका, पत्रश्रेष्ठ, पीतफल, पूतिवास, बिल्व, बेल, मगल्य, महाकपित्थ, महाफल, मालूर, लक्ष्मीफल, शलाटु, शल्य, शांडिल्य, शिवद्रुम, शिवफल, शिवेष्ट, शैलपत्र, शैलफल, शैलूष, श्रीफल, सत्यफल, सदाफल, समीरसार, सितानन, सिरफल, सुनीतिक, सोमहरीतकी, हृद्यगंध।

५३. **खिरनी**—कपीष्ट, क्षीरवृक्ष, क्षीरशुक्ला, क्षीरिका, क्षीरी, खिन्नी, खिरणी, खिरनी, खीर गुच्छफल, दृढ़स्कध, निम्बबीज, नृपद्रुम, फलाध्यक्ष, भूपेष्ट मधुफल, माधवोद्भव, राजन्या, राजफल, राजादन, श्रीफल।

५४. **कैथ**—अक्षसरथ, काठत, कात्थ, कपित्थ, कपित्थ, कपिप्रिय, कपिष्ठ, कपिष्ठ, करभफलक, करभवल्लभ, करवल्लभ, कवित्थ, काठिन्यफल, कुचफल, कैत, कैथ, कैथा, कैपित्थ, गधफल, ग्राधफल, ग्राही-फल, ग्राहिफल, चिरपाकी, दतफल, दंतशठ, दधित्थ, दधिफल, देवपावक, नील-

मल्लिका, पुष्पफल, मंगल्य, मन्मथ, मालूर, मल्लिका ।

५५. लिसोढ़ा (छोटा)—निसोरा, भूकर्बुदार, भूशेलु, मधुभूतद्रुम, लघुपिच्छिल, लघुशेलु, लघुशीत, लघुश्लेष्मातक, लमेरा, लिसोढ़ा, लिसोढ़ा, लिसोरा, सूक्ष्मफल ।

५६. लिसोढ़ा (बड़ा)—उद्दाल, उद्दालक, कर्बुदार, कर्बुदारक, गंधपुष्प, द्विजकुत्सित, पिच्छिल, बहुवार, बहुवारक, भूतद्रुम, भूतवृक्ष, भूशेलु, लिसोढ़ा, लेखशाटक, शाकट, शापित, शीत, शीतफल, शेलु, शैलु श्लेष्मात, श्लेष्मातक सेलु ।

५७. पपीता—महाएरंड, महापंचागुल, स्थूलएरंड ।

५८. शरीफा—अग्रिमाख्य, कृष्णबीज, गंडगात्र, बहुबीजक, वैदेहीवल्लभ, श्रीफल, सदाफल, सरीफा, सीताफल ।

५९. खजूर—कषायी, खरस्कंधा, खर्जू, खर्जूरिका, दुष्प्रधर्षा, निःश्रेणी, पिंडखर्जूरिका, पिंडखर्जूरी, फलपुष्पा, फलमुद्गरिका, मधुस्रवा, राजजंबू, सपिंडा, स्वादुपिंड, हयभक्षा, हरिप्रिया ।

६०. नारियल—उच्चतरु, करकांभा, कूर्चशीर्षक, कूर्चशेखर, कौशिकफल, खोपरा, जटाफल, तुंग, तृणराज, तोयगर्भ, दृढफल, नाड़िकेर, नारीकेल, नारकेर, नारिकेर, नारिकेल, नीलतरु, पयोधर, फलकेशर फलमुंड, मंगल्य, महाफल, मुंडफल, मूलकूप, रसफल, लाँगली वरफल, विश्वमित्रप्रिय, शिराफल, श्रीफल, सदाफल, सुतुंग, सुभग, स्कंधतरु, स्कंधफल ।

६१. लीची—नउँकी, न्योची, लिच्ची ।

६२. आलूचा—आलूचा, गर्दालू, बदाम, मोटिया, मोटिया बादाम ।

६३. फालसा—अल्पास्थि, गिरिपीलु, धन्वनच्छद, नागदलोपम, नीलचर्म, नीलमंडल, परापर, परवत, परुषक, परुषा, फलसा, मृदुफल ।

६४. शहतूत—क्रमुक, तूत, तूद, तूल, नीलरंगक, नीलवृंतक, नूद, पलाशिका, पूग, पूष, ब्रह्मण्य, ब्रह्मकाष्ठ, ब्रह्मदारु, मदसार, मृदुसार, यूप, विप्रकाष्ठ, शहतूत, सुपुष्प, सरूप ।

६५. बरगद—अवरोही, कर्मज, क्षीरी, जटाल, जटिल, जटी, ध्रुव, नंदी, नील, न्यग्रोध, पटोर, पादरोहण, बट, बड़, बर बरगत, बरगद, बहुपाद, भांडारी, भांडीर, भृंगी, मंडली, महच्छाय, महाच्छाय यक्षतरु, यक्षावास, यमप्रिय, रक्तफला, रोहिण, वट, वनस्पति, वरगद, विटपी, वृक्षनाथ, वृहत्पाद, वैश्रवणोदय, शिफारुह, शृंगी, स्कंधरुह ।

६६. पीपल—अच्युतावास, अश्वत्थ, कपीतन, कुंजराशन, केशवालय, क्षीरद्रुम, गजभक्षण, गजाशन, गुह्यपुष्प, चलदल, चलपत्र, चैत्यद्रु, चैत्यवृक्ष, नागाल, देवात्मा धनुवृक्ष, धनुर्वृक्ष, नागबधु, पवित्रक, ब्रह्म, पिप्पल, पीपर, बोधिद्रुम, मंगल्या महाद्रुम, मांगल्य, याज्ञिक, वासुदेव, वासुदेव, विप्र, शुचिद्रुम, शुभद, श्यामल, श्रीमान्, सत्य, सेव्य ।

६७. पाकड़—अश्वत्थी, कंदराल, कपीतन, कमंडलुतरु, कर्परी, क्षीरा, गर्दभांड, चारुदर्शिनी, जटा, दृढप्ररोह, पर्कटी, पर्कटी, पर्कटी, पाकड़, पाकड़ी, पाकर, पाखर,

पिपरी, पिलखन, प्लक्षा, प्लवंग, प्लवक, प्लोक्षा, महाबला, वटा, वरोहशाखी, श्रृंगी, सुपार्श्व ।

६८. **अशोक**—अंगनाप्रिय, अपशोक, अशोक, अशोग, असोक, कंकेलि, कर्णपूर, कर्णपूरक, काँताचरणदोहद, केलिक, चक्रगुच्छ, चित्र, ताम्रपल्लव, द्रुम, दोषहारी, दोहली, दोहलीक, नट, पल्लद्रु, पल्लवद्रुम, पिंडपुष्पक, पिंडी, पुष्प, बजुल, बजुलद्रुम, मधुपुष्प, रक्तपल्लव, रागपल्लव, राम, रामा, रोगितरु, वामाघ्रिघातन, विचित्र, विशोक, वेलिक, शोकनाशक, शोकहर्त्ता, सुभग, स्मराधिवास, हेमपुष्प, हेमपुष्पक ।

६९. **ताड़**—आसवद्रु, गुच्छपत्र, चिरायु, तरकुल, तरुराज, ताड़, तालद्रुम, तृणराज, दीर्घपत्र, दीर्घपादप, दीर्घस्कंध, ध्वजद्रुम, पत्री, मदाढ्य, मधुरस, महोन्नत, लेख्यपत्र ।

७०. **नीम**—अरिष्ट, काटक, कीरेष्ट, कैटर्य, छर्दन, निंब, निंबन, नियमन, निर्यास, नीम, नीम्ब, नीम्बन, नीब, नेता, पक्वकृत, पारिभद्रक, पिचुमर्द, पीतसार, पीतसारक, पूकमालक, मालक, रविप्रिय, राजभद्रक, वरत्वच, विवध, विशार्णपर्ण, शीत, शीर्षपर्णी, शुकप्रिय, सर्वतोभद्र, सुभद्र ।

७१. **धव**—कषाय, गौर, घट, दृढ़तरु, धव, धवल, धारा, धुरधर, ध, धौ, नन्दितरु, पांडुतरु, पांडुर, पिशाचवृक्ष, पीतफल, मधुरत्वक्, शकटाख्य, शुष्कवृक्ष, शुष्कांग, स्थिर ।

७२. **पलास**—करक, काकरिया, काष्ठद्रु, किंशुक, कृमिघ्न, केसू, क्षारश्रेष्ठ, टेसू, ढाक, त्रिपत्रक, धारा, पर्ण, पलाश, पलाशक, पूतद्रु, बातपोथ, ब्रह्मस्नेह, ब्रह्मवृक्ष, ब्रह्मोपनेता, याज्ञिक, रक्तपुष्पक, वक्रपुष्पक, समद्विर, सुपर्णी ।

७३. **बबूल**—कटकी, कटालु, कफांतक, कषायक, किंकिरात, कीकर, गोश्रृंग, तीक्ष्णकंटक, दृढ़ारूह, पीतक, पीतपुष्प, बबूर, बबूल, बब्बुर, बब्बूल, मालाफल, युग्मकंट, सूक्ष्मपत्र, स्वर्णपुष्प ।

७४. **करील**—उष्णसुंदर, कटुफल, करिर, करीर, कृशशाख, ककच, ककर, गूढ़पत्र, ग्रथिल, तीक्ष्णकंटक, तीक्ष्णसार, निष्पत्र, निष्पत्रिका, मरुभूरुह, मृदुफल, विदाहिक, विष्वक्पत्र, शतकुंत, शाकपुष्प, सुफल ।

७५. **शाल**—अग्निवल्लभ, अजकर्णक, अश्वकर्ण, अश्वकर्णक, अश्वकर्णिका, उपमेत, कल, कषारी, कुशिक, चीरगर्भ, जरणद्रुम, जलदाशन, जलदासन, तार्क्ष्यप्रसव, दिव्यसार, दीर्घपर्ण, दीर्घशाख, धन्य, वल्लीवृक्ष, वस्तकर्ण, यक्षधूप, रालकार्य, ललन, वंश, शकुनरु, शकुवृक्ष, शस्यशम्बर, शूर, सखुआ, सर्ज, सर्जकाय, सर्जरस, सम्यसम्बर, सालू, साल, सिद्धक, सुरेष्टक ।

७६. **शीशम**—अगुरु, अगुरुशिंशिपा, कपिला, कपिलाक्षी, कालानु, कृष्णसरा, तीव्रधूमका, धारा, धूम्रकावीरा, पिच्छला, पिपला, पीता, भस्मगर्भा, युगपत्रिका, युग्मपत्रिका, शिशम, शीशम, श्यामा ।

७७. **सिरस**—उद्दानक, कपीतन, कर्णपूर, कलिंग, प्लवग, भंडिक, मंडिर, मंडिल, भंडी, भंडील, मधुपुष्प, मृदुपुष्प, लोमशपुष्पक, वहुपुष्प, विषनाशी, वृत्तपुष्प, शंखिनीफल, शिरीष, शीतपुष्प, शुकतरु,

शुक्रपुष्प, शुक्रप्रिया, श्यामल, श्यामवर्ण, सिरस, सिरीस, स्वर्णपुष्पक ।

७८. शमी—ईशानी, इष्टा, कचरिपुफला, केशमथनी, केशहंत्री, छोंकर, छोंकर, तपनतपना, तुंगा, दुरितदमनी, पवित्रा, पापशमनी, भद्रा, मंगल्या, मेध्या, लक्ष्मी, वह्निगर्भा, शकरा, शङ्कुफालिका, शक्तुफली, शम, शाता, शिवा, शुभकरी, शुभदा, श्यामसुंदर, सक्तुफली, सफेदकीकर, समी, समीर, समुद्रा, सुखदा, सुपत्रा, सुरभि, हविर्गंधा ।

७९. तमाल—अमृतद्रुम, कालस्कंध, तम, तमा, तमाल, तापिंज, तापित्थ, नीलध्वज, नीलताल; महाबला, लोकस्कंध, श्यामतमाल ।

८०. बाँस—कटकी, कटालु, कमठ, कर्मार, किलाटी, किष्कुपर्वा, कीचक, कुटिलरभ्र, तृणकेतुक, तृणध्वज, तेजन, त्वक्सार, त्वचिसार, दुरारुह, दृढ़काड, दृढ़पत्र, धनुर्द्रुम, धानुष्य, पर्वयोनि, पुष्पघाती, बश, बंस, बाँस, मस्कर, महाबल, मृत्युबीज, यवफल, वश, वाँस, वन्य, वाद्नीय, वृहत्तृण, वेणु, शतपर्वा, षट्पदालय ।

८१. खैर (पेड़)—कटकी, कर्कटी, खादिर, क्षयपत्री, खैर, गायत्री, जिह्मशल्य, दंतधावन, निककसारा, बहुशल्य, बालतनय, बालपत्र, बालपुत्र, याज्ञिक, रक्तसार ।

८२. भोजपत्र (पेड़)—चर्मी, छत्रपत्र, छदपत्र, पत्रपुष्पक, पत्रकी, बहुपट, बहुवल्कल, भूर्ज, भूर्जपत्र, भुज, मृदुत्वक, वल्कद्रुम, विद्यादल, विंदुपत्र, शिव, सुचर्मा, स्थिरच्छद ।

८३. गंभारी—काश्मरी, गमार, गभारी ।

८४. सागौन—अतिपत्र, अतिपत्रक, अनिल, अर्जुनोपम, अर्ण, ककचपत्र, खरपत्र, गंधसार, गृहद्रुम, द्वारदारु, ध्रुवसाधन, महापत्र, महीरुह, योगी, शाकतरु, श्रेष्ठकाष्ठ, सागवन, सागौन, स्थिरक, स्थिरसार, हलीमक ।

८५. रीठा—अरिष्ट, अरिष्टक, अर्थसाधन, कुंभवीजक, कृष्णवर्ण, गर्भपातन, गुच्छफल, पीतफल, प्रकीर्य, फेनिल, मांगल्य, रिष्टी, रीठा, सोमवल्कल ।

८६. अर्जुन—अर्जुन, ककुभ, किरीट, कोह, कौह, धनंजय, धन्वी, पांडव, पार्थ, फाल्गुन, वीर, वीरवृक्ष ।

८७. देवदारु—तारपीन, देवदार, देवदारु ।

८८ चीड़—चीड़, सनोबर ।

८९. सुदर्शन—चक्रांगी, चक्राह्वा, दध्यानी, मधुपर्णिका, वृषकर्णी, सुदर्शन, सोमवल्ली ।

९०. विजयसार—असन, असना, आसना, नीलक, पीतसार, पीतसाल, पीतसालक, प्रियक, बंधूकपुष्प, महासर्ज, बीजक, बीजवृक्ष, सौरि ।

९१. पपड़िया खैर (पेड़)—कदर, द्विजप्रिय, नेमिवृक्ष, पपड़िया खैर, ब्रह्मशल्य, महावृक्ष, श्यामसार, श्वेतसार, सफेद खैर, सोमवृक्ष, सोमसार ।

९२. बेत—अभ्रपुष्पक, कलन, गंधपुष्पक, तोयकाम, दीर्घपत्रक, नम्र, निचुल, नीरप्रिय, वंजुल, बेत, बेंसस, बेतसी लता, मंजरी, रथ ।

९३. बनझाउ—झाऊ, बनझाऊ, सरो ।

९४. छातवन—छतवन, सरायोरा, सप्तपर्णा, सप्तपर्णी ।

९५. **अँकोल**—अंकोट, अँकोल, अकोल, अंकोलक, अँकोला, ढेरा।

९६. **बजरबट्टू**—बजरबट्टू, बज्रबट्टा, बट्टू।

९७ **सेहुँड़**—कांडरोहक, काण्डशाख, कृष्णसार, गुड़, गुडा, गुड़ी, गुला, थूहर, दंडवृक्षक, नागद्रु, नेत्रारि, निस्त्रिंशपत्रिका, बहुदुग्धिका, बहुशाल, महावृक्ष, वज्र, वज्रकंटक, वज्रद्रु, वज्रा, शाखाकंठ, शीहुँडा, समंतदुग्धा, सुधा, स्नुषा, स्नुहा, स्नुही।

९८. **नागफन्नी**—नकफन्नी, नगफन्नी, नागफनी, नागफन्नी।

९९. **गूम**—कुंभा, खार, गुम्मा, गूम, गूमा, जगलो, जटाधारी, झाड़, द्रोणपुष्पी।

१००. **मदार**—अकवन, अकाव, अकौआ, अकौवा, अर्क, अर्यमा, अहर्यपि, अहर्मणि, अहर्बाधव, आक, आस्फोत, उष्णरश्मि, क्षीरकाण्डक, क्षीरदल, क्षीरपर्णी, खराग, क्षीरी, खर्जूघ्न, गणरूप, ग्रहपति, जम्भल, तूलफल, दिवाकर, पुच्छी, प्रताप, प्रभाकर, भास्कर, मदार, मंदार, वसुक, विकर्त्तन, विक्षीरण, विभाकर, विवस्वान, शीतपुष्पक, शुकफल, सदापुष्प, सूनु, सूर्य, सूर्याह्व, हरिदश्व, हिमराती।

१०१. **सरकंडा**—सरई, सरकडा, सरफोका, सिरकी।

१०२ **साखी**—साखी, साल।

१०३ **तून**—तुन, तून, शल।

१०४. **लोध**—(पेड़), लोध, लोध्र।

१०५. **सोनापाठ**—(बड़ा पेड़), सोनपाठा, सोनापाठा।

१०६. **श्रीवल्ली**—अम्ला, कटवल्ली, कटुफला, दुरारोह, शिवल्ली, श्रीवल्ली।

१०७. **मेवड़ी**—(पेड़), मेवाड़ी, मेवरी, श्वेतसिधुवार, सभालू।

१०८. **जैंत का पेड़**—जय, जयन्ती, जया।

१०९. **सलई**—अश्वपुत्री, करका, कुंभी, गधमूला, गजभक्षा, नागवधू, महारसा, महारुहा, महेरणा, महेरुणा, महेरुहा, मोचा, वसा, शल्लकी, सलई, सुरभी, सुरभीरसा, सुवहा, सुश्रीका, ह्लादिनी।

११०. **तगर**—कालानुसारि, कुंचित, कुटिल, जिह्म, तगर, तगरक, दीन, दीपन, नत, नहुषाख्य, पादिक, महोरग, लघुष, वक्र, विनम्र, शठ।

१११. **तुलसी**—अपेतराक्षसी अमृता, कठिंजर, कुठेरक, कृष्णवल्लभा, गंधहारिणी, ग्राम्या, गौरी, तीव्रा, तुलसी, त्रिदशमंजरी, पर्णास, पवित्रा, पावनी, पुण्या, प्रेतराक्षसी, भूतघ्नी, भूतपत्री, मजरी, माधवी, मालाश्रेष्ठा, लक्ष्मी, विष्णुकांता, विष्णुपत्नी, वृन्दा, वैष्णवी, श्यामा, श्री, सुगंधा, सुभगा, सुरदुन्दभी, सुरभि, सुरवल्लरी, सुरवल्ली, सुरेज्या, सुलभा, सुवहा, हरिप्रिया।

११२. **तुलसी (काली)**—करालक, काली तुलसी, कृष्णतुलसी, कृष्णपर्णी, कृष्णा, श्यामतुलसी।

११३. **दारुहल्दी**—कटकटेरी, कपीतक, कलियक, कामवती, कामिनी, काष्ठरजनी, दार्वीनिशा, दारुहरिद्रा, दारुहल्दी, दार्वी, निर्दिष्टा, पचम्पचा, पर्जनी, पर्जन्या, पीतचदन, पीतत्वक, पीतदारु, पीतद्रुम, पीता, पीतिका, मर्मरी, हरिद्रु, हेमकान्ति, हैमवती।

११४. **दूब**—अनंता, अनुवल्लिका, अमृता,

अमरी, अमृता, कच्छरुहा, कच्छातरुहा, काडा, गंडदूर्वा, गुण, गौरी, चित्रा, जया, तिक्तपर्वा, दुर्मरा, दूब, दूर्वा, धूर्ता, नंदा, प्रचंडा, मार्गवी, भूतहन्त्री, महावर, महौषधि, रुहा, वामिनी, विद्या, शकुलाक्षी, शतग्रंथिका, शतपर्विका, शतमूला, शतवल्ली, शष्प, शाता, शाभवी, शाद्वल, शिवा, शिवेष्ट, शीतला, शीता, शुभा, श्यामकाडा, सहस्रवीर्या, सुरवल्लभा, सूचिपत्रा, स्वच्छा, हरतालिका, हरिता, हरितालिका, हरिताली।

११५. अगिया—(एक घास), अगिया, अगियासन्, करेमू।

११६. कुशा—कुतुप, कुरव, कुश, कुशा, दर्भ, पवित्र, बर्हि, यज्ञभूषण, याज्ञिक, सूच्यग्र, ह्रस्वगर्भ।

११७ दुद्धी—(एक घास), कच्छुरा, छोरी, ग्राहिणी, ताम्रमूला, मरुद्भवा।

११८. नकछिकनी—उग्रगधा, उग्रा, छवक, छवकृत, घ्राणदुःखदा, छिक्कनी, छिक्किका, तादृशा, संवेदनापुट।

११९. नख—करज, कूटस्थ, खपुर, चक्रकारक, चक्रनख, चक्री, व्यसफल, द्वीपिनख, नख, नखाग, व्याघ्रायुध, व्यालबल, व्यालायुध।

१२०. नखी—कोलदल, खुर, नखरी, नखी, नागहनु, पण्यविलासिनी, पाणिज, बदरीपत्र, शख, शंखनख, शुक्ति, हट्टविलासिनी, हनु।

१२१. नर्कट—देवनाल, धमन, नट, नटी, नर्तक, नर्कट, नल, नलोत्तम, महानल, वन्य, विभीषणा, सुरद्रुम, सुरनाल, स्थूलनाल, स्थूलदंड।

१२२. नागकेशर—इभाख्य, कनकाह्वय, केशर, केसरी, चापेय, नागकिंजल्क, नागकेशर, नागकेसर, नागीय, नागेश्वर, पिंजर, पुन्नागकेशर, पुष्परेचन, फणिकेशर फलक, राजपुष्प, रुक्म।

१२३ नागरमोथा—अब्द, अर्णोद, उच्चटा, कधर, कच्छोत्था, कच्छरुहा, कच्छोला, कलापिन, कशेरु, कुरुबिल्व, क्रोडेष्टा, गागेय, गुदला, गुंद्रा, ग्रंथि, चक्राह्वा, चारुकेसरा, चूडाला, नागरमुस्ता, नागरमोथा, नागरोत्थ, नागरोत्था, नादेयी, पिंडमुस्ता, बल्या, भद्रकाशी, भद्रमुस्त, भद्रमुस्तक, मोथा, वारिद, वृषध्वाक्षी, शिशिरा, श्रीभद्रा, सुगंधिग्रंथिला, हिमा।

१२४. नील—अक्लीका, काला, काली, कुन्तला, कृष्णा, क्लीतकिका, गधपुष्पा, चारटिका, तुत्था, तूणी, दूली, दोला, नील, नीलिनी, नीली, भद्रा, भारवाही, मेघवर्णा, मोचा, रंगपत्री, रजनी, विजया, वृन्तिका, व्यंजनकेशी, शोधिनी, श्यामा, श्रीफली, स्थिररंगा, स्थिररागा।

१२५. सेमल—अपूर्णी, कटकद्रुम, कटकारी, कंटकाष्ठ, कदला, कुक्कुटी, कुक्कुटी, चिरजीवी, तुलनी, तूलवृक्ष, तूलिफला, दीर्घद्रुम, दीर्घायु, दुरारोह, निर्गंधपुष्पा, निस्सारा, पिच्छिल, पिच्छिलसार, पृच्छल, पृच्छला, पूरणी, बहुवीर्य, मोचनिर्यास, मोचभुवा, मोचसार, मोचस्राव, मोचा, मोचाक, मोचाख्य, यमद्रुम, रक्तपुष्पक, रक्तोत्पल, वन्यपुष्प, वेशमरस, शाल्मल, शाल्मलि, शाल्मलिनी, शाल्मली, शीमूल, सेमर, सेमल, स्थूलफल।

१२६. कपास—कपास, कर्पासमारिणी, कर्पासिका, कर्पासी, कार्पासी, गुड, चव्या, कान्न, तुंडकेरी, तुला, पटद, पटसुन, पिचु, मरुद्भवा, वदरा, वदरी, वादर, समुद्राता ।

१२७. जूट—जटा, पटुवा, पाट ।

१२८. पाट—जूट, पटसन, पटुआ, पटुवा, पट्ट ।

१२९. सन—झुनझुनिया शण, सनई ।

१३०. चंदन—एकाग, गंधराज, गंधसार, गोशीर्ष, ग्राम्य, चंदन, चंद्रकात, चद्रद्युति, चन्नन, तिलपर्णा, तैलपर्णिक, पटरी, पावन, पीतसार, भद्रश्री, भद्रसार, भद्राश्रय, भोगिवल्लभ, मगल्य, मलयज, मलयोद्भव, महर्घ, महार्ह, रौहिण, वर्णक, शीतगंध, शीतल, श्रीखंड, सर्पावास, सर्पेष्ट, सितहिम, सुगंध, सेव्य ।

१३१. चंदन पीला—कालसार, कालानुसार्दक, कालीय, कालीयक, कालेय, पीतगंध, पीतक, पीतकाष्ठा, पीतचदन, पीताभ, पीला चदन, माधवप्रिय, वर्व्वर, हरिप्रिय ।

१३२. चंदन लाल—कुचदन, कुमोदा, क्षुद्रचदन, ताम्रसार, ताम्राभ, तिलपर्णी, पतंग, पत्रांग, प्रवालफल, भास्करप्रिय, रजन, रक्तचदन, रक्तसार, लालचदन ।

१३३. जड़ीबूटी—खरबिरई, खरबिरैया, बनौषध ।

१३४. चकवँड—उरणाख्य, एडगज, चकवढ़, चक्रमर्द, चक्री, तर्किण, तर्किल, तर्वट, पमाट, पमाड़, पवाड़, मेषलोचन ।

१३५. चिरायता—अनार्यतिक्त, कालमेघ, किरात, किरातक, कैरात, चिराटिका, चिराक्तिक, चिरायता, तिक्तक, भूनिम्ब, रामसेनक, हैम ।

१३६. चोपचीनी—अमृतोपहिता, चीपचीनी, चोवचोनी, द्वीपांतरवचा ।

१३७. छरीला—कालानुसार्य, गिरिपुष्पक, गृह, छरीला, जीर्ण, पलित, भूरिछरीला, वृद्ध, शिलासन, शिलेय, शीतल, शीतशिव, शैल, शैलक, शैलज, शैलाख्य, स्थविर ।

१३८. अंधाहुली—अधाहुली, अर्कपुष्पी, क्षीरिणी, दधियार, दुराधर्षा, पयस्या, वक्रशल्या, शीतला, शीता, सितपर्णी ।

१३९. अकरकरा अकरकरा, अकल्लक, आकरकरा, आकल्लक, आकीरकरभ ।

१४०. अगर—अगर, अगरु, अग्निकाष्ठ, अनार्यक, असार, क्रिमिज, कृष्णा, पातका, प्रवर, भृगज, योगज, राजार्ह, लोह, वंशिक, वर्णप्रसाद ।

१४१. सनाय—कल्याणी, मलहारिणी, रेचनी, सनाय, सोनामुखी, स्वर्णपत्रिका, हेमपत्री ।

१४२. सरफोका—कठपुखा कठाखु, शरपुखा, सरफोका ।

१४३. सहदेई—गधवल्ली, देवसहा, पीतपुष्पी, प्रसादनी, मंगलार्थ, महागधा, महाबला, मृगरसा, मृगा, वर्षपुष्पा, वर्षपुष्पी, वाट्य, वाट्यायनी, बृहद्गला, सहदेवा, सहदेवा ।

१४४. अजमोदा अजमोद, खरबी, खराश्वा, दीप्यक, ब्रह्मकुशा, ब्रह्मकोषी, मयूर, मर्कट, मोदा, मोदिनी, लोचमस्तक, वस्तमोदा, विशल्या ।

१४५. अतीस—अतिविष, अतिविषा,

अतीस, अवध, बुधवल्लभा, भगुरा, भृंगी, माद्री, मुद्री, विरूपा, विश्वा, विषरूपा, विषा, शिशुभैषज्य, शृंगी शृंगीका, श्वेतवचा ।

१४६. अनतमूल—अनंतमूल, अनंता, अस्फोता, कराला, गोपी, गोपवल्ली, नागजिह्वा, प्रतानिका, भद्रवल्ली, भद्रा, सारिवा, शारदा, श्यामा, सुगंधा ।

१४७. इंद्रायन—अमृता, अरुण, इनारून, इनारूफल, इंद्राचिर्भिटा, इंद्रवल्लरी, इंद्रवारुणिका, इंद्रायन, ऐंद्री, कपिलाक्षी, क्षुद्रसहा, गवचिर्भिटा, गवाक्षी, गवादना, चित्रफला, चित्रा, तारका, पिंटकोका, पीतपुष्पा, मरी, माता, मृगादनी, मृगेर्वारु, विषलता, वृषभाक्षी, सुकर्णिका, सुफला, हेमपुष्पी ।

१४८. अमलतास—अमलतास, अरुच, आमहा, आरग्वध, आरेवत, आरोग्यशिंबी, इमलतास, कंडूघ्न, कुष्ठसूदन, कृतमाल, चतुरंगुल, चक्रपरिव्याध, चतुरगुल, ज्वरांतक, दीर्घफल, नक्तमाल, प्रमेह, मंथान, महाकर्णिकार, राजवृक्ष, रोचन, व्याधिघात, शम्यक, शेफालिका, सम्यक, स्वर्णपुष्प, स्वर्णांग, हिमपुष्प ।

१४९. अरुस—अटरुष, अडूस, अडूसा, अरूस, अरूसा, आटरूष, आमलक, कंठीरवी, कफनोत्पाटन, नासा, पंचमुखी, मातृसिंही, मृगेन्द्राणी, रसादनी, रामरूपक, वाजिदंतक, वाजिदती, वासी, वाशा, वासिका, वासक, वासा, वासिक, विसांटा, वृष, वैद्यमाता, वैद्यसिंही, सितकर्णी, सिंहपत्री, सिंहपर्णी, सिंहमुखी, सिंहानन, सिंहास्य, सिंहिका, सिंही ।

१५०. असगंध—असगंध, अवरोहा, अश्वगंधा, अश्वारोहक, अश्वारोहा, अश्वारोहक, अश्वारोहिका, कंबुका, कंबुकाष्ठा, काबुका, काला, कामरूपिणी, कुष्ठघातिनी, गंधपत्री, तिक्ता, तुरंगगंधा, तुरगा, तुरगी, पलाशपर्णी, प्रियकरी, पीवरा, पुण्या, बलजा, बलदा, बल्या, वाजिनी, वाजीकरी, वाराहपत्री, रसायनी, वनजा, वरगात्रकरी, वाजिगंधा, वाजिना, वातघ्नी, वाराहकर्णी, श्यामला, हयगंधा, हया, हयप्रिया ।

१५१. आकाश बौंर—अकासबौंर, अमर बेल, आकाश बेल, आकाश बौंर, दुःस्पर्शा ।

१५२. इंद्रजौ—इंद्रयव, कलिंग, कालिंगक, कुटज, भद्रयव, यव, वत्सक, शक्रबीज ।

१५३. इसबगोल—इसबगोल, इसरगोल, ईसदगोल, ईसबगोल, श्लक्ष्णजीर, स्निग्धजीर ।

१५४. कंजा—कंजा, कटकिनी, करंज, करंजुवा, कुकांचिका, कुबेराक्षी, गटाइन, वारिणी ।

१५५. कचूर—कचूर, कचूर, कल्पक, कार्श्य, गंधमूलक, गंधसार, जटाल, द्राविड़ मुख्य, शठी ।

१५६. कनकौड़ा—कनफोड़ाव, कर्णस्फोटा, कोयलगा, चंद्रिका, चित्रवर्णी, त्रिपुटा ।

१५७. कपूर—इंदु, औषधश, कपूर, कप्पूर, कर्पूर, गौर, गौ, घनसार, चंद्रभस्म, आवाकपूर, तकसार, निशापात, विधु, वेधक, शिला, शीतमयूख, शीतमरीच, शीतांशु, सिताभ, सिताभ्रक, सोमसंज्ञ, स्फटिकाभ्र, हनु, हिमांशु, हिमोपल ।

१५८. १३ तरह के कपूर—अब्दसार, जूतिका, तुषार, पत्रिकाख्य, पाशु, पिंज, पोतास, भीमसेन, शंकरवास, शीतल, सितकर, हिम, हिमबालुक।

१५९. कपूर कचरी—कपूर कचरी, कर्बर, कृष्णहरिद्रा, गंधपलाशी, गंधवधू, गंधमूली, गंधा, गंधारक, गंधोली, गंधोली, ग्रथमूलिका, तृणी, दूर्वा, पलाशिका, पलाशी, पृथुपलाशिका, शठिका, षडग्रथा, सटी, समुद्रा, सुगंधासटी, सुव्रता, सौम्य, हिमोद्भवा।

१६०. कबीला—कबीरा, कर्कश, कम्पिल्ल, कम्पिल्लक, काम्पिल्ल, चंद्र, पित्राह्व, बहुपुष्प, रजक, रक्तांग, रक्तफल, रेचनी, रेची, राचना, लघुपत्रक, लोहितांग।

१६१. करंज—अंगारवल्ली, उदकीर्य, करंजक, करज, करभाडिक, कलिमार, काकघ्नी, कैडर्य, गुच्छफल, घृतपर्णक, चिरविल्व, तपस्वी, नक्तमाल, पूतिक, पूतिकरज, पूतिपत्र, पूतिपर्ण, प्रकीर्य, बद्धफल, विषारी, वृत्तपर्ण, शार्गेष्ठा, षडग्रंथ, स्निग्धपत्र।

१६२. करियारी—अग्निजिह्वा, अग्निमुखा, अनंता, इदुपुष्पिका, इंद्रपुष्पिका, करियारी कलिकारी, कालयारी, कलिहारी, गर्भघातिनी, गर्भनुत्, गर्भपातिनी, दीप्ता, नक्ता, पुष्पसौरभा, ब्रणहृत, लांगलिकी, लांगुली, वह्निवक्त्रा, वह्निशिखा, विद्युज्ज्वाला, विशल्या, शक्रपुष्पी, स्वर्णपुष्पा, हलिनी, हली।

१६३. काकोली—काकोला, कायस्थिका, क्षीरा, धीरा, पयस्या, पयस्विनी, मधुरा, वयस्था, वायसोलिका, वीरा, शीतपाकी, शुक्ला, स्वादुमांसी।

१६४. कायफर—कटफल, काफल, कायफल, कुमुदिका, कुमुदी, कुम्भिपाकी, कुम्भी, कैटर्य, त्वक्फल, नालानु, पुरुष, भद्रारंजनक, रोहिणी, लघुकाश्मर्य, श्रीपर्णी, सोमवृक्ष, सोमवल्क।

१६५. कालीजीरी—अरण्यजीर, कणा, कालजीरी, क्षुद्रपत्र, बृहन्याली।

१६६. कुटकी—अंजनी, अरिष्टा, कटवरा, कटवी, कटु, कटुका, कटुरोहिणी, कुटकी, कृष्णा, कृष्णामेदा, काण्डरुहा, कृष्णभेदी, कृष्णमेदा, कृष्णा, केदारकटुका, चक्रांगी, चित्रांगी, जननी, तिक्ता, द्विजांकी, द्विजांगी, नकुलासादिनी, मत्स्यपित्ता, मलभेदिनी, महौषधी, शकुलादिनी, शतपर्वा।

१६७. कुरैया—इंद्रद्रु, कटुक, कालिंग, कोही, कुटक, कुटज, कूरज, कौट, कौटज, गिरिमल्लिका, पाडुर, प्रावृषज, प्रावृष्य, महागंध, यवफल, रक्तनाशक, वत्सक, वरतिक्त, वृक्षक, सग्राही।

१६८. कुलींजन—कुलंज, कुलंजन, कुलांजन, गंधमूल, तीक्ष्णमूल।

१६९. केकड़ासिंगी—कर्कटशृंगी, कर्कटी, कुलिंगी, केकरासिंगी, घोषा, चंद्रास्पदा, चक्रांगी, चक्रा, नतांगी, महाघोषा, वक्रा, विषाणिका, शिखरी, शृंगी।

१७०. केतकी—इंदकलिका, कटकदला, ककचा, केतकी, केवका, जंबूक, जंबूल, तीक्ष्णपुष्पा, दलपुष्पा, दीर्घपत्रा, धूलिपुष्पा, मेध्या, विफला, शिवद्विष्टा, सूचीपत्र, स्थिरगंधा।

१७१. कौवाठोंठी—काकतुंडी, काकनासा,

काकाची, कौआठोंठी, वायसी, शिरोबाला, सुरंगी ।

१७२. क्षीरकाकोली—अष्टमी, क्षीरकाकोली, क्षीरमधुरा, क्षीरवल्ली, क्षीरविषाणिका, क्षीरशुक्ला, जीववल्ली, जीवशुक्ला, पयस्या, पयस्विनी, महावीरा ।

१७३. खस—अभय, अमृणाल, अवदात, अवदाह, इंद्र, इष्टकापथ, उशीर, उसीर, कंभु, कटायन, खस, गाडरमूल, जलवास, जलाशय, नलद, लघुभय, लामज्जक, वीर, वीरणमूल, वीरभद्र, शिशिर, समगंधिक, सुगंधिमूल ।

१७४. गंधविरोजा—क्षीराह्वय, गधविरोजा, घृतह्वय, चितागंध, तिलपर्णी, धूपाक, पद्मदर्शन, पायस, यवास, यास, रक्तशीर्षक, रसावेष्ट, रसाह्व, विरोजा, वृकधूप, वृक्षधूपक, वेष्टसार, श्रीपिष्ट, श्रीरस, श्रीवास, श्रीवेष्ट, सरलद्रव, सरलस्राव ।

१७५. गदहपूरना—गजपुरना, गधपुरना, नीलपुनर्नवा, नीला, नीलिनी, नीलसाँठ, विषखपरा, साँठ ।

१७६. गाजुबाँ—अधःपुष्पी, कुरसा, खरपत्री, गोजिया, गोजिह्वा, गोभी, दर्वी, दार्विपत्रिका ।

१७७. गुग्गुल—उद्दीप्र, उलूखलक, उग्र, कालनिर्यास, कुंती, कुंन, कुंभी, कुंभोलु, कुंभोलूखलक, कौशिक, गुगुल, गुग्गुल, गूगल, जटायु, जटाल, दिव्य, दुर्ग, देवधूप, देवेष्ट, धूर्त, निशाटक, पवनद्विष्ट, पवनद्विष्टपुट, पलंकष, पुट, पुर, भवाभीष्ट, भूतहर, भैंसागूगल, महिषाक्ष, महिषाक्ष, रक्षोहा, रक्षोघ्न, वायुघ्न, शांभव, शिव, सर्वसह ।

१७८. गुरुच—अमृतवल्ली, अमृता, उद्धारा, कुंडलिनी, कुंडली, गुडूची, गुडूची, गुर्च, चंद्रलक्षणा, चंद्रलक्षणिका, चंद्रहासा, चक्रांगी, छिन्निका, छिन्नरुहा, छिन्ना, जीवन्तिका, ज्वरारि, तंत्रिका, तंत्री, देवनिर्मिता, धीरा, नागकुमारिका, निर्जरा, पित्तघ्नी, भिषक्प्रिया, मधुपर्णी, रसायनी, वत्सादनी, वयस्था, वरा, वातरक्तारि, विशल्या, श्यामा, सोमवल्ली ।

१७९. गोरखमुंडी—अलंबुषा, अव्यथा, कदंबपुष्पिका, क्रोडचूडा, गोरखमुंडी, छिन्नग्रंथिक, तपस्विनी, पलंकषा, बोडा, भूकदम्बिका, महामुंडी, मुंडी, मुंडली, लोचनी, लोतनी, त्रिकचा, वृद्धा ।

१८०. गोखुरू—इक्षुगंधा, इक्षुगंधिका, इक्षुर, कटकफल, क्षुर, क्षुराग, गोकंटक, गोक्षुर, गोक्षुरक, गोखुरि, गोखुरू, त्रिक, त्रिकट, त्रिपुट, पलंकषा, भक्ष्यकंट, भद्रकंट, वनशृंगाट, व्यालदंष्ट्र, श्वदंष्ट्र, स्थलशृंगाट, स्वादुकंटक ।

१८१. गोमूत्रिका—कृष्णभूमिजा, क्षेत्रजा, रक्ततृणा ।

१८२. गोरोचन—कांचनी, गव्या, गोपित्त, गोपित्तसंभवा, गोरोचन, गोरोचना, गोलोचन, गौतमी, गौरी, चंदनीय, नंदिनी, पिंगा, पीता, भूतविद्राविणी, मंगला, मंगल्या, मनोरमा, मेध्या, रामा, रुचिरा, वंदनीया, वंद्य, शिवा, शुभा, शोभना, शोभा, श्यामा ।

१८३. घीकार—अजरा, अदला, अफला, अमर, कंटकीनी, कपिला, कुवारपाठा, ग्वारपाठ, घीकुआर, घीकुमारी, घीगुवार, घृतकुमारी, हेकुवार, तरुणी,

मंडला, माता, मृदु, रसायनी, रामा, वीरा, सहा, सुरमा स्थलरुहा ।

१८४. पठानीलोध—अक्षिभेषज, क्रमुक, जीर्णपत्र, जीर्णबुध्न, पट्टिका, पट्टिकालोध्र, पट्टी, पठानीलोध, लाक्षाप्रसादन, शाबर, स्थूलवल्कल ।

१८५. पद्मकाठ—केदारज, कैदार, चारु, पद्मक, पद्मकाष्ठ, पद्मगंधि, पद्मवृक्ष, पद्माक, पद्माख, पीत, पीतक, पीतरक्त, मालेय, शीतल, शुभ, सुप्रभ ।

१८६. पित्तपापड़ा—अरक, कटुपत्र, कलांग, कवचनामक, कृष्णशाख, चरक, तिक्त, तृष्णारि, त्रियष्टि, दवनपापड़ा, नक्र, पर्पट, पर्पटक, पांशु, पांशुपर्य्याय, पितपापड़ा, पित्तारि, प्रगंध, रक्तपुष्पक, रेणु, वरक, वरतिक्त, वर्मकंटक, शाख, शीत, शीतप्रिय, शीतवल्लभ, सुतिक्त ।

१८७. पीपरामूल—कटुमूल, कणमूल, कोलमूल, ग्रंथिक, चटकाशिर, चटिका, पत्राख्य, पिपरामूल, पिप्पलीमूल, मागध ।

१८८. पीपल—उपकुल्या, उष्ण, कण, कटी, कटुबीजा, कृष्णा, कोरंगी, कोला, चंचला, चपला, तिक्ततंडुला, पिप्पली, पीपर, पीपल, मागधी, शौंडी ।

१८९. पुदीना—अजीर्णहर, पोदीना, रुचिष्य, वान्तिहारी, व्यंजन, शाकशोभन, सुगंधिपत्र ।

१९०. पुष्करमूल—काश्मीर, पद्मकर्ण, पद्मपर्ण, पद्मपुराय, पुष्कर, पुष्कर जटा, पुष्करमूल, पोहकरमूल, पौष्कर, ब्रह्मतीर्थ, मूलपुष्कर, शूर, शूलघ्न, सागर, सुमूलक ।

१९१. पोस्ता—उत्फलसत्फल, खसखस, खसखसफल, खसतिल, खसफल, खाखस तिल, खाखसफल, तिलभेद, पोस्त, पोस्ता, सुबीज, सूक्ष्मतंडुल, सूक्ष्मबीज ।

१९२. बहेड़ा—अक्ष, कर्षफल, कलिद, कलिद्रुम, कल्पवृक्ष, कासघ्न, तिलपुष्पक, तुल, तैलफल, तोलफल, बहेड़क, बहुवीर्य, भूतवास, वासंत, विभीत, विभीतक, विषघ्न, संवर्त्त ।

१९३. बालछड़—अमृतजटा, कनुचर, किरातिनी, क्रव्यादी, गौरी, चक्रवर्त्तिनी, जटामांसी, जटाला, जटिला, जटी, तपस्विनी, नलद, पिशिता, पिशी, पूतना, पेशिनी, पेषी, बालछड़, भूतजटा, मांसी, मिषिका, मिसि, मृगभक्षा, सेवाली, हिंसा ।

१९४. बिदारीकंद—इक्षुगंधा, इक्षुवल्ली, ऋष्यगंधा, ऋष्यगंधिका, क्षीरकंद, क्षीरवल्ली, क्षीरलता, वृषविदारी, पयःकंदा, पयस्विनी, बिलैयाकंद, महाश्वेता, विदारा, विदारीकंद ।

१९५. बिधारा—अजरा, जीर्णदारु, जीर्णफञ्जी, बिधारा, वृद्धदारु, सूक्ष्मपत्रा, सुपुष्पिका ।

१९६. बीजबंद—ओदनिका, खिरैटी, प्रहासा, बरियारा, बला, भद्रा, मोटापाटी, वाट्यपुष्पी, वाटिका, समांशा ।

१९७. ब्राह्मणीलता—अंब, अंबष्ठा, अंबा, अंबिका, अंबालिका, पाढ़ा, ब्राह्मणी ।

१९८. ब्राह्मी—कपोतवेगा, दिव्यतेजा, दिव्या, परमेष्ठिनी, ब्रह्मचारिणी, ब्राह्मी, भारती, मण्डूकता, मत्स्याक्षी, महौषधि, मेध्या, वयस्था, वरा, वीरा, वैधात्री, शारदा, सरस्वती, सुवर्चला, सुरश्रेष्ठा, सोमवल्लरी, सोम्या ।

१६६. **भटकटैया**—अनाक्रांता, कटकारिका, कंटकारि, कटकारी, कटश्रेणी, कटेरी, कासघ्ना, कुला, कुलीक्षुद्रा, चित्रफला, दुष्प्रधर्षिणी, दुस्पर्शा, धावनिका, धावनी, निदिग्धिका, प्रचोदनी, भटाकी भटकटया, राष्टिका, रेंगनी, लघुकटाई, वृहती, व्याघ्री, सिंही, स्पृही।

२००. **भिलावा**—अग्निक, अरुष्कर, धनुर्वृक्ष, भल्लात, भल्लातक, भूतनाशन, मेला, रक्तहर, वह्निनामा, वीरतरु, शोकनुत, स्नेहबीज।

२०१. **भृंगराज**—अंगारक, कुकुर भागरा, केशराज, नीलपुष्प, नीलभृंगराज, पावन, भेंगरा, भँगराज, भँगरैया, भाँगरा भृंगराज, महाभृंग।

२०२. **मजीठ**—अरुणा, काडोरी, कालमेषिका, काला, क्षत्रिणी, गौरी, चित्रलता, चित्रांगी, जिंगी, ताम्रवल्ली, भंडिल, भंडारी, मण्डूकपर्णी, मंजिष्ठा, मजूषा, मजीठ योजनवल्ली, रजनी, रक्तयष्टि, रक्ता, रक्तांगी, रोहिणी, वप्रा, विकसा, विजया, समंगा, हरिणी, हेमपुष्पी।

२०३ **महाकरंज**—काकघ्नी, काकभाण्डी, मदहस्तिनी, मधुमस्ता, मधुमती, महाकरंज, रसायनी, विषघ्नी, हस्तिकरंज, हस्तिचारिणी।

२०४ **मांसरोहिणी**—अग्निरुहा, आंतरुहा, कर्णमाली, चन्द्रवल्लभा, चर्मकषा, प्रहाववल्ली, महामांसी, मांसरोहा, वसा, विकशा वृत्ता, वीरवती, रसायनी, रोहिणी, लोमकर्णी, सुलोमा।

२०५. **मालकँगनी**—अग्निगर्भा, अग्निफला, उर्मीकनी, कगुनी, कनकप्रभा, काकाण्डी, गीर्लता, ज्योतिष्मती, तीक्ष्णा, तीव्रा, तेजोवती, पीरा, बहुरसा, पीता, महाज्योतिष्मती, मेघावती, मेध्या, यशस्विनी, लवणा, वायसी, शैलसुता, सुतैला, सुरलता, सुवर्णनकुली, सुवेगा।

२०६. **मिर्च सफ़ेद**—धवल, बहुल, बालक, शीतोत्थ, सितमिर्च, सितवल्लीज।

२०७. **मुलेठी**—अतिरसा, क्लीतक, क्लीतका, जलयष्टी, जेठीमधु, मधुक, मधुप, मधुरनाम, मधुररसा, मधुवल्ली, मधुस्तमा, मधूली, मुलहठी, मुलेठी, मूलयष्टी, मूलयष्टी, यष्टिका, यष्टिमधु, यष्टी, शोषारहा, सौम्या, स्थलयष्टी।

२०८. **मुष्टि**—आम्र, चतुर्थिका, प्रकुंच, बिल्व, मुंष्ट, षोडशी।

२०९. **मूंज**—तृणाख्य, तेजन, तेजनाह्वय, दुर्मूल, दृढतृण, बहुप्रज, बाण, भद्रमुंज, मुज, मुंजनक, मुजात, मूँज, मूज, रामसर, शरभंग, शर, शीर।

२१०. **मैनफर**—कठ, करहर, करहाट, ग्रटाल, तगर, धाराफल, पिंडीतक, पिचुक, मदनफल मैनफल, राठ, रमच्छर्दनक, विषपुष्पक, शल्यक।

२११ **माजूफल**—माईफल, माजूफल, मायाफल, मागरगोटा।

२१२ **निर्मली**—अबुप्रसाद, कत, कतक, कतकरेणु, कास्थ, गुच्छफल, चक्षुष्य, छेदनीय, तिक्तफल, तिक्तमरिच, तोयप्रसादन, निर्मली, पयःप्रसादी, पायपसारी, शोधनात्मक, श्लक्ष्णा।

२१३. **मूसली**—आर्शोघ्नि, खलनी, गोधाहताप, लघुश्रिका, तालमूली, तालिका,

तालो, दीर्घकदिका, भूताली, महावृम्या, मुसली, सुवहा, हेमपुष्पी।

२१४. **माजूफल**—छिद्राफल, माजूफर, माइका, माइफल, मायाफल, मायि।

२१५. **बाबीरंग**—कापाली, केवल, कैराल, गर्दभ, गहरा, चित्रबीजा, चित्रा, तडुल, पावक, बेल्ल, भस्मक, भाभीरग, मोघा, रसायन, वरा, वायविडंग, विडग, विडगा।

२१६. **बकुची**—अवल्गुज, असितत्वचा, ऐन्दवी, कालमेषिका, कृष्णा, कृष्णफला, चद्रलेखा, चदा, पूतिफला, पूतिफली, बकुची, बागुजो, बाकुची, बायची, बावची, वल्गुजा, शशिलेखा, शूलोत्खा, सितावरी, सुप्रभा, सोमवल्ली।

२१७ **बच**—इक्षुपर्णी, उग्रगधा, उग्रा, कर्षिणी, गालिनी, गोलोमी, जटिला, जलजा तीक्ष्णा, बच, बोलवच, बोधनीया, भद्रा, भूतनाशिनी, भोगवती, मगल्या, मेध्या, वच्या, विजया, शतपर्विका, शुक्रा, स्मारणी।

२१८. **बंशलोचन**—कर्पूररोचना, कर्मरी, क्षीर, क्षीरिका, तुंग, तुगा, तुगाक्षीरी, त्वकक्षीरा, त्वकक्षीरी, त्वकसारा, पिंगा, रोचना, रोचनिका, वशकर्पूर, वंशक्षरी, वशजा, वंशरोचना, वशलोचन, वशलोचना वशशर्करा, वांशी, वैणवी, वैणुलवण, शुभा, शुभ्रा, श्वेता।

२१९. **जमालगोटा**—कुम्भिनीबीज, घंटाबीज, चक्रदंती बीज, जमलगोटा, जयपाल, तिंतिडीफल, दतीबीज, मलद्रावी, रेचक, वोजरेचक, शोधनीबीज, मारक।

२२०. **जायफल**—कोश, कोषक, जातिशस्य, जातिसार, जाती, जातीकोष, जातीफल, जायफर, पुट, फलजाती, मज्जसार, मदशौड, मालतीफल, राजभोग्य, शालूक, सुमनफल।

२२१. **जावित्री**—जातिकोषा, जातिकोषी, जातिपत्री, जावित्री, पत्रिका, मालती, सुमनपत्रिका, सौमनसायिनी।

२२२. **जीरा सफ़ेद**—अजाजी, कणजीरक, कणाह्वा, कणा, जाजी, जीरक, जीरा, जीरा जीरा सुफ़ेद, दीर्घक, श्वेतजीरक, सितजीरक।

२२३. **जीरा स्याह**—उद्गार, कालजीरक, कालमेषी, काश्मीर जीरक, कृष्णाजाजी, कृष्ण जरिक जरण, जीरा, नीलकरण, नीला,पट्ठु, मेदिनी, सुरूपा, सुगधा, स्याह जीरा, हृद्य।

२२४. **फसल**—उपज, पैदावार, फसत, फसिल, फस्ल।

२२५. **अन्न**—अनाज, अनाद्य, अम्न, अमृत, आद्य, गल्ला, जीवनधन, जीवसाधन, दाना, धान्य, नाज, पय, बीज, व्रीहि, भोगाई, भोग्य, लवेटिका, वरेशुक, वीज्य, शस्य, शाली, सस्य, स्तम्बकारि, स्तम्बकारि।

२२६. **खरीफ़**—अगहनी, खरीफ, बरसाती।

२२७. **रबी**—चैती, जडहन, रब्बी।

२२८. **गेहूँ**—अपूप, अरूप, क्षीरी, गधुम, गेहूँ, गोधुम, गोहूँ, दाऊदी, निस्तुष, निस्तुषक्षीर, बहुदुग्ध, म्लेच्छभोजन, रसाल, यवन, यवनप्रिय, शुमन, श्लेष्मल, समन, सुमना।

२२९. **गेहूँ (अच्छा)**—गेहूँ, दाऊदखानी, दाऊदी।

२३०. धान—कर्दमक, कलम, केदार, दीर्घ, वृषक, धान, धान्य, निपप्रिय, बासमती, पांशुक पुण्डरीक, पुष्पाडक, रक्तशालि, वन्य, कनकजीरा, व्रीही, शकुनाहृत, शालि, शाली, साठी, सुकुमारक, सुगधक ।

२३१. कुछ अच्छे धान—अमाधवत, तुलसीबास, फूलमती, बाँसफूल, बासमती, मोतीचूर, रानीकाजर, रामभोग, रूपमजरी, लटजीरा, लटेरा, श्यामजीरा, समालू, समुद्रफेन, सहदेइया, हंसराज ।

२३२. कुअंर विलास—(एक अच्छा धान) कुअँर विलाश, कोरहन, जड़हन जीरी, झींगा, तिन्नी, पक्षिराज, बक्का ।

२३३. कुछ मोटे और साधारण धान—अगहनिका, करहनी, खरहन, खरहवा, बुद्धो, बगरा, बजरबोंग, बडहन, बोरो, रामजवाइन, सरमा, माठी, सुगापखी, सेंगर ।

२३४ साठी—भदई, साठी ।

२३५. १८ तरह की साठी—कचोरका, कपिजला, कलमा, कलमी, खजरीटा गरुडा, जरिका, पसाही, गीता, बिलसाही, बिल्वखा, महाशाली, मागधी, रक्तशाली, रुक्मवती, शष्टिका, शूकला, सौंधी ।

२३६. जौ—अक्षत, कंचुर्कि, जव, जवा, जौ, तोदशूक, तुरगप्रिय, दिव्य, धान्यराज, पवित्र धान्य, प्रवेट, मेध्य, यव, यवक शक्तु, शीतशूक, श्वेतशुग, सितशूक, हयप्रिय, हयेष्ट ।

२३७. जई—जई, यव, यवन्ती, जवारा घास ।

२३८. मोथी—अमृत, अरण्यमुग्द, कुलीनक, कृमीलक, खरहो, निगूढ़क, बनमुँगिया बल्लीमुग्द, मकुष्ठ, मकुष्ठक, मयक, मयष्ट, मयष्टक, मयुष्ट, मयुष्टक, मयूष्ट, मुकुष्ठ, मुकुष्ठक, मुग्दष्ट, मुग्दष्टक, राजमुग्द, वनमुग्द, वरक ।

२३९. कोदो—कुद्रव, कुद्दाल, कोदव, कादू, कोद्दार, कोद्रव, कोरदुष्क, कोरदूषक, मदनाग्रक ।

२४०. सावाँ—अविप्रिय, जेष्ठान्न, तृणबीजोत्तम, त्रिबीज, राजधान्य, श्याम, श्यामक, श्यामाक, समा, सवा, सुकुमार ।

२४१. मँडुआ—मँडुआ, मडुवा ।

२४२. कुलथी—कालवृन्त, कुलत्थ, कुरथी, ताम्रबीज, ताम्रवृन्त, श्वेतबीज, सितेतर ।

२४३. ज्वार—कुब्जिका, कृष्ण, कोष्टुपुच्छा जुआर, जुड़ी जुन्हरी, जूर्णिका, जोधरी, जोन्हरी, भाद्रपदी, भडा, यवनाल, यावनल, रक्तिका, ललिता, ओखडी, श्वेता सुगन्धिका ।

२४४. जोन्हरी (छोटी) दे० 'ज्वार'।

२४५ बाजरा—अग्रधान, बाधरी, जोन्हरी, नालिका, नाली, नीलकण, नीलसत्य, बजडी, बजरी, बर्जरी, बाजडा, बाजरा, बर्जरिका, साजक ।

२४६. मक्का—कांटज, काडज, कुकुढी, जोन्हरी, भुट्टा, मकाई, मकाय, मक्का, लेडहरा, शिखालु, सपुटातस्थ ।

२४७. चेन—जेहुआ धान, नेहुआ सावाँ, चैन ।

२४८. टाँगुन—टँगुना, टाँगुन ।

२४९. गन्ना—असिपत्र, असितपत्र, असिपत्रक, इक्षु, इक्षुर, ईख, उख, ऊख कर्कोटिक, कजल, कोशकार, गन्ना, गुड़दारु गूड़मूल, दीर्घच्छद, पयोधर, पुण्डू, पौंडा,

मधुतृण, मधुयष्टि, मृत्युपुष्प, रसाल, वंश, विपुलरस, वृष्य, सक्करलकडी, साँटा, साठा, सुकुमारक।

२५०. गेड़—अगौरी, अगाव, गेड, गेड़ी।

२५१. गड़ेरी—अंगारिका, अँगारी, गडी, गंड़ेरी।

२५२. दाल—दालि, द्विदल।

२५३. अरहर—अड़हर, अरहरि, आढ़की, करवीर-भुजा, काक्षीमृत्स्ना, तुवरिका, तुवरी, पीतपुष्पा, मृतालक, मृत्तालका, मृत्स्ना, वर्या, वीर्यर्था, वृत्तबीजा, शणपुष्पिका, सुराष्ट्रज, सुराष्ट्र जंभा।

२५४. उरद—उड़द, उरदी, उर्द, उर्दी, ऋद्ध, कुरुविंद, धान्यवीर, पितृभोजन, तिज्य, बलाढ्य, बली, बीजरत्न, मांसल, माष, वृषांकुर।

२५५. चना—कचुकी, कृष्णचंचुक, चण, चणक, छोला, जीवन, वाजिमन्थ, बाल-भैषज्य, बालभोज्य, रहिला, वाजिमन्थ, सकलप्रिय, सुगंध, हरिमंथ, हरिमन्थक, हरिमन्थज।

२५६. मसूर—कल्याणबीज, गभोलिक, गुरुबीज, ताबूलराग, पृथुबीजक, मंगल्य, मंगल्यक, मसुर्री, मसूरक, मसुरा, मसूरि, मसूरी, मांगल्यक, मांगल्या, रागदालि, ब्रीहिकांचन, शूर, सूर।

२५७. मूँग—वाजिभोजन, भुक्तिप्रद, मुद्ग मूग, रसोत्तम, वर्णार्ह, सुफल, सूपश्रेष्ठ, हयानंद।

२५८. मटर—अतिवर्तुल, कटी, कबीली, कलाय, केराव, खंडक, त्रिपुट, नीलक, मटर, मधुर, मुंडचणक, रेणुक, शमन, संदिक, सतीन, सतीनक, सतील, सतीलक, हरेणु, हरेणुक।

२५९. लतरी—कसूर, करसा, कृसर, केसारी, खेसारी, चपरी, त्रिपुट, दुबिया मटर, लतरी, संडिक।

२६० लोबिया—क्षुधाभिजनक, चपल, चवल, चौरा, दीर्घबीज, दीर्घशिंबी, द्विजमप्त, निष्पावी, नीलमाष, नृपमाष, नृपोचित, बोड़ा, मरुत्कर, महामाष, राजमाष, लोबिया, वर्वट, सितमाष, सुकुमार।

२६१ सोयाबीन—सोआबान, सोयाबीन।

२६२. तिल—जटिल, तैलफल, पवित्र, पापघ्न, पूतधान्य, पूरफल, पितृतर्पण, वनोद्भव, स्नेहफल, होमधान्य।

२६३. सरसों—उग्रगंध, कटुकस्नेह, कदम्ब, कदम्बक, कटंबद, गृहघ्न, तन्तुक, तंतुभ, तैलहन, विम्बट, भूतघ्न, रक्षितफल, राजक्षवक, सरसो सषप।

२६४ राई—अतितीक्ष्ण, आसुरी, कटु, कटुक, काकोदुम्बरिका, कृमिक, कृष्ण, कृष्णसर्षपा, कृष्णिका, क्षव, क्षवक, क्षुजनिका, क्षुतक, क्षुधाभिजनन, ज्वलती, ज्वलत्प्रभा, तीक्ष्णगंधा, तीक्ष्णफला, मधुरिका, मुण्ठक, रक्तसर्षप, रक्तक, राजक्षवक, राजसर्षप, राजिका, राजी, राई, लाई, व्यग्टक, सुरी।

२६५ तीसी—अतिसी, अतीसी, अलसी, उमा, क्षुमा, क्षौमी, चणका, तीसी, तैलोत्तमा, देवी, नीलपुष्पिका, पार्वती, नीलपुष्पी, पिच्छिला, मदगंधा, मसीना, मसृणा, रुद्रपत्नी, सुनीला, हैमवती।

२६६ बर्रे—कुसुमफल, कुसुमबीज, बर्रे, बरटा, बरटी, बर्टिका।

२६७. रेंड़ी—अमंगल, अमंड, अरंड, आमंड, इष्ट, उरुबुक, एरंड, एरंडक, कांत, गंधर्वहस्तक, चंचुक, चित्रक, चित्र-बीज, तरुण, तुच्छद्रु, त्रिपुटी, त्रिपुटीफल, दीर्घदंतक, दीर्घपत्रक, पंचांगुल, रूबूक, रेंड़ी, वर्द्धमान, शुक, व्रणहा, व्याघ्रदल, व्याघ्रपुच्छ, शुक्ला, शूलशत्रु, स्नेहप्रद।

२६८ तिन्नी—अरण्य धान्य, अरण्यशाली, तिन्नी, तिली, तीनी, तीली, तृणधान्य, तृणोद्भव, देवधान, नीवार, प्रसाधिका, मुनिधान्य।

२६९. कूट्टू (तृणान्न)—कसपत, काठू, कालातुम्बा, कुल्टू, कूट, कूटू, तुम्बा, फाफ।

२७०. कमलगट्टा—कंदली, कमलगट्टा, कमलबीज, कवलगट्टा, कमलाक्ष, कौंचा, कौंचादनी, गट्टा, पद्मबीज, भट्टा, भेंडा, वराटक, श्यामा।

२७१. बेरी—बेरफर।

२७२. रामदाना—फलान्न, रमदाना, रामान्न।

२७३. साबूदाना—सागू, सबूदाना, सागूदाना।

२७४. तरकारी—तरकारी, भाजा, सब्जी, साग, साग सब्जी।

२७५. परवल—अमृताफल, कच्छुघ्नी, कटुफल, कर्कशफल, कासमर्दन, कुलक, कुष्ठारि, जनवल्लभा, ज्योत्स्नी, तिक्तक, नागफल, पटु, पटोल, परवर, परोरा, पर्वरा, पलवल, फुलक, राजनामा, राज पटोल, राजपूर्वा, राजफल, स्वादु, स्वादुपटोल।

२७६. बैंगन—अंगण, कंटाकिनी, कंट-पत्रिका, कंटवृ ताकी, कंटालु, कटफला, चित्रफला, नीलकंटका, नीलफला, नील-वृषा, बेर, बैंगन, भंटा, भटाकी, भाँटा, भाँटिका, महती, महोटिका, मांसफला, मांसलफला, रक्तकंठ, राजकुष्माड, वंगन, वार्ताकी, वृताक, वृताकी, वृत्तफला, वृतांतक, शाकविल्व।

२७७ नेनुवा—ऐमी, कर्कोटिकी, कोशातकी, घियातोरई, घियातोरी, धामार्गव, नेनुआ, नेनुवाँ, महत्पुष्पा, महाकोशतकी, महाफला, सपीतिका, हस्तिघोषा, हस्तिपर्णी।

२७८. गोभी (फूल)—कोभी, गोभी, फूल फूलगोभी।

२७९. गोभी (पत्र)—करमकल्ला, पत्ता गोभी, पातगोभी, बन्दगोभी।

२८०. गोभी (गाँठ)—गाठगोभी, ग्रंथि गोभी।

२८१. करैला—उग्रकाड, कंडूर, कठिल्लका, करेला, करेलो, करैला, काडकटुक, कार वेल्ली, चिरिपत्र, तोयवल्ली, पटु, वारि वल्ली, बृहद्दली, सुकांड, सुपवी, सूक्ष्म वल्ली।

२८२. भिंडी—अस्रपत्रक, करपर्णा, क्षेत्र सम्भव, चतुपुंड, चतुष्पद, पिच्छिल, भिंड भिंडक, भिंडातिका, भिंडी, भिंडोतक, भेंडा, वृत्तबीज, सुशाक।

२८३ तरोई—कर्कोटकी, कृतवेधना, जालिनी, तरोई, तोरई, दीर्घफला, धामार्गव, पीत-पुष्पा, राजकोशातकी, राजिमत्फला, सुकोषा, सुपुष्पा, स्वादुफला।

२८४. सतपुतिया—सतपुतिया, सतपुती, सप्तपुत्रिका।

२८५. **कुम्हड़ा**—काशीफल, कुम्हड़ा, कुष्मांड, कुहँड़ा, कूष्मांड, कोहड़ा, गुणयोगफला, ग्राम्या, पीतकूष्माड, पीतपुष्पा, पीतफला, भिलया, कद्दू, सफुरिया, कुमार, सीताफल।

२८६. **भतुआ** —कर्कारू, कुंचफला, कुम्हड़ा, कुष्माडक, कुष्माडी, कूष्मांड, कोहड़ा, ग्राम्यकर्कटी, तिमिष, नागपुष्पफला, पीतपुष्प, पेठा, बृहत्फल, शिखिवर्द्धक, सुफला।

२८७. **टिंडो** –टिंड, टिंडा, टिंडिश, टिंडो।

२८८. **लौकी**—अलाबू, आलाबू, एलाबू, कदुआ, कद्दू, घिया, तुम्ब, तुम्बक, तुम्बा, तुम्बी, पिंडफला, महाफला, लाबु, लाबुका।

२८९. **टमाटर**—टमाटो, विलायती बैंगन।

२९०. **बनसेम**—बनसेमा, सेमा।

२९१. **सेम**—अंगुलिफली, अशना, कपिकच्छुफला, ग्राम्या, नखनिष्पाविका, नखपुंजफला, निष्पावी, वृत्तनिष्पाविका।

२९२. **लतरा**–चौरा, बोड़ा, लतरी, लोबिया।

२९३. **केवाँच**—अजडा, अजहा, अध्यंडा, आत्मगुप्ता, आर्षभी, ऋषभ, ऋष्यप्रोप्ता, कडूरा, कच्छूरा, कच्छूमती, कपिकच्छु, कपिखेल, कपिप्रभा, कपिलता, काशीलोमा, कंडली, कवाँच, कौंच, कौछ, गात्रभंगा, गुरू, चडा, जटा, जड़ा, दुरभिग्रहा, प्रावृषा, प्रावृषायणी, बटरी, मर्कटी, वानरी, वृष्या, व्यगा, व्याघ्रा, शिंबी, शुकपिंडी, शुकशिंबा, शुकशिम्बिका, शोथा, स्वयःशोथा, स्वयंगुप्ता।

२९४. **ग्वालिन**—गुआलिनी, गोरक्षफलिनी, गोराणी, ग्वारिणी, ग्वालिनि, दृढ़बीज, निशान्ध्यघ्नी, वक्रशिम्बी, सुशाका।

२९५. **कुँदरुन**—ओष्ठी, कंदूरी, कर्मकरी, कँनरुन, कुँनरु, झंडिकेशी, तुंडिकेरी, तुडी, पीलुपर्णी, बिम्बक, बिम्बजा, बिम्बा, बिम्बिका, बिम्बी, रक्तफला, रुचिरफला।

२९६. **तितलौकी**—इक्ष्वाकु, कटुकलाबु, कटुतुम्बी, कटुफला, कड़ुवी तोंबी, क्षत्रियवरा, तिक्तता, तिक्ततुम्बी, तितलउकी, तुम्बिका, तुर्म्बी, दतफला, नृपात्मजा, पिंडफला, महाफला, राजपुत्री।

२९७. **ढेडसा**—डिंडिश, ढेडश, ढेंडशा, ढेडसा, मुनिनिर्मित, रोमशफल।

२९८. **चिचिंडा** –अहिफला, गृहकूलक, चचेड़ा, चिचिंड़ा, चिचिंडा, चिचिंढा, चिचुंड, चीनकर्कटिका, दीर्घफला, बृहत्फला, वेश्यकूल, श्वेतराजा, सुदीर्घ।

२९९. **करेरुआ**—कठिनफल, करेरा, करेरुवा, करेरू।

३००. **खेखसा**–अबंध्या, ककोड़ा, कर्कोटकी, खेकसा, पीतपुष्पी, बोधनाजाली, मनस्विनी, मनोज्ञा, महाजाली।

३०१. **खुमी**---उच्छिलींध्र, कवक, कुकुरमुत्ता, कुमा, छत्राक, गगनधूल, मेघगर्ज, रामछाता, शिलींध्र।

३०२. **कंद**—कन्ना, जड़, मूल।

३०३. **आलू**—अलाबु, नीलकंद, बनवासी, महिषकंद, लुलायकंद, विषकंद, शूकरकंद, शुभ्रालु, सर्पाख्य।

३०४ **मूली**---कंदमूल, कटक, कटुकंदक, कुंजर, क्षारमूल, चाणक्यमूलक, दीर्घकंदक, दीर्घपत्रक, दीर्घमूलक, नीलकंठ, भूमिक्षार, मरुसम्भव, महाकंद, मिश्र, मूलक, मूलकपोतिका, मूलाह्न, मूरक्षार, राजालुक,

रुचिर, रुच्यिष्य, शंखमूल, शाखाक, शिखी-फल, शित, हरिपर्णा, हस्तिदंत, हस्तिदंतक।

३०५. मूली (बड़ी)—कौटिल्य, चाणक्य-मूलक, बड़ी मूली, मरुसंभव, महाकंद, मूलक, मूला, वानेय, विष्णुगुप्तक, शाला-मर्कट, मिश्र, स्थूलमूल।

३०६. गाजर—गजीड, गर्जर, गृञ्जन, नारग, नारंगवर्णा, पिंडमूल, पिंडीक, पीत-कंद, पीतमूलक, सुपीत, सुमूलक।

३०७. शलगम—कंद, गोलगाजर, ग्रन्थि-मूल, डिंडीरमोदक, यवनेष्ट, वर्तुल, शल-गम, शलजम, शिखाकंद, शिखीमूल, सलगम, सलजम।

३०८. शकरकंद—कंद, कंदग्रन्थि, कंदा, कन्दा, काँद, गञी, पिंडकद, पिंडालु, पिंडी-तक, रतालू, रोमशकंदक, शकरकंदी, स्वादुकंदक।

३०९. अरुई—अरुवी, आलुक, आलू, कंद, कंदा, कचालू, कच्चू, गजकर्ण, गजकर्णालु, घुइयाँ, घुय्याँ, तीक्ष्णकंद, दीर्घनाल, बडा, महापत्रालुक, हस्तिकर्ण।

३१०. बंडा—दे० 'अरुई'।

३११. सूरन—अर्शारि, अर्शोघ्न, ओल, ओल्ल, कठाल, कन्दूल, कंद, कदल, कंद वर्द्धन, कंदशूरण, कंदी, कदार्ह। जमीकंद, जिमीकंद, तीव्रकंठ, दुर्नामारि, बहुकंद, भूकंद, रुच्यकंद, वातारि, सुकंदी, सूरण, सूरणकंद, स्थूलकंदक।

३१२. सुथनी—मध्वायुक, मध्वालू, रोमालुकी।

३१३. प्याज—दीर्घपत्र, नृपकंद, नृपाह्वय, नृपेष्ट, पलाडु, पलाडू, पियाज, महाकंद, यवनेष्ट, रक्तकंद, राजपलाडु, राजप्रिय, राजेष्ट, रोचक।

३१४. लहसुन—अरिष्ट, उग्रगंध कटुकंद, काँदा, गृंजन, दीर्घपत्रक, भूतघ्न, महाकंद, महोषध, महौषधि, म्लेच्छकंद, यवनेष्ट, रसुन, रसोन, रसोनक, राहूच्छिष्ट, राहूत्सृष्ट, लशुन, लहशुन, लहसुन, वातारि, शुक्र-कंद।

३१५. अदरक—आर्द्रक, अनूपज, आपा-कशाक, आर्द्रशाक, कंदर, कटुभद्र, कटू-त्कट, गुल्ममूल, चंद्रस्थ्य, महौज, मूलज, राहुच्छत्र, वर, सुशाकक, सैकतेष्ट, शृंगवेर, शार्ङ्ग।

३१६. कसेरु—कसेरुक, कसेरुका, कसेरू, क्षुद्रमुस्ता, गुंडकंद, राजकसेरुक, सुकंद, सुगंधि, सूकरेष्ट।

३१७. लालकंद—रक्तकंद, रक्तपिंडक, रक्तालु, लालकंद, लोहितालु, लौहित।

३१८. हाथीकंद—हस्तिकंद।

३१९. मानकंद—मानकच्चू।

३२०. तोलियाकंद—तोलियाकंद, तौलिया-कंद।

३२१. शफतालू—आड़ू, पिंडालू, रतालू, शफतालू, शेवड़ा, आड़ू, सतालू, सप्तालुक।

३२२. चुकंदर—चोकंदर।

३२३. बाराहीकंद—गेठी, वराहीकंद।

३२४. बिदारीकंद—बिलाईकंद, बिदारी-कंद, लालकंद।

३२५. भसिंड—कटाह्वय, कमलमूल, कर-हाट, गोपभद्र, जलालुक, पंकशूरण, पद्म-कंद, भिसाड, भिस्संड, शालूक।

३२६. साग—भाजी, शाक, सब्जी, साग, हरी भाजी, हरी सब्जी।

३२७. पालकी—क्षुरिका, क्षुरपत्रिका, ग्रामिणी, ग्राम्यवल्लभा, पालंक, पालंक्य, पालक, पालको, मधुरा, वास्तुकाकारा, सुपत्रा, स्निग्धपत्रा ।

३२८. चौराई—अल्पमारिश, अल्पमारीश, कंचट, चौरा, चौराई, चौलाई, जलज, तंडुलीय, पानीयतण्डुलीय ।

३२९. बन चौराई—कँट चौराई, बन चौरा ।

३३०. बथुआ—कंकेल, क्षारपत्र, घनाघन, पाशुपत्र, बथुआ, बथुवा, बसुक, बस्तूक, राजशाक, वास्तु, बास्तुक, शाकराट, शाकवीर, शाकश्रेष्ठ ।

३३१. बथुआ लाल—अम्ललोष्ठिता, क्षारदला, क्षारपत्रा, चिल्लिका, तुर्नी, महद्दला, मृदुपत्री ।

३३२. सोआ—अतिच्छत्रा, अवाकपुष्पी, कारवी, घोषा, छत्रा, तालपर्णी, पुष्पिका, बल्या, माधवी, मधुरा, मधुरिका, मिशी, मिसी, वनजा, शतपुष्पा, शतपुष्पिका, शताह्वा, शताह्वा, शालीना, शालेय, शीतशिवा, शोफका, सितच्छत्रा, सुपुष्पी, सुरसा, सोवा ।

३३३. मेथी—दे० 'मेथी' ।

३३४. मरसा (साग)—मरिसा, मरुसा, मारिष, मार्ष, वाष्पक ।

३३५. पोय—अपोदिका, उपोर्ती, उपोदकी, अपोदिका, पिच्छिलच्छदा, पिच्छिला, पूतिका, पोई, मदशाक, मोहिनी, वलिपोदकी, विशाला, वृश्चिकप्रिया ।

३३६. फाँग (साग)—फाग, फागु, फागो ।

३३७. कुलफा (साग)—अश्मरी, कुरफा, खुफी, घोलिका, नोनियाँ, नोनी, बृहल्लोणी, लोणी, लोनी, बृहल्लोणी ।

३३८. पतरा (साग)—पतरी, सरवो ।

३३९. करमी—करमा, करमुआँ, जलशाग ।

३४०. सलाद—शलाद, सलादा ।

३४१. चुक—चुक्कर, चूक ।

३४२. फल (हरा)—फर, फल-फूल, फलहरी, फलारी, बनफल, शलाटु, हरामेवा ।

३४३. अंगूर—अङ्गूर, अमृतफला, अमृतरसा, कृष्णा, गुच्छफला, गोस्तनी, चारुफला, तापसप्रिया, द्राक्षा, प्रियाला, फलोत्तमा, मधुरसा, यदमध्नी, रसा, रसाला, सुफला, स्वादी, स्वादुफला, हारहूरा ।

३४४. अनार—अनार, करक, कुचफल, कुट्टिम, डालिमी, दंतबीजक, दाडिम, दाड़िमीसार, दाडिम्ब, दारिउँ, दालिम, नीलपत्र, नीलपत्रक, पर्वरुह, पिंडपुष्प, पिंडीर, फलषाडव, फलखाडव, फलाशाडव, बिहीदाना, बीदाना, मणिबीज, मधुबीज, मुखवल्लभ, रक्तपुष्प, रक्तबीज, लौहितपुष्पक, वल्कफल, वृत्तफल, शुकवल्लभ, सुबीज, स्वाद्वम्ल ।

३४५. सेब—बदर, महाबदर, मुष्टिप्रमाण, सेउ, सिंचितिकाफल, सेब, सेव, सेवि, सेवित ।

३४६. मुसम्मी—मौसमी, शरबती नीबू ।

३४७. नाशपाती—अमृतफल, नाशपाती, नास्पाती, महाबदार, रुचिफल ।

३४८. संतरा—ऐरावत, किर्मिर, वक्कल, वक्राचिवासी, त्वक्सुगंध, नागरंग, नागर, नागरक, नारंग, नारंग, नौरंगी, मुखप्रिय, योगरग, वक्रवास, वरिष्ठ, संगतरा, सुरंग,

३४९. केला—अंबुसारा, अंशुमत्फला, आयतच्छदा, उरुस्तंभा, कदल, कदलक, कदली, कयल, काष्ठीला, केदली, केरा, केला, गुच्छदंतिका, गुच्छफला, चर्मरावती, तंतुविग्रहा, तत्पत्री, नरोषधि, निःसारा, बालकप्रिया, मानुफला, मोचक, मोचा, रंभा, रंभाफल, राजेष्टा, रोचक, लोचक, वनलक्ष्मी, वारणवल्लभा, वारणबुषा, वारबुषा, वारबृषा, सकृत्फला, सुकुमारा, सुफला, हस्तिविषाणी।

३५०. अन्ननास—अनंतास, अनन्नास, आभ, कौतुकसज्ञक, पारवर्ता।

३५१. रसभरी—कट्फला, कनैया, कवैया, काकमाचिका, काकमाची, काकमाता, काका, काकिनी, कुष्ठघ्नी, गुच्छफला, घना घना, बघनेफला, तिक्तिका, ध्वाङ्क्षमाची, बहुतिक्ता, मकोइया, रसभरी, रसायनी, वायसी, सुंदरी, स्वादुपाका।

३५२. नीबू (कागदी)—अम्लजम्बीर, अम्लसार, जतुमारी, दंतघात, निम्बुक, निम्बू, निम्बूक, मातुलग, रोचन, वह्निदीप्य, वह्निबीज, शोधन।

३५३. नीबू (जभीरी)—कन्ना नीबू, कमला-नीबू, जंतुजित, गभीर, जबीर, जभ, जभर, जंभिर, जभी, जंबीर, दंतकर्षण, दतशठ, दंतहर्षक, मीठानीबू, मुखशोधी, रेवत, रोचनक, वक्त्रशोधी।

३५४. नीबू (बड़ा)—गलगल, गलगला, चकोतरा, बबरा, अबीरा, अभीरी।

३५५. नीबू (बिजौरा)—अम्लकेशर, जन्तुघ्न, दंतुरच्छद, नीबू, पूरक, फलपूरक, बीजक, बीजपूर्ण, मातुलुंग, रुचक, रोचनफल, बीजपूर, सुकेसर, सुपूर।

३५६. मीठा नीबू—कौला, चकोतरा, जबीरी नीबू।

३५७. फल (सूखा)—फल, फलारी, वनमेवा, मेवा, मेवात, नान।

३५८. किशमिस—कपिलफला, काश्मीरी, किसमिस, गोस्तनी, पथिका, मधुवल्ली, मधूलि, मृद्वी, शतवीर्या, हराहर, हरिता, हिमोत्तरा, हैमवती।

३५९. अखरोट—अक्षोट, अक्षोटक, अक्षोड, अखरोट, अखोट, आक्षोट, आक्षोटक, आक्षोड, आखोट, आस्फोटक, कंदराल, कर्पराल, कीरेष्ट, गुडाशय, पार्वतीय, पृथक्छद, फलस्नेह, मदनाफल, रेखाफल, वृत्तफल।

३६०. पिस्ता—चारुफल, जलगोवक, निकोचक, पिश्ता, पिस्त, मुकूलक, सकोच।

३६१. बादाम—नेत्रोपमफल, वातवैरी, वाताद, बाताम, सुफल।

३६२. काजू—अग्निकृत, अरुष्कार, उपपुष्पिका, काजू, काजूतक, गुच्छपुष्प, पार्वती, पृथग्बीज, वृत्तफल, स्निग्धपीतफल।

३६३. छोहारा—खर्जूर, खरिक, गोस्तना, फारसखजूरी, छुहारा, छोहारा, पिंडखजूरी।

३६४. मुनक्का—काकलीद्राक्षा, गोस्तनी, जाम्बुका, दाख, फलोत्तमा, मुनक्का, मोनक्का, रुचिकारिणी, लघुद्राक्षा, सुवृत्ता।

३६५. गरी—गड़ो, गिरी, गोला, सूखा-नारियल। दे० 'नारियल'।

३६६. चिरौंजी—अखट्ट, उपवट, खरस्कंध, चार, चारक, तापसप्रिय, तापसेष्ट, धनु, धनुष्पट, पट, पियाज, पियाल, पियालक, प्रियाल, प्यालमेवा, बहुवल्क, बहुवल्कल,

मोदवीर्य, राजातन, राजादन, ललन, सन्नकद्रु, सन्नद्रु, स्नेहबीज, हसन्नक ।

३६७. आलूबोखारा—आरुक, आलुक, आलूक, भल्ल, भल्लूक, मल्ल, रक्तफल, वीर, वीरसेन, वीराहक ।

३६८. तालमखाना—इक्षुगधा, इक्षुवालिका, इक्षुर, काडेक्षु, काकेक्षु, कुलाहक, कैलया, कोकिलाक्ष, क्षुर, क्षुरक, ताल, त्रिक्षुर, पिच्छिला, भिक्षु, वज्रास्थि, शुक्लपुष्प, शूरक, शृंखला, शृंखली, शृंगाली ।

३६९. टैंटी—ग्रथिल, टेंटी, विककत, व्याघ्रपाद, सुवाहृत, स्वादकंटक ।

३७०. अंजीर—अजीर, काकोदुम्बरिका, मंजुल ।

३७१. मूँगफली—चीनाबादाम, चीनियाँ-बादाम, चीनियाबादाम, चीनियाबादाम, त्रिबीजा, भूचणका, भूटियाबादाम, भूमिजा, भूमिशिम्बिका, भोटियाबादाम, मंडरी, मूँगफली, रक्तबीजा, स्नेहबीजिका ।

३७२. ककड़ी—इर्वारु, उर्वारु, ककरी, कर्कटाक्ष, कर्कटी, चिर्भटी, छर्दा-पनिका, तोयफला, त्रपुष्पा, त्रपुष्पी, पीनसा, बहुकदा, बालुंगी, मूत्रफला, मूत्रला, लोमशकाडा, लोमशा, लोमशी, बृहत्फला, व्यालपत्रा, व्यालपत्री, शान्तनु, स्थूला, हस्तिदंतफला, हस्तिपर्णी ।

३७३. फूट (ककड़ी)—ककड़ी, ककरी, कचरिया, कटकला, कपिलाक्षी, कुंभसी, गोरख-ककड़ी, चित्रवल्ली, चित्रा, चिर्भिट, देवी, नथ्या, फूट, बहुफला, भकुर, मरुज, मृगाक्षी, मृगादनी, मृगेक्षण, मृगेर्वारु, लघुचिर्भिटा, विचित्रा, श्वेतपुष्पा, सेंध ।

३७४. खीरा—कंटकिलता, कटकीफल, कंटालु, काडालु, कोषफला, खीरा, खीरा, तुंदिलफला, त्रपुकर्कटी, त्रपुष्प, पीतपुष्प, बहुफला, बालमखीरा, सुधावासी, सुशीतल।

३७५. पेहँटा—कचरी, पेहँटा, पेहँटुल, पेंहटी, पेहँटुल ।

३७६. लखनवी खरबूजा—चित्रल, नाश-पाती ।

३७७. खरबूज—अमृताह्व, खरबुज्जा, खरबूज, खरबूजा, तिक्तफला, तिक्ता, दशांगुल, फलराज, मधुपाका, मधुफला, वृत्तेर्वारु, षण्मुखा, षड्भुजा, षडेला ।

३७८. तरबूज—अल्पप्रमाणक, कलिंग, कलिंद, कालिंग, कालिंद, कृष्णबीज, गोडुंब, घृणाफल, चित्र, चित्रफल, चित्रवल्लिका, चेलान, नाटाम्र, मतीरा, मधुरफल, मांस-फल, मांसल, मेट, राजतिनिष, लतापनस, वृत्तफल, शीर्णवृत, सुखाश, सुवर्तुल, सेट, हिंदुआना, हिंदमाना ।

३७९. सिंघाड़ा—जलफल, जलवल्ली, जल-सूची, त्रिक, त्रिकोट, त्रिकोणफल, पानी फल, वारिकंटक, वारिकुब्जक, विषाणी, शुक्लदुग्ध, शृंगकंद, शृंगमूल, शृंगरूह, शृंगाट, शृंगाटक, सघाटिका, सिंघारा ।

३८०. हरफारेवड़ी—कोमलवल्कला, घना, पाडु, लवली, सुगंधमूला, स्कधफला, हरफारेवरी ।

३८१. फूल—कुसुम, गुल, पीलु, पुष्प, पुष्पक, पुहुप, पुहुप, प्रसव, प्रसून, मधु-पिता, मंजरा, मंजीचक, माल्य, समद, सारंग, सुम, सुमन, सुमनस्, सून, शगूफा ।

३८२. पुष्पयुक्त—उत्फुल्ल, कुसुमित,

पुष्पित, प्रफुल्ल, फुल्ल, विकच, व्याकोश, सफुल्ल, स्फुट।

३८३. पुष्पमाला—पुष्पमाला, फूलमाला, माला, मालिका, स्रक्।

३८४. पंखुरी—दल, पंखुड़ी, पाखुरी, पटल।

३८५. परागकेसर—धूलि, पराग, पराग-केसर, पुष्प-रज, रज, रेणु।

३८६. पुष्परस—पुष्पज, पुष्पद्रव, पुष्प निर्यासक, पुष्परस, पुष्पसार, पुष्पस्वेद, पुष्पाम्बु, मकरंद, मधु।

३८७. फूलगुच्छ—कुसुमस्तवक, पुष्पगुच्छ, फूलगुच्छ।

३८८. कमल—अंबुज, अभोज, अभोरुह, अनिंद, अब्ज, अम्लान, अरविंद, आस्य-पत्र, इंदरायल, इदीवर, उत्पल, कज, कँवल, कवार, कुटप, कुशेशय, कोकनद, जलकरज, जलज, जलजात, तानरस, ताम-रस, द्रोण, नल, नलिन, नालिक, नालीक, नीरज, पंकजात, पंकरुह, पत्री, पद्म, पयोज, पाथोज, पारिजात, पुटक, पुंडरीक, पुरइन, मकरंदी, महोत्पल, पुष्कर, प्रफुल्ला, वनज, विशकुसुम, राजीव, राजिव, वनज, विस, प्रसून, शतदल, शतपत्र, शम्बर, शोभन, श्रीपर्ण, श्रीवास, श्रीवास, श्रीवासक, शृंग, सरोज, सरोरुह, सहस्रदल, सहस्रपत्र सारज, सुजल, हरि, हिम।

३८९. कमल नाल—कमलदंड, कमलनाल, कोमल, कोमलक, कोरक, ततुर, तंतुल, नलिनीरुह, नाल, पौनार, बिस, मृणाल, मृणाल, मृणालकंद, मृणालिनी, मृणाली, बिसकंद, बिसिनी।

३९०. कमल-केशर—आपीत, कांचन, किंज, किंजल्क, केशर, चांपेयक, जीरा, तुंग, पीतपराग।

३९१. कमल-धूलि—गोलोक्य, धूलि, पद्म-कर्कटी, पद्मबीज, पद्माक्ष, पराग, पांसु, रज, रेणु।

३९२. कमल रस—मकरंद, मधु, रस।

३९३. कमल-दल—किसलय, दल, संव-र्तिक।

३९४. नील कमल—असितोत्पल, इंदिरा-वर, इंदीवर, उत्पलक, कदोट, कुड्मलक, तोत्पल, नीलकमल, नीलपत्रक, नीलांबुज, नीलाब्ज, सुगंध, सौगंधिक।

३९५. लाल कमल—अरविंद, अलिप्रिय, अल्पपत्र, आलोहित, कुमुद, कृष्णकंद, कोकनद, चारुनालक, रक्तकमल, रक्तोत्पल, रविप्रिय, शोणपद्म।

३९६. पीत कमल—पांडुकमल, स्वर्ण-कमल।

३९७. सफेद कमल—कैरव, दशोपम, पुंड, पुंडरीक, पुन्नाग, महापद्म, शंभुवल्लभ, शरत्पद्म, शारद, श्वेतपद्म, सितांबुज, सिताब्ज, हरिनेत्र।

३९८. गुलाब—अतिकेसर, अतिकुल, अति मंजुल, अतिमंजुला, कटकाख्या, कर्णिका, कुब्जक, कुमारी, कूजा, गंध गंधाढ्या, चारुकेसरा, तरुणी, देवतरुणी, बहु-पत्रिका, भद्रतरुणी, भृंगवल्लभा, भृंगेष्टा, महाकुमारी, महासह, महासहावारिकटक, रामतरुणी, लाक्षापुष्पा, वृत्तपुष्प, शतदला, शतपत्रिका, शतपत्री, शिववल्लभा, सहा, सुदला, सुमना, सुवृत्त, सुशीता, सेवती, सेवती, सेवती, सौम्यगंधा।

३६६. **केवड़ा सफेद**—इंदुकलिका, कंटदला, केतकी, केवड़ा, क्रकचच्छद, क्रकचा, गंधपुष्पा, चामरपुष्प, जम्बुक, जम्बुल, तीक्ष्णपुष्पा, दलपुष्पा, दीर्घपत्रा, धूलपुष्पिका नृपप्रिया, पाशुला, मेध्या, विफला, शिवद्विष्टा, सूचिकापुष्प, सूचिपुष्प, स्थिरगंधा, हलीन।

४०० **केवड़ा**—कनकप्रसवा, कामखगदला, केवड़ा, छिन्नरुहा, पुष्पी, लघुपुष्पा, सुगंधिनी, स्वर्णकेतकी, स्वर्णपुष्पी, हैमी।

४०१. **बेला**—अतिगंध, अतिगंधा, अष्टपदी, गंधराज, गंधसार, गवाक्षी, गिरिजा, गौरी, घुघुरूमोतिया, जनेष्ट, तृणशून्या, दंतपत्रा, दलकोषक, देवलता, नारीष्ट, प्रमोदनी, प्रिय, प्रिया, बनमोगरा, भद्रवल्ली, भूपदी, मदयंती, मल्लिका, मल्ली, मुकबघना, मुग्दरक, मुग्दरा, मृगेष्ट, मोगरा, मोतिया, राजपुत्री, वनचंद्रिका, वर्त्तुल, वार्षिका, वार्षिकी, विटप्रिय, शीतभीरु, श्रीपदी, षटपदप्रिया, षटपदानद, सप्तपत्र, सिता, सौम्या।

४०२ **चमेली**—उपजाती, बलिह्वासा, वर्षापुष्पा, वेशिाक, श्रीमती, सुरूपा, सुवर्षा।

४०३. **चमेली** (पीली)—चमेली, जनेष्टा, जाई, जातिका, जाती, तैलमालिनी, पीली जाई, प्रहसंती, प्रियदा, मनोज्ञा, मनोहरा, मालती, मालिनी, राजपुत्रिका, राजपुत्री, बसंतजा, वार्षिक, वासंती, सध्यापुष्पी, सुकुमारी, सुमना, सुरप्रिया, सुरभिगधा, सुवसंता, स्वर्णजातिका, स्वर्णजाती, हृद्यगधा।

४०४. **जूही (सफेद)**—अंबाष्ठा, गजाह्वया, गणिका, गुच्छोज्वला, चारुमोदा, जुही, पुण्यगंधा, बहुगंध, बालपुष्पिका, बालपुष्पी, भृगनंदा, मागधी, मोदिनी, यूथिका, यूथितरुणी, यूथी, वासंती, शंखयूथिका, शिखंडिनी, शिखंडी, सुगंधा, सुगंधिका, हरिणी।

४०५. **जूही (पीली)**—कनकप्रभा, गणाह्वा, जूही, नागपुष्पिका, पीतयूथी, पीतिका, युवतीष्टा, रक्तगंधा, व्यक्तगंधा, सुगधा, सुवर्णयूथी, सुवर्णाह्वा, सोनजुही, हेमपुष्पा, हेमपुष्पिका, हेमयूथिका, हेम।

४०६. **चंपा**—अतिगधक, उग्रगधा, काञ्चन, कुट, कुसुमाधिप, चपक, चंपा, चांपेय, दीपपुष्प, नागपुष्प, पीतपुष्प, पुण्यगंधा, भृगमोही, भ्रमरातिथि, बनदीप, वरलब्ध, शीतल, शीतलच्छद, सुकुमाधि-राट, सुकुमार, सुरभि, स्वर्णपुष्प, स्थिरपुष्प, हेमपुष्पक।

४०७. **कमुदिनी**—इन्दुकमल, उत्पल, कंदोत, कच्छ, कमोदिनी, कह्लार, कुबेल, कुव, कुवल, कुमुद, कुमुदिनी, कुमोदिनी, कुवलय, कूँई, कैरव, कोई, कोका, गन्धसोम, गर्दभ, चंद्रकांत, चंद्रिकाबुज, धवलोत्पल, नलिनी, निशाफुल्ल, पद्मिनी, रात्रिपुष्प, शीतजलज, शीतलक, सितोत्पल, सौगंधिक हिमाब्ज, हल्लक।

४०८. **कुमुदिनी** (नीली)—इंदीवर, कंद, कुंई, कुमुद, कुमुदिनी, कुमोद, कुमोदिनी, कुवलय, कोई, कोका, कोकाबेरी, कोकाबेली, नीलोत्पल, नीलोफर, प्रफुला, विधुबंधु, सुपर्णी।

४०९. **स्थलकमल**—अंबुरुहा, अतिचरा, अव्यथा, चारिटी, पुष्करणी, पुष्करनाडी, पुष्करपर्णिका, पद्मचारिणी, पद्मा, पद्मावती, पद्माह्वा, रम्या, लक्ष्मी, श्रोणा,

स्थलरुहा, शारदा, सुगंधमूला, सुपुष्करा।

४१०. **कटसरैया (पीली)**—कटसरैया, कनक, किंकिरात, कुरंट, कुरुंटक, पीतपुष्प, पीतपुष्पक, पीतसैरेयक, पीताम्लान, पुर, वीर, सहचर, सहचरी, सहाचर।

४११. **कटसरैया (लाल)**—कटसरैया, कामुक, कुरबक, रक्तझिंटिका, रक्तझिंटी, रक्तपुष्प, रक्ताम्लान, रामप्रसव, रामलिंगन, शोणझिंटिक, शोणझिंटी, सुभग।

४१२. **कटसरैया (सफेद)**—कटसरैया, कुरंटक, कुरबक, पियाबासा, सरैया, सैरेय, सैरेयक।

४१३. **कटसरैया (नीली)**—आर्तगल, आर्त्तगल, कंटार्त्तगला, नीलकुरंटक, नीलकुसुमा, नीलझिंटी, नीलपुष्पी, बाण, बाला, शैरीयक, शैरेय।

४१४. **कुन्द**—अट्टहास, अट्टपुष्पक, दमन, दलकोष, भृंगबंधु, मकरंद, महामोद, माघ्य, मुक्तापुष्प, वनहास, वरट, वोरट, शुक्लपुष्प, श्वेतपुष्प, सदापुष्प।

४१५. **मालती**—जाति, युवती, वासन्ती, सुमना।

४१६. **रजनीगंधा**—गुलशब्बो, रजनीगन्धा, रातरानी, सुगंधरा, सुगंधिराज।

४१७. **हरसिंगार**—खरपत्रक, नालकुंकुम, परजाता, पारिजात, प्राजक्त, रागपुष्पी, सिंगारहार, हरसिंगार, हारसृंगार।

४१८. **कदम्ब**—कदम, कदम्म, धाराकदंब, नीप, नृत्यनीप, प्रीअंक, प्रवाहारक, भूनीप, भूमिकदंब, भूमिज, भृंगवल्लभ, मदिरागंध, लघुपुष्प, विषघ्न, वृत्तपुष्प, सुवाह।

४१९. **कनेर**—अश्वघ्न, अश्वमारक, अश्वरोधक, करवीर, कुंद, गौरीपुष्प, चंडात, तुरंगारि, दिव्यपुष्प, नखराह, प्रतिहास, रंगारि, वीर, शंकुद, शतकुंद, शतकुंभ, शतप्रास, शातकुंभ, शीतकुंभ, श्वेतपुष्प, श्वेतपुष्पक, सिद्धपुष्प, स्थलकुमुद।

४२०. **मौलसिरी**—कंट, करक, केसर, गूढ़पुष्पक, चिरपुष्प, तैलांग, दोहल, धन्वी, बकुल, भ्रमरानंद, मकुल, मदन, मधुपंजर, मधुपुष्प, मुकुल, मौलसी, मौलश्री, वरलब्ध, विशारद, शारदिक, सिंहकेशर, सीधगंध, सुरभि, स्त्रीमुखमधु।

४२१. **मेंहदी**—कोकदंता, नखरंजिनी, मेंदिका, मेंहदी, यवनेष्टा, रंजका, रंजिनी, रागगर्भी, रागांगी, लाकचेरि, सुगंधपुष्पा, हिना, हेना।

४२२. **अड़हुल**—अड़हुर, अरुणा, ओड्रपुष्प, ओंड़हुल, ओड्राख्या, गुड़हर, जयाकुसुम, जवाकुसुम, त्रिसंध्या, प्रातिका, रक्तपुष्पी, रागपुष्पी, हलहुल।

४२३. **दौना**—दमनक, दवन, दवना, दोना।

४२४. **गुलदौना**—कुलपत्र, कुलपत्रक, गंधोत्कट, गुलदौना, जटिला, तपोधन, दंडी, दमन, दमनक, दांत, देवशेखर, दौना, पत्री, पवित्रक, पांडुराग, पुंडरीक, पुष्पचामर, ब्रह्मजट, ब्रह्मजटा, मदनक, मुनिपुत्र, मुनि, विनीत।

४२५. **गुलदुपहरिया**—अर्कवल्लभ, ओष्ठपुष्प, गुलदुपहरिया, ज्वरघ्न, बंधुजीव, बंधु, बधुल, बंधूक, बंधूली, मध्यंदिन, माध्याह्निक, रक्त, रक्तक, रक्तपुष्प, शरत्पुष्प, सुपुत्र, सूर्यभक, सूर्यभक्तक, हरिप्रिय।

४२६. **अगस्त्य**—अगस्तिया, अगस्ती, अगस्त्य, कमली, खरध्वंसी, दोषकलक, पवित्र,

बंगपुष्प, बोड़ी का फूल, मधारि, मुनिपुष्प, बंगसेनक, वकुल, शीघ्रपुष्प, शुल्कपुष्प, सुरप्रिय, हदगा, हाथया।

४२७. टेसू (फूल)—टेसू, नाहर।

४२८. सूरजमुखी—सूरजमूखी, सूर्य्यफूल, सूर्य्यमुखी।

४२९. गेंदा—गेना।

४३०. सदाबहार—तमाल, नागकेसर, नाग चंपा, म्योड़ी, सदावहार।

४३१. माधवी — अतिमुक्त, अतिमुक्तक, अतिमुक्ता, कामुक, चंद्रवल्ली, पराश्रया, पुंड्रकलता, भद्रलता, भूमिमंडपभूषण, भृंगप्रिया, भ्रमरोत्सव, मंडप, माधविका, माधवी, माधवीलता, बसंतदूती, वासंती, विमुक्तक, सुगंधा, सुवसंता, हेमपुष्प, हेमपुष्पक, हेमाह्न।

४३२. गँगेरन — अनिष्टा, खरगंधनी, खरवल्लिरिका, गांगेरुकी, गोरक्षतंडुला, चतुःपला, झषा, देवदंडा, नागवला भद्रौदना, महापत्रा, महोदया, विश्वदेवी, ह्रस्वगवेधुका।

४३३. रूपमंजरी—रूपी।

४३४. मदनमस्त—मदनमस्त, मस्ताना, मोतीबेल।

४३५. मुचुकुंद—चित्रक, छत्रवृश, दीर्घपुष्प, प्रतिविष्णुक, बहुपत्र, रक्तप्रसव, सुदल, सुपुष्प, हरिवल्लभ।

४३६. मखमली—कलगा, गुलमखमल, झंडु, झंडूक, लालमुर्गा, स्थूल-पुष्पा।

४३७. गुलपरी—अल्पकंटकी, गुलतोरा, चिंचापत्रा, बहुपुष्पा, वनवासी, शंखोदरी, श्लक्ष्णपत्री, सुपुष्पा, सुशिम्बिका।

४३८. लटकन—करच्छदा, चाफर, जोगिया, तृणपुष्पी, रक्तबीजा, लटकन, वीरपुष्पा, शोणपुष्पी, सुकोमला, सिंदुरपुष्पी, सिंदूरिया, सिंदूरी, सेंदुरिया, सेनुरिया।

४३९ गुल्लाला लालफूल—गल्लाला, रक्तपुष्प, लालकुसुम, लालफूल।

४४० गुलतुर्रा — गुलतुर्रा, सिद्धनाथ, सिद्धाख्य, सिद्धेश्वर।

४४१ नेवारी — अतिमोदा, गंधनिलया, गुच्छपुष्प, गुच्छपुष्पा, ग्रीष्मभवा, ग्रीष्मोद्भवा, ग्रीष्मिका, ग्रैष्मी, देवलता, नवमालिका, नेपाली, नेमाली, नेवाड़ी, नेवारी, नेवाली, नेवारीं, नेवालीं, प्रहसंती, भद्रवर्म, मधुगंधा, राजादनदला, वनजा, वनमल्लिका, वसंतजा, वासंती, शिखारजी, शुचिमल्लिका, सप्तला, सुकुमारा, सुगंधा, सुवसंता, सूक्ष्मपुष्पिका।

४४२. पाटल—पाटर, पाडर, पाढर।

४४३. धातु—खनिज, खनिज पदार्थ, खानिज, दरव, मेटेल।

४४४. खान—आकर, उत्पत्ति, स्थल, कान, खजाना, खदान, खनि, खान, खानि।

४४५. खनना—खती करना, खनोना, खोदना, गोड़ना।

४४६. खनने का अस्त्र—कुदाल, खंता, खती, खनित्र, फावड़ा।

४४७. खोदाई—खुदवाई, खुदाई, कोदाई, गोड़ाई।

४४८. सोना—अकुप्य, अग्नि, अग्निबीज, अग्निशिखा, आग्नेय, अभ्रक, अमृत, अष्ट, अर्जुन, अष्टापद, उज्वल, ऊर्ध्व, उज्वल, कंचन, कनक, करहाटक, कर्बूर, कर्बुर, कलधौत, कल्याण, कांचन, कान्ति, कार्त-

खर, कुंदन, कृशन, गांगेय, गारुड़, गैरिक, गौर, चंड, चंद्र, चांपेय, चामीकर, जाटरूप, जाम्ब, जांबूनद, जातरूप, जातरूप्य, तपनीय, दत्र, दीप्तक, द्राविड़, निष्क, पिंजान, पीतक, पुरट, पेश, भर्म्म, भास्कर, भूत्तम, भूरिपिंजर, भूषणाई, भृंगार, मंगल्य, मनोहर, महारजत, रेनक, रुक्म, लोह, लोहवर, लोहोत्तम, वारिज, शतकुंभ, शातकुंभ, श्रीनिकेत, मानसि, सुबरन, सुर, सुवरन, सुवर्ण, सूर्य्यनामक, सोना, सौमेरुक, स्वर्ण, हरि, हाटक, हिरण्य, हेम।

४४६. चाँदी—अकुप्य, इंदुलोहक, कलधूत, कलधौत, कुप्य, कुमुद, खर्जूर, चंद्रकान्ति, चंद्रभूति, चंद्रलोहक, चंद्रवपु, चाँदी, जातरूप, तप्तरूपक, तार, दुर्दान, धौत, परिक, महाधन, महावसु महाशुभ्र, रंगबीज, रज, रजत, रुक्म, रूपक, रूपा, रौप्य, लोहराजक, वसुश्रेष्ठा वाल्कल, विमल, शुभ, शुभ्र, श्वेत, श्वेतक, सित, सिता, सौध।

४५०. ताँबा—अम्बक, अरविंद, अर्क, उदुम्बर, उदुंबर, कनीयस, उपनेष्ट, ताम्रक, ताँबा, तामा, ताम्र, ताम्रक, द्वयष्ट द्विष्ट, नैपालिक, नैपालिका, पवित्र, मुनिपित्तल, म्लेच्छमुख, ब्रह्मवर्चस, भासुर, रक्त, रक्तधातु, रविप्रिय, रविलोह, रविलोह, रविसंज्ञक, लोहितापस, लोहितायस, वरिष्ट, शुल्ल, शुल्व, सर्वलोह, सुल्य, सूर्याह।

४५१. लोहा—अयः, अयस्कान्त, अश्मसार, अश्मसार, आयस, आहन, कांत, कांतलोह, कालायस, कृष्णायस, खग, चालब, तीक्ष्णक, पिंड, लोह, लोहकांतक, लोहा, लौह, वर्णलौह, शंकक, शस्त्र, शस्त्रक, शस्त्रालय, शिलाज, शिलात्मज, सार।

४५२. फौलाद—इस्पात, इस्पात, खेड़ी, फौलाद, लोहसार।

४५३. चुम्बक—अयस्कांत, कान्तपाषाण, चुम्बक, चुंबकपत्थर, लोहकर्षक, लौह-कर्षक।

४५४. पीतल—आर, आरकूट, कपिला, कपिलोह, काँची पीतल, क्षुद्रसुवर्ण, द्रव्य-दारु, पतिकावेर, पाकटुंडा, पिंग, पिंगल, पिंगललोह, पित्तल, पीतक, पीतधातु, पीतल, पीतलोह पीतलौह, ब्रह्मरीति, ब्रह्माणी, महेश्वरी, मिश्र, राजपुत्री, राज-रीती, रीति, गीरी, लोह, लोहितक, सिंहल, सलाहक, सुवर्णक, हरिलोह।

४५५. जस्ता—कसास्थि, जसद, जस्त, जस्ता, रंगसदृश, यशद, रीतिहेतु, श्वेतपटल।

४५६. काँसा—असुराह्वय, कंस, कंसास्थि, कंसकुट, कान्स, कान्सक, काँसा, काँसी, काँसाय, काँस्य, घंटाशब्द, घोरपुष्प, घोरलोह, घोष, ताम्रअर्धुक, ताम्रार्द्ध, दीप्तलोह, दीप्तलोहक, दीप्तिलोहक, दीप्ति, प्रकाश, फूल, वंगशुल्वज, वह्नि-लोहक, विद्युत्प्रिय।

४५७. राँगा—आप, आलीमक, कलई, कस्तीर, कुनाप, कुरुपत्री, कुरूप्य, गुरुपत्र, चक्र, चक्रसंज्ञ, चिप्पट, तमर, त्रपु, त्रपुष, नाग, नागज, नागजीवन, पिच्चट, पूतिगंध, बंग, मधुर, मृद्वंग, रंग, राँग, राँगा, वंग, सिंहल, स्वर्णज, स्वर्णज, स्वर्णज, हिम।

४५८. सीसा—उरग, कुरंग, गडुप्रदभव, चिच्चट, चीन, चीनपिष्ट, चीनरंग, चीर, जड़, तारशुद्धिकर, त्रपु, धातुमल, नाग, पद्म, परिपिष्टक, पार्वत, पिच्चट, पिष्ट, बभ्रक, बहुमल, भुजगम, महाबल, मृदु-कृष्णायस, यवनेष्ट, यामुनेष्टक, योगेष्ट, वयोरग, लेख्य, वध, वभ्रक, वप्र, वयोवंग, वर्द्ध, शिरावृत्त, शीशा, श्वेतरंजन, सिंदूरकारण, सीस, सीसक, सीसपत्रक, सुवर्णक, सुवर्णारि, स्वर्णारि, हरिद्रा।

४५९. पारा—अचिंतज, अमर, अमृत, अवित्तज, खेचर, चपल, जैत्र, त्रिनेत्र, दिव्यरस, दुर्द्धर, देव, देहद, पार, पारत, पारद, पारा, प्रभु, प्रभुरुद्रज, महातेज, महारस, मूर्ति, मृत्युनाशक, यशोदा, रसस्वल, रस, रसधातु, रसनाथ, रसराज, रसलेह, रसायनश्रेष्ट, रसेंद्र, रसोत्तम, रुद्रज, रोपण, लोकेश, लोहेश, शिव, शिवबीज, शिववीर्य, शिवाह्वय, सिद्धधातु, सूत, सूतक, सूतराट्, स्कंद, स्कंदांशक, स्वामी, हरतेज, हरबीज, हेमनिधि।

४६०. अबरक—अंतरिक्ष, अंबर, अबर, अबरक, अब्द, अभल, अभ्र, अभ्रक, अवरक, आभ, ख, गगन, गरजध्वज, गिरिज, गिरिजाबीज, गिरिजामल, गौर्य्यामल, गौरीज, गौरीजेय, घन, घनाह्वक, तबक, निर्मल, बाहुपत्र, मुरवल, भृंग, भोडर, भोडल, व्योम, शुभ्र।

४६१. ४ तरह के अभ्रक—दर्दुर, नाग, पिनाक, वज्र।

४६२. गेरू—गवेधुक, गवेरुक, गिरिधातु, गिरिमृत, गिरिमृद्भव, गेरु, गैरिक, गैरेय, ताम्रधातु, धातु, प्रस्तरम, रक्तधातु, लोहितमृत्तिका, वनालक्त।

४६३. मुरदासंख—नागलत्व, बेदारश्रृंगज, ब्रघ्न, मुरदाशंख, मुरदाशिंग, मुरदासन, मुरदासंख, बोदार, बोदारश्रृंग, स्वर्ण-वर्णक।

४६४. नौसादर—अमृतक्षार, क्षारश्रेष्ठ, चूलिकालवण, नरसार, नौसादर, नवर-खार, नवक्षार, विदारन, सादर।

४६५. संखिया—आखुपाषाण, गौरीपाषाण, मल्ल, लोहशंकरकारक, शंखविष, शतमल्ल, श्रृंगविष, श्रृंगिका, श्रृंगिक, सोमलखार।

४६६ फिटकिरी—गतरंगा, फटकिरी, फिटकिरी, दृढ़रंगा, दृढ़ा, रंगदा, रंगदृढ़ा, रंगा, रंगांगा, शुभ्रा, श्वेता, सुरंगा, स्फटिका, स्फटिकारि, स्फटिकारिका, स्फटी।

४६७. लाह—अलक्त, क्रिमिजा, कीटजा, क्षतघ्नी, खदरिका, गंधमादिनी, गंधारिका, गर्न्धका, जतु, जतुका, द्रवरसा, दीप्ति, द्रुमव्याधि, नीला, पलंकषा, पलाशी, याव, रंकमाता, रक्ता, राक्षा, लाख, लाह, लाहा।

४६८. कुंदुर—कुंदुर, कुदाक, खपुर, तीक्ष्ण-गंध, नागवधूप्रिय, पालंकी, भीषण, विकालाक्ष, शल्लकीनिर्यास, सुगंध, सौगंधी।

४६९. शोरा—अर्कक्षार, कौरिक, तार्क्ष, तीक्ष्णरस, वाजी, शिलाधातु, शोरा, सर्जि-क्षार, सुवर्चिका, सूरक्षार, सूर्यक्षार, सूर्य-खार, सोडा, सोरा।

४७०. नोनी (मिट्टी)—कल्लर, नोना, लोना, लोनी।

४७१. गंधक—अतिगंध, कीटघ्न, कुष्टारि, क्रूरगंध, गंध, गंधक, गंधकपाषाण, गंधमोदन, गंधमोहन, गंधाश्य, गंधिक, गंधी, गौरीबीज, दिव्यगंध, पामागंध, पामाघ्न, पामारि, बलरस, बलि, रसगंधक, वर, शरभूमिज, शुल्वारि, सगंध, सुगंधिक।

४७२. ४ तरह की गंधक—नीला, पीला, लाल, सफ़ेद।

४७३. हरताल — अल, कबूर, कनकरस, कांचनक, काचनरस, गोदंत, गोरोच, गौरीललित, चित्रगंध, चित्रांग, छत्रांग, ताल, तालक, नटभूषण, नटमंडन, निसगंधि, पिंग, पिंगासार, पिंजर, पिंजरक, पिंजल, पित्तल, पीत, पीतक, पीतन, बिड़ालक, मनोश, लोमहृत, वंशपत्रक, वर्णक, वैदल, सिद्धधातु, हरिताल, हरितालक, हरिबीज।

४७४. २ तरह की हरताल—गोदंतहरताल, तबकिया हरताल।

४७५. गोदंत हरताल—गोदंत, पिंड, हरताल।

४७६. तबकिया हरताल—तबकिया, स्तबक, हरताल।

४७७. राल—कलकला, कलयस, काल, धूप, देवधूप, देवेष्ट, धूनक, धूना, धूपन, बहुरूप, यक्षधूप, राल, ललत, बिरूप, शालवेष्ट, शालसार, सर्जरस, सर्वरस, सालज, सुरभि।

४७८. बच्छनाग (विष)—अमृत, आहेय, उग्रकूल, काकोल, कालकूट, कृपल, क्ष्वेड, गर, गरद, गरल, घोर, जंगुल, ज़हर, जागल, जांगुल, जीवनाघात, जीवनांतक, तीक्ष्ण, दारद, नील, प्रदीपन, प्राणहर, बचनाग, ब्रह्मपुत्र, मुगर, माहुर, रक्तशृंगिक, रस, रसायन, वत्सनाम, विष, शौक्लकेय, शृंगी, सौराष्ट्रिक, हलाहल, हारिद्र, हालाहल।

४७९. ६ तरह के उपविष—अफ़ीम, कनेर, करियारी, कुचिला, घुँघची, जमालगोटा, धतूरा, मदार, सेहुड़।

४८०. रत्न—कीमती पत्थर, गोमेद, गोमेदक, चूनी, जवाहर, जवाहरात, जवाहिर, जौहर, तननगी, नग, नगी, नगीना, नवरतन, नवरत्न, पुलक, मणि, रतन, ललाम।

विलोम—दे० काँच

४८१. ६ रत्न—गोमेद, नीलम, पुष्पराग, मरकत, माणिक, मूंगा, मोती, वैदूर्य, हीरा।

४८२. समुद्र के १४ रत्न—अमृत, इंद्रधनुष, उच्चैश्रवाघोड़ा, ऐरावतहाथी, कल्पवृक्ष, कामधेनुगौ, कौस्तुभमणि, चंद्रमा, धन्वंतरिवैद्य, पांचजन्यशंख, रंभाअप्सरा, लक्ष्मी, वारुणी, हलाहलविष।

४८३. मोती—अभसार, इंदुरत्न, कुवल, क्रोड, गुलिक, गोशवारा, जौहर, जलज, दधिसुत, तारा, दर्दुर, नक्षत्र, नीरज, भूरुह, मौक्तिक, मजर, मंजरिका, मंजरी, मुक्ता, मुक्ताफल, मोती, मौकिक, लव, लक्ष्मी, वंदनवार, शशिमोती, शशिप्रभ, शशिप्रिय, शुक्तिज, शौक्तिकेय, शौक्तेयक, सिंधुसुतासुत, सीपज, सीपसुत, सीपसुत,

सीपिज, स्वातिसुत, स्वातिसुवन, हारी, हिंगबल, हैमवत, हैमवती।

४८४. माणिक — अग्निगर्भ, अरुणोपल, कुरुबिल्व, कुरुविंद, कुरविंदक, गोनस, चंद्रकांत, चिंतामणि, तपन, तरणिरत, तरुण, तापन, पद्मराग, माणि, माणिक, माणिक्य, मानिक, रत्न, रत्ननामक, रत्नराट्, रविरत्नक, रागयुक, लक्ष्मीपुष्प, लाल, लोहित, लोहितक, शोणरत्नक, शृंगारी, शोणोपल, सुरमणि, सूर्यकांत, सौगंधिक, स्यमंतक, स्फटिक।

४८५. हीरा—अभेद्य, अशिर, कनी, कुलिश, गो, दधीच्यस्थि, दृक, दृढगर्भक्, दृढाग, निष्क, निष्कंपा, पटु, पदक, मणि-वर, वज्र, वज्रक, वज्रमणि, वज्रसार, वरारक, षटकोण, सूचीमुख, हीर, हीरक, हीरा।

४८६. पन्ना—अश्मगर्भ, अश्मगर्भज, गर-लारि, गरुडांकित, गरुडाश्म, गरुत्मक, गरुत्मत, गारुड़, ज़मुर्रद, पन्नग, पन्ना, मणि, मरकत, मरक्त, मसार, मसारक, राजनील, रोहिणेय, लतापावक, वाप्रबोल, सौपर्ण, हरित, हरितमणि, हरिनग।

४८७. लाल—अर्केपिल, अरुणोपल, कुरु-विन्द, तरुण, पद्मराग, पकजराग, माणिक, माणिका, मार्मिक, रंगमाणिक्य रत्न, रत्नक, रविरत्नक, रविविंब लौहितिक, वैक्रांत, शृंगारी, सौगंधिक।

४८८. नीलम — असितरत्न, इन्द्रनील, तृणग्राही, नील, नीलक, नीलकांत, नीलपल, नीलमनि, नीलमणि, नीलाश्मा, मच्छोद्भव, मसार, महानील, सुनीलक, सौरिरत्न।

४८९. लहसुनियाँ — अभ्ररोह, केतुग्रह, केतुरत्न, कैटव, प्रावृष्य, बालवायज, बाल-सूर्य, मेघखराकुर, राष्ट्रक, वज्राख्य, लहसु-नियाँ, विदूरज, विदरत्न, विदूर्य, वैडूर्य, वैदूर्य, शराब्दांकुर।

४९०. फीरोजा—पेरोजा, फिरोजा, भस्मांग, हरित, हरिताश्म।

४९१. चुन्नी—कण, वैक्रांत।

४९२. पुखराज—गुरुरत्न, जीवरत्न, पीत, पीतस्फटिक, पुखराज, पुष्पराग, पुष्पराज, पोखराज, पोखराज, वाचस्पतिवल्लभ।

४९३. गोमेद—अगस्तिसत्व, गोमेद, गोमे-दक, तमोमणि, पिंगस्फटिक, पीतमणि, पीतरत्न, पीतसार, राहुरत्न, राहुमणि, लिंगस्फटिक, स्वर्भानव।

४९४. शंख—अंत:कुटिल, अब्ज, अम्बिज, अर्णवभवोदर, अर्णोभव, कंबु, कंबुक, कंबोज, जलककर, जलज, जलोद्भव, त्रिरेख, दीर्घनाद, दीर्घनिस्वन, दुष्टद्रावी, धवल, पावनध्वनि, पूत, बहुनाद, महानाद, मुखर, वारिज, शंख, शंबुक, शम्बुक, श्वेत, समुद्रज, सम्यक, सुनाद, सुस्वर, हरि प्रिय।

४९५. कौड़ी—कउड़ा, कपर्दिका, वराटिका, वराटिका।

४९६. श्वेतमणि—अमररत्न, धौतशिल, निर्मलोप, निस्तुषरत्न, निस्तुषोपल, बिल्लौरी पत्थर, भासुर, विमलमणि, शालिपिष्ट, शिवप्रिय, शैव, श्वेतमणि, श्वेत रत्न, स्फटिक, स्फटिक मणि, स्फटि-कात्मा, स्फटिकोपल, स्फटीक, स्वच्छमणि, स्वच्छरत्न।

५९७. **चिंतामणि**—कामदमणि, चिंतामनि।

५९८. **गजमुक्ता**—गजमणि, गजमुक्ता, गजमोती, सिंधुरमणि।

५९९. **सूर्य्यकांतमणि**—अग्निगर्भक, अर्कमणि, अर्कोपल, आतशी शीशा, तापना, दहनोपम, दीप्तोपल, रविकांत, रविमणि, रविरत्न, सूर्य्यकांत, सूर्य्यकांतमनि, सूर्य्यमणि।

६००. **चंद्रमणि**—अमृतद्राव, इंदुकांत, चन्द्रकांत, चंद्रकांतमणि, चन्द्रपल, चन्द्रमनि, चन्द्राश्मा, चंद्रिकाद्राव, चांद्र, प्रस्तरोपल, सप्लवोपल, शशिकांत, शीताश्मा, शिताश्या, सोममणि।

६०१. **काँच**—कच, काँच, काच, कृत्रिमरत्न, पिंगाश, मुकुर, शीशा।

विलोम—दे० 'रत्न'।

६०२. **मूंगा**—अंगारकमणि, अंगारमणि, अंभोधिपल्लव, द्रुमभव, प्रवाल, भौमरत्न, मरजा, मिरजान, मूंगा, रक्तकंद, रक्तकंदल, रक्ताकार, रक्तांग, लतामणि, विन्द्रुमलता, विद्रुम।

६०३. **घोंघा**—कंबु, कोशस्थ, क्षुद्रक, क्षुद्रशंख, क्षुल्लक, घोंघा, घोंघी, नदीभव, लघुशंख, शंखनक, शंबुक, शम्बूक।

६०४. **सीप**—कृमिभू, कृमिशुक्ति, क्षुद्रशुक्तिका, जलडिम्ब, नरशुक्ति, पुटिका, सता, सितुही, सीप, सीपी, सुतुही।

६०५. **कौड़ी**—उद्घाहर्वा, कपर्दिका, कपर्द, कपर्दक, कपर्द, कपर्दी, काकिणी, कौड़ा, कौड़ी, चर, चराचर, दधिसुता, बालक्रीडक वराट, वराटक, वराटिका, वारिज, वर्ज्य, श्वेता, हिरण्य।

६०६. **घुँघची**—अंगारवल्लरी अरुणा, उच्चटा, कक्षा, कनीचि, काकचिंची, काकजंघा, काकणंतिका, काकादनी, काकिनी, काम्बोजी, काम्बोदनी, कृष्णचूडिका, कृष्णला, गुंजा, गुंजिका, घुँघची, घुघची, घुमची, चटकी, ताम्रिका, तुलाबीज, दुर्मोघा, ध्वांक्षनखा, भीलभूषणा, रक्ता, रक्तिका, रत्ती, वक्रशल्या, वन्या, वायसादनी, शागुष्ठा, शिखण्डिनी, शीतपाकी, श्यामलचूडा।

६०७. **गुंजा सफेद**—चक्रशल्या, चिरमिटी, चूड़ाला, चोटली, भिरिंटिका, श्वेतकाम्बोजी, श्वेतगुंजा, सफ़ेदगुंजा, सफेद घुमची।

६०८. **रुद्राक्ष**—पुष्पचमार, भूतनाशन, रुद्राक्ष, शिवप्रिय, शिवाक्ष।

६०९ **रूपामाखी**—तारमाक्षिक, तारामुखी, धातुमाक्षिक, माक्षिकश्रेष्ठ, रूपामक्खि, रूपामाखी, रौप्यमाक्षिक, विमल, श्वेताक्ष।

ङ

१. **छुरी** (आपरेशन की)—छूरा, नश्तर, नहरनी, रेज़र।

२. **बोतल**—काँचपात्र, बाटल, शीशी, सीसी।

३. **डिबिया**—डिब्बा, डिब्बो।

४. **चश्मा**—उपनयन, उपनेत्र, ऐनक, चशमा, चश्मा, दिव्यचक्षु, सहनेत्र।

५. **गोली**—कपस्थूल, वटिका, बटिया, बटी, बटी।

६. **टिकिया**—टिकरी, वटिका, बटी।

७. **चूर्ण**—'दे० चूर्ण।'

८. **शिलाजीत**—अगज, अर्घ्य, अद्रिज, अद्रिजतु, अश्व, अश्मज, अश्मजतक,

अश्मलाक्षा, अश्मोत्थ, कपिल, गिरिज, गैरेय, जत्वश्मक, मोमियाई, शिला, शिलाज, शिलाजतु, शिलाजीत, शिलाव्याधि, शीत पुष्पक, शैल, शैलधातुज, शैलनिर्यास, शैलेय ।

९. ४ तरह की शिलाजीत—आयस, ताम्र, रजत, सौवर्ण ।

१०. केशर—अग्नि, अग्निशिख, असृक, अस्न, कश्मीरी, कांत, कालेयक, कश्मीरज, कुंकुम, कुसुमात्मक, केशर, केसर, खल, गौर, घस्र, घुसृण, चंदन, जागुड, दीपक, देववल्लभा, धीर, पिशुन, पीतक, पीतन, बर, रक्त, रक्तचंदन, रक्तसंज्ञ, रज, रुधिर, लोहित, वर, वरेण्य, वाल्हीक, शठ, शोणित, सकोच, संकोचपिशुन, सौरभ, हरिचंदन ।

११. कस्तूरी—अंडजा, गंधमृग, मद, मुश्क, मृगनाभि, मृगमद, मृगमेद, मृगरोचन, मृगी ।

१२. शहद—कुसुमासव, क्षौद्र, पित्र्य, भृंगवात, मकरंदरस, मध, मधु, माक्षिक, माध्वीक, वरटीवात, शहत, सहत, सहद, सारघ ।

१३. ४ तरह की शहद—क्षौद्र, पौत्तिक, भ्रामर, माक्षिक ।

१४. मोम—उच्छिष्ट, काच, क्षौद्रेय, द्रावक, पीतराग, मक्षिकाश्रय, मदनक, मधुशेष, मधूच्छिष्ट, मधूत्थित, मधूषित, मध्वाधार, मयन, मादन, मोम, विघस, शिक्थ, सिक्थक, स्निग्ध ।

१५. रसवत—अग्निसार, कृतक, तार्क्ष्यशैल, रसगर्भ, रसांजन, रसाग्रज, रसोत, वीर्याजन ।

१६. लटजीरा—अघाट, अपामार्ग, ओंगा, कंटी, किणी, कुब्ज, क्षुरक, चिरचिटा, दुरभिग्रह, धामार्गव, पांशुकंटक, प्रत्यक्पर्णी, मर्कटी, मयूरक, वाशिर, शैखरिक ।

१७. लोध—काडनील, गालव, तिल्वका, तिरीटक, तिलक, बलिप्रिय, मार्जन, लक्तकर्मा, लोध्र, लोध्रक, शाबर ।

१८. शंखाहुली—कौड़ियाली, चंडा, पीतपुष्पी, मेध्या, वनमालिनी, विष्णुक्रांता, शंखपुष्पी, सुपुष्पी ।

१९. शीतल चीनी—कंकोल, कंकोलक, कंकोला, कटुक, कटुकफल, कबाबचीनी, काकोल, काल, कृतफल, कोरक, कोलक, कोषफल, तैलसाधन, द्वीपसंभव, द्वैप्य, फलक, मरिच, मागधोषित, माधवोचित, सीतल चीनी ।

२०. सतावर—अभीरु, अर्धकंटका, अवेरु, इन्दीवर, ऋष्यप्रोक्ता, कांचनकारिणी, कार्ष्णी, जटा, तैलवल्ली, दुर्मना, फणिजिह्वा, भीरु, मोरुपत्री, मदभंजिनी, महती, महापुरुषदंता, महाशीता, महौषधि, मूला, रंगिणी, लघुपर्णिका, विश्व, वैष्णवी, शतमूली, शतावर, सतावर, सफेदमूली, सुवीर्या ।

२१. समुद्रफेन—अब्धिकफ, अर्णवज, जलहास, डिंडिर, दर्धिफेन, पयोधिज, फेन, फेनक, वार्धिफेन, विंध्याह्व, शुष्कशुक्र, समुद्रफेन, सामुद्र, सारमल, सिंधुकफ, सुफेन ।

२२. सालममिश्री—अमृता, जीवन्ता, जीवा, प्राणदा, वीरकंदा, सुधीमूली ।

२३. सुगंधबाला—उदीच्य, कचामोद

केशनामक, बाल, बालक, वज्र, वरपिग, वारि, वारिद, सुगंधबाला, ह्रीबेर।

२४. सोंठ—कटुस्कटक, नागर मेषज, महौषधी, विश्वा, विश्वौषध, शुंठ, शुंठी, शुष्कार्द्र, सिन्नी, सोंठ।

२५. सोनापाढ़ा — अश्वातशात्रव, अरटु, अरल, अरलुक, ऋक्ष, कंदर्प, कटभर, कट्वाग, कुनट, जघनेत्र, दीर्घवृंत, दीर्घवृंतक, भवातशात्रव, नट, निःसार, पत्रोर्ण, पादवृक्ष, पारिपादप, पूतिवृक्ष, प्रियजीव, प्रियजीवी, पृथुशिव, भटुक, भड्डूक, भमरेष्ट, भूतपुष्प, मंडूकपर्ण, मयूरजघ, वटु, विरोचना, शल्लक, शुकनास, शोण, शोनक, शोपण, श्योनाक, स्योनाक।

२६. हर्रे —अभया, अमृता, अव्यथा, कायस्था, चेतकी, जीवती, पथ्या, पाचनी, पूतना, प्रथमा, प्राणदा, बल्या, भिषग्वरा, रोहिणी, वयस्था, विजया, शक्रसृष्टा, शाका, शिवा, श्रेयसी सुधा, हरड़ा, हर्र, हर्रा, हर्रे।

२७. हल्दी आमा -अंबाहल्दी, आम्रगध, आमाहल्दी, आमिया हलदी, कपूर हल्दी, दार्वीभिद, पद्मपत्रा, सुरनायिका, सुरभि, सुरभिदारु।

२८. नमक—नमक, नून, नोन, रामरस, लवण, लोन।

२९. सेंधा नमक—नादेय, पथ्य, पाशुज, मणिबंध, मणिमंथ, लवणोत्तम, वशिर, शिलात्मज, शुद्ध, सितशिव, सिद्ध, सिंधुदेशज, सिंधूपल, सिंधूद्भव, सिंधुमथज, सिंधुलवण, सिन्धूज, सिन्धूभव, सेंधा, सैंधव।

३०. कँटीला नमक—आसुर, कँटीला नमक, कटीला नमक, काललवण, कृतक, कृत्रिमक, क्षार, खड, खडलवण, द्राविडक, धूर्त, पाक्य, बिरिया साँचरनोन, विट, विड, विडलवण, सुपाक्य।

३१. साँभर नमक—गडदेशज, गडलवण, गडाख्य, गडोत्थ, पृथ्वाज, महारंभ, रौमक, रौमलवण, वसुक, शाकंभरीय, शुभ्र, संबरोद्भव, साँभर, सामर।

३२. समुद्री नमक—कडक, त्रिकूट, पाँगा, लवणाब्धिज, वशिर, वासर, शिव, समुद्रनोन, सागरज, सामुद्रज, सामुद्रक।

३३. कालानमक—अक्ष, कचलोन, कचियानोन, काला नमक, कृष्णलवण, कोद्रविक, चौहर कोडा, तिलक, दुर्गंध, रुचक, रुच्य, रूचक, विटलवण, शूलनाशन, सोंचरनमक, सौवर्चल नमक, हृद्यगंध।

३४. काँचिया नमक—काँचिया नमक, काचमल, काचलवण, काचसंभव, काचसौवर्चल, काचोद्भव, काललवण, कुरुविंद, कृत्रिम, त्रिकूट, नील, नालकाचोद्भव, पाकजकाचोत्थ, पाक्याह्व, लवण।

३५. खारी नमक—औषरक, उपरज, ऊषरलवण, खारा, खारानमक, खारोनून, बहुलगुण, मिश्रक, साम्भर, सार्वगुण, सार्वसमलवण।

३६. खाद्य पदार्थ—खाद्य, खिनस, जिन्स, रसद, राशन।

३७. सामग्री—उपकरण, उपकारक द्रव्य, चाल, तत्र, सभार, रसद, वस्तु, समान, सामग्री, सामान।

३८. खानपान—अन्नपाना, आबदाना, खान, खान पान।

३६. **भोजन (सामान्य)**—अशन, अहार, आहार, खादन, खाना, खुराक, जेमन, निगर, निघस, भक्षण, भोजन, विघस, स्वदन।

४०. **भोजन (दिन या रात में किया गया भरपेट भोजन)**—खयका, खाना, खायक, बियारी, भोजन।

४१. **जलपान**—कलेऊ, कलेवा, खमटाव, गज़क, जलपान, नाश्ता।

४२. **६ तरह के भोजन**—(पदार्थ भेद से) चर्व्य (चबाने योग्य), चोष्य (चूसने योग्य), पेय (पीने योग्य), भक्ष्य (निगलने योग्य), भोज्य, (खाने योग्य), लेह्य (चाटने योग्य)।

४३. **६ तरह के भोजन**—(रस के भेद से) अम्ल (खट्टा), कटु (कडुवा), कषाय (कसैला), तिक्त (तीता), मधुर (मीठा), लवण (नमकीन)।

४४. **मीठा**—प्रियस्वादु, मधु, मधुर, मिष्ट, मीठ, मीठा, मृदु, रुचिर, शीरी, स्वादु।

४५. **मिठास**—मधुता, मधुरता, मधुरई, मधुराई, माधुरी, मिठाई, मीठापन, रुचिरता, शीरीनी, सुस्वादुता, स्वादुता।

४६. **तीता**—कटु, तिक्त, तित्ता, तीक्ष्ण, तीखा, तीत।

४७. **तिताई**—कटुता, तिखाई, तिक्तता, तीक्ष्णता, तीखापन, तीतापन।

४८. **नीरस**—अस्वादु, निरस, नीरस, फीका, बेमज़ा, बेरस, शुष्क, सीठा, सूखा, स्वादहीन।

४६. **निरसता**—अस्वादुता, नीरसता, फीकापन, बेरसता, शुष्कता, सिठाई, सीठापन, सुखाई, सूखापन, स्वादहीनता।

५०. **स्वादिष्ट**—अच्छा, ज़ायकेदार, मज़ेदार, रसगर, रसीला, सरस, सवदगर, सुस्वादु, स्वादिष्ट, स्वादु।

५१. **स्वादिष्टता**—अच्छाई, ज़ायका, मज़ा, मज़दारी, रसीलापन, सरसता, सवाद, सुस्वादुता।

५२. **नमकीन**—नमकीन, नुनखरा, नुनखारा, लावण्य, सलोना।

५३ **नमकीनता**—नमकीनी, लवणता, लावण्यता, सलोनापन।

५४. **कसैला**—कषाय, कसाव, कसैला, बकठा, बाकट।

५५. **कसैलापन**—कसावपन।

५६. **चटपटा**—चटपटा, चरपरा, झालदार। दे० 'कड़ुवा'।

५७ **चटपटापन**—चटपटाई, चरपरापन।

५८. **खट्टा**—अम्ल, खटतुरुम, खटरुस, खट्टा, चुक्क, तुर्श।

५६. **खट्टापन**—अम्लता, खटाई, खटास, चुक्कता, तुर्शी।

६०. **ज़ायकेदार**—जायकेदार, बढ़िया, मज़ेदार, रसीला, सरस, सुरस, सुस्वादु, स्वादिष्ट, स्वादिष्ठ, स्वादु।

६१. **कड़ुवा**—कटु, कटुक, कड़वा, कड़ुवा, कड़ुआ, चरपरा, झालदार, तल्ख़, तिक्त, तीक्ष्ण, तीख, तीखा, तीत, तीता।

६२. **कड़ुवापन**—कटुता, कड़ुवाई, कड़आई, चरपराहट, चरपरापन, तल्ख़ी, तिक्तता, तिक्तपन, तिताई तीक्ष्णता, तीखापन, तीतापन।

६३. **चावल**—अक्षत, अग्रमन, अच्छत, कांचनक, चाँवल, चाउर, चावल, तंडुल, तंदुल, धान्यसार।

६४. अक्षत—अक्षत, अच्छुत, आखत ।

६५. आटा—अट्टा, आटा, चूर्ण, चून, पिसान, शिद्धा ।

६६. मैदा—आटा, कानपूरी आटा, मैदा ।

६७. सूजी—गेहूँ का दर्रा ।

६८. तीखुर—गवयोद्भव, गोधूमज, तंडुलोद्भव, तवक्षीर, तवाखीर, तालक्षीर, तालसम्भूत, तीखुर, पयःक्षीर, पिष्टिका, यवज ।

६९. धुआँस—(उर्द का चूर्ण) धुआँस, धुवाँस, धूमसी ।

७०. पीठी—पट्ठी, पीठी ।

७१. बेसन—घाठी, बेसन, रेहन ।

७२. दाल—द्विदल । दे० 'दाल ।'

७३. गद्दरा—अधपका, कचरा, गदरा, गद्दर, गद्दा, गादा ।

७४. बघार—छौंक, छौंकन, बघाड़, वाभित ।

७५. कौर—कवर, कवल, कौल, ग्रास

७६. अजवायन—अजमान, अजमोदा, अजमोदिका, अजवाइन, अजवायन, उग्रगंधा, उग्रा, दीपनी, दीप्य, दीप्यक, ब्रह्मदर्भा, भूतिका, यमनिका, यवसाह्व, यवनिका, यवानी, वातारि ।

७७. अमचुर—अमकरी, अमचुर, अमहर, आम्रचूर्ण, खटाई ।

७८. इलायची बड़ी—इंद्राणी, इलायची, एला, एलीका, ऐंद्री, कन्याकुमारी, काता, कावस्था, कुमारिका, गर्भालोगर्भ, गर्भसभवा, गोपुटा, त्रिदिवोद्भवा, त्रिपुटा, भूताची, निष्कुटी, पूर्वीइलायची, पृथ्वी, बड़ी इलायची, बड़ी लाची, बहुलामलेया, बाला, भद्रैला, महिला, लाल इलायची, बृहदेला, सुरभित्वक, स्थूलएला ।

७९. काली मिर्च—ऊषण, कालीमिर्च, कोल, धर्मपत्तन, पवित, मरिच, मिर्च, मृष्ट, यवनाप्रिय, वल्लीज, वेणुज, शिरोवृत्त, श्याम ।

८०. घोड़राई—घोड़राइल, घोड़राई, घोड़रैल, रई, राई ।

८१. जीरा—दे० 'जीरा सफेद ।'

८२. तेजपात—अंकुश, इष्टगन्ध, उत्कट, गन्धजात, गोमेद, तज, तमालक, तापस, तेजपता, तेजपत्र, तजपात, त्वकपत्र, दल, दलाह्वय, पत्र, पत्रक, पाकरंजन, पालाश, भृंग, राम, रोमश, वराग, वसनाह्वय, वास ।

८३. दालचीनी — उत्कट, कामवल्लभ, गुडत्वच, चोल, तज, त्वच, दारुचीनी, बहुगन्ध, भृंग, मुखशोधन, रामेष्ट, लटपर्ण, वनप्रिय, वर, वराग, वल्य, विज्जुल, शकल, सिंहल, सुरस, सूतकट, सैंहल, हृद्य ।

८४. धनिया—अल्लका, कुनटी, कुस्तुंबुरी, छत्रा, छत्राधान्य, जनप्रिय, धनिक, धनिका, धन्यक, धानक, धाना, धान्याक, निःसार, वितुन्नक, वेधक, वाजिधान्य, वेधका, वेशन, शाकयोग्य, सुगन्धि, सूक्ष्मपत्र, हृद्यगन्धा ।

८५. मिर्चा—उजड़, कटुबीज, कुमरिच, तीक्ष्णा, मिरचाई, मिर्चाई, लालमिर्च ।

८६. मगरैला—कलौंजी, काला, कालाजाजी, कालाजीरा, कालिका, कुंचिका, कुञ्जी, कृष्णा, तरुणी, दिव्या, पलिंवरा, पृथिवी, पृथुका, मेचक, मगरइल, मगरैला, स्थूलकण, स्थूलजीरक ।

८७. **मेथी**—कुंचिका, कैरवी, गन्धफला, गन्धबीजा, चद्रिका, ज्योति, दीपनी, पीतबीजा, बहुपर्णी, मिश्रपुष्पा, मुनीन्द्रिका, मेथिका, मेथिनी, मेथी, वल्लरी, वेधनी।

८८. **लवंग**—कलिकोत्तम, चंदनपुष्प, तीक्ष्ण, तीक्ष्णपुष्प, तोयाधिप्रिया, दिव्य, दिव्यगन्ध, देवकुसुम, प्रसून, भृंगार, रुचिर, लवंग, लवंगक, लव, लौंग, वारिज, वारिपुष्प, शेखर, श्रीपुष्प, श्रीसंग, सुविर।

८९. **सौंफ**—अतिच्छत्र, अवाक्पुष्पी, कारवी, गन्धाधिका, घोषवती, घोषा, छत्रा, तापसप्रिया, पोतिका, मधुरिका, माधुरी, मिश्रेया, मिसी, वनपुष्पा, शतपुष्पा, शालेय, शितच्छत्रा।

९०. **हल्दी**—अनेष्टा, उमा, काचनी, कावेरी, कृमिघ्नी, क्षणदा, गन्धपलाशिका, गौरी, घर्षिणी, जयती, निशा, निशाह्वा, पिंगा, पिंजा, पीतवालुका, पीता, बहुला, भद्रा, मंगलप्रदा, मंगला, मंगल्या, युवती, योषित्प्रिया, रंजनी, लक्ष्मी, वरवर्णिनी, वरांगा, वर्णवती, वर्णिनी, विषघ्नी, शिफा, शोभना, शोभा, हरदी, हरिद्रा, हरिद्विलासिनी।

९१. **हींग**—केसर, गृहिणी, जतुघ्न, जतु, जतुक, जरण, दीप्त, पिण्याक, भूतारि, भेदन, मधुरा, रमट, शूलद्विट, शूलहृत, सहस्रवेधि, सूपधूपन, सूपांग, हिंगु, हिंगुक, हींग।

९२. **भात**—अन्न, ओदन, चावल, पुलाक, प्रसाद, भक्त, भात, भिस्सा, भिस्सटा।

९३. **माँड़**—आचाम, निश्राव, पीच, पुलाक, मंड, माड़, मासर।

९४. **पुलाव**—पलान्न, पुलाक, पुलाव, पोलाव, मांसोदन।

९५. **मीठा भात**—गुड़ान्न, बखीर।

९६. **महेर**—तंडुलाम्ल, महेर, महेवर।

९७. **दाल**—दाल, दालि, प्रहित, प्रहिती, सूप।

९८. **नमोना** (हरे मटर की दाल)—गदरा, गद्दा, नमोना।

९९. **कढ़ी**—कढ़ी, करायन, कढ़ी, कलायल, क्वथित, तक्कर, तेमन, निष्ठान, परेह, परोह।

१००. **रोटी**—करपट्टिका, कर्परिटका, चपाती, दोस्ती, दोहथी, घंसुई, परेथी, फुंकई, फुलका, फुलकी, बेली, रोट, रोटिका, रोटी, लिट्टी, लुचुई, हथरोटिया, हथुई।

१०१. **लिट्टी** (मोटा रोटी जो तावे पर बनती है।)—टिक्कर, लिट्टी, हथरोटिया।

१०२. **भौरी** (गोली रोटी जो बिना तवे के आग पर बनती है।)—अंगाकड़ी, अंगार, कर्कटा, टिकरी, टिक्कड़, बाटी, भौरी, मधुकरी, लिट्टी।

१०३. **मकुनी**—कचौड़ी, कचौरी, मकुनी, मकौनी, लिट्टी, सक्तुकगर्भा।

१०४. **तरकारी**—तरकारी, भाजी, शाक, सब्जी, साग, सालन।

१०५. **कलौंजी**—कलौजी, भर्त्ता, मरमल।

१०६. **चोखा**—चोखा, भरता, भरित, भुरता।

१०७. **खिचड़ी**—कृशरा, कृशराक, खिचरी, खिच्चड़।

१०८. **जावर**—जावर, तहरी।

१०९. **पूड़ी** (सादी)—बलुई, पूड़ी, पूरी, पूलिका, रोटी, शष्कुली, सोहारी।

११०. पूड़ी (मीठी)—गुड़पूरी, ठेकुआ, मिठपूरी, सोहारी ।

१११. पूड़ी (पूरन की)—दलघुसुरी, पूरनपोला, पूर्णगर्भापूलिका, पूर्णपूलिका, भरुई, पूड़ी, भरुई पूरी ।

११२. पराठा—चौपती, पराँवठा, पराठा, परामठा, परेठा, परौठा, पोतला, पोलिका, प्रामठा ।

११३. दोहथी—दोस्ती, दोहती, दोहथुई ।

११४. घँसुई—घँसरोटी, घँसुई, पोतला ।

११५. चूरमा—चुर्मा, चूरमोदक ।

११६. कचौड़ी (नमकीन)—कचौड़ी, कचौरी, माषगर्भा, माषगर्भा शष्कुली ।

११७. कचौड़ी (मीठी)—खँड़पूरी, मीठी कचौरी ।

११८. गुझिया—गुझिया, गूझा, गोझिया, पेड़किया, मयाव ।

११९. मालपुआ—अपूप, पिष्टक, पूआ, पूवा, पूप, मल्लपूप, मालपूआ ।

१२०. पापड़ (मीठा)—पपड़ा, पपरा, पापड़, मीठा पापड़ ।

१२१. पापड़ (नमकीन)—चरक, पर-पट, पर्पट, पापड़, पापर ।

१२२. हलुआ—महनभोग, मोहनभोग, लपसी, लप्सिका, सीरा, हेलुआ ।

१२३. खीर—खीर, खीर, पायस ।

१२४. सेंवई—सेवई, सेविका, सैमई ।

१२५. जाउर—जाउर, तसमई, दुग्धतडुल ।

१२६. बखीर—गुड़ान्न, बखीर, मीठा भात ।

१२७. सिखरन—मार्जिता, रसाला, शिखरिणी, श्रीखंड, सिखरन ।

१२८. फेनी—फेनिका, फेनी, सूतफेनी ।

१२९. बरी (मूँग की)—कोंहड़ौरी, बरी, माषरगी, मुगौरी, मुग्दवटिका, मुग्दवटी ।

१३०. अमृतबरी—अमरितबरी, अमरीत-बरी, अमृतबरी, खटमिठबरी ।

१३१. बड़ी—वटिका, बटी, बड़ी, बरी, माषेंडरी ।

१३२. बड़ा—पिष्टक, पिष्टवटका, पूप, वटका, बड़ा, बरा, बारा ।

१३३. दही बड़ा—तक्र वटक, तक्र बड़ा, तक्र वरा, दही, बरा ।

१३४. पकौड़ी—चाणकी, पकौड़ा, फुलौड़ी, फुलौरी, वटिका ।

१३५. रायता—मार्जिता, राजिकाक, रायता, रायतो ।

१३६. चटनी—अवलेह, खाडव, चटुक, चटनी, मार्जिता, रसाला, लेहन, लेह्य ।

१३७. अचार—अँचार, सधान, संधित, संधितद्रव्य ।

१३८. मीठी खटाई—खटमिट्ठा, खट-मिठवा अचार, मिट्ठी खटाई ।

१३९. सिरिका—सिरका, सिरका, सिर्का ।

१४०. पन्ना—पना, पन्ना पानक ।

१४१. शरबत—मिर्चवान, रस, शरबत, शरवत सरवत ।

१४२. दाना—चबैना, चबैनी, चर्वण, दाना, भुजौना, भूजा, भुजैना, भूना ।

१४३. हरा भुना अन्न—होला, हाबुस, होरहा, होरा, होला ।

१४४. हमका—हमका, फुटेहरा ।

१४५. चिउरा—चिउड़ा, चिउरा, चिपिट, चिपिटक, चोड़ा, पृथुक ।

१४६. लाई—परमल, फरही, लाई ।

१४७. लावा—खील, खीला, मुरमुरा, लाजा, लावा ।

१४८. धान का लावा—अक्षत, खील, धान, फुल्ला, लाई, लवा ।

१४९. घुघुरी—कुल्माष, घुघनी, घुघुनी, घुघुली, छोला ।

१५०. सत्तू—तुरंता, दर्रा, शीतलबुकनो, सक्तुक, सतुआ, सतुवा, सक्तू, सत्तू ।

१५१. बेढंई—बेढई, बेढ़मिका ।

१५२. घेवर—घार्तिक, घृतपूर, घृतवर, घेवल ।

१५३. चिखना (शराब आदि पीने के साथ खाने की वस्तु)—चखण, चखना, चटपटा, चाट, मद्यपाशन ।

१५४. अमावट—अंबापोली. अमरस, अमाअट ।

१५५. दूध—अमृत, अवदोह, ऊधस्य, क्षीर, गोरस, दुग्ध, दूध, दोहज, पय, पीयूष, स्तन्य ।

१५६. दही—क्षीरज, घनेतर, दधि, दधिद्रप्स, दही, पयस्स, मंगल्य, विरल ।

१५७. घी—अभिघारक, अमृत, आज, आज्य. आयु, घी, घृत, जीवन, तैजस, तोयद, नवनीतक, पवित्र, पीथ, पुरोडास, वह्निभोग्य, सर्पि, हवि ।

१५८. मक्खन—कलम्बुट, क्षीरसत्व, क्षीरसार, दधिसार, नवनी, नवनीत, नवोद्धृत, नैनू, नोनी, मक्खन, माखन, म्रक्षण, लवनी, लैनू, सरज, सार ।

१५९. रबड़ी—रबरी, राबड़ी ।

१६०. मलाई—क्षीरफेन, क्षीरसन्तानिका, मलाई, बालाई, मलाई, साढ़ो, साढ़ी ।

१६१. खोआ—किलाट, खावा [illegible] मावा ।

१६२. मट्ठा—अम्ल, उदश्वित, कक्कर, कट्वर, कालशेय, गोरस, गोरसज, घोल, छाँछ, छाछ, तक्र, दण्डाहत, [illegible] मथित, मलिन, माठा, विलोडित ।

१६३. लैनू—नैनू, फ़ोरन ।

१६४. छेना—छेना, तक्रपिंड पनीर, फटदुग्ध ।

१६५. छेना-पानी—छेनापानी, मोरट ।

१६६. मिठाई—मधुरान्न, मिठाई, मिष्टान्न, मीठा ।

१६७. चकरी—खॉर्ची, चकरी, चक्की, चाका ।

१६८. पिंडिया—गुड़, पिंडिया, भेली, मिट्ठा, मीठा ।

१६९. गुड़—अमृत सारज, अरुण, इक्षु रसक्वाथ, इक्षुसार, गंडाल, गुर, गुल, द्रवज, मधुर, मधुबीजक, मोदक, रसपाकज, शिशुप्रिय, सितादि, सिद्ध, स्वादु, स्वादुखंड ।

१७०. राब—गुड़, गूड़, गूर, चोला, घोल्हा ।

१७१. खांड—खड, खाँड़, दोभा, पांशुलका, पांडुरा, मोरस, रसोद्भवा, शर्करा, शुल्का, सुपिष्टा ।

१७२ चीनी—अहिच्छत्रा खांड, गुडोद्भवा, चिनी, बालुकात्मजा, बूरा, मत्स्यंडिका, मोनाडो, शकर, शक्कर, शर्करा, शार्क, शुक्ला, शुक्लोपला, शुद्धा, शुभ्रा, श्वेता, सिकता, सिता, सितोपला ।

१७३. चोटा—चोट्टा, पगाव, मोलास, शर्करामल, सीरा।

१७४. मिश्री—मिश्री, मिसरी, सिताखंड, सीताखंड। दे० 'चीनी'।

१७५. लड्डू—बिंदुमोदक, मोदक, लाडू, लेडुवा।

१७६. लड्डू (मोतीचूर)—मुक्तामोदक, लड्डू।

१७७. मगदल—मगद, मगद का लड्डू, मगदल, मुग्ददल, मुग्दमोदक, लड्डू।

१७८ गुलाबजामुन—गुलजामुन, गुलबजामुन, दुग्धकूपिका।

१७९. अमिरती—अमृती, इमरती, इमिरिती।

१८०. जलेबी—कुंडलिनी, गुड़ची, जलेबा, जिलेबी।

१८१ खुरमा—खुरमा, शखपाल, शक्करपाला, मकरपाला।

१८२. अनरसा—अंदरसा, अनरस, इक्षुरसा, शालि पूप।

१८३ खाजा—खजलो, खभ्मलो, खझुली, खाभ्मा।

१८४. मुरब्बा—पाग, मोरब्बा, रागखाडव।

१८५. भतुआपाग—कोहड़ापाग, पेठा।

१८६. इलायची (छोटी)—इलायची, उपकुंचिका, एला, कपोतवर्णा, कुनटी, कोरंगी, गर्भफलिका, गभीरा, गुजराती इलायची, गुजरातीलाची, गौरांगी, चंद्रबाला, चंद्रसभवा, चान्द्रिका, छर्दिकारिपु, तीक्ष्णगंधा, त्रिपुटा, त्रुटि, द्राविड़ी, निष्कुटी, पुटिका, पुत्था, बहुला, भृगपर्णिका, वयःस्था, श्वेतैला, सफेद इलायची, सूक्ष्मैला।

१८७. कत्था—खैर।

१८८. चूना—चुन्ना, चून।

१८९. जर्दा—जरदा, तंबाकू, तमाखू, पानसुर्ती, सुरती।

१९०. पान—ताबूल, दिवामोष्टा, नागवल्ली, नागबेल, नागबेल, पर्णलता, पर्ण, भद्रपत्रा, मुखभूषण, सप्तशिला।

१९१. पान का बीड़ा—खिल्ली, खीली, गिलौरा, ताबुल, बीड़ा, बीरा, बीरी।

१९२. सुपारी—अकोट, कसैली, क्रमु, क्रमुक, क्रमुका, खपुर, गुआ, गवाक, गोपदल, घोंटा, चिक्कण, छटाफल, छालिया, छाली, ततुसार, ताबूल, दृढवल्क, दीर्घपादप, पूगाफल, पूगीफल, पूग, पूगवृक्ष, पूगी, राजताल, वल्कतरु, सुपाड़ी, सुप्रिय, सरजन।

१९३ अफीम—अफ़यून, अफाम, अफेन, अहिफेन, अहिफेनक, आफू, अफूक, ओपियम, खसखस रस, खसफलक्षीर, नागफन, निफेन, पोस्त, पोस्तरस, पोस्ता, पोस्तोद्भव, भुजंगफेन।

१९४. कहवा—काफ़ी।

१९५. गाँजा—गंजा, गाँजा, मादिनी, मोहिनी, संविदा मंजरी, हर्षिणी।

१९६. चाय—चविका, चा, चाय, चाह, चाहा, चाही, टी।

१९७. काँजी—अभियुक, आरनालक, आवन्तिसाम, कांचिक, काँजो, काञ्जिक, कुंजल, कुंडल, कुल्माभिषुत, कुल्माष, गृहाम्ल, तुषाम्बु, धान्यमूलक, महारस, वीर, शुक्तक, सधान।

१९८. तंबाकू (सूँघने की)—छिकनी, नकछिकनी, नास, सुँघनी।

१९९. तंबाकू (पीने की)—कृमिघ्नी, क्षारपत्रा, तबाखू, तमाखू, धूम्रपत्रिका।

२००. तमाखू (खाने की)—खइनी, खयनी, खैनी, तबाकू, तमाखू, सुरती, सुर्ती।

२०१. ताड़ी—अकासी, आसमानी शर्बत, ताड़ी, तारी, नीरा, नीमकी।

२०२. धतूरा—उन्मत्त, कटफल, कनक, कनकाह्वय, कलम, कहलापुष्प, कितव, खरदूषण, खर्जूघ्न, खल, घटापुष्प, घंटिक, तूरी, देवता, देविका, धतूरा, धत्तूरा, धत्तूर, धुस्तुर, धूर्तकृत, पुरीमोह, मत्त, मदकर, मदन, मदनक, महामोही, मातुल, मातुलक, मोहन, शिवप्रिय, शिवशेखर, शैव, सविष, हरवल्लभ।

२०३. बीड़ी—खाकी सिगरेट, बींड़ी, बीड़ी, बीरी।

२०४. भाँग—अजया, आनंदा, उन्मत्तिनी, कामाग्नि, चपला, जया, ज्ञानदा, ज्ञानवल्लिका, धूर्तवधू, नीलो, भग, भंगा, भाँग, भृंगी, मत्ता, मनोहरा, मत्कुणारि, मातुलानी, मातुली, माया, यागिनी, विजया, वीरपत्रा, शुकाशन, शिवा, हरप्रिया, हरा।

२०५. शराब—अद्रिजा, अपूता, अमृता, आसव, इरा, कल्य, कल्या, कश्य, कादम्बरी, गुडारिष्ट, दारु, परिप्लुता, परिश्रुत, प्रमत्ता, प्रसन्ना, बुद्धिहा, मत्ता, मदिरा, मदिष्ठा, मद्य, मधुलिका, मधूल, मध्वारिष्ट, महानंदा, माधवी, माद्वीक, मैरेय, वारुणी, वीरा, शराब शुक्ता, संधान, सिदुररसना, सिंधुसुता, सीता, सुरा, हलिप्रिया, हारहूर, हाला, हेय।

२०६. सोमरस—मादकरस, वैदिकपेय।

२०७. सोमलता—गुल्मवल्ली, चंद्रवल्लरी, द्विजप्रिया, महागुल्म, यज्ञवल्ली, यज्ञांका, सोमक्षीरा, सोमक्षीरी, सोमवल्ली, स्पेमा।

२०८. चारा (पशुओं का)—कुट्टी, कोवर, लेहन, लेहना।

२०९. भूसा—तूस, भुस, भुसा, भूसा।

२१०. सानी—भींगाचारा।

२११. कोर—कोर, कोरवर, कोरा, सूखा।

२१२. करबी—करबी, चरी, चारा, ढट्ठा।

२१३. चुन्नी—अन्नकण, खुद्दी, चूनी, दाना।

२१४. भूसी—तुष, तुस, तुषी, तुसी, भुस, भूसा।

२१५. खली—खरी, तिलपिंडी, पिंडा, पिंडी, पियाक, पीना।

२१६. हरियर—हराचारा, हरियर, हरियरी।

२१७. रातिब—दाना, रातिब।

२१८. वस्त्र—अंबर, अंशुक, आच्छादन, कंचुक, कपड़ा, कप्पर, करपट, कर्पट, कापड़, कापर, क्षौम, चीर, चेल, चैल, छाजन, जामा, तंत्र, दुकूल, निचोल, पट, परिधान, परिधि, लक्तक, लत्ता, वसन, वस्त्र, वास।

२१९. नयावस्त्र—कोरा कपड़ा, तत्रक, नया वस्त्र, नवाम्बर, निष्प्रवाणि, नूतनपट, मड़िहारा वस्त्र।

२२०. धुला कपड़ा—उद्गमनीय, धुला वस्त्र, धोयावस्त्र, धौतवस्त्र, सार्जवस्त्र, स्वच्छ वस्त्र।

२२१. फटा पुराना कपड़ा—कर्पट, गूदड़, चिथड़ा, चीथड़ा, चोर, जीर्णवस्त्र, नक्तक, पटच्चर, लत्ता, लुगरा।

२२२. रूई—तूल, पिचु।

२२३. **सूती कपड़ा**—गजी, गज्जी, गाढ़ा, जीन, मारकीन, मोटक, सलोता, सल्लम, स्थूल शाटक।

२२४. **ऊन**—ऊन, ऊर्णा, गबरून, रून।

२२५. **ऊनीवस्त्र**—ऊलेन, राङ्कव, रोमपट।

२२६. **पशम का बना हुआ**—पशमीना, पश्मीना।

२२७. **गाढ़ा चिकना कपड़ा**—पनेला, बेलदार।

२२८. **छाल्टी**—क्षौमी, छल्टी, दुकूल, बनपट, वल्कल, वल्कल वस्त्र, शाण।

२२९. **सन के रेशे का कपड़ा**—केला, क्षौम वस्त्र, दुकूल, पटसन्।

२३०. **भांग के रेशे का कपड़ा**—भगरा, भगराज, भंगरैया।

२३१. **फलालैन**—फलालीन, फ़लालेन, फलालन, बनात, मलदा, रोमपाट।

२३२. **रेशम**—कोशा, कौशेय, टसर, धूस, पटोरा।

२३३. **रेशमी कपड़ा**—अंबर, अंशुक, गबरा, चिनांशुक, तमामी, पटोर, पटबर, पाटबा।

२३४. **कुछ रेशमी कपड़े**—अद्धी, कटाहिया, कॉटी, अतलस, टसर, ताफ़्ता, तिरछा, पटोल, पारचा, फूलवर, बाफ़्ता, मखमल, लहरपटोर, सुलतानी।

२३५. **कुछ महीन कपड़े**—अद्धी, तन्जेब, दरेस।

२३६. **पोशाक**—कपड़ा, लत्ता, परिच्छेद, परिधान, परिधि, परिधेय, पहनावा, पहिनावा, पहिरावा, पारचा, पोशाक, भरनि। दे० 'वस्त्र'।

२३७. **अस्तर**—तल्ली, भितल्ला, भितलनी, लाइनिंग, स्तर।

२३८. **पगड़ी**—उष्णीश, चीरा, दुपट्टा, पगड़ी, पगिया, पट्ट, पाग, मुँडासा, मुरैठा, समला, साफ़ा।

२३९. **बड़ी टोपी**—कनटोप, कंटोप, कुलही, टोपा।

२४०. **अंग्रेजी टोपी** अंग्रेजी टोपी, टोप, नाइटकेप, फेल्टकैप, हैट।

२४१. **टोपियों के कुछ प्रकार**—गांधी टोपी, जिना टोपी, जवाहर टोपी तुर्की टोपी, दुपलिया टोपी।

२४२. **गंजी**—अधकट्टी, गजी, फतुही, बनियाइन, सदरी, सैंडो।

२४३ **कुरता**—अंगत्राण, अंगा, कँचुवा, कुरता, कर्ता, झगा।

२४४. **कुर्ते की बाँह**—आसतीन, आस्तीन, बाँह।

२४५ **कुर्ता (पंजाबी)**—कल्लीदार कुर्ता, घघरदार कुर्ता, घेरादार कुर्ता।

२४६. **कमीज**—कमीच, कमीज।

२४७. **आसकट**—अधकट्टा, अस्कट, आस्कट, छोटाकोट, वास्कट।

२४८. **कोट के कुछ प्रकार**—अलबर कोट, ओवर कोट, खुला कोट, डबल कोट, पराशियन कोट, बंद कोट, मिलिट्री कोट, लंबा कोट, शिकारी कोट।

२४९. **शेरवानी**—अचकन, छबनिया, शिरवानी, शेरवानी।

२५०. **मिर्ज़ई**—बगबंदी, बगलबंदी, मिर्जई, मिर्ज़ाई।

२५१. **सदरी**—कुरती, जवाहर जाकेट, जाकेट, फतुही, बंडी, सदरी।

२५२. **अंगरखा**—अंगत्राण, अंगरक्षक, अंगरखा, अगा, अचकन, चपकन, चोंगा, चोलक, चोलना, चोला, जामा, बागा, बालावर, लबादा, लहवर ।

२५३. **गुलाबंद**—गुलबंद, गुलाबन्न, मफलर ।

२५४. **दुपट्टा**—चदरा, कन्हावर, चद्दर, चादर, डुपट्टा, दुपटा ।

२५५. **रूमाल**—दस्ती, मुँह पोछनी, रुमाल, साफी ।

२५६. **अंगोछा**—अँगोछा, अंगोछी, गमछा, साफ़ी ।

२५७. **मोटा अँगोछा**—टावेल, तौलिया, तौली ।

२५८. **लंगोट**—उरमाली, कछनी, काछा, कौपीन, पुटा, भगई, लगोट, लगोटा, लंगोटी, रूमाली ।

२५९. **जाँघिया**—अंडरवीयर, जँघिया, बाघिया, हाफ़पैंट ।

२६०. **तहबंद**—तहबद, तहबन, तहमत, लुंगी ।

२६१. **धोती**—अंतरीय, अधोवस्त्र, धोतवस्त्र, भगई ।

२६२. **घुटने के ऊपर पहनी धोती**—कछना, कछनी, कछानी, कछोटा, कछौटा, काछिनी ।

२६३. **धोती की लपेट**—अँटी, ऑटी, टेंट, टेट, फाड़ा, फेंट, फेंटा, फेट, मुर्री, मुरी, मुर्री ।

२६४. **पायजामा**—इज़ार, दुटगा, पतलून, पाजामा, पायजामा, पैजामा, फतूहा, सुथना, सुथनी, सूथन ।

२६५. **इजारबंद**—इजरबंद, कमरबंद, कमरपेच, जरबन, नाड़ा, नारा, नीबी, नीवि, नीवी, पटी, पटुका, पेटी, फुंफुदी ।

२६६. **अंग्रेजी पायजामा**—पतलून, पतलूम, पैंट, सूट ।

२६७. **मोजा**—जुर्राब, पाताका, पैताबा, मोजड़ी, होज ।

२६८. **दस्ताना**—अंगुलित्राण, अंगुलिवेस्टन, दस्ताना, बाहुत्राण ।

२६९. **चोली**—अंगिका, अँगिया, अंडरवीयर, अधपेटिया, आगी, कचुक, कंचुकी, कांदिरी, खड, चोल, चोलिका, चोली, छोटा कपड़ा, छोटी कुर्ती, बाडिस, बाडी, मीनाकस, सीनाबंद ।

२७०. **कुरती (औरतों की)**—कुरती, जपर, जंफर, झुल्ला, नमस्तीन, ब्लाउज़, सलूका ।

२७१. **धोती (स्त्रियों की)**—अंतरीय, अधोंशुक, उपसंव्यान, धोती, नीवि, नीवी, परिधान, पुट, पहिरन, साड़ी, सारी, सालू ।

२७२. **फुफुर्ती**—काछी, तिन्नी, नीवि, नीवी, फफूँदी, फुफुती, फुफदी, फुफुता ।

२७३. **आँचल**—अँचरा, अचल, अँचला, आँचर, आँचल, खोंइचा, खोंइछा, पल्लू ।

२७४. **ओढ़नी**—अंशुक, उत्तरासंग, उत्तरीय, उपरना, उपरनी, उपरैनी, उपवस्त्र, ओढ़नी, चद्दर, चादर, चादरा, डुपटा, दुकूल, दुपट्टी, दुपटा, दुपट्टा, निचोल, पगा, पटुका, पट्ट, पामरी, पिछौरी, प्रावर, प्रावार, फरिया, बृहतिका, बृहती, संव्यान, सेली ।

२७५. **पेटीकोट**—दुकड़ा, पेटिकोट, लहँगा, लटुआ, साया, स्तर ।

२७६. लहंगा—आप्रपदीन, आप्रपदीना, चंडातक, पटवास फरिया, लहंगा।

२७७. पायजामा (औरतों का)—ग़रारा, पायजामा, सलवार, सूथन, सथना, सुथनो।

२७८. छोटे बच्चों का कुरता—झगुली, झाग', झुगा, झगा, झगुली, झुल्ली।

२७९. बच्चों की टोपी—कंटोप, कुलह-बरा, कुलहवारा, कुलहा, कुलही टोपी।

२८०. साड़ी (छोटी लड़कियों की)—फरिया, बचकानी।

२८१. कलोट—कलोट, गॅढ़िंतर, लगोट।

२८२. बिछौना—बिछावन, बिछौना, बिस्तर, बिस्तरा, शैया, सज्जा, सेज, स्तर।

२८३. दरी—दरी, शतरंजी।

२८४. बिछाने की चादर—उत्तरपट, उत्तरीय, खेस।

२८५. तोसक—गद्दा, गिलम, तुराई, तूलिका, तोशक, बिछौना।

२८६. कालीन—कलीन, कालीन, गलीचा, गलैचा, गिलम, गिलिम, दुलीचा, दुलैचा।

२८७. तकिया—उपधान, उपबर्ह, गलसुआ, गलसुई, कंदुक, गावतकिया, गेंडुक, बलीत।

२८८. तकिया (बड़ी)—मसनद।

२८९. गिलाफ—आवरण, खोल, गिलाफ, पिधान।

२९०. रजाई—ओढ़ना, तुलाई, दुलाई, नीशार, रजाई, लिहाफ़, लेहाफ़।

२९१. कंबल—कमल, दुशाला, शाल, सेला।

२९२. दोहर—खोल।

२९३. चादर (ओढ़ने की)—अंटी, अंडी, चादर, टूस, घूस, रैपर, शाल।

२९४. पायदाज—पयंदाज, पाँवड़ा, पाँवड़ी।

२९५. चाँदनी—उल्लोच, चँदवा, चँदोवा, चद्रातप, वितान।

२९६. ओहार—अच्छदपट, ओहर, निचुल, निचोल, पटल, परदा।

२९७. जूता—आतपवारण, उपानह, खड़ाऊँ, गोड़ारी, चट्टी, चपली, चप्पल, चरणपीठ, जूता, जूती, ज़ेरपाई, जोड़ा, पंज, पगतरी, पगदासी, पगनियाँ, पटोटज, पदत्राण, पनहिया, पनही, पावड़ी, पादत्र, पादत्राण, पादुका, पैजार, पौरी, बूट, सैंडिल, स्लिपर, शू।

२९८ जूती—जूता, पगनियाँ, स्लीपर।

२९९. खड़ाऊँ—खड़ाऊँ, पगदासी, पाद-त्राण, पादुका, पावड़ी।

३०० शृंगार—अलंक्रिया, ठट, ठाट, ठाठ, बनाव, भूषा, साज, सिंगार।

३०१. अंजन—अजन, आँजन, कजरा, कज्जल, काजर, काजल, दीपध्वज, सुरमा।

३०२ अंजन शलाका—अजन सलाई, अजनसलाका, सलाई, सुरमचू।

३०३. काजल (नजर बचाने का)—अक, अनख, अनखा, डिठौना, मसिबिन्दु, मसिबुन्दा।

३०४. २ तरह के सुरमा—पुष्पांजन, सौवीरांजन, स्रोतोंजन।

३०५. सुरमा (सौवीरांजन)—अंजन, कपोतक, कालासुरमा, कृष्ण, चक्षुष्य, दृष्प्रद, नादेय, नीलांजन, पार्व-

तेय, मेत्रक, वारिसंभव, श्वेतसुरमा, सुरमा, सौवीरक, स्रोतोज।

३०६. सुरमा (पुष्पांजन)—कुसुमांजन, कुमिरसांजन, कौसुंभ, चाक्षुष्य, धातुमपमाक्षिक, पुष्पकेतु, पुष्पांजन, पौष्पक, रीतिक, रीतिकुसुम, रीतिपुष्प, सदंजन।

३०७. सुरमा (स्रोतोंजन)—कपोतसार, कपोतांज, जयामल, नदीज, पीतसारि, वाल्मीक, वाल्मीकशीर्ष, यामुन, वारिभव, सुरमा, सौवीरसार, सौवीर, स्रोतज, स्रोतोद्भव, स्रोतोभव।

३०८. प्रसिद्ध सुरमे—गलोना, ममीरा।

३०९. सिंदूर—अरुण, अरुणपराग, गणेशभूषण, नागगर्भ, नागज, नागरक्त, नागरेणु, नागसंभव, भालदर्शन, रगज, रक्त, रक्तचूर्ण, रक्तबालुक, रक्तबालुका, रक्तशासन, वीर, वीररज, शिव, शोण, सन्ध्यारुण, शृंगारभूषण, सिंदूर, सेंदूर, सीमंतक, सीसज, सीसोपधातु, सेंदुर, सेनुर, सोहाग, सौभाग्य, सौभाग्यचिह्न।

३१०. ईंगुर—इंगुर, ईगुर, उंद, उरु, कपिशीर्षक, चर्म्मकार, चर्म्मार, चित्रांग, चूर्णपारद, दरद, नानाशृंगारवर्द्धन, मर्कटशीर्ष, मनोहर, म्लेच्छ, रंजक, रंजन, रक्त, रक्तपारद, रस, रसगर्भ, रसस्थान, रसोद्भव, वर्बर, शुकतुंडक, सिंगरफ, सिंगरिफ, सुरंग, सुनर, हंसपाद, हिंगुल, हिंगुलि, हिंगुलु, हींगलू।

३११. २ तरह के ईंगुर—चर्म्मार, शुकतुंडक, हंसपाद।

३१२. इत्र—अतर, इतर, इत्र, खुशबू, गंध, फुलायल, फुलेल, फुलैल, सुगंध, सुगंधि, सेंट, सौरभ।

३१३. तेल—अभ्यंजन, आयल, तेल, तैल, म्रक्षण, सनेह, स्नेह।

३१४. कंघी—अतिबला, अंगाधान, कंकतिका, ककती, कँगही, कंघा, कंघी, ककई, केशप्रक्षालिका, ग्रंथ, प्रसाधनी, बलिका, विककंता, वृष्यगंधा, शतपुष्पा, शीता।

३१५. बाल धोने का मसाला—सोंधा, सोंधु, सौंधा।

३१६. मीसी—दंतराग, मिस्सी।

३१७ खेजाब—खिजाब, खेजाब, वसमा।

३१८. भालतिलक—खौर, टीका, तिलक, पुण्ड, पुण्ड्र।

३१९. टिकुली—कचबची, खोरिया, चमकी, टिकली, टिकुली, तारा, बिंदी, बुन्ना।

३२०. बिंदी—चित्र, टिकुली, टीका, बिंदी, बिंदुका, बिंदुरी, बिंदुली, बुन्दा, बेंदा, बेंदी।

३२१. रोरी—कुंकुम, चारू, रोरी, रोली, रोहित।

३२२. पाउडर—अंगराग, पउडर।

३२३. उबटन—अपटन, अबटन, अभ्यंग, अवटन, अवलेप, उच्छादन, उत्सादन, उद्वर्त्तन, उपटन, उबटन, गाजा, चिकस, चिक्कस, चीकस, बटना, बुकवा, यक्षकर्दम, स्नो।

३२४. आलता—अलक्तक, अलता, आलक्तक, आलत, जतु, जतुरस, जननी, जावक, महाउर, महावर, महावरी, याव, राग, लक्षिक, लाक्षा, लाक्षारस, लाक्षक, लाखा, सम्पया।

३२५. चोटी बाँधने की डोरी—कबर, कबरी, चोटी, मथबन्हना, मुकबँधना।

३२६. आईना—आइना, आईना, आरसी,

ऐनक, ऐना, कर्क, छायाग्रह, दरपन, दरपनी, दर्पण, मंकुर, मंडलक, मुकुर, शीशा, हलबी, हलब्बी।

३२७. आभूषण—अलंकरण, अलंकार, अवतंस, आभरण, आभूषण, आभूषन, आभूसन, कलाप, गहना, ज़ेवर, टूम, परिष्कार, भूषण, भूषन, भूसन, भूषा, मंडन, ललाम, विभूषण।

३२८. सिर के गहने—आड़, कँटिया, कौड़ी, जूटा, खरील, खौर, चंद्रिका, चूड़ामणि, चौका, छपका, झूमक, झूमर, टीक, टीका, दामिनी, दावनी, पीड़, बँदिया, बंदी, बिंद, बिंदी, बेणीफूल, माँगटीका, माझा, शिरफूल, शिरमौर, शिरोभूषण, शिरोमणि, श्री, श्रीमत, सरपेच, सिरताज, सिरफूल, सिरमनि, सिरमौर, सिरबिंदी, सिरोमनि, सिरी, सीसफूल।

३२९. नाक के गहने—कील, छुच्छी, झुलनी, झूलनी, नकफूल, नकबुल्ली, नकबेसर, नकमोती, नत्थ, नथ, नथनी, नथिया, नथुना, नागफनी, फुलिया, बुलाक, बेसर, भोगली, मोरनी, लटकन, लौंग, सींक, सोंकनिया।

३३०. कान के गहने—पेरन, कंणिका, कँर्णिका, कर्णफूल, कनककली, कनफूल, करनफूल, कुंडल, खुटेका, गोशवारा, चाँदवाला, चौंकड़ा, झूलरि, झुमका, झूमक, झूमका, झूमर, टेटका, तखन, तरकी, तरकुली, तरी, तरिका, तरिवन, तरौना, ताटक, ताडंक, नागफनी, पत्ता, पैंच, फिरिया, बाला, बिजली बार, बीरा, बुन्दा, मुदरा, मुरासा, ललामी, लुरकी, लोरकी, लोलक।

३३१. गले के गहने—अकमालिका, कंठश्री, कंठा, कठी, कँठुला, खजूरी, गडक, गलबंदनी, गलसिरी, गुलूबन्द, गोप, ग्रैवेयक, चदनहार, चंपाकली, चौकी, जतर, जयमाल, जुगुनू, झप, टीक, टीका, तिलड़ा, तिलड़ी, तोड़ा, तौक, दुगदुगी, दुलड़ी, धुकधुकी, नवसर, नौलखाहार, पचलड़ा, पचलड़ी, पटिका, बघनहाँ, बघनहियाँ, बघना, बटखी, बिजली, मणिमाला, मनिया, मार, माल, माला, मालिका, माल्य, मुतसिरी, मोतीसिरी, मोहनमाला, रामनामी, श्रीमाल, सतलड़ी, सिकड़ी, सीतानामी, स्रज, हँसली, हँसुली, हमेल, हार, हारक, हुमेल, हैकल।

३३२. कमर के गहने—कँदौरा, कधनी, कटिजेब, कटिसूत्र, करगता, करधनी, किंकिणी, कौधनी, चितिका, तागड़ी, मेखल, मेखला, मेखली, शृंखल, शृंखला, सिकड़ी, सूत्र।

३३३. बाजू के गहने—अंगद, आर्मलेट, केयूर, चूड़ा, जोशन, टाँड, नौनगा, बरा, बरखी, बहुटना, बहूँटा, बाँक, बाक, बाजू, बाजूबंद, बाजूबीर, बिजायठ, भुज, भुजबंद, सुराही।

३३४. कलाई के गहने—कंकण, कंकन, कगन, कँगना, कगनी, कटक, कड़ा, करूला, कलय, गजरा, गुजरी, चुरी, चूड़ा, चूड़ी, चूड़ादंती, छन्ना, जहाँगीरी, तोड़ा, पछेली, पहुँचा, पछेली, पटुरी, पल्लव, पहुँची, बाँक, बाला, बार, बेड़ा, बंगुरी, बाँक, बंटा, ब्रेसलेट, मठिया, मुठहरा, हथहरा।

३३५. पैर के गहने—अँदुक, कड़ा, गूजरी, गोड़सँकर, गोड़हरा, घुँघरू, छड़ा, छरा, छला, छागल, छुगुनू, जेहर, झाँझ, झाँझड़ी, झाँझन, झाँझर, झाँझरी, तोडा, नूपुर, नेवर, पंडु, पाइल, पाजेब, पायल, पैजनी, पैरी, बाँक, बिछुआ, मंजीर, लच्छा, सांकडा।

३३६. उंगलियों के गहने—अँगूठी, अड़सो, खातिम, छल्ला, मुद्रा, मुद्रिक, मुँदड़ो।

३३७. मुकुट—उष्णीष, किरीट, ताज, मउर, मकुट, मुकुट, राजमुकुट, सिरताज।

३३८. आड़—माथे का गहना—आड़, कचपची, किरीट, कोट, चंदक, चंद्रकला, चद्रिका, टिक्के, टीक, टीका, तिलक, दावनी, दावनी, पोड़, बुन्दा, बेंदा, ललाटिका, ललामक, सिरबदी, सिरी।

३३९. टीका (माथा)—अवतस, टीका।

३४०. कान की बाली—अटी, कुण्डल, कड़कबिजली, कर्णपाली, चाँदवाला, ताड़क, तरकी, तरौना, तार, बारी, बाली, मुरकी, मुर्की।

३४१. कुंडल—कर्णपाश, कर्णभूषण, कर्णवेष्टन, कर्णश्री, कर्णहार, कान, कुण्डल।

३४२. काँप (कान का एक गहना)—काँप, गंगाजमनी, गोरापेच, चाँदबाला, झुमक, झुमका, टेटका, तरना, तरौना, फिनिया, मुंदरा, बुन्दा, बिजली, बीरी।

३४३. कील (नाक की)—कील, कुर्की, फूल, लौंग।

३४४. दांत का गहना—चुर्मा, बतासी।

३४५ हँसुली—खँगोरिया, गरदनी, गैरखी, हँसली।

३४६. हार (गले का)—अकमालिका, कंठश्री, गलश्री, गलसिरी, चदनहार, चेन, जंजीर, जयमाल, जुगुनू, झप, तिलड़ी, नवसर, नौलखा, नौलखाहार, मणिमाला, माला, मोहनमाला, रामनामी, लर, सिकड़ी, लाकेट, हार, हारक।

३४७. बघनहाँ—बघनखा, बघनहाँ, बघनहियाँ, बघना।

३४८. मोती का हार—उरसूत्रिका, मणिमाला, मुक्ताहार, मोतीसिरी, हारमुक्तावली।

३४९. सिकड़ी—चेन, जंजीर, शृंखला, सकरा, सकल, साँकर, साँकल, सिकड़ो, सीकड़, लर, लाकेट।

३५०. भुजबंद—अगद, केयूर, बाजू, बाजूबंद, बिजायठ, भुजबंद।

३५१. कंगन—कंकण, कंकन, कगन, कँगना, ककनी, कक्कन।

३५२. छोटा कंगना-कँगनी, कंगु, ककन, ककुनी, काँकुनी, काँगनी, काकुन, कानन, टँगुनी, टाँगुन, प्रियंगु, लच्छा।

३५३. पहुँची—आपावक, कटका, छद, छदक, जहाँगीरी, ताड, पहुँची, पारिहार्य, प्रकोष्ठाभरण, वलय।

३५४. कड़ा (हाथ का)—कड़ा, पछेला, नेरवा, हथहरा।

३५५. चूड़ी - चूरा, चूड़ी, चूरी, पटरी, बेल चूड़ा।

३५६. हाथ साँकर—हथफूल, हथ साँकर।

३५७. आरसी (अगूठे का)—अंगुश्ताना, अरसी, आरसा।

३५८. अँगूठी—अंगुलिमुद्रा, अँगुठी, अंगुलीय, अँगुश्तरी, ऊर्मिका, गाल, छल्ला, मुँदरी, मुद्रा, मुद्रिका, मुंदरी।

३५६. करधनी—कँदारा, कँधनी, कटिजेब, कटिबंध, कमरबंध, करगता, करधन, काँची, काचीकल्प, किंकिणी, कौंधनी, कौधनी, क्षुद्रघटिका, नागड़ी, मेखल, मेखला, मेखली, बिछुआ, रसना, शृंखला, मस्तकी, सिकड़ी।

३६०. घुँघुरूदार करधनी—किंकिणी, क्षुद्रघंटिका, क्षुद्रावली।

३६१. नूपुर—गुंगिया, गूंगी, छल्ला, तुलाकोटि, नूपुर, पादकटक, पादांगुद, हंसक।

३६२. पाजेब—अंदु, अंदुक, घुंघरू, ज़हर, झाझन, झाझर, झाझरी, नूपुर, पाजेब, पादकंटक, पायल, पैजनी, पैरी, मजीर, मजीर, हंसक।

३६३. पैर की उँगलियों के गहने—गूंगी, छल्ला, बिछिया, मुँदरी, हंसक।

३६४. खेल—आनंद, क्रीड़ा, खिलवाड़, खेलवाड़, खेला, गेम, तफ़रीह, तमाशा, मनबहलाव, मनोरंजन मौज़।

३६५ खेलने वाला—खेलक, खेलाड़ी, प्लेयर।

३६६. खेलना—कीडना, क्रीड़ना, क्रीड़ा करना, खेल करना, खेल मचाना, खेला करना, तमाशा करना, मनोरंजन करना।

३६७. हाकी (खेल)—हागुल।

३६८. हाकी—स्टिक, हाकी, स्टिक।

३६९. क्रिकेट (खेल)—गेंद बल्ला।

३७०. खिलौना—खेलवाड़, खेलौना, खेलवार, गिरगिरी, गुड़िया, घुनघुना, झुनझुना।

३७१. पतंग—कनकौवा, गुड्डा, गुड्डी, चंग, चाँदतारा, तुक्कल, पतंग।

३७२. मंझा—चर्खी, मझा, माझा, हुलका।

३७३. चौसर—अष्टापद, चौपड़, चौसर, नर्दबाज़ी, शारिफल।

३७३. अ. शिकार—अहेर, आखेट, आखेटक, मृगया, शिकार।

३७३ आ. कसरत—कसरत, ज़ोर, मेहनत, वर्ज़िश, व्यायाम।

३७३. इ. तफ़रीह—आमोद, तफ़रीह, दिलबहलाव, मनोरंजन।

३७४ पासा—अक्ष, देवन, पाशन, पासा।

३७५. गेंद—कंदुक, गेंडुक, गेंद, गेंदा, गेना।

३७६ गुड़िया—गुड़िया, गुड्डा, गुड्डी, पाञ्चालिका, पुतली, पुत्तलिका, पुत्रिका।

३७७. मुगदर—जोड़ी, मुंदरा, लेज़िम, लेज़ुर।

३७८. सवारी—यान, वाहन, सवारी।

३७९. हवाई जहाज़—पुष्पक विमान, पुष्परथ, यान विमान, व्योमयान, हवाई जहाज

३८०. जहाज़ (पानी का)—अर्णवपोत, जहाज़, पोत, बोहित।

३८१. नाव—उडुप, कोल, जलपात्र, जलयान, डेंगी, डोंगी, तनूखवा, तरंड, तरंडा, तरंत, तरणि, तरना, तरिका, तरी, ताउर, नाय, नाव, नावर, नौ, नौका, पडाकनी, पतग, पनसुइया, पादालिंद, पोत,

बनवाहन, बेड़ा, वहन, वहित्र, वार्वट, होड़ ।

३८२. गाड़ी—गंत्रीक, गड्डी, गात्री, गाडी, शकट ।

३८३. रेलगाड़ी—ट्रेन, रेल, रेलगाडी ।

३८४ मोटर—कार, ट्रक, बस ।

३८५. मोटर साइकिल — फटफटिया, मोटर बाइक ।

३८६. साइकिल—ट्राईगाडी, पैरगाडी, बाइक, बाईसाइकिल, बाइसिकिल, साइ-किल, हवागाड़ी ।

३८७. घोड़ा गाड़ी—एक्का, गाड़ी, घोड़ा गाडी, टमटम, टागा, बग्गी, बग्घी ।

३८८. रथ (जनाना)—कर्णीरथ, डयन, प्रवहण, रथ, ह्यन ।

३८९. बैल गाड़ी—लड़खड़िया, बहली, बैलगाडी, रथ, लढ़िया ।

३९०. रथ—रथ, शताग, स्यन्दन ।

३९१. डोली -डोलो, टोला, प्रेखा, शिविका, हिंडोल ।

३९२. पालकी—पालकी, याम्ययान, शिविका ।

३९३. काठी—काटी, ज़ीन ।

३९४. घोड़े की लगाम—बाग, बागडोर, लगाम ।

३९५. अंधोटी (घोड़ा)—अधेरी, अँधियारी, अधोटी ।

३९६. कोड़ा—कषा, कोड़ा, चमोटी, चाबुक, चुटक, दुर्रा, सॉट, साटा, सिट्टु-कुना, सुट्टकनी ।

३९७. हौदा—अबारी, अमारी, हौदा ।

३९८. गजबांक—अकुश, आँकुश, आँकुस, गजबाँक, गजबाग, शृणी ।

३९९. हाथी का खूँटा—अलान, आलान, बंधस्तंभ ।

४०० जंजीर (हाथी बाँधने की)—अंदु, अंदुआ, अंदुक, अर्गला, अलान, आंदू, आलान, निगड़, शृंखल, साकल, सिक्कड़ ।

४०१. हथियार—अस्त्र, अस्त्रशस्त्र, औज़ार, राछ, शस्त्र, सिलह, सिलाह, हथ्यार, हथियार हरबा ।

४०२. झंडा—केतन, केतु, चोन, झंडा, झंडो, दुकूल, धूमकेतु, धूम्रकेतु, ध्वज, ध्वजा, निशान, पचतोलिया, पताका, फरहरा, मत्स्यवाहन, वैजयती, शबनम, शरवती, शिखि, शीर्षग्रह ।

४०३. तोप—कड़कनाल, कमान, गजनाल, गयनाल, गोला, जबूरक, तुपक, तोप, शतघ्नी ।

४०४. बत्ती—पलाता, फलीता, बत्ती ।

४०५. बंदूक—अग्न्यास्त्र, कड़क बिजली, कड़ाबीन, कमान, गोली, तुपक ।

४०६. तलवार—असि, कत्ता, कत्ता, करंड, करवार, करवाल, करवाली, करौली, कर्कश, कर्त्तरी, किरमाल, किरवार, कृपाण, खग, खजर, खड्ग, खाड़ा, चद्रहास, टक, तलवार, तीक्ष्णवर्मा, तेग, दुरवद, दुलोही, धर्मपाल, धर्ममाल, धोप, निस्त्रिंश, मडलाग्र, रिष्टि, रिसिक, रिष्टि, विशसन, शमशेर, शायक, सायक, सिरोही, सैफ ।

४०७. ढाल—चर्म, ढाल, फर, फल, फलक ।

४०८ कवच—अगत्राण, अजगर, आयस, आयसी, उरश्छद, कंकट, कंचुक, कवच, जगर, जागर, जिरह, झिलम, बोशन,

तनत्राण, तनुत्र, दंशन, दशन, बकतर, बख्तर, बरम, बारन, योग, बक्तर, बखतर, वरम, वर्म, बारब, शरीरतेनु, शरीरत्राण, सनाह, सन्नाह, झिलाह।

४०९. धनुष—कमठा, कमान, कमानचा, कार्मुक, कुबंड, कोदंड, गुणी, चाप, तारक, धनक, धनु, धनुआ, धनुई, धनुक, धनुख, धनुष, धनुस, धनुही, पत्रवाह, पत्रवाह, पिनाक, लेजिम, शरावाप, शरासन, शरास्य, शार्ग, सरासन।

४१०. डोर (धनुष) गुन, गुण, चिल्ला, चिह, ज्या, ताँत, पनच, पतंचिका, प्रतिचा, प्रत्यंचा, मुर्वी, मौर्वी, शिंजिनी।

४११. तरकश—इषुधि, कलाप, तरकश, तरकसी, तूण, तूणी, तूणीर, तूनीर, तोण, निषंग, भाथा।

४१२. तीर—आशुग, इषु, कलंब, खग, गो, चदबान, तीरा, नाराच, पत्री, पख, पुष्कर, पृषतक, प्रधक, बाण, मारगन, मार्गण, मार्गन, रविबाण, विशिख, विहग, विहग, शर, शलाका, शायक, शिलीमुख, सायक, सुप।

४१३. बरछी—भालि, भुजाली, बरछी, साग, सैहथी।

४१४. भाला—कुन्त, कुसाप, दीर्घामुख, नेजा, भल्ल, माला, विषांकुर, शकु, शल, शल्य, शेल, सेना।

४१५. कटार—कटार, कटारी, कत्ती, खंजर, जमदाढ़, पेशकब्ज, भुजाली।

४१६. गुप्ती—ईली, करपालिका, खाँड़ा, गुप्ती, गुपुती।

४१७. लाठी—गोबो, बाँस, लउर, लकड़ा।

४१८. चीज—चाव, द्रव्य, पदार्थ, वस्तु।

४१९. सामान—असबाब, असासा, उपकरण, द्रव्य, माल, लवाज़मा, समान, साज़सामान, सामग्री, सामिग्री।

४२०. चूल्हा—अतिका, अंदिका, अधिश्रयणी, अश्मंत, उद्धार, उष्मान, चुल्ली, चूल्ह।

४२१. अंगीठी—अंगारधानिका, अंगारधानी, अंगारशकटी, अंगेठी, हसती, हसनी।

४२२. लुआठ—अलात, उल्मुक, लुकाठ, लुकाष्ठ।

४२३. ईंधन—ईंधन, ईंध, इध्म, जलावन, लकड़ी, लगवना, लगावन, लगौना।

४२४. उपला—उपरी, उपला, कंडा, कंडी, करीष, गोइठा, गोइठा, गोहरा, गोहरी, चिपरी।

४२५. कोयला—कोइला, कोक, कोल।

४२६ राख—क्षार, खाक, छार, भस्म, राखा।

४२७ पात्र—अमत्र, आवपन, पात्र, बरतन, बर्तन, भाजन, भाड़, भाड़ा, भाजन।

४२८. कड़ाही—कढ़ाई, कढ़ाही, कड़ाहा, कराही, टोकना, तई, ताई।

४२९. डेग—डेकरी, डेउ, देग, देगचा, देगची।

४३० पतीला—तसला, पतीला।

४३१. बटुली—उखा, उषा, कुंड, पिठर, बटला, बटली, बटलोई, बटलोही, बटुआ, बटुवा, बटुला, स्थली, हड़ोष।

४३२. तवा—ऋजीष, अजोष, तव, तावा, पिष्टपचन, पृष्ठिपच।

४३३. पौना—झन्ना, झरना, पौनी।

४३४. कलछी (काठ की) — करछी, कलछा, तर्छू, दारुहस्तक।

४३५. कलछुल—कंबी, करछी, करछुल, करछुलि, कर्छी, कलछा, कलछी, कलछुल, खजाका, कररचिणी, दर्वी।

४३६. चिमटा—चमचा, चिमचा, सिंउठा।

४३७. संड़सी—संड़सा, सरसी।

४३८. डोकी—डोकिया, डोका, द्रोणी।

४३९. परात—थाल, पलेट।

४४०. थाली—काब, टाठी, तश्त, थारी, थरिया, थाल, भोजनपात्र।

४४१. कटोरा—कटोरा, कटोरिया, कटोरी, कसोरा, खोरा, खोरी, पानपात्र, बेला, बेलिया।

४४२. तश्तरी—प्लेट, रकाबी, रिकाबी।

४४३. प्याला—चंबली, जाम, पियाला, प्याली।

४४४. चमचा—चमच, चम्मच, डोई।

४४५ गडुवा—आरु, आल, आलु, करवा, कर्करी, गंगासागर, गडुआ, गडुई, गलंतिका, झारी, तमहा, बधना, लोटा।

४४६. गिलास—आबखोरा, आलूबालू, ओलची, खोरिया, ग्लास, जलपात्र, पानपात्र, लुटिया।

४४७. पथरी—पथरौटा।

४४८. पत्तल—पतरी।

४४९. दोना—खदोना, सपुट।

४५०. कंडाल—कन्डाल, गगाल, तामड़ी, सागर, टब।

४५१. कठौता—कठड़ा, कठवत, कठौत, कठौता, कठौती, द्रोण।

४५२. गगरा (धातु)—कलश, कलशा, कलसा, कुंभ, गगरिया, गगरी, घट, घड़ा।

४५३. ठिल्ली (मिट्टी)—कलसा, मगरी, घट, घड़ा।

४५४. घड़ा (गंदा)—छुतिहा, बहरहा, बहिरहा।

४५५. कमोरा—अलंबर, अलिंजर, कमोरी, मटका, मणिक।

४५६. हाँडी—कहतरी, तिहरी, मेटी, हंडी, हड़िया, हाँड़ी।

४५७. परई—कसोरा, परई, मलैया, शराव, सरवा।

४५८. कसोरा—सकोरा, सिकोरा।

४५९. पुरवा—कुल्हड़, चुक्कड़, भड़का, हुँडा।

४६०. खपड़ी (दाना भूनने की)—अबरीष, कड़ाह, खपरा, भ्राष्ट।

४६१. जाँता—चकरी, चकिया, चक्की, जाँत, झाँता।

४६२. चलनी—अंगिया, अँखिया, आँखी, आखा, चलनी, चालनी, छलनी, तितऊ।

४६३. सूप—छाज, प्रस्फोटन, फटकन, फटकनी, शूप, शूर्प।

४६४. ओखली—उदूखल, उलूखल, ऊखल, ओखरी।

४६५. मूसर—मुषल, मूसर, मूसल।

४६६. टोकरा—खाँचा, छाबड़ा, झाबर, झाबा, डला, डाला, दौरा।

४६७. टोकरी—चँगेरी, चँगेली, टोकरी, डलिया, डली, डाली, दौरी।

४६८. दौरा—ओड़िया, चगेला, डाला।

४६९. दौरी—कांडोल, चंगेली, डाली, पिट, पिटक, पेटक।

४७०. डाली—कुरई।

४७१. चिलमची—आचमनक, निष्ठीवा-पात्र, पद्दग्रह, प्रतिग्राह, प्रोंठ ।

४७२. पीकदान—उगलदान, ओगलदान, थुकनी, पिकदान, पिकदानी ।

४७३. झाड़—कूँचा, झाड़ू, बढ़नी, बुहारी ।

४७४. लोढ़ा—बटिया, बट्टा, लोढ़िया, लोढ़ी ।

४७५. सिल—पाथर, सिलौटी, सील ।

४७६. मथनी—खलर, छोढ़ी, मथ, मंथदंडक, मंथान, मथना, मथनियाँ, मथनी, मथानी, रई, वैशाख ।

४७७. मटका—कमोरा, कमोरिया, मटकी ।

४७८. कुप्पी—कुतुप, कुतू, कुप्पा ।

४७९. भट्टी—कन्दू, भट्टी, माड़, स्वेदनी ।

४८०. डोरा—अंशु, काता, चीन, डोर, तंतु, तत्र, तागा, दोरक, धागा, सूता, सूत्र ।

४८१. सूई—शूचि, शूची, सुचिका, सूई, सूची ।

४८२. टेकुरी—आरा, आरी, टेकुई, सुतारी ।

४८३ सूजा—सुज्जा, सूजा, सूवा ।

४८४. झाँपी—कट, करंडा, किलिंजक, झापी, पेतारा, पेटारी, मोना, मोनियाँ ।

४८५. डिब्बा—डिब्बी, संपुट ।

४८६. बाकस—पेटी, बकस, बक्स, बाक्स, मंजूषा, संदूक ।

४८७. कजरौटा — कजरौटी, कजलौटा, कजलौटी ।

४८८. इंगरौटी-इंगुरौटी, सिंदोरा, सिंधोरा, सिंधौरा ।

४८९. चुनौटी—चुनही, चूनादानी ।

४९०. चिराग — अंजनकेश, आलोक, उल्का, गृहमणि, चिराग़, ढेबरी, दियरा, दियना, दिया, दीप, दीपक, दीपिका, दीयरी, दीया, दीवा, प्रदीप, बत्ती ।

४९१. चिराग़दान— चिरागदानी, चौमुखा, झाड़, दीपकवृक्ष, दीपकाधार, दीयट, दीवट, फलीतसोज़ ।

४९२. कंडील—झाड़, झाड़फानुस, झाड़-फेनुस, टार्च, लम्प, लालटेन, हँडिया ।

४९३. मशाल—मसाल, मशियर, लुक्क, लूका ।

४९४. तोड़ा—थैला, थैली ।

४९५. थैला खरीता, खलीता, झोरा, झोला, थोकरा, बेग, बैग ।

४९६. थैली—खरीती, खलीती, कलिलती, जेब, जेबा, झोरि, झोरी, झोली, थैली, थोकरी, पाकेट ।

४९७. परदा—आड़, ओट, कनात, चिक, चिलमन, चीक, छिपाव, जवनिका, तिरस्करणी, दुराव, पट, पटल, प्रतिसिरा, यवनिका, वाह्यपटी, व्यवधान ।

४९८. जूठा भोजन—अवशिष्ट, उच्छिष्ट, उच्छिष्टान्न, जूठन, जूठा, फेला, फेली ।

४९९. चारपाई—खटवा, खटिया, खटोलना, खटोला, खट्वा, खाट, चारपाई, छपरखट, छपरखाट, डासनी, पर्यंक, पलंग, पलंगड़ी, पलँगरी, पलंगिया, पल्यंक, मंच, मँचिया, मसहरी, शयनमी, शयनीय, शय्या, शैया, सज्जा, सेज ।

५००. चौकी—चतुष्की, चौकी, तख़्ता, तख़्ता ।

५०१. पालना—खटोला, गहवारा, झूला, पिंगुरा ।

५०२. **बिछावन**—डासन, बिछौना, शयन, साथरा, स्तर।

५०३. **ओनचन**—उंचन, अदवायन, अदवान, ओनचावन, ओनचना।

५०४. **चारपाई का पावा**—गोड़ा, पाया, पार, पावा।

५०५. **मचिया**—पिढ़िया, पीढ़ो, मंच, मंचक, मञ्चिका, मँचिया।

५०६. **पीढ़ा**—आसन, पाटा, पिढ़ई, पीठ, पीठक।

५०७. **चटाई**—कटक, गोंदरी, गोनर, गोनरी, चटाई, चटोला, तलाचो, दरमा, पाटो, बारिया, मंडरी, साथरा, साथरी, सीतलपाटी।

५०८. **कुशासन**—आसंदी, आसन, आसनी, दर्भ, दर्भासन।

५०९. **कुरसी**—आसंदी, कुरसी, कुर्सी, पीठिका।

५१०. **मेज**—टेबुल, मेंच, मेज़।

५११. **स्टूल**—तिपाई, तिरपाई, मोढ़ा, स्टूल।

५१२. **कुल्हाड़ो**—कुल्हारो, गैंटा, टँगारा, टँगारी, टाँगी, बाँक, वृक्षभेद, वृक्षादन।

५१३. **आरा**—आरी, करपत्र, ककच।

५१४. **रेती**—पत्रपरशु, व्रश्चन, रेनी।

५१५. **हथौड़ा**—मारतौल, हथउर, हथेव, हथौड़ो, हथौरा।

५१६. **बरमा (छेदने का)**—आविध, आस्फोटनो, बरमी, वेधनिका, वेधनी।

५१७. **माथी**—चर्मप्रसेविका, धौंकनी, भस्त्रा।

५१८. **घरिया (धातु गलाने की)**—कुल्हिया, घड़िया, घरिया, मूषा।

५१९. **सलाई**—तीली, शलाका, शिकचा, सींक, सीका।

५२०. **कसौटी**—कष, कस, कृष्णा, खाप, निकष।

५२१. **रस्सी**—डोर, डोरी, दाम, दामनी, दामा, पशुरज्जु, रज्जु, रसरी, लस्सी, लेजुर, लेजुरी।

५२२. **बहँगी**—बहगी, विहंगिका, विहंगिमा।

५२३. **छूरा**—अस्तूरा, उस्तरा, उस्तूरा, छुरिका, छूरा।

५२४. **नहरनी**—नखरंजनी, नखकर्त्तनि, नखदारण, नहरिनी।

५२५. **कैंची**—कतन्नी, कतरनी, कर्त्तनी, कर्त्तरिका, कर्त्तरी, कल्पनी, काती, कृपाणी।

५२६. **हल**—गोदारण, लांगल, सीर, हर, हाल।

५२७. **हल का फाल**—अंगुसी, कुस, कुसी, कूटक, कृषिक, कृषिका, निरीष, फल, फार।

५२८. **हरीस**—अगवासी, ईषा, दंड, लागल, हरिस, हलीस।

५२९. **हँसिया**—दातरी, दात्र, लावन, लवित्र, हँसुवा।

५३०. **कुदाल**—अवदारण, कुदार, कुदारी, कुदाली, खनित्र, खनित्री।

५३१. **फावड़ा**—फरुसा, फरुहा, फौड़ा।

५३२. **मोट**—चरसा, पुरवट।

५३३. **खाद**—गोबर, पांशु, पांसु।

५३४. **दवरी**—दँवरी, दवनी, मिसाई।

५३५. **अनवट**—अंगुष्ठाभूषण, अनौठ, अन्द-वट, दोका।

५३६. **रोशनदान**—गवाक्ष, मोखा, रोशन-दान।

५३७. खूँटी—काटा, खूटी, टँगना, टँगनी, भारयष्टी, मेख।

५३८. थूनी—बाँड़, टेक, टेकान, थुन्नी, थून, थून्हीं।

५३९. खंभा—खंभ, खाम, थंब, थंभ, थूनी, स्तंभ।

५४०. सिकहर—काच, छींका, शींका, शीक्य।

५४१. ताला — कुफुल, कुलुफ, कुल्फ, तलक, तालः।

५४२. ताली—कुंजी, चाबी, चाभी।

५४३. जंजीर—जंज़ीर, शृङ्खला, साँकल, सिकड़ी।

५४४. कुंडी—कड़ी, कुंडा, कुंडो, कौंढ़ा।

५४५. छुरी—असिपुत्री, असिधेनुका, कत्ती, चक्कू, चाकू, छुरिका, छूरा।

५४६. दियासलाई—दीपशलाका, माचिस, सलाई।

५४७. तराजू—काँटा, तरजूई, तराज़ू, तुला, तौला।

५४८. बाट—बटक, बटखरा, बाँट।

५४९. पल्ला (तराजू का)—डल्ला, डाल, तुलापट, पलड़ा, पलरा, पला।

५५०. तन्नी (तराजू की)—जोत, तन्नी।

५५१ डंडी (तराजू की)—काँटा, डंडा, डंडो, डाँड़, डाँड़ी, बेंट।

५५२. चँवर—चँवर, चमर, चमरी, चामर, चामरा, चामरी, चौंर, चौंरी, प्रकीर्णक, बालव्यजन, रोमगुच्छक।

५५३. छत्र—आतपत्र, ककुद, छत्त, राजलक्ष्म।

५५४. छाता—आतपत्र, आतपवारण, छतरी, छत्ता, छत्र, छायामित्र, पटोटज।

५५५. छड़ी—गोबी, छड़ी, डंडा, दंड, दंडिका, बेंत, लउर, लकुट, लकुटी, लगुड़, लाठी, यष्टी, सोंटा, सोटा।

५५६. यंत्र—औज़ार, कल, मशीन।

५५७. दूरदर्शक यंत्र—दूरदर्शक यंत्र, दूरवीक्षण, दूरबीन।

५५८. थैली—कोसा, खरीता, खलीता, खीसा, थाली, थैली, बटुआ, बटुवा, बट्टू।

५५९. दातौन—दंतधावन, दतवन, दुतुवन, दतुविन, दतौन, दातुन, प्रथमाहार, प्रभाती, मुखारी।

५६०. तमग़ा—तग़मा, तमगा, पदक, बिल्ला।

५६१. जाल—जालो, वागुर, मृगबंधनी, बंधोनो।

५६२. फंदा—उन्माथ, कूटयन्त्र।

५६३. झूला—छींका, झूला।

५६४. अटेरन—अटी, अटेरन, चरखा, टकुआ, टेकुआ, टेकुरी, रहँटा।

५६५ बिना बटा तागा—कच्चा तागा, कच्चा धागा।

५६६. नाव खींचने की रस्सी—कूपक, गुण, गून, गोन।

५६७. पतवार—करिया, कर्णधारक, दरित्र।

५६८. नाव का पानी फेंकने की कड़ाही—तसली, सेक, सेकपात्र, सेचन।

५६९. नाव का डाँड़—क्षेपणिका, क्षेपणी, डाँड़, डाँड़ा, नौकादंड।

५७०. मछली रखने का बरतन—कुवेश्वो, डोलनी, डोलो, मत्स्यधारिणी ।

५७१. मछली पकड़ने की जाल—जार, जाल, जालानाय, पवित्रकी, शणभत्र, सूत्री ।

५७२. मछली मारने की कँटिया—अँकड़ा, कँटिया, काँटा, कुंभी, बशी, बडिश, मत्स्यघाती, मत्स्यबेधन, मीनहा, हुक ।

५७३. पंखा—पंखा, पंखी, बेना, विजन, व्यजन ।

———

च

१. स्थान—अगार, अयन, अवस्थान, आगार, आलय, आस्पद, उछोर, केत, केतन, क्षेत्र, गाध, छिद्र, छेत्र, जाँ, जा, जगह, ठहर, ठाँई, ठाँय, ठाँव, ठाम, ठाहर, ठिकाना, ठेन, ठौर, थल, थली, थान, देश, निकेत, निलय, प्रदेश, भू, मही, मुकाम, मौका, लोक, शाला, स्थल, स्थली ।

२. ब्रह्मांड—अंड, अंडकटाह, अंडकोश, ब्रह्म, अक्षर, अव्यक्त, आकाशमंडल, खगोल, भुवनकोष, विश्वकटाह, वृत्तकटाह ।

३. आकाश—अंतरिक्ष, अंबर, अक्षर, अंतरिक्ष, अनंत, अब्द, अमूर्त, अभ्र, अर्णव, अर्श, अवकाश, अवकाश, आकास, आसमान, ऊर्ध्वलोक, खं, ख, खगोल, गंगापथ, गगन, गगनमंडल, गम, गयशिर, ग्रहनेमि, चित्रोक्ति, छायापथ, ज्योतिष्पथ, तारापथ, त्रिदिव, त्रिपिष्टप, दिव्, दिव, देवपथ, देववर्त्म, द्यु, द्यौ, द्राप, धन्वा, नभ, नभमंडल, नभस्थल, नाक, निराकार, निरुप, पाथ, पाथा, पुष्कर, फलक, मरुत्पथ, मरुद्वर्त्म, वायु-मंडल, वायुलोक, वियत्, वृजन, व्योम, शून्य, सोम धरा, स्वर, स्वर्ग, ह ।

४. तारा—आकाशचारी, उडु, ऋक्ष, खग, खचर, खेचर, ज्योतिषी, तारक, तारा, तारिका, नभगामी, पद्मलाञ्छना ।
देखो० 'नक्षत्र' ।

५. नवग्रह—केतु, गुरु, चंद्रमा, बुध, मंगल, राहु, शनि, शुक्र, सूर्य ।

६. ग्रहों के बीच का शून्य स्थान—अंतरिक्ष, अंतरिक्ष, अंतरिच्छ, अंतरिक्ष, अदिति, अधर, अर्णव ।

७. सूर्य—दे० 'सूर्य' ।

८. सूर्य-मंडल—उपसूर्यक, परिधि, परिवेष, परिवेश, मंडन, मंडल ।

९. किरण—अंशु, आलोक, उस्र, कर, कला, किरन, गभस्ति, गो, घृणि, छटा, ज्योति, दीधिति प्रद्योत, भर्ग, भानु, मयूख, मरीचि, रश्मि, रश्मि, रश्मि ।

१०. सूर्य प्रकाश—आतप, घर्म, घम्म, घाम, छवि, छवी, त्विष, दीप्ति, द्युति, धूप, प्रकाश, प्रभा, भा, भास, रुक्, रुचि, रोचि, शोचि ।

११. चंद्रमा—दे० 'चंद्रमा' ।

१२. चंद्र मंडल—चंद्रबिम्ब, चंद्रमंडल, मंडल ।

१३. दूज का चाँद—चंद्ररेखा, चन्द्रलेखा, दुइज, नवचन्द्र, बालविधु, वक्रचन्द्र ।

१४. आधा चाँद—अर्द्धचन्द्र ।

१५. पूर्णिमा का चाँद—पूर्णचन्द्र, राका-शशि, राकेश ।

१६. चाँदनी—अँजोरिया, अमृततरंगिणी, अमृतद्रव, कौमुदी, चंदिनि, चंदिनी, चंद्रक, चंद्रजोत, चंद्रप्रभा, चंद्रमरीची, चंद्रिका, जुन्हाई, जोन्ह, ज्योत्स्ना, हिमकर ।

१७. मंगल—अंगारक, आवनेय, ऋणान्तक, कुज, भूमिसुत, भौम, मंगल, महीसुत, लोहितांग, वक्र ।

१८. बुध—चन्द्रज, चन्द्रसुत, जारज, ज्ञ, बुध, रौहिणेय, विद, विदिच, सौम्य ।

१९. बृहस्पति—अंगिरस, ईज्य, गिरीश, गरीब, गीस्पति, गुरु, गोविंद, ग्रहराज, चारु, चित्र, चित्रशिखण्डिज, जीव, ताराधिप, ताराधीश, तारानाथ, तारापति, त्रिदशगुरु, त्रिदशाचार्य्य, दिदिव, द्वादशकर, धा, धिषण, धिषणाधिप, धीपति, धीमान्, पाक्षय, बृहतांपति, बृहस्पति, नाकपति, वागीश, वागीश्वर, वाचसांपति, वाचस्पति, विप्रमोद, सप्तर्षिज, सिद्धि, सुरगुरु, सुर पतिगुरु, सुरप्रिय, सुरपरोधा, सुरमंत्री, सुरराजगुरु, सुराचार्य, सुरेन्द्रपूज्य, स्थपति ।

२०. शुक्र—आदिदेवगुरु, उशना, कवि, काव्य, दैत्यगुरु, दैत्यराज, भार्गव, भृगु, षड्शर्चि, श्वेतरथ, शुक्र, सित ।

२१. शनि—आर्कि, असित, आर, काल, कोल, क्रोड, ग्रहनायक, छायात्मज, छाया सुत, नीलवासा, नीलाम्बर, पंगु, पातंगि, भास्करी, मन्द, मन्दग्रह, मन्दचार, रवि-नन्दन, वक्र, शनि, शनिश्चर, शनैश्चर, सप्तांशु, सूर्य्यपुत्र, सौरि ।

२२. केतु—केतु, धूमकेतु, धूम्रकेतु, मत्स्य-वाहन, शिखि, शीर्षग्रह ।

२३. राहु—असुर, अहि, कबंध, खड्गपरशु, ग्रहकल्लोल, ग्रहधर्म्मन, तम, दैतेय, नभाक, नैर्ऋत, विधुन्तुद, सिंहिकासुत, सिंहिकासूनु, सैंहिकेय, स्वर्भानु ।

२४. ग्रहण—उपराग, गहन, ग्रहण, ग्रास, ग्राह ।

२५. सर्वग्रास—पूर्णग्रहण, सर्वग्रास ।

२६. नक्षत्र—आकाशचारी, उडु, ऋक्ष, ओक, खग, खचर, गगनचर, गगनेचर, जन्हाई, ज्योति, तमचर, तरई, तारा, तारिका, द्युचर, नखत, भिष्टप, नखत, नभचर, नभश्चर, निशिचर, भ ।

२७. २७ नक्षत्र — अनुराधा, अश्लेषा, अश्विनी, आर्द्रा, उत्तराफाल्गुनी, उत्तरा-भाद्रपदा, उत्तराषाढ़, कृत्तिका, चित्रा, ज्येष्ठा, धनिष्ठा, पुनर्वसु, पुष्य, पूर्वा-फाल्गुनी, पूर्वाभाद्रपदा, पूर्वाषाढ़, भरणी, मघा, मूल, मृगशिरा, रेवती, रोहिणी, विशाखा, शतभिषा, श्रवण, स्वाती, हस्त ।

विशेष—ज्योतिष में उत्तराषाढ़ के बाद 'अभिजित' नामक, एक और नक्षत्र माना जाता है। इसे लेकर कुल २८ नक्षत्र हैं।

२८. अश्विनी—अश्व, अश्वयुज्, अश्विनी, दास्र ।

२९. भरणी—दे० 'यमराज' ।

३०. कृत्तिका—दे० 'अग्नि ।

३१. रोहिणी—अब्जयोनि, धातृ, रोहिणी, रोहिनी, विधातृ ।

३२. मृगशिरा—अग्रहायणि, चन्द्र, मगासिर, मृग, मृगशिरा, मृग, मृगसिर।

३३. आर्द्रा—अदरा, अद्रा, आद्रा, आर्द्रा, रूद्र, शिव।

३४. पुनर्वसु—अदिति, आदिति, पुनर्वसु।

३५. पुष्य—इज्य, जीव, तिष्य, देवपुरोहित, पुक्ष्य, पुष्य, सिध्य।

३६. अश्लेषा—अश्लेषा, असलेखा, असलेषा, अहि, उरग, भुजंग, भुजग, व्याल, सर्प।

३७. मघा—पितर, पितृ, मघा।

३८. पूर्वाफाल्गुनी—पूर्वाफाल्गुनी, भग, योनि।

३९. उत्तराफाल्गुनी—अर्यम, उत्तराफाल्गुनी।

४०. हस्त—अर्क, कर, रवि, हस्त।

४१. चित्रा—चित्रा, तत्त्व, त्वाष्ट्र।

४२. स्वाती—अनिल, मरूत्, वायु, समीर सवाती, सेवाति, स्वाति।

४३. विशाखा—द्विदैव, द्वीश, राधा, विशाखा, शक्राग्नि।

४४. अनुराधा—अनुराधा, मित्र, मैत्र।

४५. ज्येष्ठा—इंद्र, ज्येष्ठा, शक्र, शाक्र।

४६. मूल—निरित, मूर, मूल, रक्ष, राक्षस।

४७. पूर्वाषाढ़—नीर, जल, पूर्वाषाढ।

४८. उत्तराषाढ़—उत्तराषाढ, विश्व, वैश्व।

४९. अभिजित—अभिजित, विधि।

५०. श्रवण—कर्ण, गोविन्द, श्रवण, हरि।

५१. धनिष्ठा—धनवती धनिष्ठा, निधान, भूति, वसु, वसुदेवता, वासव, श्रविष्ठा।

५२. शतभिषा—अंबुप, जलधि, वरुण, तोयप, वरुण, शतभिषा, सप्ततारक।

५३. पूर्वाभाद्रपदा—अजचरण, पूर्वाभाद्रपदा, प्रोष्ठपदा।

५४. उत्तराभाद्रपदा—अहिर्बुध्न, उत्तराभाद्रपदा, प्रोष्ठपदा।

५५. रेवती—अन्त्य, अन्त्यभ, पूषा, पौष्ण, रेवती।

५६. राशि—भ, मुहूर्त, राशि, लग्न।

राशियों का उदय—लगन, लग्न।

५७. राशिपति—राशिपति, राशीश, राशीश्वर।

५८. मुख्य १२ राशियाँ—कन्या, कर्क, कुंभ, तुला, धनु, मकर, मिथुन, मीन, मेष, वृश्चिक वृष, सिंह।

५९. मेष—अज, मेष।

६०. वृष—वृष, वृषभ।

६१. मिथुन—मिथुन, युग्म।

६२. कर्क—कर्क, कर्कट।

६३. सिंह—मृगेंद्र, सिंह।

६४. कन्या—कन्यका, कन्या, कुमारी, सुता।

६५. तुला—तुल, तुला, तौलि, युक्।

६६. वृश्चिक—अलि, वृश्चिक।

६७. धनु—कोदंड, चाप, धनु।

६८. मकर—नक्र, मकर।

६९. कुंभ—कुंभ, घट।

७०. मीन—झल, मत्स्य, मीन।

७१. ध्रुव—अचलग्रह, औत्तानपाद, औत्तानपादि, ध्रुव, निश्चल, स्थिरग्रह।

७२. पुच्छल तारा—केतु, झाडू, धूमकेतु, धूम्रकेतु, पुच्छलतारा।

७३. सप्तर्षि ('शतपथ' के अनुसार)—अत्रि, कश्यप, गौतम, भरद्वाज, यमदग्नि, वशिष्ठ, विश्वामित्र ।

७४. सप्तर्षि (महाभारत के अनुसार)—अंगिरा, अत्रि, क्रतु, पुलस्त्य, पुलह, मरीचि, वसिष्ठ ।

७५. दिशा—अभूर्त, आशा, आसा, ओर, ककुभ, कुकभा, काष्ठा, खंड, गो, तरफ, दिक्, दिश्, दिशा, दिस, दिसा, सिम्त, हरित ।

७६. १० दिशाएँ—अग्निकोण, ईशानकोण, उत्तर, ऊपर, दक्षिण, नीचे, नैऋत्यकोण, पश्चिम, पूर्व, वायुकोण ।

७७. दिक्पाल—दिक्पाल, दिग्पति, दिगाधिप, दिगेश, दिशाधिप, दिशाधीश, दिशीश ।

७८. १० दिग्पाल—अग्नि, इंद्र, ईश, कुबेर, नैऋत, ब्रह्मा, यम, वरुण, वायु, शेष ।

७९. ४ दिशाएँ—उत्तर, दक्षिण, पश्चिम, पूर्व ।

८०. उत्तर—उत्तर, उदक, उदीची, तिय-दिश्, शुमाल ।

८१. दक्षिण—अवाची, जनूब, दक्खिन, दक्षिण, दक्षिणाशा, दक्षिन, दखन, दखिन, दक्खुन ।

८२. पश्चिम—चरम, दग्धा, पच्छिम, पच्छिम, पच्छिउँ, पच्छू, पश्चात्, पश्चिम, पश्चिमा, प्रतीची, मग़रिब ।

८३. पूरब—दिग्गिरणा, पुरब, पूरब, पूर्व, पूर्वा, प्राक्, प्राची, मशरिक ।

८४. ४ दिगांतर—अग्निकोण, ईशानकोण, नैऋत्यकोण, वायुकोण ।

८५. नीचे—अध, तर, तरे, तल, तले, निम्न, नीचे ।

८६. ऊपर—उच्छ्रित, उच्च, उतंग, उदग्र, उन्नत, उपरि, ऊँच, ऊँचा, ऊपर, ऊर्ध्व, तुंग, प्रांशु ।

८७. दिग्गज—दिकस्तंभ दिग्गज, दिशि-कुंजर ।

८८. ८ दिग्गज—अंजन, ऐरावत, कुमुद, पुण्डरीक, पुष्पदंत, वामन, सार्वभौम, सुप्रतीक ।

८९. दिगांतर—कोण, कोन, कोना, दिक्कोण ।

९०. पृथ्वी—अचलकिला, अचला, अदिति, अद्रिकीला, अनंता, अवनि, अवनी, असुर, अहि, आदिमा, आद्या, इडा, इडिका, इरा, इला, इलिका, उदधिवस्त्रा, उरा, उर्वरा, ऊर्मि, उर्वी, औ, कच्छ, काश्यपी, क्रीडाकाता, कु, कुमिनी, कुम्भिनी, कूर्म, केलि, क्षमा, क्षा, क्षिति, क्षोणि, क्षोणी, क्षौणि, क्षौणी, क्ष्मा, खण्डिनी, खगवती, खल, गह्वरा, गात, गो, गोत्रा, गौरिला, चतुरंत, चरता, चला, जगती, जगतीतल, जगद्वहा, जगद्योनि, ज्या, तविषी, तुंगी, तोयनीवी, थिरा, दरदरी, देवयजनी, धरणि, धरणी, धरती, धरनि, धरनी, धरा, धरातल, धरित्री, धात्री, धारणी, धारयित्री, धारिणी, धिषणा, पर्वताधार, पिरथी, पुहुमी, पूषा, पृथवी, पृथिमी, पृथिवी, पृथी, प्रथमी, प्रथी, बला, बीजसू, भद्रा, भरतरी, भवत्, भुइँ, भुवनकोश, भुवि, भूँ, भू, भूगोल, भूतधात्री, भूतल, भूमंडल, भूम, भूमि, भमी, भूचक्र, भूरिक, भूरिच, भूर्षि,

भोम, भोमी, मधुवा, मर्त्यलोक, महि, मही, महीतल, महीमहि, मिट्टी, मेदिनी, यला, रत्नमंडा, रतनागरभ, रत्नगर्भा, रसा, रेणुका, ल, लोकधारिणी, वसनार्णवा, वसुंधरा, वसुधा, वसुधान, वसुमती, विपुला, विश्वंभरा, विश्वगधा, विश्वधारिणी, वीजसू, व्योमस्थली, सथर, समुद्रनेमि, समुद्रवसना, समुद्राबरा, समुद्रावरण, सर्वसहा, सागरधरा, सगरिनेमि, सागरमेखल, साधुमती, सारंग, सितवराहपत्नी, सुगधिमाता, सुधा, सोलाली, स्थाया, स्थिरा, हरिप्रिया, हेमा ।

६१. महाद्वीप—बर्रेआज़म ।

६२. द्वीप–अतरीप, जज़ीरा, टापू, रेता, रेती ।

६३. सप्तद्वीप —कुश, क्रौंच, जबू, पुष्कर, प्लक्ष, शाक, शाल्मलि ।

६४. द्वीप समूह—द्वीपपुंज, द्वीपमाला ।

६५. थल डमरूमध्य—खाकनाय, थलमडरूमध्य ।

६६. मिट्टी—प्रशस्ता, मट्टी, माटी, मिट्टी, मृत्, मृत्तिका, मृत्सा ।

६७. धूलि—खेह, गर्द, धूर, धूलि, धूसर, धूसरी, पाँस, पाँशु, पिंजल, रज, रेणु, वातकेतु, वातध्वज, सचरा ।

६८. बालू—पानीयवर्णिका, प्रवाही, प्रवाहोत्था, बाड़, बालिका, बालुका, बालू, महाश्लक्ष्ण, रेणु, रेत, रेतका, शिलाकण, शीतला, सिकता, सिक्ता, सूक्ष्मा ।

६६. रेगिस्तान — बालकायुत, मरुथल, मरुभूमि, मरुस्थल, रेगिस्तान, रेता, शर्करा, शर्करावती, शर्करिल, शार्कर ।

१००. ऊसर—अनुर्वरा, ऊषर, ऊसर, बन्ध्याभूमि, सस्यहीना ।

१०१. उपजाऊ भूमि—अरखेज़, उपजाऊ, उर्वरा, उवरी, शस्याढ्या ।

१०२. खेत—कियार, केदार, कोला, क्षेत्र, चक, निष्कुट, पाटीर, भूमि, राजिका, वप्र, वलज, वाप ।.

दो खेतों के बीच की ऊँची भूमि—खाँवा, डाँड़, डाँड़ा, मेड़, मेढ़ ।

१०३. संसार—आलम, ख़लक, ख़िलक़त, चराचर, जग, जगत, जगती, जहान, दुनिया, दुनी, नरलोक, पृथ्वीतल, प्रपंच, प्रभव, भव, भुव, भुवन, ब्रह्मांड, भूलोक, भौ, मर्त्यलोक, महीतल, मुल्क, मृत्युलोक, लोक, विष्टप, विश्व, संसार, संसृति । दे० 'सृष्टि' ।

१०४. देश—ख़ित्ता, देस, मही, मुलुक, मुल्क, राज्य, राष्ट्र ।

१०५. विदेश—अन्यदेश, देशांतर, देशावर, देसावर, परदेश, पूरब, बिदेश, विलायत ।

१०६. प्रदेश—खंड, पद, प्रदेश, प्रांत, सूबा, हाता ।

१०७. राष्ट्र—उपवर्तन, जनपद, नीवृत, राज्य, राष्ट्र, विषय ।

१०८. भारतवर्ष—आर्यभूमि, आर्यावर्त, पुण्यभूमि, भरतखंड, भारत, भारतवर्ष, सिंधुदेश, हिन्द, हिन्दुस्तान, हिन्दुस्थान, हिन्दोस्ताँ ।

१०६. म्लेच्छदेश—अनार्यभूमि, पतितभूमि, प्रत्यत, म्लेच्छदेश, म्लेच्छस्थान ।

११०. सप्तपुर—अवंतिका, अयोध्या, काँची, काशी, द्वारिका, मथुरा, हरिद्वार ।

१११. अयोध्या—अजोध्या, अवधपुरी,

कोशलपुर, कोशलपुरी, रामजन्मस्थली, साकेत, सेतिका ।

११२. कांजी—काँचीपुरी, काची, काञ्जीवरम् ।

११३. काशी—काशी, काशीपुरी, बनारस, वाराणसी, विश्वनाथनगरी, विश्वनाथपुरी, शिवपुरी ।

११४. द्वारका—द्वारिका, द्वारवती, द्वारावती, द्वारकानगर, द्वारिका, द्वारिकाधीशपुरी, द्वारिकापुरी ।

११५. मथुरा—कंसनगरी, कंसपुर, कंसपुरी, कृष्ण नगरी, मथुरापुरी, मधुपुर, मधुपुरी, मधुरा ।

११६. प्रयाग—अलाहाबाद, इलाहाबाद, इलाहाबास, तीर्थराज, परयाग, संगम ।

११७. त्रिवेणी—तिरबेनी, त्रिवेणी, बेनी, संगम ।

११८. पटना—कुसुमपुर, पट्टन नगर, पाटलिपुत्र, पाटलीपुत्र ।

११९. जगन्नाथपुरी—जगन्नाथजी, जगन्नाथपुरी, पुरी ।

१२०. रामेश्वर—रामसेतु, रामेसुर, श्वेतबंधरामेश्वर, सेतुबंध रामेश्वर ।

१२१. उज्जैन — अवंतिका, अवंतिपुरी, अवंती, उज्जयनी, उज्जयिनी, उज्जैनी ।

१२२ दिल्ली—इंद्रप्रस्थ, डिल्ली, देलही, देहली, देहली, हस्तिनापुर ।

१२३. कमच्छा — कामाक्षी, कामाख्या, कामाक्षा ।

१२४. कामरूप—कमरू, कामरूपा, कामरूप ।

१२५. कश्मीर—कश्यपदेश, कश्यपमेरु, कश्मीर, काश्मीर ।

१२६. लंका—ताम्रदेश, रावणपुरी, ताम्रवर्ण, लंक, लंकपुरी, सिंहल, सिंहलद्वीप, सीलोन ।

१२७. अफ़गानिस्तान—कम्बोज, गधार, गांधारदेश ।

१२८. तिरहुत—जनकदेश, तीरभुक्त, मिथिला ।

१२९. रहने की जगह—अधिवास, अधिष्ठान, अवास, अवास, आवास, उद्वास, केन्द्र, ठिकाना, निवास, निवासस्थान, बसनोवास, मन्दिर, मंदिल, मकान, मठ, वास । दे० 'घर' ।

१३०. पड़ाव - अड्डा, अड्डान, अधिष्ठान, अहरा, आयतन, आश्रम, कयाम, चट्टी, चौकी, छावनी, जनवास, टिकान, टिकाव, ठहराव, टाहर, ठिकाना, डेरा, थली, थाना, थिति, पड़ाव, मंज़िल, मक़ाम, मंडप ।

१३१ डेरा—खेमा, छावनी, डेरा, तंबू, निवेश, शामियाना, शिविर ।

१३२. छावनी—खंधार, छावनी, डेरा, लशकर, शिविर, सिविर, सेनावास, स्कंधावार

१३३. ग्राम - खेड़ा, गँवई, गाँव, ग्राम, देहात, पुरवा, पुरा, बस्ती, मौज़ा ।

१३४. बस्ती—बसगित, बसोकत, बसीयत, बस्ती ।

१३५. नगर—कटक, कसबा, नगर, नगरी, निगम, पटभेदन, पट्ट, पट्टन, पत्तन, पुर, पुरि, पुरी, शहर, सहर ।

१३६. बाज़ार—चतुष्पथ, दरीबा, निगम, पण्य, पण्यवीथिका, पण्यसंधि, बज़ार,

मंडी, मारकेट, विपणि, शृंगाटक, सट्टी, हट्ट, हाट।

१३७. महल्ला—कूचा, टोला, टोली, पाड़ा, पाढ़ा, पुर, पूरा, पुरवा, महल्ला, महाल, मुहल्ला।

१३८. दूकान—कोटी, गोदाम, गोला, दूकान, पण्य, पण्यभूमि, पण्यशाला, पण्यिका, पैठ, पैंठौर, विक्रयशाला, हट्ट, हट्टी, हाट।

१३९. शहरपनाह—कोट, नगरकोटा, परकोटा, पुरशाखा, प्राकार, प्राचीर, शहरपनाह।

१४०. घर—अमा, अयन, आगार, आयतन, आराम, आलय, आवास, आश्रय, आश्रपद, आस्पद, इमारत, धिश्रपद, ओक, कल, केतन, क्षय, खाना, ग़रीब-खाना, गृह, गेह, ग्रह, घरौंदा, घरौंधी, डेरा, दौलतखाना, धाम, निकेत, निकेतन, निषदन, निवेश, निःशांत, निलय, निवसन, निवास, निवासस्थान, परिष, परिवास, पुर, बरपरी, भवन, भौन, मंदिर, मकान, मुकाम, मवाम, महल, वर्म, वस्य, वास्य, वास, वास्तु, वेश्म, शरण, शरन, शर्म, शाला, शिविर, संस्थान, सत्र, सदन, सद्म, सौध, स्थान, हरम्य, हर्म्य।

१४१. पक्का या आलीशान मकान—आगार, इमारत, कोठी, बँगला, बिल्डिंग, भवन, महल, हवेली।

१४२. कुटिया—उटज, कटाह, कुंज, कुटिया, कुटी, कुटीर, गह्वर, जतुगृह, झोंपड़ा, झोंपड़ी, पर्णकुटी, पर्णशाला, पल्ली, मढ़ी, मड़ई, मुनियास, मेढ़िया, शाला, संघ।

१४३. लाक्षागृह—लाखघर, लाक्षागृह।

१४४. हाता—अहाता, घेरा, चहारदिवारी, चारदीवारी, कुरदिवाली, परिमंडल, परिवर्त।

१४५. आंगन—अंगण, अँगना, अंगनाई, अंगनैया, अंगसा, अजिर, आंगन, गृहागर्ण, चतुःशाल, चत्वर, चौक, चौगान, चौशार, प्रांगण, बगर, बाखर, संबवन, सहन।

१४६. कोठा—अटा, अटारी, अट्टालिका, कोठा, छत, सौध, हर्म्य।

१४७. दालान—अलिंद, ओटा, ओसारा, चौपाल, प्रकोष्ठक, प्रघण, प्रघाण, बरामदा।

१४८. कमरा—कक्ष, कोठरी, घर।

१४९. शयनागार—आरामखास, शयनगृह, शयनागार, शयनालय, शयनावास, स्वप्नगृह।

१५०. अरिष्ट (प्रसवघर)—अरिष्ट, जच्चाखाना, बननावास, बाथा, प्रसवगृह, प्रसूतिकागृह, सूतकगृह, सूतकगेह, सूतिकागार, सूतिका गृह, सोवड़, सौरगृह, सौरी।

१५१. स्नानागार—गुसलखाना, गुसुलखाना, गुस्लख़ाना, स्नानख़ाना, स्नानगृह, स्नानशाला, स्नानागार, हमाम, हम्माम।

१५२. पाख़ाना—कदमँचा, कुड्डी, खावककूर, टट्टी, पाखाना, बाहर, बपुलिस, संडास, हगनउर, हगमहटी, हगनहट्टी, हगनेटी।

१५३. सार्वजनिक पाख़ाना—बंपुलिस, बमपुलिस।

१५४. बैठका (बैठने का स्थान)—अथाई, आस्थान, चौपाल, चौबारा, बैठक, बैठका।

१५५. चबूतरा—चत्वर, चबूतरा, चौतरा, चौपहल ।

१५६. द्वार के आगे का चौतरा—अगास, अथाई, अलिंद ।

१५७. सीढ़ी—अधिरोहिणी, आरोह, आरोहण, ज़ीना, तागड़, नसेनी, नसेनी, निश्रेणी, निसेनिका, निसेनी, निसैनी, सिढ़ी, सीढ़ी, सोपान ।

१५८. दीवाल—कुड्यम, दिवार, दिवाल, देवाल, भित्ति, भीत, भीती ।

१५९. छेद—अगाध, छिद्र, दरज, दराज, दरार, रंध्र, सुराख़, सूराख़ ।

१६०. ताक—आला, ताखा ।

१६१. मवेशी खाना—काँजीघर, काँजीहाउस ।

१६२. दरवाजा (घर का)—गृहद्वार, गृहावग्रहणी, ड्योढ़ी, दरवाज़ा, दुआर, देहरी, देहली, द्वार, पहरा, पौर, सिंहपौर ।

१६३. ड्योढ़ी—डेहरी, ड्योढ़ी, दरवाज़ा, देहरी, देहली, पँवरि, पौरी, देहरी, देहली ।

१६४. गुप्तद्वार—गुप्तद्वार, पक्षक, पक्षद्वार, पार्श्वद्वार, बगलीद्वार ।

१६५. किवाड़—अरर, कपाट, किवाड़ी, किवार, केवाड़, केवाड़ा, केवाड़ी, दरवाजा, द्वार, पट, पट्ट, पल्ला, फाटक ।

१६६. खिड़की — अतरद्वार, खिरकी, गवाक्ष, गवाख, गौखा, जँगला, जालमार्ग, जालरंध्र, झँझरी, झरोखा, दरीचा, पक्षक, प्रच्छन्न, बारी, वातायन ।

१६७. खंभा—खंभ, खभा, खंभ, स्तूप ।

१६८. छाजन—खपड़, खपरैल, खपरैल, छप्पर, छप्पर, छादन, पटल, पलानी, पाटन ।

१६९. गोल ऊँची छत—गुंबज, गुंबद ।

१७०. फर्श—गच, पक्का, पलस्तर, प्लास्टर ।

१७१. राजमहल—उपकारिका, उपकार्य, किला, कोट, नन्द्यावर्त, निष्कुट, प्रासाद, महल, राजप्रासाद, राजभवन, राजमंदिर, राजमहल, राजसदन, सर्वतोभद्र, सौध, स्वस्तिक, हवेली ।

१७२. क़िला—अगम, क़िला, कोट, गढ़, दुर्ग, दुर्गम, विद्ध, सौध, शिविर ।

१७३. बुर्ज—अटाल, धरहरा, धौरहर, धौराहर, बुर्ज, मीनार ।

१७४. दरबार—आस्थान, कचहरी, दरबार, राजमंडली, राजसभा, राजसमाज ।

१७५. एकांत मंत्रणास्थान—एकांतगृह, खिलवतखाना, गुढ़ा, गुप्तगृह, गोशा, मंत्रणालय, मंत्रणागृह ।

१७६. सिंहासन—तख़्त, सिंहासन ।

१७७. अंतःपुर—अंतेउर, अंतेवर, अंदर, अवरोध, अवरोधन, जनानखाना, जनाना, भोगपुर, महल, रनवास, रनिवास, शुद्धांत, स्त्रियागार, हरमखाना ।

१७८. रंग भवन—क्रीड़ालय, क्रीड़ावास, गर्भागार, रंगभवन, रंगमहल, रतिभवन, रतिमंदिर, वासगृह, विलासस्थल ।

१७९. रूठ कर रहने का स्थान—कोपगृह, मानगृह, मानमंदिर ।

१८०. नृत्यशाला—नाचघर, नाचमहल, नृत्यशाला, महफ़िल ।

१८१. खज़ाना—कोशागार, खज़ाना, धनागार, भंडार, भंडारा, भाण्डार ।

१८२. कारागार—कारागार, कारागृह, कारावास, क़ैदखाना, जेल, जेलखाना,

जेहल, जेहलखाना, बंदसाल, बंधन, बंदीखाना, बंदीगृह, यातनागृह, हवस, हब्स, हवालात।

१८३. हिरासत—कारा, कारावास, क़ैद, नज़रबंद, बद, बंधन, हब्स, हिरासत, हेरासत।

१८४. थाना—कोतवाली, चौकी।

१८५. शस्त्रागार—अस्त्रशाला, अस्त्रागार, शस्त्रशाला, शस्त्रागार, सिलहखाना, हथियारखाना।

१८६. नाट्यशाला—अभिनयस्थल, थियेटर, नाट्यस्थल, नाचघर, नाटकभूमि, नाटकशाला, नाट्यमंदिर, नाट्यशाला, रंगक्षेत्र, रंगगृह, रंगभूमि, रंगशाला, रंगस्थल, रंगालय।

१८७. हाथीखाना—गजशाला, गयशाला, पीलखाना, फीलखाना, हथिसाल, हस्तिशाला, हाथीखाना।

१८८. अस्तबल—अश्वशाला, अस्तबल, घुड़सार, घुड़साल, घोड़शाला, तबेला, वाजिशाला, मंदुरा, हयशाला।

१८९. कोट—आवर्तक, कोट, घेरा, परिघ, पुरसीम, प्रकारक, प्राचीर, वेष्टक, सालि।

१९०. चहारदीवारी—अहाता, चहारदीवारी, प्राकार, प्राचीर।

१९१. घेरा—अहाता, घेरा, बाड़ा, हाता।

१९२. खांई—खाई, खेय, परिखा।

१९३. जानवरों के रहने का स्थान—अड्डा, अखाड़, अड़ान, खरिक, गोंड़ा, थान, बाड़ा, पशुशाला, पिंजरापोल, मवेशीखाना।

१९४. माँद—कुहर, गह्वर, घुर, छेद, नाकु, बल्मीक, बाँबी, बामलूर, बिल, मान, बिवर।

१९५. घोंसला—खोंता, घोंसला, नीड़, नीड़।

१९६. हाथियों के फंसाने का गढ़हा—अवपात, खांड़ा, माला।

१९७. पौंसला—जलसत्र, पनसला, पनसाल, पानीयशाला, पानीयशालिका, पौसरा, पौसला, पौसार, प्रपा, प्याऊ, प्रपा।

१९८. भोजनालय—अन्नक्षेत्र, चौका, पाकगृह, पाकशाला, पाकस्थली, बावरची, खाना, भंडार, भोजनालय, महानस, रसवतीसदन, रसोइयाँ, रसोई, रसोई, रसोईघर, रेस्ट्राँ, सूपगृह, होटल।

१९९. स्कूल—गुरुकुल, चटशाला, चटसार, चटी, पाठशाला, पाठालय, मकतब, मदरसा, विद्यामंदिर, विद्यालय, शिक्षालय, स्कूल। दे० 'पाठशाला।'

२००. छात्रावास—छात्रालय, छात्रावास, बोर्डिंगहाउस, हास्टल।

२०१. खेल का मैदान—क्रीड़ास्थल, फिल्ड, फील्ड, मैदान।

२०२. अखाड़ा—अखावट, अखाड़ा, मल्लभूमि, मल्लशाला, रंगभूमि, रंगालय।

२०३. गोशाला—अड़ान, खड़क, खरिक, खिरक, गऊशाला, गायगोंठ, गोकुल, गोथान, गोमंडल, गोसाला, घोष।

२०४. अनाथाश्रम—अनाथालय, अनाथाश्रम, मुहताजखाना, यतीमखाना, लंगरखाना।

२०५. आश्रम—आयतन, आश्रम, छावनी, ठाहर, डेरा, मंजिल, मंडप, मरहला।

२०६. धर्मशाला—आवास, क्षेत्र, बनावास, धर्मक्षेत्र, धर्मशाला, पाथनिवास, पांथशाला, मठ, मुसाफिरखाना, सराय।

२०७. व्यभिचारिणी स्त्रियों का अड्डा—चकला, सराय, सिंगारहाट।

२०८. सुरालय — आबकारी, कलवरिया, गंजा, ताड़ीखाना, पानागार, मद्यशाला, शराबखाना, हौली।

२०९. जहाँ बहुत से लोग बैठते हैं—अथाई, चौपाल, बैठक।

२१०. मुसाफिरखाना — प्रतीक्षालय, प्रतीक्षाभवन।

२११. पुस्तकालय—कुतुबख़ाना, रायबरेली, लाइबरेरी, वाचनालय।

२१२. चिड़िया खाना—ज़ू।

२१३. अजायबखाना — अजायबघर, अद्भुत-वस्तुसंग्रहालय।

२१४. शिल्पशाला—आवेशन, शिल्पिशाला।

२१५. अन्नशाला—अमार, कोष, खत्ता, खत्ती, खौं, गाड़, धान्याशय, बखार, भखार, भंडसाल, भंडार, भंडारगृह, भंडारघर, मान्याशद, मोदीखाना।

२१६. मालगोदाम—कोठा, गोडाउन, गोदाम, मालखाना।

२१७. अखाड़ा—अखवाट, अखाड़ा, कसरतगृह, कसरत, स्थान, व्यायामशाला।

२१८. जुआखाना—जुआगृह, द्यूतगृह, फटकालय, फड़।

२१९. वह स्थान जहाँ कोई जलसा हो—पंडाल, रंगभूमि, समागृह।

२२०. बरात के ठहरने का स्थान—जनवास, जनवासा।

२२१. विवाह का मंडप—मडप, मंड़वा, मड़वा, माडा, माँड्यो, माँड़व, माँड़ा, माँडौ, माँढ़ा।

२२२. रणभूमि—क्षेत्र, खेत, मैदान, युद्धक्षेत्र, युद्धभूमि, युद्धस्थल, युद्धस्थान, रंगक्षेत्र, रंगभूमि, रणरंग, रणस्थल, रणरेकत, वीरभूमि, समर भूमि, संग्रामक्षेत्र, संग्रामभूमि, सड़िका, समरभूमि, समरांगण।

२२३. पंचायत भवन—अखाड़ा, पंचायत भवन, पंचायती जगह, परिषद्, बैठक, बैठका, बास, सभाभवन, समाजभवन, सालसी।

२२४. अदालत — अदालत, इजलास, कचहरी, दंडालय, दरगाह, कोर्ट, धर्मसभा, धर्माधिकरण, न्यायभवन, न्याय सभा, न्यायालय, राजद्वार, सरिश्ता।

२२५. वधस्थान—आघात, कमेला, कसाईखाना, कसाबखाना, कूचड़खाना, वधशाला, बूचड़खाना।

२२६. निर्जनस्थान-अलोक, उजाड़, उजार, एकांत, खिलवतखाना, गोशा, निकुंजका, निभृत, निराला, निर्जन, नीजन।

२२७. एकान्त स्थान—इकंतौ, इकंत, इकांत, एकंत, एकांत, विजन, रहस, रहसि, शून्य, शून्यस्थान, सोफ्ता।

२२८. मरघट—अग्निशय्या, करवीर, चिता, दाहसर, पितृवन, प्रेतगृह, प्रेतगेह, प्रेतवन, मरघट, मरहट, मसान, मसान, मुरद-

घट्टा, मृतकस्थान, शमशान, शवशयन, रुद्राक्रीड, शातनक, श्मशान, स्मशान।

२२६. मकबरा—मक़बरा, मज़ार, रौज़ा, समाधि।

२३०. कब्र—कब्र, मज़ार।

२३१. कब्रिस्तान — क़ब्रिस्तान, क़ब्रि-स्तान।

२३२. अहिराना (अहीरों का गाँव)—अहिराना, आभीरपल्ली, घोष।

२३३. चमरौटी (चमारों का गाँव)—चमटोली, चमरटोलिया, चमरटोली, चमरौटिया, चमरौटी।

२३४. तेलहट्टा (तेल-बाजार)—तेलहट्टा तेलियाना।

२३५. मछरहट्टा (मछली का बाजार)—मछरटोला, मछरहट्टा।

२३६. बजाजा (कपड़े का बाजार)—चैलहट्टा, बजाजा।

२३७. सोनारों का बाजार—सर्राफ़ा।

२३८. ठठेरी बाजार — ठठेरा, ठठेरी बाजार।

२३६. भीलों का गाँव—पक्कण, शबरा-लय।

२४०. सड़क — घटापथ, प्रतोली, मार्ग, रथ्या, राजपथ, राजमार्ग, रोड, संसरण।

२४१. रास्ता—खोर, खोरि, गली, अध्वा, अयन, एकपदी, गमन, गैल, छवर, डगर, डगरा, दगर, दगरा, दर्रा, पदवी, पद्धति, पद्या, पंथ, पंथान, पथ, पथि, पाथ, पैंड, पैंडा, बट, बाट, वीथी, मग, मारग, मार्ग, रथ्या, रास्ता, राह, वर्तनि, वर्त्म, संचरण, सरणि, सृति।

२४२. सुपंथ—अतिपथ, अतिपन्थ, रम्य-पथ, विशिष्टमार्ग, सन्मार्ग, सत्पथ, सुपन्थ।

२४३. कठिन मार्ग—अटपट रास्ता, अपथ, ऊबट, कंटकाकीर्णमार्ग, कठिनमार्ग, कांतार, कापथ, क्लिष्टपथ, कुपथ, कुमार्ग, कुराह, दुर्गमपथ, दुष्पथ, विकटमार्ग, विपथ।

२४४. छवर (पतली सड़क)—खोर, खोरी, छवर, पगडंडी।

२४५. गली—कूचा, कोली, खोर, खोरि, गली, गैल, प्रौलिका, प्रतोली, लघुपथि, विशिखा, वीथिका, वीथी, संकीर्णमार्ग।

२४६. चौराहा—चौक, चौमुहानी, चौरस्ता, चौराहा, चौहट्टा, चतुष्पथ, शृंगाटक।

२४७. पत्थर—अश्म, उपल, गुरु, ग्राव, चट्टान, दृषत्, पखान, पत्थर, पाथर, पाषाण, पाहन, प्रस्तर, भार, शिला, सिल, सिला।

२४८. पहाड़—अग, अचल, अद्रि, अहार्य, कंदराकर, कटका, कीलक, कुट, कुद्दार, कुधर, कूट, कोह, क्ष्माभृत्, गिरि, गोत्र, ग्राव, ग्रावा, जीमूत, तुंग, दरीभृत, धर, धरणी, धराधर, धातुभृत, नग, नाकु, पयोधर, पर्वत, पहाड़, पहाड़ी, पृथुशेखर, भूधर, भूध्र, भूभृत, भूमिधर, महीधर, महीध्र, महीभृत, मेरु, रजत, वृक्षवान, शिखरी, शिलोच्चय, शैल, शैलेय, शृंगी, स्थावर, स्थिर, हरि।

२४६. शिखर—कूट, चोटी, मेरु, शिखर, शेखर, शृंग, सुमेरु, चट्टान, शिला, शैल, सिल।

२५०. कंदरा—कंदरा, कुहर, खोह, गर्त, गह्वर, गुफा, गुहा, दरी, देवखाना, बिल, माँद, विवर।

चट्टान—शिला, शैल, सिल।

२५१. गुफा—कंदरा, खोह, गर्त्त, गहवर, गह्वर, गार, गुफा, गुहा, दर, दरी, देव-खात, पाताल, बिवर, बिल, माँद, विवर।
२५२. दर्रा—घाटी, दर्रा।
२५३. घाटी—घाटी, दर्रा, द्रोणि, सकट।
२५४. तराई—तटी, तरी, तरेटा, शैलतटी।
२५५. हिमालय—अद्रिपति, गिरिराज, गिरींद्र, गिरीश, नगपति, नगेंद्र. नगेश, पर्वतराज, पर्वतेश्वर, प्रालेयाद्रि, शैलेंद्र, हिमखंड, हिमप्रस्थ, हिमवान, हिमशैल, हिमाचल, हिमाद्रि, हिमेश।
२५६. त्रिकूट (पर्वत)—चित्रकूट, त्रिक कूट, त्रिकूट, त्रिशृंग, सुवेल।
२५७ विंध्याचल—विंध्यपर्वत, विन्ध्या-चल।
२५८. सुमेरु पर्वत—सुमेर, सुमेरु, सुर-गिरि, सुरनिलय, सुरालय, स्वर्णगिरि।
२५९. अरावली (पहाड़)—अरवली अर्बुद।
२६०. गोवर्धन—गिरिराज, गिरीश।
२६१. कैलाश पहाड़—कैलास, गिरीश, हिमवान।
२६२. पानी—अघ, अंबु, अम, अम्बर, अक्षित, अर्णोगति, अन्न, अप, अमृत, अर-विंद, अरविंदाजि, अर्ण, अहि, आयुध, इडु, इरा, ईम्, उद, ऊर्ज, ऋत, ओज, क, कबंध, कमल, कांड, कीलाल, कुश, कश, क्षत्र, क्षप, क्षीर, क्षोद, गगनांग, गभीर, ग्रहन, घृत, छद्म, जड़, जल, जलाप, जामि, तामर, तोय, तुग्या, तृप्ति, धनुर्धर, धरुण, नभ, नाम, नार, नीर, पय, पानीय, पाथ, पिप्पल, पुरीष, पूर्ण, भविष्यत, भूत, भुवन, मेघज, मह, महत, मधु, मेघपुष्प, यश, यादु, योनि, रयि, रस, रेत, वन, वा, वाज, वारि, विष, वृष, व्योम, शुभ, सत, सतीन, सत्य, सदन, मर्धीक, सर्व, सर, सल, सलिल, सवर, सह, सुक्षेम, सुख, सुरा, सोम, स्रोत।
२६३. बूँद—अंबुकण, कण, जलकण, जलबिंदु, पृषत, फुहार, फुही, बिंदु, बुंद, शीकर, सीकर।
२६४. समुद्र—अब्धि, अंबुनिधि, अंबुप, अंबुपति, अंबुभृत, अंबुराशि, अर्णनिधि, अभोनिधि, अंभोराशि, अथाह, अब्दि, अर्णव, अर्णव, अवधिमान, इन्दुजनक, उदधि, ऊर्मिमाली, कूपार, क्षीरधि, क्षीर-निधि, क्षीराब्धि, गंगाधर, जलधर, जलधि, जलनिधि, जलराशि, जलेश, तिमि, तिमि-कोश, तोयर, तोयधि, तोयनिधि, तोयप, दरिया, दरियाव, दारद, धेन, नदराज, नदाकांत, नदीश, निधि, नीरधि, पयधि, पयनिधि, पयोधि, पयोनिधि, पराग्वत, पाथ, पाथनिधि. पाथोधर पाथोधि पाथोनिधि, पारावार, पूरण, बहर, प्रभाकर, मितद्रु, मकरालय, महाजल, महाशय, महीप्राचीर, महीप्रावर, महोदधि, मितद्रु, रत्नगर्भ, रत्ननिधि, रत्नाकर, रत्नाकर, वरुणालय, वारानिधि, वारिध, वारिराशि, वारीन्द्र, वाहिनीपति, वीचिमाली, शैलशिविरनित्य, सरित्पति, सरिपति, समुन्दर, सलिलपति, सागर, सायर, सारग, सिंधु, सुधानिधि, स्रोतपति।
२६५. ७ सिंधु—इक्षूद, क्षीरोद, घृतोद, दध्युद, लवणोद, सुरोद, स्वादूद।
२६६. महासागर—बहरेआजम।

२६६. समुद्रफेन—आप्य, आम्भय, फेन।

२६७. समुद्र मर्याद—अवधि, बेला, मर्याद, सीमा।

२६८. खाड़ी—आखात, खलीज।

२६९. जलडमरुमध्य—आबनाय।

२७०. अंतरीप—रास।

२७१. नदी—अधगा, अपगा, आपगा, आवर्त्तिनी, कल्लोलिनी, गिरिनन्दनी, धेन, जलाम्लिनी, जलाशय, तटनी, तटिनी, तरंगवती, तरंगिणी, तलोदा, दरिया, दरियाव, नगपुत्री, नद, नदिया, नय, नलिनी, निम्नगा, पयस्विनी, पुरी, रन्तु, शूषिश, शैवलिनी, शैवालिनी, सिंधु, समुद्रकांता, समुद्रगा, समुद्रपिता, समुद्रपत्नि, समुद्रार्थ, समुद्रायणा सरि, सरित, सरिता, स्रोत, स्रोतस्वती, स्रोतास्विनी, स्रोतोवह, स्रोतोवहा।

२७२. नाला—नारा, बंबा।

२७३. झरना—उत्स, चश्मा, जलमाला, झर, झरना, धारा, निर्झर, नीझर, प्रताप, प्रस्रवण, बबा, सैल, सोत, सोता, सोतिया, सोती।

२७४. बहता हुआ जल—प्रवाह, प्रवाहित, प्रवाही।

२७५. बहाव—अभिष्यद, जलधारा, जलगति, जलप्रवाह।

२७६. जल का फैलाव—जलचादर, झोंका।

२७७. धारा—प्रवाह, शिरा, सरिता, स्रोत।

२७८. लहर—उत्कलिका, उर्मि, ऊर्मि, ऊर्मिका, ऊर्मी, उल्लोल, कल्लोल, जललता, झाल, तरंग, बीचि, भंग, भृंगि, मौज, लहरा, लहरी, वीचि, हली, हिलकोर, हिलकोरा, हिलोर, हिलोरा।

२७९. भँवर (घूमता हुआ पानी)—अंभभ्रम, आवर्त्त, घई, चक्र, जलावर्त्त, भँवर, भँवरा।

२८०. नदी की मध्यधारा—मझधार, मझधारा।

२८१. किनारा—अंचल, आँचल, आँवठ, औंठ, कगर, कगार, करार, करारा, कूल, तट, तरौंसा, तीर, तोड़ा, पला, पाला, पार्शव, पार्श्व, पुलिन, प्रतीर, बारी, रोध, दहाना, मुहाना।

२८२. नदी का गढ़ा—दह, दहर, पाल।

२८३. नदी का फेन—गाज, जलफेन, झाक, फेन, मज्जा, मॉजा।

२८४. बाढ़—आइला, आइलो, उपटा, उमड़, चम्बल, जलप्लावन, प्लावन, बाढ़, बारी, बूड़ा, सलाब, सैल, सैलाब।

२८५. कीच—कर्दम, कांदव, काँदो, कांचड़, कीचा, चेत्रज्ञा, गारा, चिक्किल, चुकुल, जबाल, जलकल्क, दम, द्राप, निषद्वर, मृत्सा, शाद, साद।

२८६. दलदल—खाँच, चहटा, चहला, बहदा, धाँस।

२८७. बाँध—अंभसा, पुर, बँधवा, बन्हवा, बान्ह।

२८८. पुल—अलि, पुलिया, सेतु।

२८९. संगम (नदी का)—मिलन, संभेद।

२९०. गंगा—अध्वगा, अलकनंदा, बहुनंदिनी, जाह्नवी, त्रिपथगा, त्रिस्रोता, देवापगा, ध्रुवनंदा, नदीश्वर, भगीरथी, भवायना, भागीरथी, भानुमती, भीष्मसू, भुवनपावन, भूतिदा, भोगवती, महामाया,

यशस्विनी, वखौकसारा, वैष्णवी, समुद्र-सुभगा, विनासिन्धु, सिद्धसरित, सिद्धापगा, सुखदा, सुधा, सुरतरंगिणी, सुरधुनी, सुर-नदी, सुरनिम्नगा, सुरला, सुरवाहिनी, सुरसर, सुरसरि, सुरसरित, सुरसरी, सुर-सारी, सुरसिंधु, सुरापगा, स्व सरिता, स्वर्धुनी, स्वर्वापी, हरशेखरा, हैमवती।

२६१. गंगाजल—गंगोदक।

२६२. यमुना नदी—अर्कजा, कलिंदजा, कलिंदी, कृष्णा, कालिंदी, भानुजा, सूरसुता, सूर्यतनया, सूर्यपुत्री, सूर्यसुता, हससुता।

२६३. सरयू नदी—आनंदाश्रुजा, घाघरा, वशिष्ठी सरजू, सरयू, सुरसरसुता।

२६४. मंदाकिनी—पयस्विनी, मकिनी।

२६५. सिंधनदी—अटक, सिंध, सिंधु।

२६६ त्रिवेणी—तिरबेनी, त्रिबेनी, त्रिसंगम, बेनी।

२६७. गोदावरी नदी—गोदावरी, सुरसर, सुरसरि, सुरसरिता, सुरसरी, सुरसारी।

२६८. कृष्णानदी—कृष्णा।

२६६. नर्मदा—नर्मदा, मेकलसुता, रेवा. सोमोद्भवा।

३००. आसी नदी—(काशी के पास मिलने वाली नदी) असी।

३०१. चंबलनदी—चंबल, चर्मरावती।

३०२ गंडक नदी—गंडक, गंडकी।

३०३. फल्गुनदी—अन्तस्सलिला, फल्गु।

३०४. टोंस नदी—टोंस, तमसा।

३०५. सोन—सोन, सोनभद्र, स्वर्णभद्रा।

३०६. कर्मनाशा (चौसा के पास गंगा में मिलने वाली)—कमनासा।

३०७. कुआँ—अंधु, अवट, अवत, इदारा, इनार, इनारा, उत्स, उदपान, ऋष्यदात, कर्त्त, काट, कात्त, कारोतरात्, कुइआँ, कुशेष, केवट, कूआँ, कूप, कूव, क्रिवि।

३०८. प्रहि—बड़कुइयाँ, मूनमान, वज्र, वापिका, वापी, सूद।

३०९. अन्धा कुआँ—अन्धकूप।

३१०. हौज—अहरी, कुंड, टाका, दह, दहर, हौद।

३११. गड्ढा—अगाध, अवट, खडु, खत्ता, खाड़, खोह, गढ़ा, गड्ढा, गडहा, गर्त, गाड़, गार, चहबच्चा, छीलर, डबरा, दर, दार, निमान, भूरंध्र, मँडाह, मँडार, श्वभ्र।

३१२. बावली—गड़ही, दीर्घिका, पुष्करणी, पोखरी, वापिका, बावड़ी, बौली, रन, वापिका, वापी, सरसी।

३१३ तालाब—अब्धि, कासार, कूल, जलवान, जलस्थान, जलाधार, जलाशय, डाबर, डिग्गी, तड़ाग, ताल, तालाब, दीर्घिका, दीघी, निमान, पद्माकर, पनियासोत, पयोधर, पल्लव, पुरवर, पुष्कर, पुष्करणी, पोखर, पोखरा, पैमान, मड़ाड़. सत्र, सर, सरक, सरवर, सरस, सरसी, सरस्वत, सरोवर, सारंग, ह्रद।

३१४. झील—मानसर, रन, सरवर, सरोवर, सागर, ह्रद।

छ

१. समय—अदृष्ट, अनिमेष, अमल, अमूर्त, अयन, अरसा, अवकाश, अवसर,

अवसेर, आहर, इष्ट, ऋतु, काल, काल-पुरुष, क्षण, घड़ी, छन, छिन, ज़माना, जाम, जुग, दंड, दफा, दाँ, दाई, दिन, देर, देरी, नमय, पहर, प्रसंग, प्रहर, फसल, बखत, बरियाँ, बाँ, बार बिरिया, बेरा, बेला, मुहूर्त, मौक़ा, याम, युग, रितु, वक्त, वय, वरियाँ, वशिष्ट, विरियाँ, वेला, समा ।

२. बीतना (समय)—कटना, गुज़रना, जाना, व्यतीत होना, समाप्त होना ।

३. बिताना (समय)—काटना, कालक्षेप करना, कालयापन करना, गँवाना, गुज़ारना, व्यतीत करना ।

४. अच्छा समय—उच्छव, उत्सव, पुण्यकाल, साइत, सायत, सुअवसर, सुकाल, सुघड़ी, सुघरी, सुजोग, सुदिन, सुभिक्ष, सुयोग ।

५. बुरा समय—अकाल, अनऋतु, क़हत, क़हद, काल, कुवक़्त, दुर्भिच्छ, दुर्भिक्ष, दुष्काल, महँगी ।

६. नियत से आगे या पीछे का समय—कुसमय ।

७. दो घटनाओं के बीच का समय—अंझा, अंतरा, अंतर, नागा, मध्यवर्तीकाल, बीच ।

८. किसी समय भी—कदाचित, कदापि, कभी, शायद, संभवतः, स्यात् ।

९. किसी समय—कद, कदा, कभी, कभू, कलिकाला, जब, जहिया ।

१०. हर समय—निसद्योस, निसिवासर, रातदिन, सदा, सर्वदा, हमेशा, हरवक्त, दे० 'रातदिन' । दे० 'सर्वदा' ।

११. किस समय—कब, कहिया ।

१२. आवश्यक समय—अड़ो ।

१३. उस समय का—तत्कालीन ।

१४. एक ही समय का—समकालीन ।

१५. समय सम्बन्धी—कालिक, सामयिक ।

१६. युग—काल, जुग ।

१७. ४ युग—सतयुग (१७२८००० वर्ष), द्वापर (८६४००० वर्ष), त्रेता (१२९६००० वर्ष) कलियुग (४३२००० वर्ष)।

१८. सतयुग—कृत. कृतयुग, देवयुग, पुण्ययुग, सतजुग, सत्ययुग ।

१९. द्वापर—कृष्णयुग, तृतीययुग, दुआपर ।

२०. त्रेता—तरेता, द्वितीययुग, रामयुग ।

२१. कलियुग—कलउ, कलजुग, कलि, कलिकाल, कलिकयुग ।

२२. प्रलयकाल—कल्प, कल्पात, क्षय, क्षिति, नाश, प्रलय, सवर्त, सहारकाल ।

२३. दिव्य युग (४३२०००० वर्ष)—चतुर्युग, चौकड़ी, चौजुग ।

२४. ७१ (यथार्थतः ७१६/१४) दिव्ययुगों का समय—मन्वंतर, इकहत्तर चतुर्युगी (चौकड़ी) ।

२५. १४ मन्वंतर का समय—कल्प, ब्रह्मा का दिन, ब्राह्मदिन ।

२६. ब्रह्मा की रात्रि—काल रात, काल रात्रि, ब्रह्मरात्रि ।

२७. वर्ष—अब्द, ईसवी, बरस, बरस्त, शरत्, शरद, सम्वत्, सन, सन्, सम, बरस, साल, हिज्रा, हिम, हेम ।

२८. वार्षिक—आब्दिक, शारदीय, बरसौंआ, सालाना, सालियाना ।

२६. सौ वर्ष—दस दशक, शतक, शताब्दी, शती, सदी।

३०. एक मेष संक्रान्ति से दूसरे मेष संक्रान्ति तक का समय—सौरवर्ष।

३१. आगे आने वाला वर्ष—आगतवर्ष, आगामी वर्ष, पर, परसाल।

३२. बीता हुआ वर्ष—गतवर्ष, पर, पर साल, विगत वर्ष।

३३. आगामी या पिछला तीसरा वर्ष—त्योरुस, त्योरूसाल।

३४. इस वर्ष—असौं, आसौं, इस साल।

३५. मास—महीना, मॉस, माह।

३६. मासिक—महिनवारी, माहवारी, माहियाना।

३७. वर्ष के १२ महीने (हिन्दुस्तानी)—चैत्र, वैशाख, जेष्ठ, असाढ़, सावन, भादों क्वार, कार्तिक, अगहन, पूष, माघ, फाल्गुन।

३८. वर्ष के १२ महीने (अंग्रेजी)—जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर।

३९. चैत्र—चैत, चैत्रक, चैत्रिक, मधु, वसंतदूत, सुरभि।

४०. चैत्र में होने वाला—चैतहा, चैती।

४१. वैशाख—बइसाख, वैशाख, माधव, राध।

४२. वैशाख में होने वाला—बइसखहा, वैसाखी।

४३. ज्येष्ठ—जेठ, जेष्ट, तपन, शुक्र।

४४. ज्येष्ठ में होने वाला—जठुआ, जेठू।

४५. अषाढ़—असाढ़, आषाढ, शुक्र, शुचि, हाड़।

४६. अषाढ़ में होने वाला—असरहा, असाढी।

४७. श्रावण—कर्ममास, नभ, नभा, श्रावन, सावन।

४८. श्रावण में होने वाला—सवनई, सवनहाँ, श्रावणिक।

४९. भाद्रपद—नभ, प्रौष्ठपद, मॉदव, भादों, भादौ, भाद्र।

५०. भादों में होने वाला—भदई, भदैला, भदौह, भदौहाँ।

५१. क्वार—अश्वयुज, असोज, आश्विन, आसो, आसोज, इष, कुआर, कुवार।

५२. क्वार में होने वाला—आसोजिया, कुँवारी, कुवरहा।

५३. कार्तिक—ऊर्ज्ज, कातिक, बाहुल।

५४. कार्तिक में होने वाला—कतिकहा। कार्तिकिक।

५५. अगहन—अग्रहण, मगशिर, मगसिर, मार्ग, मार्गशिर, मार्गशीर्ष, सहस।

५६. अगहन में होने वाला—अगहनियाँ, अगहनी, अघनियाँ, आग्रहायणिक,।

५७. पूस—नारायण, पूष, पौष, सहस्य, दुर्गाकेश।

५८. माघ—तपा, माह।

५९. माघ में होने वाला—मघुवा, माघी।

६०. फाल्गुन—तपस्य, फागुन, फाल्गुल।

६१. फाल्गुन में होने वाला—फगुनहा, फाल्गुनिक।

६२. फाल्गुन में बहने वाली हवा—फगुनहटा।

६३. अधिक मास—असंक्रांतमास, चंद्रनाद, परसोतिम, पुरुषोत्तम, मलमास, लौंद।

६४. ऋतु—रितु ।

६५. ऋतु की—आर्तव, फसली, मौसिमी, सामयिक ।

६६. ऋतु के विरुद्ध—अनऋतु, बे-मौसम ।

६७. वर्ष की ३ ऋतुएँ—गर्मी, जाड़ा, बरसात ।

विशेष—इनका प्रचलन सामान्य जनता में है। यह शास्त्रीय, नहीं है। इनमें प्रत्येक में ४ महीने होते हैं।

६८. वर्ष की ६ ऋतुएँ—ग्रीष्म, वसंत, वर्षा, शरद, शिशिर, हेमन्त ।

विशेष—इनका क्रम ग्रीष्म वर्षा, शरद, हेमंत, शिशिर तथा वसंत है। यह वर्गीकरण, भारत का शास्त्रीय वर्गीकरण है। इनमें प्रत्येक में २ महीने होते हैं।

६९. ग्रीष्म—उमस, उष्ण, उष्णक, उष्णागम, उष्म, ऊष्मक, ऊष्मा, ऊष्मागम, गरमी, ग्रीखम, ग्रीषम, ग्रीष्म, तप, तपन, तपर्क, निदाघ ।

७०. गर्मी के ४ महीने—फाल्गुन, चैत, वैसाख, जेठ ।

७१. ग्रीष्म ऋतु के २ महीने—जेठ, असाढ़ ।

७२. वर्षा ऋतु—चतुर्मास, चातुर्मास, चौमासा, चौमसिया, पावस, प्रावृट्, बरसात, वर्षा, वर्षाकाल, वर्षऋतु ।

७३. बरसात के ४ महीने—असाढ़, सावन, भादों, क्वार ।

७४. वर्षा ऋतु के २ महीने—भादों, सावन ।

७५. जाड़ा—जड़काला, जाड़, जड़ा, शीतकाल, सर्दी, सितकाला ।

७६. जाड़े के ४ महीने—कार्तिक, अगहन, पूस, माघ ।

७७. शरद्—कालप्रभात, फलागम, मेघांत, वर्षाविमान, शरत्, शरत्काल, शरद, शारदा, हिमर्तु ।

७८. शरद् काल का—शारद, शारदीय ।

७९. शरद् ऋतु के २ महीने—कार्तिक, क्वार ।

८०. हेमंत—जाड़ा, शीतकाल, सियाला, हिमन्त, हेमत ।

८१ हेमंत ऋतु के २ महीने—अगहन, पूस ।

८२. शिशिर—खिज़ाँ, जाड़ा, पतझड़, पतझार, शिशिर, शीत, सिसिर ।

८३. शिशिर ऋतु के २महीने—फाल्गुन, माघ ।

८४. वसंत—ऋतुनाथ, ऋतुपति, ऋतुराज, कुसुमकाल, कुसुमाकर, कुसुमागम, पिकानंद, बलागक, बसंत, बहार, मधु, माधव, वसंत, शिशिरांत, सुरभि ।

८५. वसंत ऋतु के २ महीने—चैत, वैसाख ।

८६. पक्ष—पख, पखवारा, पनरहिया, पाख ।

८७. महीने के दो पक्ष—कृष्णपक्ष, शुक्लपक्ष ।

८८. कृष्ण पक्ष—अँधेरापाख, असितपक्ष, कृष्णा, कृष्णपक्ष, बदी, वदि ।

८९. शुक्लपक्ष—अँजोरा पाख, उँजेरा पक्ष, उजाला पक्ष, उजेरा पाख, सितपक्ष, सिता, सुदी, सुदि ।

९०. तिथि—तारीख़, तिथी, मिति, मिती ।

९१. वह तिथि जिसका क्षय हो गया हो—अवम तिथि, क्षौम ।

९२. तिथि का गिनती में न आना—तिथिक्षय, तिथिहानि ।

९३. वह तिथि जिसका थोड़ा बहुत अंश तीन दिनों में पड़ता हो—त्रिदिन, स्पृश ।

९४. कौन सी तिथि—कउथ, कौथ ।

९५. प्रतिपदा—एक्कम, पड़वा, पडिवा, परवा, परिवा, प्रतिपद ।

९६. द्वितीया—दर्श, दुइज, दुतिया, दूज, द्वितिया, दूज ।

९७. दूज का चांद—नवशशि ।

९८. तृतीया—तीज ।

९९. चतुर्थी—चउथ, चौथ ।

१००. पंचमी—पंचिमा, पाँचै ।

१०१. षष्ठी—छठ, षष्टी, षष्ठि ।

१०२. सप्तमी—सातमी, सत्तमी, सप्तिमी, सातैं, सातै ।

१०३. अष्टमी—अठमी, अठैं, अष्टका, अष्टिमी, आठैं ।

१०४. नवमी—नउमी, नौमी ।

१०५. दशमी—दसईं, दसमी ।

१०६. एकादशी—इकादशी, ग्यारस, हरिवासर ।

१०७. द्वादशी—दुआदशी, बारस ।

१०८. तेरस—त्रयोदशी, त्र्योदशी ।

१०९. चतुर्दशी—चतुरदशी, चतुदशी, चौदस ।

११०. पूर्णमासी—पर्व, पर्वणी, पुनमासी, पुनवाँसी, पूनिउँ, पूनो, पूरनपख, पूरनमासी, पूर्णमासी, पूर्णिमा, पौर्णमासी, राका ।

१११. अमावस्या—अमा, अमावस, अमवसा, अमावस्या, कुहू, दर्श, मावस, मासांत, सिनीवाली, सूर्यदुसंगम ।

११२. प्रतिपदा और पूर्णिमा या अमावस्या के बीच का समय—पर्व, पर्वणी, पर्वसन्धि ।

११३. सप्ताह—अठवारा, सताह, हफ्ता ।

११४. साप्ताहिक—सप्ताहिक, हफ्तावारी ।

११५. सप्ताह के ७ दिन—सोमवार, मंगलवार, बुद्धवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार ।

११६. रविवार—अतवार, अत्तवार, आदित्यवार, इतवार, एकशम्बा, एतवार, रविदिन, रविवार, रविवासर, हरिवासर ।

११७. सोमवार—चंद्रवार, दोशम्बा, सोमार ।

११८. मंगलवार—भौमवार, मंगर, मंगलवार, शेशम्बा, सेहशंबा ।

११९. बुद्धवार—चहारशंबा, बुद्ध, बुद्धवार, बुधवार ।

१२०. बृहस्पतिवार—गुरुवार, जुमारात, जुमेरात, पंचशंबा, बिफै, बीफे, बेहफे ।

१२१. शुक्रवार—जुमा, शुक्कर, सुक्कर ।

१२२. शनिवार—शंबा, शनिश्चर, शनीचर, सनीचर, हफ्ता ।

१२३. ½ पल—क्षण, छन, छिन, छिनक, निमिख, निमिष, निमेख, निमेष ।

१२४. पल—आन, क्षण, क्षिप्र, छन, छन, छनक, झपक, दमभर, पलक, पलक, पला, लमहा, लहमा, लहया, वार, साइत, सायत ।

नोट—एक पल २४ सेकेंड के बराबर होता है ।

१२५. दिन-रात का चौबीसवाँ भाग—बेला।

१२६. दिन-रात का तीसवाँ भाग—मुहूर्त।

१२७. घड़ी—घटिका, घटी, दंड।

नोट—एक दंड २४ मिनट के बराबर होता है। ३२ घड़ी के २४ घंटे या दिन-रात होता है।

१२८. प्रहर—जाम, पहर, याम।

नोट—एक पहर ३ घंटे का होता है।

१२९. दिन रात के ८ पहर—अपराह्ण, उत्तराह्ण, उषा, त्रियामा, निशीथ, पूर्वाह्ण, प्रदोष, मध्याह्न।

१३०. दिन में—१. पूर्वाह्ण, २. मध्याह्न ३. अपराह्ण ४. उत्तराह्ण।

१३१. रात में—१. प्रदोष, २. निशीथ, ३. त्रियामा ४. उषा।

१३२. पूर्वाह्ण—दे० 'प्रातः'।

१३३. उत्तराह्ण—अंताह्ण, उत्तराह्ण। दे० 'सायं'।

१३४. उषा—उषा, तड़का, ब्राह्ममुहूर्त्त, भिनुसार, भोर।

१३५. प्रदोष—निशादि, प्रदोष, रजनीमुख।

१३६. दिन—अह, अहन, अहः, अह्न, ऐयाम, घस्र, दिन, दिव, दिवस, दिवा, द्योस, प्रह, प्रहन, भास्वर, भिति, योम, रोज, वाशर, वासर, सूर्यायु।

विलोम—दे० 'रात'।

१३७. दैनिक—आह्निक, रोज़का।

१३८. प्रतिदिन—अनुदिन, दिनदिन, दिनपरदिन, नित, निर्तनित, नित्य, नित्यप्रति, नित्यशः, प्रतिदिन, प्रतिवासर, योमिया, रोज़, रोज़-रोज़, रोज़मर्रा, रोज़ीना, रोजाना, हरदिन।

१३९. सबेरा—अरुणोदय, अर्जुनी, अहर्मुख, उखा, ऊषा, ऊषाकाल, कल, कल्प, गजरदम, गोसर्ग, फ़ेर, तड़का, तड़के, दिनमुख, निशात, परभात, प्रत्युषसी, प्रत्युष, प्रभात, प्रात, प्रातः, प्रातःकाल, फजर, बासर, बिहान, ब्रह्ममुहूर्त, भात, भिनसार, भोर, विभात, विहान, वेरा, सकारे, सकाल, सबेरा, सहर, सुबू, सुबह, सुबुह, सूर्योदय।

विलोम—दे० 'शाम'।

१४०. दोपहर—दुपहरिया, दोपहर, दोपहरी, मध्यदिवस, मध्याह्न, मध्याह्नकाल।

१४१. सायंकाल—अवसान, उत्सर, गोधूलि, दिनात, दिवात, पितृप्रसू, प्रत्यूष, प्रदोष, प्रदोषकाल, रजनीमुख, शर्वरी, शाम, संझा, संध्या, सधाकाल, साँझ, साँझू, साय, सायकाल, सायाह्न।

विलोम—दे० 'प्रातः'।

१४२. प्रातः काल और संध्या के बीच का समय—अंतर, अन्तरा, अशक, अह, अहन, दिन, दिवस। दे० दिन।

१४३. रात—अन्तन, असुर, कलापिना, कादम्बरी, कोटर, क्षणदा, क्षपा, चन्द्रकांता, छया, जामिनी, ज्योतिष्मती, तमस्विनी, तमा, तमि, तमी, त्रियामा, दोषा, नक्त, निशि, निशीथ, निशीथिनी, निस, निसु, मालती, याम, यामवती, यामिका, यामिनी, यामिरा, रहनि, रजनि, रति, रजनी, रम्या, रात, रातड़ी, रात्रि, रात्री, रैन, रैनि, विभावरी, शमनी, शर्वरी, शब, शार्वरी, श्यामा, शीता।

विलोम—दे० 'दिन'।

१४४. रात-दिन—अहर्निशि, अहोरात्र, आठोंपहर, निशिवासर, निसवासर, निसि-दिन, निसिद्यौस।

१४५. उँजेलीरात—कौमुदी, चंद्रिकयान्विता, चाँदनी, जुन्हाई, जुन्हैया, ज्योत्स्नी ज्यौत्स्नी, राका, विभावरी, हरिद्रा।

१४६ अँधेरीरात—अँधेरिया, अंधेरी, अमा, अमावस्या, कालनिशा, कालरात्रि, तमस्विनी, तमिस्रा, तमी, तमीस्त्रा, तामसी, श्यामा।

१४७. जन्मदिन—बरसगांठ, वर्षगांठ, सालगिरह।

१४८ आयु—अवस्था, आइ, आउ, आयुर्बल, आयुष्य, आयु, आरबल, आरबला, आव, उमर, उमिर, उम्र।

१४९. जीवन भर—आजन्म, आजीवन, आमरण, ताजिंदगी।

१५० क्षणभंगुर—अनित्य, अस्थायी, छनभंगुर।

१५१ दीर्घजीवी—अमर, आयुष्मान, चिरजीव, चिरजीवी, चिरायु, चिरायू, दीर्घायु।

१५२. दीर्घजीवी—आयुष्मान।

१५३. जिसकी उम्र १०० वर्ष हो—शतायु।

१५४. अंतिमकाल—मरणघड़ी, मृत्युकाल, मृत्युदिन।

१५५. छुट्टी—अभ्भा, अनध्याय, अवकाश, अवसर, तातील, फुरसत, मोक़ा, मौका, रजा, रुख़सत, वक़्त, वक़्त समय, सांका, साका, सुचितई।

१५६ वह दिन जिसमें पढ़ने पढ़ाने का निषेध हो।—अनध्याय, अमावस्या, अष्टमी, चतुर्दशी, परिवा, पूर्णिमा।

१५७ देर—अतिकाल, अरसा, अबसेर, अबार, अबेर, झंर, झेल, देरी, बिलंब, बिलम, बेर, समय।

१५८ जल्दी—अचिर, अतुराई, आतुरता, आतुरताई, आतुरी, आननफानन, इजलत, उजलत, उतावली, क्षिप्रता, खटाखट, चट, चटक, चटकई, चटकारी, चटापटी, जल्दबाजी, झट, झटक, झप, तड़ाका, तूर्ण, तेजी, फुर्ती, त्वरा, त्वरित, वेग, वेग, शीघ्रता, हड़बड़ी, हरबरि।

१५९. जल्द—अचिरात, आशु, क्षिप्र, चटपट, चटापट, तड़ाक, तड़ाकफड़ाक, तुरत, तुरंत, शीघ्र, सत्वर।

१६० देर करना—अनगवना, गहरकरना, गहरना, घिसघिस करना, देर लगाना, बिलंब करना, समय लगाना।

१६१. जल्दी करना—अकुलाना, फुर्ती करना, हड़बड़ाना, हड़बड़ी करना, हड़बड़ी मचाना अन्य पर्यायों के लिए 'जल्दी' के पर्यायों में यथानुकूल 'करना' या 'मचाना' जोड़िए।

१६२. फुर्ती—उतावली, क्षिप्रहस्तता, जल्दबाजी, जल्दी, तेजी, त्वरा, शीघ्रता, हड़बड़ी, हड़बड़ाहट।

१६३. सुस्ती—आलस्य, थकावट, मंदता, मंदी, शांति, शिथिलता, श्लथता, स्फूर्तिहीनता।

१६४. फुर्तीला—उतावला, क्षिप्रहस्त, जल्दबाज़, तेज़, त्वरावान, स्फूर्तियुक्त, हड़बड़िया।

१६५. सुस्त—आलसी, उदास, ठंडा, ठंढा, निकम्मा, निस्तेज, थका, बोदा, मंद, मद्धिम, मीठा, शांत, शिथिल, श्लथ, स्फूर्तिहीन, हतप्रभ ।

१६६. जो लगातार न हो—खंड, खडित, भंगित, विच्छिन्न, विरल, व्यावृत ।

१६७ लगातार—अखंड, अखंडित, अजस्र, अनवरत, अनिमेष रूप से, अभग, अविच्छिन्न, अविच्छेद रूप से, अविरल, अव्यावृत, अशात, निरतर ।

१६८. अचानक—अकस्मात, अचकाँ, अचकै, अचाका, अचान, अचीता, अनायास, अवचक, आकस्मिक रूप से, आपाततः, इकबारगी, एकबारगी. एकाएक, एकाएकी, औचक, औचट, सहसा ।

१६९ तीन काल—भूत, वर्तमान, भविष्य ।

१७०. जो तीनों काल में हो—त्रिकाल, त्रिसध्य, त्रिसध्या ।

१७१. तीनों कालों की बात जानने वाला—त्रिकालदर्शी, त्रिकालवेत्ता

१७२. भूत काल—अतीत, गुजस्ता, गुज़श्ता, पहले, पुराकल्प, पूरबल, पेश्तर, भूत. माजी ।

१७३. वर्तमान काल—अभूत, ज़मानाहाल, वर्तमान, हाल ।

१७४. पुराना—अगला, क़दीम, कदीमी, चिरतन, चिरकालीन, चिराना, जरठ, जरत, दिनी, पश्च, पुरा, पुरातन, पुरान, पुरबला, पूर्व, प्रत्न, प्राचीन, प्राच्य, बासी, सनातन ।

१७५. नया—अधुनातन, अपूर्व, अभिनव, अभूतपूर्व, अर्वाचीन, आधुनिक, टटका, टाटक, तउलि, ताज़ा, नव, नवल, नवा, नवीन, नवेला, नव्य, नूत, नूतन, नौतन, प्रत्यग्र, हाल का ।

१७६ पुरानापन—पुरातनता, प्रत्नता, प्राचीनता, सनातनता ।

१७७. नयापन—कोरापन. नवापन, नवलता, नवीनता, नव्यता, नूतनता ।

१७८. पहले का—आदि, अग्रिम, प्राथमिक, प्रारंभिक । दे० 'पुराना' ।

१७९ हाल का—दे० 'नया' ।

१८०. पूर्व जन्म का—पुरबला. पुरबुला, पुराकृत ।

१८१ जिसका समय बीत गया हो—कालातीत ।

१८२ जो बहुत दिनों से चला आता हो—परंपरागत, सनातन, सनातनी ।

१८३ चौथा (व्यतीत या आने वाला) दिन—नरसों ।

१८४. परसों (बीता हुआ या आने वाला)—अतरसों, परसों, परों, परौं ।

१८५. कल (बीताहुआ)—कल्ह, कालि, काल्ह ।

१८६. कल (आने वाला)—कल्ह, कालि, काल्ह, बिहने, बिहान, बिहाने ।

१८७ आज—अद्य, अद्य, अब, मद्य ।

१८८. भविष्यत काल—अग्रिम, आइंदा, आगम, आगा, आगामि, आगामी, आगे, कल, पुरः, भविष्य, भविष्यत्, भावी, मुस्तक़बिल ।

१८९. आगे होने या आने वाला—अगला. आगामी, भवितव्यता, भव्य, भावी, होनहार ।

१६०. भविष्य का जानने वाला—आगम ज्ञानी, भविष्यदर्शी।

१६१. अब—अद्य, अधुना, अब, अभी, अभू, आज, सम्प्रति, सद्य, सरेदस्त।

१६२ अबतक—अद्यापि, अद्यावधि, अभीतक।

१६३. पीछे—अंतर, अगाड़ी, अनतर, आगे, उपरात, तदंतर, तदनंतर, पश्च, पश्चात्, पाछी, पाछे, पुनः, फिर, बहुरि, बाद।

१६४. आगे—आगाड़ी, अग्र, अग्रे, अगाड़, अग्गल, आइंदा, आगें, पहले, पूर्व, प्रथम।

१६५. कभी—कदाचित, कभू, शायद, स्यात्।

१६६. कभी कभी—जब तब, यदा कदा।

१६७ सर्वदा—अजस्र रूप से, अनवधि, अविरल रूप से, नित, नित्य, नित्यशः, बराबर, मुदाम, लगातार, सतत, सदा, सदैव, हमेशा, हरघड़ी, हरघरी, हरहमेसा।

दे० 'रातदिन', 'हरसमय', 'प्रतिदिन'।

१६८. बहुधा—अकसर, अधिकतर, अधिकांशतः, प्रायशः, प्रायः, बहुत करके विशेषकर।

१६६ अवधि—औघ, औधि, तक, पर्यंत, मियाद, लौं।

२००. जिसके लिये कोई अवधि नियत हो—मिआदी।

२०१. त्योहार—उच्छव, उत्सव, छुट्टी, तेवहार, तेहवार, त्यौहार, परावन, पर्व।

२०२. बड़ा उत्सव—महापर्व, महोत्सव, महोच्छव, महोछा।

२०३ होली—धंधोर, धुरखी, धुरड्डी, फगुआ, फाग, शूद्रपर्व, होरी, होलिका।

२०४. दीवाली—दियादेवारी, दिवारी, दीपदानोत्सव, दीपमालिका, दीपमाली, दीपावली, दीपोत्सव, देवारी, वैश्योत्सव।

२०५. दीपावली की रात—कालनिशा, काल रात्रि, कौमुदी, महालया।

२०६. विजयादशमी—क्षत्रियोत्सव, दशहरा, दसहरा, रामदसमी, विजय दशमी, विजया।

२०७ सावन शुल्क पूर्णिमा का त्योहार—रक्षाबंधन, राखी, सलोनो।

२०८. अक्षयतृतीया—अखती, अखतीज, आखातीज।

२०९. अनन्तचतुर्दशी—अनंत, अनन्तचतुर्दशी, अनन्तसूत्र, अनंता।

२१०. कार्तिक शुक्ल एकादशी का त्योहार—इठवन, देवठान, देवोत्थान, प्रबोधिनी।

२११. कार्तिक शुल्क द्वितीया का त्योहार—जमदुतिया, भाईदूज, भ्रातृदूज, यमदूज, यमद्वितीया।

२१२. कृष्णाष्टमी—कृष्णष्टमी, जन्माष्टमी।

२१३. मेष संक्रान्ति—सतुआन, सतुआ संक्रान्ति, सक्रांति।

२१४. एक पर्व जो १२वर्ष पर आता है—कुम्भ।

२१५. एक पर्व जो ६ वर्ष पर आता है।—कुम्भी।

२१६. एक उत्सव जो कार्तिक में मनाया जाता है।—अन्नकूट।

२१७. आश्विन कृष्ण अष्टमी का त्योहार—जिउतिया, जिताष्टमी, जीवित्पुत्रिका, शीतलाष्टमी।

२१८. मकर संक्रांति—खिचड़ी, खिचड़ी सक्रांति।

२१९. फागुन कृष्ण १४ को पड़ने वाला त्योहार—शिवचतुर्दशी, शिवरात्रि।

२२०. वैशाख शुक्ल तीज का त्यौहार—अक्षय तृतीया, अखती, अखतीज, आखातीज।

२२१. भादो शुक्ल तीज का त्यौहार—तीज, हरतालका, हरितालिका।

२२२. चैत शुक्ल द्वादशी से लेकर चतुर्दशी तक का प्राचीन उत्सव—मदनोत्सव, मदन महोत्सव, वासंती।

२२३. जेठ शुक्ल एकादशी का त्योहार—निर्जला एकादशी, भीमसेनी एकादशी।

२२४. बसंत पंचमी—पंचिमी, श्री पचमी।

२२५. ईद—ईद, ईदुलफित्र।

२२६. बक़रीद—ईदुलज़ोहा, बक़राईद।

२२७. मुहर्रम—मोहर्रम।

२२८. बड़ा दिन—एक्समस, क्रिस्टमस।

२२९. पानी—दे० 'स्थान वर्ग में पानी'।

२३०. पानी का साफ़ होना—थिराना, स्वच्छ होना।

२३१. पानी का मैला करना—घँघोरना। घिघोरना, मलिनाना।

२३२. मैला पानी—डाबर।

२३३. द्रव—तरल।

विलोम—दे० 'ठोस'।

२३४. द्रवता—तरलता, तरलाई, द्रवत्व।

विलोम—दे० 'ठोसत्व'।

२३५. गीला—आर्द्र, ओदा, तर, दहेला, नम, भिक, सीड़युक्त, सीलयुक्त।

विलोम—दे० 'सूखा'।

२३६. गीलापन—आर्द्रता, आल, ओदापन, गीलापना, तरी, सरसता, सीड़, सील।

विलोम—दे० 'सूखापन'।

२३७. पानी की गहराई—अगाध, अतल स्पर्श, अथाह, गभीर, गंभीर, गहिर, डाबर, निम्न, नीचा।

२३८. गिरता हुआ जल—झड़ी, झर।

२३९. बादल—अंबर, अंबुद, अंबुधर, अंबुभृत, अंबुवाह, अभोधर, अब्रुद, अब्द, अब्र, अभ्र, असुर, उपल, कज्जल, कन्द, कन्धर, कय, करधर, खर, खग, घन, जलद, जलधर, जीमूत, तड़ित्वान, तोयधर, तोयधार, दर्दुर, दाव्यूह, धाराधर, धूमज, धूमयोनि, नभ, नभचर, नभधुज, नभश्चर, नीरद, पयद, पयोद, पयोधर, पयोमुख, पयोवाह, परजन्य, पर्जन्य, पाथोद, पाथोधर, पारण, पेचक, बदरिया, बदली, बद्दर, बद्दल, बनद, बनमाली, बलाहक, बादर, बदरा, बादल, वारिद, वारिधर, वारिवाह, भव, मतग, मिहिर, मुदिर, मेघ, मेह, वन्तद, वर्ष, वलाहक, वारद, वारिद, वारिचर, विहंग, विहग, वृष्णि, व्योम, श्याम।

२४०. बादल के रूप—उनालेमेघ, कपसीले, कुंजमेघ, कतलमेघ, मेघ, परतीले मेघ, मछरील मेघ।

२४१. मेघमाला—आसार, कादंबिनी, घटा, घटाटोप, घनमाला, मेघपंक्ति, मेघबाई, मेघावली।

२४२. मेघगर्जन—गर्जन, घमरव, घोष, रसित, स्तनित।

२४३. **बरसने वाला बादल**—आवर्त्त, घनाघन, घुमड़, झमकारा, बरसौंहा।

२४४. **कालीघटा**—घनश्याम, बादरिया।

२४५. **वर्षा**—आसार, झड़ी, झल्ला, दिव्योदक, नभ, पवित्र, पानी, पूरण, प्रवर्षण, बरखा, बारिषा, बर्ष, बारिश, वृषर्ण, वृष्टि, मेघ, संपात।

२४६. **बरसना**—झाँटा होना, पानी गिरना, बरषना, बरषा, होना, बरिसना, वर्षा होना, बारिश होना, वृष्टि होना, मेह बरसना, रिमझिम करना, रिमझिम होना।

२४७. **बरसाना**—गिराना, ढेर करना, बरषाना।

२४८. **झींसी**—अम्बुकण, जलकण, फुहार, सीकर।

२४९. **हलकी वृष्टि**—छींटी, झला, झासी, टपकाटपकी, फुहार, फुही, बूँदाबाँदी।

२५०. **बौछार**—जाझ, झटाम, झरपना, प्रोक्षण, बौछाड़।

२५१. **लगातार वर्षा**—झड़ी, मेह, रिमझिम।

२५२. **इंद्रधनुष**—इंद्रायुध, अजुरोहित, शक्रधनु।

२५३. **वृष्टि का अभाव**—अनावृष्टि, अवग्रह, अवर्षण, अवर्षा, झूरा, विजल, सूखा।

२५४. **बिजली**—इंद्रायुध, ऐरावति, ऐरावत, ऐरावती, कौंधा, क्षणप्रभा, गाज, चंचला, चपला, चमा, चलाका, छिनछबि, तड़ित, तड़िता दामिनी, बज्राग्नि, बिजु, बिज्जु, बिजुरी, विद्युति, शतह्रदा, समनगा, सौदामनी, सौदामिनी, हीर।

२५५. **बिजली की चमक**—कौंध, कौंधा।

२५६. **ओस**—निहार, नीहार, मिहिका, शबनम, शीत।

२५७. **कोहरा**—निहार, नीहार।

२५८. **ओला**—ओल, इन्द्रोपल, उपल, करका, घनोपल, पत्थर, पत्थरा, पयोगज, पयोघन, मरुतफल, बनौरा, बिनौरी, बेनौरी।

२५९. **पाला**—अवश्याय, ओला, ओस, कहरा, कुहासा, कुहिर, कुहिरा, तुसार, ठार, तुषार, तुसार, तुहिन, निहार, नीहार, प्रालेय, बरफ बर्फ, मिहिका, शीत, हिम, हिमि, हिमचल, हिंव, हिवर, हिवार, हेम।

२६०. **बर्फ**—तुषार, तुहिन, निहार, नीहार, पाला, प्रालेय, बरफ, बर्फ, हिम, हिंव, हेम।

२६१. **बर्फ के महान टुकड़े**—तुषारपाषाण, हिमकण।

२६२. **भाप**—अवस्वरा, ऊष्म, ऊष्मा, बुखार, बाफ, बाफर भार, वाष्प।

२६३. **हवा**—आजर, खग, जगत्, नलुन, तुषताश्व, नभस्वर, पव, पवन, पाथ, पौन, बतास, बयार, बयारि, बात, बाव, मरुत। दे० 'वायु'।

२६४. **५ वायु**—अपान वायु (गुदा), उदान वायु (कंठ), प्राण वायु (नर), व्यान वायु (हृदय), समान वायु (नाभि)।

२६५. **वायुवेग**—जव, तरस्, रय, रहस्, स्यद।

२६६. **झकोर**—झकझोरा, झकोरा, झोंका प्रवात।

२६७. **बवंडर**—चक्रवात, बगूला, बंडेरर, बधूरा, बबधूरा, बातचक्र, बौरवा, बौंडर।

२६८. **आँधी**—अंधड, तूफान, प्रकपन, *महावत, बवंडर ।

२६९. **झंझा**—सवृष्टिक वायु ।

२७०. **तूफान**—झ, झंझा, झझावात ।

२७१. **लू**—चारवायु, चारवायू, लूह, लूहर, ल्वारि ।

२७२. **अग्नि**—दे० 'अग्नि' ।

२७३. ३ **अग्नियाँ**—जठरानल, दावानल, बड़वानल ।

२७४. **जठरानल**—दे० 'जठराग्नि' ।

२७५. **दावानल**- दव, दवारो, दावा, दावाग्नि, दावानल, वनहुताशन ।

२७६. **बड़वानल**—और्वि, बड़वाग्नि, बाड़वा ।

२७७. **जठराग्नि**—दिध्याग्नि, भौमाग्नि ।

२७८. ६ **अग्नियाँ**—(कर्मकाड के अनुसार) आवसथ्य, आहवनीय, औपासनाग्नि, गार्हपत्य, दक्षिणाग्नि, सभ्याग्नि ।

२७९. **अग्नि के जलने के शब्द**—धाँय, धाँय, धू धू, हू हू ।

२८०. **अग्निज्वाला**—अग्निकुक्कुट, अग्निशिखा, अर्चि, उल्का, कील, ज्वार, ज्वाल, ज्वाला, भस्मनी, भूत, लपट, लवर, लुकारी, लूक, लौ, वर्चिस, शिखा, हेति ।

२८१. **चिनगारी**—अग्निकण, अनलकण, चिनगी, लुतकारी, लुत्ती, लुत्ती, स्फुलिंग, स्फुल्लिग ।

२८२ **अग्निसंताप**—जलन, झुलस, डाढ़ा, दाह, भस्मीभूत, संज्वर, सताप ।

२८३. **प्रकाश**—आभा, आलोक, उजाला, उजियार, उजियारी, उजियाला, उजेर, उजेला, उजारा, उज्यारा, ओज, चाँदना, चाँदनी, ज्योति, तेज, त्विषा, द्युतिया, द्योत, दीप्ति, प्रदीप, प्रभा, बिभा, भा, भास, विभा ।

२८४. **अँधेरा**--अंध, अंधकार, अधकूप, अंधार, अँधियार, अँधियारा, अंधेरिया, अँधेरी, अध्यार, अन्हार, अप्रकाश, घुप, तम, तामस, तमिस्र, तारीक, तिमिर, ध्वात, रात्रिराग, रात्रिवास ।

२८५. **प्रकाशमय**—ओपदार, चमकदार, ज्योतिष्मान, ज्योतिर्मय, तेजोमय, दीपित, दीप्त, प्रकाशयुक्त । दे० 'चमकीला' ।

२८६. **अंधकारमय**—अंधकारयुक्त, तमाच्छादित, तमावृत्त, तारीकी, तिमिराच्छन्न, तिमिरावृत्त ।

२८७. **चमक**—आब, आभा. आलोक, ओप, काति. चिलक, जगमगाहट, ज्वल, झलक, तेज, दमक, दीपित, दीप्ति, भा, भास, मरीचि, रश्मि, रौनक, विभा ।

२८८. **चमकीला**—आबदार, कांतिमान, चमकदार, चमचमाता, जाज्वल्यमान, ज्वलित, झलकदार, झलाझल, दीप्तिमान, दीप्यमान, दैदीप्यमान, पानीदार, प्रकाशमान, प्रदीप्त, भड़कदार, भड़कीला, भासित, भास्वर, दे० 'प्रकाशमय ।

२८९. **चमकना**—कातिमान होना, कांतियुक्त होना, चमचम करना, चमचमाना, जगमगाना, झलकना, दमकना, दीपना, दीप्त होना, दीप्तिमान होना, लहकना, प्रकाशित होना. प्रभायुक्त होना, बरना, बलना, भासना, लहकना, बिभाना, विभारना, विभासना ।

२९०. **चमकाना**—उजराना, [illegible]

घसना, घिसना, घोंटना, चमकाना, झलकाना, थिराना, धोना, निखारना, निर्मल करना, मलना, मसलना, माँजना, मींजना, रगड़ना, रगरना, साफ करना, स्वच्छ करना।

२६१. **चकाचौंध**—चकचाव, चकचौंध, चकचौंह, चकाचौंध, चकाचौंधी, तिरमिरा, तिलमिलाहट, तिलमिली।

२६२. **चौंधियाना**—आँख न ठहरना, चकचौंधना, चौंधना, चौंधियाना, तिरमिराना, तिलमिलाना।

२६३. **कुछ अंधेरा कुछ प्रकाश**—झुकमुख, झुकामुखी, झुटपुटा।

२६४. **छाया**—आभा, छहियाँ, छाँव, छाह, छाया, झलक, परछाहीं, प्रतिबिंब, साया।

ज

१. **स्वभाव**—आदत, चरित्र, चाल, प्रकृति, प्रकृतिभाव, मिज़ाज, बान, बानि, लत, वृत्ति, शील, सुभाइ, सुभाय, सुभाव, स्वभाउ।

२. **भावना**—ख़्याल, चिंतना, चिंता, धारणा, ध्यान, विचार, भाव, भावना, विचार।

३. **मनोवृत्ति**—अंतर्गति, चित्त-वृत्ति, भाय, भाव, भावना, मनोगति, मनोविकार, मनोवृत्ति, वृत्ति, दे० 'स्वभाव'।

४. **मनोवेग**—आवेग, आवेश, उद्वेग, उमंग, गरमी, जोश, झोंक, झोंका, प्रवाह प्रेरणा, रव, वेग, सनक।

५. **चेतना**—अह, आपा, चैतन्यता, सज्ञा, सुधबुध, हवास, होश, होशहवास।

६. **क्षमा**—क्षांति, छमा, तितिक्षा, माफ़, मुआफ़, मार्जना, शम, सहन।

७. **क्षमाशील**—क्षम, क्षमाल, क्षमावान, क्षमित, क्षमिता, क्षमी, तितिक्षु, प्रभूष्णु, शांतियुक्त, सह, सहिष्णु।

८. **क्षमा-रहित**—अक्षम, अतितिक्षु, असहिष्णु, क्षमाशून्य।

९. **क्षमा करना**—छमना, छोड़ना, छोड़ देना, जाने देना, बकसना, माफ करना, माफी देना।

१०. **क्षमा करने योग्य**—क्षमणीय, क्षमितव्य, क्षम्य।

११. **शांत**—गंभीर, धीर, शिथिल, शिष्ट, स्थिरचित्त।

१२. **चंचल**—अधीर, अशांत, अस्थिर, आतुर, उतावला चंचल, चपल, चल, चलायमान, चलित, विचलित, हलचलयुक्त।

१३. **घबराया**—अधीर, अनवस्थ, अनवस्थित, अशांत, अस्थिर, आकुल, उतावला, उद्विग्न, क्षुब्ध, क्षोभित, चंचल, चकित, चलायमान, परीशान, परेशान, विकल, व्यग्र, व्याकुल, विचलित, हैरान।

१४. **शांति**—अक्षोभ, उपशम, गंभीरता, तृष्णाक्षय, धीरता, धैर्य, निर्वेद, प्रशम, प्रशांति, शम, शमथ, शमन, शांतता, शिथिलता, शांति, स्थिरचित्तता, स्थिरता, स्थैर्य।

१५. **चंचलता**—अधीरता, अनवस्थता, अधनई, अशांतता, अशांति, अस्थिरता, अस्थैर्य, आंदोलन, आतुरता, उतावली, कुलबुलाहट, खलबली, चंचलता, चंचलताई, चंचलाई, चपलता, चुलबुलापन,

चुलबुलाहट, नखरा, वहशत, विचलता, हलचल।

१६. **घबराहट**—अधीरता, अवसेर, आकुलता, आतुरता, उद्विग्नता, उद्वेग, ऊभ, कातरता, क्षोभ, खभार, खलबली, घबराहट, परीशानी, परेशानी, बिचलाई, बेचैनी, विचलता, विचलाहट, व्यग्रता, व्याकुलता, दे० 'चिंता'।

विलोम—'शांति'।

१७. **चंचल होना**—इधर उधर होना, कँपना, कंपित, होना, काँपना, डगमग करना, डगना, डगमगाना, डावाँडोल होना, डोलना, थरथर करना, थरथराना, लड़खड़ाना, विकंपित होना, विचलित होना, हिलना

१८. **घबराना**—अकना, अकबकाना, अकुताना, अकुलाना, अगुताना, अतुराना, अधीर होना, अफरना, आकुल होना, आतुर होना, उकताना, उगताना, उतावला होना, उतावली करना, उद्विग्न होना, उबना, ऊबना, औंजाना, औंटना खड़बड़ाना, खरभराना, गड़बराना, घबड़ाना, घावड़ होना, जल्दी करना, जल्दी मचाना, बिकलाना, व्याकुल होना, हड़बड़ाना, हरबराना।

१९. **दया**—अनुकंपा, अनुग्रह, अहसान, करम, करुणा, करुना, कारुण्य, कृपा, कृपालुता, दरनि, तरस, फज़ल, मेहर, मेहरबानी, रहम, रहमत।

२०. **उदारता**—औदार्य, फैयाज़ी, सुहृदता, सहृदयता।

२१. **क्रूरता**—अकड़, अद्रोह, अदय, कठोरता, कठोरपन, क्रूरता, खूँखारपना निर्दयता, निठुरई, निठुरता, निठुराई, नृशंसता, परुषता, परुषत्व, बेरहमी, संगदिली।

२२. **दयालु**—अनुग्राहक, अनुग्राही, उदार, करुणानिधान, करुणानिधि, करुणामय, कारुणिक, कृपाल, कृपालु, कृपायतन, गरीबनिवाज, गरीबपरवर, दर्दमंद, दयार्द्र, दयानिधान, दयानिधि, दयाल, दयालु दयालू, दयावान, दयाशील, दयासागर, दीनप्रतिपालक, रहमदिल, रहीम, सदय, सहृदय, सुमन, सुरत, सूरत।

२३. **उदार**—अदीन, उदारचरित, उदारचेता, दिलदार, महाशय, महेच्छ, सदाशय, सहृदय, सुहृद, हृदयालु।

२४. **निर्दयी**—अदय, कठोर, कसाई, क्रूर, खूँखार, निठुर, निदारुण, निर्मोहिनी, निर्मोही, निर्दय, निर्दयी, निष्ठुर, नृशंस, परुष, बेरहम, संगदिल।

२५. **दया करना**—अनुकंपा करना, करमे नजर करना, अनुग्रह करना, कृपा करना, ढरना, तरस खाना, पसीजना, मेहरबानी करना।

२६. **दयापात्र**—कृपापात्र, दयापात्र।

२७. **कृपापूर्वक**—कृपया, दयापूर्वक।

२८. **उपकार**—अच्छाई, अहसान, उपकारिता, उपकृति, एहसान, नेकी, भला, भलाई, सलूक, हित, हितसाधन।

२९. **अपकार**—अनिष्ट, अहित, बुरा, बुराई।

३०. **उपकारी**—उपकर्ता, उपकारक, खैरख्वाह, शुभचिंतक, हित, हितकर, हितकारक, हितकारी, हितचिंतक, हितावह, हिती, हितु, हितू, हितैषी।

३१. **अपकारी**—अनिष्टकारक, अनिष्ट-साधक, अनुदार, अहित्, कुकर्मी, कृतघ्न, दुर्वृत्त, पीड़क बुरा।

३२. **उपकृत**—एहसानमंद, कृतज्ञ, शुक्रगुज़ार, ममनून।

३३. **संतोष**—इतमिनान, छाक, तुष्टता, तुष्टि, तोष, तृपति, तृप्ति, शांति, सतुष्टि, सतोख, सतोष, सबूरी, सब्र, सान्त्वना, सेरी हृष्टि।

३४. **असंतोष**—अनख, अनखाहट, अप्रसन्नता, असंतोख, खफगी, खिन्नता, खीस, नाराजगी, नाराज़ी, बेसब्री।

३५. **संतुष्ट**—अघाया आसूदा, तुष्ट, तोषप्राप्त, तृपित, तृप्त, राज़ी, संतोषित, शाकिर, सेर।

३६. **असंतुष्ट**—अतुष्ट, अतृपित, अतृप्त, असंतोषी, खफा, खिन्न, नाराज़।

३७. **संतुष्ट होना**—अघा जाना, अघाना, अफरना, आतृप्त होना, आसूदा होना, ऊबना, छकना, जी भर जाना, तुष्टाना, टंच होना, तुष्ट होना, तृप्त होना, निहाल होना, पूर्ण हो जाना, पेट भरना, प्रसन्न होना, भरना, भर पाना, संतोषना, सैराब होना, हिया भरना।

३८. **संतोषना**—सतोखना, सतोषना, सबूरी देना, सब्र बँधाना, समझाना, सान्त्वना देना।

३९. **प्रसन्न**—अनुकूल, आनंदित, उत्फुल्ल, उल्लसित, खिला, खुश, डहडहा, प्रहर्षित, मगन, मग्न, मस्त, मुदित, मोदयुक्त, रंजित, लहलहा, हर्षित। दे० 'सुखी', 'प्रसन्नचित्त'।

४०. **अप्रसन्न**—असंतुष्ट, कुपित, खफ़ा, खिन्न, नाराज, रंजीदा, रिसौहा। दे० 'चिंताग्रस्त', 'दुःखी', 'उदास', 'क्रोधित'।

४१. **प्रसन्न होना**—अनंदना, आनंदना, आनंदित होना, उल्लसित होना, उल्लासन, खिलना, खुश होना, नंदना, नंदित होना, निहाल होना, प्रफुल्लित होना, प्रसन्न होना, प्रस्फुटित होना, प्रहर्षित होना, फूलना, फूला न समाना, मोदना, रहसना, राँचना, विकसित होना, हरखना, हरषना, हर्षित होना, हर्षना, हर्षाना, हुमसना, हुलसना, हुलसित होना।

४२. **अप्रसन्न होना**—कोपना, खीझना, नाराज़ होना, रोसना, रिसाना। दे० 'क्रोधित होना'। 'दुःखी' के पर्याय में 'होना' जोड़कर और भी शब्द बनाए जा सकते हैं।

४३. **प्रसन्न करना**—आनंदित करना, खुश करना, निहाल करना, परसन्न करना, प्रफुल्लित करना, प्रहर्षित करना, राजी करना, हरखाना, हर्षाना, हर्षित करना, हुलसाना, हुलसित करना।

४४. **अप्रसन्न करना**—असंतुष्ट करना, खफ़ा करना, खिन्न करना, दुखी करना, नाराज़ करना, रिसाना। दे० 'चिढ़ाना'।

४५. **प्रसन्नता**—अभिनंदन, आनंद, आमोद, उल्लास, खुशी, नंदि, नंदिक, नंदा, प्रमोद, प्रह्लाद, प्रहर्ष, प्रहर्षण, मज़ा, मद, मुदिता, मोद, रंग, रंगरली, रंगरस, रली, रस, लहर, सौमनस्य, हरख, हरष, हर्ष, हुलास, हर्षि, हृष्टि।

४६. **अप्रसन्नता**—अनुताप, अफसोस, अफ़सोस, खेद, चिंता, मन्यु, रंज, शुच, शोक। दे० 'दुःख', 'उदासी', 'चिंता'।

४७. प्रसन्नचित्त—प्रसन, हर्षमाण, हृष्ट-मानस ।

४८. मौजी—आनंदी, आमोदी, उल्लासी, खुशदिल, खुशमिजाज़, प्रमोदी, भोगी, मस्त, मौजी, रंगी, रंगीला, रसिक, रसिया, रसी, रसीला, विनोदशील, विनोदी ।

४९. सुख—आनंद, अमन, अमनचैन, आराम, चैन, प्रमोद, सुक्ख, सुखशांति, सौख्य, स्वस्थता, हृष्टता । दे० 'प्रसन्नता' ।

५०. दुःख—आपत्ति, आफ़त, कष्ट, क्लेश, तकलीफ़, दरद, दर्द, दुक्ख, दुखड़ा, दुख-दुंद, दुखरा, पीड़ा, पीर, पीरा, बला, बाधा, बिआधा, बिपत्ति, बियाधि, मुसीबत, रंज, विपत्ति, वेदना, व्यथा, व्याधि, संकट, सँकरा । दे० 'उदासी', 'अप्रसन्नता', 'रोग' ।

५१. सुखी—आनंदित, आनंदी, आमोदित, उल्लासित, उल्लासी, ऋजु, खुश, खुश-हाल, खुशाल, नंदित, प्रफुल्ल, प्रफुलित, प्रमुदित, भोगी, राजी, सुखवत, सुखवार, सुखारा, सुखारी, सुखित, सुखिता, सुखिया, सुखी । दे० 'प्रसन्न' 'प्रसन्नचित्त' 'मौजी' ।

५२. दुखी—आतप्त, कष्टी, क्लेशित, ग़मग़ीन, तप्त, दर्दमंद, दुखहाया, दुखारा, दुखारी, दुखित, दुखिनी, दुखिया, दुख-यारा, दुखीला, पीड़ित, रंजीदा, व्यथित, संतप्त, संतापित । दे० 'अप्रसन्न', 'रोगी' ।

५३. सुखद—प्रहर्षक, सुखकंद, सुखकंदन, सुखकर, सुखकरण, सुखकारी, सुखजननी, सुखदरन, सुखदनियाँ, सुखदा, सुखदाइन, सुखदाई, सुखदाता, सुखदानि, सुखदानी, सुखदायक, सुखदायी, सुखदेनी, सुखदैन, सुखदैनी, सुखप्रद, सुखवंत, सुखारा, सुखारी, सुखाला, सुखावह, सुखैना, सुहेला, हर्षक ।

५४. दुखद—दुखदाता, दुखदानि, दुख-दायक, दुखदायी, दुखप्रद, दुखौहाँ, पीड़क, बाधक, संतापी ।

५५. दुःख देना—कष्ट देना, कष्टित करना, घुमाना, डाहना, तंग करना, ताँसना, दाहना, दुखवना, दुखाना, दौड़ाना, परीशान करना, फेर में डालना, संतप्त करना, संताप देना, संतापना, सतापना, सताना, हलकान करना, हैरान करना ।

५६. उदास—अंतर्मना, अनमन, अनमना, अन्यमनस्क, उदासीन, उन्मन, खिन्न, ढील, दिलगीर, दीन, दुःखित, दुःखी, रंजीदा, शोकाकुल, शोकयुक्त, सजीदा, सुस्त, सोकित, सोगी, दे० 'दुखी', 'अप्रसन्न' ।

५७. उदासी—अनमनापन, अन्यमनस्कता, उदासी, उदासीनता, खिन्नता, दीनता, रंजीदापन, सुस्तई, सुस्ती ।

५८. सीधा—अक्लिष्ट, अवक्र, आसान, उत्तान, ऋजु, प्रगुण, भोला, रास्त, शांत, शुद्ध, सज्जन, सरल, सरलचित्त, सादा, साधु, साध्य, सहज, सहल, सीध, सुखसाध्य, सुकर, सुगम, सुलभ, सुहृत्, सूधा, सौम्य ।

५९. सरलचित्त—उदार, दक्षिण, सज्जन, सरल, सरलचित्त, साधु । दे० 'सीधा' ।

६०. टेढ़ा—अड़ार, असरल, अराल, आकुं-चित, उर्मिल, आला, कठिन, काना, कुंचित, कुटिल, कुबड़ा, कुब्ज, किरछ, खमदार, खर्व, तिरछा, तिर्यक, धन्वाकार, नत, बाँक, बेंड़ा, बंक, बका, बंकट, बंकिम, बक्र, बिकट, बिद्ध, मुश्किल, वक्र । दे० 'टेढ़ा, मेढ़ा' ।

६१. **सीधापन**—अक्लिष्टता, ऋजुता, आर्जव, आसानी, भोलापन, सरलता, सहजता, सहूलियत, सादगी, सादापन, साधुता, सारल्य, सिधाई, सुगमता, सुधाई, सुबिस्तापन, सूधापन, सुबीतापन, सुभीतापन, सौम्यता।

६२. **टेढ़ापन**—असरलता, कज, कजी, कठिनाई, कुटिलता, कूबड़, क्लिष्टता, ख़म, टेढ़ाई, बंकता, बंकाई, भ्रमता, वक्रुरता, बाँकपन, मुश्किलाहट, वक्रता।

६३. **टेढ़ा होना**—असरल होना, ऐंठना, कुटिल होना, घूमना, झुकना, टेढ़ होना, फिरना, बल खाना, मुड़ना, मुर्री पड़ना।

६४. **टेढ़ा मेढा**—अटपट, अड़बंग, अड़बड़, टिढ़बिढंगा, टढ़बिड़ंगा, टेढ़ा, तनेना, बक, बंका, बाकुर, बाँकुरा, वक्र।

६५. **तिरछा**—अड़ार, असरल, अवरेब, आड़ा, उरेब, टेढ़ा, तनेना, तिरोछा, तिर्यक, बाँक, बाँका, बेंड़ा। दे० 'टेढा'।

६६. **ऐंठन**—उमेटन, एंटन, घुमाव, पेच, बल, मरोर, मुरी, मुर्री, लपेट।

६७. **ऐंठना**—उमेटना, उमेड़ना, घुमाना, पूरना, बटना, बरना, मरोड़ना, मरोड़ देना, मरोरना, मिमोरना, मुर्री देना।

६८. **कड़ा**—अकोमल, कठोर, कूर, क्रूर, ठस, ठोस, निठुर, पक्का, निष्ठुर, पत्थर, बेमुरव्वत, बेमुरव्वती, संगदिल, सख़्त।

६९. **कोमल**—अकठोर, कोमलांग, गुलगुल, गुलगुला, ढाला, नरम, नाज़ुक, मधुर, फूल, मुलायम, मृदु, मृदुल, सुकुँआर, सुकुमार, हलका।

७०. **कोमलता**—कोमलता, कौमल्य, गुलगुलाहट, नज़ाकत, नफ़ासत, नरमाई, नरमी, नर्मी, नाज़ुकता, निवाजत, मधुरता, माधुर्य, मुलायमता, मुलायमियत, मुलायमी, मृदुता, मृदुलता, सुकुंआरी, सुकमारता, सुकुमारता, सौकुमार्य।

७१. **कड़ापन**—अकोमलता, कठोरता, कड़ाई, कूरता, क्रूरता, निठुरता, निठुराई, निष्ठुरता, बेमुरव्वती, संगदिली, सख़्ती।

७२. **नरमाना**—कोमल करना, कोमलता लाना, ठंढा करना, धीमा करना, नरम करना, मुलायम करना, शांत करना।

७३. **हठ**—अकड़, अड़, अनुरोध, अरि, आग्रह, आरि, ज़िद, ऐंठ, गहनि, चक, ज़िद, जिद्द, टेक, दुराग्रह, हठधर्म, हठधर्मी।

७४. **हठी**—अड़ियल, चकी, ज़िद्दी, टेकी, दृढ़प्रतिज्ञ, हठधर्मी, हठीला।

७५. **हठ करना**—अड़ना, आग्रह करना, जिद करना, दुराग्रह करना, धरना देना, नगई करना, नंधई करना, नटना, मचलना, मटकना, हठधर्मी करना।

७६. **अठिलाना**—अकड़ दिखाना, अकड़ना, इठलाना, इतराना, ऐंठ दिखाना, ऐंठना, ऐंड़ना, चमकना, चोचला दिखाना, चोचलाना, झमकना, ठसक दिखाना, नखरा करना, मदांध होना, मटकना।

७७. **उद्दंड**—अक्खड़, उग्र, उजड्ड, उद्धत, उद्धत, खोंगड़, खागड़। दे० 'धृष्ट'।

७८. **नम्र**—विनम्र, प्रणत, विनयशील, विनयी, विनीत, शालीन, शिष्ट, सहनशील, सुशील।

७९. **उद्दंडता**—अक्खड़पन, औद्धत्य, उग्रता, उजड्डपन, उद्दंडता, उद्धतता, दर्प। दे० 'धृष्टता'।

८०. **नम्रता**—आजिज़ी, दीनता, दीनत्व, विनम्रता, विनय, शालीनता, शिष्टता, शिष्टाचार, सहनशीलता, सुशीलता।

८१. **अकड़ना**—अकड़ जाना, अकड़ जाना, ऐंठना, कड़ा पड़ना, कड़ा होना, कड़ेर पड़ना, चिटकना, ज़िद पकड़ना, टेक गहना, टेक पकड़ना, ठिठुरना, ढिठाई करना, तनना, मिज़ाज बदलना।

८२. **झुकना**—गिरना, ढुलना, दबना, नत होना, नमना, नमित होना, नवना, निहुरना, प्रणत होना, प्रणमना, मुड़ना, लचकना, लचना, लेटना, विनीत होना।

८३. **झुकाना**—गिराना, झुकाना, दबाना, नमाना, नवाना, नाना, तिनौना, निहुराना, पड़ाना, मुड़ाना, मोड़ना, लचकाना, लचाना, लिटाना, लेटाना, लोटाना, विनीत करना।

८४. **धृष्ट**—ईतर, गुस्ताख़, चढ़बाँक, चरबाक, ढीठ, बेअदब, शोख़। दे० 'उद्दंड'।

८५. **शीलवान**—चरित्रवान, तमीज़दार, शालीन, विनम्र, विनीत, सच्चरित्रवान, सुशील।

८६. **धृष्टता**—अकड़, औद्धत्य, ख़िमी, गुस्ताख़ी, ढिठपना, ढिठाई। दे० 'उद्दंडता'।

८७. **शील**—आदमीयत, तमीज़, मनुष्यता, मनुसाई, लियाक़त, शालीनता, शिष्टता, सभ्यता।

८८. **अभिमान**—अकड़, अकड़बाज़ी, अनति, अपनपौ, अपान, अवलेप, अवलेपन, अहं, अहंकार, अहंवादिता, अहंता, इतराहट, ऐंठ, आपा, ख़ुदी, गरब, गर्व, गुमर, गुमान, ग़रूर, घमंड, ठसक, ठस्सा, तेहा, दर्प, दिमाग़, फ़ख़्र, मद, मदांधता, शेख़ी, हमेव।

८९. **अभिमानी**—अकड़ू, अँकड़ू, अँकड़ूबीर, अहंकारी, अहंवादी, उपराचटा, उसकदार, गरबीला, ग़रूरी, गर्वी, गर्वीला, गुमानी, घमंडी, तेही, दिमाग़दार, दिमाग़ी, फ़ख़्री, मदांध, सिकोही।

९०. **अभिमान दिखाना**—अँगिराना, अठलाना, अदराना, इठलाना, इतराना, उलटना, ऐंठ दिखाना, ऐंठना, गर्व जनाना, गर्वाना, घमंड दिखाना, ठसक दिखाना, तनना, भरुहाना। दे० अकड़ना।

९१. **शेख़ीबाज़**—अकड़बाज़, अकड़ू, अकड़ैत, अतिवादी, ऐंड़दार, गाल्हू, टिर्री।

९२ **शेख़ी**—अकड़, अकड़बाज़ी, अतिवादिता, अतिवाद, गल्प, जल्पन, डींग।

९३. **क्रोध**—अप्रसन्नता, अमर्ष, अमर्षण, आक्रोश, आमर्ष, आवेग, आवेश, उष्मा, कोप, क्षोभ, गुस्सा, ख़फ़गी, खीस, खुनस, खुनुस, गर्मी, झल, झल्लाहट, झाँझ, तामिस, तामिस्र, तेह, तेहा, तैश, प्रकोप, भाम, भाम, मत्सर, राजस, रिस, रिसि, रूष, रुषा, रोष, हर, हुरि, हेल, हूल।
विलोम—दे० 'शांति'।

९४. **क्रोधी**—अनखी, अमर्षी, कोपी, कोही, खुनसी, खिनसी, गुस्सावर, गुस्सैल, चंड, तेही, रिसहा, रोषी, सरोष।
विलोम—दे० 'शांत'।

९५. **क्रोधित**—अप्रसन्न, अनखौहा, आक्रोशित, कुपित, कोपित, क्रुद्ध, क्षुभित, क्षोभित, ख़फ़ा, खिसौहा, खुनुसाया, गर्म,

प्रकोपित, रिसहाया, रुष्ट, लाल, लालअंगार, सतर, सतरौंहा ।

विलोम—दे० 'शांत'

९६. **कोपित होना**—अनख करना, अनखना, अनखाना, अनैसना, अप्रसन्न होना, आग बबूला होना, आग होना, कोपना, कोहाना, क्रोध करना, क्रोधित होना, खिसियाना, खुनसाना, गुस्सा होना, झल्लाना, दाँत पीसना, नाराज़ होना, बिगड़ना, रंग बदलना, रिसाना, रिसिआना, रिसियाना, रिसना, रुष्ट होना, रूठना, रूसना, रोष करना, रोसना, लाल पड़ना, लाल पीला होना, लाल होना, संकोपना, सकुचना, सतराना, सुगाना ।

९७. **झल्लाना**—उबल पड़ना, किटकिटाना, कुढ़ना, कोपित होना, खिजलाना, खीजना, खीझना, चिढ़ना, चिड़चिड़ाना, झल्लाना, बिगड़ना । दे० 'कोपित होना' ।

९८. **चापलूस**—खैरख्वाह, खुशामदी, खुशामदीटट्टू, चाटुकार, चापलूसीपसंद, तेल लगाने वाला, मक्खन मलने वाला, स्तवनकर्ता, स्तुतिवाचक, स्तुतिवाचक ।

९९. **चापलूसी करना**—खैरख्वाही करना, खुशामद करना, चाटुकारी करना, तेल लगाना, सर्वदा प्रिय बोलना, मक्खन मलना, सहलाना, सुहराना, हाँमी भरना, हाँ में हाँ मिलाना ।

१००. **चापलूसी**—खैरख्वाही, खुशामद, चाटुकारिता, चाटुकारी, ठकुरसोहाती, प्रशंसा, श्लाघा, स्तवन ।

१०१. **खैरख्वाह**—खैरख्वाह, चापलूस, हमदर्द, हितू, हितचिंतक, हितेच्छु, हितैषी ।

१०२. **खैरख्वाही**—खैरख्वाही, चापलूसी, भला, भलाई, हित, हितचिंतन, हितता, हितैषिता ।

१०३. **जानकारी**—अभिज्ञता, ज्ञान, ज्ञप्ति, जान, जानकारी, परिज्ञा, परिचय, प्रतिपत्ति, बोध, वाकफियत, विज्ञान ।

१०४. **अज्ञता**—अज्ञता, अनजानपन, अनभिज्ञता, अनाड़ीपन, जहालत, नादानी, नावाकफीयत, नासमझी, मूर्खता । दे० 'बुद्धिहीनता' ।

१०५. **ज्ञात**—अवगत, चीन्हाजाना, जाना, जानाबूझा, ज्ञप्त, ज्ञात, परिज्ञात, परिचित, पहचाना, पहिचाना, प्रतिपन्न, प्रतीत, मालूम, समझा, समझाबूझा ।

१०६. **अज्ञात**—अनजाना, अनवगत, अपरिचित, नामालूम ।

१०७. **समझ में आने योग्य**—ज्ञातव्य, ज्ञानगम्य, ज्ञानगोचर, ज्ञेय, बोधगम्य ।

१०८. **चर्चा**—जिक्र, तज़किरा, बात ।

१०९. **पूछना**—ज्ञात करना, ज्ञान प्राप्त करना, दरियाफ्त करना, पूछताछ करना, मालूम करना ।

११०. **पहचानना**—अभिज्ञ होना, चीन्हना, जानना, ज्ञात करना, परिचय करना, परिचय पाना, परिचित होना, बूझना, मालूम करना, पहचानना, लक्षण जानना, वाकिफ होना, समझना ।

१११. **जानकार**—अभिज्ञ, जानपहचानी, ज्ञाता, ज्ञानवान, ज्ञानवृद्ध, ज्ञानी, तज्ञ, तत्त्वविद, परिचित, पारंगत, मुलाकाती, वाकिफ, विज्ञ, वित, विद् । दे० 'बुद्धिमान' ।

११२. **अज्ञानी**—अज्ञ, अज्ञानी, अजान, अनचीन्हा, अनजान, अनभिज्ञ, अनाड़ी,

नादान, नावाकिफ़, नासमझ, भोलाभाला, मूर्ख, सीधासादा । दे० 'बुद्धिहीन' ।

११३. अपरिचित—अजनबी, अनजाना, अपरिचित, बिराना ।

११४. पहचान—चिन्ह, चिन्हानी, जानपहचान, निशान, निशानी, परिचय, लक्षण, लच्छन, चिह्न ।

११५. पहचनवाना-चिन्हवाना, चिन्हाना, चनवाना, बतलाना ।

११६. जान पहचान—चिन्हारी, चीन्ह-पहचान, जान पहिचान, परिचय ।

११७. परिचय—जानकारी, जानपहचान, वाक़फ़ियत ।

११८. पूछ—ज्ञात, दरियाफ़्त, मालूम ।

११९. पूछपाछ—जिज्ञासा, जिरह, पूछ, पूछपाछ, पूछताछ, पूछाताछी, पूछापाछी, प्रश्न, सवाल ।

१२०. ज्ञापक—अभिधायक, परिचायक, बोधक, विज्ञापी, सूचक ।

१२१. ज्ञापित—आज्ञापित, विज्ञप्त, विज्ञापित, सूचित ।

१२२. विज्ञापन—इश्तहार, घोषणापत्र, प्रकाशकीय, प्रज्ञप्ति, विज्ञप्ति, सूचना, सूचनापत्र ।

१२२. रत—अंतर्लीन, अनुरक्त, आसक्त, युक्त, डूबा, डूबा हुआ, तन्मय, तल्लीन, दत्तचित्त, निरत, फँसा, बझा, मगन, मग्न, मशगूल, मुग्ध, मोहित, रंजित, रत, लगा, लग्न, लट्टू, लवलीन, लहालोट, लिप्त, लीन, विरत, विलीन, व्यस्त ।

१२३. विरक्त—अननुरक्त, अनासक्त, उचाट, उदास, उदासीन, पराङमुख, विमुख, हटा ।

१२३. अ विरक्त करना—उचाटना, चौंकाना, भिझकाना, जी हटाना, डराना, भड़काना, भिड़काना, विचलित करना ।

१२३. ब अभिरुचि—इच्छा, पसन्द, प्रवृत्ति, मन, रुचि ।

१२४. रत होना—आसक्त होना, डूबना, तन्मय होना, निमज्जित होना, प्रलिप्त होना, प्रसक्त होना, मग्न होना, रँगना, राचना, लगना, लिप्त होना, लवलीन होना, लीन होना, विलीन होना ।

१२५. विरक्त होना—अननुरक्त होना, अलग होना, उचटना, उचाट होना, खटकना, जी हटना, दूर होना, विरक्त होना, विरक्ति होना ।

१२६. विरक्त करना-अननुरक्त करना, अलग करना, उचाटना, उच्चाटन करना, जी हटाना, दूर करना, विरक्त करना ।

१२७. अनुरक्ति-आसक्ति, तन्मयता, निरतता, लगन, लवलीनता, लिप्तता, लीनता ।

१२८. विरक्ति--अनमनापन, उचाट, उचाटी, उच्चाटन, उदासीनता, चित्तभंग, विरक्ति ।

१२९. उचाटना-उचाट करना, उचाटना, उच्चाटन करना, उदासी करना, जी हटाना, विरक्त करना, विरक्ति लाना, हटाना, उच्चाटित करना ।

१३०. ललचना—इच्छा करना, उत्कंठित होना, चाहना, तरसना, तृषित होना, नोकना, मोहना, मोहित होना, लटना, ललकना, ललचना, ललाना, लालच करना, लालायित होना, लुभाना, लोभ करना, लोभना, विमोहना, विहाना, हुलसना ।

१३१. लालच-आमिष, ईहा, तृषा, तृष्णा,

लालच, लिप्सा, लोभ, लोभपना, लोलुपता, हवस, हिरस, हिर्स।

१३२. लालची–ललचहा, लालची, लुबुधा, लुब्ध, लिलोही, लोभी, लोलुप।

१३३. धैर्य–आश्वास, आश्वासन, इतमिनान, कनायत, कल, खातिरी, चैन, ढाढ़स, ढारस, तसल्ली, दमदिलासा, दिलजमई, दिलासा, धीर, धीरज, धीरता, धीरा, धृति। बोध, सान्त्वना, शांति, संतुष्टि, संतोख, सतोष, सबर, सब्र, स्थैर्य।

१३४. अधैर्य—अशांति, असतोष, असतुष्टि, क्षोभ।

१३५. धैर्यवान—आश्वस्त, इतमिनानी, ढाढ़सी, दृढ़, धैर्यशील, साबिर।

१३६. लाचार–अधीन, आजिज़, परबस, परेशान, विवश।

१३७. लाचारी–अधीनता, अनधिकार, परबसता, परेशानी, बेबसी।

१३८. चाह–अभिरुचि, अभिलास, अभिलाष, अभिलाषा, अरमान, आकांक्षा, आरज़ू, आस, इच्छा, इषा, ईछा, ईप्सा, इष्टि, ईषना, ईहा, उत्कंठा, कांक्षा, कामना, ख्वाहिश, चाव, छंद दोहद, वाञ्छना, वांछा, मनोरथ, मोह, रुचि, ललक, लालच, लालसा, लिप्सा, वाञ्छा, साध, स्पृहा, हवस, हविश, हसरत।

विलोम—दे० 'घृणा'।

१३९. चाहना–अनुरागना, अभिलाखना, इच्छना, ईछना, ईठना, चाहना, चूमना, चाटना, दुलारना, पुचकारना, प्रेम करना, प्यार करना, रातिवाना, स्नेह देना, लाडना। दे० 'प्यार करना'।

विलोम—दे० 'घिनाना'।

१४०. चाहनेवाला—अभिलाषी, आकांक्षक, आकांक्षी, इच्छु, इच्छुक, उत्कंठित, उत्सुक, कांक्षी, कामी, कामुक, ख्वाहिशमंद, चाही, तृषित, लालची, लालसी, शायक।

१४१. जिसमें किसी भी प्रकार की चाह न हो—अकाम, अचाह, इच्छाविहीन, कामना रहित, चाहशून्य, निरीह, निष्काम, निष्प्रेही, निस्पृह।

१४२. चाहा हुआ—अभिलषित, अभीप्सित, अभिप्सित, अभीष्ट, आकांक्षित, इच्छित, इप्सित, वांछित, वांछित।

१४३. अनचाहा—अनभिलषित, अनभीष्ट, अनाकांक्षित, अनिच्छित।

१४४. चाहने योग्य—वाञ्छनीय, स्पृहणीय।

१४५. प्यार—अनुराग, अपनत्व, अपनापन, आशनाई, आसक्ति, इश्क, उन्सियत, उल्फत, चाह, चाहना, दुलार, प्यार, प्रणय, प्रीति, प्रेम, प्रेमभाव, ममता, ममत्व, रति, रस, राग, मोह, मोहब्बत, रुचि, लगाव, लौ, लाड़, लाड़प्यार, वात्सल्य, स्नेह, हेतु।

१४६. वात्सल्य—वात्सल्य, सौहार्द, स्नेह, हृदयद्राव।

१४७. भक्ति—अनुराग, प्रेम, भक्ति, भजनरति, भजनासक्ति।

१४८. घृणा—अचाह, अनिच्छा, अप्रियता, अरुचि, आर, घिन, चिढ़, जुगुप्सा, नफ़रत, नीठि, विरक्ति।

१४९. घिनाना—घिन करना, घिनाना, घृणा करना, छिः छिः करना, जुगुप्सा करना, थू थू करना, बुरी बुरी करना,

नफ़रत करना, निंदा करना, मुँह फेरना, मुँह सिकोड़ना, राम राम करना।

१५०. अंकमाल—अंकमाल, अंकमालिका, अँकवार, अकोरी, प्रेमालिंगन।

१५१. प्यार करना—आसक्ति रखना, चाहना, दिल देना, दिल मे रखना, दुलराना, दुलारना, पुचकारना, मानना, लाड़ प्यार करना। (प्यार) के पर्यायों में 'करना' जोड़कर और भी शब्द बनाए जा सकते हैं। दे० 'चाहना'।

१५२. लिपटाना—अंक भरना, अंग लगाना, अंकवारना, अँकवार देना, अँकवारी देना, अंक भरना, अँकवार भरना, अँगेजना, आलिंगन करना, आलिंगना, आलिंगित करना, गले लगना, गले मिलना, चिपकाना, चिपटाना, छाती से लगाना, जुटाना, जोड़ना, भिड़ना, भेंटना, मिलना, लपटना, सटना, सीने से लगाना।

१५३. प्यार करने वाला—आसक्त, उल्फ़ती, चाही, प्रणयी, प्रेमी, मोहब्बती, स्नेही।

१५४. घृणित—गंदा, गर्हित, घिन, घिनहा, घिनवना, घिनावन, घिनौना, धृणित, जुगुप्सित, निन्द्य, बीभत्स, बुरा, विकृत।

१५५. प्यारा—चाहा, चितचोर, दिलबर, दिलरुबा, दुलारा, प्रिय, प्राणजीवन, प्राणधन, प्राणनाथ, प्राणपति, प्राणप्यारा, प्राणवल्लभ, प्राणाधार, प्राणाधिक, प्राणेश्वर, प्रिय, प्रियतम, प्रियवर, प्री, प्रीतम, वल्लभ, भावा, भावता, मनभावता, रमण, लड़ैता, लाल, लालित, सनम, सुभग, हृदयेश, हृदयेश्वर।

१५६. प्यारी—चहेती, जनिया, जानी, दिलजानी, दिलरुबा, दुलारी, प्राणप्यारी, प्राणवल्लभा, प्रिया, प्रियतमा, प्रीतमा, प्रेयसि, प्रेयसी, वल्लभा, रवनि, हृदयेश्वरी।

१५७. श्रद्धा—आदर, प्रेम, श्रद्धाभाव, सम्मान, सरधा।
दे० 'इज्ज़त'।

१५८. श्रद्धालु—श्रद्धायुक्त, श्रद्धावान, श्रद्धास्पद, श्रद्धी।

१५९. निंदा—अपकीरति, अपकीर्ति, अपचार, अपयश, अपवाद, अपस्तव, अयश, आक्षेप, आक्रमण, उपहास, कु, कुख्याति, गर्हण, धिक, बदगोई, बदनामी, भर्त्सना, शिकायत।

१६०. निंदित—अपकृत, अपमानित, आक्षिप्त, कलंकित, गर्हित, जुगुप्सित, बदनाम।
दे० 'बेइज्ज़त', 'बदनाम'।

१६१. निंदनीय—कुत्सित, गर्हणीय, गर्ह्य, निंद, निंदनीय, निंद्य, नीच, बुरा।

१६२. निंदक—अपवादक, अपवादी, चबाई।
दे० 'चुगलख़ोर'।

१६३. चुग़लख़ोर—कर्णेजप, चबाई, चुगला, चुगुला, नारद, पिशुन, लुतरा, सूचक।

१६४. चुग़लख़ोरी—चुग़लख़ोरी, चुग़ुली, पिशुनता, पैशुन्य, लगाना-बुझाना, लुतराई, लुतरई।

१६५. चुग़ली करना—इधर का उधर करना, चुग़ली खाना, नारद का शिष्य

होना, नारद होना, लगाना, लगाना-बझाना ।

१६६. प्रणाम—अभिवंदन, अभिवदना, अभिवादन, आदाब, आदाबरज, आदाबेअरज, जयनागरी, जयभारत, जयश्री, जयस्वदेश, जयहिंद, जयहिंदी, दंडवत, नमन, नमस्कार, नमस्तुभ्यम्, नमस्ते, प्रणति, प्रणाम, बंदगी, रामराम, वंदे, सलाम ।

विलोम—'अनादर' ।

१६७. प्रणाम करना—अभिवादन करना, आदाबरज़ करना, गोड़ लगना, जैराम करना, जैहिंद करना, नमन करना, नमना, नमस्कार करना, नमस्ते करना, प्रणाम करना, पलग्गी करना, पावलगी करना, पैर छूना, प्रणमना, राम राम करना, बंदे करना, सर झुकाना, सलाम करना, हाथ उठाना, हाथ जोड़ना ।

१६८. आदरना—आदर करना, आदर देना, आदरना, आवभगत करना, इज़्ज़त करना, सत्कार करना, समादृत करना, सम्मान करना ।

१६९. अनादर करना—अनरना, अनादर करना, अनादृत करना, अपमान करना, अपमानना, अवज्ञा करना, अवमान करना, अवमानना, अवहेला करना, अवहेलना करना, तिरस्कार करना, निदरना, निरादर करना ।

१७०. आशीर्वाद—असीस, असीस, आशिष, आशीः, आशीर्वचन, आशीर्वाद, दुआ, शुभवचन ।

१७१. असीसना—असीस देना, असीसना, आशीर्वाद देना, दुआ देना, शुभकामना देना, शुभाशीश देना ।

१७२. शाप—अकृपा, अभिशाप, अभिसपात, अवग्रह, आक्रोश, कोप, गाली, बद्दुआ, शाप, श्राप, सराप, साप ।

१७३. आशीर्वाद देना—अशंसना, खुश रहो कहना, दुआ करना, दुआ देना ।

१७४. शाप देना—अभिसापना, आक्रोशित करना, कोसना, कोसना काटना, कोसाकाटी करना, पानी पी पी कर कोसना, बदकारना, बुरा भला कहना, शाप देना, श्राप देना, सरापना, हूमना ।

१७५. शापित—अभिशप्त, अभिशापित, शापग्रस्त, श्रापित, सापित ।

१७६. प्रार्थना—अनुनय, अनुनय-विनय, अरज, अर्ज़, इल्तजा, इस्तदआ, इस्तदुआ, निहोरा, प्रशस्ति, निवेदन, मनौती, मिनति मिन्नत, विनती, विनय ।

१७७. लिहाज़—अदब, इज़्ज़त, ख़्याल, ध्यान, लेहाज ।

१७८. राज़ी होना—मंज़ूर करना, मान जाना, मानना, स्वीकार करना स्वीकृति देना, हामी भरना ।

१७९. ग्रहण—अंगीकार, उपराग, ग्रह, ग्रहन, ग्रसन, ग्रास, मंज़ूर, स्वीकार ।

१८०. त्याग—अस्पृहा, तर्क, त्यजन, त्याग, निर्वेद, निस्पृहा, परित्याग, वर्जन, बहिष्कार, बैराग वैराग्य ।

१८१. त्यागी—अतान, त्यागक, निर्लेप, निस्पृह, बहिष्कारी, विरक्त, विरागी, बैरागी, वैराग्यप्राप्त ।

१८२. त्यागना—अलग करना, अस्वीकार करना, छोड़ना, ढील देना, ढीलना,

तजना, तर्क करना, तर्कना, त्याग करना, दूर करना, बदल जाना, पृथक् करना, मुख मोड़ना, हट जाना, हटना।

१८३. अँगवाना—अँगवाना, अंगीकरण करना, अंगीकार करना, अंगेजना, अंगेरना, अएरना, उठाना, ओढ़ना, गहना, ग्रहण करना, धारण करना, धारना, झेलना, बरदाश्त करना, मंजूर करना, सहन करना, सहना, सिर पर लेना, स्वीकार करना।
दे० 'स्वीकार करना'।

१८४. राजी—अनुकूल, तैयार, रज़ामद, सम्मत, सहमत।

१८५. जो राजी न हो—असम्मत, असहमत, ख़िलाफ़, प्रतिकूल।

१८६. स्वीकार करना—अंगीकार करना, अपनाना, ग्रहण करना, पाना, प्राप्त करना, मंजूर करना, मानना, लेना।
दे० 'अँगवना'।

१८७. इनकार करना—अस्वीकार करना, इन्कार करना, नकारना, न मानना, नामजूर करना, नाहीं करना, मुकरना।
दे० 'छोड़ना'।

१८८. स्वीकार—अंगीकार, ग्रहण, मंजूर, स्वीकृत।

१८९. इनकार—अनंगीकार, अस्वीकार, अस्वीकृत, नकार, नामजूर, नाहीं।

१९०. स्वीकार्य—अंगीकार्य, अत्याज्य, ग्रहणीय, ग्राह्य।

१९१. अस्वीकार्य—अनंगीकार्य, अग्रहणीय, अग्राह्य, त्याज्य, परित्याज्य, वर्ज्य।

१९२. गृहीत—अपनाया, ग्रहणित, मंजूर।

१९३. त्यक्त—छोड़ा, परित्यक्त, बहिष्कृत।

१९४. स्वीकृति—इजाज़त, परवानगी। मंजूरी, रज़ामंदी, राय, सम्मति, सही, हाँ।

१९५. दान—अंहति, अतिसर्जन, अपवर्जन, अर्पण, उपसर्ग, उत्सर्जन, ख़ैरात, ज़कात, त्याग, दानशीलता, दाय, निर्वपन, प्रतिपादन, प्रदान, प्रदेशन, प्रादेशन, बलिदान, मुक्त, विहापित, विसर्ग, विसर्जन, स्पर्श, स्पर्शन।

१९६. माँगना—उधार लेना, जाँचना, जाचना, मँगनी लेना, याचना, याचना करना।

१९७ दान लेना—दान लेना, प्रतिग्रहना, परिग्रहना।

१९८. लेना—उद्धृत करना, ग्रहण करना, हथियाना, हस्तगत करना।

१९९. देना—अर्पण करना, अर्पित करना, चरणों पर रखना, थमाना, प्रदान करना, समर्पित करना, सौंपना।

२००. दानपात्र—दानव्य, दानपात्र, दानार्ह, देने योग्य।

२०१. दानी—उदार, दयालु, द, दाता, दातार, दानकर्त्ता, दानवीर, दानशील, दानशौंड, दानसागर, दानीय, दायक, दारु, दिवैया, देनेवाला, देवा, देवाल, प्रद, प्रदाता, प्रदायक, प्रदायी, बहुप्रद, महान्, महाशय, वदन्य, वदान्य।

विलोम—दे० 'कंजूस'। 'भिखारी'।

२०२. सावधान—ख़बरदार, चैतन्य, चौकन्ना, चौकस, सचेत, सचेतन, सजग, सतर्क, सुचेत, होशियार।

२०३. असावधान—अंध, अचेत, असतर्क, उन्मत्त, ग़ाफ़िल, बेख़बर, बेसुध, संज्ञाहीन।

२०४. सावधानी—ख़बरदारी, चौकसाई, चौकसी, सतर्कता, सावधानता, होशियारी।

२०५. असावधानी—असावधानता, गाफ़िली, बेख़बरी, बेपरवाही, लापरवाही।

२०६. सावधान होना—कान खड़ा होना, बिचकना, बिजुकना, भड़कना, सचेत होना, सतर्क होना, होश में आना, होशियार होना।

२०७. असावधान होना—कान में तेल डालकर पड़ा होना, लापरवाह होना, सोना। 'असावधान' के पर्यायों में 'होना' तथा 'असावधानी' के पर्यायों में 'में रहना' आदि जोड़कर और भी शब्द बन सकते हैं।

२०८. सावधान कराना—चिताना, चेत कराना, चेताना, चेतावनी देना, चैतन्य करना, चौकस करना, जतलाना, जताना, बतलाना, बताना, याद दिलाना, सचेत करना, सतर्क करना, सावधान करना, सूचित करना, स्मरण दिलाना, होश दिलाना, होशियार करना।

२०९. साहस—जिगर, जावट, पुरुषार्थ, हिम्मत, हियाव। साहसी के लिए दे० 'उत्साही'।

२१०. दुस्साहस—अशालीनता, ढिठपना, ढिठाई, धृष्ठता।

२११. उमगना—उत्साह में होना, उत्साहित होना, उमगना, उमगित होना, जोश में आना।

२१२. उत्साह—उछाह, उफनन, उफान, उबाल, उमंग, उमग, उमगन, उमाह, उलास, उल्लास, चाव, जोश, जोशखरोश, ढाढ़स, ढारस, प्रोत्साह, पराक्रम, बाहुबल, साहस, हिम्मत, हियाव, हुलास, हौस, हौसला।

दे० 'साहस'।

२१२. अ आशा—आश, आस, आसा, आसरा, उमेद, उम्मीद, भरोसा।

२१२. आ निराशा—नाउम्मेदी, निराशता, नैराश्य, बेआसा, बेभरोसा, हरास।

२१३. नाउम्मेदी—उत्साहहीनता, ढाढ़सहीनता, निराशा, हताशता, हतोत्साहता।

२१४. उत्साही—उछाही, दिलचला, दिलावर, दिलेर, पराक्रमी, साहसिक, साहसी, हिम्मतवर, हिम्मती, हौसलामंद।

२१५ नाउम्मेद—उत्साहहीन ठंडा, नाउमेद, निराश, निराशी, निरास, हलस, हताश, हतास, हतोत्साह।

२१६. प्रेरणा—उत्तेजना, उत्साह, प्रोत्साहन, बढ़ावा।

२१७. प्रेरणा देना—उत्तेजित करना, उत्साह बढ़ाना, उत्साहित करना, उमकाना, प्रेरित करना, प्रोत्साहित करना, बढ़ावा देना।

२१८. प्रेरक—उत्तेजक, उत्साहक, प्रोत्साहक।

२१९. मरदाना--ऊर्जस्वी, पौरुषयुक्त, वीर्ययुक्त, वीर्यस्वी, मर्द, सपौरुष।

२२०. नपुंसक—क्लीब, कापुरुष, किंनर, नामर्द, मुख़न्नस, पुंसत्वहीन, वर्षवर, शंढ, षंढ, सर्द, हिजड़ा, हीजड़ा।

२२१. मरदानगी—आदमियत, इनसानियत, पुंसत्व, पुरुषत्व, पौरुषत्व, मरदई, मरदानगी, मर्दुमी।

२२२. नपुंसकता—क्लीबत्व, क्लीवता, नपुंसकत्व, नामर्दी, हिजड़ापन।

२२३. आदमियत—इनसानियत, मनुष्यता, मनुष्यत्व, मर्दुमी।

२२४. चिंता—अंतर्भावना, अंदेशा, अंदोह, अटक, अनमन, अवसेर, आधि, आध्या, आध्यान, आवर्त, उलझन, उत्कंठा, उद्वेग, कातरता, खभार, खटक, खटका, खुटका, चिंत, चिंतन, चिंतना, चिंतिया, ठठ, तरद्दुद, तशवीश, त्रास, दुचितई, दुचिताई, दुविधा, ध्यान, परवा, परवाह, परिभावना, फिक्र, फ़िराक, भय, भावना, विषाद, विसूर, शंका, शोच, सुरति, सोच, स्मृति, हराम, हूक।

विलोम—'शांति'।

२२५. चिंता करना—चिंतना, चिंतित होना, फ़िकर करना, फिक्र करना, शोक करना, सोगना, सोच करना, सोचना।

विशेष—'चिंता' के पर्यायों में 'करना' या 'में पड़ना' आदि जोड़ कर 'चिंता करना' के और भी पर्याय बनाए जा सकते हैं।

२२६. चिंतित—अंतर्मन, अकल, अचेत, अधीर, आकुल, आकुलित, आतुर, उद्विग्न, क्षोभित, खिन्न, गहवर, चिंताकुल, चिंताग्रस्त, चिंतातुर, चिंतायुक्त, दुचित, दुचिता, दुदिला, दोचित, दुर्मन, फ़िक्रमंद, फिक्रमस्त, बिकल, बेकल, बेक़रार, विकल, विक्षिप्त, व्यग्र, व्यस्त, व्याकुल, व्याकुलचित्त, शंकाकुल, संभ्रांत।

२२७. निश्चिंत—अचिंत, अचिंतित, अचीता, अलमस्त, असोच, आज़ाद, निचिंत, निर्भय, निशंक, बेपरवाह, बेफ़िक्र, शोचरहित, लापरवाह, सुचित। दे० 'मस्त'।

२२८. निश्चिंतता—आज़ादी, चिंताविहीनता, बेपरवाही, बेफ़िक्री, मस्ती, लापरवाही, सुचिताई।

२२९. शंका—अंदेशा, आशंका, अनिर्णय, डर, त्रास, दगदगा, दुचितई, दुचिताई, भय, शक, शुबहा, संदेह, संशय, संस, ससई, सुबहा।

२३०. संदिग्ध—अनिश्चित, संदेहपूर्ण, संशयात्मक।

२३१. दुविधा—अंदेशा, असमंजस, आगापीछा, दुबिध, पशोपेश, वहम, संकोच, हिचक, हिचकिचाहट।

२३२. हिचकिचाना—अटकना, अटपटाना, आगापीछा करना, कसमसाना, दबना, झेंपना, पशोपेश में पड़ना, रुकना, संकोच करना, संकोचना, सकुचना, सकुचाना, संदेह में पड़ना, संशयित होना, सिटपिटाना, हिचकना, हिचकिचाना।

२३३. भय—अंदेशा, आंतक, अकबक, आतंक, खरखशा, खभार, खौफ़, डर, दगदगा, दहशत, भय, भित्त, भी, भीति, भीरुता, भीरुताई, भै, शंक, शंका, संकोच, संशय।

२३४. भयभीत होना—अपडरना, आतंकित होना, कँपना, कँपकँपाना, काँप उठना, काँपना, खौफ़ करना, डरना, त्रसना, डेराना, त्रास खाना, धड़कना, थरथराना, थर्राना, दहलना, दहलना, दहशत खाना, भभरना, भय खाना, भयभीत होना, भयाकुल होना, भयाना, भीरना, भभहरना, शंकना, शंकाकुल होना, शंकित होना, संकुचित होना,

संत्रस्त होना, सशंकना, सशंकित होना, स्तंभित होना, सहमना, सहरना, सहराना, सिहरना, हहरना ।

२३५. भयभीत करना—आशंकित करना, कँपाना, डरपाना, डरवाना, डेरवाना, डेराना, त्रसना, त्रासना, धमकाना, भभराना, भहराना, संकाना, सशंकना, सशंकित करना, सहमाना ।

२३६. आँख दिखाना—आँख भौं चढ़ाना, आँखें दिखाना, घुड़कना, घूरना, तरेरना, तीक्ष्ण दृष्टि से देखना, त्योरी चढ़ाना, त्योरी बदलना, लाल आँखे करना ।

२३७. भयभीत—आतंकित, कंपित, कातर, क्षोभित, चकित, चौकन्ना, त्रसित, त्रस्त, त्रासित, भयभीत, भयाकुल, भयातुर, भीत, भीर, भीरु, भैहा, शंकित, सशंक, सशंकित, हौलदिल ।

२३८. हौआ—कराऊँ, गो गो, जूजू, भकाऊँ, हाऊ, हौवा ।

२३९. भीरु—आधादिल, कातर, कायर, क्रूर, डरपोक, डरपोक, बुज़दिल, बेहिम्मत, हिम्मतहीन ।

२४०. निर्भय—अक्खड़, अक्षोभ, अडर, अदंड, अपभय, अभय, अशंक, आज़ाद, निडर, निर्भय, निर्भीक, निर्भीत, निःशंक, प्रगल्भ, बेख़ौफ़, बेधड़क, साहसिक, हिम्मतवर, हिम्मती ।

२४१. भीरुता—कातरता, कायरता, क्रूरता, क्रूरपन, डरपोकपन, बुज़दिली, भीरुता, भीरुताई ।

२४२. निर्भयता—अपभय, निडरपन, निडरपना, निर्भीकता, बेख़ौफ़ी, साहस, हिम्मत ।

२४३. भयानक—अघोर, उग्र, कराल, कराली, क्रूर, ख़तर, ख़ूँख़ार, ख़ौफ़नाक, घोर, चंड, डरावना, प्रचंड, बिकरार, विकराल, भयंकर, भयद, भयप्रद, भयान, भयानक, भयावन, भयावह, भीम, भीषण, भीष्म, भैजन, भैदा, भैरव, रुद्र, रोमहर्षण, लोमहर्षण, विकट, विकराल, हौलनाक ।

२४४. भयहारी—भयनाशक, भयमोचन, भयहरण ।

२४५. काँपना—कँपना, काँपना, घबड़ा जाना, डर जाना, थरथराना, थर्राना, विकंपित होना, सिहरना, हहरना ।

२४६. धमकी—घुड़की, डपट, डाँट, डाँट-डपट, ताड़न, ताड़ना, दहशत, भिरकियाँ ।

२४७. धमकाना—आँख दिखाना, आतंकित करना, घुड़कना, घुड़की देना, डपटना, डाँटना, डाँटना-डपटना, ताड़ना, दहलाना, धमकी देना, भिरकना, भिरकियाँ देना, फटकारना, फिटकारना भय दिखाना, हड़गाना ।

२४८. घुड़कना—घुड़कना, घुड़की देना, घुड़कना, डपटना, डाँटना, भड़पना, भिड़कना, फटकारना, झिगड़ना ।

२४९. धाक—अकधक, अपडर, अपभय, आतंक, आशंका, क्षोभ, खटका, ख़तरा, त्रसन, त्रासन, दबदबा, दर्प, प्रभाव, भैमोर, रोब, शंका, सहम, साका, साका, साख, हराम, हवल, हहर, हौल ।

२५०. धाक जमना—धाक बंधना, धाक बैठना, धाक होना, रोब गालिब होना, रोब जमना, रोब होना, रौब जमना ।

२५१. धाक जमाना—धाक जमाना, धाक बाँधना, धाकना, रोब गाँठना, रोब ग़ालिब करना, रोब जमाना।

२५२. धाकड़—तेज़, तेज़तर्रार, मर्द, रोबदार, शेर, हिम्मती।

२५३. विश्वास—इतबार, एतबार, पतियारा, परतीत, प्रतीति, प्रत्यय, बिसवास, बिसास, भरोसा, भाव, यक़ीन।

२५४. विश्वास करना—एतबार करना, पतियाना, प्रतीति करना, प्रतीति मानना, मानना, यक़ीन करना, यक़ीन रखना।

२५५. विश्वसनीय—क़ाबिलेइतबार, परतीती, विश्वस्त, विश्वासपात्र, विश्वासी।

२५६. अविश्वसनीय—अविश्वासी, विश्वासघाती, बिसिन, बेएतबारी।

२५७. विश्वासघात—अपघात, कपट, छल, धोका।

२५८. चिढ़—कुढ़न, खिजलाहट, खिझ, खीज, खीझ, झल्लाहट, झुंझलाहट, रोष।

२५९. चिढ़ना—कुढ़ना, किटकिटाना, खिजलाना, खीजना, खीझना, चिड़चिड़ाना, झल्लाना, झीखना, बिगड़ना, रिगना, सतराना। दे० 'क्रोधित होना'।

२६०. चिढ़ाना—औरसाना, अनखाना, कुढ़ाना, खिजलाना, खिझाना, चिढ़ाना, रिगाना।

२६१. स्पर्द्धा—उपराचढ़ी, उपरौउपरा, चढ़ाउपरी, प्रतिद्वंदिता, रीस, होड़।

२६२ ईर्ष्या—अक्षमता, अनख, असूया, ईषणा, ईर्षा, ईर्ष्या, कुढ़न, खार, जलन, डाह, द्वेष, द्वेषणा, मत्सर, मत्सरता, रश्क, राग, रोस, विद्वेष, विरोध, वैर, शत्रुता, साल, हंस, हसद, हिसका, हीस।

२६३. ईर्ष्या करने वाला—ककनखुरा, अदेखी, ईर्षालु, डाही, मत्सरी।

२६४ कृतघ्न—अकृतज्ञ, कृतघ्नी।

२६५. कृतज्ञ—अनुगृहीत, आभारी, ऋणी, एहसानमंद, ममनून, शुक्रगुज़ार।

२६६. कृतघ्नता—अकृतज्ञता।

२६७. कृतज्ञता—आभार, ऋण, एहसान।

२६८. धूर्त—ऐबी, कपटी, कितव, कुटिल, क्षुद्र, खल, खोट, खोटा, चतुर, चालाक, चालिया, चाली, चुलबुला, छद्मी, छलछंदी, छलहाई, छलिया, छली, छुद्र, जिह्म, ठग, दगादार, दगाबाज़, दुराचारी, दुर्जन, दुष्ट, धूत, धोखेबाज़, नटखट, फ़रेबी, प्रवंचक, बदमाश, बचक, मक्कार, मायाविनी, मायावी, मायिक, लुच्चा, वंचक, व्याजी, शरीर।

२६९. धूर्तता—कपट, कुटिलता, कुटिलपन, कुटिलाई, खोटाई, चतुराई, चाल, चालबाज़ी, चालाकी, छल, छलछंद, छलछिद्र, छलाई, ठगपना, दग़ा, दग़ाबाज़ी, दुर्जनता, दुष्कर्म, दुष्टता, नटखटता, नटखटी, पाजीपन, पाजीपना, बदमाशी, मक्कारी, वंचकता, शरारत।

२७०. धूर्तता करना—कुटिलाई करना, छलछंद करना, छलना, ठगना, चाल चलना, चालबाज़ी करना, छटना, धोखा देना, प्रवंचना देना, भरमाना, भुलवाना, भुलावा देना, भ्रम में डालना, वंचन करना, वंचना देना।

२७१. बदमाश—आवारा, गुंडा, नंगा,

नंगा, बदमाश, लुच्चा, लोफ़र, वारा, शरारती, शरीर, शोहदा।
२७२. बदमाशी—आवारापथी, गुंडई, नंगपना, नंगई, नंघई, लुच्चई, लोफरी, शरारत।
२७३. स्वार्थ—अपरतो, ख़ुदगर्ज़ी, गरज़, मतलब, स्वार्थता, स्वार्थपरता।
२७४. स्वार्थी—खुदगरज़, गरज़मद, गरज़ी, गरज़ू, मतलबी, स्वार्थपर, स्वार्थ-परायण, स्वार्थान्ध।
२७५. मित्रता—अनुकूलता, अप्रतिकूलता, अविरुद्धता, इठाई, दोस्ताना, दोस्ती, मिताई, मित्रता, मित्रत्व, मित्राई, मुआफ़िक़ता, मैत्री, याराना, यारी, सख्य, सख्यता, सौहार्द, सौहार्द्य।
२७६. शत्रुता—अकस, अदावत, अनबन, अनरस, खटपट, गांस, गाँठ, चिढ़, झगड़ा, दुश्मनी, द्वेष, प्रतिकूलता, बिगाड़, मुख़ालिफ़त, मनमोटाव, रंजिश, रिपुता, लड़ाई, लाग, लागडॉट, विद्वेष, विद्वेषण, विद्रोह, विरुद्धता, विरोध, वैमनस्य, वैर, शत्रुताई, सत्रुता।
२७७. संग—संग, संगत, संगति, संगसाथ सहचार, सहवास, सोहबत, हेलमेल।
२७८. पटना—चलना, दोस्ताना होना, दोस्ती रहना, दाँत काटी रोटी होना, मिलना, बनना, मित्रभाव होना, मैत्री होना।
२७९. न पटना—दुश्मनी होना, बिगड़ना, बिगाड़ होना, बैर होना, वैमनस्य होना, शत्रुता होना।
२८० झगड़ना—कलह करना, जूझना, झकझक करना, झगड़ना, झगड़ा करना, झगरना, बकझक करना, भिड़ना, तकरार करना, मुँहजोरी करना, मुहाँमुँही करना, लड़ना, लड़ाई करना, वादाविवाद करना, विवाद करना, हुज्जत करना।
२८१ झगड़ालू—कलहकारी, कलहप्रिय, कलहारी, कलहा, झगड़ालू, झगड़ी, झगरी, लड़ाक, लड़ाका, लड़ाकू।
२८२. लड़ना (युद्ध)—जंग चढ़ना, जंग जुरना, जुझार करना, जूझना, झपकना, झपटना, भिड़ना, मारकाट करना, युद्ध करना, रंगमचाना, लड़ना, लड़ाई करना।
२८३. विरोध—अनैक्य, प्रतिकूलता, विपरीतता, विपक्षता। दे० 'शत्रुता'।
२८४. विपक्षी—प्रतिद्वन्द्वी, प्रतिपक्षी, प्रतियोगी, प्रतिवादी, प्रतिस्पर्द्धी, मुख़ालिफ़, विपक्षी, विरोधी, स्पर्द्धी। दे० 'शत्रु'।
२८५ अनुकूल—अप्रतिकूल, अविरुद्ध, पक्ष मे, मुआफ़िक।
२८६. प्रतिकूल—अननुकूल, उलटा, ख़िलाफ़, विरुद्ध।
२८७. चढ़ाई—अभिक्रमण, अभियान, आक्रमण, आरोहण, प्रयाण, धावा, यान, यज्या, हमला, हल्ला।
२८८ विजय—उन्नति, जय, जयश्री, जित, जीत, जैत, ज़फ़र, फते, फतेह, फ़तूह, विजय, विजै, विभव वृद्धि।
२८९. हार—पराजय, अपजय, अवनति, पराजय, पराभव, भंग, शिकस्त, शिकस्तगी, हराई, हार।
२९०. विजयी—जयत, जित, जितवार, जितवैया, जित्वर, जेता, जैतवार, फ़तेहमंद, विजयक, विजयशील, विजयी, विजेता।

२६१. **हराना**—आक्रांत करना, थकाना, दबाना, पराजय देना, पराजित करना, पराभूत करना, परास्त करना, पीछे हटाना, विजित करना, शिकस्त देना, शिथिल करना, हार देना। दे० 'जीतना'।

२६२. **हारना**—आक्रांत होना, पराजित होना, पराभूत होना, परास्त होना, पीछे हटना, विजित होना, शिकस्त खाना, शिथिल होना, हार खाना।

२६३. **जीतना**—फ़तह पाना, फ़तहयाब होना, विजय श्री हाथ रहना, विजयी होना, विजित करना। दे० 'हराना'।

२६४. **आचरण**—आचरन, आचार, आचार-विचार, चरित, चरित्र, चलन, चाल, चाल-चलन, रहन-सहन, विचार, व्यवहार, शील।

२६५. **आचरना**—अचरना, आचरण करना, व्यवहरना, व्यवहार करना।

२६६. **आचरण करने योग्य**—आचरणीय, करणीय, करतव्य।

२६७. **सदाचार**—अदब, ऋजुता, क़ायदा, तहज़ीब, भद्राचार, भलमनसत, भलमनसाहत, भलमनसी, शराफ़त, शालीनता, शिष्टता, शिष्टाचार, शीलता, शुभाचार, सज्जनता, सज्जनताई, सदाचरण, सभ्यता, साधुता, सुजनता, सौमन्यता।

२६८. **दुराचार**—दुर्जनता, बदतहज़ीबी, अत्याचार, अशालीनता, असज्जनता, बेअदबी, बेक़ायदगी।

२६९. **व्यभिचार**—ऐयाशी, ऐश, ऐश-आराम, कुकर्म, ग्राम्यकर्म, घाट, छिनार, छिनारा, छिनाल, ज़िना, बलात्कार, भोग, भोगविलास, विषय, विषय-वासना। दे० 'मैथुन'।

३००. **सदाचारी**—ऋजु, बाअदब, बातहज़ीब, भलेमानुस, शालीन, शिष्ट, सजन, सज्जन, सभ्य, सरीफ़, सहृदय, सदाचारी, सुशील। दे० 'धर्मात्मा'।

३०१. **दुराचारी**—अत्याचारी, अशालीन, अशिष्ट, असज्जन, दुर्जन, बदतहज़ीब, बेअदब। दे० 'पापी'।

३०२. **व्यभिचारी**—अधम, कामवान, कामातुर, कामी, कामुक, कुकर्मी, कुत्सित, कुपथगामी, कुमार्गी, ग्राम्यकर्मी, घटिहा, छिनरा, छिनार, छिनारी, दुश्चरित, दुश्चरित्र, नष्ट, पतिता, परस्त्रीगामी, भोगी, बद, बदकार, बदचलन, विलासी, बुड्ढा, बुरा, मेहरा, विलासी, विषयी, लुच्चा, स्त्रैण।

३०३. **पुण्य**—अनघ, उत्तमश्लोक, किवि. धर्म, पावन, पुण्य, पुन, वृष, शुभादृष्ट, शोभन, श्रेय, सत्कर्म, सुकृत, सुगंधि। दे० 'सदाचार'।

३०४. **पाप**—अहस, अघ, अत्यय, अत्याचार, अधर्म, अनमाथ, अपकर्म, अपकृति, अपधर्म, अपराध, अपवाद, अशुभ, आर, उपपात, एन, एनस, कल्क, कदन, कर्दम, कबुर, कल्मष, कलमल, कलिमल, कलुष, कल्क, कश्मल, किल्विष, किल्विष, कुकृत, कृतांत, गुनहगारी, गुनाह, दुरिदृष्ट, दुरित, दुरिष्ट, दुश्चष्टित, दुष्कृत, दोष, पंक, पातक, पाप, पापक, वृजिन, शल्यक। दे० 'दुराचार'।

३०५. **धर्मात्मा**—धर्मात्मा, धर्मी, धार्मिक, शुभकर्मी, शुभाचारी, सदाचारी।

१०६. पापी—अघी, गुनहगार, गुनही, दुष्टात्मा, दोषी, पातकी, पापकर्मा, पापचारी, पापात्मा, पापी, पामर।

१०७. पापनाशक—अघहंता, अघारि, पापनाशन, पापनाशी।

१०८. पाखंड—आडंबर, छंद, छलछंद, ढकोसला, ढोंग, ढोंगबाज़ी, बखेड़ा, पखंड, पहँडक, बनाव, बनावट, मिथ्याडंबर।

१०६. पाखंडी—आडंबरी, ऊपरी, ढोंगी, ढकोसलाबाज़, दिखावटी, धर्मध्वजी, पँहड़की, पखंडी, बगुलाभगत, बनावटी, बहानेबाज़।

११०. कुकर्म—अकर्म, अपकरम, अपकर्म, अपकारज, अपकार्य, अपकृत्य, कुकरम, दुष्करम, दुष्कर्म, दुष्कृत्य, पाप, फेल, बदफेल। दे० 'दुराचार' 'पाप'।

१११. शुभकर्म—दे० 'सदाचार' 'पुण्य'।

११२. कुकर्मी—अपकरम, अकर्मी, अपकरमी, अपकर्मी, कुकरमी, दुसकरमा, दुष्कर्मी, दुष्कृती। दे० 'दुराचारी', 'पापी'।

११३. सुकर्मी—शुभकर्मी, सत्कृती। दे० 'सदाचारी', 'धर्मात्मा'।

११४. कलंक—अपराध, कलुष, दाग, दूषण, दोष, धब्बा, लाञ्छन। दे० 'पाप'।

११५. कलंकित—अकलंकी, कलंकी, कलुषित, कलुषी, दागी, दूषित, लाञ्छित।

११६. अपराध—अभियोग, कसूर, खराबी, ग़लती, गुनाह, दूषण, दोष। दे० 'पाप' 'कलंक', 'दुराचार'।

११७. निरपराधी—निर्दोष, निरपराधी, निर्दूषण, निर्दोष, निर्दोषी, बेकसूर, बेगुनाह, बेदाग, साफ़, स्वच्छ।

११८. अपराधी—अपराधी, कलंकित, अभियोगी, कसूरमंद, कसूरवार, कसूरी, खोट, खोटा, गुनहगार, गुनही, गुनाही, दोखी, दोषयुक्त, दोषी, पापी।

११९. दूषणीय—दूषनीय, दूष्य।

१२०. दूसरे पर दोष लगाने वाला—दूषक।

१२१. लाज—अनी, आकुंठन, आबरू, आर, कानि, खिसी, ग़ैरत, त्रप, झेंप, तकल्लुफ़, त्रपा, पत, मदाख, मंदास्य, मुरव्वत, लज, लज्जा, लिहाज़, व्रीड, व्रीडा, शरम, शर्म, सकोच, सकुचाहट, सकुचाई, सहम, हया, ह्री, ह्रीत्व।

१२२. लज्जाशील—अप्रतिभ, खिसौंहा, मुरव्वती, लजाधुर, लजालु, लजीला, लजोर, लजोहा, लजौंहा, लज्जावान, लज्जाशील, शर्मीला, सकुचौंहा, संकोची, सलज्ज, हयादार, हयावान।

१२३. लज्जावती—लजीली, लज्जावती, लज्जाशील, शर्मीली।

१२४. निर्लज्ज—अपत, निलजी, निलज्ज, निलज्जी, निर्लज्ज, निर्लज्जी, निःसकोची, बेशरम, बेशर्म, बेहया, व्रीड़हीन, सकोचहीन, सकोचविहीन, हयाहीन।

१२५. लज्जाशीलता—तकल्लुफी, शर्मिंदगी, सकोच, हयादारी।

१२६. निर्लज्जता—अपतई, ढिठाई, निलजता, निलज्जता, बेशर्मी, बेहयाई, रिजानी, व्रीड़ाहीनता।

१२७. लज्जित—झेंपित, झेंपा, लाज, लज्जित, शर्मिंदा, सकुचित, व्रीडावनत।

१२८. लजाना—चपना, झेंपना, झेपना, लजाना, लज्जित होना, लाज करना, व्रीडा करना, व्रीड़ानत होना, शर्म से

गड़ना, शर्म से पानी-पानी होना, शर्माना, शर्मिन्दा होना, संकोच करना, सकपकाना, सकुचाना, सिमटना, हया करना।

३२६. लजवाना—गड़वाना, झिपाना, झेंपाना, लजवाना, लजाना, लज्जित करना, शर्मवाना, शर्मिन्दा करना, संकुचित करना।

३३१. मस्त—अलमस्त, औढर, औला मौला, मग्न, मतवाला, मस्त, मदपूर्ण, मदोन्मत्त, मनमौजी, मस्ताना, लहरी, सैलानी।

३३२. फिकरमस्त—कामकाजी, कामकाजू, कार्यव्यस्त, व्यस्त।

३३३. मस्ताना—अलमस्त होना, मत्त होना, मस्त होना, मस्ती में आना, मौज में आना, मौज में होना, लहराना।

३३४. मस्ती—अलमस्ती, उन्मत्तता, खीवन, खीवनि, निश्चितई, निश्चितता, फ़रागत, मत्तता, मत्तताई, मतवालापन, मदोन्मत्तता, मौज लहर, लापरवाही, सुचितई, सुचिताई, सुचिताही।

३३५. पागल—उन्मत्त, झक्की, दीवाना, धुनवाला, परवाना, बावला, मूर्ख, विक्षिप्त, सनकी, सिड़ी।

३३६. ठीक—चैतन्य, शांत, होश में।

३३७. पागलपन—उन्मत्तता, झक्क, धुन, सनक, सिड़।

३३८. पगलाना—उन्मत्त होना, दिमाग़ ख़राब होना, पागल होना, प्रमत्त होना, बाई लेना, बावला होना, सनकना, सनकी होना, सर उलटना।

३३९. धुन—झक, झक, टवरी, टौरी, धुन, रट, रर, लगन, लगनि, लाग, लौ, [illegible], हवा।

३४०. उन्मत्त—उत्कट, उन्मत्त, उन्मादी, क्षीव, ख़फ़्ती, ख़ब्ती, पागल, बाउर, बावरा, बावला, मत्त, मतवार, मतवारा, मतवाला, मतिभ्रष्ट, मदी, बौराह, विक्षिप्त, शौंड, सनकी, सिड़ी।

३४१. उन्माद—उनमत्तता, उन्माद, ख़फ़्त, ख़ब्त, चित्तविभ्रम, जुनून, झल्ल, दीवाना पन, पागलपन, बावलापन, भ्रांति, वह-शत, सनक, सिड़, सिड़ीपन, सौदा।

३४२. इज़्ज़त—अदब, अभिगम, आदर, आदरभाव, आदर-सत्कार, आबरू, आव भगत, आस्था, ऐश्वर्य, क़दर, कीरति, कीर्ति, ख़ातिर, ख़ातिरतवाज़ा, ख़ातिरदारी, ख़ातिरी, गौरव, पत, पतपानी, परिमिति, प्रतिष्ठा, पुरस्कार, पूजन, पूजा, बड़प्पन, बड़ाई, महत्व, महानता, मान, शिष्टाचार, सत्कार, सन्मान, समादर, सम्मान।

३४३. इज़्ज़त करना—अर्चना, आदर देना, आदरना, इज़्ज़त देना, पूजना, प्रतिष्ठा देना, मानना, श्रद्धा देना, सम्मान देना, सम्मानना।

३४४. इज़्ज़तदार—आदरप्राप्त, आदृत, गौरवशाली, पूजित, मानित, मानी, सम्मानित। दे० 'माननी', 'मशहूर'।

३४५. बेइज़्ज़त—अनादृत, अपकृत, अपमानित, अवज्ञात, अवहेलित, ख़्वार, ज़लील, तिरस्कृत, परिभूत, बेआबरू, बेक़दर। दे० 'निंदित'।

३४६. बेइज़्ज़त करना—अपमानना, अवज्ञा करना, अवहेलना, अवहेला करना, इज़्ज़त उतारना, ज़लील करना, निदरना, पानी

उतारना, प्रतिष्ठा भंग करना, बेआबरू करना, बेइज़्ज़ती करना ।

३४७. बेइज्जत होना—अपमानित होना, ज़लील होना, ज़िल्लत उठाना, जिल्लत पाना, निरादृत होना, बेपानी होना ।

३४८. बेइज्जती—अनादर, अपकर्ष, अपकार, अपमान, अप्रतिष्ठा, अभरन, अवज्ञा, अवहेलना, अवहेला, ख्वारी, जिल्लत, तिरस्कार, नामूसी, निरादर, बेइज़्ज़ती, बेकदरी, मानहानि, हतकइज़्ज़त । दे० 'निंदा' ।

३४९. मशहूर—ख्यात, ख्यातिप्राप्त, धाकड, नामवर, नामी, प्रकाशमान, प्रख्यात, प्रसिद्ध, विख्यात, सरनाम ।

३५०. बदनाम—कुख्यात, नबरो, नामज़द । दे० 'बेइज़्ज़त' ।

३५१. मशहूरी—ख्याति, जस, नाम, नामवरी, प्रसिद्धि, यश, विरद, शोहरत, शोहरा ।

३५२. बदनामी—कुख्याति, नामतल्ली । दे० 'बेइज्जती' ।

३५३. यशस्वी—कीर्तिमान, नामवर, जसी, नेकनाम, यशी, यशाल ।

३५४. माननीय—आदरणीय, ईज्य, गण्यमान्य, गण्य, गण्यमान्य, परमेज्य, नमनीय, पूजनीय, पूजमान, पूज्य, पूज्यनीय, पूज्यपाद, प्रतीक्ष्य, माननीय, मान्य, वंदनीय, भजंय, श्रेष्ठ, वर, वर्य, सम्मान्य, स्मरणीय ।

३५५. प्रशंसा—अभिवंदन, अभिवदना, अभिवादन, गुणकीर्तन, जस, तारीफ़, प्रशंसा, प्रशस्ति, बखान, बड़ाई, महिमा, यश, श्लाघा, सराह, सराहना, स्तवन, स्ताव, स्तुति, स्तोत्र, स्तोम ।

३५६. धिक्कार—झिड़की, डाँट, डाँट-डपट, डाँट-फटकार, तर्जन, थुक्का-फ़ज़ीहत, थुड़ी, थुड़ी थुड़ी, दुतकार, धिक, धिक्कार, फटकार, फिटकार, भर्त्सना, लथाड़, लानत, लानतमलामत, लिथाड़ ।

३५७. अपनी प्रशंसा—आत्म-प्रशंसा, आत्मश्लाघा ।

३५८ प्रशंसनीय—अभिवंदनीय, कथनीय, क़ाबिलेतारीफ़, प्रशस्य, वर्णनीय, श्लाघनीय, श्लाघ्य, सराहनीय, स्तवनीय, स्तवितव्य, स्तव्य, स्तव्य, स्तोतव्य, स्तोम्य ।

३५९. प्रशंसना—तारीफ़ करना, प्रशंसा करना, अच्छा कहना, तारीफ़ करना, बखान करना, बखानना, बड़ाई करना, यश गाना, विरद गाना, सराहना करना, स्तवन करना ।

३६०. धिक्कारना—अपवाद करना, खरी-खोटी सुनाना, झिड़कना, झिड़की देना, तिरस्कार करना, थूकना, थुड़ी थुड़ी करना, थू थू करना, दुतकारना, दुटकारना, धिक्कारना, निंदना, निंदा करना, फटकारना, फिटकारना, फिटकार सुनाना, लानतमलामत करना ।

३६१. झिझकारना—अनादर करना, अवज्ञा करना, अवहेलना करना, अवहेला करना, अश्रद्धा करना, उपटना, झझकारना, झटकना, झिझकारना, झिटकारना, झिड़कना, डाँटना, फटकारना, तिरस्कार करना, दुदुकारना, हटाना ।

३६२. बुद्धि—अक्ल, ज़िहन, ज़ेहन,

दिमाग़, धारणा, धी, बूझ, बूझन, मस्तिष्क, समझ ।

३६३. बुद्धिमान्—अक़लमद, अभिज्ञ, अक़्लमंद, आगर, कुशल, कृती, कोविद, चतुर, ग्यानी, ज़हीन, जानकार, ज्ञानी, दक्ष, दिमाग़दार, दिमाग़ी, धीमान, नागर, निष्णात, बुधवान, बुद्धवान, बुद्धिवान, बुद्धिवंत, बुद्धिशाली, बुद्धिशील, मतिगर्भ, मतिमत, मतिमान, मतिवत, मनस्वी, मनीषि, मनीषी, मेधावी, लायक़, विज्ञ, विदग्ध, विवेकवान, विवेकी, विशारद,समझदार, सयाना, सुरता, सुराप, सुरापी, हुसियार, हुस्यार, होशियार ।

३६४. बुद्धिहीन—अज्ञ, अज्ञानी, अनजान, अपढ़, अप्रतिभ, अबूझ, अबोध, अहमक़, उजड्ड, उजबक, गँवार, उल्लू, कुंदज़ेहन, गदहा, गावदी, गोबरगनेश, घपुआ, घपोकानद, घप्पू, घोंच, घोंचू, चुप्पा, जड़, नासमझ, निर्बुद्धि, पंडितम्मन्य, पांडित्याभिमानी, पागल, बछियाटिक, बज्रमूर्ख, बड़बावला, बाँगड़ू, बाउर, बावर, बावला, बुद्धिविहीन, बुद्धिहत, बुद्धिहीन, बुद्धू, बेअक़्ल, बेवक़ूफ़, बोदा, भकुआ, भुच्चड़, भैंस, भोंदू, मंदबुद्धि, मूढ़, मूरख, मूरुख, मूर्ख, लठ, लंठाधिराज, शिकारपुरा, सुस्त, स्तब्धमति, हतबुद्धि ।

३६५. बुद्धिमानी—अक़्लमदी, अभिज्ञता, आगरता, कुशलता, ज्ञान, ज़हनियत, जानकारी, दक्षता, बुद्धिशीलता, मेधाविता, लायक़ियत, समझदारी, होशियारी ।

३६६ बुद्धिहीनता—अज्ञानता, अपटुत्व, अपाटव, उजड्डपन, गदहपन, कुंदज़ेहनी, घोंचपना, जड़ता, जड़ताई, जड़त्व, जहालत, नादानी, नासमझी, पागलपन, बाँगड़ूपन, बेअक़ली, मूढ़ता, मूढ़ताई, मूरखपन, मूर्खता, मौर्ख्य, लंठता, लंठताई, बेवक़ूफ़ी । दे० 'अज्ञता' ।

३६७. चतुर—अमुग्ध, अमूक, अमूढ़, उस्ताद, ऐयार, कपटी, कुशल, घुटा, चंट, चगड़, चतुरा, चालबाज़, चालाक, चाँई, छलिया, छली, जानपनी, दुनियादार, दुनियावी, धी, धूर्त, धोकेबाज़, नागर, निपुण, पटु, प्रतारक, प्रवीण, भुक्तभोगी, सयाना, सुघड़, हज़रत, हिरफ़तबाज़, होशियार । दे० 'बुद्धिमान' ।

३६८. चतुराई—उस्तादी, ऐयारी, कपट, कुशलता, कौशल, चतुरई, चतुरता, चतुरपन, चतुराई, चातुरी, चातुर्य, दक्षता, दुनियादारी, नगराई, निपुणता, निपुणताई, निपुनई, पटुता, पटुत्व, बुद्धिमत्ता, हुनर, होशियारी ।

३६९. सोचना—ग़ौर करना, ग़ौर फ़रमाना, चिंतन करना, चिंतना, दिमाग़ लड़ाना, ध्यान करना, बिचारना, मनन करना, मस्तिष्क करना, याद करना, विचार करना, विचारना, सोचना, सोचना-विचारना ।

३७०. सिर खपाना—माथा खपाना, माथा-पच्ची करना, सिर पच्ची करना ।

३७१. दिल्लगीबाज़—कज़ाकी, कज़्ज़ाक़ी, चुहलबाज़, ठट्ठेबाज़, ठठोल, दिल्लगीबाज़, मख़ौली, मसख़रा, मसख़रेबाज़, हँसमुख, हँसोड़, हँसोर ।

३७२ मज़ाक़—उपहास, ठट्ठा, दिल्लगी, दिल्लगी, प्रहसन, मख़ौल, मसख़रापन,

मसख़री, हँसन, हँसित, हँसी, हास, हाँसी।

३७३. मज़ाक उड़ाना—ठट्ठा मचाना, दिल्लगी करना, बनाना, मूर्ख बनाना, हँसी करना, हँसी मचाना। 'मज़ाक' के पर्यायों में 'करना', 'मचाना, 'उड़ाना' जोड़कर और शब्द बनाइए।

३७४. तैयार—उतारू, उपस्थित, तत्पर, प्रस्तुत, होशियार। 'तैयार होना' के लिए ऊपर के शब्दों में 'होना' जोड़कर शब्द बनाइए।

३७५. तैयारी—तय्यारी, संभार, सामान।

३७६. मुस्तैद—अतंद्रिक, अनलस, उद्यत, उन्मुख, तत्पर, तैयार, प्रस्तुत, सन्नद्ध।

३७७. मुस्तैदी—तत्परता, तैयारी, मुस्तैदी, सन्नद्धता।

३७८. प्रचंड—अदीन, उग्र, उत्कट, तीव्र, तेज़, भयंकर, भयानक, भयावह, भीषण, विकट।

३७९. प्रचंडता—उग्रता, उत्कटता, डरावनापन, तीव्रता, तेज़ी, भयंकरता, भयानकता, भयावहता, भीमता, भीषणता, विकटता।

३८०. ज़िम्मेवार—उत्तरदायी, उत्तरदाता, जवाबदेह, जिम्मावार, जिम्मेदार।

३८१. ज़िम्मेवारी—उत्तरदायित्व, जवाबदेही, जिम्मा, जिम्मावारी, जिम्मेवारी।

३८२. अनुभवी—अनुभवप्राप्त, तजरबेकार, तजुरबेकार, तजुर्बेकार, भुक्तभोगी, वाकिफ़।

३८३. अनुभव—अनुभूति, आज़माइश, तजरबा, तजुर्बा, वाक़फ़ियत।

३८४. अनुभूत—आज़माया, आज़मूदा, जाना, परखा, ज्ञात, परीक्षित।

३८५. स्वाभाविक—नैसर्गिक, प्रकृतिस्थ, प्रकृतिसिद्ध, प्राकृत, प्राकृतिक, सहज, सहजात, सुभायक, स्वभावज, स्वाभाविक।

३८६. अस्वाभाविक—अनैसर्गिक, अप्राकृत, अप्राकृतिक, अस्वभावज, कृत्रिम।

३८७ स्वाभाविकता—अकृत्रिमता, नैसर्गिकता, प्राकृतिकता, सहजता, सहजातता।

३८८. अस्वाभाविकता—अनैसर्गिकता, अप्राकृतिकता, अस्वाभावजता, कृत्रिमता।

३८९. नंगा—अवस्त्र, अनावृत, उघैना, गबेना, उबेने, दिगंबर, दिग्पट, धड़ंग, धुड़ंगा, नंगधड़ंग, नंगधड़ंगा, नंगमुनंगा, नंघा, नगन, नग्न, नाँगा, वस्त्रविहीन, निहंग, वस्त्रहीन, विवस्त्र।

३९०. नंगापन—दिगंबरता, नगता, नंगापन, नंघापन, नग्नता।

३९१. सहनशील—ग़मख़ोर, शांत, सहिष्णु, सहैया।

३९२. असहनशील—असहिष्णु, असहैया, चिड़चिड़ा, तुनकमिजाज़।

३९३. न सहने योग्य—असह्य, असहनीय, असह्म, दु:सह।

३९४. गुणी—करतबी, कलाकार, गुनी, योग्य, लायक, हुनरदाँ।

३९५. अवगुणी—ऐबी, औगुनी, ख़राब, खोट, खोटा, बुरा।

३९६. गुण—करतब, कला, गुन, फ़न, योग्यता, लियाक़त, विद्या, हुनर।

३९७. अवगुण—ऐगुन, ऐब, औगुण, औगुन, कज, कजी, कलंक, कसर, ख़राबी,

खोट, खोटाई, दूषण, दोष, दोषन, नुक्स, बुराई, विकार ।

३६८. योग्य—क़ाबिल, जोग, लायक़, समर्थ, सामर्थ्यवान ।

३६६. अयोग्य—अशक्त, असमर्थ, नाला-यक़, सामर्थ्यहीन ।

४००. योग्यता—क्षमाई, क्षमता, क़ाब-लियत, लायक़ियत, समरथ, सामर्थ्य ।

४०१. अयोग्यता—अशक्तता, असमर्थता, नाक़ाबलियत, नालायक़ी, सामर्थ्यहीनता ।

४०२. आदत—अभ्यास, टेव, बान, बाना, मश्क़, सद, स्वभाव ।

४०३. बुरी आदत—कुटेव, कुबान ।

४०४. ऐब लगाना—अंगुली उठाना, अपराध लगाना, दूषण लगाना, दूषना, दोष लगाना, दोषना, दोषारोपण करना, दोषी ठहराना ।

४०५. सच—ऋत, ठीक, यथार्थ, रास्त, वास्तविक, सत्य, सही ।

४०६. झूठ—अलीक, असत्य, झूठ, मिथ्या, मृषा ।

४०७. सचाई—असलियत, उपयुक्तता, औचिती, औचित्य, तथ्य, यथार्थता, रास्तगोई, वास्तविकता, सच्चाई, सच्चा-पन, सत्यता ।

४०८. झूठापन—असत्यता, झुठपन, झुठाई, मिथ्यात्व ।

४०९. सच्चा—रास्तगो, सत्यवक्ता, सत्य-वादी ।

४१०. झूठा—असत्यवादी, झुट्ठा, मिथ्या-वादी ।

४११. झुठलाना—झुठाना, झूठा ठहराना, झूठा बनाना, दोदना ।

४१२. असल—असली, खरा, शुद्ध, सच्चा, साफ़ ।

४१३. कमअसल—अशुद्ध, नकली, मिलावटी ।

४१४. पवित्र—अदूषित, अमनियाँ, अमल, अमलिन, निर्मल, पवित्तर, पावन, पुण्य, पूत, मेध्य, विमल, विशुद्ध, शुचि, शुद्ध, साफ़, स्वच्छ ।

४१५. अपवित्र—अपावन, अशुचि, अशुद्ध, अशौच, कच्चर, गंदा, दूषित, पाप, मलयुक्त, मलिन, मलो, मलीन ।

४१५. अ पवित्रता—पवित्ताई, पावनता, शुद्धता, सफाई, स्वच्छता ।

विशेष—'पवित्र' के अन्य पर्यायों में भी आवश्यकतानुसार 'ता', 'पन', 'पना' आदि जोड़कर, 'पवित्रता' के अन्य पर्याय बनाए जा सकते हैं ।

४१६. अपवित्रता—अपावनता, अशुद्धता, अशुद्धि, गंदगी, मलिनता ।

विशेष—'अपवित्र' के अन्य पर्यायों में भी, 'ता', 'पन' आदि जोड़कर, और शब्द बन सकते हैं ।

४१७ साधारण—मामूली, सधारण, सामान्य, सामान्यस्तरीय ।

४१८. असाधारण—अजीब, अजब, अजीबोग़रीब, अद्भुत, अनुपमेय, अनूठा, अनोखा, अप्रतिम, अपूरब, अपूर्व, आश्चर्यजनक, असामान्य, उपम, उमदा, औघड़, औपन्यासिक, ग़ज़ब, ग़ैरमामूली, चमत्कारी, निराला, न्यारा, लाजवाब, लामिसाल, विचित्र, विलक्षण, श्रेष्ठ ।

४१९. असाधारणता—अनूठापन, अना-

खापन, अपूर्वता, निरालापन, विचित्रता, विलक्षणता।

४२०. उचित—अच्छा, उपयुक्त, ऐन, ग्राह्य, खा, जायज़, ठीक, परिमित, मुनासिब, यथार्थ, युक्त, युक्तियुक्त, योग्य, रास्त, वाजिब, वाजिबी, श्रेयस्कर, संगत, सटीक।

४२१ अनुचित—अग्राह्य, अनखौहा, अनुपयुक्त, अपरिमित, अयथा, अयुक्त, अयोग, अयोग्य, असंगत, उलटा, खराब, खिलाफ, ग़ैरमुनासिब, ग़ैरवाजिब, नामुनासिब, प्रतिकूल, बेठीक, विपरीत, विरुद्ध।

४२१ अ. अवश्य—ज़रूर, निश्चिततः, निःसंदेह, लाज़िमी तौर पर।

४२१ आ. आवश्यक—अत्यावश्यक, अनिवार्य, अपेक्षित, आवश्यकीय, ज़रूरी, लाज़िमी।

४२१ इ. अनावश्यक—अनचाहा, अनिवार्य, अनपेक्षित, अनवांछित, निकम्मा, निरर्थक, निष्प्रयोजन, फज़ूल, बेफायदा, फोकट, रद्दी, व्यर्थ।

४२१ ई. आवश्यकता—अनिवार्यता, अपेक्षा, गरज, ज़रूरत, हाजत।

४२१ उ. बेकार—खाली, निकम्मा, निठल्ला, निठल्लू, बेकाम, बेकार, बेरोज़गार, बेरोज़ी।

४२१ ऊ. बाकार—कामकाजी, कामी, कार्यव्यस्त, नाखाली, बहुधंधी, बारोज़गार, बारोज़ी।

४२२. समान—अनुरूप, अनुसार, अनुहारिया, अनुहार, अभेद, अभेव, अमेव, इव, उनमान, एकरंग, एकसाँ, एकाकार, जैसा, तदनुरूप, तदाकार, तद्रूप, तरह, तुल्य, तूल, नाईं, नाहिन; निभ, पटतर, प्रतिम, बराबर, मानिंद, मिस्ल, मुआफ़िक, रूप, रूपी, सकाश, सदृश, सम, समकक्ष, सरिस, सरीखा, सवर्ण, सा।

४२३ असमान—अतुल, अतूल, अननुरूप, अप्रतिम, अबरन, अवर्ण, असम, असमान, लाजवाब, लासानी, बेतुका, बेमेल।

४२४. समानता—अनुरूपता, अभेदता, एकता, एकरूपता तदनुरूपता, तद्रूपता, तुल्यता, बराबरी, मुआफिकत, समता, समानता, सरवरि, सवर्णता, सादृश्य, सामञ्जस्य, सामान्य, साम्य, हमसरी।

४२५ बड़ा—अनल्प, गुरु, जगी, दिग्घ, दीर्घ, पृथु, बटाक, बड़गा, बड़वार, बबर, बरा, बहुत बड़ा, बाम, भारी, भीम, भीमकाय, मह, महत, महा, महान, रूरा, वर, वर्य, विकट, विभु, विराट, विस्तीर्ण, विस्तृत, बृहद्, शाह, श्रेष्ठ, सुदीर्घ, विभु।

४२६ छोटा—अल्प, उन्नीस, कम, कोता, कोताह, कृश, क्षुद्र, नन्हा, नन्हैया, मुख्तसर, लघु, सूक्ष्म, सूक्ष्म, ह्रस्व। दे० 'नीच'।

४२७. बड़ापन—अनल्पता, उच्चता, गुरुता, दीर्घता, पृथुता, बड़प्पन, भारीपन, भीमता, महतता, महत्ता, महानता, वरता, वर्यता, विकटता, विभुता, विराटता, विस्तीर्णता, विस्तृतता, बृहदता, श्रेष्ठता, सुदीर्घता।

विलोम—दे० 'छोटापन', 'नीचता'।

४२८. छोटापन—अल्पता, कोताही, क्षुद्रता, छुटाई, छोटाई, नन्हापन, लघुता, लाघव, सूक्ष्मता, ह्रस्व। दे० 'नीचता', 'अधमता'।

४२९. अधम—अत्यंतहीन, अधम, ऐरा-गैरा, ओछा, कमीना, क्षुद्र, घटिया, छिछोरा, छोटा, तुच्छ, तुच्छातितुच्छ, नाचीज़, निकृष्ट, निम्न, नीचगामी, नीचाशय, पोच, हीन। दे० 'बेइज़्ज़त', 'निंदित', 'बदमाश', 'नीच'।

विलोम—दे० 'इज़्ज़तदार', 'यशस्वी', 'बड़ा', 'माननीय', 'प्रशंसनीय'।

४३०. अधमता—अधमपन, अधमाई, ओछापन, कमीनापन, क्षुद्रता, घटिहाई, छिछोरापन, छोटाई, तुच्छता, निकृष्टता, निम्नता, पोचता, मंदता, हीनता। दे० "नीचता"।

विलोम—दे० 'बड़ापन'।

४३१. लम्बा—दिग्घ, दीर्घ, दीर्घकाय, दीह, प्रलंब, लंब, लंबा, लमछर, लमहर, लाँबा, लामा, सुदीर्घ।

४३२. लंबोतरा—आडील, लबातड़गा, लमतड़ंग।

४३३. लंबाई—प्रलंबता, लंबान, लंबापन, लाँबापन।

४३४ चौड़ा—अर्ज़दार, चकला, फैला, विस्तृत।

४३५. चौड़ाई—अर्ज़, चकलापन, चौड़ान, चौड़ापन, फैलाव, विस्तार।

४३६. नाटा—खर्व, गुठा, छोटा, ठुइयाँ, ठिगना, ठुमका, ठुमकी, ठेगना, नटरू, पोदना, बौना, मँदरा, वामन, ह्रस्व।

४३७. बौना—बहुत नाटा, वामन, बावन, बावनांगुल।

४३८. नन्हा—अनुदात्त, कोकनी, खंड, खुर्द, छोट, छोटा, जेबी, नान्ह, नान्हरिया, नान्हा, मुन्हा, लघु, लहुर, लहुरा।

४३९. नीच—अधम, ओछा, खोटा, तुच्छ, निकृष्ट, निम्न, नीच, बदज़ात, मद, हीन। दे० 'छोटा', 'अधम'।

४४०. उच्च—आकाश से बात करनेवाला, आर्य, ऊँचा, ऊर्ध, ऊर्द्ध्व, पूज्य, गगनचुम्बी, बड़ा, बराक, बलंद, बुलंद, महान्, श्रद्धेय, श्रेष्ठ, वर, वर्य। दे० 'बड़ा'।

४४१. नीचता—अधमता, अधमाई, ओछाई, ओछापन, कमीनापन, क्षुद्रता, खोटपन, खोटाई, छिछोरपन, छिछोरापन, तुच्छता, निकृष्टता, निम्नता, नीचताई, बदज़ाती, मंदता, हीनता। दे० 'छोटापन'।

४४२. उच्चता—आर्यता, ऊँचाई, बड़ाई, महानता, महिमा, श्रेष्ठता। दे० 'बड़ापन'।

४४३ शीघ्र—अचिर, अग, अविरत, अविराम, अविलंब, आनन, आशु, उताल, क्षिप्र, खटाखट, चट, चटपट, चपरा, चपल, चपार, जल्द, जव, झट, झटित, झप, तरसा, तड़ाका, तुरंत, तुरत तूर्ण, तेज़, त्वरा, त्वरित, द्रुत, पटु, फानन, फ़ौरन, लघु, वेग, वेगि, सत्वर, सद्य, सपदि, सबार, सहसा, स्पद, हरद, हाल, हौल।

४४४. शीघ्रता—अचिरता, अविरति, अचिराततता, आतुरता, आतुरताई, आतुरी, आशुता, उतावल, उतावली, उताल, उतालो, उतावगी, क्षिप्रता, चटक, चटकपना, चटकई, चटकारी, चटकाही, चटका, चटपटी, चटिक, जल्दबाज़ी,

जल्दी, तेज़ी, फ़ुर्ती, वेग, वेग, सटसट, सत्वरता, सरासरी, स्फूर्ति, हड़बड़ी।

४४५. सुस्त—अकर्मण्य, अक्रियल, अनुष्ण, अपटु, अपाहिज, अप्रतिभ, अलस, अवसन्न, अलहदी, अहदी, आलकसी, आलसी, आलकसी, कामचोर, काहिल, ढीला, धीमा, बुद, बोदा, मंद, रंक, सडर, लीचड़, शिथिल, शीतल, सर्द, सालस, हरामखोर।

४४६. सुस्ती—अकराल, अतत्परता, अनुत्साह, आरस, आलकस, आलस्य, ओन, काहिली, घूम, ढील, ढिलपना, ढीलाई, ढीलापन, शिथिलता, शिथिलताई, शैथिल्य।

४४७. धीमा—अहिस्ता, आहिस्ता, धीमा, धीरा, मंद, मंदर, मंदा, सुस्त।

४४८. जिसमें फुरती हो—अतन्द्रिक, उतावला, क्षिप्रहस्त, अनलस, जल्दबाज़, तेज़, सरावान, फुरतीला, फुर्तीबाज़, फुर्तीला, हड़बड़िया।

४४९. जिसमें फुरती न हो—दे० 'सुस्त'।

४५०. धीरे धीरे—अहिस्ता, आहिस्ता-आहिस्ता, धीमें-धीमें, शनैः-शनैः।

४५१. विलंब—अनगवन, अबेर, गहर, देर, बेर।

४५२ विलंब करना—अनगवना, अनमाना, अबेर करना, गहर करना, गहरना, चिर चिर करना, देर करना, देर लगाना, विलंबना, बिलमना, बेर करना।

४५३. प्रतीक्षा करना—अगोरना, आशावान होना, आशा देखना, आसरा देखना, इंतज़ार करना, इंतज़ार में रहना, चितवना, जोवना, जोहना, ताकना, ताक लगाना, देखना, प्रतीक्षा करना, बाट देखना, राह ताकना, राह देखना।

४५४. प्रतीक्षा—आसरा, इंतज़ार।

४५५. हर्ज—अकाज, खलल, नुकसान, बाधा, हानि।

४५६. हर्ज करना—अकाज करना, अकाजना, खलल डालना, नुकसान करना, बाधा डालना, समय बर्बाद करना, हरज करना, हानि करना।

४५७. भाग्य—अंक, अदृष्ट, करम, कर्म, किसमत, तक़दीर, दिष्ट, दैव, दैवगति, नसीब, नसीबा, नियति, परलब्ध, प्रारब्ध, भवित, भवितव्यता, भाग, भागधेय, भाग्य, भावी, मुक़द्दर, सितारा, होनहार।

४५८. अभाग्य—अदिन, अभाग, अभाग्य, अरिष्ट, दुर्दैव, दुर्भाग्य, प्रारब्धहीनता, बदक़िस्मती, बदनसीबी।

४५९. सौभाग्य—खुशकिस्मती खुशनसीबी, भग, भाग, सुभाग।

४६०. भाग्यवान—किस्मतवर, खुशकिस्मत, खुशनसीब, धन्य, पुण्यवान, भाग्यवान, भाग्यशाली, सौभाग्यशाली।

४६१. अभागा—कुभाग्यशाली प्रारब्धहीन, बदक़िस्मत, बदनसीब, भाग्यहीन।

४६२. रूप—आकार, आकृति, गढ़न, गठन, चेहरा, चेहरामोहरा, ढाँचा, तरह, तराश, वपु, बन, बनक, बनावट, बान, बानक, बेस, भेस, रूप, रौनक़, वर्ण, वेष, शकल, शक्ल, संघट्ट, सपट्टन, सरूप, सूरत, स्वरूप।

४६३. सुन्दर—अगना, अच्छा, अनुपम, अनुपमेय, अनूठा, अभिजात, अभिराम,

अलबेला, उमदा, कंचन, कमनीय, कलित, कोमल, खाशा, खूबसूरत, चगा, चक्षुष्य, चारु, चित्ताकर्षक, छबीला, टोरी, दर्शनीय, दिलचस्प, दिव्य, दुर्लभ, दृश्यमान, धजीला, नफ़ीस, नमकीन, नवरंग, नवल, नाक, परीज़ाद, प्रिय, प्रियदर्शी, प्रियरूप, फबीला, बढ़िया, बाँका, भव्य, मंजु, मंजुल, मधुर, मनभाया, मनभावन, मनमोहन, मनरोचन, मनहर, मनहरण, मनहरन, मनोज्ञ, मनोरम, मनोहर, रंगीला, रंगोरु, रति, रतिवंत, रम्भोरु, रमणीक, रमणीय, रमनी, रमनीय, रम्य, रुचिर, रूपमय, रूपमान, रूपवन्त, रूपवान, लघु, ललाम, ललित, लावण्ययुक्त, विमल, शोभन, सजदार, सजीला, सभाग, सरस, सरूप, सलोना, सारंग, सु, सुघट, सुघड़, सुघर, सुचारु, सुजात, सुठ, सुटार, सुठारु, सुठि, सुठोना, सुडौल, सुढर, सुढार, सुढारु, सुदेश, सुदेह, सुन्दर, सबुक, सुभा, सुमुख, सुमेरु, सुरंग, सुरस, सुरूप, सुरोचि, सुलच्छ, सुवेश, सुवेष सुवेसउ, सुशोभन, सुष्ठ, सुष्ठु, सोहाया, सौम्य, सौम्यदर्शी, स्वच्छ, स्वरूपवान, स्वादु, हसीन, हृदयग्राही, हृदयवेधी, हृदयहारी। दे० 'सुहावना', 'अच्छा'।

४६४. सुहावना—भला, सुहटा, सुहाना, सुहाया, सुहाव, सुहावता, सुहावन, सुहावना, सुहावला, सुहेलरा, सुहेला। दे० 'सुंदर'।

४६५. कुरूप—अदर्शनीय, अनगढ, अनरूप, अपरूप, कदाकार, कुडौल, कुत्सितरूप, कुदर्शी, कुमुख, कुरूप, गंवार, गोबरगनेश, दर, धूल, बोदा, निरूप, बदशकल, बदसूरत, बिलोम, बिहंगम, बूचा, बेडौल, बेढग, बेढंगा, बेढब, बेतुका, बेहंगम, भदेस, भदेसिल, भोंडा, भद्दा, भोंदा, भौंडा, मुछंदर, विरूप।

४६६. रूढ़—कड़ा, कड़ेर, चरेर, चरेरा, चैलठ, दिनी, रूर।

विलोम—दे० 'कोमल'।

४६७. सुंदरता—आब, अनूठापन, अच्छापन, अनोखापन, अपूर्वता, अलबेलापन, कांति, खूबसूरती, चारुता, छवि, छबीलापन, दिव्यता, दीप्ति, धज, नफ़ासत, नमक, नुनाई, निकाई, भव्यता, मधुता, मधुरता, मधुराई, मधुरिमा, मधुरी, मनहरता, मनोहरता, माधुरिमा, माधुरी, माधुर्य, रती, रमणीयता, रौनक, रुचिरता, रुचिराई, रूपता, रूप, ललामता, ललामी, ललितता, ललिताई, लावण्य, लालित्य, लावनता, लुनाई, लोनाई, विभव, विभाति, शोभा, श्री, सुंदरताई, सुंदरत्व, सुकरता, सुघड़मुना, सुघड़पन, सुडौलता, सुडौलपन, सुरूपता, सुषमा, सौंदर्ज, सौंदर्य, सौभग, सौम्यता, सौष्ठव, हुस्न।

४६८. कुरूपता—अनरूपता, अरूपता, कदर्य, कदाकारिता, कुरूपपन, बदशक्ली, बदसूरती, बेतुकापन, भद्दापन, भोंडापन, विरूपता।

४६९. भाना—अच्छा लगना, जँचना, ठीक लगना, निक लगना, नीक लागना, प्रिय लगना, माना, रुचना, सुहाना, सुहाना लगना, सुहावना लगना,।

४७०. अखरना—अखरना, अच्छा न लगना, कष्टकर लगाना, कष्टकर होना,

करकना, कसकना, खलना, गड़ना, चुभना, टाँसना, गोल मारना, बुरा लगना, सालना।

४७१. पसंद—मनोनीत, रुचिर, रुच्य।

४७२. लुभाना—आसक्त करना, अनुरक्त करना, खींचना, जी ललचाना, मन ललचाना, मुग्ध करना, मोहना, मोहित करना, रिझाना, रिझाना, लट्टू करना, लुभाना, ललचाना, विमोहित करना, सम्मोहना।

४७३. अलंकृत—भूषित, मंडित, विभूषित, विभूषित, विमंडित, सजा, सजा धजा, सजा बजा।

४७४. सुशोभित—दिव्य, विभूषित, विमंडित, शोभित, सुशोभन, सशोभित।

४७५. अच्छा—अच्छा, अनिंद्य, उत्तम, उत्कृष्ट, उमदा, उम्दा, ठीक, बढ़िया, भला, मिट्ठ, शार्दूल, श्रेय, श्रेष्ठ, सरस, सर्वश्रेष्ठ, सर्वोत्तम।

४७६ बुरा—अवगुणी, कटु, खराब, गंदा, दुर्गुणयुक्त, दूषित, बिगड़ा, बेडौल, मकरूह, रद्दा। दे० 'कुरूप', 'बदमाश' 'बेइज्जत'।

४७७. अच्छाई—अच्छाई, अच्छापन, उत्तमता, उत्तमत्व, उत्कर्ष, उत्कर्षता, उत्कृष्टता, उम्दगी, बढ़ियापन, श्रेष्ठता। दे० 'सुंदरता'।

विलोम—दे० 'कुरूपता', 'बुराई'।

४७८. मंगलप्रद—आनंदकर, आनंदकारी, कल्याणकारी, कल्याणी, मंगलकारी, शुभ, शुभकर, शुभकारी, शुभप्रद।

४७९. मंगल—आनंद, कल्याण, कुशल, कुशलक्षेम, कुशलता, कुशलमंगल, कुशलाई, कुशलात, क्षेम, खैर, खैरियत, खैराफियत, भला, भलाई, शुभ।

४८०. अशुभ—अमंगल, अपशकुन, अशकुन, अशुभ, असगुन, दुश्शकुन, बुरा।

४८०. अ. साँवला—असित, करिया, काला, कृष्णवर्ण, कृष्णवर्णी, नील, नीला, पक्का रंग, पक्की रंगत का, मेचकवर्णी, श्याम, श्यामल, श्यामवर्ण, सँवराह, साँवर।

४८०. आ. गोरा—अवदात, गेहुँआ, गोर, गोराह, गौर, गोरांग, धवल, साफ।

४८१. काले मुँह वाला—करमुंहा, करमुहाँ, करिखमुहाँ, कलमुहाँ।

४८२. लाल मुँह वाला—बंदरमुहाँ, रतमुँहा, ललमुँहा।

४८३. एक मुखाकृत वाले—अनुहरिया, अनुहार, एकरूप, एकसा।

४८४. गंजा—खल्वाट, खोरहा, गंजी खोपड़ी, मुंडला।

४८५. जिसके सिर पर बाल न हो—मथमुंडा, मुंडा, मुंडला।

४८६ शिखावाला—चुंडित, चुंडावाला, चुटियावाला, चुटैयावाला, चुटैल।

४८७. जटाधारी—जटावाला, जटिल, झोंटइल, झोंटेवाला।

४८८. घुँघराला—उमेठवा, ऐंठदार, ऐंठनदार, कुंचित, कुटिल, घुघराला, घुमावदार, चक्करदार, छल्लेदार।

४८९. बड़ी मूँछ वाला—मुछंदर, मुछैल।

४९० बड़ी दाढ़ी वाला—दढ़ियल, दढ़ियल।

४९१. सुनयन—सुनैन, सुनैन, सुलोचन।

४९२. छोटी आँख वाला—चुंधा, चोंधला।

४९३. जिसकी कंजी आँख हो—कंजा, कैरा।

४९४. ऐंचाताना—अँइचाताना, कैंचा, भेंगा, सर्गपताली।

४९५. काना—एकअँखा, एकनयन, एकनेत्र, एकाक्ष, कनेठा, कनौड़ा, कागभुसुंडि, कर्ण, काण, कानड़ा, कानो।

४९६. अंधा—अंध, अंधक, अँधरा, अधा, अक्षहीन, अदृक्, अनक्ष, अनयन, अनेत्री, आँधर, आँधरा, चक्षुहीन, दिव्यचक्षु, धुन्दा, नेत्रविहीन, सूर, सूरदास।

४९७ अंधापन—अंधता, अंधापन।

४९८. मोटा—अंसल, अगड़बत्त, अछान, अतनु, अतिकाय, कट्टा, कुगड़ा, गठा, गठीला, ग्रंथिल, गुलगुथना, चाँगला, ठाढ़ा, डिंगर, तगड़ा, तुन्दिल, तैयार, थूला, दृढ़ांग, धतिंगड़, धींग, धींगड़, धींगड़ा, धींगरा, धौताल, पट्ठा, पाठा, पाढ़ा, पीन, पीवर, पुष्ट, पोढ़, पृथुलांग, बलवान्, बलिष्ट, बली, भकरा, भीम, भीमकाय, मोट, मांसल, मुस्टंडा, लहलहा, लहालह, लाल, सगीन, सडमुसंड, संडा, स्थूल, स्थूलकाय, हट्टाकट्टा, हेकड़। दे० 'दबीज़'।

४९९. दुबला—अरमक, अर्भक, कमज़ोर, किरकिरा, कृश, कृशकाय, कृशित, कृशांग, क्षाम, क्षीण, क्षीणकाय, छीन, झीना, ठठरी, ठठरी, डाँगर, तनु, दुब्बर, दुर्बल, तन्वंग, दुबरा, पतला, पतीला, पत्रवत, पातम्बर, शीर्ण, हीनांग। दे० 'सूक्ष्म' 'महीन'।

५००. मोटाई—अतिकायता, ग्रंथिलता, तगड़ापन, दृढ़ांगता, पीनता, पीवरता, पुष्टता, प्रौढ़ता, पृथुलांगता, भीमकायता, मोटापन, मुटाई, मांसलता, संडमुसंडी, स्थूलता।

५०१. दुबलापन—कृशता, क्षामता, क्षीणता, झीनापन, तनुता, तन्वंगता, दुर्बलता।

५०२ लटना—कमज़ोर होना, कुराना, दुर्बल होना, पतुड़ना, लट खाना, लटना, लाग़िर होना, सिकुड़ जाना, सूख जाना, हड़कना, हरकना।

५०३. सूक्ष्म—अणु, अनाक, अल्प, कन, कृश, क्षुल्लक, तनु, त्रुटि, थोड़ा, पतला, पातर, बारीक, रंच, रवक, लवलेश, श्लक्ष्ण, सूक्ष्म, स्तोक। दे० 'दुबला', 'महीन'।

५०४. स्थूल—मोट, मोटा। दे० 'मोटा', 'दबीज़'।

५०५. महीन—झाँझर, बारीक, झलमल, झिलमिल, झीला, मेंही।

५०६. दबीज़—गफ़, दलदल, भारी, मोटा।

५०७. घना—अविरल, अविरल, गझिन, गझिन, गफ़, गुंजान, घना, घनिष्ट, सघन।

५०८. विरल—कहींकहीं, कोंईंकोंई, छिटपुट, छिटफुट, जहाँतहाँ, पातर, परक-करक, फाँफर, विरल, बीरर, बीहर।

५०९. घनत्व—अविरलता, घनापन, सघनता, सघनाई।

५१०. बिरझाना—झुँझलाई, बोररवन ।

५११. हल्का—अगुरु, निगव, लघुक, हलब, हरुआ, हलका, हलुक, हलुका, हल्लुक ।

५१२. भारी—गंभीर, गँम्हिराह, गहु, गुरु, बोझ, बोझल, बोझिल, भीम, वजनदार. वजनी, स्थूल ।

५१३. हलकापन—अगुरुता, लघुता, लुघुकाई, हरुआई, हलकई, हलकाई, हलकापन, हलुकई ।

५१४. भारीपन—गभीरता, गहुपन, गरिमा, गरुआई, गरुनाई, गरुवाई, गुरुता, गुरुताई, गुरुत्व, गौरव, बोझ, वजन, स्थूलता ।

५१५ बड़े कान वाला—दीर्घकर्ण, लम्बकर्ण, बृहतकर्ण ।

५१६. बहिरा—अश्रुत, उच्चैःश्रवा. एड, कल्ल, बधिर, बहिर, बहिरा, श्रवणापटु ।

५१७ कनकटा—कनकटा, कानकटा, लघुकर्ण, बूचा, लघुकर्ण ।

५१८. नकटा—अनासिकी, नकटा, नाककटा, विगतनासिका ।

५१९. गूंगा—अनवाक्य. अवाक, औगा, गूँग, चुप्पा, मौन, मूक, वाग्रहित, वाग्हीन ।

५२०. गूंगापन—औगा, गूगापन, चुप, मूकता ।

५२१. तोतला—तुतरा. तुतराने वाला, तुतरौहा, तोतला ।

५२२. हकलाना—तुतराना, तुतलाना, तोतलाना, तातराना, अटकना, हकारना ।

५२३. बड़े दाँत वाला—कराल, दन्तुर, दंतुला, दंतुल ।

५२४. दाँत रहित—पोपला ।

५२५. पूर्ण अवस्था प्राप्त होने पर निकलने वाला अतिरिक्त दाँत—अक्लिदाद, बुद्धिदंत ।

५२६. जिसके आगे का दाँत टूटा हो—खोंडा, खोंडू ।

५२७. दीर्घबाहु—आजानुबाहु, दीर्घबाहु, प्रलम्बबाहु, महाबाहु ।

५२८. जिसका हाथ कटा हुआ या घूमा हो—टुण्टा, टुंडा, ठुंठ, ठूँट, ठूँठा, लुंज, लुंह, लूला, शोष, हथकट्टा ।

५२९. छोटी भुजा वाला—कुकर, ठूंठ, ठूँठा, ठूठा ।

५३०. जिसका कूबड़ निकला हो—कुबड़ा, कुबजा, कुबड़ा, कुबरा, कुबड़ाह, कुबड़ो, कुब्ज, कुब्जा, कुब्जो, कुब्बर, कूबर, गड्डुल ।

५३१. तोंदवाला—उन्नतोदर, तुन्दिल, तुन्दैल, तोंदल, तोंदवाला ।

५३२. लँगड़ा—अगमन, अपाय, अपग, अपाहिज, लज, खोरा, निपग, पंग, पगा, पंगु, पगुल, लङ्गड़. लङ्गड़ा लुंज, लूलालंगड़ा ।

५३३. लंगड़ापन—भचक, लंगड़ापन, लम ।

५३४. जिसके हाथ पाँव दोनों कटे हों—अगड, कबंध ।

५३५. टेढ़े मेढ़े अंगों का मनुष्य—अष्टावक्र ।

५३६. जिसका कोई अंग छोटा बड़ा या अधिक हो—पोगंड ।

५३७. भग मग वाला—भगमंगो, भोंद, भोंडा, भदक, होनाम ।

५३८. अपाहिज—अगभग, अपाहिज, खंग, निपंग, लुंज, लूलालँगड़ा।

५३६. अंगहीन—अंगहीन, हीनाग।

५४०. बिना देह का—अतनु, अदेह, अनग, अनंगी।

५४१. स्वच्छ—अमनियाँ, अमलिन, निर्मल, पवित्र, पावन, पूत, शुद्ध, साफ, सुथरा, स्वच्छी।

५४२. मैला—अस्वच्छ, कलुषित, गँदला, गंदा, गलीज़, गलीत, चिरकीन, चीकट, नापाक, पाशुल, मलयुक्त, मलिन, मलीन, मैला।

५४३. मलिन—अपवित्र, अपावन, अपुनीत, अपूत, अमेध्य, अशुचि, अस्वच्छ, कलुषी, कुचील, गलीज, गँदला, गदा, गलीत, चिरकीन, चीकट, मलयुक्त, मलीन। दे० 'मैला'।

५४४. स्वच्छता—निर्मलता, पवित्रता, पावनता, पूतता, सफ़ाई, सुथराई, सुथरापन, स्वच्छता।

५४५. मैलापन—अपवित्रता, अशुद्धता, अशुद्धि, कलुष, कलुषता, गंदगी, गंदापन, गलाज़त, मलिनता, मलिनाई, मालिन्य, मलीनता।

५४६. मैल—मल, गदगी। दे० 'मैलापन'।

५४७ स्वच्छ करना—सँगारना, सँवारना, चमकाना, धोना, फींचना, माँजना, सफ़ाई करना, साफ करना।

५४८. गदा करना—अशुद्ध करना, खराब करना, नापाक करना, भरभ्रष्ट करना, भ्रष्ट करना, मैला करना।

५४६. घँघोरना—घघोरना, घिघोरना, डाबर करना, निमज्जना, मथना, लहराना, हलकोरना, हिलाना, हिलोरना। दे० 'गंदा करना'।

५५०. धोना—कचारना, धोना, धोवना, पखारना, पछारना, प्रक्षालन करना, प्रक्षालित करना, फींचना, साफ करना, साबुन लगाना।

५५१. धुलाना—धुलवाना, धुलाना, धुवाना, धोआना।

५५२. झाड़ना—एंछना, झटकारना, झाड़ना, झाड़ बुहार करना, झाड़ू देना, झाड़ू बुहारू देना, झारना, झारनाबुहारना, पोंछना, फटकारना, बटोरना, बहारना, बुहारना, रगड़ना, सफाई करना, साफ करना, स्वच्छ करना।

५५३. झाड़न—कूँचा, गमछा, झाड़ू, झारन, टुकड़ा, बढ़नी, बुहारी।

५५४. पछोरना—छाजना, पछोड़ना, पिछोरना, फटकना, साफ़ करना।

५५५. निवासी—अधिवासी, निवासी, बसेरा, बसेरू, बाशिदा, बाशिंदा, वासी।

५५६. जंगली—जागल, वनज, बनैला, वन्य, वनज, वन्य।

५५७. बनवासी—जगली,जागल, बनखंडी, बनचर, बनचारी, बनैला, बनखंडी, वनचर, वनचारी, वनवासी, बनैला, विपिन विहारी।

५५८. ग्रामवासी—गवँइहा, गँवार, ग्रामवासी, ग्रामस्थ, ग्रामीण, ग्रामेय, ग्राम्य, देहाती।

५५६. गँवार—गँवारू, ग्रामीण, ग्राम्य।

५६०. गँवारपन—गँवरपन, गँवारपना, गँवारी, देहातीपन, बेवकूफ़ी, मूर्खता।

५६१. पुरवासी—नगरवासी, नागरिक, पुरवासी, पौर, प्रज, प्रजन, शहरी।

५६२. नगरवासी—नगरहा, नगरवासी, नगरी, नागरिक, पुरवासी, शहरी, शह-राती।

५६३. नागरिकता—नगराई, नागरिकता, शहरातीपन।

५६४. गहरा—अगम, अगम्य, अगाध, अगाह, अतलस्पर्शी, अथाह, ओंडा, औंडा, औंडी, घई, गंभीर, गम्हीर, गहन, गहरा, गहिर, प्रगाढ़।

५६५. छिछला—उतरॉव, उतार, उथला, ओथरा, छिछल।

५६६ गहरापन—अथाहता, गंभीरता, गहराई, गहरापन, गहराव।

५६७. छिछलापन—उथलापन।

५६८. उजाड़—ऊजड़, खँडहर, खड़हर, तबाह, नष्ट, बर्बाद, वीरान, विनष्ट, वीरान, सुनसान, सूखा।

५६९. हरा भरा—अच्छा, खुशरंग, खुश-हाल, गुलज़ार, पुररौनक़, बसा, भला, मनभावन, मनोरम, मनोरस, लहलहाता, सरसब्ज़।

५७० उजड़ना—उखड़ना, उजरना, उजाड़ होना, उल्लू बोलना, गीदड़ बोलना, धूल उड़ना, धूल में मिलना, नष्ट होना, वीरान होना, नष्ट-भ्रष्ट होना, बर्बाद होना, बिलटना, विनष्ट होना, विनाश होना, सियार बोलना।

५७१. सँकरा—कमपैला, कस, तंग, पतला, पातर, सकट, संकीर्ण संकुल, संकुचित, सँकेत, साँकर।

५७२. संकोच—तंगी, पतराई, सँकरापन, सिकुड़ाव, संकीर्णता।

५७३. विस्तृत—आयत, खुशफ़ैल, दीरघ, दीर्घ, फ़ैलाँव, फैलाव, लंबाचौड़ा, विस्तारयुक्त, विस्तीर्ण, सुविस्तृत।

५७४. विस्तार—अर्ज़, चौड़ाई, चौड़ान, चौड़ापन, प्रसार, फैलाव, लवान, लबान, विस्तीर्णता, लवान चौड़ान।

५७५. ऊँचा-नीचा—अमिल, असम, ऊँचखाल, ऊबर, ऊबड़, उबड़-खाबड़; खाबड़, नाबराबर, बीहड़, रुक्ष।

५७६. वह स्थान जहाँ कोई न जा सके —अगम, अगमनीय, अगम्य, अवघट, औघट, गहन, दुर्गम, दुर्गम्य।

५७६. अ. वह स्थान जहाँ सब जा सके —गम, गमनीय, गम्य, सुगम।

५७७. समतल—चिकना, चिक्कन, चौरस, बराबर, सपाट, सुचिक्कण, हमवार।

५७८ समतल करना—करोनना, करोदना, करोना, कुरेदना, कुरेलना, खरोंचना, खुरचना, छाँटना, छीलना, छीलना बराबर करना, हमवार करना, सम करना, साफ़ करना।

५७९. चिकना—चिक्कण, चिक्कन, पिच्छिल, मसृण, मुलायम, सरकाऊँ, सनेह, सस्नेह, स्निग्ध।

५८०. खुरखुरा—असमतल, कर्कर, कर्कश, खरखरा, खुरखुरा, खुरदरा, खुरखुरा, खरेरा, नाबराबर, नाहमवार।

५८१. चिकनाहट—चिकनई, चिक्कणता, मसृणता, मुलायमियत, स्निग्धता।

५८२ खुरखुरापन—कर्कशता, खरखरापन, खुरखुराहट, खुरदरापन, नाहमवारी।

५८३. अंडाकार—अंडकार, अंडाकृत, बादामी, बैजावी, शिवाकार, शिवलिंगाकार।

५८४. गोल—कुंडलाकार, गोला, गोलाकार, मंडलाकार, वर्तुल, वर्तुलाकर, वृत्त, वृत्ताकर।

५८५. गोलाई—गोलम्बर, गोलापन, दायरा, मडल, वृत्ताकारता।

५८६. तिकोना—तिकोन, तिकोनिया, तिनकोना, त्रिकोण।

५८७. चौकोर—चउकोर, चौकोना, चौखूँटा, चौखुण्टा, चौखूटा।

५८८. ध्वनि—अवाज, आरव, आवाज़, कूज, घोष, घोषणा, धुनि, नाद, निनाद, निर्घोष, रव, राव, निनाद, निर्हाद, बोली, वाक्य, वाणी, वाचा, शब्द, स्वप्न, सबद, स्वर।

५८९. शोर—ऐल, करकर, कर्रा, कलकल, कलरव, काँयकाँय, काँवकाँव, कोलाहल, गुल, गुलगपाड़ा, चिलाहट, चिल्लपों, चिल्लाहट, दंगा, रोर, रोला, रौला, शोर, शोरगुल, हंगामा, हुड़िठका, हल्ला, हुल्लड़, हुल्ला, हाहल्ला।

५९०. चिल्लाना—अनलाना, अल्लाना, कर्रा करना, कोलाहल करना, गुलगपाड़ा करना, चिचियाना, चिल्लाना, चीकना, चीखना, नरियाना, बाप बाप करना, शोर करना, चिचियाना, रोना, शोर मचाना, हल्ला करना, हुल्ला मचाना।

५९१. ललकारना—उभाड़ना, चुनौती देना, चैलेन्ज करना, ताल देना, ललकारना, हकड़ना, हकरना, हकारना, हुँकारना, होंकड़ना।

५९२. चिल्लाहट—चिल्लपों, चिल्लाहट, चीख़, चीत्कार, हो हल्ला। दे० 'शोर'।

५९३. ललकार—चुनौती, चैलेंज, हुँकार, होंकड़ना।

५९४. चीख़ना—चिंघाड़ना, चिकरना, चिकारना, चिग्घारना, चिल्लाना, चिचिकना, चीख़ना, चीत्कार करना।

५९५. चिग्घाड़—कूह, चिंघाड़, चिकार, चिक्कार, चिग्घाड़।

५९६. चिंघाड़ना—किकियाना, चिंघाड़ना, चिकरना, चिकारना, चिग्घाड़ना, चिल्लाना चीखना, रेंकना।

५९७. दहाड़—गरज, गर्जन, दाड़, धाड़।

५९८. दहाड़ना—गड़गड़ाना, गरजना, गर्जना, गर्जन करना, गाजना, घड़घड़ाना, चिग्घाड़ना, दहाड़ मारना, धाड़ना।

५९९. पुकार—आवाज़, आवाहन, गोहार, टेर, बुलाहट, रट, हाँक।

६००. पुकारना—आवाज़ लगाना, आह्वान करना, गोहराना, चिल्ला कर कहना, टेरना, डाँक डाँक करना, डाँकना, पुकारना, बुलाना, रटना, हांक मारना, हाँक लगाना।

६०१. सुनना—कर्ण कुहर में रखना, कर्ण गोचर करना, कान देना, ध्यान देना, श्रवण करना।

६०२. मुनादी—घोषणा, ढिंढोरा, डुग्गी।

६०३. स्तब्ध—अकबक, अवाक, ठक, निस्तब्ध, नीरव, भौचक्का, शांत, सन्न, सन्न, स्तब्ध, हक्काबक्का।

६०४. सन्न हो जाना—अकबकाना, अवाक् होना, आश्चर्यचकित होना, आश्चर्य में पड़ना, कर्त्तव्य विमूढ़ होना,

काठ मार जाना, किंकर्तव्य विमूढ़ होना, चकित होना, ठक होना, ताज्जुब में पड़ना, भकुआना, भुलाना, सन्न होना, स्तंभित होना, स्थकित होना, हक्का बक्का होना।
दे० 'चकराना'।

६०५. स्तब्धता—निस्तब्धता, नीरवता, शांति, सन्नाटा।

६०६. स्तंभित—अवाक, उद्भ्रांत, चकित, चुप, ठक, थंभित, निश्चल, निस्तब्ध, भौचक, भौचक्क, भौचक्का, भ्रमित, विस्मित, सुन्न, स्तंभित।

६०७. चुप्पा—अनबोलता, अभाषी, अवक्ता, कमबोलता, गुम्मा, घुन्ना, तूष्णीक, तूष्णीभूत, नीरव, मौनयुक्त, मौनव्रती, मौनी।

६०८. खामोश—अवाक, खमोश, चुप, चुपका, चुपचाप, तुष्णी, मौन।

६०९. खामोशी—अवाकता, खामोशी, चुप्पी, तूष्णी, नीरवता, मौन।

६१०. वाग्मी—कहता, कहुवा, गप्पी, बक्तकड़, बोलता, भाषणपटु, वक्ता, वाकचतुर, वाग्पटु, वागीश, वाग्मी, हाँकनेवाला।
दे० 'बकवादी'।

६११. बकवाद—अकबक, कचकच, किचकिच, किटकिट, गप, गपड़चौथ, गालगूल, पें पें, प्रलाप, बकबक, बकवास।
दे० 'विवाद'।

६१२. बकवादी—बकवासी, बक्की, वाचाल।
दे० 'वाग्मी'।

६१३. बकना—अंडबंड करना, अकबक करना, ऊटपटांग कहना, बड़बड़ाना, प्रलाप करना, बकझक करना, बकना, बकबक करना, बकवाद करना, बड़बड़ करना, बड़बड़ाना, बर्राना।

६१४. कथन—उक्ति, कथनी, कथा, कहन, कहनउत, कहनाउत, कहनावत, कहा, कहावत, जबान, बात, बानी, बचन, शब्द, सबद।

६१५. कथित—उक्त, कहा हुआ, वर्णित।

६१६. वर्णन करना—कथन करना, कथना, कहना, चित्र खींचना, चित्र देना, चित्र रखना, चित्रित करना, नकशा खींचना, नकशा देना, निवेदन करना, बतराना, बतलाना, बयान करना, बयान देना, बरनना, बोलना, रंगना, रंजित करना, वर्णन करना, विवरण देना, समझाना।

६१७. वर्णनीय—कथ, कथनीय, कथ्य, कह्य, वचनीय, वर्ण्य।

६१८. अवर्णनीय—अकथ, अकथनीय, अकथ्य, अकह, अकहुवा, अनिर्वचनीय।

६१९. उपर्युक्त—उपरोक्त, पूर्वोक्त।

६२०. निम्नोक्त—निम्नकथित।

६२१. बात—कथा, चर्चा, ज़िक्र, प्रसंग, बचन, बाचा, बातचीत, बार्ता, बोली, बाणी, वार्ता। दे० 'बकवाद'।

६२२. पालना (प्रण या बात)—ख्याल करना, निबाहना, निर्वाह करना, पालन करना, पालना, प्रतिपालन करना, रक्षा करना।

६२३. बातचीत करना—प्रलाप करना, बतराना, बतलाना, बतियाना, बात करना, बोलना, संभाषण, सलाप करना, वार्तालाप करना।

६२४. कानाफूसी—कनफुसकी, कानाकानी, काना फुसकी, कानाफूसी, कानाबाती, सांय फुस।

विशेष—'करना' जोड़कर इसकी क्रियाएँ बना सकते हैं।

६२५. अनाप-शनाप—अंड-बंड, अनाप-शनाप, अल्लम-गल्लम, आयँ बायँ, ऊट-पटाँग, गपशप, गप, गप्प।

६२६. गपना—गपड़चौथ करना, गपना, गप मारना, गप हाँकना, गप्प मारना, गप्प हाँकना, प्रलाप करना, बकवाद करना।

६२७. तकिया कलाम—तकिया कलाम, सकुन तकिया, सखुन तकिया, सुखन तकिया।

६२८. हँसी—विहसन, हँसन, हँसनि, हँसाई, हँसाय, हाँस, हाँसी, ह, हास, हास्य।

६२९. जोर की हँसी—अट्टहास, क़हक़हा, खक्खा।

६३०. हँसना—क़हक़हाना, क़हक़हा मारना, क़हक़हा लगाना, खिलखिलाना, ठठाकर हँसना, ठठ्ठा मारना, ठहाका मारना, बत्तीसी दिखाना, विहँसना, हँसना, हास करना।

६३१. मुसकराहट—मुसकानि, मुसकनिया, मुसक्यान, मुसकुराहट, मुसकान, मुस्कान, मुस्क्यान, मुस्की, स्मिति।

६३२. मुसकराना—बिहुराना, बिहँसना, मुसकराना, मुसकाना, मुसकुराना, मुस-क्याना, मुस्की लेना, उस्मित होना, हँसना।

६३३. मधुर मुस्कान वाला—चारुहासी, सुहास, सुहासी।

६३४. जिससे बात करना उचित हो—संभाष्य।

६३५. संभाषी—अलापी, आलापी, बोलने वाला, वक्ता, वाग्मी, संभाषी, बकवादी।

दे० 'वाग्मी'।

६३६. प्रियभाषी—प्रियवादी, मधुरभाषी, मिष्ठभाषी।

६३७. व्यंग्य—आक्षेप वाक्य, अवाजा, आवाज़, चुटकी, ताना, तानाज़नी, बिरह, बोलीठोली, व्यंग, मीठी चुटकी।

६३८. व्यंग्य करना—अवाज कसना, आवाजा कसना, तानाज़नी करना, ताना मारना, बिरह बोलना, बोली बोलना, बोली ठोली कहना, व्यंग कसना, व्यंग्य कसना, व्यंग्य कहना।

६३९. फटकार—खरी खोटी, डाँट, डाँट-डपट, ताड़न, ताड़ना, फिटकार।

६४०. फटकारना—खोटी खरी सुनाना, घुड़काना, डपटना, डाँटना, तर्जना, ताड़ना, दपटना, दपेटना, फटकारना।

दे० 'धिक्कारना'।

६४१. गाली—गंदी ज़बान, अपशब्द, गारी, गाली-गलौज, गाली-गुफ़्ता, दुर्वचन, बद-ज़बान।

६४२. गाली देना—अपशब्द कहना, गंदी ज़बान निकालना, गरियाना, ज़बान बिगाड़ना, बदज़बान कहना।

६४३. विवाद—कलह, झगड़ा, झगरा, टंटा, तकरार, विवाद, हुज्जत।

दे० 'बकवाद'।

६४४. आहट—आवाज़, आहट, खटक, धमक।

६४५. झंकार—झंकार, झनकार, झनझना-हट, झनाझन, झन्नाहट।

६४६. कोयल की बोली—कुहू, कूक, कूकना।

६४७. कूँजना—कूँजन करना, कुहकना, कुहुकना, कूकना, कूजना, गाना, चहकना, चहचहाना, पाकना, सराव करना।

६४८. कूँज—कुंजन, कुह, कुहुक, कुहू, कूक, चहक, सराव।

६४९. चहकना—उकना, किलकिलाना, खिल-उठना, खिलखिलाना, खुश होना, चहकना, चहचहाना, चुलबुलाना, प्रसन्न होना, शोभित होना, हरा होना, हर्षित होना।

६५०. पाद—अपान वायु, गोज़, हवा।

६५१. पादना—अपान वायु छोड़ना, गुदा-स्थ वायु छोड़ना, गोज़करना, पाद छोड़ना, पादना, हवा खोलना, हवा छोड़ना।

६५२. काम—करतब, करतूत, करनी, करम, कर्तव्य, कर्म, काज, काम, कारज, कार्य, कृति, कृत्य, धंधा, रोज़गार, रोज़ी।

६५३ कारण—कारन, तत्र, निमित्त, प्रत्यय, वजह, सबब, हेतु।

६५४. करना—अंजाम देना, कर डालना, कर देना, कर लेना, निबटना, भुगताना, संपादना, संपादित करना, साधना।

६५५. सिद्ध होना (कार्य आदि)—खतम होना, ठीक होना, पूर्ण होना, पूरा होना, बनना, सधना, सफल होना, समाप्त होना. सिझना, सिद्ध होना, हो जाना, होना।

६५६. सिराना (काम आदि)—अच्छा बनना, बन पड़ना, होना, शक्य होना, हो सकना।

६५७. सुकर—आसान, सरल, साधारण, सीधा।

६५८. दुष्कर—अगम, कठिन, क्लिष्ट, चंड, दुष्कर, दुःसाध्य, पेचीदा, मुश्किल, विकट, विकराल।

६५९. करने वाला—कर्मचारी, कर्मठ, कर्मिष्ठ, कर्मी, कामकाजी, कार्यकर्त्ता।

६६०. कामचोर—अकर्मण्य, अकर्त्ता, अलहदी, आलसी, कूर, कामचोर, निकम्मा, निकामी, निठल्लू, बेकामी।

६६१. कर्तव्य—करणीय, कर्म्य, कार्य।

६६२. अकर्तव्य—अकर्त्तव्य, अकर्म, अकर्म्य, अकार्य।

६६३. किया हुआ—किया, कृत।

६६४. आना—आगमन करना, आमद करना, उपस्थित होना, चक्कर मारना, दर्शन देना, पदार्पण करना, पधारना, प्रवेश करना, समक्ष आना, हाज़िर होना।

६६५ जाना—आगे बढ़ना, कढ़ना, गमन करना, घुसकना, चलना, चलायमान होना, निकलना, निकसना, पदार्पण करना, पधारना, प्रस्थान करना, बढ़ना, विचलित होना, सरकना, स्थगित होना, हटना।

६६६. आना—अवाई, आगमन, आमद, आवन।

६६७. प्रस्थान—गमन, चलचलाव, चला-चल, चलाचली, जात्रा, जाना, यात्रा, रुखसती, बिदाई।

६६८. अगवानी—अगमानी, अगवाई, अगवानी, अभ्यर्थना, पेशवाई, स्वागत।

६६९. अगवानी करना—आगे बढ़कर लेना, इस्तकबाल करना, पेशवाई करना, स्वागत करना।

६७०. टालना—सरकाना, खिसकाना,

छिगाना, दूर करना, भगाना, सरकाना, हटाना।

६७१. अग्रसर होना—अगुआना, अगुवाना, अगुसरना, अग्रसर होना, आगे बढ़ना, उन्नति करना, डाँकना, तरक्की करना, बढ़ना।

६७२. दौड़ना—गतिमान होना, दौड़ना, दौड़ मारना, दौड़ लगाना, दौरना, धउरना, धावना, नौ दो ग्यारह होना, नाचना, पराना, प्रधावित होना, भगना, भजना, भागना, भाजना, वेगवान होना, सवेग चलना।

६७३. दौड़—दउर, दौड़ाहट, भगाई, रेस।

६७४. दौड़ाना—खदेरना, खदेरना, दउड़ाना, दौराना, पोंकियाना, पीछियाना, पीछा करना, बहलाना, भगाना, लखेदना।

६७५. लौटना—घूम जाना, उलटना, घूमना, घूम पड़ना, परावर्तन करना, पलटना, फिरना, बहुरना, मुड़ना, लौटना, वापस आना, वापिस आना।

६७६. चलना—आगे बढ़ना, काफ़ूर होना, खसकना, खिसकना, धिसकना, घुसुकना, चंपत होना, चलना, टरकना, टलना, टसकना, डिगना, नौ दो ग्यारह होना, बिचलना, बिछलना, भगना, माग जाना, भागना, रफूचक्कर होना, रेंगना, सरकना, हटना।

६७७. क़दम—डग, पग, पगरा, पाँव, फाल।

६७८. चल—अदृढ़, चंचल, चलता-फिरता, चलायमान, जंगम।

६७९. अचल—अचर, अचला, अटल, अविचल, जड़, थंभित, दृढ़, निश्चल, निश्चेष्ट, सुस्थ, सुस्थिर, स्थंभित, स्थायी, स्थावर, स्थिर।

६८०. गति—कँपकँपी, कंपन, काँपना, गति, चाल, थरथराहट, हरकत, हिलना।

६८१. चौकड़ी—उछलकूद, उछाल, कुलाँच, कुछोल, कूदफाँद, छलाँग, फाँद।

६८२. उछालना—उछलाना, नँघाना, फँदाना, लँघाना।

६८३. उछलना—कुदकना, कुदान लेना, उछाल मारना, कूदना, डाँकना, नघना, नाघना, फाँदना, फुदकना, लाँघना।

६८४. उचकना—उकसना, उफकना, उठना, उभकना, उमड़ना, ऊपर आना, कूदना, चढ़ना, तनना।

दे० 'उछलना'।

६८५. फरकना—अधिक होना, इधर उधर होना, उछल कूद करना, चमकना, छुटकना, छिटकना, बिरकना, फड़कना, फरकना, फुदकना।

६८६. लाँघना—उतरना, ऊपर से जाना, उल्लंघन करना, छलाँग मारना, डाकना, नाँघना, पार करना, फलाँग मारना, फाँदना, लंघन करना।

६८७. घूमना—अटन, घुमक्कड़, घुमाई, पर्यटन, भर्मन, भ्रमण, मटरगश्ती, यात्रा, व्रज्या, सफ़र।

६८८. घूमना—अटना, अटन करना, घूमना, घूमना फिरना, चलना फिरना, पर्यट करना, भँवना, भरमना, भ्रमण करना, भ्रमना, यात्रा करना, सफ़र करना।

६८९. ठहरना—अवस्थित होना, थमना, टिकना, ठिकना, डेरा डालना, डेरा देना,

न आना, न जाना, निबसना, बसना, रहना, रुकना, स्थिर होना, होना।

६६०. ठिकाना—ठेकाना, ठेकान, बसेरा, रहब, रहाइस, रहाव।

६६१. ठहराना—घर देना, जमाना, टिकाना, ठहराना, ठिकाना देना, डेरा देना, बसाना, रहाइस कराना, रहाना।

६६२. ठहराव—जगह, ठाँव, ठिकान, डेरा।

६६३. यात्री—अध्वग, अध्वनीन, अध्वन्य, गन्तु, जात्री, पंथी, पथक, पथिक, पथी, पाथ, पाथिल, पान्थ, बटोही, मार्गी, यात्रिक, राही।

६६४. चक्कर लगाना—कावा काटना, घूमना, घोरियाना, चकफेरी देना, चक्कर मारना, चक्कर लगाना, दौड़धूप करना, फेरी देना, भँवना, भ्रमना, भ्रमित होना, मँडराना।

६६५. भटकना—गुमराह होना, बहक जाना, बहकना, भटकना, भरमना, भूलना, राह भूलना। दे० 'भूलना'।

६६६. भटकैया—भटकने वाला, भटकैया, भ्रमी।

६६८. फिसलन—फिसलाहट, ब्रिछिलन, रपट, रपटन, रपट्टा।

६६६. फिसलना—गिरना, गिर पड़ना, पड़ना, पिछुलना, बिछुलना, बिछुलाना, बिछिलाना, रपटना, सकिलना, सरकना।

७००. भहराना—भरराना, भरराना, भर्राना, भहरा पड़ना।

७०१. लुढ़कना—भड़ कना, अलुढ़ि पड़ना, ढ़लुकना, गिरना, ठोकर खाना, ढंगिलाना, ढुलकना।

७०२. लुढ़काना—गिराना, ठुकराना, ढँगिलाना, ढुलकाना, ढुलाना, ढोलना, फेंकना, लढ़काना, लुढ़ाना।

७०३. ठोकर—आघात, ठसुक, चोट, टक्कर, ठक्कर, ठेस, धक्का।

७०४. धकियाना—ठेलना, ढकेलना, धकियाना, धकेलना, धक्कम-धुक्का करना, धक्का देना।

७०५. गर्दनियाँ देना—अर्धचंद्र देना।

७०६. टकराना—अड़ना, चोट खाना, टक्कर खाना, टक्कर मारना, ठक्कर मारना, ठोकर खाना, ठोकर लेना, धक्का खाना, भिड़ना।

७०७. लड़खड़ाना—अड़बड़ाना, अरबराना, झोंका खाना, डगडगाना, डगडोलना, डगना, डगमगाना, डिगना, लटपटाना, लरखराना, विचलना, विचलित होना, हिलना।

७०८. गिरना—अवनति होना, आ पड़ना, गिरना, तनज्जुली करना, पड़ना, परना, पतन होना, पतित होना, पात होना, लुढ़कना।

७०६. चढ़ाई—उद्गमन, उत्थान, आरोहण, चढ़ना, प्रारोहण, रोहण, रोहना।

७१०. चढ़ना—अरोहना, आरोहण करना, ऊपर जाना, चढ़ना।

७११. चढ़नेवाला—उद्गमक, आरोही, रोहक, रोही।

७१२. हाँफना—उलटी साँस लेना, तेज साँस लेना, हँफराना, हाँपना, हाँफना, हाँव हाँय करना, हौंकना।

७१३. श्वाँस—उच्छ्वास, उसास, दम, पवन, श्वास, श्वासा, साँस, हँफरी।

७१४. झकोर—आंदोलन, कंपन, गति, झकझोर, डोलना, हरकत, हिलाई, हिलोर।

७१५. झकोरना—कँपाना, कंपित करना, चलाना, झुलाना, झोरना, डुलाना, हरकत करना, हिलाना, हिलोड़ना, हिलोरना।

७१६. झूमना—कंपित होना, काँपना, झूमना, झोंके खाना, डोलना, लहराना, हिलना।

७१७. हाँकना—आगे बढ़ाना, चलाना, बढ़ाना, रेंगाना।

७१८. टपकना—गिरना, चूना, टपटप गिरना, टपकना, निचुरना, रसना।

७१९. टपकाना—गिराना, चुआना, टपका देना, टुपकाना, निचोलना, रसाना।

७२०. बोझना (नाव गाड़ी आदि)—डालना, भरना, भार डालना, लादना।

७२०. अ. बोझ—भार, वज़न।

७२१. उतारना—खलियाना, खाली करना, नीचे लाना, बोझ उतारना, हलका करना।

७२२. नजर—आँख, डीठ, दिष्टि, दिस्टि, द्रिस्टि, दीठ, दीदा, दृष्टि, नजरि, नज़ारा, निगह, निगाह।

७२३. देखना—अवलोकना, अवलोकन, करना, घूरना, चितवना, चिताना, जोवना, जोहना, झाँकना, तकना, ताकना, तिकवना, दर्शन करना, दृष्टिगत करना, दृष्टिगोचर करना, दृष्टि फेरना, नज़रना, नज़राना, निरखना, निरीक्षण करना, निहारना, पेखना, प्रत्यक्ष करना, बिलोकना, लखना, हेरना।

७२४. दिखाई देना—दर्शन होना, दिखना, दिखाई पड़ना, दिसना, दीखना, दीसना, दृष्टिगत होना, दृष्टिगोचर होना, सौंकना।

७२५. दिखाना—चितवाना, जँचवाना, दर्शन कराना, दिखराना, दिखरावना, दिखलाना, दृष्टिगोचर कराना, देखराना, देखरावना, देखलाना, देखाना, देखावना, निरीक्षण कराना, परीक्षा कराना, लखाना, हेराना।

७२६. एकटक देखना—अनिमेष देखना, अपलक देखना, एकटक देखना, टकटकाना, टकटकी बाँधना।

७२७. दूरदर्शी—अग्रशोची, परिणामदर्शी, दूरंदेश, दूरदर्शक, दूरदर्शी।

७२८. दूरदर्शिता—अग्रशोचिता, दूरंदेशी, परिणाम दृष्टि।

७३९. दृश्य—चित्र, तमाशा, दृश्य, नजारा, नज्जारा, सीन।

७३०. अदृश्य—अंतर्धान, अगोचर, अदीठ, अदृष्ट, अदृश्य, अलख, गायब, लुप्त, विलीन।

७३१. नुमाइश—प्रदर्शनी, नुमायश।

७३२. देखादेखी—दिखादिखी, दिठादिठी, देखभाल, साक्षात्कार।

७३३. दर्शन—अवलोकन, ईक्षण, झाँक, झाँकी, दर्श, देखना, देखा-देखी, भेंट, साक्षात्कार।

७३४. दर्शक—तमाशबीन, दर्शी, दिखहार, दिखैया, द्रष्टा, देखनेवाला, देखनहारा, देखवैया, प्रदर्शक, श्रोता, सभा।

७३५. दिखाया हुआ—दर्शित, प्रदर्शित।

७३६. दिखाऊ—ऊपरी, दिखाऊ, दिखावटी, दिखौआ, देखाऊ, बतबनाऊ, बनावटी।

७३७. दिखलाई—दिखलवाई।

७३८ चुभना—कोंचाना, खगना, गड़ना, गुदना, घुसना, चुभना, छिदना, धँसना, पैठना, बिंधना, भीतर जाना।

७३९. चुभाना—कोंचना, कोचना, खोंसना, गड़ाना, गुफाना, गुभाना, गोदना, गोभना, घुसेड़ना, घुसेरना, चुभाना, छेदना, चुभोना, चोभना, धँसाना, धसाना, पार करना, बिल करना, बोधना, बेधना, भेदना, भोंकना, रंध्र करना, रंध्रित करना। दे० 'घुसाना'।

७४०. घुसना—अंदर आना, अंदर जाना, गड़ना, घुसड़ना, घुसुड़ना, घुसुरना, चुभना, दाखिल होना, धँसना, पइसना, पैठना, प्रविष्ट होना, प्रवेश करना, प्रवेश पाना, भितराना, भीतर जाना, समाना, हिलना, हेलना।

७४१. घुसाना—अतर्गत करना, अंदर करना, गड़ाना, घुसुराना, घुसेड़ना, चुभाना, छोड़ना, ठेलना, दाखिल करना, धँसाना, नाना, नावना, पेलना, पैठाना, पैसाना, प्रविष्ट कराना, प्रवेश कराना, भीतर घुसेड़ना, हलाना। दे० 'चुभाना'।

७४२. प्रवेश—गति, घुस, दखल, पहुँच, पैठ, प्रवेश, रसाई।

७४३. प्रविष्ट—अंतरस्थ, घुसा, दाखिल, धँसा, पैठा, पैठा हुआ, हला।

७४४. पलाना—दूर जाना, दौड़ना, पराना, पलायन, करना, भगना, भागना, हटना।

७४५. पलायक—भगुवा, भगोड़ा, भगौहा, भग्गुल, भग्गू।

७४६. निकलना—अलग होना, कढ़ना, निर्गत होना, निष्कासित होना, बहिर्गत होना, बहिष्कृत होना, बाहर आना, भगना।

७४७. निकालना—अलग करना, काढ़ना, खदेड़ना, खदेरना, छाँटना, छोड़ना, दुरदुराना, निर्गत करना, निष्काशन करना, निष्काशित करना, निसृत करना, बर्खास्त करना, बहिर्गत करना, बहिष्कृत करना, बाहर करना, भगाना, हटाना।

७४८. निकाला—अलग किया, काढ़ा, निर्गत, निष्कासित, बहिर्गत, बहिष्कृत, भगाया, हटाया।

७४९. उठना—उठना, उत्थित होना, उत्थान करना, उन्नति करना, खड़ा होना, ठढ़ा होना, ठाढ़ होना।

७५०. बैठना—आसन ग्रहण करना, आसन जमाना, आसन लेना, उपविष्ट होना, उपवेशन करना, तशरीफ रखना, बिराजना, बैठना, स्थान लेना।

७५१. थकना—आक्रांत होना, ढील होना, ढीला पड़ना क्लांत होना, थकना, शिथिलाना, शिथिल होना, शिहराना, हारना।

७५२. थकावट—अवसाद, क्लांति, खेद, थकान, थकावट, थकाहट, माँदगी, शिथिलता, श्रांति, सिहरन, हार।

७५३. थका—आक्रांत, क्लांत, खेदित, चकनाचूर, ढील, थका, थकामादा, थकित, थकौहा, पस्त, परिश्रांत, लस्त, लस्त-पस्त, शिथिल, श्रमित, श्रमी, श्रांत, सिहराया, हारा।

७५४. **अलसाना**—अरसाना, आलस होना, आलस्य करना, उनींदा होना, ऊँघना, झपकना, तंद्रित होना, निद्रित होना, प्रमत्त होना, मंद होना, सुस्त होना, सुस्ती करना ।

७५५. **ऊँघना**—अलसाना, औंघना, औंघाना, झपकना, झपकी लेना, झेंपना, तंद्रित होना, निद्रित होना, पलक मारना, लटकना, सुस्त पड़ना ।

७५६. **जँभाई**—जमुआई, जुम्भाई, जृम्भ, जृम्भा ।

७५७. **झपकी**—औंघाई, ऊँघ, ऊँघन, झाँप ।

७५८. **नींद**—आलस, उँघाई, औंघाई, झपकी, निंद, निंदास, निंदिया, निद्रा, सुप्ति ।

७५९. **निद्रित**—निद्रायमान, प्रसुप्त, सुप्त, सुषुप्त ।

७६०. **निद्रालु**—उनींदा, ऊँघता हुआ, झेंपित, निंदासा, निद्राग्रस्त ।

७६१. **सोना**—आँख लगना, खर्राटे भरना, खुर्राटे लेना, निद्रा लेना, निद्रित होना, नींद में होना, नींद लेना, पौढ़ना, शयन करना, सयन करना, सोना, सोवना । दे० 'विश्राम करना' ।

७६२. **बेखबर सोना**—खर्राटा भरना, खर्राटा मारना, खर्राटा लेना, बेखबर सोना ।

७६३. **सुलाना**—पौढ़ाना, शयन कराना, सोवाना, स्वाना ।

७६४. **आराम**—राहत, विश्राम, विराम, शयन, सुख ।

७६५. **आराम करना**—आँख मारना, दरकना, थकावट दूर करना, नींद लेना, पीठ लगाना, पौढ़ना, लेटना, लोटना, लोट पोट करना, लौट पौट करना, विराम लेना, विश्राम करना, शयन करना, सुसताना, सुस्ताना, सोना ।

७६६. **स्वप्न**—ख्वाब, ख्वाब, सपना, सुपना ।

७६७. **अभुआना (सोते में बोलना)**—अकबकाना, अभुयाना, बयाना, बर्राना ।

७६८. **जागरण**—जाग, जागर्ति, जागरन, जागरति, जाग्रति ।

७६९. **जागना**—उठना, चैतन्य होना, चौकस होना, जगना, जागर्त होना, जागना, सजग होना, सावधान होना ।

७७०. **जगाना**—उठाना, उद्बोधित करना, चैतन्य करना, जगाना, जागर्त करना, सजग करना, सावधान करना ।

७७१. **सगबगाना**—थकाना, लकपकाना, सगबगाना, सशकना, सुगाना, हिलना, हिलना-डुलना ।

७७२. **टेक**—आड़, आश्रय, ओट, तकिया, सहारा ।

७७३. **टेकना**—अड़ना, आड़ना, आड़ लगाना, आश्रय लेना, ओट लगाना, टेक लगाना, टेक लेना, डासना लेना, तकिया करना, रखना, सहारा लेना ।

७७४. **रोकना**—अटकाना, अड़काना, अड़चन डालना, अवरुद्ध करना, अवरोधन करना, अवरोधना, कीलन करना, ठहराना, थामना, थाम्हना, निषेध करना, पैर पकड़ना, प्रतिरोध करना, प्रतिषेध करना, बरजना, मना करना, रास्ता रोकना, बंद करना, रूँधना, रोधना,

थम्भ करना, बाधा डालना, व्याघात डालना, हटकना, हाथ पकड़ना।

७७५. निवारण करना—अलग करना, दूर करना, निवारन करना, बचाना, बर्जना, मना करना, रोकना वर्जना, वारण करना, बारना, हटाना।

७७६. रोकने वाला—अवरोधक, अवरोधी, निषेधक, बाधक, विघ्नकर्ता, रोधक, स्तंभक।

७७७. रोका हुआ—अवरुद्ध, अवरोधित, थगित, थांभित, निषिद्ध, निषेधित, बाधित, मना, रुद्ध, रूँधा, रोका, वर्जित, वर्ज्य, स्तंभित।

७७८. रोक—अंकुश, अवरोध, थाम, दबाव, निषेध, प्रतिबन्ध, बर्जन, मनाही, मुमानियत, रुकावट, रोकथाम, स्तंभन।

७७९. घेरना—अवरुद्ध कर लेना, अवरोध लेना, ग्रसना, घेरना, छेकना, बंधन में डालना, रोकना, लगाना।

७८०. घिरना—आवृत होना, घिरना, अट जाना, छेंका जाना, बँध जाना, बंधन में होना, भभ्ना, फँस जाना, फँसना, लगना।

७८१. अटकना—अटक जाना, अटकना, अड़ना, अबझना, उलझना, घिरना, टिकना, ठहरना, फँदना, फँसना, बझना, बझा रहना, रुकना, लगा रहना, व्यस्त रहना।

७८२. अटकाना—अटकाना, अड़काना, अड़ाना, उलझाना, छेकना, टिकाना, ठहराना, बझाना, फँसाना, रुकावट डालना, रोकना, स्तम्भ करना।

७८३. बाँधना—अंकुराना, उलझाना, गठियाना, गाँठ लगाना, गाँठ देना, ग्रंथि लगाना, बंधन में डालना, बान्हना।

७८४. गाँठ—उलझाव, ग्रंथि, बंधन।

७८५. सहायता—मदद, संग, सहाइ, सहाई, सहाय, साथ, सहारा, साहाय्य।

७८६. विघ्न—अटकाव, अड़गा, अड़चन, अवरोध, ठहराव, थमन, प्रतिबन्ध, बाधा, बाधकता, विघन, रुकाव, रुकावट, रोक, रोधन, विघ्न, व्याघात।

७८७. सहायता देना—आगे ढकेलना, आगे बढ़ाना, कंधा देना, कंधा लगाना, धक्का देना, बढ़ाना, बढ़ावा देना, मदद देना, साथ देना, सहायता करना, हाथ लगाना।

७८८. विघ्न डालना—अटकाना, अड़ंगा लगाना, अवरोधना, उढुक लगाना, थाँभना, थाम्हना, प्रतिबन्ध लगाना, रास्ता बन्द करना, रुकावट डालना, रूँधना, रुन्हना, रोकना, लंगी लगाना, व्याघात डालना या रखना।

७८९. सहायक—दायाँ हाथ, प्रतिपालक, मददगार, सहाय।

७९०. बाधक—अवरोधक, अवरोधी, विरोधी, व्याघाती।

७९१. छिपना—अप्रकट होना, अप्रकाशित रहना, ओट में होना, आड़ में आना, ओट में आना, गुप्त होना, गुम होना, छिपना, दुकना, दबक रहना, दबक जाना, दुबकना, लुकना, हट जाना, हटना।

७९२. छिपाना—अँधेरे में रखना, अप्रकट करना, गुप्त करना, गोपित करना,

गोपना, दुकाना, छिपाना, लुकवाना, लुकाना।

७६३. गायब करना (१)—अँटियाना, खा जाना, गटरगों कर जाना, गोल कर जाना, हजम करना।

७६४. गायब करना (२)—खो देना, छोड़ देना, भुलवाना, भूल जाना, हेरवाना।

७६५. टटोलना—टकटोना, टकटोरना, टकटोलना, टकटोहना, टटोना, टटोरना, ढूँढ़ना, तलाशना।

७६६. खोजना—अनुसंधान करना, ढूँढ़ना, तलाशना, पता लगाना, हेरना।

७६७. खोजवाना—खोज कराना, ढुँढ़वाना, तलशवाना, पता लगवाना, हेरवाना।

७६८. ढकना—अव्यक्त करना, आड़ में रखना, ओट करना, ओट में करना, झाँपना, ढाँपना, तोपना, परदा करना, बंद करना, मींचना, मूँदना। दे० 'छिपाना'।

७६९. उघारना—उघाड़ना, उघार करना, उद्घाटित करना, खोलना, जाहिर करना, नंगा करना, नंगा करना, नग्न करना, परदा खोलना, प्रगट करना, बेपरद करना, वस्त्रमोचन करना, व्यक्त करना।

८००. गायब—अंतर, अंतरधान, अंतर्धान, अंतर्धान, अंतरभावित, अतर्हित, अदीठ, अदृश्य, अदृष्ट, अप्रगट, अलक्षित, अलभ्य, तिरोभूत, तिरोहित, लुप्त, विलीन।

८०१. लोप—अंत, अंतर्द्धान, अंतर्भाव, अदर्शन, छिपाव, तिरोधान, तिरोभाव, समाप्ति।

८०२. गोपन—अंतर्भाव, छिपाव, तिरोभाव।

८०३. प्राकट्य—परगटना, प्रकटना, प्रादुर्भाव।

८०४. रिक्त—अपूर्ण, खाली, खुक्खा, खोखा, छूछ, छूछा, रिक्त, रीता।

८०५. भरा—अपूर्ण, ओतप्रोत, पूरा, पूर्ण, भरापूरा।

८०६. खोखला—ठोठरा, खोखला, पोपला, होमला, पोला।

विलोम—दे० 'भरा', 'ठोस'।

८०७ पिचकना—चुचुकना, दबना, धँसना, पचकना, पिचकना, पिचिकना, सिकुड़ना, सिमिटना।

८०८. फूलना (अवयव)—फोफाना, चिकनाना, मोटाना, मोटा होना, सूजना, सोदना, स्थूल होना।

८०९. खाली करना—खलियाना, खाली हाना, निकालना, रिक्त करना।

८१० भरना—अनरीता करना, ठूसना, ठेसना, पूरा करना, पूर्ण करना।

८११. झड़ना—खरना, खरित होना, गिरना, चूना, झड़ना, झरना, टपकना, टूट कर गिरना, पतझर होना, पतन होना, पात होना, रसना, स्खलित होना।

८१२. आरंभ—अनुबंध, आदि, आविर्भाव, उत्पत्ति, उद्गम, उद्भावना, जन्म, जन्मोद्घात, जन्म, प्रकाश, प्रथम, प्रस्तावना, प्रादुर्भाव, प्रारंभ, शुरू, समारम्भ।

विलोम—दे० 'नाश'।

८१३. आरंभ होना—अवतरना, आना, उगना, उपजना, जनमना। दे० 'अँखु-आना'।

८१४. आरंभ करना—आरंभना, ठान ठानना, ठानना, प्रारम्भ करना, बिस्मिल्ला करना, रोपना, शुरू करना, श्रीगणेश करना, समहुत करना।

८१५. बनाना—दे० 'बनाना'।

८१६. बनानेवाला—निर्माता, प्रणेता, विधायक, रचक, रचयिता, विधायक, सर्जक, सिरजक, सिरजनहार, सृजक, सृजनहार।

८१७. जन्म लेना—उगना, उत्पन्न होना, उपजना, पैदा होना, प्रसूत होना। दे० 'आरम्भ होना'।

८१८. जन्मा हुआ—उतपन्न, उत्पन्न, ज, जना, जात, पैदा, प्रसूत, संजात।

८१९. नाशना—क्षय करना, नासना, फूँकना, मिटाना, बिनासना, संहारना, समाप्त करना।

विलोम—दे० 'रचना', 'बनाना'।

८२०. रौंदना—अरदना, काँड़ना, कुच-लना, कूँचना, चहलना, छिन्न-भिन्न करना, नष्ट करना, नष्ट भ्रष्ट करना, नेस्तनाबूद करना, बर्बाद करना, मर्दन करना, मसलना, रौंदना।

८२१. समाप्त होना—अंत होना, अव-सान होना, गुजरना, पूरा होना, पूर्ण होना, बीतना, व्यतीत होना, सम्पूर्ण होना, समाप्त होना।

८२२. नशाना—अंत होना, क्षय होना, खपना, नाशना, नशना, फुकना, मिटना, बिनसना, बिनशना, संहरना, समाप्त होना।

विलोम—दे० 'बनना'।

८२३. नाश—अंत, अवसान, क्षय, ध्वंस, ध्वंसन, तबाही, नास, पराभव, बरबादी, बर्बादी, भंजन, लोप, विघस, विध्वंस, विनशन, विनाश, बिनास, संहार, समाप्ति।

विलोम—दे० १. 'निर्माण' 'रचना'। २. 'जन्म' 'आरम्भ'।

८२४. नाशक—अंतक, अनष्ट, घाती, घायक, घालक, ध्वंसक, ध्वंसी, नशेहर, नाशक, नाशकर्ता, नाशकारी, नाशी, मारक, विध्वंसी, विनाशक, विनाशी, संहारक, हंता, हर, हर्ता, हारक।

८२५. विध्वस्त—तबाह, धराशायी, ध्वस्त, नष्ट, नष्टभ्रष्ट, पराभूत, परास्त, बर्बाद, मृत, विघस, विध्वस्त, विनष्ट।

८२६. ठीक—अच्छुरस्त, अच्छा, दुरुस्त, पक्का, सही, साबित, साबुत।

८२७. गत—गत, परोक्ष, पहले, पीछे, विगत, बीता हुआ, भूत, व्यतीत।

८२८. स्वर्गवासी—गत, परिहित, फौत, मृत, स्वर्गवासी, स्वर्गीय।

८२९. मृत—मरहूम, मुरदा, मुरदार, मुर्दा, मृत, मृतक, स्वर्गगामी, स्वर्गवासी, स्वर्गीय।

८३०. शवदाह—अग्निदाह, अग्निदाह, प्रेतदाह।

८३१. जलाना (शव)—अंतिम क्रिया करना, अंतेष्टि करना, जराना, जलाना, दग्ध करना, दग्धाना, दाह संस्कार करना, फूँकना।

८३२. नश्वर—अनित्य, अस्थायी, क्षण-भंगुर, क्षणिक, क्षयिष्णु, क्षयी, चपल, क्षर, नश्वर, नाशवान, नाशी, नाशी, ...ल, विनश्वर।

८३३. अनश्वर—अक्षय, अक्षय्य, अक्षर, अटल, अविनाशी, चिरस्थायी, नित्य, शाश्वत, स्थायी, स्थिर।

८३४. स्मरण—अभिज्ञान, ख्याल, चेत, धारणा, ध्यान, याद, सबर, सुध, सुधि, सुमरन, सुमृत, सुमृति, सुरत, सुरति, स्मरण, स्मृति।

८३५. विस्मरण—भूल, विस्मृति।

८३६. स्मरण शक्ति—मेधा, याद, याद-दाश्त।

८३७. स्मरण करना—ख्याल करना, चेतना, याद करना, सुध करना, सुधि करना, सुधि लेना, होश करना।

८३८. रटना—ज़बान पर रखना, बर्राक करना, बार बार कहना, याद करना, रट लेना, स्मरण करना, हफ़्ज़ करना, हिफ़्ज़ करना।

८३९. स्मरण दिलाना—चेत दिलाना, याद दिलाना, सुध दिलाना, सुधि कराना, सुधि दिलाना, होश कराना, होश दिलाना।

८४०. सुधि—औसान, खबर, चेत, चेतना, संज्ञा, सुध, सुध-बुध, होश, होशहवास।

८४१. भूल—अनुचित, अयथा, अयथार्थता, अलीक, अशुद्धि, उलटा, ग़लती, चूक, त्रुटि, बुरा, बेठीक, भूलचूक, विपर्यय।

८४२. भूला हुआ—बेसुध, भूला, भूला-भटका, विस्मृत, भ्रमित, भ्रांत।

८४३. भूलना—अटपटाना, गड़बड़ाना, ग़लती करना, ग़लती होना, चूक करना, चूकना, चेत से उतरना, प्रमादवश होना, बिसरना, बिसराना, भरमना, भुराना, भूल करना, भूल जाना, भूलचूक होना, भूलन-चूकना, भ्रम में पड़ना, भ्रमित होना, भ्रांति में पड़ना, विस्मरण होना, विस्मृति होना, सुध न रहना, सुधि खोना, सुधि भूलना, सुधि बिसरना, होश न रहना।

८४४. भुलाना—चरका पढ़ाना, चराना, चाल बताना, चालबाज़ी करना, चाल सिखाना, छलना, छलछंद करना, धोखा देना, पढ़ाना, प्रतारण करना, प्रतारणा देना, प्रवचना देना, प्रवंचित करना, फुसलाना, बहकाना, बुत्ता देना, भटकाना भुरवाना, भुलवाना, भोगाना, सिखाना।

८४५ मिलाना—अमेजना, आमेजना, एक में करना, एकरार करना, घाल-मेल करना, मिलावट करना, मिश्रित करना, मिश्रण करना, संयुक्त करना, सम्मिश्रण करना, सम्मिलित करना।

८४६. मिलावट—आश्लेषण, मिश्रण, संकरता, संश्लिष्टता, सम्मिश्रण, ससृष्ट।

८४७. मिलाया हुआ—मिश्र, मिश्रित, मीलित, संयुक्त, संश्लिष्ट, संसृष्ट, सहित, सम्मिलित।

८४८. मिलना—दर्शन, देखा-देखी, भेंट, मिलन, मिलाप, मुलाकात, संपर्क, संयोग, संश्लेष, साक्षात्कार।

विशेष—क्रिया 'मिलना' के लिए ऊपर के शब्दों में 'होना' जोड़कर, शब्द बनाए जा सकते हैं।

८४९. मिलन—मिलना, मिलाप, मेल, संगम, संघट, संघटन, संमेलन, संयोग, संश्लेष, सम्मेलन ।

८५०. मेल—इत्तफ़ाक, एकता, एका, एकाई, एकाकारिता; एकात्मकता, एकीकरण, एकीभूति, ऐक्य, मिलन, मिलान, मेल, मिलाप, संग, संगठन, संगम, संघट, संघटन, संघट्ट, संघट्टन, संपात, संयुग, संयोग, संश्रय ।

८५१. मेल-जोल—आमदरफ़्त, आवाजाही, ख़ाबख़्वाह, परिचय, मुलाकात, मेल-मिलाप, रब्तज़ब्त, संयोग, सट्टाबट्टा, सद्भाव, समन्वय, हेलमेल ।

८५२. संग—संगति, सहवास, सहितता, साथ, साहित्य, सोहबत, हमराही ।

८५३. अलग करना—अरगाना, अलगाना, अलगियाना, उकालना, उखाड़ना, उखारना, उचाटना, उचाड़ना, उच्चाटन, करना, उधेड़ना, उन्मूलन करना, उन्मूलित करना, उपाटना, उपाड़ना, उपारना, उफारना, उमाड़ना, ओसाना, कपटना, कबारना. काटना, काढ़ना, किरोलना, कुरेदना, खलियाना, चाँड़ना, छाँटना, छीनना, छोलना, छोड़ना, छालना, जुदा करना, टालना, डुलाना, डोलाना, तोड़ना, दूर करना, दूर हटाना, निकारना, निकालना, निकासना, निकियाना, निबेड़ना, निसारना, पृथक् करना, फटकना, फोड़ना, बहिष्कार करना, बिलगाना, बेराना, विग्रह करना, हटाना ।

८५४. अलग होना—अलगना, अहुठना, उकचना, उखड़ना, उचटना, उचड़ना, उतरना, उधड़ना, उपरना, उपड़ना, उपरना, कबरना, कटना, कढ़ना, खिलना, छँटना, छुटना, छुड़ना, छूटना, जुदा होना, टूटना, डोलना, निकलना, निकसना, निसरना, पृथक् होना, फटना, फरियाना, बरकना, बिछुड़ना, • बिलगना, वियुक्त होना, विश्लेषित होना ।

८५५. अलग—अयुक्त, अलग, अलहदा, असंग, असंबद्ध, ख़ारिज, जुदा, निनारा, न्यारा, न्यारे, पृथक, फुट, फुटकर, बाह्य, बिलग, भिन्न, वंचित, विच्छिन्न, विभिन्न, वियुक्त, विलग । दे० 'स्वतन्त्र' ।

८५६. वियोग—अंतर, अलगाव, अलहदगी, जुदाई, पार्थक्य, पृथकता, फरकाव, फिराक, भिन्नता, भेद, वियोग, विच्छेद, विच्छेद, विछोह, विप्रलंभ, विभक्ति, विरह, विश्लेष ।

८५७. संयोग—श्लेष, संजोग, संश्लेष । दे० 'मेल जोल', 'एकता', 'मिलन' ।

८५८. एकत्र करना—अभेरना, अमेजना, अर्जन करना, आकलन करना, इकट्ठा करना, उगाहना, एकत्रित करना, जमाना, जमा करना, जुगवना, जुगाना, जुटाना, जुगाना, जुहाना, जोगवाना, जोगाड़ करना, झोरना, बटोरना, बिटोरना, बिदवना, मिलाना, संकलन करना, संकलित करना, संग्रह करना, संगृहीत करना, संग्रहना, सँजोवना, सचना, संचय करना, संसृष्टि करना, सिहारना ।

विलोम—दे० 'बिखेरना', 'फेंकना' ।

८५९. एकत्र होना—जमटना, इकट्ठा होना, एकत्रित होना, घिरना, घुमड़ना, जमना, जुटना, जुड़ना, जुरना, झुमना,

बटुरना, मेलना, सन्निपात होना, सिमटना ।

विलोम—दे० 'बिखरना' ।

८६०. एकत्र—अंतर्भावित, अंतर्भूत, असक्त, अन्वित, अपरिच्छिन्न, अविभक्त, इकजोर, इकट्ठा, इकतर, इकत्र, इकसूरत, इकठौ, एकत, एकत्रित, कुल ।

८६१. एकत्र किया हुआ—एकत्र, संकलित, संग्रहीत, संगृहीत, संचित, सँजोइल, सँजोवल, सहत, सहित, समवेत ।

८६२. संग्रह—चयन, संकलन ।

८६३. बिखेरना—इधर उधर करना, छितराना, छींटना, तितर बितर करना, तीन तेरह करना, पसारना, प्रकाश करना, प्रचार करना, फैलाना, बखेरना, बारह बाट करना, बीगना, बिखेरना, बिथारना ।

८६४. गूथना (मोती आदि)—गुत्थी करना, गूँथना, टाँकना, परोहना, पिरोना, पोहना, लगाना, सीना ।

८६५. बिखरना—इधर उधर होना, छिट जाना, छिटना, छिटाना, छितराना, पसरना, प्रसरित होना, फैलाना, बिथरना ।

विलोम—दे० 'एकत्र होना' ।

८६६. बटोरना (वस्तु या द्रव्य)—इकट्ठा करना, एकत्र करना, एकत्रित करना, जुटाना, जुराना, बिटौरना, संकलन करना, संकलित करना, संचय करना, संग्रह करना, सकेलना, समेटना । दे० 'एकत्र करना' ।

८६७. लुटाना—उड़ाना, खरचना, खोना, गँवाना, दे देना, पानी की तरह बहाना, बरबाद कर डालना, बहाना, बाँट देना । दे० 'फेंकना' ।

८६८. फेंकना—गिराना, गेरना, छाड़ना, छोड़ना, डारना, डालना, चूल्हे में डालना, त्यागना, दूर करना, नाना, नावना, निकालना, प्रक्षेपण करना ।

८६९. बटोरना (अंग आदि)—खींचना, बटोरना, लौटाना, संकोच करना, समेटना, सिमिटना, सिकोड़ना ।

८७०. फैलाना (अंग आदि)—तानना, पसारना, विस्तार देना ।

८७१. फैलाना—अड़ाना, अवकिरण करना, गिराना, छाना, छितिराना, डसाना, डासना, फैंकना, बगराना, बगारना, बवना, बहाना, बिखेरना, बिथारना, बिथुराना, बिथोरना, बिसतरना, बिस्तारना, बीगना, बोना ।

८७२. टूटना—खंड खंड होना, खंडित होना, चटकना, चटखना, खनकना, तड़कना ।

८७३. तोड़ना—खंड खंड करना, खंडित करना, चटकाना, चटखाना, तड़काना, भंग करना, भजना, भजन करना ।

८७४. जोड़ना—एक में करना, कीलना, जुक्त करना, जुटाना, जुड़ना, जोरना, मिलाना, संयुक्त करना ।

८७५. जुड़ा हुआ—जुटा, जोड़ा, संयुक्त, संजुत, सयुक्त, समन्वित, समवेत, समेत ।

८७६. टुकड़ा—काड, खंड, चिंदी, चिट, छ, टुकड़ा, भूला, नख, परकाला, फाँक, भग, शाख, शाखा । दे० 'अध्याय' ।

८७७. जिसके टुकड़े न हों—अखंड, अखंडल, अखंडित, अखिल, अभंग, अभंगी, अभग्न, अभंजन, अविभाज्य ।

८७८. खंडित—क्षुण्ण, टूटा हुआ, भग्न।

८७९. सम्पूर्ण—अकांड, अक्षुण्ण, अखंड, अखंडित, अखिल, इजमाल, कामिल, चंक, ठाढ़ा, तमाम, निखिल, पूरा, पूर्ण, भरपूर, सगरो, सब, समग्र, समस्त, समूचा, सारा, सिगरा।

८८०. काटना—कतरना, कतर ब्योंत करना, कर्तन करना, कर्तरी चलाना, कलमना, काट छाँट करना, काटना, कुतरना, कैंची करना, छाँटना, छेवना, छीलना, टाँचना, टुकड़े करना, तराशना, संगना।

८८१. सीना—कच्चा करना, गूथना, गूलना, जोड़ना, टाँकना, टाँका मारना, टाँचना, डोभ डालना, बखिया करना, रफ़ू करना, लंगर देना।

८८२ कतरन—कतरा, खंड, टुकड़ा, टुकड़ी।

८८३. कटाई—कटान, कतराई, काट, काट छाँट, तराश।

८८४. चुनना—अगोटना, उछाँटना, चयन करना, चिनना, छाँटना, निर्वाचन करना, बीछना, बीनना, बीछना-बराना, बेराना, लोढ़ना, बिलगाना।

८८५. चुना हुआ—चुनिंदा, छँटा हुआ, छाँटा, निर्वाचित, बराया, बीछा, बेराया, लोढ़ा, बिलगाया।

८८६. चुनने वाला—निर्वाचक।

८८७. बाँटना—कूरी लगाना, बखरा लगाना, बाँट करना, भाग करना, विभक्त करना, विभाजन करना, विभाजित करना, हिस्सा करना, हिस्सा लगाना।

८८८. बाँटा हुआ—बँटा, बाँटा, वर्गीकृत, विभक्त, विभागित, विभाजित।

८८९. बँटवारा—बँटवारा, बाँट, विभक्ति, विभाजन, विभाग।

८९०. बाँट—कूरी, बखरा, बाँट-बखरा, भाग, हिस्सा।

८९१. साझा—शिरकत हिस्सा।

८९२. फटना—अरकना, ओदरना, चिटकना, चिड़कना, चिरना, चिहरना, छितराना, दरकना, दररना, दरार पड़ना, फूटना, विदरना, मुस्कराना।

८९३. फाड़ना—चिटकाना, चिहराना, चोड़ना, चीथना, चीरना, चोंथना, छितराना, दरार डालना, नोचना, विदारना।

८९४. फोड़ना—बाल डालना, कड़काना, करकाना। दे० 'तोड़ना'।

८९५. रवा—अणु, कण, कणिक, कन, किनका, किनकी, खुद्दी, ज़री, परमाणु, रवा।

८९६. खुरचना—उखाड़ना, कछोरना, करोना, कुरेदना, खराशना, खरोचना, खोंचना, खरोटना, खरौंचना, खुरेदना।

८९७. खरौंच—खराश, खरोंच, खरोट, खुरचाहट।

८९८. निराना—निराई करना, बिनाई करना, बीनना, सफ़ाई करना।

८९९. उगलना—अलग करना, आगे रखना, उगिलना, उलटना, उलटी करना, ओकलाना, ओकाना, क़ै करना, छाँट करना, थूकना, न छिपाना, न पचा सकना, न रखना, निकलना, प्रकट करना,

बाहर करना, भीतर न रखना, वमन करना, स्पष्ट करना।

६००. उखड़ना—अलग होना, उकलना, उकसना, उखरना, उघड़ना, उभड़ना, उभरना, टूटना, निकलना, निकसना, पृथक् होना।

६०१ उखाड़ना—अलग करना, अलगियाना, उखाड़ना, उचाड़ना, उधेड़ना, खसोटना, चोंथना, जुदा करना, नकोठना, निकालना, निकोटना, नोंचना, पृथक् करना।

६०२. चिपकाना—चपकाना, जमाना, जोड़ना, मिलाना, लगाना, सटाना, साँटना, साटना।

६०३. उखाड़ा हुआ—अलगाया, अलगियाया, उखारा, उचाड़ा, उधेड़ा, निकाला, निकोटा, बिलगाया।

६०४. चिपकाया हुआ—चपकाया, चिपकाया, जमा, जोड़ा, मिला, लगा, सटा, साटा।

६०५. उडेलना—उड़ेलना, उँड़ेलना, उछिलना, उझिलना, उदहना, उलटना, उलिचना, उलीचना, गिराना, गेरना, ढालना, निकालना।

६०६. डालना—गिराना, नाना, नावना, भरना।

६०७. निकियाना—अलग करना, अलगाना, खोलना, खोलड़ाना, बिलगाना।

६०८. निकिआया—अलगाया, बिलगाया।

६०९. उगाहना (रुपया आदि)—इकट्ठा करना, एकत्र करना, एकत्र करना, तसीलना, तहसीलना, लेना, वसूल करना, वसूली करना।

विलोम—दे॰ 'खर्च करना' 'बाँटना' 'फेंकना' 'छितराना'।

६१०. अल्प—अणु, ईषत्, ईषद, कछु, कछुक, कुछ, कण, कतिक, कम, कमती, किंचित, कोता, कोताह, जरा, तनि, तनिक, थोड़ा, थोर, थोरिक, न्यून, मुख़्तसर, रंच, रंचक, रंचिक, लव, लेश, ह्रस्व।

६११. अधिक—अगम, अगम्य, अगरा, अगाह, अचीता, अतिशय, अतीव, अतुल, अतुलनीय, अतुलित, अतोल, अथोर, अदभ्र, अधिक, अधिकांश, अनन्त, अनल्प, अपार, अमित, असीम, ज़्यादा, बहुत, बहुतेरा, बहुल, बेश, बेशी।

६१२. अल्पता—अकाल, अल्पता, अल्पत्व, कमी, कृषता, कृपताई, कृषत्व, कोताही, घटती, घाटा, थोड़ापन, न्यूनता, न्यूनताई, लघुता, लघुत्व. ह्रास।

६१३. अधिकता—अगमता, अतोलता, अत्यंतता, अधिकता, अधिकाई, अनल्पता, ज़्यादती, बहुताई, बहुतात, बहुतायत, बहुत्व, बहुलता, बेशी।

६१४. अतिरिक्त—अलावा, छोड़कर, वितरिक्त, वितरेक, सिवा, सिवाय।

६१५. कम होना—अवनति करना, ओरा जाना, ओराना, कमती होना, कम पड़ना, कम होना, कमी पड़ना, खगना, खतम होना, उत्नीस होना, ओहरना, घटना, चूकना, चूक जाना, धीमा होना, नीचे आना, न्यून होना।

६१६. अँटना—अँट जाना, आँटना, कम न पड़ना, काफ़ी होना, खपना, पर्याप्त होना, पूरा पड़ना, पूरा होना।

६१७. अधिकाना—अधिक होना, उन्नति करना, ज़्यादा होना, बढ़ना, विशेष होना, वृद्धि करना, वृद्धि पाना।

६१८. संग—गोहन, संगत, संसर्ग, समेत, सहयोग, सहित, साथ, हमराह।

६१९. अकेला—अकसर, अकसरुआ, अकेले, अयुग, अयुग्म, इकला, इकल्ला, इकसर, एकंग, एकाकी, तनहा।

६२०. अकेलापन—इकलाई, एकाकता, तनहाई

६२१. अकेला दुकेला—अकेल-दुकेल, इक्का-दुक्का।

६२२. सहित—मिलाकर, लेकर, साथ में, सुद्धां, सुधा।

६२३. जोड़ा—यमज, यमल, यामल।

६२४. समूह—अंबार, अखाड़ा, अटंबर, अटहर, अटा, अटाला, अड़ार, अमार, अलमगीज, अवली, आट, आँटा, आल ओघ, कतार, कदंब, कलाप, कलापक, कपाल, कुल, कोट, कोटि, कोरि, कोश, खिलक़त, खेड़, खेढ़ा, खोप, गज, गजो, गट्ठर, गठरा, गड्ड, गड्डा, गण, गन, गरोह, गल्ला, गुह, गोल, गोत्र, घन, चक्र, चय, चिति, जुट, जुखीरा, जन, जमायत, जमावड़ा, जाल, जालिका, ज्यादा, झल, झला, झार, झुण्ड, झौंवा, झौर, टोली, ठट, ठठ, ठाट, ठाटर, ठाटो, डुग, ढेर, ढेरी, तति, थोक, दंगल, दल, दाम, धारा, धारि धारा, निकर, निकाय, निचउ, निचै, निवह, निवह, पाक, पंगति, पटल, परिकर, पाँती, पुलिंदा, पूग, पूला, फ़िरका, फ़ौज, बंडल, बाँडल, बखार, बहुत, बरुथ, बोझ, ब्रज, भंडारा, मंडल, मंडली, माला, मुट्ठा, मोटरी, यूथ, यूह, लेंहड़, लेंहड़ा, लोक, लोग, वितान, विवर्त, वृन्द, व्यूह, व्रज, संकुल, संघ, संचय, संदोह, समवाय, समाहार, समुच्चय, समुदाय, समुदाव, सानु, स्कंध, स्तोम, हार।

६२५. आदमियों का समूह—अखाड़ा, आस्था, उपस्थान, कमेटी, गण, गरोह, गिरोह, गुह, जत्था, जथा, जनवास, जमायत, जमावड़ा, जशन, जलसा, झुण्ड, टुकड़ी, तबका, थोक, पंक्ति, पंगत, पंगति, परिश्रय, परिषत्, पलटन, पाँती, फ़ौज, फ़ौद, बरात, भाड़, मंडल, मंडली, मजलिस, महफ़िल, महासभा, यूथ, यूह, संघ, संस्था, समिति, समुदाय। दे० 'भीड़'।

६२६. भीड़—जनसमूह, ठट, ठठ, भम्भड़, भब्भड़, भीर, भीड़-भड़क्का, भीड़-भाड़, संकुल।

६२७. बटोर—जमावड़ा, बिटोर, सन्निपात। दे० 'भीड़', 'समूह'।

६२८. लेहड़—लेंहड़, गल्ला, गोला, झुण्ड, डेर, दल, लेहड़ा।

६२९. घास आदि का बँधा हुआ मुट्ठा—आँटि, आँटी, गट्ठर, गट्ठा, पूला, बोझ।

६३०. पुलिंदा—गट्ठर, गड्डु, गड्डी, ढेर, ढेरा, मुट्ठा, मुट्ठा, नाटरा।

६३१. सूत का समूह—अंटा, अटेटा, आँटी, किरचा, गोली, पेचक, पोल, राल, लच्छी, लच्छा, लच्छा।

६३२. कुछ समूहात्मक शब्द—(कोष्ट में उनकी संख्याएँ हैं)—कोड़ी (२०)

गंडा (४), गाही (५), चौवा (४), ढोली (२००), दर्जन (१२), बीसी (२०), सैकड़ा (१००, १२० या १४०) ।

१३३. फटना (वस्त्र)—चलगना, चीर लगना, जीर्ण होना, जीर्ण शीर्ण होना, फाटना, मसकना ।

१३४. फाड़ना—चीथना, चोंथना, टुकड़े-टुकड़े करना, नोंचना, विदारण करना, विदारित करना ।

१३५. नोचना—उखाड़ना, उखारना, खसोटना, खींचना, चोंथना, नांचना, नोचना-खकोटना, खकोटना ।

१३६. चीरना—चीड़ना, चोंथना, चीरना, फट्टा करना, फाड़ना, फारना, विदारना, विदारण करना, विदारित करना, विदीर्ण करना ।

१३७. फूटना (बर्त्तन आदि)—चटखना, चड़कना, चिहरना, टुकड़े-टुकड़े होना, फटना, दो टूक होना, बाल पड़ना, बिदरना, विदीर्ण होना ।

१३८. घिसना—खतम होना, खियाना, घर्षण करना, घिस जाना, मलना, रगड़ खाना, रगड़ना, संघर्षण करना, समाप्त होना ।

१३९. टूटा फूटा—उद्ध्वस्त, छिन्न-भिन्न, जीर्ण, जीर्णशीर्ण, ध्वस्त ।

१४०. मरम्मत—जीर्णोद्धार, दुरुस्ती, संशोधन, संस्कार, संस्कृति, सुधराई, सुधार ।

१४१. सुधारक—संशोधक, संस्कारक ।

१४२. सुधारना—अच्छा करना, ठीक करना, बनाना, शुद्ध करना, सँवारना, संशोधन करना, संशोधित करना, सुधार करना ।

१४३. बिगाड़ना—खराब करना, नष्ट करना, नष्ट-भ्रष्ट करना, पोत देना, बरबाद करना, बर्बाद करना, मिटाना, मिट्टी करना, मेटना, मेट देना, लीप देना, लीपपोत बराबर करना, विकृत करना ।

१४४. बनाना—अस्तित्व देना, गढ़ना, ठीक करना, ठोंकना, तैयार करना, दुरुस्त करना, निर्माण करना, निर्माना, निर्मित करना, प्रस्तुत करना, बनाना, रचना, रूप देना, विधान करना, सँवारना, संस्कार करना, सजाना सिरजना, सुधारना, सृजाना, स्वरूप देना ।

१४५. बिगड़ना—खराब होना, ठीक न रहना, नष्ट होना, नष्ट-भ्रष्ट होना, बर्बाद होना, बुरा हो जाना ।

१४६. बिगड़ा—खराब, गिरा, नष्ट, नष्ट-भ्रष्ट, बर्बाद, भ्रष्ट ।

१४७. बनना—ठीक होना, बनाया जाना, पूरा होना, रचा जाना, होना ।

नोट—'बनाना' के 'पर्यायों' के आधार पर और भी पर्याय बनाये जा सकते हैं ।

१४८. दशा—अवस्था, गति, रवैया, स्थिति, हालत ।

१४९. दुर्दशा—अपगति, जिल्लत, दुरवस्था, दुर्गत, दुर्गति, नरकभोग, फजीहत, फ़जीहत ।

१५०. अच्छी दशा—सद्गति, सुगति ।

१५१. दुर्दशाप्राप्त—गिरा, दुर्गत, हीन ।

१५२. प्रथा—चलन, चलनि, चाल,

पद्धति, परिपाटी, प्रणाली, परथा, रवाज़, रसूम, रस्म, रिवाज, रीति, शैली।

१५३. परंपरा—क़ायदा, चलन, चाल, दस्तूर, नियम, रवाज़, रीति।

१५४. परंपरागत—क्रमागत, क्रमिक।

१५५. चलाना—आगे बढ़ाना, चालित करना, प्रचलित करना, प्रचार करना, प्रचारित करना, रायज करना।

१५६. तौलना—जोखना, तराज़ू करना, तोलना, बाँट करना, वज़न करना, वज़न लेना।

१५७. तौलने की क्रिया—जोख, जोखाई, तुलाई, तोलन, तौल, तौलाई, नाप।

१५८. मात्रा—परिमाण, मिक़दार, वज़न।

१५९. वज़न—तोल, तौल, बोझ, भर, भरु, भार, वज़न।

१६० पासंग—पसंग, पसँघा।

१६१. जिससे नापा जाय—नाप, पैमाना, मान, मानदंड, माप, मापक।

१६२. नापने का काम—नाप, पैमाइश, माप।

१६३. अनुमान—अंदाज़, अटकल, क़यास, अनुमिति।

१६४. अनुमान करना—अंदाज़ करना, अंदाजना, अंदाज़ लगाना, अंदाज़ा लगाना, अनुमान करना, अनुमानना, अटकरना, अटकलना, अटकल लगाना, आँकना, कूतना।

१६५. अनुमानतः—अंदाज़न, अंदाज़ से, क़रीब, क़रीब-क़रीब, तख़मीनन, मोटा-मोटी, मोटे तौर पर, मोटे रूप से, लगभग।

१६६. जिस का अनुमान न हो सके—अननुमान, अकूत, अतोल, अतुल, अपरिमेय, बेअंदाज़।

१६७. अँकवाना—आँकाना, अंदजवाना, अंदाज़ कराना, अटकल लगवाना, अनुमान कराना, कुतवाना, कुताना, तख़मिनवाना।

१६८. कल्पना करना—अनुमान करना, फ़र्ज़ करना, मानना।

१६९. कल्पना—अनुमान, ख़्याल, फ़र्ज़, मनगढ़न्त, मन की उपज, मनज, मानना, मानसज।

१७० कल्पित—औपन्यासिक, काल्पनिक, ख़्याली, नक़ली, फ़र्ज़ी, बनावटी, मनगढ़न्त, मनमानी।

१७१. संभव—मुमकिन, संभाव्य, संभावित।

१७२. असंभव—ग़ैरमुमकिन, नामुमकिन।

१७३. संभवतः—कदाच, कदाचन, कदाचित, कथंचित्, ग़ालिबन्, मुमकिन है, शायद, स्यात्।

१७४. ज़बरदस्ती—ज़बरई, ज़बरन, ज़ोर, बरियाई, बल, हठ।

१७५ ज़बरदस्ती से—ज़बरन, ज़बरिया, ज़ोराज़ोरी, ज़ोरी, बरबस, बरियाँई, बलपूर्वक, बलात्, हठात।

१७६. समीप—आंतिक, आतिपार्श्व, अदूर, अध्यास, अनतिदूर, अमित, अभ्यग्र, अभ्यर्ण, अभ्यास, आसन्न, उपकंठ, ढिग, तट, निकट, नेरे, पार्श्व, पास, सदेश, सनीड, सन्निकट, सन्निकृष्ट, समर्याद, सविधि, सवेश।

१७७. दूर—अलग, न्यारा, परे, पृथक, भिन्न, बिगत, बिलग।

९७८. **नियराना**—नगिचाना, नगीच आना, निकट आना, नीयरे पहुँचना, पास आना, समीप आना।

९७९. **बायाँ**—बाएँ, वाम, बायें, बाम।

९८०. **दाहिना**—दक्षिण, दहिना, दाएँ, दाहिन।

९८१. **बाहर**—बहिः, बहिरत, बहिर्गत, बाहिर।

९८२. **भीतर**—अंदर, अभ्यंतर, आभ्यंतर, भीतर, भीतरि, मझ, माँयं, माँह, माँहीं, माहिं, माहीं, में।

९८३. **बाहरी**—बहिरंग, बाह्य।

९८४. **भीतरी**—अंदर का, अंदरी, अंदरूनी, आभ्यंतरिक, भितल्ला, भितल्ली, भीतर का, भीतरिया।

९८५. **बीच**—अंदर, अभ्यंतर, दरमियान, मंझ, मँझार, मधि, मध्य, मझ, माँझ।

९८६. **इशारा**—इंगित, प्रज्ञप्ति, सनकार, संकेत।

९८७. **इशारा करना**—अंगुलि निर्देश करना, आँख मारना, 'इशारा' के पर्यायों में 'करना' जोड़कर और भी शब्द बनाये जा सकते हैं।

९८८. **यहाँ**—अत्र, यांहे, हियाँ, ह्याँ।

९८९. **वहाँ**—तत्र, तहाँ, वाँ, हाँ।

९९०. **जहाँ**—यत्र, जिस जगह।

९९१. **जहाँतहाँ**—इतस्ततः, इधर-उधर, यत्रतत्र, यत्रातत्र।

९९२. **कहाँ**—किस जगह, कुत्र।

९९३. **दूसरी जगह**—अन्यत्र, अपरत्र, और कहीं, कहीं और।

९९४. **सब कहीं**—जहाँ कहीं, सब जगह, सभत्तर, सर्वत्र।

९९५. **किसी स्थान पर**—कतहुँ, कतहूँ, कहीं, कहूँ।

९९६. **मैं**—अहम्, मैं, मों, हम, हौं।

९९७. **तुम**—आप, तू, भवती, भवान, श्रीमान।

९९८. **मेरा**—मम, मोर, मोरा, हमार, हमारा।

९९९. **तुम्हारा**—आपका, तव, तेरा, तोर, भवत, भवदीय।

१०००. **आपसे**—अपने आप, आपरूप, आपसे आप, आपही, ख़ुद, खुदही, खुद ब खुद, स्वतः, स्वतः ही, स्वय, स्वयंही।

१००१. **जैसा**—जइसन, जस, जो, ज्यों।

१००२. **तैसा**—तइसन, तस, तैसे, त्यों, वैसे।

१००३. **या**—अथवा, किंवा, चाहे, वा।

१००४. **अगर**—जदि, यदि, जो, शायद।

१००५. **अगरचे**—अगर्चे, गोकि, जदपि, बावजूदे के, यदपि, यदिचेत, यद्यपि।

१००६. **इसलिए**—अतएव, अतः, अस्तु, परिणामतः, परिणामस्वरूप, फलतः, फलस्वरूप।

१००७. **फिर भी**—अपरंच, पुनः, फिर, फिर भी।

१००८. **कदापि नहीं**—कत्तई नहीं, कभी नहीं, बिल्कुल नहीं, मुतलक नहीं, हर्गिज़ नहीं।

१००९. **बार-बार**—अक्सर, अहोर, अहोर-बहोर, आएदिन, कईबार, फिर, फेरि, प्रायः, बहुधा, बहोर, बहोरि, बारहा, मुहुः, मुहुर्मुहुर्, रोज़।

१०१०. कितनी बार—कित्ती बार, कैबार।

१०११. पुनः—अपरंच, पुनि, फिर।

१०१२. किंतु—अपितु, परंतु, लेकिन।

१०१३. अचानक—अकस्मात, अचकाँ, अनाचक, अचाका, अचान, अचीता, अतर्कित, यदृच्छया, अनचीता, अनचितले, अनायास, अप्रत्याशित रूप से, आकस्मिक, आपाततः, इकबारगी, इकहाई, उचका, एक ब एक, एकबारगी, एकाएक, एकाएकी, औचक, तत्क्षण, सद्यः, सपदि, सहसा।

१०१४. तथापि—तत्तापि, तदपि, तद्यपि, तौ भी।

१०१५. थोड़ा थोड़ा कर के—अल्पशः क्रमशः, धीरे-धीरे।

१०१६. संपूर्णतः—पूर्णतः, पूर्णरूपेण, संपूर्णतया।

म

१. वंश—अल्ल, आस्पद, कुटुम्ब, कुल, खानदान, खान्दान, गोत, गोत्र, घराना, नसल, परिवार, बंश, बस, मस्कर।

२. कुलीन—अभिजात, कुलवंत, कुलवान, कौल, खानदानी, खान्दानी, सुजात।

३. गोत्र—कूरी, आस्पद, गोत, चरण, जाति, नाभि।

४. सगोत्र—गोतिया, गोती, गोत्रिय, प्रवर, भाईबंधु, सगोती।

५. पूर्वज—पुरखा, पूर्वज, पूर्वपुरुष, बंशज, बापदादा।

६. एक ही पूर्वज से उत्पन्न—एकजद्दी, दयाद, दायाद, पट्टीदार।

७. पुश्त—जुग, तंतु, पीढ़ी, पुस्त।

८. पैतृक—ऋक्थ, ऋक्थधन, ऋक्थप्राप्त, खानदानी, खान्दानी, तरका, पुश्तैनी, बपौती, मीरास, मौरूसी।

९. वरासत—ऋक्थ, दायधन, वर्सा।

१०. बिरादरी—बंधुता, बंधुत्व, बंधुता, बिरादरी, भाईचारा, भाईबंदता सगोत्रता।

११. भाई का भाव—बंधुता, बधुत्व, बिरादरी, भाईपन, भ्रातृत्व, भ्रातृभाव।

१२. भाई की तरह का—बधुवत, बिरादराना।

१३. बाप का—पित्र्य, पिदरी, पैतृक।

१४. बिना माँ बाप का—अनाथ, टूवर, यतीम, लावारिस।

१५ दो माताओ वाला—द्विमात, द्वैमातुर।

१६. चचा से उत्पन्न हो—चचाज़ाद, चचेरा।

१७. सौत से उत्पन्न—सौतेला।

१८. मौसी के सबन्ध का—खलेरा, मौसिआउत, मौसियायत, मौसेरा।

१९. मामी से संबंधित—ममेरा।

२०. निःसंतान—ऊत, अऊत, अपूत, निपूत, निपूता, निरबंशी, लावल्द, शंड।

२१. नाम—आख्या, इस्म, इस्मशरीफ, नाँय, नाँव, नामधेय, शुभनाम, शुभाक्षर, संज्ञा।

२२. नामधारी—नामधारी, नामवाला, नामी, नाम्नी ।

२३. वर्षगाँठ—जन्मतिथि जन्मदिन, बरस-गाँठ, वर्षगाँठ, सालगिरह ।

२४. विवाहना—निकाह पढ़ना, परिणय करना, पाणिग्रहण करना, विवाह करना, विवाहना, भाँवर घुमाना, ब्याहना, शादी करना, सिंदूर डालना, सिंदूर बाँधना, हाथ पकड़ना ।

२५. विवाहित—परिणित, विवाही, ब्याहा ।

२६. अविवाहित—अनब्याहा, अविवाही, कुमार, क्वारा, निरूढ़ ।

२७. क्वारपन—कुमारपन, क्वारापन ।

२८. बारात—जनेत, बरात, बरियात, बरयात्रा ।

२९. आयु—अवस्था, आयू, आयुर्बल, आयुष्य, आरबल, आरबला, उमिर, उम्र, ज़िन्दगी, जीवनकाल, वैस, वय, सिन ।

३०. बच्चा—कुमार, तिफ़्ल, नादान, बत्स, शिशु । दे० 'लड़का' 'पुत्र' ।

३१. शिशुता और यौवन के बीच की अवस्था—पौगंड ।

३२. नौजवान—जवान, तरुण, तरुन, नवयुवक, नवयुवा, नवसर, नौजवाँ, युवक, युवा ।

३३. जवानी—गदहपचीसी, जोवन, तरुणाई, तरुणावस्था, तरुनई, तरुनाई, शबनाब, पचीसी, युवावस्था ।

३४. बूढ़ा—ज़ईफ़, बरठ, जराग्रस्त, जर्जर, बावरा, बार्ध, बान, ठुक्का, डोकरा, पलित, बुढ़वा, बुढ़ौना, बूढ़, वयोवृद्ध, वृद्ध, स्थविर ।

३५. बुढ़ापा—चौथापन, ज़ईफ़ी, जरा, जरठत्व, जरठपन, जरा, जीर्ण, जीर्णता, जीर्णावस्था, जोफ, पीरी, वार्द्धक्य, बुढ़ाई, बुढ़ौती, वृद्ध, वृद्धता, वृद्धत्व, विस्रसा, वृद्ध, वृद्धता, वृद्धावस्था शतानीक, स्थाविर ।

३६. आरोग्य—अगद, अनामय, कंचन, चंग, चंगा, टंच, टनमना, तन्दुरुस्त, निम्मन, नीमन, नीरोग, पीन, पुष्ट, बेरोग, शफा, स्वस्थ, हृष्ट ।

विलोम—दे० 'रोगी' ।

३७. आरोग्यता—अगदता, तंदुरुस्ती, नीरोगता, स्वस्थता, स्वास्थ्य ।

विलोम—दे० 'रोग' ।

३८. बल—ओज, चंडता, ज़ोर, जोरशोर, ताक़त, तागत, तेज, दम, पराक्रम, पोढ़ापन, पौरुष, बूता, वीर्य शक्ति, सकता, सकति, सत, समरथाहि, समर्थता, सामर्थ्य ।

३९. कमजोरी—अवसाद, अशक्तता, अशक्ति, क्षीणता, दुर्बलता, नाताक़ती, निर्बलता, सामर्थ्यहीनता ।

विशेष—'कमजोर' के पर्यायों में यथास्थान 'पन' या 'ता' लगाकर और शब्द बन सकते हैं ।

४०. बलवान—अठेल, ओजशाली, खाँगड़, खाँगड़ा, गब्बर, चंड, जबर, ज़बरदस्त, जब्बर, ज़ोरदार, ज़ोरावर, तंदुरुस्त, ताक़तवर, तेजवान, पराक्रमी, पाकट, पुष्ट, प्रचंड, बलगर, बलवंड, बलवंत, बलशाली, बलशील, बलाग्र, बलाढ्य,

बलिया, बली, मज़बूत, वीर्य्यकृत, वीर्य्यतम, वीर्य्यवंत, वीर्य्यवान, शक्त, शक्तिमान, शक्तिवान, शक्तिशाली, शक्तिसपन्न, समरथ, समर्थ, सशक्त, सामरथ, सामर्थ्यवान, सामर्थी, स्वस्थ ।

४१. पुष्ठ--कठिन, दृढ़, पोढ़, प्रौढ़, मज़बूत ।

४२. कमज़ोर—अबल, अञ्चर, अशक्त, असमर्थ, अस्वस्थ, क्षीण, क्षीन, ढील, दुबला, दुर्बल, निबल, निर्बल, बलहीन, वीर्यगत, वीर्यहीन, शक्तिहीन, शिथिल, सामर्थ्यहीन, सुस्त, हतप्रभ, हीनबल ।

४३. कुमारी—अचिरोढ़ा, कुमारी, दृष्टिपुष्पा, धेनुका, नौकलार्था, रामा, श्यामा ।

४४. नवयौवना—तरुणी, तलुनी, नव यौवना, प्रमदा, प्रियगु, युवति, युवती, रमणी ।

४५ वृद्धा--जरठा, जर्जरा, जीर्णा, डोकरी, बुढ़िया, बूढ़ो ।

४६. सधवा—धवयुक्ता, सुवासिनी, सुहागिन, सुहागिनी, सुहागिल, सौभागिनी, सौभाग्यवती, सौभाग्यशालिनी ।

४७. स्त्री के सधवा रहने की अवस्था—अहिवात, सुहाग, सोहाग, सौभाग्य ।

४८. विधवा—अधवा, अनाथा, जालिका, धवहीना, पतिहीना, बेवा, मँगधोवनी, यतिना, यती, रंडा, राँड़, विश्वस्ता ।

४९. विधवापन—बेवापन, रंडापा, वैधव्य ।

५०. पतिव्रत—पतिव्रत्य, पतिव्रत, पाकदामिनी, शुद्धचरित्रता, सतीत्व, सतीपन, सत ।

५१. रजस्वला—ऋतुमती, ऋतुवती, पुष्पवती, रजोवती ।

५२. गर्भवती—अंतर्वत्नी, आपन्नसत्वा, उदरिणी, गर्भिणी, गुर्विणी, गुर्वी, दोपस्ता, दोहदवती, पेटवाली, प्रजावती, ससत्वा, हामला ।

५३. प्रसव—जनन, प्रजनन, प्रसूति ।

५४. प्रसूता—अजातर्ता, जच्चा, प्रसूता ।

५५. पुत्रवती--पुत्रवाली, पूती ।

५६. सुन्दरी—कलावती, कल्याणी, गोरी, रूपसि, विधुवदनी, विधुनैनी, शोभना, सुभगा, सुमुखी ।

५७. सुकुमारी—कोमलांगी, मृदुलांगी ।

५८. कामिनी—कामवता, कामुका, कामुकी, रमणी, विलासिनी ।

५९. मृगनैनी--तरललोचना, मीनाक्षी, मृगनैना, मृगलोचना, मृगलोचनी, मृगाक्षी, वामाक्षी, सुनेत्रा, सुनैना, सुलोचिनी, हरिणाक्षी ।

६०. स्तनयुक्ता—सुस्तनी, सुरोजा, स्तनी ।

६१. पतला कमर वाली स्त्री—कृशोदरी, मदोदरी ।

६२. जिस स्त्री ने कभी रति न की हो—अक्षतयोनि, अक्षता ।

६३. कुबरी--कुबड़ी, कुब्जा ।

६४. कुलकलंकिनी—कुलकलंक, कुल बोरन, कुलांगारिनी ।

६५. कलह करने वाली—अल्लामा, कर्कशा, कलहकारिणी, कलहप्रिया, कलहिन, कलहिनी, चंडी, कुबेल ।

६६. कुलटा—चपला, छिनार, छिनाल,

परपुरुषगामिनी, पांशुला, पुंश्चली, भ्रष्टा, व्यभिचारिणी, स्वैरिणी।

६७. **तेलमर्दन**—अभ्यंग, तेलमर्दन, तैलमर्दन, स्नेहन।

६८. **स्नान**—अवगाहन, आल्पव, आल्पाव, गुसल, गुस्ल, नहाना, निमज्जन, मज्जन, स्नायन, हनाना।

६९. **नहाना**—अन्हाना, अवगाहना, गुस्ल लेना, निमज्जन करना, स्नान करना।

७०. **नहलाना**—अन्हवाना, नहवाना, स्नान कराना।

७१. **शरीर पोछना**—अंगप्रोक्षण अँगोछना, नहाना।

७२. **निचोड़ना**—गारना, निचोरना, निचोना, निथारना, पसाना, फरियाना, सत निकालना, साफ करना, सार निकालना।

७३. **चंदनादिलेपन**— चर्चा, चार्चिक्य, विलेपन।

७४. **केशकर्म**—ऊँछना, ऐंछना, कंघी करना, काढ़ना, केशविन्यास, प्रवेणी, सीमंत।

७५. **शरीर का सँवारना**—अंगकर्म, अंगसंस्कार, आकल्प, टीमटाम, ठाटर, ठाटबाट।

७६. **ठटना**—टटना, ठठना, ठाट बाट करना, बाट करना, बनना, पहनना, रचना, केश-विन्यास करना, सजना, सज धजकरना, सजावट करना, सँवारना।

७७. **सजाना**—चमकाना, दुरुस्त करना, प्रसाधन करना, प्रसाधित करना, बनाव-चोनाव करना, रचाना, विमंडित करना, शृङ्गार करना, सँवरना, सँवारना, सजाना, सजाना-बजाना, सजोना, सज्जित करना, सिंगारना, सुसज्जित करना।

७९. **पहनावा**—आच्छादन, कपड़ालत्ता, पहिरन, पोशाक, भरनि, लिबास, वस्त्र।

८०. **पहनना** (कपड़ा आदि)—धारण करना, परिच्छद करना, परिधान करना, परिधेय करना, पहरना, पहिनना, पहिरना, पेन्हना, पेन्हना।

८१. **निमंत्रण**—आमंत्रण, आह्वान, नवेद, निमंत्रन, न्योता, बुलावा, बोलावा हँकारा।

८२. **निमंत्रित**—आमंत्रित, आहुत, आहूत, न्यौतहरी, बुलाया।

८३. **अनिमंत्रित**—अनाहूत, बिना बुलाया।

८४. **मेहमानदारी**—अतिथिपूजा, अतिथियज्ञ, अतिथिसत्कार, आतिथ्य, पहुनाई, पाहुनी, मेहमानी।

८५. **न्योता देना**—आमन्त्रण देना, नवेद देना, निमंत्रण देना, निमन्त्रना, निमन्त्रित करना, न्योतना, न्यौतना, न्यौता देना, बुलाना, बुलावा देना, हल्दी बाँटना।

८६. **शरीक**—अंतर्गत, मिला, शरीक, शामिल, समुष्टि, सम्मिलित।

८७. **शरीक होना**—आना, भाग लेना, मिलना, शामिल होना, शिरकत करना, सम्मिलित होना, हिस्सा लेना, हाथ बटाना।

८८. **रसोइयाँदार**—ठाकुर, बावरची, बाम्हन, ब्राह्मण, भंडारी, महराज, रसोइया, सुआर, सुवार, सूप, सूपक, सूपकार।

८६. रसोई बनाना—खाना पकाना, चूल्हा जलाना, भोजन बनाना। दे० 'पकाना'।

६०. पकाना—औटना, औटाना, उबालना, गाढ़ा करना, चुराना, जोश देना, बनाना, राँधना, रींधना, रीन्हना, सिझाना, सिद्ध करना।

६१. पका—औटा, गला, गला-पका, गाढ़ा, घुला, चुरा, पक्व, परिपक्व, रँधा, राँधा, रीन्हा, सिद्ध।

६२. पकना—औटा जाना, गाढ़ा होना, चुरना, पकना, पाकना, पक्व होना, रँधना, सिद्ध होना, सीझना।

६३. गूँथना (आँटा या बेसन आदि)—कचरना, गूँथना, फेटना, फेंटना, मलना, मसलना, माँड़ना, मिलाना, रूँधना, रौंदना, सानना।

६४. बघारना—कल्हारना, छनन मनन करना, छौंकना, छौंकना-बघारना, तड़का देना, तलना, फोरन देना, बघाड़ना, भूनना, भूँजना।

६५ पगना—ओतप्रोत होना, डूबना, निमज्जित होना, पगना, बूड़ना, भिगना, भिजना, भिनना, भीगना, भीजना, मग्न होना, रसना, रस में डूबना, लीन होना, सनना।

६६. पगा—ओतप्रोत, डूबा, निमज्जित, मग्न, रसा, लीन, सना।

६७. भूँजना—आग में डालना, तताना, तलौना, भर्जन करना, भुँजना, भूनना, भौराना, सेंकना।

६८. खौलाना—उबालना, कड़कड़ाना, कलकलाना, खदखदाना।

६६. उबालना—उबालना, औटना, औटाना, खौलाना, गरमाना, गर्म करना, गाढ़ा करना, जोश देना, पकाना, पक्व करना।

१००. उबलना—उबाल खाना, कड़कड़ाना, कलकलाना, गर्म होना, खौलना।

१०१. सेरवाना—जुड़वाना, जुड़ाना, ठंडा करना।

१०२. सेराना—जुड़ाना, ठंडा पड़ना, ठंडा होना, पानी होना, बर्फ होना, बसियाना, शीतल होना, सेराना।

१०३. जलाना (लकड़ी कोयला आदि)—जराना, जलाना, दग्ध करना, दहकाना, दाहना, धराना, प्रज्वलित करना, भस्म करना, भस्मसात करना, लहकाना।

१०४. जलना—आग लग जाना, खाक होना, जरना, दग्ध होना, दहना, नष्ट होना, भस्म होना, बरना, बलना, बरबाद होना, सुलगना, स्वाहा होना।

१०५. अगियाना—अगियाना, गर्म लगना, जलना, जलन होना, तप्त होना, तपना, दहना, दाह होना।

१०६. उफनना—उबलना, उफनाना, उबलना, उबाल आना, खौलना, गरम होना, गरमा जाना, जोश खाना, जोश में आना।

१०७. पिघलना—गलना, टघरना, टघलना, टेघरना, द्रवित होना, द्रवीभूत होना, पल्जिना, पघिलना, पिघलना।

१०८. धधकना—जल उठना, ज्वलित होना, धधकना, प्रज्वलित होना, भभकना, सुलुगना, सुलगना।

१०९. चिनगारी—चिनगारी, चिनगी, लुत्ती, स्फुलिंग।

११०. जलाना (चिराग आदि)—अँजोरना, जराना, जलाना, बराना, बारना, बालना, रोशन करना, लगाना।

१११. बुझाना—गुल करना, ठंढा करना, ठंडा करना, निर्वाण करना, बढ़ाना, बुझाना, बुताना।

११२. नाश्ता करना—कलेऊ करना, कलेवा करना, खरमटाव करना, खरमेटाव करना, खराई मारना, खराई मिटाना, जर-जलपान करना, जलपान करना, नाश्ता करना, पानी पीना, मुँह मे डालना। 'नाश्ता' के लिए दे० 'जलपान'

११३. भूख—अतृप्ति, अशनाया, इच्छा, छुत, छुधा, जिघत्सा, पेयगि, बुभुच, बुभुचा, भूँक, भूक, भूख, भोजनेच्छा, रुचि, लालसा।

११४. भूखा—अतृप्त, छुधातुर, छुधालु, छुधावंत, छुधावान, छुधित, बुभुक्षित, भुक्खड़, भुखालु।

११५. भुक्खड़—भुकमरा, भुखमरा।

११६. भूखा होना—खाली पेट होना, छुधित होना, छुधाना, बुभुक्षित होना, भुकाना, भुखाना, विभुक्षित होना।

११७. खाना—आहार करना, खाना खाना, जीमना, जेंवना, पाना, पा लेना, प्रसाद पाना, विजय करना, वियारी करना, भोग लगाना, भोजन करना, भोजन पाना, रोटी खाना, विजय करना। 'खाना' के लिए दे० 'भोजन'

११८. निगलना—खा जाना, गटक जाना, गटकना, गपक जाना, गले के नीचे उतार जाना, घूँटना, घोंटना, घोंट जाना, डकार जाना, निगरण करना, निगल जाना निगलना, लील जाना, लीलना।

११९. जुगाली करना—जुगलाना, चबाना, पगुराना, पगुरी करना, रोमंथ करना।

१२०. आचमन करना—(भोजन के बाद हाथ मुँह धोना) अँचवना, अचना, अचवना, आचमन करना, कुल्ला करना, कुल्ली करना, मुँह धोना, हाथ-मुँह धोना।

१२१. प्यासा—तृषावंत, तृषावान, तृषित, पिपासु, पियासल, पियासा।

१२२. प्यास—उदन्या, उपलासिका, तर्ष, तृषा, तृष्णा, पानेच्छा, पिपास, पिपासा, पियास, प्यास।

१२३. पीना—अँचवना, अचना, अचवना, आचमन करना, पान करना।

१२४. स्वाद—आस्वाद, जायका, मजा, रस, सवाद।

१२५. चखना—आनंद लेना, आस्वादन करना, खाना, चखना, चीखना, ज़बान पर रखना, जुठारना, रसास्वादन करना, मजा लेना, जायका लेना।

१२६. चबाना—काट खाना, चर्वण, करना, चाबना, चाभना, चूसना।

१२७. सरस—ज़ायकेदार, मज़ेदार, रस-युक्त, रसीला, सुस्वादु, स्वादिष्ट।

१२८. सूखा—अनरस, अनाई, उकठा, कांतिहीन, खदरा, खसखसा, खुरखुरा, खुश्क, झुलसा, झूर, झूरा, नीरस, पिचका, मलिन, रसहीन, रुक्ष, रूखा, सीठा, शुष्क।

१२९. सरसता—रसयुक्तता, रसीलापन, सुस्वादुता, स्वादिष्टता।

१३० शुष्कता—अनरसता, नीरसता, रस-हीनता, रूक्षता, रुखाई, सूखापन, सिठाई, सीठापन ।

१३१. चुरमुरा—कुरकुरा, चुमुरा ।

१३२. सूखना—उकठना, उदास होना, कांतिहीन होना, कुरना, कुम्हलाना, कुराना, निष्प्रभ होना, नीरस हो जाना, पिचकना, मलीन होना, मुरझाना, शुष्क हो जाना, रसहीन होना सोखना ।

१३३. सुखाना—कुरवाना, कुरसाना, कुराना, कुम्हलाना, शुष्क करना, शोषण कराना, सुखवाना, सोखाना ।

१३४. सोखना—चूसना, रस खींचना, शुष्क करना, शोषण करना, शोषित करना, सोषना ।

शोषक—चूसक ।

१३५. गर्मी—आतप, उत्तप्तता, उत्ताप, उमस, गरमाई, गरमी, उष्णत्व, ऊष्म, उष्मा, चंड, तपन, तपनि, तपिश, ताप, दहगो, दहनि, सेंक ।

१३६. सर्दी—जाड़ा, ठंड, ठंद, उदक, ठंडी, ठार, शीतलता ।

१३७. गरम—उत्तप्त, उष्ण, गर्म, जलता, तत्ता, तपित, तप्त, तात, ताता, तापित ।

१३८. सर्द—ठंडा, ठढा, ठार, शात, शीतल, सीतल, सरद, हिमवत ।

१३९. गर्म करना—आग दिखाना, आग पर रखना, गर्माना, ताप करना, तपाना, ताप देना, सिकाना, दे० 'खौलाना' 'उबालना' ।

१४०. सर्द करना—जुड़वाना, ठंडा करना, शीतल करना ।

१४१. गर्म होना—उष्ण होना, तप्त होना, तमकना, दमकना, दबना, धिकना ।

१४२. सर्द होना—जूड़ होना, जुड़ाना, ठढा होना, ठिठुर जाना, ठिठुरना, शीतल होना ।

१४३. छिड़कना—आर्द्र करना, उपसेचना, गीला करना, छिड़कना, छिड़काव करना, छिरिकना, छींटना, तर करना, भरना, भिगाना, भिगोना, सिंचन करना, सिक्त करना, सींचना ।

१४४. सिक्त—आर्द्र, तर, नम, भींगा, भींजा ।

१४५ ठिठुरना—अकड़ना, काँपना, काठ होना, जड़ाना, जम जाना, जमना, ठढ लगना, ठिठरना, थरथरना, पत्थर होना, शीत लगना, सर्दियाना ।

१४६. गलना—आर्द्र होना, चरण होना, गलना, घुलना, छरना, द्रवित होना, द्रवीभूत होना, नरमाना, पघिलना, पसिजना, पसीजना, पिघलना ।

१४७. सर्वेश—चक्रवर्ती राजा, सम्राट्, सर्वेश, सर्वेश्वर ।

१४८. शासन—अमलदारी, बादशाही, राज, राज्य, शासन, हुकूमत ।

१४९. प्रभुत्व—अख्तियार, अधिकार, आधिपत्य, कब्ज़ा, क़ाबू, पतित्व, पत्य, प्रभुता, प्रभुताई, बश, रउताई, वश, स्वामिता, स्वामित्व ।

१५० शासक—अफ़सर, शास्ता, सरदार, हाकिम ।

१५१. सरदारी—अगुवाई, नेतागीरी, सरदारी ।

१५२. **जिस पर शासन हो**—शासित।

१५३. **युवराज का पद**—युवराई, युवराजी, युवराज्य, यौवराज।

१५४. **वज़ारत**—मंत्रिता, मंत्रित्व, वज़ीरी।

१५५. **मंत्रणा**—मत, मत्र, मशवरा, मशविरा, परामर्श, राय, सम्मति, सलाह।

१५६. **पारिषद्**—परिषदी, सभासद, सभासद्।

१५७. **प्रबंध**—आयोजन, इंतज़ाम, क़रीना, क़ायदा, पद्धति, बंदोबस्त, विधान, विधि, व्यवस्था।

१५८. **कुप्रबंध**—अंधेर, अंधेर खाता, अंधाधुंध, अन्याय, अविचार, उपद्रव, गड़बड़, धींगा-धींगी।

१५९. **प्रबंध करना**—इंतज़ाम करना, चलाना, थाँभना, निर्वाहना, बनाना, व्यवस्था करना, सञ्चालन करना, सँभालना, सँवारना, सुधारना।

१६०. **संचालक**—आरंभक, आरंभकर्त्ता, चलाने वाला, चालक, परिचालक, प्रवर्तक।

१६१. **व्यवस्था**—क़ायदा, तरकीब, परंपरा, परिपाटी, श्रेणी, शृंखला, सिलसिला।

१६२. **निरीक्षण**—जाँच, पड़ताल, देखभाल, देखरेख, निगरानी निगहबानी, निरीक्षण, परीक्षण, परीक्षा, मुआइना।

१६३. **नीरीक्षण करना**—'निरीक्षण' के पर्यायों में 'करना' जोड़कर पर्याय बनाए जा सकते हैं।

१६४. **न्याय**—अदल, इनसाफ, इन्साफ, न्याउ, निर्णय, न्याइ, न्याय, न्याव, विवेक।

१६५. **अन्याय**—अंधेर, अनीति, बेइंसाफ़ी, अन्याव।

१६६. **न्यायी**—अदलपसंद, इंसाफ़ी, न्यायवान।

१६७. **अन्यायी**—अनीतिवान, क्रूर, बेइंसाफी।

१६८. **न्याययुक्त**—न्याय्य, न्यायसंगत।

१६९. **अत्याचार**—अंधेर, अनाचार, अन्याय, अनीति, अपकार, अविचार, उत्पात, जफ़ा, जबरई, ज़बरदस्ती, जोराजोरी, जियादती, ज़ुल्म, जोरी धींगा-धींगी, धींगामुश्ती, नृशसता, सख़्ती।

१७०. **अत्याचारी**—अनाचारी, अपकारी, ज़ालिम, ज़ुल्मी, नृशंस।

१७१. **प्रताप**—इकबाल, एकबाल, ओज, ओजस्विता, कांति, तेज, दीप्ति, प्रताप।

१७२. **प्रतापी**—तेजवंत, तेजवान, तेजसी, तेजस्वी, प्रभावशाली।

१७३. **रोब**—ठाट, दबदबा, धाक, रुतबा, रोब, रौब।

१७४. **रोबइल**—ठाटदार, धाक वाला, मातबर, रोबदार, रोबैल।

१७५. **विप्लव**—अनैहा, अव्यवस्था, अशांति, आंदोलन, इनकलाब, उत्पात, उथल-पुथल, उपद्रव, उधम, कंप, क्रांति, खलबली, दंगा, फ़साद, बखेड़ा, बग़ावत, बलवा, लड़ाई, लड़ाई-झगड़ा, विचलन, विद्रोह, हंगामा, हलचल, हुल्लड़।

१७६. **विप्लवी**—आंदोलनकारी, उत्पाती, उपद्रवी, ऊधमी, क्रांतिकारी, फ़सादी, बग़ावती, बलवाई, विद्रोही, हुल्लड़ी।

१७७. **राजद्रोही**—क्रांतिकारी, बलवाई बाग़ी, राजद्रोही, विद्रोही।

१७८. कानून—आईन, क़ायदा, ज़ाब्ता, धारा, नियम, योग, रसूम, राजनियम, विधि।

१७९. कानूनदाँ—कानूनियाँ, कानूनी, मुख्तार, वकील।

१८०. कानूनी—क़ानूनी, नियमानुकूल, वैध।

१८१. नियमित—क्रमबद्ध, नियमबद्ध नियमित, नियंत्रित, प्रतिबद्ध।

१८२. बेकायदा—अवैध, ग़ैरकानूनी, नियम-विरुद्ध।

१८३. दफ़ा—एक्ट, दफ़ा, धारा।

१८४. मुकदमा—अभियोग, केस, दावा, नालिश, फरियाद, मोकदमा।

१८५. अदालती—कानूनी।

१८६. मसौदा—खर्रा, पाडुलिपि, पाडु-लेख, मसविदा, मसौदा।

१८७. ज़ामिन—ज़ामिन, प्रतिभू, लग्नक।

१८८. सम्मन—अनुशासन पत्र, आज्ञापत्र, परवाना, फरमान, शासन, सनाना, समन, हुक्मनामा।

१८९. प्रतिज्ञापत्र—अहदनामा, इकरार-नामा, प्रतिज्ञा पत्र।

१९०. साक्षी देना—गवाही देना, प्रमाण देना, शहादत देना, साक्षी देना, साख देना, साखी देना, साखना।

१९१. गवाही—इजहार, गवाही, बयान, ब्यान, शहादत, साक्षी, साखी।

१९२. प्रमाण—उपपत्ति, परमाण, प्रत्यय, प्रमान, सबूत।

१९३. प्रमाणित करना—उपपत्तित करना, प्रमाण देना, प्रमाणित करना, प्रमानना, प्रमानित करना, सबूत देना, साक्षी देना, साबित करना, सिद्ध करना।

१९४. मुहर—छाप, छापा, मुद्रा, मुहर।

१९५. दूत का काम—दूतकर्म, दूतता, दूत-पन, दूतत्व, बसीठी।

१९६. रक्षक—जामिक, ड्योढ़ीदार, दर-बान, द्वारपाल, अगोरिया, पालक, मरैया, मुहाफिज, रक्ष, रक्षक, रखया, रखवाला, रखिया, रखैया, सतरी, सरक्षक, हमाल।

१९७. भक्षक—खादक, नाशक, विनाशक, दे० 'नाश कर्ता'

१९८. रक्षा—अगोर, क्षेम, खबरदारी, देख-रेख, निगरानी, पहरेदारी, बचाव, रक्षण, रखवाली, रखाई, रच्छा, संरक्षण, सुरक्षा, सेवा, हिफ़ाजत।

१९९. रक्ष्य—पालव्य, रक्ष्य, सेव्य।

२००. पालना—खिलाना-पिलाना, निर्वा-हना, परवरिश करना, पालन-पोषण करना, पालना-पोसना, पोषण करना, पोसना, भरण करना, भरण पोषण करना, रक्षा करना, रखना।

२०१. पलना—तैयार होना, पनपना, परव-रिश पाना, पाला-पोसा जाना, पालित होना, पोषण पाना, पोषित होना, पोस पाना, प्रतिपालित होना, बढ़ना, संरक्षण पाना, सरक्षा पाना, संरक्षित होना।

२०२ आश्रय—अवलब, अवलंबन, आधार, आसरा, पनाह, भरोसा, शरण, सहारा।

२०३. अनाश्रय—अनाथ, अनाश्रित, असहाय, दीन, निरवलम्ब, निराधार, निराश्रय, बेभरोसा, बेसहारा।

२०४. **सनाथ**—अदीन, नाथयुक्त, सस-हाय।

२०५. **अगोरना**—अगोरिया करना, चौकसी करना, चौकीदारी करना, चौकी देना, देखना, देख रेख करना, रक्षा करना, रखवाली करना, रखाना, पहरा देना, पहरेदारी करना, सुरक्षित रखना, हिफ़ाज़त करना।

२०६. **चोरी**—कज़ाकी, कज़्ज़ाकी, चौर्यकार्य, छापा, ठगई, ठगपन, ठगहाई, ठगहारी, ठगाई, ठगी, डकैती, डाका, डाकाज़नी, दस्युता, दस्युवृत्ति, धूर्तता, प्रतारण, बंच-कता, बंचकताई, बंचना, बटपरा, बटपारी, बटमारी, लुटेरपन, हारीत।

२०६. अ. **चोरी न करना**—अचौर्य, अस्तेय।

२०७. **सेंध**—नकब, सेंह।

२०८. **ठगना**—ऐंठना, छल करना, छलना, चटना, ठगना, धूर्तता करना, धोखा देना, प्रतारण करना, प्रतारित करना, फुसला कर ले लेना, भुलाना, भुलावा देना, मूँडना, लूटना, लूट लेना।

२०९. **झाँसना**—झटकना, झटक लेना, झाँसना, झाँसा देना, झाँसा-पट्टी देना, झाँसा-पट्टी पढ़ाना, ठगना, ठगमूरी खिलाना, दम बुत्ता देना, धोखा देना, फुसलाना, बहकाना, बहलाना, भुलवाना, भुलावा देना, मार लेना।

२१०. **चुराना**—अपहरण करना, अपह-रना, अपहरित करना, उड़ा लेना, गिरह-कटी करना, गिरह काटना, चोरी करना, छीनना, छीना-झपटी करना, छोरना, झटकना, झटक लेना, झपटना, ठगना, डकैती करना, डाका पड़ना, डाका मारना, मार लेना, मूसना, लेना, ले लेना, हरण करना, हरना।

२११. **लूटना**—खसोटना, चुराना, चोरी करना, छीन लेना, झटकना, झपट लेना, मार लेना, मूसना, लूटना, ले लेना।

२१२. **ले लेना**—खा डालना, मार लेना, हज़म कर लेना, हड़पना।

२१३. **छिन जाना**—अपहरण हो जाना, अपहृत होना, अलग हो जाना, चोरी जाना, दूर हो जाना, नष्ट हो जाना, बरबाद हो जाना, रिक्त हो जाना, छूट जाना, विहीन हो जाना, हर जाना, हरण हो जाना।

२१४ **हत्या**—आघात, क़तल, क़त्ल, ख़ून, बध, हनन, हिंसा।

२१५. **हत्यारा**—खूंख़ार, घातक, घातकी, घातिनी, घाती, मारक, सहारक, हिंसक, हिंसालु, हिंस्र।

२१६. **आत्महत्या**—आत्मघात, खुदकशी, खुदकुशी।

२१७. **आत्मघातक**—आत्मघाती।

२१८. **मारडालना**—ख़तम करना, ख़ून करना, घाना, घालना, घनना, नाशना, नासना, प्राण लेना, प्राणघात करना, बधना, बिसखना, बिहंडना, मारना, लोथ डालना, विनासना, समाप्त करना, हतना, हत्या करना, हनना।

२१९. **लाश**—मिट्टी, मुर्दा, लोथ, लोथि, शव।

२२०. **जुर्म**—आक्षेप, अपराध, इल्ज़ाम, इलज़ाम, कसूर, गुनाह, दोष, पाप।

२२१. क़ैदी—अपराधी, अभियुक्त, कैदी, दोषी, बंद, बंदा, बंदी, बंदीवान, बँदेरा, बँधुआ, बादू, मुजरिम, मुलज़िम।

२२२. क़ैद—कारा, कारावास, कैद, कैदखाना, जेल, जेहल, बंदिगृह, बंध। दे० 'कारागार'

२२३. पकड़—ग्रसन, ग्रहण, ग्राह, गिरफ़्तारी, धर पकड़।

२२४. पकड़ना—गिरफ़्तार करना, ग्रसना, ग्रहण करना, ग्रासना, थँभना, थामना, थाम्हना, धरना, पकरना, लेना, सभालना, हथियाना, हस्तगत करना, हाथ में लेना।

२२४ अ. दंड—जुर्माना, डाँड़, ताड़न, दंड, शासन, शास्ति, सज़ा, सजाई, सजाय।

२२५. दंडना—अर्थ दंड लगाना, जुरमाना लगाना, डाँड़ लगाना, ताड़ना, ताड़ित करना, दंड लगाना, दंडित करना, पीटना, मारना, सज़ा देना।

२२६. दंडनीय—दंड्य।

२२७. अदंडनीय—अदंड, अदंड्य।

२२८. वध्य—वधनीय, वध्य, हननीय, हन्य।

२२९. सूली—फांसी, प्राणदंड।

२३०. छुटकारा—उद्धार, उबार, छुट्टी, छूट, निजात, निभेरी, निस्तार, निस्तारा, नेजात, मुक्ति, मोक्ष, रिहाई।

२३१. छुटकारा होना—अजादी होना, उबरना, उद्धार पाना, छुटकारा पाना, छूटना, तरना, निर्वाण पाना, निसतरना, निस्तरना आण बचना, बैतरनी पार होना, भवसागर पार होना, मुक्त होना, मुक्ति पाना, स्वतंत्र होना।

२३२. जिसका छुटकारा हुआ हो—छूटा, छोड़ा, त्यक्त, निर्मुक्त, निस्तीर्ण, न्यस्त, मुक्त, रिहा। दे० 'स्वतंत्र'।

२३३. उद्धारना—आज़ाद करना, आज़ादी देना, उतारना, उद्धार करना, उबारना, छुटकाना, छुटकारना, छुटकारा देना, छुड़ाना, छोड़ना, तारण करना, तारना, त्राण देना, निसतारना, निस्तारण करना, निस्तारना, बँचाना, भौसागर पार करना, पार करना, पार लगाना, बचाना, बैतरनी पार करना, मुक्त करना, मुक्ति देना, मोचना, मोषना, सद्गति देना।

२३४. स्वतंत्र—अज़ाद, अनियंत्रित, अपावृत, आज़ाद, उच्छृंखल, निरंकुश, आज़ाद, नियंत्रित निरर्गल, निरवग्रह, निर्बंध, निर्मुक्त, बंधन-विहीन, मनमाना, मुक्त, यथाकामी, स्वच्छंद, स्वाधीन, स्वैर, स्वैरचारी, स्वैरी।

२३५. परतंत्र—अदर, अधीन, आधीन, अस्वच्छंद, आबद्ध, आयत्त, गुलाम, गृह्यक, जकड़ा, नाबे, निघ्निन, निघ्न, निरघिन, मातहत, परतंत, परवश, पराधीन, बंध, बंधा, बद्ध, बसो, वशवर्ती, वशीभूत, शरण, शृंखलित।

२३६. स्वतंत्र करना—'स्वतंत्र' के पर्यायों में 'करना' और 'स्वतंत्रता' के पर्यायों में 'देना' या 'प्रदान करना' जोड़कर पर्याय बनाए जा सकते हैं। जैसे 'आज़ाद करना' या 'मुक्ति देना' आदि।

२३७. परतंत्र करना—बंधन में डालना, बाँधना। ऊपर की भाँति 'परतंत्र' और

'परतन्त्रता' के पर्यायों से इसके पर्याय बनाए जा सकते हैं।

२३८. स्वतंत्रता—आज़ादी, आज़ादी, उच्छृंखलता, निर्बंधता, निमुक्तता, मनमानापन, मुक्ति, स्वच्छंदता, स्वातंत्र्य, स्वाधीनता, स्वैरचारिता, स्वैरता।

२३९. परतन्त्रता—अधीनता, आधीनता, गुलामी, ताबेदारी, परवशता, पराधीनता, बंधन, मातहती, वशता, वशिता, वशित्व, वश्यता।

२४०. आज्ञा—अग्र्या, अनुज्ञा, अनुमति, अनुशासन, आदेश, इजाज़त, कहना, कहा, प्रचोदन, शासन, हुक्म।

२४१. आज्ञा देना—अढ़वना, अर्हवना, आज्ञा करना, कहना, हुकमना, हुक्म देना, हुक्म लगाना।

२४२. आज्ञाकारी—अनुगामी, आज्ञापालक, फ़रमाबरदार, हुक्मबरदार।

२४३. आज्ञापालन—फ़रमाबरदारी, हुक्मबरदारी।

२४४. अनुसरण—अनुकृति, अनुगति, अनुगमन, नकल।

२४५. अनुसरण करना—अनुकरण करना, अनुकार करना, अनुसरना, अनुहरना, नकल करना, पीछे चलना, पीछे-पीछे चलना।

२४६. अनुगामी—अनुग, अनुगत, अनुगामी, अनुज, अनुयायी, अनुसारी, नकलची।

२४७. पटोलना—कुँड़ना, कुचलना, दबाना, पलाटना, पलोवना, मलना, मींजना, मीसना, मेवना।

२४८. मनाना—अनुनय करना, अनुराधना, पाँव पड़ना, प्रसन्न करना, प्रसादन करना, प्रार्थना करना, अनुहार करना, मनौती करना, मनौती मानना, मिन्नत करना, राजी करना, विनती करना, विनय करना, हाथ जोड़ना।

२४९. नौकरी—अन्ना, कर्क्य, किंकरता, खवासी, खिदमत, खिदमदगारी, चाकरी, चेराई, टहल, दासता, दासत्व, दासपन, दास्य, नौकरी, परिचरजा, परिचर्या, परिचार, परिचारण, भृति, मुलाज़िमत, सहकारिता, सेवकाई, सेवा, सेवावृत्ति।

२५० प्रार्थना-पत्र—अप्लीकेशन, अरजी, अर्ज़ी, आवेदनपत्र, निवेदन-पत्र।

२५१. प्रार्थी—अरज़ीदार, उम्मीदवार, निवेदक, सायल।

२५२. निवेदन किया हुआ—निवेदित, प्रार्थित।

२५३. उपाधि—खिताब, खेताब, डिग्री, पद।

२५४. डिग्री—योग्यता।

२५५. योग्यता के अनुसार स्थान—ओहदा, जगह, नौकरी, पद, स्थान।

२५६. एवजी—एवजी, क़ायममुक़ाम बजाय, स्थानापन्न।

२५७. उपस्थित—आयात, उद्यत, तैयार प्रतिपन्न, प्रस्तुत, वर्तमान, मौजूद, विद्यमान, हाज़िर।

२५८. अनुपस्थित—अनुद्यत, अप्रस्तुत अभाव, ग़ायब, ग़ैरहाज़िर, बिना, रहित शून्य।

२५९. उपस्थिति—मौजूदगी, विद्यमानता हाज़िरी।

२६०. **अनुपस्थिति**—अभाव, अविद्यमानता, ग़ैरमौजूदगी, गैरहाज़िरी, शून्यता।

२६१. **उपस्थित रहना**—अछना, मौजूद रहना, रहना, वर्तमान रहना, स्थित रहना, हाज़िर रहना, हाज़िर होना, होना।

२६२. **लड़ाई**—अनीक, अभिसम्पात, अभ्यामर्द, आनाह, आयोधन, आस्कंदन, आहव, आहर, क्रंदन, कटकट, कलह, घमसान, घमासान, घोरण, जंग, जुज्झ, जुझार, जुद्ध, जूझ, दंगा, दारण, पुष्कर, राबदारी, बराक, भारत, भारथ, मार, मारका, मारकाट, युद्ध, रण, रणरंग, रन, रोला, लरनि, लराई, विग्रह, विदारण, संकुल, संगर, संग्राम, सप्रहार, सयुग, समनीक, समर, समाघात, समित, समिति, समिथ, समीक, समोह, सामना।

२६३. **हरावल**—हरवल, हरावर, हिरावलि, हिरौल।

२६४. **क़तार**—अवलि, पंक्ति, पगत, पंगति, पद्धति, पाँती, माल, माला, श्रेणी, शृंखला, सिलसिला।

२६५. **युद्धनाद**—युद्धघोष, ललकार, हल्ला, हाक, हुँकार, हूहू।

२६६. **धारदार**—अनियारा, तीक्ष्ण, तीक्ष्ण, तेज़, नुकीला, नोकदार, पैना।

२६७. **टेना**—टेवना, तीखा करना, तेज़ करना, धार देना, पत्थर चटाना, पैना करना, रगड़ना, सान चढ़ाना।

२६८. **नोक**—अनी, किनारा, सिरा।

२६९. **नुकीला**—अनियारा, नोकदार।

२७०. **हथियारबंद**—शस्त्रधारी, सशस्त्र।

२७१. **धनुर्धारी**—कमनैत, कमानिया, तीरअंदाज़, धनक, धनुर्धर, धनुष्क, धनुष्मान, धन्वी, निषंगी, बानइत, बानैत, लघुहस्त, शरमल्ल, सरबंधी।

२७२. **सेनापतित्व**—सेनापत्य, सैनापत्य।

२७३. **वीर**—अनंतवीर्य्य, गंभीर, तरस्वी, बहादुर, रावत, विक्रांत, वीरकेशरी, शूर, शूरवीर, शूरमा, शूरा, सामंत, सिकोही, सूरमा।

२७४. **कायर**—कातर, कदराह, कादर, गादर, गादड़, गोरी, गीदड़, चकित, डरपोक, बुजदिल, पस्तहिम्मत, भगोड़ा, भगौहाँ, भग्गू, भीरु, भीरू, राढ़, लिदार।

२७५. **वीरता**—बहादुरी, वीरताई, शूरता, शूरताई, सूरमापन।

२७६. **कायरता**—कदराई, कातरता, कादरता, गीदड़पना, बुजदिली, भीरुता।

२७७. **पराक्रम**—दम, बल, वीर्य, सामर्थ्य, हिम्मत। दे० 'वीरता।

२७८. **पराक्रमी**—प्राक्रमी, सामर्थी, सामर्थ्यवान, हिम्मती। दे० 'वीर'।

२७९. **घायल**—आहत, चुटैल, चोटिल जखमी, जख़्मी, ताड़ित, प्रताड़ित, प्रहारित, व्रणित, हताहत।

२८०. **प्रहार**—आक्रमण, आघात, चोट, टक्कर, ठोकर, ताड़न, ताड़ना, थपेड़ा, थप्पड़, धक्का पिटाई, मार, वार।

२८१. **प्रहारना**—आघात करना, चोट करना, ठोकना, ताड़ना, पिटाई करना, पीटना, मारना।

२८२. **तोहफ़ा**—उपहार, राहुर, सौग़ात।

२८३. **भेंट**—अकोट, अँकोर, नज़र, नज़-राना, पहुरा, पाहुर, बयना, बायन, भेंट।

२८४. **पुरस्कार**—इकराम, ईनाम, इनाम-इकराम, उपहार, पारितोषिक, बख़्शीश बख़्शिश।

२८५. **रोज़गार**—कामधंधा, कामधाम, कार-बार, तेजारत, तिज़ारत, दुकान, धंधा, निगम, पण्य, पराय, पाण्य, बनिज, बाणिज्य, बिज़नेस, बैपार, व्यवसाय, व्यवहार, व्यापार, व्योपार, व्यौपार।

२८६. **रोज़गारी**—कारबारी, ताजिर, पण्यी, परायपति, वणिक, बैपारी, व्यवसायी, व्यवहारी, व्यापारी, व्यौपारी, साहूकार, सेठ, सौदागर।

२८७. **श्रम**—अध्यवसाय, आयास, उद्यम, उद्योग, क्लेश, परिश्रम, प्रयत्न, प्रयास, मशक्कत, मशक्कत, मेहनत, रगड़, श्रांति।

२८८. **श्रमी**—अध्यवसायी, उत्साही, उद्यमी, उद्योगी, कर्मठ, कर्मशूर, परिश्रमी, मश-क्कती।

२८९. **उद्योगसंबंधी**—औद्योगिक, व्यावसा-यिक, व्यापारिक।

२९०. **बेचना**—फरोख्त करना, बै करना, बिक्री करना, मोल देना, विक्रय करना।

२९१. **खरीदना**—कीनना, क्रय करना, क्रीत करना, बिसहना, बेसाहना, बै कारना, मोल लेना।

२९२. **बिक्री**—फरोख्त, विक्रय, विक्रयण।

२९३. **क्रय-विक्रय**—खरीदफरोख्त, हट-बाई।

२९४. **बिकाऊ**—क्रय्य, पण्य, पराय, माल, बिकाऊ, विक्कू, सौदा।

२९५. **खरीदा हुआ**—क्रीत, क्रीतक।

२९६. **घटिया**—घटिहा, मामूली, सस्ता, सादा, हलका।

२९७. **उमदा**—अच्छा, ऊँचा, टिकाऊ, बढ़िया, बेशकीमत।

२९८. **सस्ती**—अमहार्घता, सस्ताई, सस्ता-पन।

२९९. **महँगी**—गिरानी, गेरानी, महँगाई, महँगापन, महर्घता।

३००. **विनिमय**—अदला-बदला, तबदीली, तबादला, परिवर्त, परिवर्तन, बदला, लेन-देन।

३०१. **हानि**—कमी, खिसारा, घट्टा, घटी, घाटा, चपत, टोटा, धक्का, नुकसान, हान।

३०२. **लाभ**—आमद, आमदनी, नफ़ा, परायफल, मुनाफा।

३०३. **पेशा**—उद्यम, काम, कार्य, धंधा, व्यवसाय।

३०४. **लहना**—पावना, लेहन, लेन।

३०५. **अमानत**—ख़ुत्थी, खुथी, थाती, धरोहर।

३०६. **उपभोग**—इस्तेमाल, उपयोग, व्यव-हार, प्रयोग, प्रयोजन।

३०७. **उपभोग करना**—आनंद लेना, इस्तेमाल करना, उड़ाना, काम में लाना, खाना, पाना, प्रयोग करना, बिलसना, भोगना, हक्के लगाना।

३०८. फेरना—बहोरना, लौटाना, वापस करना, वापिस करना।

३०९. खेती—अनृतकर्म, काश्त, काश्तकारी, किसानी, कृषि, कृषिकर्म, खेतीबाड़ी, खेती-बारी, गृहस्ती, गृहस्थी।

३१० कियारी—किआरं, कियारा, केदार, क्यारी।

३११. जोतना—कोन करना, चास करना, चासना, सोमग करना, हर चलाना, हल चलाना।

३१२ हेंगा—हेंगी, पटेला।

३१३. हेंगाना—पटेला देना, हेंगा देना, हेंगियाना, सम करना।

३१४. बोना—छीटना, बावग करना, बीज डालना, बीया डालना, वपन करना, वीर्य डालना।

३१५. जमाना—अंकुरित करना, उगाना, उदय करना, उत्पन्न करना, जन्माना, बोना, वपन करना।

३१६. अँखुआना—अँकुरना, अंकुर फेंकना, अंकुर फोड़ना, अँकुराना, अंकुरित होना, अँखुआ फूटना, उगना, उत्पन्न होना, उमड़ना, उभरना, उपजना, ऊपर आना, जन्मना, जमना, निकलना, परगट होना, प्रकट होना, बढ़ना, बाहर आना।

३१७. रोपना—पेड़ लगाना, बोना, रोपनी करना, लगाना, वपन करना।

३१८. आबपाशी करना—ओड़िचा चलाना, छिड़कना, ढेंकुल चलाना, दोन चलाना, टौरी चलाना, पानी देना, पुर चलाना, भरन करना, भरना, भराव करना, सिंचिया करना, सींचना, सींचाई करना।

३१९. लहलहाना (वनस्पति)—उमगना, कचूर होना, खिलना, पनपना, पल्लव फूटना, पल्लवित होना, प्रफुल्लित होना, फूलना, लहराना, विकसना, हराभरा होना, हरा होना।

३२०. खलिहान—खरिहान, खल, खँलियान।

३२१. चहलना—कचलना, काँड़ना, कुचलना, कूँचना, कूटना, गींजना, माँड़ना, लतियाना।

३२२. कारीगर—कलाकार, दस्तकार, मिस्त्री, शिल्पकार, शिल्पी।

३२३. कारीगरी—दस्तकारी, निर्माणकला, शिल्प, शिल्पकला, शिल्पविद्या, सिलप, सिलिप, हस्तकला, हस्तकौशल।

३२४ जड़ना—जटित करना, जड़ाई करना, पच्ची करना, पच्चीकारी करना, बैठाना, लगाना।

३२५. जड़ित—जटित, जड़ाऊ, जड़ुआ।

३२६. जादू—इंद्रजाल, खेल, तमाशा, तिलस्म।

३२७ जादूगर—इंद्रजाली, ऐंद्र जालिक, मायावी, मायिक।

३२८. जादूगरी—इन्द्रजाल, तिलस्म, माया, मायाकर्म।

३२९. कुश्ती—नियुद्ध, बजनी, बाहुयुद्ध, मल्लयुद्ध, मल्ल-क्रीड़ा, लड़ाई।

३३०. ललाई लिये हुये—ललौहाँ।

३३१. ललाई लिये काला रंग—आकिलखानी, कपोती, कृष्ण लोहित, धुमिला, धूगल, धूमरा, धूमला, धूमिल, धूम्र।

३३२ भूरापन लिये लाल—पिंगल, पिंजर।

३३३. कुसुम रंग का—कुसुंभा, कुसुंभी, कुसुम ।

३३४. खाकी रंग—कजई, करजुवा, कापिल, खाकी, धुलिया, पंडु, पंडुर, भूरा, मटमैला, मटियाला, मटियालो, मटिला, मटीला, मुलतानी ।

३३५. लाह का बना हुआ रंग—अलक्त, अलक्तक, अलता, जावक ।

३३६. सुनहला—अगरई, अमरसी, सुनहरा, सुनहली, सोनवाल, सोनहरा ।

३३७. मैला—झाँकवर, झाँवर, मटमैला, समल । दे० 'काला' 'मैला' ।

३३८. गेहूँ के रंग का—गदुमी, गेहुँआँ ।

३३९. लाख के रंग का—गुरो, लक्खी, लाखो ।

३४०. धुयें के रंग का—धुँमिला, धूमिल, धूम्र, धूम्रवर्ण ।

३४१. खैर के रंग का—कत्थई, खैरा, मलगिरी ।

३४२. बेरंग—निरंग, बदरंग, बिरंग, बेरंगा, फक, मलिन, विरस, विवर्ण ।

३४३. पँच रंगों का—पँचरँग, पँचरँगा, पचरंगा ।

३४४. गहरा रंग—शोख ।

३४५. उलाहना—उपालंभ, उपालंभ, ओलंबा, ओलंभा, ओरहन, ओरहना, ओलहना, ओलाहना, गिला, शिकवा, शिकवा-शिकायत, शिकायत ।

३४६. उलाहना देना—उपालंभ देना, उपालभ देना, उपालभना, ओलहना, शिकवा-शिकायत करना, शिकायत करना ।

३४७. पछताना—अफसोसना, अनुताप करना, अफसोस करना, अनुतापना, चिंतातुर होना, चिंतित होना, झंखना, झखना, झींखना, पछतावा करना, पछतावना, पश्चाताप करना, हाथ मलना ।

३४८. पछतावा—अंबरीष, अनुताप, अफसोस, अफसोस, खेद, चिंता, पछतानि, पछताव, पश्चाताप, पश्चानुताप, रंज, सोच, हसरत, हैफ़ ।

३४९. प्राप्त—अधिकृत, उपलब्ध, मिला, लब्ध, हस्तगत, हासिल ।

३५०. पाना—अधिकृत करना, उपलब्ध करना, प्रापण करना, प्राप्त करना, प्राप्ति करना, लभना, लहना, हस्तगत करना, हासिल करना ।

३५१. धड़कना—उछलना, कंपित होना, कँपना, डरना, थरथराना, थर्राना, दहलना, धकधक करना, धड़धड़ करना, धड़धड़ाना, धरकना, धुकधुकाना, फड़कना, हिलना, स्पंदन करना, स्पंदित होना ।

३५२. पठाना—पठावना, पहुँचाना, प्रस्थापित करना, भेजना ।

३५३. मँगाना—मँगवाना ।

३५४. माँगना—जाँचना, याचना, याचना करना ।

३५५. पठाया—भेजा, प्रेषित, पहुँचाया ।

३५६. माँगा—जाचा, मँगाया, याचित ।

३५७. निबाहना—चलाना, निर्वाह करना, निर्वाहना, निर्वाह करना, पार-घाट लगाना, पार लगाना, पूरा करना, समाप्त करना, सिद्ध करना ।

३५८. निबाह—चलाव, निरबाह, निर्वाह, पार, पारघाट, पालन।

३५९. मथना—बिलोड़ना, बिलोना, रिड़कना, मंथन करना, महना।

३५९ अ. मंथन—बिलोड़न, मथना, मथाई।

३६०. झाड़ना—ओझाइती करना, भूत उतारना, झाड़ना-फूँकना, झाड़-फूँक करना, झारना, टोना-टोटका करना, फूँक डालना, मंत्र फूँकना, सोखइती करना, सोखैती करना।

३६१. डंक—आँड़, दंश।

३६२. डंक मारना—आँड़ मारना, आर धँसाना, डंक मारना, डसना, डाँस मारना, दंश मारना, दँसना।

३६३. गुदगुदाना—गुदराना, गुदुराना, गुलगुलाना।

३६४. गुदगुदी—गुदगुदाहट, गुदुराहट, गुलगुलाहट।

३६५. सड़ना—उकसना, गधाना, गलना, बजबजाना, बसियाना, भजभजाना, सड़न होना, सरना।

३६६ बदबू करना—गंध देना, गधाना, दुर्गंध करना, बदबोय करना, बसाना, बस्साना, मँहकना। दे० 'सड़ना'।

३६७. गंध लेना—आघ्राण करना, घ्राण लेना, बास लेना, बू लेना, महक लेना, सूँघना।

३६८. फूलना (फूल)—कुसुमित होना, खिलना, खुलना, पुष्पित होना, प्रस्फुटित होना, मुस्कराना, विकसित होना, हँसना।

३६९. सुगंधित करना—गंधयुक्त करना, गधाना, गंधित करना, गमकाना, बासना, महकाना, सुगंधियुक्त करना, सुवासित करना।

३७०. उपाय—अभियुक्ति, करीना, गौं, जुक्ति, चाल, जुगत, जुगुत, जोगाड़, ढंग, ढब, तदबीर, तरकीब, तरह, तरीक़ा, तर्ज़, तारघात, तौर, प्रकार, पद्धति, प्रणाली, फ़िक्र, यत्न, युक्ति, युगति, योग, रीति, विधान, शैली, साधन, सुबिस्ता, सुबीता, सुभीता।

३७१. अभिप्राय—अभिलाषा, आकांक्षा, आशय, इच्छा, उद्देश्य, कांक्षा, कामना, कारण, तातपर्य, तात्पर्य्य, ध्येय, नीयत, मंशा, मंसा, मतलब, वजह, सम्मति, स्पृहा, हेतु।

३७२. ज़रीया—ज़रिया, वसीला, साधन, हीला।

३७३. हीला हवाला—धँधला, बहाना, बहानाबाज़ी, बहानेबाज़ी, बहेरो, मिस, हीला।

३७४. ऐब—कलंक, चिन्ह, चिह्न, दाग, दोष, धब्बा, लाञ्छन।

३७५. निशान पड़ना—उपट आना, उपटना, उभर आना, चिन्ह पड़ना, चिह्न पड़ना, दाग पड़ना, दगिआना, धब्बा पड़ना।

३७६. करक—कड़क, चिलक, चिल्हक, टपक, टभक, टभकन, टीस। दे० 'दर्द'।

३७७. करकना—कड़कना, कसकना, खटकना, गड़ना, चिलकना, चिल्हकना, चुभना, टीस मारना, टपकना, टभकना, डभकना, दर्द करना, दुखना, पीड़ा देना, फटना, फाटना, शूल उठना।

३७८. चाँप चढ़ाना—चपाना, चाँपना, जोर डालना, थोपना, दबाव डालना, दाबना, विवश करना ।

३७९. अँगड़ाना—अँगड़ाई लेना, अँगराना, अँगिराना, ऐंड़ाना, बदन तोड़ना ।

३८०. पंखा डुलाना—पखा करना, पंखा खींचना, पंखा चलाना, पखा झलना, झलना, पखा हिलाना, पखा हाँकना, विजन करना, विजन डुलाना, हवा करना ।

नोट—सभी 'पंखा' के स्थानों पर 'पंखी' रखकर भी पर्याय बना सकते हैं। इसी प्रकार 'हवा' के स्थान पर 'वायु' आदि रखकर भी। दे० 'पंखा'

३८१. कतराना (रास्ता)—अँदाना, काटना, बचाना ।

३८२. अँवासना—अनवासना, जुठारना ।

३८३. उपनाम—उर्फ, छद्म, तख़ल्लुस ।

३८४. पता—ठिकाना, ठेकान, निशान, पता-ठेकाना ।

३८५ अफ़वाह—उड़ती खबर, किंवदन्ती, गप, जनप्रसिद्धि, जनरव, जनश्रुति, झूठी ख़बर, वार्ता ।

३८६. रहस्य—अंत, भेद, मन की बात, बात, मर्म, मर्मवाक्य, राज़ ।

३८७. औक़ात—बिसात, वित्त, शक्ति, समर्थ, समाई, हैसियत ।

३८८. घुमाव—ऐंठन, उमेठन, बल, मरोड़, मुर्री, लपेट ।

३८९. फल—अंत, नतीजा, परिणाम, फर ।

३९०. चालना—कपड़छान करना, चलनी करना, छान करना, छानना, झाड़ना, झारना ।

३९१. सहेजना—देख भाल कर लेना, सँइतना, सँभालना, सँभाल करा देना, समझ बूझ लेना, सुपुर्द करना, सौंपना, सौंजना ।

३९२. धुन होना—धुन लगना, धुन चढ़ना, रट लगना, सनक सवार होना, सनक होना, डुब होना ।

३९३. समता—उपमा, जोड़, तशबीह, तारतम्य, पटतर, मिलान, मुक़ाबिला, मुशाबहत, सदृशता, सादृश्य ।

३९४. विषमता—असमता, वैर, विरोध ।

३९५. मिलाना—तुलना करना, बराबरी करना, पटतरना, मुकाबिला करना, समता करना ।

३९६. खिंचाव—आकर्षण, खिंचाई, खींच, तनाव ।

३९७. खींचना—आकर्षना, कर्षना, खसोटना, ऐंचना, घसीटना, तानना ।

३९८. खिंचाना -कर्षवाना, खिंचवाना, तनवाना, तनाना ।

३९९. भरभराना—रोमांच होना, रोमांचित होना, रोआँ खड़ा होना ।

३९९ अ. रोमांच—पुलक ।

४००. उथल-पुथल—अदल-बदल, अव्यवस्था, इधर का उधर, उलट फेर, उलटा-पलटी, गड़बड़ी, फेरफार, व्यतिक्रम, विपर्य्यय, हेरफेर ।

४०१. उथल पुथल करना–अड़बंड करना, अस्तव्यस्त करना, उथलना, उलटना, उलटना-पुलटना, उलट-पुलट करना, उलट-फेर

करना, औंधाना, गड़बड़ करना, नीचे ऊपर करना, पलटना, लौट-पौट करना, हेर-फेर करना।

४०२. उलटना—औंधना, उलट जाना, उलटा होना, नीचे ऊपर होना, पलटना, बिलटना।

४०३. रिश्ता—नताई, नाता, नातेदारी, रिश्तेदारी, संबंध, हितई, हिताई, सपर्क।

४०४. व्यक्ति—आदमी, जन, मनई, मनुष्य, व्यक्ति, व्यष्टि, शख्स। दे० 'मनुष्य'।

४०५. अपना—अपान, आपन, आत्म, आत्मिक, ज़ाती, नज़दीकी, निज का, निजी, स्व, स्वकीय, स्वयं का, स्वीय, व्यक्तिगत।

४०६. गैर—अन्य, अलग, ऐरा गैरा, ऐरागैरू, जुदा, दूसर, दूसरा, न्यारा, पराया, पराए, परावा, बिराना, बेगाना, भिन्न।

४०७. अपनापन—अपनत्व, अपनाव, आत्मता, आत्मपन, आत्मिकता, स्वकीयता, आत्मीयता।

४०८. अपरत्व—ग़ैरियत, परायापन, बेगानगी, बेगानापन, भिन्नता।

४०९. अपनाना—अंगीकार करना, अँगेजना, अपना करना, अपनाना, आश्रय देना, ग्रहण करना, लेना, स्वीकार करना।

४१०. त्यागना—दे० 'ठुकराना 'छोड़ना' 'त्यागना'।

४११. स्पर्श—छुवाव, परस, लगाव, सटाव।

४१२ छूना—परस करना, परसना, लगना, सटना, स्पर्श करना, हाथ रखना, हाथ लगाना।

४१३. स्पर्शजन्य—छुतहा, संक्रामक।

४१४. उतरना—अवतरण करना, अवतरना, अवतीर्ण होना, आरपार जाना, पार करना, पार जाना, हलना, हेलना।

४१५. डूबना—गचक्का खाना, गचकी खाना, गोता खाना, बूड़ना, समा जाना।

४१६. डुबाना—गोतना, गोता देना, बुड़ाना, भितराना।

४१७. डुबकी—गचक्का, गोता, डुब्बी, बुड़की, बुड़की।

४१८. उतराना—ऊपर आना, तैरना, पैरना, पौड़ना, पौरना।

४१९. बहाना—बहा देना, प्रवाहित करना, फेंकना, भसाना, सिराना, सेरवाना।

४२०. तैरना—उतराना, तरना, तरित होना, तिरना, पँवरना, पैरना, पौड़ना, पौरना।

विलोम—दे० 'डूबना'।

४२१. तैराक—तैरहिया, पौरहिया, पौराक।

४२२. डूबने वाला—गोताख़ोर, डुब्बा, पनडुब्बा, बुड़ुवा।

४२३. शपथ—अहद, आन, क़सम, किरिया, प्रतिज्ञा, सौगंद, सौगंध, हलफ़।

४२४. शपथ खाना—कसम लेना, हलफ़ उठाना। कसम, किरिया, सौगंद, सौगंध, आदि, में 'खाना' जोड़कर और भी शब्द, बनाए जा सकते हैं।

४२५. निश्चय—करार, इकरार, निर्णय, निर्धार, निर्धारण, निश्चै, निहचै। दे० 'संकल्प'।

४२६. निश्चय करना—ठीक करना, तै करना, नियत करना, निर्धारना, निर्धा-

रित करना, निश्चित करना, सुनिश्चित करना ।

४२७. संकल्प—अहदिय, इकरार, इरादा, क़ौल, दृढ़, दृढ़निश्चय, प्रण, प्रतिज्ञा, वादा, विचार, संकल्प ।

४२८. संकल्प करना—क़ौल करना, प्रण करना, प्रतिज्ञा करना, बचन देना, बचनबद्ध होना, ठनना, हाथ उठाकर कहना ।

४२९. अवशिष्ट—अवशेष, उबरा, बचत, बचा, बाक़ी, शेष ।

४३०. निछावर—उतारा, उत्सर्ग, निछावर, न्यौछावर, बलि, वारन, वारना, वारफेर ।

४३१. अँटना—अँट जाना, अटना, अमाना, आना, अट जाना, भरना, समाना ।

४३२. न अटना—अधिक होना, अधिकाना, उबरना ।

४३३. अस्त—अस्थमित, डूबा, समाप्त ।

४३४. अस्त होना (ग्रह आदि)—अथना, अथवना, अथाना, अस्तमना, खतम होना, डूबना, समाप्त होना ।

४३५. क्रम—तरतीब, तारतम्य, शृंखला, सिलसला ।

४३६ क्रमानुसार—करीने से, क्रमयुक्त, क्रमशः, क्रम से, क्रमानुकूल, क्रमिक, तरतीब से, तरतीबवार, शृंखलाबद्ध, सिलसिलेवार ।

४३७. बेक्रम—अंड-बंड, अस्त-व्यस्त, उलटा-पलटा, उलटा-पुलटा, गड़बड़, बेढंग, बेतरतीब, विपर्य्यस्त ।

४३८. विस्मय—अचंभव, अचंभा, अचंभो, अचरज, आश्चर्य, करामात, गजब, चमत्कार, चमत्कृति, ताज्जुब, तिलस्म, हैरत ।

४३९. विस्मयकारी—आश्चर्यजनक, करामाती, गज़ब का, चमत्कारिक, चमत्कारी, चामत्कारिक, तिलस्मी, हैरतअंगेज़ ।

४४०. विस्मित—अचंभित, आश्चर्यचकित, आश्चर्यान्वित, आश्चर्यित, चकित, चकृत, चमत्कृत, दंग, हक्काबक्का ।

४४१. चकराना—अकबकाना, अवाक् होना, आश्चर्यचकित होना, आश्चर्य से इधर उधर ताकना, काठ मार जाना, काठ हो जाना, घबड़ाना, चकना, चकपकाना, चित्रवत होना, चकना, जड़ हो जाना, दंग रह जाना, पत्थर हो जाना, पैर तले की ज़मीन सरकना, भौचक्का होना, स्तंभित होना, हकबकाना, हवास गुम होना, होश उड़ना, होश ठिकाने होना । दे० 'सन्न हो जाना' ।

४४२. ब्रह्मचर्य—प्रथमाश्रम, लंगोटबंदी, स्खलनशून्यता ।

४४३. अपरिग्रह—धन त्याग ।

४४४. परिग्रह—धनसंग्रह ।

४४५. अहिंसा—परपीड़नहीनता ।

४४६. हिंसा—परपीड़न ।

४४७. अहिंसक—अहिंस्र ।

४४८. हिंसक—परपीड़क, हिंस्र ।

अनुक्रमणी

[शब्दों के आगे लिखे अक्षर और अंक पीछे दिए गए पर्यायों के शीर्षांक हैं।]

अ

ई

उमदा ब ४१८, ब ४६३, झ २६७

ऋ

ए

ऐ

ओ

औ

क

ग

च

ज

झ

ठ

ड

ढ

त

द

ध

न

प

भ

म

य

ल

श

ह

परिशिष्ट क

[पुस्तक के मूल भाग में छूटे हुए कुछ आवश्यक शब्दों के पर्याय और विलोम यहाँ दिये गए हैं ।]

ज़िंदा—जानदार, जीवित, प्राणयुक्त, प्राणवान, सजीव, सप्राण ।

वि०—मृत ।

तगड़ा—तंदुरुस्त, पट्ठा, पहलवान, पीन, पुष्ट, मोटा मोटा, भौंटा, स्वस्थ, हट्टा-कट्टा हृष्टपुष्ट ।

दे०—'बलवान' ।

वि०—'कमज़ोर', 'अस्वस्थ' ।

तुलना—उपमा, तारतम्य, पटतर, बराबरी, मिलान, मुकाबिला, मुक़ाबेहत, सदृशता, समता, समानता, सादृश्य ।

तृण—खर, घास, तिनका, बनस्पति, दूब, हेरो ।

तोंद—उदर, छोद, ढेढ़, तोन, पेट।

द्यूत—जुआ, फलश, बाजी, सट्टा ।

बदबू—दुर्गंध ।

बिगाड़ना—खराब करना, नष्ट करना, बरबाद करना, विकृत करना ।

वि०—बनाना ।

भीख—भिक्षा, चिट्ठकी, चुटकी, याचना ।

भ्रम—भ्रांति, धोखा, भरम ।

मितव्ययी—कंजूस, कमखर्च, किफ़ायतशार, कृपण, उस, मक्खीचूस, मितव्यय ।

म्यान—असिगृह, खड्गाच्छद, मियान ।

वंदनीय—आदरणीय, ईज्य, परमेज्य, पूज्य, प्रार्थनीय, मान्य, वद्य, श्रद्धेय, सम्मान्य ।

वि०—तुच्छ, घृणित ।

विकलता—अकुलाहट, आकुलता, चिंता, घबड़ाहट, बेकली, बेचैनी, व्याकुलता ।

विहार—आनंद, आमोद, केलि, क्रीड़ा, खेल, प्रमोद, मज़ा, मौज ।

श्राद्ध—काम, कामक्रिया, तेरही, दसवाँ, बरखी, बर्षी, सराध ।

संकेत—इंगित, इशारा, इसारा ।

संदेश—सँदेसा, ख़बर, सनेस, सनेसा, समाचार, हाल ।

संयम—आचार, निग्रह, नियन्त्रण, नियम, प्रतिबंध, विचार ।

सफल—कामयाब, कृतकार्य, सफलीभूत ।

वि०—असफल ।

परिशिष्ट ख

[अनुक्रमणी में छूटे आवश्यक शब्द यहाँ अक्षर-क्रम से दिये गए हैं ।]

—०:०:०—